अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवादित। - www.onlinedoctranslator.com

Hydrogen Medicine

Combining Oxygen, Hydrogen, and CO2



DR. MARK SIRCUS

Hydrogen Medicine

हाइड्रोजन दवा

ऑक्सीजन, हाइड्रोजन और $CO2$ का संयोजन

डॉ। निशान सिरकस

iUniverse®

हाइड्रोजन चिकित्सा

ऑक्सीजन, हाइड्रोजन और CO2 का संयोजन

कॉपीराइट © 2021 डॉ. मार्क सिरकस।

सभी अधिकार सुरक्षित हैं। इस पुस्तक के किसी भी भाग का उपयोग या पुनरुत्पादन किसी भी माध्यम से, ग्राफिक, इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक, जिसमें फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, टेपिंग या किसी भी सूचना भंडारण पुनर्प्राप्ति प्रणाली शामिल है, लेखक की लिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है, सिवाय आलोचनात्मक लेखों और समीक्षाओं में शामिल संक्षिप्त उद्धरणों के मामले में।

इस पुस्तक में दी गई जानकारी, विचार और सुझाव पेशेवर चिकित्सा सलाह के विकल्प के रूप में नहीं हैं। इसमें दिए गए किसी भी सुझाव का पालन करने से पहले

इस पुस्तक को पढ़ने के बाद, आपको अपने निजी चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए। इस पुस्तक में दी गई किसी भी जानकारी या सुझाव के आपके उपयोग या अनुप्रयोग के परिणामस्वरूप होने वाले किसी भी नुकसान या क्षति के लिए न तो लेखक और न ही प्रकाशक उत्तरदायी या जिम्मेदार होंगे।

आईयूनिवर्स
1663 लिबर्टी ड्राइव
ब्लूमिंगटन, IN
47403www.iuniverse.co
m844-349-9409

इंटरनेट की गतिशील प्रकृति के कारण, इस पुस्तक में शामिल कोई भी वेब पता या लिंक प्रकाशन के बाद से बदल गया हो सकता है और अब मान्य नहीं हो सकता है। इस कार्य में व्यक्त किए गए विचार केवल लेखक के हैं और जरूरी नहीं कि वे प्रकाशक के विचारों को प्रतिबिंबित करते हों, और प्रकाशक इसके लिए किसी भी जिम्मेदारी से इनकार करता है।

गेट्टी इमेजेस द्वारा उपलब्ध कराए गए स्टॉक इमेजरी में दर्शाए गए लोग मॉडल हैं, और ऐसी छवियों का उपयोग केवल उदाहरण के लिए किया जा रहा है।
कुछ स्टॉक इमेजरी © Getty Images.

आईएसबीएन: 978-1-6632-2350-0 (एससी)
आईएसबीएन: 978-1-6632-2352-4 (एचसी)
आईएसबीएन: 978-1-6632-2351-7 (ई)

लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कंट्रोल नंबर: 2021911068

आईयूनिवर्स रेव. दिनांक: 06/15/2021

अंतर्वस्तु

प्रस्तावना.....तेरहवें

हाइड्रोजन ने मुझे बिस्तर से बाहर निकाला गवाही xv

हाइड्रोजन ब्रह्मांड की रीढ़ है .....सोलह

हाइड्रोजन चिकित्सा क्रांतिकारी है 1

जब हमें ज़रूरत हो तो उपचार शक्ति 2

आणविक हाइड्रोजन इसके लिए आदर्श चिकित्सा उपचार है ऑक्सीडेटिव तनाव.....2

हाइड्रोजन चिकित्सा का परिचय 5

बचाव के लिए हाइड्रोजन 5

हाइड्रोजन हमें नुकसान से बचाता है 7

बढ़ती विकिरण की दुनिया में 7

जीवन की आग.....8

हर आहार के लिए हाइड्रोजन 9

गैस थेरेपी में नई प्रगति.....12

चिकित्सा गैसें.....13

हाइड्रोजन कैंसर के लिए गंभीर दवा है 15

हाइड्रोजन कैंसर के इलाज की एक नई विधि है 16

निष्कर्ष.....17

हाइड्रोजन और कैंसर पर अधिक विज्ञान 18

रेडियोथेरेपी प्राप्त करने वाले कैंसर रोगियों के लिए हाइड्रोजन
और कीमो.....19

हाइड्रोजन साँस द्वारा मस्तिष्क कैंसर का उपचार.....19

हाइड्रोजन, बाइकार्बोनेट से फेफड़ों के कैंसर का इलाज,
ग्लूटाथियोन और आयोडीन 22
नेबुलाइजेशन - फेफड़ों में ट्रांसडर्मल उपचार 26
ग्लूटेथिओन 27
मैग्नीशियम और ग्लूटाथियोन 28
बिकारबोनिट 29
आयोडीन का नेबुलाइज़ करना बिल्कुल सही है 31
सामान्य निर्देश 32
हाइड्रोजन, जीवन का ईंधन 34
हाइड्रोजन सृष्टि का मूल है 35
भविष्य की ऊर्जा 37
आणविक हाइड्रोजन का चमत्कार 39
उपचार शक्ति 41
हाइड्रोजन, सूजन और दर्द 43
हाइड्रोजन और तनाव 44
मैग्नीशियम और कोशिका तनाव 45
हाइड्रोजन एक औषधि है 47
पैथोलॉजी और ऑक्सीडेटिव तनाव की गहराई में खोज 50
हाइड्रोजन और स्ट्रोक 51
हाइड्रोजन फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप से बचाता है 51
उच्च रक्तचाप 52
कैनाबिनोइड्स उच्च रक्तचाप को कम करते हैं 53
हाइड्रोजन चिकित्सा में नया क्या है 53
नींद संबंधी विकारों का उपचार 54
कीमोथेरेपी से सुनने की क्षमता में कमी का उपचार 54
इन्फ्लूएंजा का उपचार 55
निष्कर्ष 55
इस पुस्तक का चिकित्सीय संदर्भ 56
अभिनव गहन देखभाल क्या है? 58
स्पष्ट चिकित्सा सोच 59

जीवन का तहखाना 60
कैंसर 60
चिकित्सा के विषय में सच्चाई क्या है? 61
हिंसक चिकित्सा 61

सर्जरी और गहन देखभाल के लिए हाइड्रोजन 63
हाइड्रोजन विज्ञान 65
मैग्नीशियम के साथ सुरक्षित सर्जरी 65
निष्कर्ष 66

हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से जीवन बचाना 67

सेप्सिस रोगियों की जान बचाना 69
विटामिन सी, कैंसर और ऑक्सीडेटिव तनाव 71
आणविक हाइड्रोजन 71

हाइड्रोजन कोरोनावायरस थेरेपी 73
यदि आप सांस नहीं ले पा रहे हैं तो हाइड्रोजन आपकी मदद करेगा 74
ब्राउन गैस हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का मिश्रण है 76
नाइट्रिक ऑक्साइड 77
हाइड्रोजन प्रशासन का लचीलापन 77
निष्कर्ष 78

गहन चिकित्सा में क्रांति 79
चरण चार और पांच के कैंसर के लिए गहन देखभाल 80
आपातकालीन और गहन देखभाल के लिए उपयोग हेतु निर्देश 81

हाइड्रोजन साँस लेने वाले उपकरण 83
सुरक्षा 92

हाइड्रोजन का इतिहास 93
निष्कर्ष 94

सूजन, मुक्त कण क्षति, ऑक्सीडेटिव तनाव, और हाइड्रोजन 95
हैवी मेटल्स 96

हाइड्रोजन परम बुढ़ापा-रोधी औषधि है 99

लंबे समय तक जीना आपके बारे में है 103
एंटी-एजिंग हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गवाही 105
हाइड्रोजन, बाइकार्बोनेट, मैग्नीशियम और एटीपी 106
हाइड्रोजन सल्फाइड और माइटोकॉन्ड्रियल कार्य 108
मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट - चिकित्सा में सफलता 109
बिकारबोनिट 111
H2O2 – हाइड्रोजन पेरोक्साइड 113

कैंसर, सूजन और हाइड्रोजन 117
कैंसर की शुरुआत सूजन से होती है 119
मनोरोग विकारों के लिए हाइड्रोजन 123
बच्चों को मनोरोग संबंधी दवाएँ दी गईं 124
मस्तिष्क के लिए हाइड्रोजन 124
निष्कर्ष 126
हाइड्रोजन से कम भोजन और कम मधुमेह 127
मधुमेह 129
मधुमेह रोगियों के लिए मैग्नीशियम आवश्यक है 132
मधुमेह और सोडियम बाइकार्बोनेट 133
त्वचा के लिए गंभीर दवा 135
सनबर्न और हाइड्रोजन: 135
खूबसूरत युवा त्वचा के लिए हाइड्रोजन 136
पानी एक हाइड्रोजन समृद्ध पदार्थ है 137
हाइड्रोजन और मैग्नीशियम से स्ट्रोक की रोकथाम और उपचार 138
स्ट्रोक के रोगियों के लिए हाइड्रोजन गैस आवश्यक है 139
स्ट्रोक की रोकथाम और उपचार के लिए मैग्नीशियम 140
मैग्नीशियम और स्ट्रोक 141
मधुमेह, मैग्नीशियम, बाइकार्बोनेट और हाइड्रोजन 145
बाइकार्बोनेट और मधुमेह 147
हाइड्रोजन मधुमेह रोगियों के लिए अच्छी दवा है 149
दालचीनी 149

मधुमेह के लिए कौन सा आहार सर्वोत्तम है? 150

पार्किंसंस रोग के लिए शक्तिशाली उपचार 151

हाइड्रोजन और मैग्नीशियम 151

पार्किंसंस और मैग्नीशियम 153

मैग्नीशियम, भारी धातुएं और डोपामाइन 154

मैग्नीशियम प्रशंसापत्र 155

कैनबिस और पार्किंसंस रोग 156

आयोडीन 156

हाइड्रोजन खुराक 158

खुराक पर सामान्य जानकारी 159

महत्वपूर्ण खुराक 160

ग़लत खुराकें ग़लत चिकित्सा अवधारणाएँ 162

हॉरमिसिस 163

प्राकृतिक चिकित्सा के लिए खुराक की गणना 164

निष्कर्ष 164

हाइड्रोजन जल 165

घुली हुई हाइड्रोजन पीना 166

औषधि के रूप में जल 167

सभी गंभीर रूप से बीमार कोविड रोगियों को हाइड्रोजन ऑक्सीजन की आवश्यकता है 170

फेफड़ों की चिकित्सा में सर्वोत्तम 171

फ्लू के लिए हाइड्रोजन दवा 172

फ्लू वैक्सीन और टैमीफ्लू की आवश्यकता को समाप्त करना 174

साइटोकाइन तूफान से मृत्यु 174

बचाव के लिए हाइड्रोजन 174

फ्लू के लिए संयोजन चिकित्सा 175

फ्लू के लिए प्राकृतिक एलोपैथिक आपातकालीन चिकित्सा 176

इन्फ्रारेड थेरेपी - फ्लू के लिए बहुत अच्छी 177

सोडियम बाइकार्बोनेट (बेकिंग सोडा) 178

विटामिन डी फ्लू से बचाएगा 178

आयोडीन 179

सेलेनियम 179
मैग्नीशियम क्लोराइड 180
नर्सों मेंविटामिन सी 180
कैनाबिनोइड दवा 181
प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाना 182
हाइड्रोजन और प्रतिरक्षा प्रणाली 183
शरीर का मुख्य तापमान बढ़ाना 184
ऑटिज़्म के लिए हाइड्रोजन और बाइकार्बोनेट एलईडी उपचार 186
सभी कारण ऑक्सीडेटिव तनाव को बढ़ाते हैं 191
एंटीऑक्सीडेंट रक्षा क्षमता 192
उच्च रक्तचाप वाले ऑटिस्टिक रोगियों के लिए हाइड्रोजन दवा
ऑक्सीडेटिव तनाव का स्तर 193
सोडियम बाइकार्बोनेट से दिन की बचत 194
आयोडीन से दिन बचाना 195
ऑटिज़्म के अनेक कारण जारी 195
ऑटिज़्म और जन्म 197
अतिरिक्त उपचार 199
निष्कर्ष 199
अधिक हाइड्रोजन अध्ययन 201
निर्जलीकरण और हाइड्रोजन 203
गंभीर चिकित्सा स्थितियों की शुरुआत 205
निर्जलित कोशिकाएं 209
जलयोजन और तनाव 213
निर्जलीकरण, सूजन और कैंसर 214
निर्जलीकरण और कैंसर के बीच ऑक्सीजन का संबंध 216
जल और हाइड्रोजन के रहस्य 218
जल और कोशिकाएं प्रकाश/ऊर्जा के प्रति संवेदनशील होती हैं 219
सूर्य + जल = ईंधन 221
मानव वर्णक मेलेनिन और प्रकाश अवशोषण 222

हाइड्रोजन टैबलेट और इनहेलर के साथ मेरा अनुभव 224
जॉर्ज वाइजमैन द्वारा डार्कफील्ड टेस्ट 227
खेल चिकित्सा के लिए हाइड्रोजन 228
मांसपेशियों की थकान कम करना 230
मांसपेशियों में जलन 231
चोटों का इलाज 231
हाइड्रोजन एलईडी स्पोर्ट्स प्रोटोकॉल 233
खेल चिकित्सा में आयोडीन का विशेष मामला 233
सोडियम बाइकार्बोनेट का विशेष मामला 234
निष्कर्ष 234
शहरी निवासियों के लिए हाइड्रोजन इनहेलेशन थेरेपी 236
आप कहां रहते हैं यह मायने रखता है 238
ऑक्सीजन एक पोषण औषधि है 240
कैंसर का मुख्य कारण ऑक्सीजन की कमी है 244
ऑक्सीजन थेरेपी के साथ व्यायाम (EWOT) 253
कुछ जीव ऑक्सीजन से घृणा करते हैं 255
सेलुलर स्वर्ग तक 15 मिनट 256
कैंसर, सूजन और ऑक्सीजन पर डॉ. वॉन आर्डेन 257
कम ऑक्सीजन (हाइपोक्सिया) के कई कारण 258
मैग्नीशियम की कमी और कम ऑक्सीजन 261
ऑक्सीजन-वहन क्षमता बढ़ाने के लिए मैग्नीशियम का उपयोग 262
आयोडीन और ऑक्सीजन 263
सल्फर और ऑक्सीजन 263
कम ऑक्सीजन स्तर के अन्य कारण 264
सूर्य के प्रकाश की कमी 265
निम्न रक्तचाप और खराब परिसंचरण 265
हैवी मेटल्स 266
निष्कर्ष 266
ऑक्सीजन, क्षारीयता और आपका स्वास्थ्य 267

ऑक्सीजन क्षारीयता को नियंत्रित करती है 270
निष्कर्ष 271
एसिड बॉडीज; एसिड कैंसर 273
महत्वपूर्ण पीएच 276
कम ऑक्सीजन अम्लीय स्थिति के संकेत 276
खबरदार 277
निष्कर्ष 277
ऑक्सीजन खतरनाक हो सकती है लेकिन महत्वपूर्ण है 278
ऑक्सीजन एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है 280
ओजोन थेरेपी और ऑक्सीजन युद्ध 285
सूजन, ऑक्सीजन, CO2 और श्वास 288
प्राकृतिक एलोपैथिक चिकित्सा प्रोटोकॉल 290
कम कार्बन डाइऑक्साइड से कैंसर होता है 291
हाइपोक्सिया प्रतिरक्षा प्रणाली को दबा देता है 293
हाइपोक्सिया ट्यूमर के विकास को बढ़ावा देता है 293
ऑक्सीजन, सूजन और हाइपोक्सिया-प्रेरित कारक 294
कैंसर और HIF-1 295
बोहर प्रभाव 296
धमनी हाइपोकेनिया (CO2 की कमी) ऊतक हाइपोक्सिया का कारण बनती है 297 निष्कर्ष .. 298
जीवन कार्बन डाइऑक्साइड पर निर्भर है 299
CO2 में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं 301
तेज़ साँस लेना 303
कैंसर होने तक सब कुछ सामान्य है 304
ऑक्सीजन कार्बन डाइऑक्साइड कनेक्शन 307
श्वसन का यिन यांग 308
कार्बन डाइऑक्साइड और ऑक्सीजन से घाव भरना 308
श्वास पुनःप्रशिक्षण 310
अधिक ही कम है 311
धीमी गति से सांस लेने के लाभ 312

पूर्ण श्वास बनाम निदानित स्थितियां 315
डायाफ्रामिक श्वास 318
सचेत श्वास और हृदय पर इसका प्रभाव 319
पीईएमएफ ऑक्सीजन उपयोग को बढ़ाता है 322
पृथ्वी पल्स 325
पीईएमएफ कैंसर का इलाज करता है और ऑक्सीजन वितरण में सुधार करता है 327
वैकल्पिक चिकित्सा 330
आपकी पंसद 331
निष्कर्ष 333

संदर्भ 335

प्रस्तावना

यह पुस्तक हाइड्रोजन गैस, हाइड्रोजन जल, ऑक्सीजन (O2) और कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) का अन्वेषण करेगी। इन गैसों के संयोजन से चिकित्सा के एक नए युग की शुरुआत होगी जहाँ असंभव संभव हो जाएगा। जब इन मौलिक गैसों के स्तर को अनुकूलित किया जाता है, तो हर प्रोटोकॉल के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करें। युवाओं के फव्वारे (बुढ़ापे को रोकने वाली दवाइयों) की तलाश में, हमें इन गैसों से ज़्यादा शक्तिशाली कुछ नहीं मिलता। जब इन गैसों का इस्तेमाल किया जाता है, तो ICU विभागों में किया जाने वाला हर काम सुरक्षित होता है।

अधिकांश डॉक्टरों, नर्सों और रोगियों के लिए, यह हाइड्रोजन दवा पर पहली व्यापक नज़र है। सूर्य को हाइड्रोजन पसंद है, पानी को भी, और डॉक्टरों को भी हाइड्रोजन पसंद है क्योंकि हाइड्रोजन लोगों के इलाज के लिए एक असाधारण सुरक्षित तरीका प्रदान करता है। हाइड्रोजन ब्रह्मांड में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है, और एक दवा के रूप में, यह ऑक्सीजन के बगल में, हालांकि छोटा है, लंबा खड़ा है।

मुझे हाल ही में मल्टीपल सिस्टम एट्रोफी (MSA) से पीड़ित एक मरीज के बारे में एक असाधारण प्रशंसापत्र मिला, जो एक अत्यंत दुर्लभ न्यूरो-डीजेनेरेटिव प्रगतिशील घातक बीमारी है, जो कई मायनों में ALS/ मोटर न्यूरॉन डिजीज के समान है। इस मरीज में यह बीमारी आठ साल से पहले ही बढ़ चुकी थी। आमतौर पर उनकी हालत इतनी तेजी से बिगड़ती थी कि उन्हें चौबीसों घंटे देखभाल की जरूरत पड़ती और मौत का खतरा मंडराता रहता। फिर इस व्यक्ति ने हाइड्रोजन इनहेलेशन थेरेपी शुरू की। चिकित्सा में सबसे सुरक्षित उपचारों में से एक के आठ महीने बाद, मृत्युशैया पर या उसके करीब होने के बजाय, हाइड्रोजन गैस ने इस व्यक्ति को पूरी तरह से स्वस्थ और सक्रिय जीवन में वापस ला दिया।

हाइड्रोजन को आईसीयू और आपातकालीन कक्षों में जान बचाने के लिए जाना जाता है। चीन में, डॉक्टरों ने कोविड-19 के इलाज के लिए हाइड्रोजन गैस का इस्तेमाल पहले ही किया है, ताकि फेफड़ों की गंभीर तकलीफ़ को जल्दी से ठीक किया जा सके। इस पुस्तक में, कुछ कहानियाँ किसी को यह विश्वास दिलाती हैं कि किसी व्यक्ति की हालत जितनी खराब होती है, हाइड्रोजन उतना ही बेहतर काम करता है। जब कोई व्यक्ति अत्यधिक दबाव में होता है, तो हाइड्रोजन एक चमत्कारी गैस की तरह काम करता है। 2000 फ़ीट नीचे, गहरे समुद्र में गोताखोर 96 प्रतिशत हाइड्रोजन और केवल 4 प्रतिशत ऑक्सीजन साँस लेकर हड्डियों को कुचलने वाली गहराई पर जीवित रह सकते हैं। इसका उपयोग डीकंप्रेसन और नाइट्रोजन बीमारी को रोकने के लिए भी किया जाता है।

H2 ने कई नैदानिक परीक्षणों में सूजनरोधी और एंटीऑक्सीडेंट क्षमता दिखाई है, और नवीनतम चीनी नोवेल कोरोनावायरस निमोनिया (NCP) उपचार दिशानिर्देशों में इसका अनुप्रयोग अनुकूल रहा है। नैदानिक प्रयोगों ने आश्चर्यजनक खोज की है कि H2 गैस NCP रोगियों में फेफड़ों और अतिरिक्त फुफ्फुसीय अंगों को रोग संबंधी उत्तेजनाओं से बचा सकती है।

चीनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग द्वारा जारी कोविड-19 निमोनिया निदान और उपचार के लिए चीनी नैदानिक मार्गदर्शन (7वां संस्करण) में हाइड्रोजन गैस (33.3% O2 और 66.6% H2) के साथ मिश्रित ऑक्सीजन को साँस के माध्यम से अंदर लेने की सिफारिश की गई है, जिससे H2 समकालीन चिकित्सीय चिकित्सा गैस अनुसंधान में सबसे आगे आ गया है।

आणविक हाइड्रोजन (H2) गैस सूजनरोधी और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि, माइटोकॉन्ड्रियल ऊर्जा चयापचय, एंडोप्लाज़मिक रेटिकुलम तनाव, प्रतिरक्षा प्रणाली और कोशिका मृत्यु (एपोप्टोसिस, ऑटोफैगी, पायरोप्टोसिस, फेरोप्टोसिस और सर्कैडियन घड़ी आदि) को नियंत्रित करती है और इसमें कई प्रणालीगत रोगों के लिए उपचारात्मक क्षमता होती है

आणविक हाइड्रोजन आपके शरीर की हर कोशिका में गहराई से प्रवेश करता है, सेलुलर स्तर पर मुक्त कणों और हानिकारक सूजन से लड़ता है। H2 पृथ्वी के वायुमंडल में सबसे हल्का रासायनिक तत्व है।

आणविक हाइड्रोजन के कुछ शोध-समर्थित लाभों में शामिल हैं:

- संज्ञानात्मक स्वास्थ्य का समर्थन करता है
- स्वस्थ प्रतिरक्षा कार्य का समर्थन करता है
- स्वस्थ ऊर्जा स्तर का समर्थन करता है

दुनिया भर में 1400 से ज़्यादा सहकर्मी-समीक्षित अध्ययनों ने यह दर्शाया है कि आणविक हाइड्रोजन एक अद्वितीय एंटीऑक्सीडेंट है। हाइड्रोजन की कुछ प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं:

चयनात्मकता- H2 इतना स्थिर अणु है कि यह केवल सबसे खराब मुक्त कणों के साथ प्रतिक्रिया करता है: हाइड्रॉक्सिल रेडिकल और पेरोक्सीनाइट्राइट। इसका मतलब यह है कि यह सेल सिग्नलिंग और प्रतिरक्षा कार्य में उपयोग किए जाने वाले लाभकारी रेडिकल को अकेला छोड़ देता है और केवल "बुरे लोगों" को लक्षित करता है।

आकार- हाइड्रोजन सबसे छोटा तत्व है। यह इसे बहुत आसानी से फैलने की अनुमति देता है, जिससे मुक्त-कट्टरपंथी हाइड्रोजन अणुओं को उन स्थानों तक पहुंचने की अनुमति मिलती है जहां अधिकांश अन्य एंटीऑक्सीडेंट नहीं पहुंच सकते। हाइड्रोजन रक्त-मस्तिष्क अवरोध और कोशिका झिल्ली को पार कर सकता है, एक कोशिका के नाभिक और माइटोकॉन्ड्रिया में प्रवेश कर सकता है।

सेल सिग्नलिंग- हाइड्रोजन के अधिकांश लाभ इसके कोशिका संकेतन से आते हैंगतिविधि। हाइड्रोजन हमारी प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट रक्षा प्रणालियों के लिए कोड करने वाले जीन को ‘‘चालू’’ करके कोशिका के भीतर आनुवंशिक स्तर पर काम करता है। H2 आपकी कोशिकाओं को आपके प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट, जैसे ग्लूटाथियोन पेरोक्सीडेज (GSH) और सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेज (SOD) को अधिक मात्रा में पंप करना शुरू करने के लिए कहता है।

हाइड्रोजन ने मुझे बिस्तर से बाहर निकाला, इसकी गवाही।

प्रिय डॉ. सिरकस,

मैं कुछ समय से एक्वाक्योर नहीं कर रहा था और मुझे यह भी पता नहीं था कि मेरी हालत कितनी खराब हो गई है, जब तक कि बिस्तर से उठना मुश्किल नहीं हो गया।

एक दिन मैं पूरी तरह से बिस्तर पर पड़ा हुआ था। प्रार्थना के दौरान, मुझे मशीन का उपयोग करने की याद दिलाई गई, जिसे दूर रखा गया था। मैंने 20 मिनट तक हाइड्रोक्स को सांस के साथ अंदर लिया और हाइड्रोजन युक्त पानी पिया। एक घंटे बाद, मैं उठ गया और अपने सबसे महत्वपूर्ण काम कर सकता था।

मैं पूरे दिन ऐसी जीवनदायी मदद के लिए आभारी रहा।

मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ, डॉ. सिरकस, मेरे जीवन में एक गहन, महत्वपूर्ण, अत्यंत आवश्यक शिक्षक और उपचारक होने के लिए।

मेरी गहरी कृतज्ञता, सम्मान और प्रशंसा के साथ। जोसेफ

इस तरह की गवाही प्राप्त करना एक खूबसूरत एहसास है। यह जानना कि कोई दूसरों को बेहतर महसूस करने और बेहतर बनने में मदद कर रहा है, जीवन को जीने लायक बनाता है। मेरी व्यक्तिगत गवाही एंटी-एजिंग के बारे में अधिक है। हाइड्रोजन इनहेलेशन थेरेपी का उपयोग शुरू करने के बाद से मैं दस साल से अधिक जवान दिखता और महसूस करता हूँ। हाइड्रोजन ही एकमात्र ऐसी चीज़ है जो मैंने पाई है जिसने मेरे पैरों में न्यूरोपैथी को लगभग पूरी तरह से ठीक कर दिया है!

हाइड्रोजन ब्रह्माण्ड की रीढ़ है।

शून्य से कुछ निकलता है। हाइड्रोजन वह कुछ है। हाइड्रोजन के विशाल बादल अंतरिक्ष के विशाल विस्तार पर कब्जा कर लेते हैं। हाइड्रोजन ब्रह्मांड के हर घन मीटर को भरता है। जीवन की प्रक्रिया, प्रकाश संश्लेषण, हाइड्रोजन को कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन से जोड़ने के बारे में है।

H_2 एक ज्वलनशील, रंगहीन, गंधहीन गैस है। इसे पहले माना जाता थास्तनधारी कोशिकाओं में शारीरिक रूप से निष्क्रिय और जैविक प्रणालियों में सक्रिय सब्सट्रेट के साथ प्रतिक्रिया न करने के लिए। अब, H_2 व्यापक अनुप्रयोगों के साथ एक नई चिकित्सा गैस के रूप में उभरा है।

इस पुस्तक का मुख्य उद्देश्य हाइड्रोजन थेरेपी को बढ़ावा देना है। जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली बीमारी से पीड़ित किसी भी व्यक्ति को हाइड्रोजन इनहेलेशन थेरेपी की आवश्यकता होती है ताकि उन्हें यह भरोसा हो सके कि उनका उपचार काम करेगा, चाहे कोई भी अन्य उपचार क्यों न अपनाया जाए। यह पुस्तक तीन प्राथमिक चिकित्सा गैसों के साथ एक ही छलांग में ऊंची चिकित्सा इमारतों को छलांग लगाने के बारे में है।

हाइड्रोजन चिकित्साक्रांतिकारी है.



हाइड्रोजन मेडिसिन का अध्ययन करते समय, व्यक्ति जीवन की मूल बातों के माध्यम से एक चिकित्सा यात्रा पर निकल पड़ता है। जैसा कि उपशीर्षक से पता चलता है, तीन मौलिक गैसों पर नियंत्रण, चिकित्सा की दृष्टि से, हर जगह ले जाएगा, जब आवश्यक खनिजों, विषहरण प्रोटोकॉल, जैविक आहार और आंतरायिक उपवास के साथ संयुक्त किया जाता है।

*हाइड्रोजन चिकित्साक्रां*तिकारी है। इस पुस्तक में जिस भविष्य की कल्पना की गई है, उसमें ऑक्सीजन अकेले नहीं बल्कि हमेशा हाइड्रोजन के साथ दी जाएगी।

अब समय आ गया है कि दुनिया हाइड्रोजन को स्वच्छ ऊर्जा वाहक के रूप में अपनाए ताकि हम वैश्विक स्तर पर हर शहरी केंद्र को प्रभावित करने वाले प्रदूषण के बुरे सपने से बच सकें। आधुनिक चिकित्सा के लिए भी यह समय है कि वह हाइड्रोजन की शक्ति और औषधि के रूप में शुद्धता को पहचाने। हाइड्रोजन से कोई विषाक्त उत्सर्जन नहीं होता

ऊर्जा के लिए उपयोग किए जाने पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है, तथा दवा के रूप में उपयोग किए जाने पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है।

जब हमें आवश्यकता होती है तब उपचार शक्ति मिलती है।

जब हम बहुत ज़्यादा तनाव में होते हैं, बीमार होते हैं या मर रहे होते हैं, तो हाइड्रोजन इनहेलिंग मशीन हमारे बिस्तर के पास, दफ़्तर में हमारी डेस्क के नीचे या दोनों जगह होनी चाहिए। 2,000 फ़ीट नीचे गहरे समुद्र में गोताखोर के बारे में सोचें - अविश्वसनीय तनाव और दबाव। वहाँ जीवित रहने के लिए, गोताखोर 96 प्रतिशत हाइड्रोजन और केवल 4 प्रतिशत ऑक्सीजन साँस में लेते हैं।

मृत्यु के समय हाइड्रोजन का प्रभाव सबसे अधिक स्पष्ट होता है। यही कारण है कि इसे एम्बुलेंस, आपातकालीन केंद्रों और इनोवेटिव आईसीयू मेडिसिन (इंटेंसिव केयर) में ऑक्सीजन के साथ-साथ इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

हाइड्रोजन अणु और आयन ब्रह्मांड की रीढ़ हैं; हमअभी भी हाइड्रोजन को सूर्य और ब्रह्मांड के हर दूसरे तारे को एक हज़ार साल में चलाते हुए देखा जा सकता है। उम्मीद है कि सर्जरी, क्लीनिक, स्पा और सभी घरों में हाइड्रोजन थेरेपी शुरू होने में बहुत समय नहीं लगेगा।

आणविक हाइड्रोजन ऑक्सीडेटिव तनाव के लिए एकदम सही चिकित्सा उपचार है।

मुक्त कणों की नदियों के कारण होने वाला ऑक्सीडेटिव तनाव आधुनिक मनुष्य के लिए एक विपत्ति है। यह विषाक्त प्रदूषण, रासायनिक जोखिम, भारी धातु, विकिरण हैमेडिकल इमेजिंग, फार्मास्युटिकल दवाओं, कीमोथेरेपी, आपके सेल फोन के अंधाधुंध उपयोग से ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ता है।

कोशिका के दृष्टिकोण से, हाइड्रोजन का साँस लेना एक ताज़ा झरने के नीचे खड़े होने जैसा है। हाइड्रोजन गैस (ऑक्सीजन सहित) को साँस में लेने से ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन कम हो जाएगी, ठीक वैसे ही जैसे एक फायरट्रक आग को बुझाता है।

हाइड्रोजन थेरेपी कई चिकित्सा स्थितियों के लिए उपचार का एक नया, अभिनव नैदानिक तरीका है, जिसमें सर्जरी, ऊतक क्षति और शिथिलता, मधुमेह, हृदय रोग और कैंसर शामिल हैं। स्वास्थ्य के मामले में, हाइड्रोजन लंबे समय से प्रतीक्षित युवाओं का फव्वारा प्रदान करता है क्योंकि यह हाइड्रोजन की रॉकेट शक्ति को सीधे व्यक्ति की कोशिकाओं में डालता है। हाइड्रोजन से हर किसी को कुछ न कुछ मिलता है क्योंकि इसके बिना जीवन अस्तित्व में नहीं रह सकता।

हाइड्रोजन साँस लेना एक ऐसी दवा है जो स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में भी काम आती है। कुछ उपयोगकर्ता पहले से ही $H2$ साँस लेना जीवन का एक ज़रूरी काम मानते हैं, जैसे खाना, पीना और व्यायाम करना। इसका मतलब है कि आपके टैंक में ज़्यादा हाइड्रोजन होना हमेशा मददगार होता है।

हाइड्रोजन का साँस लेना, कैंसर के अंतिम चरण वाले लोगों के लिए बिना किसी विषाक्तता के दिन में दो या अधिक अंतःशिरा विटामिन सी उपचार प्राप्त करने जैसा है। आईसीयू में, इसे $24/7$ प्रशासित किया जा सकता है, यानी जब तक रोगी उठकर बिस्तर से बाहर न आ जाए। कुछ डॉक्टर पहले से ही जानते हैं कि विटामिन सी जैसे एंटीऑक्सीडेंट सेप्सिस रोगियों के लिए क्या कर सकते हैं। हाइड्रोजन उन लोगों को और भी अधिक राहत प्रदान करता है जो मृत्यु के कगार पर हैं।

हाइड्रोजन गैस और हाइड्रोजन युक्त पानी डॉक्टरों और रोगियों दोनों को चिकित्सीय रणनीतियाँ प्रदान करते हैं जो नैदानिक वातावरण में स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा, हाइड्रोजन आपकी त्वचा के लिए सौंदर्य अनुप्रयोग भी है। क्या आप फिर से जवान दिखना चाहते हैं?

हाइड्रोजन का उच्च स्तर आपके डीएनए को ऑक्सीडेटिव क्षति से बचाता है। यह प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों मुक्त कणों के कारण डीएनए के एकल-स्ट्रैंड टूटने को दबाता है। हाइड्रोजन आरएनए प्रोटीन को ऑक्सीडेटिव क्षति की मरम्मत भी करता है। मधुमेह के पैर या न्यूरोपैथी से पीड़ित कोई भी व्यक्ति कुछ महीनों तक हाइड्रोजन गैस के साँस लेने से प्रसन्न होगा। कार्बन डाइऑक्साइड की तरह, हाइड्रोजन को गैंग्रीन और त्वचा कैंसर जैसे सिंड्रोम के इलाज के लिए बैग वाले हाथ या पैर में पंप किया जा सकता है।

हाइड्रोजन पर मेरे लेख उत्साहपूर्ण हैं, और मैं इसमें अकेला नहीं हूँ। चिकित्सा वैज्ञानिक लिखते हैं, "यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि भविष्य में चिकित्सीय और निवारक चिकित्सा पर हाइड्रोजन का प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है।"[1]

अगर मेरा इससे कोई लेना-देना है, तो हाइड्रोजन अंततः ऑक्सीजन के बगल में अपना सही स्थान ले लेगा। जीवन को खतरे में डालने वाली स्थितियों में हाइड्रोजन चमत्कारी भी हो सकता है। लंबे समय तक, यह सौर हवा की तरह काम करता रहता है, हमारे पालों को भरता है और हमारे जीवन के जहाज को बीमारी और मौत के चट्टानी तटों से दूर धकेलता है।

हाइड्रोजन कोई तुरंत काम आने वाली जादू की छड़ी नहीं है। अगर कोई नाटकीय प्रभाव चाहता है, तो उसे हाइड्रोजन गैस को साँस में लेने में बहुत समय बिताना होगा। अगर आपकी जान जोखिम में है, तो लगातार इस्तेमाल के बारे में सोचें, यहाँ तक कि सोते समय पूरी रात हाइड्रोजन साँस में लें। अगर कोई एंटी-एजिंग उपचारों के साथ आक्रामक होना चाहता है, तो दिन में दो घंटे के बारे में सोचें ताकि अंततः फिर से जवान हो सकें।

हालाँकि हाइड्रोजन कोई चमत्कारी दवा नहीं है, लेकिन इससे कई चमत्कार होने की उम्मीद की जा सकती है। मैं मॉलिक्यूलर हाइड्रोजन इंस्टीट्यूट के टायलर लेबरन से बात कर रहा था, उन्होंने कहा, "बहुत बुरी बात है कि हाइड्रोजन थेरेपी ज्ञान प्रदान नहीं करती है, लेकिन बहुत बीमार लोगों के लिए, मुझे लगता है कि यह ऐसा ही लग सकता है।" और उन्होंने जवाब दिया, "हाँ, बीमार लोगों के लिए, यह ज्ञान प्रदान करता है, और यहाँ तक कि जो लोग बीमार नहीं हैं, उनके लिए भी यह उनके संज्ञानात्मक कार्य में सुधार कर सकता है।"

हाइड्रोजन अब तक की सबसे स्वच्छ ऊर्जा है और यह सबसे सुरक्षित दवा भी है, जिसका मतलब है कि इसका कोई हानिकारक प्रभाव नहीं है, केवल अच्छे प्रभाव हैं। अगर हम ऑक्सीजन और रक्त $CO2$ के स्तर पर एक साथ ध्यान दें तो जीवन में आगे बढ़ना और बीमारी का सामना करना अधिक आरामदायक होगा अगर हम अपने शरीर और कोशिकाओं को हाइड्रोजन से भर लें।

हाइड्रोजन उच्च प्रदर्शन करने वालों और गंभीर रूप से बीमार लोगों के लिए एक बेहतरीन दवा है। अगर कोई व्यक्ति ऑक्सीजन और हाइड्रोजन दोनों को एक साथ सांस के जरिए ले रहा है तो फ्लू से मरना मुश्किल होगा। हाइड्रोजन गैस किसी भी व्यक्ति को लंबे समय तक जीवित रहने में मदद करेगी, चाहे उसकी चिकित्सा स्थिति कुछ भी हो।

हाइड्रोजन चिकित्सा का परिचय.



आधुनिक चिकित्सा यह खोज रही है कि हाइड्रोजन कितना शानदार, सुरक्षित और प्रभावी हो सकता है। आणविक हाइड्रोजन उपचार में क्रांति लाता है। विज्ञान अनूठा है, और बढ़ते नैदानिक अनुभव हाइड्रोजन को अस्तित्व में सबसे सरल, सबसे सुरक्षित दवा के रूप में इंगित करते हैं। पिछली शताब्दी में जहरीली दवाओं, भारी धातुओं और विकिरण के साथ प्रयोग करने के बाद, अब हम हाइड्रोजन गैस और हाइड्रोजन पानी पाते हैं, जो चिकित्सा की मुख्यधारा में आगे बढ़ रहा है जहाँ यह जीवन बचा रहा है।

हाइड्रोजन बचाव के लिए.

जब अग्निशमन विभाग के ट्रक आग लगने की सूचना पर पहुंचते हैं तो सबसे पहले क्या करते हैं? वे पाइपों को बाहर निकालते हैं, हाइड्रेंट से जोड़ते हैं और टन भर पानी डालते हैं

सबसे भयंकर आग पर पानी की बौछार। चिकित्सा जगत में, इसका समतुल्य हाइड्रोजन है, जिसे मरते हुए शरीर में डाला जा सकता है ताकि सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव की सबसे भयंकर लपटों को बुझाया जा सके।

जैसा कि आप इस पुस्तक में देखेंगे, आणविक हाइड्रोजन (H2) कार्य करता हैऑक्सीडेटिव तनाव, सूजन और एलर्जी प्रतिक्रियाओं के खिलाफ एक व्यापक रक्षक के रूप में।[2]आणविक हाइड्रोजन एक नवीन एंटीऑक्सीडेंट और जीन अभिव्यक्ति संशोधक के रूप में मूल्यवान और सुविधाजनक साबित हुआ है, जहां ऑक्सीडेटिव तनाव के परिणामस्वरूप कोशिकीय क्षति होती है।

> टाइप 2 डायबिटीज़ से पीड़ित एक व्यक्ति को हाइड्रोजन इनहेलेशन का उपयोग करने से कोई परिणाम नहीं मिल रहा था। जब उससे पूछा गया कि वह अपनी हाइड्रोजन थेरेपी कैसे कर रहा है, तो उसने कहा कि वह गैस को साँस के ज़रिए अंदर ले रहा था, लेकिन केवल थोड़ा पानी पी रहा था। पानी को नियमित रूप से पीने के लिए प्रेरित किए जाने के बाद, उसने तीन 17 औंस स्टेनलेस थर्मस बोतलें खरीदीं और हर दिन उतना ही हाइड्रोजन पानी पीया। पहले, उसका ब्लड शुगर नियंत्रण से बाहर था, और डॉक्टरों को इंसुलिन बढ़ाना पड़ा। लेकिन जब से वह रोजाना पानी पीने के साथ H2 इनहेलेशन का उपयोग कर रहा है, उसका ब्लड शुगर कम हो गया है और लगभग एक सप्ताह के बाद सामान्य हो गया है।

मेडिकल गैस रिसर्च में डॉ. ब्रैंडन जे डिक्सन की रिपोर्ट के अनुसार हाइड्रोजन रक्त-मस्तिष्क अवरोध को पार कर सकता है, माइटोकॉन्ड्रिया में प्रवेश कर सकता है और "कुछ स्थितियों में नाभिक में भी स्थानांतरित हो सकता है।" अपने आकार के कारण, आणविक हाइड्रोजन बहुत कुछ कर सकता है; अधिक विशाल एंटीऑक्सीडेंट ऐसा नहीं कर सकते। अध्ययनों से पता चला है कि हाइड्रोजन में एंटी-एपोप्टोटिक और साइटोप्रोटेक्टिव गुण भी होते हैं जो कोशिका के लिए फायदेमंद होते हैं।

हाइड्रोजन के साथ कोई सुरक्षा संबंधी समस्या नहीं है; इसका उपयोग वर्षों से गहरे समुद्र में गोता लगाने के लिए गैस मिश्रणों में किया जाता रहा है और कई नैदानिक परीक्षणों में बिना किसी प्रतिकूल घटना के इसका उपयोग किया गया है। साहित्य में इसकी विषाक्तता या दीर्घकालिक जोखिम प्रभावों के बारे में कोई चेतावनी नहीं दी गई है।

हाइड्रोजन व्यक्ति की वर्तमान स्थिति के परिदृश्य को बदल देगा, और यही कारण है कि डॉक्टर इस पर ध्यान दे रहे हैं। इसके प्रणालीगत गुण और

प्रवेश क्षमता हाइड्रोजन को खराब रक्त प्रवाह और अन्य स्थितियों के लिए उपयोगी बनाती है जो कई प्रणालीगत उपचारों को सीमित करती हैं।

हाइड्रोजन हमें नुकसान से बचाता है।

घातक ट्यूमर के लिए विकिरण चिकित्सा प्राप्त करने वाले रोगियों में हाइड्रोजन पानी पीने के लाभों को प्रदर्शित करने वाली पहली रिपोर्ट पुष्टि करती है कि विकिरण जोखिम के लिए हाइड्रोजन कितना सहायक है। यह खोज विकिरण-प्रेरित सेलुलर क्षति को कम करने के लिए हाइड्रोजन गैस देने के लिए एक चिकित्सकीय रूप से उपयुक्त, प्रभावी, सुरक्षित रणनीति का आधार प्रदान करती है।[3]

हाइड्रोजन हमें सेल फोन, वाई-फाई और सभी ईएमएफ प्रदूषण के कारण होने वाली सेलुलर क्षति से बचाने में भी मदद करता है, जो हमें लगातार परेशान कर रहा है, और जी5 के कार्यान्वयन के साथ यह स्थिति और भी बदतर होने वाली है।

बढ़ती विकिरण की दुनिया में.

क्रोनिक ऑक्सीडेटिव तनाव, कैंसर सहित विकिरण के बाद के प्रभावों का प्रमुख कारण है।[4]आयनकारी विकिरण के संपर्क में आने से ऑक्सीकरण की घटनाएं होती हैं जो लक्ष्य मैक्रोमोलेक्यूल्स के साथ सीधे विकिरण इंटरैक्शन के माध्यम से परमाणु संरचना को बदल देती हैं। इसके अलावा, ऑक्सीडेटिव क्षति लक्षित कोशिकाओं से पड़ोसी, गैर-लक्षित बाईस्टैंडर कोशिकाओं तक फैल सकती है। विकिरणित कोशिकाओं में, ऑक्सीडेटिव चयापचय और पुरानी भड़काऊ प्रतिक्रियाओं में गड़बड़ी के कारण इन प्रतिक्रियाशील प्रजातियों के स्तर में वृद्धि हो सकती है, जिससे जीनोमिक स्थिरता पर आयनकारी विकिरण के संपर्क के दीर्घकालिक प्रभावों में योगदान होता है।[5]

हम लगातार ऑक्सीडेटिव तनाव का सामना कर रहे हैं, और इसे कम करना हमारे स्वास्थ्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक है। चूँकि पृष्ठभूमि विकिरण बढ़ रहा है, इसलिए हमारे ऑक्सीडेटिव तनाव का स्तर भी बढ़ रहा है।

ब्रह्मांडीय विकिरण डीएनए और लिपिड क्षति को बढ़ाता है जो ऑक्सीडेटिव तनाव को बढ़ाता है और अंतरिक्ष यात्रा में एक प्रमुख चिंता का विषय बना हुआ है। अब जबकि हम ग्रैंड सोलर मिनिमम की शुरुआत में हैं, इन बढ़ती ब्रह्मांडीय किरणों के कारण उड़ान भरना अधिक खतरनाक हो गया है

हमारे वायुमंडल में प्रवेश कर रहा है। अंतरिक्ष यात्रियों के लिए हाइड्रोजन संभावित रूप से विकिरण-प्रेरित घटनाओं के लिए एक नई और व्यवहार्य निवारक/चिकित्सीय रणनीति प्रदान कर सकता है, या तो साँस लेने या हाइड्रोजन युक्त पानी पीने से।

जीवन की आग

जिस तरह हर सूर्य को चलने के लिए हर मिनट हाइड्रोजन की पर्वत श्रृंखलाओं की आवश्यकता होती है, उसी तरह मनुष्य भी हाइड्रोजन पर चलते हैं। आणविक हाइड्रोजन गैस और पानी के रूप में अधिक हाइड्रोजन की आपूर्ति करने से हमारे अंदर आग लग जाती है। चिकित्सा वैज्ञानिकों का मानना है कि उपचारात्मक आग मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी असंभव बीमारियों और कई अन्य स्थितियों के लिए भी अच्छी है, जिनका आधुनिक चिकित्सा उत्तर खोजने में विफल रही है।

यह पुस्तक हाइड्रोजन को ईंधन के रूप में समर्पित एक अध्याय प्रस्तुत करती है। हाइड्रोजन से जीवन की आग उत्तेजित होती है। यदि किसी को उपचार की आवश्यकता है, तो वह आग ठीक उसी स्थान पर निर्देशित होगी जहाँ इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। हम तीन गैसों को संतुलित करके एक आदर्श हाइड्रोजन लौ बना सकते हैं ताकि माइटोकॉन्ड्रिया एटीपी उत्पादन को आग लगा सके। पर्याप्त हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के साथ, माइटोकॉन्ड्रिया ऑक्सीडेटिव पूर्वाग्रह के बिना जलेंगे। हाइड्रोजन ऑक्सीडेटिव तनाव की आग को कम करता है, जबकि यह आग को जलाने वाला ईंधन है।

हाइड्रोजन उन मूल तत्वों में से एक है जिसने पृथ्वी के विकास को बढ़ावा दिया।पृथ्वी पर सभी जीवन का। मनुष्य हाइड्रोजन के बिना नहीं रह सकता। जबकि विज्ञान हमें कार्बन-आधारित जीवन रूपों के रूप में संदर्भित करता है, मनुष्य भी हाइड्रोजन-आधारित जीवन रूप है। जब पौधे सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करते हैं, तो वे प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से नकारात्मक रूप से आवेशित हाइड्रोजन आयनों को संग्रहीत करते हैं। जब आप बिना संसाधित पौधे खाते हैं, तो आपके शरीर की कोशिकाएँ हाइड्रोजन आयनों के विद्युत आवेश के साथ उन पौधों के पोषक तत्वों का उपयोग करती हैं। जब आपका शरीर हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को जलाता है, तो यह वह ऊर्जा उत्पन्न करता है जिसकी हमें जीने के लिए आवश्यकता होती है।

सभी जीवित चीजों को जीवन को बनाए रखने के लिए हाइड्रोजन की आवश्यकता होती है। मानव शरीर को ऑक्सीजन प्राप्त करने के लिए सांस लेनी चाहिए और हाइड्रोजन प्राप्त करने के लिए खाना-पीना चाहिए। मानव शरीर के लिए हाइड्रोजन आयनों के प्राथमिक स्रोत ताजे कच्चे पौधे, फल, सब्जियाँ और पानी हैं। अब हम साँस ले सकते हैं

सीधे आणविक हाइड्रोजन गैस। पानी में घोलकर हम इसे पी सकते हैं, या डॉक्टर इसे इंजेक्शन से दे सकते हैं।

यह चर्चा करना उचित है कि हाइड्रोजन क्या नहीं करेगा। यह टूटी हुई हड्डी को ठीक नहीं करेगा। यह फटे हुए अपेंडिक्स को ठीक नहीं करेगा, हालाँकि इसका इस्तेमाल सर्जरी के दौरान और बाद में किया जाना चाहिए। यह व्यक्तित्व समस्याओं से लोगों को होने वाले संघर्ष और तनाव को दूर नहीं करेगा। हालाँकि यह किसी व्यक्ति की कामुकता को मजबूत कर सकता है, लेकिन यह व्यवहार के नकारात्मक पैटर्न को नहीं छूएगा।

यह अपने आप में आयुर्वेदिक चिकित्सा के तीन तंत्रिका तंत्रों वात, पित्त और कफ को संतुलित नहीं कर पाएगा। हाइड्रोजन मेरिडियन ऊर्जा को संतुलित नहीं करेगा और न ही चक्रों को किसी भी सार्थक तरीके से प्रभावित करेगा। हालांकि लंबे समय तक इस्तेमाल के बाद मैं गलत साबित हो सकता हूं।

प्रकाशन से ठीक पहले ये शब्द लिखते समय मैं हर रात अपनी नई हाइड्रोजन/ऑक्सीजन मशीन (ब्राउन गैस) पर सोता रहा हूँ और मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं बस उड़ने ही वाला हूँ। पिछले दस सालों में मैं इतना अच्छा नहीं लगा और न ही इतना अच्छा लगा।

हालांकि हाइड्रोजन सभी आपातकालीन स्थितियों में मददगार है, लेकिन अगर किसी व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ता है तो यह मैग्नीशियम की जगह नहीं ले सकता। मैग्नीशियम उन स्थितियों में लगभग तुरंत काम करेगा जहां हाइड्रोजन को समय लगता है।

हाइड्रोजन गैस और हाइड्रोजन पानी एक दूसरे के सहायक हैं। वे किसी भी चीज़ का इलाज नहीं हैं, हालाँकि वे हर चीज़ में मदद कर सकते हैं।

हर आहार के लिए हाइड्रोजन.

हाइड्रोजन, ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड से कैंसर का इलाज करना एक ऐसा तरीका है जो कैंसर कोशिकाओं के बनने और आक्रामक होने के मूल कारणों का इलाज करता है। कैंसर को आनुवंशिक बीमारी के रूप में नहीं माना जाना चाहिए; यह एक चयापचय रोग की तरह है।

हाइड्रोजन मानव जाति के लिए ज्ञात हर बीमारी के लिए उपयुक्त है, ठीक वैसे ही जैसे यह ब्रह्मांड के हर तारे के लिए आवश्यक है। जितना अधिक बीमार व्यक्ति होगा, उतना ही अधिक उसे हाइड्रोजन के लाभ मिलेंगे। हाइड्रोजन को बाढ़ की तरह बहाया जा सकता है

शरीर में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव की सबसे खराब लपटों को बुझाने के लिए हाइड्रोजन मेडिसिन में, हम शरीर में तीन प्राथमिक गैसों- हाइड्रोजन, ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड- को भर देते हैं, जो सभी गंभीर चिकित्सा स्थितियों में पहली कार्रवाई के रूप में होता है। यही बात फ्लू जैसी किसी भी पुरानी या तीव्र स्थिति के लिए भी लागू होती है। जितना अधिक समय तक कोई जीना चाहता है, उतना ही अधिक वह इन प्राथमिक गैसों की पूर्ति करता है। दुनिया में सबसे शक्तिशाली उपचार/चिकित्सा/बुढ़ापा-रोधी उपकरण हाइड्रोजन ऑक्सीजन इनहेलर है।

हाइड्रोजन गैस थेरेपी आपातकालीन और गंभीर देखभाल चिकित्सा के लिए एक आशाजनक नवीन उपचार है। यह रोग स्थितियों की एक विस्तृत श्रृंखला में चिकित्सीय प्रभाव डालता है: इस्केमिया-रीपरफ्यूजन चोट जैसी तीव्र बीमारी से लेकर मेटाबोलिक सिंड्रोम, रुमेटीइड गठिया और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों जैसी पुरानी बीमारियों तक।

विभिन्न आपातकालीन और गंभीर देखभाल पहलुओं के संबंध में, शोधकर्ताओं ने रिपोर्ट की है कि हाइड्रोजन तीव्र मायोकार्डियल इंफार्क्शन, कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट सिंड्रोम, सेप्सिस, कंट्रास्ट-प्रेरित तीव्र किडनी की चोट और रक्तस्रावी सदमे के लिए सहायक है। हाइड्रोजन गैस का उपयोग सबराच्नॉइड रक्तस्राव के चूहे मॉडल में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने के लिए भी किया गया है।

जब आप अत्यधिक तनाव में हों और आपको उच्च प्रदर्शन जारी रखना हो, तो हाइड्रोजन दवा आपके बिस्तर के पास, कार्यालय में आपकी मेज के नीचे, या दोनों जगह होनी चाहिए।

हाइड्रोजन इनहेलेशन डिवाइस के साथ हाइड्रोजन गैस (ऑक्सीजन सहित) को अंदर लेना, कोशिका के दृष्टिकोण से, एक झरने के नीचे खड़े होने जैसा है जो ठंडा होने पर भी स्फूर्ति देता है। हाइड्रोजन किसी को भी लंबे समय तक जीवित रहने में मदद करेगा,चाहे कोई भी स्थिति हो.

दुनिया के लिए हाइड्रोजन को स्वच्छ ऊर्जा वाहक के रूप में अपनाने का समय आ गया है ताकि हम दुनिया के हर शहरी केंद्र को प्रभावित करने वाले प्रदूषण के दुःस्वप्न से बच सकें; आधुनिक चिकित्सा के लिए भी यह समय है कि वह दवा के रूप में हाइड्रोजन की शक्ति और शुद्धता को पहचाने। ऊर्जा के लिए उपयोग किए जाने पर हाइड्रोजन से कोई विषाक्त उत्सर्जन नहीं होता; दवा के रूप में उपयोग किए जाने पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होता।

हाइड्रोजन को एम्बुलेंस, आपातकालीन केंद्रों और इनोवेटिव आईसीयू विभागों (इंटेंसिव केयर) में ऑक्सीजन के साथ-साथ इस्तेमाल किया जाता है, जो हाइड्रोजन की प्रचुर मात्रा के बिना उतनी अच्छी तरह से काम नहीं करता जितना कि आवश्यक है। हाइड्रोजन के बिना पानी की कल्पना करें, और आपको गंभीर रोगियों को स्थिर करने के लिए ऑक्सीजन और हाइड्रोजन गैस के संयोजन का महत्व समझ में आ जाएगा।

हाइड्रोजन के साथ इसे खोना मुश्किल है। $H2$ कोशिका व्यवहार्यता, प्रवास और आक्रमण को रोकता है, और कोशिका एपोप्टोसिस को उत्प्रेरित करता है। हाइड्रोजन हमें कैंसर से सीधे लड़ने में मदद करता है, इसके प्रसार को कम करता है। यह विकिरण और कीमोथेरेपी उपचारों के लिए एक प्रभावी सहायक के रूप में सहायक है जो ऑक्सीडेटिव तनाव को शांत करके उनके विषाक्त प्रभावों को कम करता है।

हाइड्रोजन चिकित्सा क्रांतिकारी है; इसमें जीवन बचाने, पीड़ा कम करने और अपने एंटी-एजिंग प्रभावों के माध्यम से किसी को फिर से सुंदर और युवा बनाने की क्षमता है। महत्वपूर्ण रूप से, मानव निर्मित परमाणु विकिरण (फुकुशिमा के बारे में सोचें), विकिरण का उपयोग करने वाले चिकित्सा परीक्षणों, ब्रह्मांडीय किरणों में पर्याप्त वृद्धि (ग्रैंड सोलर मिनिमम के कारण), और $G5$ दूरसंचार के आने से, जिसकी सुरक्षा के लिए जाँच नहीं की गई है, ऑक्सीडेटिव तनाव की वृद्धि को कम करने के लिए हाइड्रोजन गैस थेरेपी आवश्यक होती जा रही है।

हाइड्रोजन/ऑक्सीजन गैस मशीन शायद चिकित्सा उपकरणों का पहला टुकड़ा है जिस पर किसी को निवेश करना चाहिए, क्योंकि यह लगभग सभी बीमारियों के लिए एक बुनियादी उपचार प्रदान करता है। यह सभी बीमारियों का इलाज नहीं है और इसका उपयोग केवल एक संदर्भ में किया जाना चाहिए।पूरा प्रोटोकोइसमें सोडियम और पोटेशियम बाइकार्बोनेट तथा धीमी गति से सांस लेने के कारण $CO2$ के स्तर में वृद्धि पर विशेष ध्यान दिया गया है।

गैस थेरेपी में नई प्रगति.



एम्बुलेंस कर्मियों ने अक्सर ऑक्सीजन को चमत्कारी दवा के रूप में देखा है। ऑक्सीजन हमेशा से ही जीवन रक्षक उपचार रहा है, और अब डॉक्टर और मरीज ऑक्सीजन को हाइड्रोजन के साथ मिलाकर और भी बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते हैंइस जोड़ी का चिकित्सा पर काफी प्रभाव पड़ेगा।

यह हाइड्रोजन ही है जो शरीर को तनाव में काम करने और सांस लेने में सक्षम बनाता है! यूनाइटेड स्टेट्स नेवी ने हाइड्रोजन पर आधारित गैस मिश्रणों को सांस लेते हुए 500 से 700 मीटर (1650 से 2300 फीट) की गहराई तक गोता लगाने की अनुमति देने वाली प्रक्रियाएँ विकसित की हैं, जिन्हें हाइड्रॉक्सी (हाइड्रोजन-ऑक्सीजन) या हाइड्रेलिओक्स (हाइड्रोजन-हीलियम-ऑक्सीजन) कहा जाता है।

हालांकि हाइड्रोजन का पहला उपयोग एंटोनी लावोइसियर (1743-1794) द्वारा किया गया प्रतीत होता है, जिन्होंने गिनी पिग को इसे सांस के माध्यम से सुलाया था, गहरे समुद्र में गोताखोरी में इस गैस के पहले उपयोग का श्रेय 1945 में स्वीडिश इंजीनियर आर्ने ज़ेटरस्ट्रोम को दिया जाता है। 96% हाइड्रोजन और 4% ऑक्सीजन के मिश्रण को सांस के माध्यम से अंदर लेते हुए, वह पहले किसी से भी अधिक गहराई तक गोता लगा सकते थे।

हाइड्रेलियोx हीलियम, ऑक्सीजन और हाइड्रोजन का एक श्वसन गैस मिश्रण है। हाइड्रा VIII मिशन के लिए 50 वायुमंडल के परिवेशी दबाव पर, संयोजन 49% हाइड्रोजन, 50.2% हीलियम और 0.8% ऑक्सीजन था।

इतनी गहराई में पानी के नीचे होने से ज़्यादा तनावपूर्ण स्थिति की कल्पना करना मुश्किल है। अगर हाइड्रोजन हमें हड्डियों को कुचलने वाली गहराई में भारी तनाव के बीच भी ज़िंदा रख सकता है, तो सोचिए कि अगर कोई मर जाए या कोई पुरानी बीमारी से पीड़ित हो जाए, तो यह क्या कर सकता है।

चिकित्सा गैसें.

हेलियोक्स हीलियम (He) और ऑक्सीजन (O2) से बनी एक श्वास गैस है। हेलियोक्स सांस लेने में कठिनाई वाले रोगियों के लिए एक चिकित्सा उपचार है। फेफड़ों के वायुमार्ग से गुजरते समय यह मिश्रण वायुमंडलीय हवा की तुलना में कम प्रतिरोध उत्पन्न करता है, जिससे सांस लेने में कम प्रयास की आवश्यकता होती है। हेलियोक्स का उपयोग 1930 के दशक से चिकित्सा के लिए किया जाता रहा है। हालाँकि चिकित्सा समुदाय ने शुरू में इसे ऊपरी वायुमार्ग अवरोध के लक्षणों को कम करने के लिए अपनाया था, लेकिन गैस के कम घनत्व के कारण इसके चिकित्सा उपयोगों की सीमा का विस्तार हुआ है।

बोहर प्रभाव के माध्यम से,[6]चिकित्सा वैज्ञानिकों को कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) का महत्व पता है। हालाँकि, हाइड्रोजन से उपचार जल्दी संभव हैऔर O2 और CO2 की तुलना में वसूली अधिक है।

मेडिकल गैसें प्राकृतिक रूप से होने वाली शारीरिक प्रतिक्रियाओं को सक्रिय करती हैं, जिससे मानव शरीर की निवारक और स्व-उपचार क्षमताएं बढ़ती हैं। मेडिकल गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड, ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, नाइट्रिक ऑक्साइड, हीलियम और हाल ही में हाइड्रोजन शामिल हैं। मेडिकल गैसों का उपयोग अकेले या संयोजन में शल्य चिकित्सा के दौरान चिकित्सीय प्रभाव या श्वास-प्रश्वास के रूप में किया जाता है।

साँस के ज़रिए ली जाने वाली नाइट्रिक ऑक्साइड चिकनी मांसपेशियों को आराम देकर रक्त वाहिकाओं को फैलाने का काम करती है, खास तौर पर फेफड़ों में। नाइट्रिक ऑक्साइड, मैकेनिकल वेंटिलेटर के साथ मिलकर समय से पहले जन्मे शिशुओं में श्वसन विफलता का इलाज करता है। CO2 के बढ़े हुए स्तर भी रक्त वाहिकाओं को फैलाते हैं जबकि ऑक्सीजन विघटन वक्र को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। आणविक हाइड्रोजन (H2) एक निष्क्रिय और

हमारे शरीर में H2 एक गैर-कार्यात्मक गैस है, लेकिन यह सही नहीं है। H2 कोशिकाओं में हाइड्रॉक्सिल रेडिकल जैसे मजबूत ऑक्सीडेंट के साथ प्रतिक्रिया करता है।

बाल चिकित्सा और नवजात शिशुओं के रोगियों में कई तरह की शारीरिक स्थितियाँ होती हैं, जिनके लिए कई तरह की बीमारियों के इलाज के लिए सहायक साँस के ज़रिए ली जाने वाली गैसों की ज़रूरत हो सकती है। साँस के ज़रिए ली जाने वाली नाइट्रिक ऑक्साइड, हीलियम-ऑक्सीजन मिश्रण, साँस के ज़रिए ली जाने वाली एनेस्थेटिक्स, हाइपरकार्बिया मिश्रण, हाइपोक्सिक मिश्रण और हाइड्रोजन का इस्तेमाल मरीज़ के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए शारीरिक क्रियाविधि में बदलाव लाने के लिए किया जाता है।[7]

ज़ेनॉन एक और मेडिकल गैस है जो न्यूरोप्रोटेक्टिव स्थापित करने, एनेस्थीसिया प्रेरित करने और आधुनिक लेजर तकनीक और न्यूक्लियर मेडिसिन में कंट्रास्ट एजेंट के रूप में काम करने में सक्षम है। इसकी उच्च लागत, साइड इफ़ेक्ट की कमी, सुरक्षित कार्डियोवैस्कुलर और अंग सुरक्षात्मक प्रोफ़ाइल और हाइपोक्सिक-इस्केमिक चोट (एचआई) के बाद न्यूरोप्रोटेक्टिव भूमिका के बावजूद, डॉक्टर क्लीनिक में इसके अनुप्रयोगों का समर्थन करते हैं।

हाइड्रोजन कैंसर के लिए गंभीर दवा है।



चीन में सबसे हालिया शोध से पता चलता है कि आणविक हाइड्रोजन कैंसर स्टेम-जैसी कोशिकाओं और एंजियोजेनेसिस के प्रसार को दबाकर डिम्बग्रंथि के कैंसर में ट्यूमर विरोधी भूमिका निभा सकता है। जानवरों के अध्ययन में छह सप्ताह तक हाइड्रोजन साँस लेने से ट्यूमर की वृद्धि में उल्लेखनीय रूप से बाधा उत्पन्न हुई, जिससे औसत ट्यूमर की मात्रा (32.30%) कम हो गई। हाइड्रोजन उपचार ने CD34 की अभिव्यक्ति को कम कर दिया[8](74.00%), इसके एंटी-एंजियोजेनेसिस प्रभावों को प्रदर्शित करता है।[9]इन विट्रो अध्ययन से पता चला है कि हाइड्रोजन उपचारकैंसर कोशिका प्रसार, आक्रमण, प्रवास और कॉलोनी निर्माण को महत्वपूर्ण रूप से रोकता है।

1975 में, एक प्रभावशाली अध्ययन ने प्रदर्शित किया कि हाइपरबेरिक आणविक हाइड्रोजन थेरेपी एक संभावित कैंसर उपचार हो सकता है। इस अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने दिखाया कि त्वचा कैंसर (ट्यूमर) वाले चूहों को दो सप्ताह तक 2.5 प्रतिशत ऑक्सीजन (O2) और 97.5 हाइड्रोजन (H2) के संपर्क में रखने से कैंसर का इलाज संभव हो पाया।

चूहों के ट्यूमर में उल्लेखनीय कमी आई। "चूहों को हाइड्रोजन-ऑक्सीजन थेरेपी के साथ 10 दिनों तक रखने के बाद, ट्यूमर काले हो गए। कुछ गिर गए; कुछ अपने आधार पर सिकुड़ गए और उन्हें काटने के लिए तैयार थे। चूहों को कोई हानिकारक परिणाम नहीं हुआ।"[10]

ल्यूकेमिया पर हाइपरबेरिक हाइड्रोजन का समान प्रभाव 1978 में बताया गया था।[11]चूहे पर हाइपरबेरिक हाइड्रोजन का विरोधी भड़काऊ प्रभावक्रोनिक यकृत सूजन वाला मॉडल भी 2001 में प्रकाशित हुआ था।[12]

हाइड्रोजन कैंसर के इलाज की एक नई विधि है।

हाइड्रोजन नियंत्रित कैंसर का सर्वेक्षण: 82 उन्नत मामलों की अनुवर्ती रिपोर्टचरण III और चरण IV के कैंसर रोगियों का हाइड्रोजन श्वास द्वारा उपचार किया गया, जिसके परिणाम निम्नलिखित थे:

‘‘हाइड्रोजन के सेवन के 4 सप्ताह बाद, रोगियों ने थकान, अनिद्रा, भूख न लगना और दर्द में महत्वपूर्ण सुधार की सूचना दी।

इसके अलावा, 41.5% रोगियों की शारीरिक स्थिति में सुधार हुआ, जिसमें फेफड़े के कैंसर के रोगियों में सबसे अच्छा प्रभाव देखा गया, तथा अग्नाशय और स्त्री रोग संबंधी कैंसर के रोगियों में सबसे खराब प्रभाव देखा गया।

सबसे अधिक कमी फेफड़े के कैंसर में देखी गई, तथा सबसे कम कमी अग्नाशय और यकृत के कैंसर में देखी गई।

इमेजिंग में दिखाई देने वाले ट्यूमर वाले 80 मामलों में, कुल रोग नियंत्रण दर 57.5% थी, जिसमें हाइड्रोजन अंतःश्वसन के बाद 21-80 दिनों (औसतन 55 दिन) में पूर्ण और आंशिक छूट दिखाई दी।

चरण III के रोगियों में रोग नियंत्रण दर चरण IV के रोगियों की तुलना में काफी अधिक थी (क्रमशः 83.0% और 47.7%), तथा अग्नाशय कैंसर के रोगियों में रोग नियंत्रण दर सबसे कम थी।’’

निष्कर्ष।

"उन्नत कैंसर वाले रोगियों में, साँस द्वारा हाइड्रोजन लेने से रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है तथा कैंसर की प्रगति को नियंत्रित किया जा सकता है।"[13]

कोशिका में ऑक्सीडेटिव तनाव अत्यधिक प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों (आरओएस) के कारण होता है। तीव्र ऑक्सीडेटिव तनाव विभिन्न स्थितियों, जैसे जोरदार व्यायाम, सूजन, इस्केमिया, रिपरफ्यूजन (आई/आर) चोट, सर्जिकल रक्तस्राव और ऊतक प्रत्यारोपण के कारण हो सकता है। क्रोनिक/लगातार ऑक्सीडेटिव तनाव कई जीवनशैली से संबंधित बीमारियों, उम्र बढ़ने और कैंसर के रोगजनन से निकटता से संबंधित है।

औषधि के रूप में हाइड्रोजन की कहानी 2007 में शुरू हुई, जब ओहसावा और उनके सहयोगियों ने पाया कि H2 में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो चुनिंदा रूप से हाइड्रॉक्सिल रेडिकल्स को निष्क्रिय करके मस्तिष्क को आई/आर चोट और स्ट्रोक से बचाते हैं।[14]यदि H2 ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है, तो हम यह भी कह सकते हैं कि H2 DNA की सुरक्षा करता है क्योंकि ऑक्सीडेटिव तनाव सेलुलर DNA को नुकसान पहुंचाता है, जिससे उत्परिवर्तन होता है। ROS ऑक्सीडेटिव DNA और प्रोटीन क्षति के साथ-साथ ट्यूमर सप्रेसर जीन को भी नुकसान पहुंचाता है। अन्य एंटीऑक्सीडेंट के विपरीत, H2 अणुओं का छोटा आकार उन्हें बायो-झिल्ली में प्रवेश करने और माइटोकॉन्ड्रिया और नाभिक में फैलने की अनुमति देता है, जिससे परमाणु DNA और माइटोकॉन्ड्रिया की सुरक्षा होती है।

ROS ऑक्सीडेटिव तनाव के माध्यम से कोशिका संरचनाओं को नुकसान पहुंचाता है। जबकि सिस्प्लैटिन जैसी कैंसर की दवा कैंसर कोशिकाओं को प्रभावी ढंग से मारती है, यह ऑक्सीडेटिव तनाव के माध्यम से आपके शरीर की अन्य कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाती है। जब कैंसर की दवा कैंसर कोशिकाओं को मारने का अपना काम कर रही होती है, तो आप अपने शरीर में अच्छी कोशिकाओं को मारने से कैसे रोकते हैं? इसका उत्तर हाइड्रोजन गैस है; आपके शरीर में गैर-कैंसर कोशिकाओं पर ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने के लिए निरंतर एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा प्रदान की जाती है। और जैसा कि हम इस पुस्तक में आगे देखेंगे, सोडियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट का उपयोग हर कैंसर के मामले में किया जाना चाहिए, जिससे हमें रक्त में CO2 के स्तर पर तुरंत नियंत्रण मिलता है और कोशिकाओं तक ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ जाती है।

मानव ट्यूमर कोशिकाएं गैर-रूपांतरित कोशिका रेखाओं की तुलना में अधिक प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियां (आरओएस) उत्पन्न करती हैं। ऊंचा ऑक्सीडेटिव तनाव कोशिका प्रसार, डीएनए संश्लेषण, सेलुलर प्रवास, आक्रमण को बढ़ाता है,

ट्यूमर मेटास्टेसिस, और एंजियोजिनेसिस।[15]जो भी चीज लगातार ROS को कम करेगी, वह कैंसर के उपचार के लिए आदर्श होगी।

हाइड्रोजन अत्यधिक आरओएस (ऑक्सीडेटिव तनाव) को कम करके और ईआरके (कोशिका विभाजन के लिए आवश्यक प्रमुख वृद्धि कारक) के डाउनरेगुलेशन के माध्यम से वीईजीएफ (वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर) को दबाता है, जो ट्यूमर एंजियोजेनेसिस (नई रक्त वाहिकाओं का विकास) का एक प्रमुख मध्यस्थ है।[16]

हाइड्रोजन और कैंसर पर अधिक विज्ञान

"आणविक हाइड्रोजन मानव जीभ कार्सिनोमा कोशिकाओं एचएससी-4 और मानव फाइब्रोसारकोमा कोशिकाओं एचटी-1080 की वृद्धि को कम करता है, लेकिन नियमित मानव जीभ उपकला जैसी कोशिकाओं के विकास से समझौता नहीं करता है।"

H2 को MMP जीन की अतिरंजित अभिव्यक्तियों को कम करने के लिए दिखाया गया है (MMP प्रोटीन कोशिकाओं में कई कार्यों में शामिल हैं, जिसमें कोशिका प्रसार, उपास्थि संश्लेषण, एपोप्टोसिस, एंजियोजेनेसिस आदि शामिल हैं)। हम जानते हैं कि कैंसरग्रस्त कोशिकाओं में MMP जीन की अभिव्यक्ति अधिक होती है, जिससे ट्यूमर का आक्रमण और ट्यूमर एंजियोजेनेसिस होता है।[17],[18]

"ईआरडब्ल्यू [हाइड्रोजन वॉटर] कैंसर कोशिकाओं में टेलोमेयर को छोटा करने का कारण बनता है और इंट्रासेल्युलर आरओएस को साफ करके और जीन अभिव्यक्ति और संवहनी एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर के स्राव को दबाकर ट्यूमर एंजियोजेनेसिस को दबाता है। इसके अलावा, ईआरडब्ल्यू मानव ल्यूकेमिया एचएल60 कोशिकाओं में ग्लूटाथियोन के साथ मिलकर एपोप्टोसिस को प्रेरित करता है।[19] "H2 जल के साथ उपचार ने कोलन 26 कोशिकाओं में p-AMPK, AIF, और कैस्पेज़ 3 (कोशिका अपोप्टोसिस मार्ग) की अभिव्यक्ति को बढ़ा दिया। इस प्रकार, H2 जल के परिणामस्वरूप कोलन 26 कोशिकाओं में AMPK मार्ग द्वारा मध्यस्थता से कोशिका अपोप्टोसिस हुआ"।[20]

आणविक हाइड्रोजन चूहों में थाइमिक लिंफोमा के विकास को रोक सकता है और उसकी रक्षा कर सकता है। "एच2 समूह में विकिरण-प्रेरित थाइमिक लिंफोमा दर नियंत्रण समूह की तुलना में काफी कम थी। एच2 उपचार ने लिंफोमा विकास की विलंबता को काफी हद तक बढ़ा दिया

विभाजित खुराक विकिरण के बाद। इन आंकड़ों से संकेत मिलता है कि H2 चूहों को विकिरण-प्रेरित थाइमिक लिंफोमा से बचाता है।[21]

रेडियोथेरेपी और कीमो प्राप्त करने वाले कैंसर रोगियों के लिए हाइड्रोजन

आणविक हाइड्रोजन स्वस्थ ऊतकों/कोशिकाओं को कैंसर रोधी दवाओं और कीमोथेरेपी दवाओं से बचाता है। हाइड्रोजन में सिस्प्लैटिन के दुष्प्रभावों को कुशलतापूर्वक कम करके कीमोथेरेपी के दौरान जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने की क्षमता है।"[22]हाइड्रोजन चूहों में ट्यूमर-रोधी गतिविधि से समझौता किए बिना नेफ्रोटॉक्सिसिटी-प्रेरित सिस्प्लैटिन को कम करता है।

कैंसर के लगभग आधे नए निदान किए गए रोगियों को रेडियोथेरेपी दी जाती है। जबकि रेडियोथेरेपी घातक कोशिकाओं को नष्ट करती है, यह आसपास की सामान्य कोशिकाओं को भी प्रभावित करती है। तीव्र रेडियोथेरेपी दुष्प्रभावों में थकान, मतली, दस्त, शुष्क मुँह, भूख न लगना, बालों का झड़ना, त्वचा में दर्द और अवसाद शामिल हैं। दुष्प्रभाव रेडियोथेरेपी के दौरान ROS उत्पादन के कारण बढ़े हुए ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से जुड़े हैं। छह सप्ताह तक हाइड्रोजन युक्त पानी के सेवन से रक्त में प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन मेटाबोलाइट्स कम हो गए और रक्त ऑक्सीकरण क्षमता बनी रही। रेडियोथेरेपी के दौरान, प्लेसबो पानी प्राप्त करने वाले रोगियों की तुलना में हाइड्रोजन युक्त पानी से उपचारित रोगियों में जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ।[23]

हाइड्रोजन श्वास द्वारा मस्तिष्क कैंसर का उपचार।



एक 47 वर्षीय महिला जो कई बीमारियों से पीड़ित है, का एक महत्वपूर्ण केस स्टडीमस्तिष्क के ट्यूमर के परीक्षणों से पता चला है कि चिकित्सा और आधुनिक ऑन्कोलॉजी के भविष्य में हाइड्रोजन चिकित्सा कितनी महत्वपूर्ण होगी। नवंबर 2015 में कई मेटास्टेसिस के साथ फेफड़ों के कैंसर से पीड़ित 44 वर्षीय एक महिला के एक अन्य अध्ययन में, मस्तिष्क के मेटास्टेसिस को हटाने के बाद लक्षित मौखिक दवाएं शुरू की गईं। अधिकांश घाव 28 महीने तक स्थिर रहे। मार्च 2018 में, कई इंट्राक्रैनील मेटास्टेसिस, तीसरे वेंट्रिकल और पार्श्व वेंट्रिकल में हाइड्रोसिफ़लस संचय और हड्डी, अधिवृक्क ग्रंथि और यकृत में मेटास्टेसिस नोट किए गए थे। एक महीने बाद ट्यूमर को नियंत्रित करने के लिए हाइड्रोजन-गैस मोनोथेरेपी शुरू हुई। चार महीनों के बाद, तीसरे वेंट्रिकल और पार्श्व वेंट्रिकल में कई मस्तिष्क ट्यूमर और हाइड्रोसिफ़लस का आकार काफी कम हो गया

नॉन-स्मॉल-सेल लंग कैंसर (NSCLC) दुनिया भर में दूसरा सबसे ज़्यादा पाया जाने वाला ट्यूमर है और कैंसर से जुड़ी मौतों का प्रमुख कारण है। ऑर्थोडॉक्स ऑन्कोलॉजी के तहत, 5 साल की उत्तरजीविता 3.6% है। पिछले तीन दशकों में मस्तिष्क में NSCLC मेटास्टेसिस वाले रोगियों के लिए 5 साल की उत्तरजीविता में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है।

उत्पन्न गैस में 67% हाइड्रोजन और 33% ऑक्सीजन होता है। एक विशेष मास्क का उपयोग करते हुए, रोगी आराम से दिन में 3-6 घंटे तक हाइड्रोजन को साँस में लेता रहता है, लक्षणों के स्पष्ट रूप से राहत मिलने के बाद भी बिना किसी रुकावट के। चार महीने के बाद, अधिकांश मस्तिष्क मेटास्टेसिस गायब हो गए।

"कुल मिलाकर, H2 कोशिका-मुक्त प्रतिक्रियाओं में मजबूत प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन/नाइट्रोजन प्रजातियों के साथ प्रतिक्रिया करके जीवनशैली से संबंधित ऑक्सीडेटिव तनाव के जोखिम को कम करता है। ऑक्सीडेटिव तनाव, सूजन और ट्यूमर के मामलों में H2 को लागू करना आसान है। प्रतिकूल प्रभावों की कमी और शामिल अधिकांश रोगजनक स्थितियों के लिए उच्च प्रभावकारिता के कारण, H2 गैस और H2 पानी को चिकित्सीय दृष्टिकोणों के लिए आशाजनक उम्मीदवारों के रूप में तेजी से स्वीकार किया जा रहा है। हम परिकल्पना करते हैं कि H2 गैस साँस लेना और H2 पानी का मौखिक प्रशासन ऑक्सीडेटिव तनाव से संबंधित कैंसर में सूजन से बचा सकता है,

और इस प्रकार कैंसर के नैदानिक प्रबंधन में ट्यूमर-रोधी प्रभाव में सुधार होगा।''

''हम पित्ताशय की थैली के कैंसर (जीबीसी) से पीड़ित 72 वर्षीय महिला रोगी का मामला प्रस्तुत करते हैं, जिसमें अपरिवर्तनीय इलेक्ट्रोपोरेशन एब्लेशन और मौखिक कीमोथेरेपी के नौ महीने बाद इन सीटू पुनरावृत्ति और यकृत मेटास्टेसिस विकसित हुआ, जो रोग की प्रगति को नियंत्रित करने में विफल रहा। रोगी ने अग्न्याशय के सिर के आसपास के लिम्फ नोड्स में मेटास्टेसिस को और विकसित किया। रोगी को गंभीर एनीमिया था, जिसके लिए साप्ताहिक रक्त आधान की आवश्यकता होती थी। पित्ताशय की थैली के ट्यूमर ने ग्रहणी के अवरोही भाग पर आक्रमण किया, जिससे आंतों में रिसाव और यकृत बृहदांत्र आसंजन हुआ। केस सारांश: रोगी ने अन्य उपचारों से इनकार कर दिया और दैनिक हाइड्रोजन इनहेलेशन थेरेपी शुरू की। एक महीने के उपचार के बाद, पित्ताशय की थैली और यकृत के ट्यूमर बढ़ते रहे उसके एनीमिया और हाइपोएल्ब्यूमिनेमिया को ठीक किया गया, लिम्फोसाइट और ट्यूमर मार्कर का स्तर सामान्य हो गया, और रोगी सामान्य जीवन फिर से शुरू कर सका। निष्कर्ष: यह मेटास्टैटिक जीबीसी और सामान्य गंभीर स्थिति वाले रोगी में हाइड्रोजन थेरेपी के बारे में प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन की पहली रिपोर्ट है, जो चार महीने से अधिक समय तक स्थिर रहा है।''

हाइड्रोजन, बाइकार्बोनेट, ग्लूटाथियोन और आयोडीन से फेफड़ों के कैंसर का इलाज।



चाहे वे आँकड़ों को कैसे भी पेश करें, फेफड़े के कैंसर के 50% से ज़्यादा मरीज़ अपनी बीमारी या ऑन्कोलॉजिस्ट से मिलने वाले इलाज से मर जाते हैं। 2021 के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में फेफड़े के कैंसर के लिए अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के अनुमान इस प्रकार हैं:

- फेफड़े के कैंसर के लगभग 235,760 नए मामले (पुरुषों में 119,100 और महिलाओं में 116,660)
- फेफड़े के कैंसर से लगभग 131,880 मौतें (पुरुषों में 69,410 और महिलाओं में 62,470)

नेशनल फाउंडेशन फॉर कैंसर रिसर्च ने बताया है कि केवल 16% फेफड़ों के कैंसर की ही समय पर पहचान हो पाती है, जिससे इलाज और बचना बहुत मुश्किल हो जाता है। हर साल, लाखों अमेरिकियों में फेफड़ों के कैंसर का निदान किया जाता है। दुखद बात यह है कि फेफड़ों का कैंसर सबसे घातक कैंसर में से एक है, जो हर साल स्तन, प्रोस्टेट और कोलन कैंसर से होने वाले कुल जीवन से भी ज़्यादा लोगों की जान लेता है।

चूंकि अधिकांश फेफड़ों के कैंसर के मामलों का निदान मेटास्टेटिक चरण में किया जाता है, इसलिए कीमोथेरेपी मानक उपचार विकल्प है। दुर्भाग्य से, कीमोथेरेपी बहुत प्रभावी नहीं है। कुछ फेफड़ों के कैंसर कोशिकाएं कीमोथेरेपी के लिए आंतरिक रूप से प्रतिरोधी होती हैं, जबकि अन्य प्रतिरोध विकसित करती हैं और फिर गुणा करती हैं।

नेशनल फाउंडेशन फॉर कैंसर रिसर्च का कहना है, "अन्य उपचार विकल्पों की कमी फेफड़ों के कैंसर से होने वाली मौतों की चौंकाने वाली संख्या में बहुत योगदान देती है।" यह सच नहीं है या गलत तरीके से कहा गया है। यह ऑन्कोलॉजिस्ट की संकीर्ण मानसिकता है जो अन्य विकल्पों पर विचार करने से इनकार करते हैं जो फेफड़ों के कैंसर से होने वाली मौतों की चौंकाने वाली संख्या का कारण बनते हैं। आधुनिक चिकित्सा में सामान्य रूप से और विशेष रूप से ऑन्कोलॉजिस्ट के लिए, यदि वे वैकल्पिक उपचारों के बारे में नहीं जानते हैं, तो इसका मतलब है कि वे मौजूद नहीं हैं - नग्न अभिमान या, कैंसर के संदर्भ में, घातक अहंकार।

फेफड़ों के कैंसर के इलाज का सबसे अच्छा तरीका फेफड़ों का ही इलाज करना है, हालाँकि चूँकि ज़्यादातर फेफड़ों के कैंसर के मरीज़ मेटास्टेसिस से पीड़ित होते हैं, इसलिए सिस्टमिक उपचार की भी ज़रूरत होती है। फेफड़ों के सीधे उपचार को सामयिक/ट्रांसडर्मल उपचार माना जा सकता है क्योंकि फेफड़े शरीर की अंदरूनी त्वचा होते हैं जो शरीर को पर्यावरण से अलग करते हैं।

इस प्रस्तुति का मुख्य ध्यान हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस के बीच विभाजित होगा, जिसे दिन में कई घंटे या बाद के सबसे घातक चरणों में लगातार प्रशासित किया जा सकता है, और सोडियम बाइकार्बोनेट, ग्लूटाथियोन, आयोडीन और मैग्नीशियम क्लोराइड का उपयोग करके नेबुलाइजेशन (फेफड़ों के ऊतकों में सीधे दवाएँ पहुँचाना)। हालाँकि आँकड़े प्रदान करना बहुत जल्दी है, लेकिन इस तरह के उपचार संयोजन को तार्किक चिकित्सा विज्ञान द्वारा समर्थित किया जाता है। इसलिए, इस तरह के उपचारों से कोई गलत नहीं हो सकता।

फेफड़ों के कैंसर के लिए सबसे क्रांतिकारी उपचार हाइड्रोजन गैस है। चीन के चिकित्सा वैज्ञानिकों ने निष्कर्ष निकाला है कि हाइड्रोजन थेरेपी ट्यूमर की प्रगति को नियंत्रित कर सकती है और उन्नत नॉन-स्मॉल-सेल फेफड़ों के कैंसर के रोगियों में दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों को कम कर सकती है।

जिनान विश्वविद्यालय के फूडा कैंसर अस्पताल के डॉ. जी-बिंग चेन व अन्य ने प्रतिदिन 4-5 घंटे तक H2 इनहेलेशन दिया। "उपचार के पहले पाँच महीनों के दौरान, नियंत्रण समूह की व्यापकता धीरे-धीरे बढ़ी, जबकि चार उपचार समूहों की व्यापकता धीरे-धीरे कम हुई। 16 महीने के फॉलो-अप के बाद, नियंत्रण समूह की प्रगति-मुक्त उत्तरजीविता H2-केवल समूह की तुलना में कम थी और H2 + कीमोथेरेपी, H2 + लक्षित चिकित्सा और H2 + इम्यूनोथेरेपी समूहों की तुलना में काफी कम थी। संयुक्त उपचार समूहों में, अधिकांश दवा-संबंधी प्रतिकूल घटनाएँ धीरे-धीरे कम हुईं या गायब भी हो गईं। H2 इनहेलेशन का उपयोग ट्यूमर की प्रगति को नियंत्रित करने और उन्नत नॉन-स्मॉल-सेल लंग कैंसर वाले रोगियों के लिए दवाओं की प्रतिकूल घटनाओं को कम करने के लिए किया जा सकता है।"[24]

डॉ. जिंगहोंग मेंग और उनके साथियों ने पाया कि हाइड्रोजन गैस फेफड़ों के कैंसर के बढ़ने को रोकती है। उनके अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि H2 CD47 को कम करके फेफड़ों के कैंसर के बढ़ने को रोकता है, जो फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए एक शक्तिशाली तरीका हो सकता है।[25]

डॉ. डोंगचांग वांग_एट अल. ने दिखाया कि H2 ने कैंसर कोशिका की व्यवहार्यता, प्रवास और आक्रमण को बाधित किया और कोशिका एपोप्टोसिस को उत्प्रेरित किया। "सभी डेटा ने सुझाव दिया कि H2 ने क्रोमोसोम संघनन के लिए एक नियामक SMC3 को कम करके फेफड़ों के कैंसर की प्रगति को बाधित किया, जिसने फेफड़ों के कैंसर के उपचार के लिए एक नई विधि प्रदान की।"[26]

"इसके अलावा, हाइड्रोजन गैस दिए जाने पर कैंसर कोशिकाओं के प्रसार, प्रवास, आक्रमण और एपोप्टोसिस को बढ़ावा देने में अवरोध पाया गया। प्रायोगिक पशु परख ने प्रदर्शित किया कि H2 समूह में ट्यूमर का वजन नियंत्रण समूह की तुलना में काफी कम था।"

डॉ. साई ली और उनके साथियों ने पाया कि हाइड्रोजन में कई जैव-सक्रियताएँ होती हैं, जिनमें सूजन-रोधी, प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजाति-रोधी और कैंसर-रोधी शामिल हैं। इसके अलावा, बढ़ते प्रमाणों से पता चला है कि हाइड्रोजन गैस

पारंपरिक कीमोथेरेपीटिक्स के कारण होने वाले दुष्प्रभावों को कम करना या कैंसर कोशिकाओं और ज़ेनोग्राफ्ट ट्यूमर के विकास को दबाना, नैदानिक चिकित्सा में इसके व्यापक प्रभावी अनुप्रयोग का सुझाव देता है।[27]

प्रकृति में सबसे हल्के अणु के रूप में, हाइड्रोजन गैस आकर्षक प्रवेश गुण प्रदर्शित करती है, क्योंकि यह कोशिका झिल्ली के माध्यम से तेजी से फैल सकती है। हालाँकि हाइड्रोजन गैस का अध्ययन 1975 में त्वचा स्क्वैमस कार्सिनोमा माउस मॉडल में एक चिकित्सा के रूप में किया गया था,[28]चिकित्सा अनुप्रयोग में इसकी क्षमता का पता 2007 तक नहीं लगाया गया था।*हाइड्रोजन चिकित्सा* यह नया है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि इसे फेफड़े के कैंसर के लिए आदर्श और सबसे आवश्यक आधारभूत उपचार के रूप में मान्यता नहीं दी गई है।

1975 में, स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले चूहों को 2 सप्ताह तक हाइड्रोजन के संपर्क में रखा गया था, ताकि यह देखा जा सके कि क्या यह मुक्त मूलक क्षय उत्प्रेरक त्वचा के ट्यूमर को कम करने का कारण बनता है। "चूहों को हाइड्रोजन-ऑक्सीजन थेरेपी के संपर्क में लाने के पहले 10 दिनों के बाद, गुणात्मक रूप से पाया गया कि ट्यूमर काले हो गए थे, कुछ गिर गए थे, कुछ अपने आधार पर सिकुड़ गए थे और "चुटकी से काटे जाने" की प्रक्रिया में थे, और चूहों को कोई हानिकारक परिणाम नहीं भुगतना पड़ा।" हालाँकि, यह प्रभाव तब नहीं देखा गया जब चूहे हीलियम और ऑक्सीजन जैसी अन्य गैसों के संपर्क में थे। अपने लेख के अंत में, लेखकों ने भविष्यवाणी की कि यह कैंसर विरोधी गतिविधि मानव जाति के लिए ज्ञात सबसे शक्तिशाली ऑक्सीडेंट, यानी OH रेडिकल के साथ हाइड्रोजन की प्रतिक्रिया के कारण हो सकती है।

फेफड़ों के कैंसर के साथ जीवन के अंत में क्या उम्मीद की जाए, इस बारे में बात करना मुश्किल है। फिर भी बहुत से लोग इस बात का अंदाजा लगाना चाहते हैं कि अपने प्रियजनों या खुद के लिए यात्रा के अंतिम चरण में क्या उम्मीद की जाए। यदि हाइड्रोजन को नीचे सूचीबद्ध अन्य प्राकृतिक पदार्थों और उपचारों के साथ प्रशासित किया जाता है, तो किसी भी व्यक्ति के जीवन के अंत का अनुभव अलग होगा। हाइड्रोजन इनहेलेशन थेरेपी फेफड़ों के कैंसर के सभी चरणों के लिए आदर्श है, न केवल इसकी प्रभावकारिता के कारण बल्कि इसलिए भी कि इसे आसानी से प्रशासित किया जा सकता है।

ऑक्सीजन कैंसर कोशिकाओं और ट्यूमर के नीचे से उस मूलभूत स्थिति को हटाकर उन्हें विषाक्त बनाता है। बाइकार्बोनेट कैंसर कोशिकाओं और ट्यूमर के नीचे से उस मूलभूत स्थिति को हटाकर उसे विषाक्त बनाता है।

यही बात है, ऑक्सीजन और बाइकार्बोनेट का एक साथ उपयोग कैंसर कोशिकाओं के लिए घातक है।

इसके अलावा, सबसे गंभीर मामलों के लिए, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैसों (ब्राउन गैस) को चौबीसों घंटे प्रशासित किया जा सकता है। हाइड्रोजन इनहेलेशन मशीनों ने कई तरह की जानलेवा स्थितियों के लिए आईसीयू विभागों में खुद को साबित किया है। मरने वाले व्यक्ति के लिए हाइड्रोजन एक हवा की तरह है जो व्यक्ति को मौत के दरवाजे से दूर उड़ा देती है। हाइड्रोजन मौत के दूत को धोखा दे सकता है, इसलिए फेफड़ों के कैंसर के रोगियों के लिए यह महत्वपूर्ण है।

वैज्ञानिक साहित्य और तेजी से उभरता विज्ञान एक महान संकेत देता हैऑन्कोलॉजी में हाइड्रोजन गैस के साँस लेने की क्षमता। हाइड्रोजन मेडिसिन ने पहले ही खुद को मस्तिष्क कैंसर के लिए प्रभावी साबित कर दिया है - जो विशेष रूप से फेफड़ों के कैंसर के रोगियों और स्तन कैंसर के रोगियों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मेटास्टेसिस अक्सर मस्तिष्क तक जाता है।

नेबुलाइजेशन - फेफड़ों में ट्रांसडर्मल उपचार

कुछ देशों में, नेबुलाइजर लोगों को केवल डॉक्टर के पर्चे के आधार पर दिए जाते हैं क्योंकि वे रक्तप्रवाह तक सीधी पहुंच प्रदान करते हैं। यह इस बात का संकेत है कि हम गंभीर दवा से निपट रहे हैं, इसलिए सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। नेबुलाइजर से, हमें, कुछ हद तक, इंजेक्शन के समान ही प्रभाव मिलता है; दवाएँ तुरंत रक्तप्रवाह में सीधे फैल जाती हैं। इस प्रकार नेबुलाइजर जीवनरक्षक हो सकता है।

फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोगों को दवाएँ मौखिक रूप से लेने के बजाय नेबुलाइज़ेशन द्वारा लेने पर बेहतर महसूस होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पेट में दवाओं को तोड़ने और फिर उन्हें रक्तप्रवाह के माध्यम से फेफड़ों तक पहुँचाने के लिए एम्बुलेटेड सिस्टम की ज़रूरत नहीं होती है। इसके बजाय, नेबुलाइज़ेशन दवाएँ सीधे फेफड़ों के ऊतकों पर छिड़की जाती हैं ताकि फेफड़ों और बांह की कोशिकाओं द्वारा स्थानीय रूप से अवशोषित हो सकें।

डॉ. शैलेनबर्गर कहते हैं, "नेबुलाइज़र तरल को छोटे-छोटे बुलबुलों में बदल देता है जो इतने छोटे होते हैं कि उन्हें सिर्फ़ माइक्रोस्कोप से ही देखा जा सकता है। जब ये बुलबुले नेबुलाइज़र से बाहर आते हैं, तो वे इतने छोटे होते हैं कि वे बिल्कुल धुएँ जैसे दिखते हैं। और यही नेबुलाइज़र का जादू है। बुलबुले इतने छोटे होते हैं कि वे धुएँ जैसे दिखते हैं।

ये इतने छोटे होते हैं कि इन्हें बिना किसी परेशानी या जलन के फेफड़ों के सबसे गहरे हिस्से में सांस के साथ अंदर लिया जा सकता है। यह अस्थमा के रोगियों के लिए अपने फेफड़ों को खोलने के लिए ज़रूरी दवा पाने का एक बढ़िया तरीका है।"

ग्लूटेथिओन

डॉ. मिशेल अल्परट कहती हैं, "चूंकि मौखिक ग्लूटाथियोन अच्छी तरह से अवशोषित नहीं होता है, इसलिए मैंने नेबुलाइज़्ड ग्लूटाथियोन के साथ भी प्रयोग करना शुरू कर दिया है, जिसे मरीज़ डिटॉक्स ड्रिप के बीच घर पर ले सकते हैं। 2000 में अल्टरनेटिव मेडिसिन रिव्यू में एक अध्ययन के अनुसार, नेबुलाइज़्ड ग्लूटाथियोन ने वातस्फीति और अस्थमा और ब्रोंकाइटिस जैसे अन्य फेफड़ों के विकारों में उल्लेखनीय सफलता पाई है। ऐसा प्रतीत होता है कि साँस लेने का एक प्रणालीगत प्रभाव हो सकता है। कुछ रोगियों को इस संयोजन से और भी अधिक सफलता मिल रही है।"

मैं अपने क्रोनिक ब्रोंकाइटिस के लिए बेकिंग सोडा के साथ ग्लूटाथियोन का नेबुलाइजेशन कर रहा हूं। जब मैंने पहली बार इसका इस्तेमाल किया तो मैं हैरान रह गया। मुझे 24 घंटे तक बलगम वाली खांसी से कोई परेशानी नहीं हुई और अगले कुछ दिनों में मुझे बहुत कम स्राव हुआ।

एन. गुडफेलो

ग्लूटाथियोन, शरीर में सबसे महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट है, यह वह स्थान है जहांसल्फर और सेलेनियम मिलकर हमें कैंसर से बचाते हैं। इसके बिना प्रतिरक्षा प्रणाली ठीक से काम नहीं कर सकती है, और विटामिन सी और ई जैसे एंटीऑक्सीडेंट शरीर के भीतर उचित रूप से काम करने के लिए इस पर निर्भर करते हैं। ग्लूटाथियोन कैंसर कनेक्शन अच्छी तरह से स्थापित है। कैंसर, पुरानी गंभीर बीमारी, एड्स और 60 से अधिक अन्य बीमारियों वाले रोगियों में ग्लूटाथियोन का स्तर कम हो गया है। इसके अलावा, ग्लूटाथियोन हमारे पर्यावरण में कई प्रसिद्ध कैंसर पैदा करने वाले और कोशिका को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थों को डिटॉक्सीफाई करने में एक विशिष्ट भूमिका निभाता है।

ग्लूटाथियोन पर 98,000 से अधिक वैज्ञानिक अध्ययन और लेख पबमेड में दर्ज हैं, जो चिकित्सा अनुसंधान की आधिकारिक अमेरिकी सरकार की लाइब्रेरी है। वे लेख बताते हैं कि ग्लूटाथियोन मानव शरीर में हर कोशिका की सुरक्षा और कार्य तथा इष्टतम स्वास्थ्य और जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्य समर्थन। हालांकि, वे कम ग्लूटाथियोन के स्तर के भयानक परिणामों को भी दिखाते हैं और कैसे ये निम्न स्तर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को तेज करते हैं।

मैग्नीशियम और ग्लूटाथियोन

शुद्ध मैग्नीशियम तेल का उपयोग नेबुलाइज़र में किया जा सकता है। ग्लूटाथियोन को इसके संश्लेषण के लिए मैग्नीशियम की आवश्यकता होती है। ग्लूटाथियोन सिंथेटेस को ए-ग्लूटामिल सिस्टीन, ग्लाइसिन, एटीपी और मैग्नीशियम आयनों की आवश्यकता होती है। डेटा ग्लूटाथियोन की इन विट्रो और इन विवो में प्रत्यक्ष क्रिया को इंट्रासेल्युलर मैग्नीशियम और सेलुलर मैग्नीशियम, जीएसएच/जीएसएसजी अनुपात और ऊतक ग्लूकोज चयापचय के बीच एक नैदानिक संबंध को बढ़ाता है।

डॉ. रसेल ब्लेलोक के अनुसार, मैग्नीशियम की कमी से मुक्त कणों के निर्माण और ग्लूटाथियोन की कमी में नाटकीय वृद्धि होती है, जो महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्लूटाथियोन उन कुछ एंटीऑक्सीडेंट अणुओं में से एक है जो पारे को बेअसर करने के लिए जाने जाते हैं।



मैं नेबुलाइजेशन के लिए एल-ग्लूटाथियोन प्लस की सलाह देता हूं क्योंकि इसे विशेष रूप से फार्मास्युटिकल ग्रेड (ओपीआईटीएसी) रिड्यूस्ड एल-ग्लूटाथियोन और सोडियम बाइकार्बोनेट का उपयोग करके बेहतर अवशोषण के लिए इंजीनियर किया गया है। डिस्टिल्ड या डीआई पानी या सलाइन सॉल्यूशन के साथ मिश्रित होने पर, रिड्यूस्ड एल-ग्लूटाथियोन प्लस™ आइसोटोनिक बन जाता है, जिससे यह फेफड़े, नाक और अन्य कोमल ऊतकों के संपर्क के लिए आरामदायक रूप से आदर्श बन जाता है। कोई फिलर, एक्सिपिएंट, प्रिजर्वेटिव या एडिटिव्स नहीं।

बिकारबोनिट

अब हमारे पास कैंसर के लिए बाइकार्बोनेट थेरेपी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पहले से कहीं ज़्यादा कारण हैं। लुडविग कैंसर रिसर्च के एक नए अध्ययन में कहा गया है, "यदि आप कैंसर की घड़ी को साफ करना चाहते हैं - यानी इसे निर्णायक रूप से हराना चाहते हैं - तो आपको इसे वास्तव में साफ करना होगा - यानी इसे उचित कार्य क्रम में वापस लाना होगा। अपने आंतरिक सर्कैडियन तंत्र की टिक-टॉक के साथ सहानुभूति में, केवल कैंसर कोशिकाएँ जो अपने आंतरिक सर्कैडियन तंत्र की टिक-टॉक के साथ सहानुभूति में सक्रिय रहती हैं, वे ही कैंसर उपचारों के लिए अतिसंवेदनशील होती हैं। तो, इन सर्कैडियन तंत्रों को कैसे चालू रखा जा सकता है? सोडियम बाइकार्बोनेट अब उन कैंसर कोशिकाओं को जगाने का वादा करता है जो ट्यूमर के अंदर गहरी नींद में चली गई हैं, जहाँ ऑक्सीजन की कमी और अम्लीय परिस्थितियाँ साथ-साथ चलती हैं। अम्लीकरण के खिलाफ बफरिंग करके, सोडियम बाइकार्बोनेट सर्कैडियन दोलन को बचाता है।"

वस्तुतः हर कैंसर रोगी को सोडियम बाइकार्बोनेट से लाभ होगा क्योंकि यह कैंसर रोगियों में सार्वभौमिक रूप से पाई जाने वाली कम ऑक्सीजन एसिड स्थितियों का इलाज करता है। सोडियम बाइकार्बोनेट ट्यूमर को सिकोड़ता है। (बाइकार्बोनेट स्वतःस्फूर्त मेटास्टेसिस को रोकता है (रोबे 2009)। 'बाइकार्बोनेट ट्यूमर पीएच को बढ़ाता है और स्वतःस्फूर्त मेटास्टेसिस को रोकता है' के अनुसारचिकित्सा वैज्ञानिकNaHCO3 थेरेपी ने इंट्रास्प्लेनिक इंजेक्शन के बाद यकृत मेटास्टेसिस के गठन को महत्वपूर्ण रूप से कम कर दिया, यह दर्शाता है कि इसने एक्स्ट्रावासेशन और उपनिवेशण को बाधित किया।

"इटली के बारी विश्वविद्यालय में किए गए अध्ययनों से पता चला है किसभी ट्यूमर की पहचान, चाहे उनकी उत्पत्ति या पृष्ठभूमि कुछ भी हो, उनका अम्लीय वातावरण है। अम्लीय पीएच और हाइपोक्सिया या कम ऑक्सीजन स्तर के साथ ट्यूमर की प्रगति बढ़ जाती है," डॉ. वेरोनिक डेसौलनियर्स लिखते हैं। इस प्रकार, पीएच गतिशीलता में गड़बड़ी कार्सिनोजेनेसिस में बहुत पहले बढ़ जाती है और यह ट्यूमर के सबसे आम पैथोफिज़ियोलॉजिकल हॉलमार्क में से एक है।"

"एक अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि ट्यूमर कोशिकाएं वास्तव में एक अम्लीय वातावरण बनाकर विशिष्ट इंजीनियरिंग करती हैं जो घातक कोशिकाओं के लिए विषाक्त नहीं है, लेकिन सामान्य कोशिकाओं और ऊतकों पर इसके नकारात्मक प्रभाव के माध्यम से स्थानीय आक्रमण को बढ़ावा देता है।"

सामान्य या लगभग सामान्य पीएच वाले क्षेत्रों में ट्यूमर का आक्रमण नहीं हुआ। इम्यूनोहिस्टोकेमिकल विश्लेषणों से पता चला कि आक्रामक किनारों में कोशिकाओं ने ग्लूकोज ट्रांसपोर्टर GLUT-1 और सोडियम-हाइड्रोजन एक्सचेंजर NHE-1 को व्यक्त किया, जो दोनों पेरिट्यूमोरल एसिडोसिस से जुड़े थे। हमारे निष्कर्षों के समर्थन में, सोडियम बाइकार्बोनेट का मौखिक प्रशासन पेरिट्यूमोरल पीएच को बढ़ाने और प्रीक्लिनिकल मॉडल में ट्यूमर के विकास और स्थानीय आक्रमण को रोकने के लिए पर्याप्त था, जो एसिड-मध्यस्थ आक्रमण परिकल्पना का समर्थन करता है।

पीएच बफर्स की बढ़ी हुई प्रणालीगत सांद्रता इंट्राट्यूमोरल और पेरिट्यूमोरल एसिडोसिस को कम करती है। ओरल NaHCO3 ने चुनिंदा रूप से ट्यूमर के पीएच को बढ़ाया और मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर के माउस मॉडल में सहज मेटास्टेसिस को कम किया। NaHCO3 थेरेपी ने लिम्फ नोड की भागीदारी की दर को भी कम कर दिया और यकृत मेटास्टेसिस के गठन को काफी कम कर दिया। इसके अलावा, एसिड पीएच ने सक्रिय कैथेप्सिन बी की रिहाई को बढ़ा दिया, जो एक आवश्यक मैट्रिक्स रीमॉडलिंग प्रोटीज है।

आप जितने ज़्यादा क्षारीय होंगे, आपके तरल पदार्थ उतनी ज़्यादा ऑक्सीजन को बनाए रख सकते हैं। ऑक्सीजन चयापचय अपशिष्ट अम्लों को भी बफर/ऑक्सीकृत करता है, जिससे आप ज़्यादा क्षारीय बने रहते हैं। ऑक्सीजन और pH बढ़ाने का सबसे तेज़ तरीका सोडियम बाइकार्बोनेट प्रशासन है, यही वजह है कि बाइकार्बोनेट हमेशा आपातकालीन कक्षों और गहन देखभाल चिकित्सा में मुख्य आधार रहा है। लेकिन, ज़ाहिर है, जब हम ऑक्सीजन और pH स्तर बढ़ाते हैं, तो हम एक साथ सेलुलर वोल्टेज भी बढ़ाते हैं।

1912 में नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. एलेक्सिस कैरेल के अनुसार, "जीवन का रहस्य कोशिकाओं को पोषण देना और उन्हें अपशिष्ट और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने देना है।" 1931 और 1944 में नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. ओटो वारबर्ग ने कहा, "अगर हम अपने आंतरिक वातावरण को ऑक्सीजन से वंचित अम्लीय वातावरण से ऑक्सीजन से भरे क्षारीय वातावरण में बदल दें, तो वायरस, बैक्टीरिया और कवक जीवित नहीं रह पाएंगे।"

सेल जर्नल में प्रकाशित, उपरोक्त लुडविग अध्ययन में विस्तार से बताया गया है कि कैसे अम्लता की प्रतिक्रिया में, कोशिकाएँ mTORC1 नामक एक महत्वपूर्ण आणविक स्विच को बंद कर देती हैं, जो सामान्य परिस्थितियों में कोशिकाओं को बढ़ने और विभाजित होने के लिए हरी झंडी देने से पहले पोषक तत्वों की उपलब्धता का आकलन करता है।

कोशिकाओं के प्रोटीन के उत्पादन को बंद कर देता है, उनकी चयापचय गतिविधि और सर्केडियन घड़ियों को बाधित करता है, जिससे वे निष्क्रिय अवस्था में चले जाते हैं। "लेकिन अगर आप उन चूहों को दिए जाने वाले पीने के पानी में बेकिंग सोडा मिलाते हैं, तो पूरा ट्यूमर mTOR गतिविधि से जगमगा उठता है। इसलिए भविष्यवाणी यह होगी कि इन कोशिकाओं को फिर से जगाने से, आप ट्यूमर को उपचार के प्रति कहीं अधिक संवेदनशील बना सकते हैं।"

आयोडीन का नेबुलाइज़ करना बिल्कुल सही है

अपने एंटीऑक्सीडेंट और सूजनरोधी कार्यों के साथ, आयोडीन कई आणविक मार्गों को प्रभावित करता है जो कोशिकाओं में विभेदन और एपोप्टोसिस का हिस्सा हैं। चल रहे महामारी विज्ञान के साक्ष्य इन प्रभावों के माध्यम से कैंसर की रोकथाम और उपचार में आयोडीन की भूमिका की ओर इशारा करते हैं।

गण्डमाला (आयोडीन की कमी) की उच्च दर कैंसर मृत्यु दर की उच्च दर से संबंधित है। यह सौ से अधिक वर्षों से जाना जाता है, विशेष रूप से स्तन और पेट के कैंसर के लिए। कम आयोडीन गण्डमाला की स्थिति से जुड़े अन्य कैंसर में प्रोस्टेट कैंसर, एंडोमेट्रियल, डिम्बग्रंथि, कोलोरेक्टल और थायरॉयड कैंसर शामिल हैं।

कैंसर की शुरुआत आयोडीन की कमी से होती है, ठीक वैसे ही जैसे ऑक्सीजन की कमी से होती हैऊतकों की। डॉ. ब्राउनस्टीन ने बताया कि आयोडीन की कमी वाले व्यक्तियों में हम क्या खोजने की उम्मीद कर सकते हैं।[29]जब आयोडीन की कमी होती है, तो आवश्यक अंगों में गांठें बन जाती हैं, जिससे कैंसर से पहले की स्थिति पैदा हो जाती है और अंततः पूर्ण विकसित कैंसर हो जाता है। ब्राउनस्टीन कहते हैं, "आयोडीन का मुख्य काम उन ऊतकों की सामान्य संरचना को बनाए रखना है। आयोडीन की कमी से, सबसे पहले जो होता है, वह है स्तनों, अंडाशयों, गर्भाशय, थायरॉयड, प्रोस्टेट में सिस्टिक गठन और, चलिए इसमें अग्न्याशय को भी शामिल कर लेते हैं, जो महामारी दर से बढ़ रहा है - अग्नाशय का कैंसर। आयोडीन की कमी होने पर सिस्ट बनना शुरू हो जाते हैं। अगर यह लंबे समय तक जारी रहता है, तो वे गांठदार और सख्त हो जाते हैं। अगर यह लंबे समय तक जारी रहता है, तो वे हाइपरप्लास्टिक ऊतक बन जाते हैं, जो कैंसर का अग्रदूत है। मैं कहता हूँ कि यह आयोडीन की कमी का सिलसिला है।"

ब्राउनस्टीन आगे कहते हैं, "आयोडीन के बारे में अच्छी बात यह है कि आयोडीन में एपोप्टोटिक गुण होते हैं, जिसका अर्थ है कि यह कैंसर कोशिका को बढ़ने से रोक सकता है।"

लगातार विभाजित, विभाजित, विभाजित जब तक कि यह किसी को मार न दे। इसलिए आयोडीन इस निरंतरता को जहाँ भी पकड़ता है, रोक सकता है और उम्मीद है कि इसे उलट सकता है, लेकिन कम से कम जो हो रहा है उस पर ब्रेक लगा सकता है।

निष्कर्ष

लगभग बिना किसी अपवाद के, ऑन्कोलॉजिस्ट सबसे खतरनाक जहरीले उपचारों का उपयोग करने के फार्मास्यूटिकल प्रतिमान के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हैं। इसलिए अपने ऑन्कोलॉजिस्ट से ज़्यादा जानना फ़ायदेमंद है। मैं अपने पाठकों को अपने कैंसर पर विजय पाने के पाठ्यक्रम में ठीक यही बताता हूँ।



चाहे आपको या आपके किसी प्रियजन को कैंसर हो, यह जानना कि क्या होने वाला है, आपको इस अनुभव से निपटने और जीने में मदद कर सकता है। कैंसर और उसके कारणों के बारे में गहन जानकारी से लेकर उपचार, भावनात्मक पहलुओं, परीक्षणों और बहुत कुछ के बारे में गहन जानकारी तक, मैं 500 डॉलर की नियमित कीमत पर अस्सी प्रतिशत छूट पर कैंसर पर 100 पाठ का कोर्स प्रदान करता हूँ। तो आपकी लागत केवल 99 डॉलर होगी। यह प्रणाली दा विंची विश्वविद्यालय में डॉक्टरेट कार्यक्रम का हिस्सा है और जब इसे क्रेडिट के रूप में लिया जाता है, तो इसकी लागत 1,000 यूरो होती है।

https://drsircus.com/conquering-cancer-course/

सामान्य निर्देश

प्रक्रिया: नेबुलाइज़र का प्राथमिक उद्देश्य तरल को तोड़कर दवा के तेज़ और अधिक प्रभावी अवशोषण को सुगम बनाना है।

दवा को बहुत बारीक कणों में बदल दिया जाता है जिसे मरीज़ साँस के ज़रिए अंदर ले लेता है। पहला कदम डिवाइस से जुड़े कप में लिक्विड दवा डालना है। यह समझना ज़रूरी है कि ये डिवाइस सिर्फ़ इस्तेमाल के समय डाली गई लिक्विड दवा को ही स्वीकार करते हैं, उससे पहले नहीं। अगर डॉक्टर ने नेबुलाइज़ेशन के लिए एक से ज़्यादा दवाएँ लिखी हैं, तो सुनिश्चित करें कि उन्हें मिलाया जा सकता है या नहीं या उन्हें अलग-अलग लिया जाना चाहिए। एक बार जब दवा कप में डाल दी जाए, तो कप को बंद कर दें और इसकी ट्यूब को एयर कंप्रेसर से कनेक्ट करें। कंप्रेसर चालू करें, और जब संपीड़ित हवा नेबुलाइज़र कप तक पहुँचती है, तो यह दवा को वाष्पीकृत कर देगी, जिससे धुंध बन जाएगी। मरीज़ माउथपीस या फेस मास्क के ज़रिए धुंध को अंदर लेता है।

गहरी साँस लें और भाप को पूरी तरह अंदर लें। कप को नियमित रूप से थपथपाएँदवा का सही वितरण सुनिश्चित करने के लिए, और जब तक मिश्रण पूरी तरह से खत्म न हो जाए, तब तक मास्क को न हटाएं। एयर पंप चालू करें, और माउथपीस से धुंध निकलेगी। माउथपीस को अपने मुंह में रखें और धीरे-धीरे सांस लें। पूरी तरह से सांस अंदर लेने पर, फेफड़ों में अवशोषण की अनुमति देने के लिए 2-4 की गिनती तक अपनी सांस को रोकें। यदि आप सर्दी या साइनस की समस्याओं का इलाज कर रहे हैं, तो आप अपनी नाक से सांस लेने के लिए वैकल्पिक तरीका भी अपना सकते हैं। नेबुलाइजेशन पूरा होने में लगभग 10 से 20 मिनट का समय लगेगा।

हाइड्रोजन, जीवन का ईंधन.



हाइड्रोजन ब्रह्मांड में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है, इसलिए मानव उपभोक्ताओं द्वारा इसकी आपूर्ति को कम करने की कोई संभावना नहीं है। हाइड्रोजन ऊर्जा के मामले में दुनिया को बचाएगा और उम्मीद है कि यह चिकित्सा जगत और कई रोगियों को बचाएगा। खगोल भौतिकीविद् डेविड पामर के अनुसार, सभी ज्ञात पदार्थों का लगभग 75 प्रतिशत हाइड्रोजन से बना है।

हाइड्रोजन परमाणु का नाभिक एक एकल धनात्मक आवेशित प्रोटॉन होता है - एक इलेक्ट्रॉन इसके चारों ओर परिक्रमा करता है। न्यूट्रॉन, जो अन्य सभी तत्वों में होते हैं, सबसे आम हाइड्रोजन रूप में मौजूद नहीं होते हैं। सूर्य हाइड्रोजन नाभिक के हीलियम में परमाणु संलयन द्वारा अपनी ऊर्जा उत्पन्न करता है। अपने केंद्र में, सूर्य हर सेकंड 620 मिलियन मीट्रिक टन हाइड्रोजन का संलयन करता है। बेशक, यह इतना आसान नहीं है।[30]हालाँकि, हाइड्रोजन हमारे सूर्य और सभी सूर्यों को जीवन देता है, तथा पूरे ब्रह्मांड में प्रकाश फैलाता है।

हाइड्रोजन सृष्टि का मूल है।

अंतरिक्ष में कोई अंधकार नहीं है; यह प्रकाश से भरा है, लेकिन हम इसे देख नहीं सकते - यह काला दिखता है। अगर हम देख पाते, तो यह हमारी आँखों को जला देता। और हम वह प्रकाश हैं। हम प्रकाश को अवशोषित करते हैं और सितारों की तरह पुनः विकीर्ण करते हैं, और हाइड्रोजन हमेशा इस सब के केंद्र में होता है।

हाइड्रोजन के बारे में बात करने वाले पहले वैज्ञानिक डॉ. सेंट ग्योर्गी थे, जिन्हें विटामिन सी की खोज और हाइड्रोजन से ऊर्जा मुक्त करने वाली प्रतिक्रियाओं की पहचान करने के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने जीव विज्ञान के बुनियादी सिद्धांतों में से एक को समझाया: हाइड्रोजन और ऑक्सीजन एक नाजुक संतुलन में परस्पर क्रिया करते हैं, जिससे कोशिकाओं को छोटे-छोटे हिस्सों में ऊर्जा मिलती है। हाइड्रोजन ही एकमात्र ईंधन है जिसे शरीर जानता है। खाद्य पदार्थ, कार्बोहाइड्रेट, हाइड्रोजन का एक पैकेट, हाइड्रोजन आपूर्तिकर्ता और हाइड्रोजन दाता मात्र है। हाइड्रोजन का दहन प्राकृतिक ऊर्जा-आपूर्ति प्रतिक्रिया है।"

हर कोई जानता है कि हमें जीने के लिए ऑक्सीजन की ज़रूरत है, लेकिन ऑक्सीजन का प्रतिरूप (हाइड्रोजन) प्राकृतिक ईंधन है जो तब जलता है जब आस-पास भरपूर ऑक्सीजन होती है। आज हम आखिरकार हाइड्रोजन को कारों के लिए स्वच्छ ईंधन के रूप में देख रहे हैं।

हम रोबोट मधुमक्खियों को छोटे दहनशील उपकरणों का उपयोग करके पानी में अंदर और बाहर गोता लगाते हुए देख सकते हैंरॉकेट उस पानी से प्राप्त हाइड्रोजन और ऑक्सीजन पर चलते हैं जिसमें वे गोता लगाते हैं।[31] गैस एक कक्ष में भर जाती हैई रोबोबीइसके बाद, इसके अंदरूनी हिस्से में एक आंतरिक चिंगारी जलाई जाती है और फिर यह पानी से बाहर निकल आता है। इस बारे में सबसे शानदार बात यह है कि इसमें पानी का ईंधन के रूप में उपयोग किया जाता है। छोटी इलेक्ट्रोलाइटिक प्लेटों की एक जोड़ी तरल को हाइड्रोजन में बदल देती है, जिससे रॉकेट जैसा जोर प्रज्वलित होता है।

हाइड्रोजन अब तक का सबसे अच्छा और सबसे कुशल ऊर्जा वाहक है। इसमें हर दूसरे दहनशील गैस की तुलना में वजन के हिसाब से सबसे ज़्यादा ऊर्जा होती है। हर ईंधन, चाहे वह डीजल हो, गैसोलीन हो, प्राकृतिक गैस हो, प्रोपेन हो, ब्यूटेन हो, आदि, सभी हाइड्रोजन परमाणुओं द्वारा एक साथ जुड़ी एक निश्चित लंबाई की कार्बन श्रृंखलाएँ हैं। श्रृंखला का आकार नाम और ईंधन के प्रकार को निर्धारित करता है। H2, आपके वाहन में गैसोलीन के साथ मिलकर दहन और स्वच्छ उत्सर्जन को अनुकूलित करने, ईंधन की लागत को कम करने और तेल के रखरखाव को कम करने वाले उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है।

"हाइड्रोजन का चरणों में ऑक्सीकरण जैविक ऑक्सीकरण के मूल सिद्धांतों में से एक प्रतीत होता है। कोशिका प्रत्यक्ष ऑक्सीकरण द्वारा जारी की गई बड़ी मात्रा में ऊर्जा का उपयोग और हस्तांतरण अन्य प्रक्रियाओं में नहीं करेगी। कोशिका को प्रक्रिया में बहुत अधिक खोए बिना अपने कार्यों के लिए भुगतान करने के लिए छोटे बदलावों की आवश्यकता होती है। इसलिए, यह एच-परमाणु को चरणों में ऑक्सीकरण करता है, जिससे बड़े बैंकनोट छोटे बदलाव में बदल जाते हैं," सेंट ग्योर्गी लिखते हैं।

ग्योर्गी ने सबसे पहले दिखाया कि मानव शरीर अपने कई अंगों में हाइड्रोजन जमा करता है। उन्होंने इसे 'हाइड्रोजन पूलिंग' कहा और लीवर को सबसे अधिक हाइड्रोजन जमा करने वाले अंग के रूप में पहचाना क्योंकि इसे विषहरण के दौरान उत्पादित मुक्त कणों को बेअसर करने के लिए हाइड्रोजन की आवश्यकता होती है। हाइड्रोजन यही सबसे अच्छा काम करता है - मुक्त कणों को बेअसर करना और उनके साथ मिलकर उन्हें पानी में बदलना।

भोजन हाइड्रोजन का प्राथमिक स्रोत है। यदि यह ताजा और बिना पका हुआ है, तो यह प्रचुर मात्रा में हाइड्रोजन प्रदान करता है। भोजन में हाइड्रोजन जटिल अणुओं में बंधा होता है, जिन्हें हाइड्रोजन को मुक्त करने के लिए चयापचय (टूटना) की आवश्यकता होती है। हम जिस हवा में सांस लेते हैं, उसमें भी थोड़ी मात्रा में हाइड्रोजन होता है, जो श्वसन पथ में प्रवेश करने पर तुरंत कोशिकाओं और ऊतकों में अवशोषित हो जाता है। हालाँकि, वायुमंडल में पाई जाने वाली मात्रा 1% से भी कम है।

शोधकर्ताओं ने बैंगनी रंग का उपयोग करके हाइड्रोजन ऊर्जा उत्पन्न करने का तरीका खोज लिया हैबैक्टीरिया और विद्युत धाराएँ कार्बनिक पदार्थों का लाभ उठाने के लिए जिन्हें हम हर दिन शौचालय में बहा देते हैं। बैंगनी फोटोट्रोपिक बैक्टीरिया बैक्टीरिया के सबसे व्यापक और सबसे विविध समूह से संबंधित हैं। ये बैक्टीरिया प्रकाश संश्लेषक होते हैं, लेकिन वे पौधों और शैवाल के विपरीत, अपने चयापचय के लिए ऊर्जा स्रोत के रूप में अवरक्त प्रकाश का उपयोग करते हैं। इससे उन्हें भूरे से लाल रंग मिलता है - जिसमें बैंगनी भी शामिल है।

बैंगनी बैक्टीरिया की मुख्य विशेषता उनका बहुमुखी चयापचय है। वे कई तरह की चयापचय क्रियाएं कर सकते हैं, जिसमें हाइड्रोजन गैस का उत्पादन भी शामिल है। बैंगनी बैक्टीरिया को अपने चयापचय से अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनों की समस्या होती है। इस अतिरिक्त इलेक्ट्रॉन को छोड़ने का एक तरीका कार्बन डाइऑक्साइड के माध्यम से है

पौधों की तरह स्थिरीकरण। दूसरी प्रक्रिया हाइड्रोजन के रूप में इलेक्ट्रॉनों का मुक्त होना है।

ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने प्लास्टिक को हाइड्रोजन में बदलने का तरीका खोज लिया है। स्वानसी विश्वविद्यालय में मोरित्ज़ कुएनेल और उनके सहयोगियों ने एक सरल सूर्य के प्रकाश से संचालित प्रक्रिया विकसित की है जो प्लास्टिक कचरे का उपयोग हाइड्रोजन गैस के रूप में ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए करती है। एक फोटो-उत्प्रेरक, कैडमियम सल्फाइड क्वांटम डॉट्स, प्लास्टिक में जोड़ा जाता है और एक क्षारीय घोल में डुबोया जाता है। फिर सूर्य का प्रकाश घोल के पानी को हाइड्रोजन में बदल देता है। इस बीच, प्लास्टिक पॉलिमर छोटे कार्बनिक अणुओं में ऑक्सीकृत हो जाते हैं। आप देख सकते हैं कि प्रक्रिया के जादू के रूप में हाइड्रोजन गैस के बुलबुले सतह से सीधे निकल रहे हैं।

भविष्य की ऊर्जा

हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा है, और कई कंपनियाँ उस भविष्य पर भारी दांव लगा रही हैं। दुनिया का सबसे बड़ा, सबसे उन्नत हाइड्रोजन स्टेशन अब शंघाई में है। और अब, हमारे पास हाइड्रोजन पर चलने वाली एक गैर-प्रदूषणकारी उड़ने वाली कार (ड्रोन की तरह) का एक प्रोटोटाइप है जो पाँच लोगों को 400 मील तक ले जा सकती है।

एलन मस्क को लगता है कि हाइड्रोजन मूर्खतापूर्ण है, और कहानी यहीं खत्म होनी चाहिए, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमारे विशाल ब्रह्मांड में कोई भी तारा ऐसा ही सोचता है। लेकिन जब कोई अरबपति कुछ कहता है, तो वह सच ही होता है। बिल गेट्स के मुंह से निकलने वाली सारी बकवास को देखिए। $CO2$, जलवायु परिवर्तन और सरकार के अंदर और बाहर टीकों पर उनके सत्य के उपदेशों पर लोगों के मुंह से झाग निकलता है। वह इस तथ्य को भूल जाता है कि पृथ्वी पर सारा जीवन $CO2$ पर निर्भर करता है, और इसके बिना हमारी कोशिकाओं और हमारे वायुमंडल में ऑक्सीजन नहीं होगी।

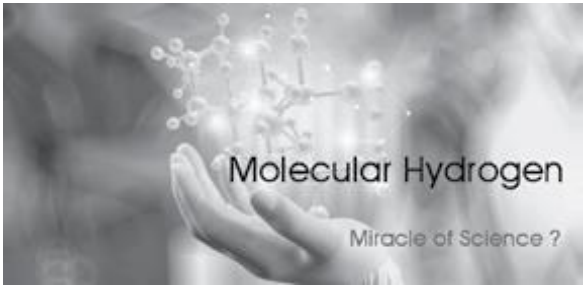
मस्क अपनी बैटरियाँ और इलेक्ट्रिक कारें समय के अंत तक बना सकते हैं, लेकिन हाइड्रोजन अस्तित्व का ईंधन है और अनंत काल तक रहेगा। कई लोगों का मानना है कि हाइड्रोजन औद्योगिक प्रक्रियाओं में भूमिका निभाता है और समुद्री जहाज़ों और विमानों सहित भारी वाहनों को शक्ति प्रदान करता है।

टोयोटा कार कंपनी हाइड्रोजन में पूरा निवेश करती है। चीन जैसे देशहाइड्रोजन भविष्य में भारी निवेश कर रहे हैं। प्रतिनिधि ग्रेग पेंस, आर-इंडियाना, ने हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका में हाइड्रोजन ऊर्जा परियोजनाओं में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कानून पेश किया है। पेंस ने सदन में "स्वच्छ ऊर्जा हाइड्रोजन नवाचार अधिनियम" नामक उपाय पेश किया।

हाइड्रोजन पहले से ही सफल है। 2019 में लॉन्च की गई 8वीं पीढ़ी के पावर मॉड्यूल के साथ बैलार्ड पीईएम ईंधन सेल तकनीक ने 3,400 से अधिक ईंधन सेल इलेक्ट्रिक बसों और वाणिज्यिक ट्रकों के वाहन प्रणोदन के लिए शून्य-उत्सर्जन शक्ति प्रदान की है। कंपनी के प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन (पीईएम) ने दुनिया भर में सड़कों पर कुल 75 मिलियन किलोमीटर से अधिक की कुल दूरी तय की है। यह दुनिया का 1870 बार चक्कर लगाने के लिए पर्याप्त है। मस्क को हाइड्रोजन ऊर्जा के शून्य-उत्सर्जन पहलू की परवाह नहीं है।

मस्क को क्या लगता है कि उनकी कारें पवनचक्की की बिजली से कहाँ चार्ज होंगी? टेक्सास में, हाल ही में बिजली संकट के दौरान, इसकी कीमत चुकानी पड़ी900 डॉलर इलेक्ट्रिक वाहन को रिचार्ज करनाले. ग्रीन हाइड्रोजन एकn का अनिवार्य हिस्सा ऊर्जा के अधिक किफायती, टिकाऊ स्वरूप की ओर वैश्विक परिवर्तन और ऊर्जा अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख स्तंभ बने रहना चाहिएix. मस्क को पता होना चाहिए कि इलेक्ट्रिक वाहन जलवायु परिवर्तन से उस तरह नहीं लड़ सकते जिस तरह हाइड्रोजन कारें लड़ सकती हैं।

आणविक हाइड्रोजन का चमत्कार.



सरलता से आकर्षित होकर भौतिकविदों ने हमेशा हाइड्रोजन को आकर्षित किया है, जो सबसे सरल परमाणु है, जो मिलकर सबसे सरल अणु बना सकता है। हाइड्रोजन ने चौंकाया है, हैरान किया है, शर्मिंदा किया है, विनम्र बनाया है - और बार-बार, इसने भौतिकविदों को विचार के नए आयामों की ओर निर्देशित किया है। अब समय आ गया है कि हाइड्रोजन चिकित्सा के क्षेत्र में अपना जादू दिखाए।[32]

आणविक हाइड्रोजन में एंटी-ऑक्सीडेटिव और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैंऔर न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव।[33]हम हाइड्रोजन के सेवन से एंटी-ऑक्सीडेटिव एंजाइम सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेस (एसओडी) के स्तर में वृद्धि देखते हैं।[34]हाइड्रोजन युक्त खारा घोल Aβ-प्रेरित न्यूरोइन्फ्लेमेशन और ऑक्सीडेटिव तनाव को रोकता है, जो पशु अध्ययनों में स्मृति विकार में सुधार कर सकता है।[35]

आणविक हाइड्रोजन के प्रभावों पर नजर डालने पर हम पाते हैं:

- न्यूरो सुरक्षात्मक
- मूड विकारों में सुधार करता है.
- मांसपेशियों की थकान, मोटर घाटे और मांसपेशी पतन को कम करता है।
- चयापचय सिंड्रोम को रोकता है, ग्लूकोज, इंसुलिन और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को कम करता है: मधुमेह का इलाज कर सकता है।
- एंटीऑक्सीडेंट: मस्तिष्क क्षति को रोकता है।
- सूजनरोधी
- अंगों की रक्षा करता है.
- कोलेस्ट्रॉल और रक्त शर्करा को कम करता है
- वजन घटाने में सहायता करता है.
- माइटोकॉन्ड्रियल कार्य को बढ़ाता है.
- ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करके और ट्यूमर कॉलोनी की वृद्धि को दबाकर कैंसर को रोकें।
- कैंसर उपचार के दुष्प्रभावों को न्यूनतम करें।
- त्वचा के स्वास्थ्य को बढ़ाता है.
- घाव भरने की क्षमता को बढ़ाता है।
- प्रत्यारोपित अंगों की क्षति को सीमित करें।
- मूत्राशय की शिथिलता में सुधार करता है।
- हृदय सुरक्षात्मक है.
- आँखों और दृष्टि की रक्षा करता है तथा उनका पुनर्निर्माण करता है।
- सुनने की क्षमता में कमी को रोकता है।
- कॉम्बैट की एलर्जी
- गुर्दे की बीमारी को ठीक करता है.
- यकृत की सुरक्षा करता है।
- आंत के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।
- फेफड़ों की सुरक्षा करता है.
- विकिरण जनित क्षति से सुरक्षा करता है।
- दर्द से राहत दिलाता है.
- यह जीवाणुरोधी है और मौखिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।
- उच्च सांद्रता पर गैर विषैला है।

खनिज की कमी वाली मिट्टी, कीटनाशकों, रासायनिक उर्वरकों, खाद्य पदार्थों के अत्यधिक प्रसंस्करण, रासायनिक परिरक्षकों के मिश्रण, तथा अत्यधिक क्लोरीनयुक्त और अत्यधिक फ्लोराइडयुक्त पानी पीने के

कारण लाखों व्यक्तियों को पर्याप्त हाइड्रोजन नहीं मिल पा रहा है (और वे इससे पीड़ित हैं)।

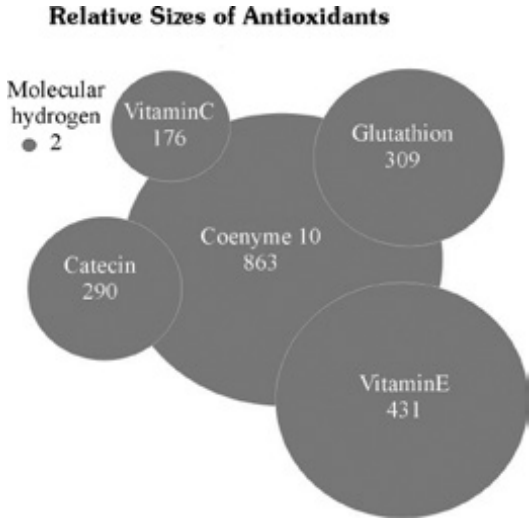
जब शरीर में कुछ रसायन इलेक्ट्रॉन खो देते हैं, तो वे सकारात्मक रूप से आवेशित हो जाते हैं (मुक्त कण या ऑक्सीडेंट)। ये रसायन पूरे शरीर में स्वतंत्र रूप से घूमते हैं और अन्य कोशिकाओं से इलेक्ट्रॉन चुराते हैं। मुक्त कण सेलुलर डीएनए को नुकसान पहुंचाते हैं। उम्र बढ़ने से शरीर की लाखों कोशिकाओं को ऑक्सीकरण के माध्यम से नुकसान होता है। यह ऑक्सीकरण मुक्त कणों से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए उपलब्ध हाइड्रोजन आयनों की कमी के कारण होता है।

हीलिंग पॉवरएर.

आणविक हाइड्रोजन सहायक हैरुमेटीइड गठिया (आरए) के लिए, एक पुरानी सूजन संबंधी बीमारी जिसमें जोड़ों का क्रमिक विनाश रुग्णता का कारण बनता है। यह एथेरोस्क्लेरोसिस के बढ़ते जोखिम से भी जुड़ा हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप हृदय रोग और मृत्यु दर होती है। चिकित्सीय लक्ष्य लक्षणों को कम करने और किसी की सामान्य स्वास्थ्य स्थिति में सुधार करने के लिए प्रणालीगत सूजन को नियंत्रित करना है। आणविक हाइड्रोजन की उच्च सांद्रता वाला पानी पीने से आरए में ऑक्सीडेटिव तनाव काफी कम हो जाता है।[36]

दिलचस्प बात यह है कि पानी ऑक्सीजन (एक शक्तिशाली ऑक्सीडाइज़र) और हाइड्रोजन (एक शक्तिशाली रिड्यूसर) के संयोजन से बनता है। यह समझ में आता है कि आणविक हाइड्रोजन में उच्च-शक्ति वाली चिकित्सीय क्षमता है, जैसा कि पानी में भी है। हाइड्रोजन एक नया और अभिनव चिकित्सीय उपकरण है। यह अंतःशिरा विटामिन सी थेरेपी की तरह ही मददगार है, सिवाय इसके कि यह बहुत कम खर्चीला है और इसे चौबीसों घंटे इस्तेमाल किया जा सकता है। इनहेलर की मदद से, व्यक्ति फेफड़ों के माध्यम से सीधे शरीर में हाइड्रोजन डाल सकता है।

हाइड्रोजन जल के प्रत्येक घूंट के साथ, हमारे शरीर को खरबों हाइड्रोजन प्राप्त होते हैंअणु। H2 विषैले हाइड्रॉक्सिल रेडिकल्स के साथ मिलकर उन्हें बेअसर कर देता है। हाइड्रोजन थेरेपी सुरक्षित है, और इसके उपयोग की कोई ऊपरी सीमा नहीं है।



H2 में कोई विषाक्तता नहीं है क्योंकि मुक्त-मूलक निष्क्रियीकरण प्रतिक्रिया का उप-उत्पाद पानी है। H2 का प्रत्येक अणु दो हाइड्रॉक्सिल मूलकों को H2O के दो अणुओं में निष्क्रिय कर देगा, इस प्रक्रिया में आपकी कोशिकाओं को हाइड्रेट करेगा।1.6 मिलीग्राम/लीटर की सांद्रता वाले हाइड्रोजन जल में अधिक होता है 100 मिलीग्राम विटामिन सी से अधिक "एंटीऑक्सीडेंट" अणु.

H2 माइटोकॉन्ड्रिया के भीतर ATP उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है। यह की जननी हैअन्य सभी तत्व। हाइड्रोजन, ऑक्सीजन के साथ, जीवन के विकास में आंतरिक रूप से शामिल रहा है। ऑक्सीजन और हाइड्रोजन की चरम सीमा ऑक्सीकरण और अपचयन के बीच संतुलन प्रदान करती है, जो जीवन के लिए महत्वपूर्ण है।

शरीर में हाइड्रोजन मुख्य रूप से कार्बन, ऑक्सीजन और नाइट्रोजन से बंधा होता है। यह आपके शरीर के लगभग हर अणु का हिस्सा है: डीएनए, प्रोटीन, शर्करा और वसा। हाइड्रोजन बॉन्ड - जो हाइड्रोजन परमाणु को "साझा" करने वाले परमाणुओं के बीच बनता है - सबसे महत्वपूर्ण इंटरैक्शन में से एक है जो जैविक अणुओं को उनके व्यवहार के अनुसार बनाता है। इस प्रकार, शरीर विज्ञान के नियमन में हाइड्रोजन आवश्यक है।

H2 संभवतः एकमात्र एंटीऑक्सीडेंट अणु है जो अपने छोटे आकार के कारण माइटोकॉन्ड्रिया के अंदर तक पहुँच सकता है। H2 प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन के संपर्क में आने वाले माइटोकॉन्ड्रिया की सीधे रक्षा करता है।

खतरनाक हाइड्रॉक्सिल रेडिकल में एक अयुग्मित इलेक्ट्रॉन होता है, जो इसे एक अतृप्त चक्करदार दरवेश में बदल देता है। हाइड्रोजन वॉटर इनोवेटर रॉबर्ट स्लोवाक कहते हैं, "यह डीएनए, कोशिका भित्तियों, माइटोकॉन्ड्रिया से इलेक्ट्रॉन चुरा लेगा - और ऐसा करने पर यह उन्हें नुकसान पहुंचाएगा।" हाइड्रोजन का एंटी-ऑक्सीडेटिव तनाव प्रभाव हाइड्रॉक्सिल रेडिकल के सीधे उन्मूलन से होता है औरपेरोक्सीनाइट्राइटबाद के अध्ययनों से संकेत मिलता है कि हाइड्रोजन Nrf2-Keap1 प्रणाली को सक्रिय करता है।[37]

हाइड्रोजन, सूजन और दर्द.

बार-बार सूजन वाले मध्यस्थों के संपर्क में आने वाली कोशिकाओं में सूजन प्रतिक्रिया प्रोटीन के लिए कोड करने वाले जीन होंगे और इस प्रकार वे लगातार सूजन की स्थिति में रहेंगे। इससे अस्थमा और हृदय रोग सहित सूजन से जुड़ी बीमारियों और स्वास्थ्य स्थितियों का जन्म होता है। कुछ अणु जो जीन अभिव्यक्ति में बदलाव को प्रेरित कर सकते हैं, वे हैं Nf-kB, TNFa, और नाइट्रिक ऑक्साइड और पेरोक्सीनाइट्राइट जैसी प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन प्रजातियाँ। हाइड्रोजन अप्रत्यक्ष रूप से उन अणुओं को संशोधित करने की अपनी क्षमता के माध्यम से जीन अभिव्यक्ति को प्रभावित करता है जिनका सीधा एपिजेनेटिक प्रभाव होता है। आणविक हाइड्रोजन कर सकता है:

- एनएफ-केबी के उत्सर्जन में बाधा उत्पन्न करना।
- टीएनएफए को कम करें.
- अतिरिक्त नाइट्रिक ऑक्साइड को कम करें.
- पेरॉक्सिनाइट्राइट को साफ करें।

आणविक हाइड्रोजन उन जीनों के लिए एक एपीजेनेटिक संशोधित एजेंट है जो दीर्घकालिक दर्द और सूजन के लिए कोड करते हैं।

2007 से ही आणविक हाइड्रोजन के कई तरह के रोगों के उपचारात्मक प्रभावों की जांच की जा रही है। ज़्यादातर अध्ययन जापान, चीन और अमेरिका से हैं। लगभग तीन-चौथाई लेख चूहों और चूहों में होने वाले प्रभावों को दर्शाते हैं, जिनमें हर साल नैदानिक परीक्षणों की संख्या बढ़ रही है। ध्यान देने वाली बात यह है कि लगभग सभी प्रारंभिक शोध और प्रकाशन डॉ. पैट्रिक फ़्लैनागन द्वारा किए गए थे, जो मेगा हाइड्रेट के डेवलपर हैं। हाइड्रोजन हमारे स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित कर सकता है, यह देखने में वे सबसे आगे थे।

हाइड्रोजन और तनाव.

स्वास्थ्य और चिकित्सा में भावनाएँ और तनाव बहुत मायने रखते हैं। बहुत कम डॉक्टर इन मुद्दों पर अपने रोगियों की मदद करने के लिए प्रशिक्षित होते हैं। मैग्नीशियम थेरेपी के साथ हाइड्रोजन थेरेपी हमारे द्वारा अपने आसपास के तनाव के लिए सेलुलर स्तर पर चुकाई जाने वाली कीमत को कम करने में मदद करती है। यह केवल बढ़ते बैकग्राउंड रेडिएशन, वाई-फाई और सेल टावरों, हमारे भोजन में कीटनाशक अवशेषों और भगवान जाने और क्या-क्या है जो हमारी कोशिकाओं को नष्ट कर देता है, से होने वाला तनाव नहीं है। यह भावनात्मक तनाव और लोगों की भावनाओं की दुनिया भी है जो पूरी तरह से गड़बड़ है।

यह सब शहरों में ज़्यादा स्पष्ट है जहाँ वायु प्रदूषण हर अंग को नुकसान पहुँचा रहा है। वायु प्रदूषण मानव शरीर की लगभग हर कोशिका को नुकसान पहुँचाता है। शोध से पता चलता है कि सिर से लेकर पैर तक, हृदय और फेफड़ों की बीमारी से लेकर मधुमेह और मनोभ्रंश तक, और यकृत की समस्याओं और मूत्राशय के कैंसर से लेकर भंगुर हड्डियों और क्षतिग्रस्त त्वचा तक को नुकसान पहुँचता है। प्रदूषक सूजन का कारण बनते हैं जो फिर पूरे शरीर में फैल जाती है, और नैनोकण रक्तप्रवाह द्वारा चारों ओर ले जाए जाते हैं।

आमतौर पर कोशिकाएं एपोप्टोसिस के माध्यम से मरती हैं। नेक्रोसिस शरीर के ऊतकों की मृत्यु है।यह तब होता है जब चोट, विकिरण या रसायनों के कारण ऊतक में बहुत कम रक्त प्रवाहित होता है। पायरोप्टोसिस एक प्रकार की प्रोग्राम्ड सेल डेथ है जो इंट्रासेल्युलर रोगजनक संक्रमण के दौरान होती है। शरीर की रोगाणुरोधी प्रतिक्रिया का एक हिस्सा। तनाव की स्थिति में एक कोशिका की अनुकूली क्षमता अंततः उसके भाग्य का निर्धारण करती है। ताकत, या जिसे हम कोशिका की अनुकूली क्षमता कहते हैं, सीधे पोषण संबंधी पर्याप्तता और उचित सेलुलर श्वसन से संबंधित है, जो कोशिका की दीवार के माध्यम से विषाक्त पदार्थों और अपशिष्टों को निकालता है।

कोशिकाएं तनाव के प्रति विभिन्न तरीकों से प्रतिक्रिया कर सकती हैं, जिसमें जीवित रहने के मार्ग को सक्रिय करने से लेकर कोशिका मृत्यु की शुरुआत तक शामिल है जो अंततः क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को समाप्त कर देती है। चाहे कोशिकाएं सुरक्षात्मक या विनाशकारी तनाव प्रतिक्रिया उत्पन्न करें, यह कई कारकों पर निर्भर करता है, लेकिन सबसे बड़ा कारक पोषण की स्थिति से संबंधित है। एक स्वस्थ कोशिका स्वाभाविक रूप से जीवन चुनती है, लेकिन जो पहले से ही खनिज और लिपिड की कमी के कारण तनावग्रस्त है, उसमें तनाव से निपटने की क्षमता कम होगी, तनाव के प्रति कम प्रतिरोध होगा। अन्य

तनाव के प्रति कोशिकीय प्रतिरोध की गणना में महत्वपूर्ण कारक तनाव की प्रकृति और अवधि तथा प्रभावित कोशिकाओं का प्रकार हैं।

तनावपूर्ण उत्तेजना के प्रति कोशिका की प्रारंभिक प्रतिक्रिया होती है बचाव करना, तथाइससे उबरने के लिए, उस पर होने वाले अपमान से उबरना ज़रूरी है। इसलिए, हमें कोशिका की प्रारंभिक रक्षात्मक प्रतिक्रिया को अधिकतम करना चाहिए। हाइड्रोजन और मैग्नीशियम दोनों ही ऐसा करेंगे।

मैग्नीशियम और कोशिका तनाव.

मैग्नीशियम द्वारा प्रेरित ऊतक क्षति में मुक्त कणों की भागीदारीकमी के कारण हृदय, यकृत, गुर्दे, कंकाल की मांसपेशियों के ऊतकों और लाल रक्त कोशिकाओं में ऑक्सीडेटिव उत्पादों का संचय होता है। मैग्नीशियम शरीर की प्राकृतिक स्व-सफाई और विषहरण प्रतिक्रियाओं में एक महत्वपूर्ण कारक है। मैग्नीशियम कोशिकाओं को एल्युमिनियम, पारा, सीसा, कैडमियम, बेरिलियम और निकल से बचाता है। यह बताता है कि भारी धातु विषहरण और केलेशन के लिए पुनः खनिजीकरण इतना आवश्यक क्यों है। मैग्नीशियम कोशिका को ऑक्सी-रेडिकल क्षति से बचाता है और बी विटामिन, विटामिन सी और ई के अवशोषण और चयापचय में सहायता करता है - जो कोशिका सुरक्षा में महत्वपूर्ण हैं।

शरीर में आवश्यक एंजाइमों में से एक ग्लूटाथियोन को इसके संश्लेषण के लिए मैग्नीशियम की आवश्यकता होती है। मैग्नीशियम की कमी से ग्लूटाथियोन की कमी होती है। यह नुकसान वहनीय नहीं है क्योंकि ग्लूटाथियोन सिगरेट पीने, विकिरण के संपर्क में आने, कैंसर कीमोथेरेपी, शराब और लगभग हर तरह के विष से शरीर की रक्षा करने में मदद करता है। डॉ. रसेल ब्लेलॉक के अनुसार, कम मैग्नीशियम मुक्त कणों के उत्पादन और ग्लूटाथियोन की कमी से जुड़ा हुआ है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्लूटाथियोन उन कुछ एंटीऑक्सीडेंट अणुओं में से एक है जो पारे को बेअसर करने के लिए जाने जाते हैं।

प्राचीन चीनी लोगों द्वारा मैग्नीशियम को सही रूप से "सुंदर धातु" कहा जाता है, क्योंकि आणविक जीव विज्ञान के दृष्टिकोण से, यह धातु अमूल्य है। हाइड्रोजन पानी बनाने वाली अधिकांश हाइड्रोजन गोलियाँ मैग्नीशियम को अपने सबसे सक्रिय घटक के रूप में उपयोग करती हैं। सबसे अच्छी गोलियों में, 80 मिलीग्राम मिलता है, इसलिए यदि हम एक दिन में दस गोलियाँ लेते हैं, तो हमें 800 मिलीग्राम मिलता है, जो एक स्वस्थ मात्रा है। हाइड्रोजन और अन्य चिकित्सा गैसों पर यह पुस्तक

मैग्नीशियम के बारे में ज्ञान का बहुत ज़्यादा इस्तेमाल नहीं किया जाता है। फिर भी, यह स्पष्ट है: चिकित्सा गैसों का उपयोग करते समय, मैग्नीशियम को हमेशा शामिल किया जाना चाहिए। (मैग्नीशियम के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया मेरी पुस्तक ट्रांसडर्मल मैग्नीशियम थेरेपी देखें।)

ऑन्कोलॉजिस्ट को यह जानना चाहिए कि मैग्नीशियम डीएनए की सुरक्षा में भी सहायक है, और यह कोशिका विभाजन में एक महत्वपूर्ण आयन है। इसी तरह, पीएच नियंत्रण कोशिका के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है और तनाव के सापेक्ष कोशिका की अनुकूलन क्षमता को निर्धारित करता है। आयोडीन, सल्फर, सेलेनियम और यहां तक कि जिंक भी कोशिका शक्ति बढ़ाने के कारण मैग्नीशियम से बहुत पीछे नहीं हैं। निष्कर्ष: हाइड्रोजन और मैग्नीशियम बैटमैन और रॉबिन की तरह हैं, कोशिका तनाव और लगभग हर चीज के लिए अविभाज्य चिकित्सा सुपरहीरो।

हाइड्रोजन एक औषधि है.



कीओ यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के आपातकालीन और क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग के प्रो. मासारू सुजुकी ने कहा, "H2 कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन के क्षेत्र में एक बड़ा प्रभाव डालने वाला औषधीय उत्पाद बन जाएगा। दुनिया भर में इस पर शोध तेजी से हो रहा है, और अंततः यह एक संयुक्त अंतरराष्ट्रीय जांच बन जाएगा। अगर यह H2 इनहेलेशन थेरेपी कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट के साथ काम करती है, तो इसका मतलब यह होगा कि यह उपचार सबसे गंभीर परिस्थितियों में भी प्रभावी है। मुझे लगता है कि इस मेडिकल रिसर्च के दम पर मेडिकल उपयोग में H2 की संभावना अंतहीन रूप से फैल जाएगी।"[38]

जर्नल ऑफ स्ट्रोक एंड सेरेब्रोवैस्कुलर डिजीज में प्रकाशित एक अध्ययन में, तीव्र मस्तिष्क रोधगलन में हाइड्रोजन गैस इनहेलेशन उपचार सुरक्षित और प्रभावी पाया गया। इन परिणामों ने H2 गैस के व्यापक और सामान्य अनुप्रयोग की संभावना का सुझाव दिया।[39]औषधीय महत्व

हाइड्रोजन की मात्रा को तब तक नज़रअंदाज़ किया गया जब तक कि शोध में यह नहीं बताया गया कि 2% H2 को साँस में लेने से हाइड्रॉक्सिल फ्रीबेस (OH) और पेरोक्सीनाइट्राइट आयनों (ONOO-) के चयनात्मक उन्मूलन के माध्यम से ऑक्सीडेटिव तनाव के कारण होने वाले सेरेब्रल इस्केमिया/रिपर्फ्यूजन के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। हाइड्रोजन रेटिना कोशिकाओं के अस्तित्व को बढ़ावा देता है। एक अध्ययन ने एंटी-ऑक्सीडेटिव, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-एपोप्टोसिस मार्गों के माध्यम से रेटिना I/R चोट के खिलाफ न्यूरोप्रोटेक्शन प्रदान करने के लिए साँस की उच्च खुराक H2 के साथ पोस्ट-कंडीशनिंग का प्रदर्शन किया।[40]हाइड्रोजन एक चमत्कार है, जब आपका नेत्र चिकित्सक आपको केवल एंटीऑक्सीडेंट्स लेने की सलाह दे सकता है, और आप अंधे हो रहे हैं।

> "कल मैं अपनी आँखों के डॉक्टर के पास गया। मैंने उसे कुछ महीने पहले आणविक हाइड्रोजन के बारे में बताया था और ऑक्सीडेटिव तनाव, हाइड्रॉक्सिल रेडिकल, उम्र से संबंधित मैक्यूलर डिजनरेशन और ग्लूकोमा और मोतियाबिंद के बीच के संबंध के बारे में बताया था। कल उसने मेरी रेटिना की तस्वीरों की तुलना की और आश्चर्यचकित रह गई। आँख के बारे में जानकारी न होने के कारण, मैं उसके द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों को नहीं समझ पाया, लेकिन मैं देख सकता था कि रेटिना की सतह अब बिना किसी असमान सतह के चिकनी थी। एक स्पष्ट उभार पूरी तरह से गायब हो गया था। वह चाहती है कि मैं एक अध्ययन के हिस्से के रूप में एक और महीने में फिर से आऊँ, जिसके बारे में वह लिखना चाहती है," बिल लिखते हैं।

हाइड्रोजन उपकरण बनाने वाले एड वंडर लिखते हैं, "जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, लेंस के सख्त होने के कारण आपकी नज़दीक से देखने की क्षमता कम होती जाती है। हालाँकि, मैं उस बिंदु पर था जहाँ मैं फ़ोकस नहीं कर पा रहा था क्योंकि यह बहुत नज़दीक था - और फिर जब मैंने इसे फ़ोकस करने योग्य सीमा में लाने के लिए इसे बाहर की ओर बढ़ाया, तो यह बहुत छोटा था - दृष्टि पर कैच-22। इसके अलावा, बोतल के चारों ओर पढ़ना मुश्किल था क्योंकि इसमें शामिल दूरी के अलग-अलग तल थे। यह खत्म हो गया है, और मैं बोतलों के चारों ओर, एक आरामदायक दूरी पर, पहले बताए गए कैच-22 के बिना पढ़ सकता हूँ। चार सप्ताह तक साँस लेने के बाद, मेरी पत्नी भी अपने पढ़ने के चश्मे से पूरी तरह छुटकारा पाने में सक्षम हो गई, साथ ही,"

3-4 सप्ताह तक रोजाना साँस लेने के बाद दृश्य तीक्ष्णता में सुधार हुआ। (अनाम)

> "मैंने अपनी दृष्टि से कुछ परीक्षण किया। मैं सब कुछ पढ़ सकता हूँमैंने 20 या 30 की उम्र के बाद से इस स्तर को नहीं देखा है। मैं अभी 53 साल का हूँ। यह आश्चर्यजनक है।
>
> "मैंने अपने जीवन में केवल एक ही चीज़ बदली है, वह है रोज़ाना गैस को अंदर लेना। बुलबुले वाला पानी पीने से ऐसा नहीं होता, क्योंकि मैं छह महीने से रोज़ाना यही पी रहा हूँ - और हाल ही में हालात इस स्तर तक सुधरे हैं। मैं रोज़ाना 1/2 घंटे से लेकर 2+ घंटे तक ऐसा करता हूँ।

हमें बस यही उम्मीद करनी चाहिए कि हाइड्रोजन और ऑक्सीजन हमारे लिए इतने अच्छे से काम करें। हम देखेंगे कि हाइड्रोजन लोगों को वापस लाने में कारगर साबित हो सकता है।मैग्नीशियम की तरह ही मृत्यु के कगार पर पहुँचना, जब व्यक्ति को हृदयाघात होता है। मैग्नीशियम हृदय के लिए जो काम करता है, हाइड्रोजन भी वही कर सकता है, और साथ में, निश्चित रूप से, हमारे पास जीवन और मृत्यु पर और भी अधिक शक्ति है।

डॉ. सन, ओहता और नाकाओ ने अपनी पुस्तक हाइड्रोजन मॉलिक्यूलर बायोलॉजी एंड मेडिसिन में, जो अपनी तरह की पहली पुस्तक है, लिखा है, "निष्क्रिय गैसें मानव अस्तित्व के लिए बेकार या अनावश्यक नहीं हैं; इसके बजाय, वे जीवन को बनाए रखने के लिए गैस माध्यम के अपरिहार्य घटक हैं। ऑक्सीकरण-फॉस्फोरिलेशन ऊर्जा चयापचय को बनाए रखने के लिए, जो जीवन के लिए आवश्यक है, साँस में ली गई गैस में ऑक्सीजन का एक निश्चित अनुपात होना चाहिए। लेकिन अगर ऑक्सीजन का आंशिक दबाव बहुत अधिक है या शुद्ध ऑक्सीजन भी है, तो यह शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है या यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है क्योंकि अतिरिक्त ऑक्सीजन की उपस्थिति शरीर के लिए विषाक्त है।"

"शोध के अनुसार, हाइड्रोजन कई तरह के कैंसरों में सुरक्षात्मक प्रभाव दिखाता हैबीमारियाँ। उदाहरण के लिए, घातक कार्सिनोमा, कोलाइटिस, कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता के बाद एन्सेफैलोपैथी, सेरेब्रल इस्केमिया, सेनील डिमेंशिया, पार्किंसंस रोग, अवसाद, रीढ़ की हड्डी में चोट, त्वचा की एलर्जी, मधुमेह टाइप 2, तीव्र अग्नाशयशोथ, अंग प्रत्यारोपण, आंतों की इस्केमिया, व्यवस्थित सूजन प्रतिक्रिया, रेडियोधर्मी चोट, रेटिना की चोट, बहरापन, आदि।

ये डॉक्टर पुष्टि करते हैं कि हाइड्रोजन गैस की पारगम्यता अत्यधिक है क्योंकि हाइड्रोजन गैस का आणविक भार कम है। "यह कमरे के तापमान पर रबर और लेटेक्स ट्यूब में प्रवेश कर सकता है और धातु की फिल्मों में प्रवेश कर सकता है जैसे

उच्च तापमान पर पैलेडियम, निकल और स्टील के रूप में हाइड्रोजन। इसलिए, हम कल्पना कर सकते हैं कि हाइड्रोजन आपके पूरे शरीर में फैल रहा है, हर कोशिका तक पहुंच रहा है, और विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां हाइड्रोजन की उपचार शक्ति की सबसे अधिक आवश्यकता है।

चिकित्सा परिस्थिति जितनी चुनौतीपूर्ण होती है, हाइड्रोजन उतना ही मददगार लगता है। हाइड्रोजन गहन देखभाल वार्ड (आईसीयू) और आपातकालीन कक्षों के लिए बिल्कुल उपयुक्त है, जहाँ दवाओं को तेज़ी से काम करना चाहिए। उपरोक्त लेखकों के अनुसार, "हाइड्रोजन की ध्वनिक गति तेज़ है। मानक परिस्थितियों में, हवा की ध्वनिक गति 331 मीटर/सेकंड है, हीलियम की ध्वनिक गति 972 मीटर/सेकंड है, जबकि हाइड्रोजन की ध्वनिक गति 1286 मीटर/सेकंड है।"

आणविक हाइड्रोजन में दो प्रोटॉन और दो इलेक्ट्रॉन होते हैं, यह तटस्थ होता है, इसलिए यह विद्युत चुम्बकीय रूप से उतना स्थान नहीं घेरता जितना कि नकारात्मक रूप से आवेशित इलेक्ट्रॉन। इसका मतलब है कि आणविक हाइड्रोजन बहुत छोटे इलेक्ट्रॉनों की तुलना में कोशिकाओं में अधिक आसानी से फिसल जाता है। कोशिकाएँ किसी भी आवेश का प्रतिरोध करती हैं, लेकिन तटस्थ हाइड्रोजन का नहीं। इसलिए हाइड्रोजन के छोटे तटस्थ अणु आसानी और तेज़ी से कोशिका और माइटोकॉन्ड्रिया में पहुँच जाते हैं, जहाँ वे बहुत फ़ायदेमंद होते हैं।

हाइड्रोजन अणु अति-तेज़ घोड़ों पर सवार होकर तुरंत बचाव के लिए आते हैं। हाइड्रोजन प्रतिक्रियाशील है; यह रासायनिक रूप से सक्रिय और ऊर्जावान है और आपात स्थिति में बिजली की तरह काम करेगा, खासकर जब कोई साँस में ली गई हाइड्रोजन गैस को हाइड्रोजनीकृत पानी के साथ मिलाता है। हाइड्रोजन पानी से ज़्यादा शक्तिशाली एकमात्र चीज़ मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट पानी होगी।

पैथोलॉजी और ऑक्सीडेटिव तनाव की गहराई से पड़ताल।

इस पुस्तक में आगे हम ऑक्सीडेटिव तनाव की प्रकृति, यह इतना हानिकारक क्यों है, और ऑक्सीडेटिव आग का सबसे अच्छा समाधान हाइड्रोजन क्यों है, इस पर चर्चा करेंगे। हालाँकि मैंने हाइड्रोजन और उच्च रक्तचाप, जो कि एक बड़ा मूक हत्यारा है, पर सीधे कोई अध्ययन नहीं देखा है, लेकिन हमने पढ़ा है कि उच्च रक्तचाप एक बहुक्रियात्मक विकार है जिसमें हृदय संबंधी बीमारियों के जोखिम कारकों को जन्म देने वाले कई तंत्र शामिल हैं।

एंडोथेलियल डिसफंक्शन एंडोथेलियम-व्युत्पन्न रिलैक्सिंग फैक्टर्स (EDRFs) और एंडोथेलियम-व्युत्पन्न कॉन्ट्रैक्टाइल फैक्टर्स (EDCFs) के उत्पादन और जैवउपलब्धता के बीच असंतुलन है, जो ऑक्सीजन रिएक्टिव स्पीशीज (ROS) की बढ़ी हुई जैवउपलब्धता और ऑक्सीडेटिव तनाव के रूप में पहचाने जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट क्षमता में कमी से जुड़ा है। हाइड्रोजन एंटीऑक्सीडेंट क्षमता को बढ़ाता है; इसलिए, इसे उच्च रक्तचाप के लिए एक बुनियादी समाधान के रूप में देखा जाना चाहिए।

हाइड्रोजन और स्ट्रोक.

प्राकृतिक गैस की तरह, हाइड्रोजन जैविक झिल्लियों में स्वतंत्र रूप से फैल सकता है, विभिन्न कार्यात्मक क्षमताओं में कार्य कर सकता है (हुआंग एट अल., 2010)। स्ट्रोक एक विनाशकारी तंत्रिका संबंधी बीमारी है। साँस द्वारा, हाइड्रोजन गैस रक्त-मस्तिष्क अवरोध को प्रभावी ढंग से पार कर सकती है, जिससे विभिन्न स्ट्रोक मॉडल में बेहतर तंत्रिका संबंधी कमियाँ हो सकती हैं (ओहसावा एट अल., 2007; चेन एट अल., 2010; लेकिक एट अल., 2011; झान एट अल., 2012)।

हाइड्रोजन फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप से बचाता है।

फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप (PH) फुफ्फुसीय धमनियों में बढ़े हुए दबाव के कारण होने वाली स्थिति है। उन्नत मामलों में, इसके लक्षण (सांस की तकलीफ, थकान, सीने में दर्द) बिगड़ जाते हैं और शारीरिक गतिविधि सीमित हो जाती है। इस बीमारी के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं, और सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली चिकित्सा कई प्रकार के वासोडिलेटर पर निर्भर करती है। हालाँकि, पारंपरिक उपचार बीमारी की प्रगति को प्रभावी ढंग से रोकने में विफल रहे हैं। इसलिए, नए उपचारों की खोज समझ में आती है।

फुफ्फुसीय धमनी उच्च रक्तचाप (पीएएच) वाले मरीजों को सभी प्रकार की हृदय शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के बाद अधिक जोखिम होता है। इन रोगियों में हेमोडायनामिक अस्थिरता, हाइपोक्सिमिया और दाएं वेंट्रिकुलर डिसफंक्शन की घटनाएं अधिक होती हैं। शोधकर्ताओं ने देखा है कि H2 ने फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप के विकास को रोका और दाएं वेंट्रिकुलर हाइपरट्रॉफी को उलट दिया, जो एक हृदय विकार है जो दाएं वेंट्रिकल की दीवारों के मोटे होने की विशेषता है।

चूंकि ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप के रोगजनन और विकास में योगदान करते हैं, इसलिए हम समझ सकते हैं कि हाइड्रोजन इस विकार के लिए क्यों सहायक होगा।[41] किशिमोटो एट अल द्वारा द जर्नल ऑफ थोरेसिक एंड कार्डियोवैस्कुलर सर्जरी में प्रकाशित एक अध्ययन ने प्रदर्शित किया कि आणविक हाइड्रोजन मैक्रोफेज संचय को दबाकर, ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करके और STAT3/NFAT अक्ष को संशोधित करके चूहे के मॉडल में फुफ्फुसीय धमनी उच्च रक्तचाप को कम कर सकता है।

इस अध्ययन में, चूहों को मोनोक्रोटलाइन का इंजेक्शन देकर फुफ्फुसीय धमनी उच्च रक्तचाप को प्रेरित किया गया था। मौखिक आणविक हाइड्रोजन से उपचारित समूह में, H2 उपचारों ने दाएं वेंट्रिकुलर सिस्टोलिक दबाव को कम किया, मांसपेशियों वाली फुफ्फुसीय धमनियों के प्रतिशत को कम किया, और 16 दिनों के बाद चिकनी मांसपेशियों के प्रसार और संवहनी रीमॉडलिंग को बाधित किया।[42]

महत्वपूर्ण बात यह है कि चिकित्सा वैज्ञानिकों ने देखा है कि गैर-चयनात्मक दवाओं की उच्च खुराकएंटीऑक्सीडेंट रुग्णता और मृत्यु दर के जोखिम को नहीं बढ़ाते हैं। इसलिए, आणविक हाइड्रोजन जैसे चुनिंदा एंटीऑक्सीडेंट पीएच रोगियों के लिए सुरक्षित और अधिक कुशल चिकित्सा हैं। आणविक हाइड्रोजन (H2) एक विशेष एंटीऑक्सीडेंट है क्योंकि यह कोशिकाओं के अस्तित्व के लिए आवश्यक लाभकारी और आवश्यक प्रतिक्रियाशील प्रजातियों को प्रभावित किए बिना दो विशिष्ट ROS (हाइड्रॉक्सिल रेडिकल्स और पेरोक्सीनाइट्राइट) को चुनिंदा रूप से कम करता है।

उच्च रक्तचाप.

उच्च रक्तचाप और मधुमेह क्रोनिक किडनी रोग (CKD) का मुख्य कारण हैं। मधुमेह और उच्च रक्तचाप अमेरिका की 30% आबादी को प्रभावित करते हैं, इसलिए इन बीमारियों से बचने के लिए हाइड्रोजन पर विचार करना महत्वपूर्ण है। H2 गैस बिना किसी दुष्प्रभाव के रक्तचाप को कम करने में महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है। एक अध्ययन[43]चूहों में आंतरायिक हाइपोक्सिया द्वारा प्रेरित उच्च रक्तचाप पर हाइड्रोजन (H2) गैस की जांच करने का लक्ष्य रखा गया। उन्होंने वयस्क चूहों को पांच सप्ताह तक 8 घंटे/दिन क्रॉनिक आंतरायिक हाइपोक्सिया (CIH) और 2 घंटे/दिन H2 गैस के संपर्क में रखा। H2 गैस ने संवहनी शिथिलता में उल्लेखनीय सुधार किया।

कैनाबिनोइड्स उच्च रक्तचाप को कम करते हैं।

शरीर के एंडोकैनाबिनोइडसिस्टम एक विटा निभाता हैकई विनियमन में मेरी भूमिकाइसके प्रमुख शारीरिक कार्यों में से एक, जिसमें हृदय संबंधी कार्य भी शामिल है। आनंदमाइड - शरीर का प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला THC संस्करण - रक्त वाहिकाओं को आराम देता है, जिससे रक्त अधिक स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होता है और रक्तचाप कम होता है।

इस प्रकार भांग में वासोडिलेटरी प्रभाव होता है, जिसका अर्थ है कि जब आप मारिजुआना लेते हैं तो नसें फैल जाती हैं। इसका स्पष्ट संकेत तब होता है जब आप भांग का सेवन करने के बाद किसी की आँखों में देखते हैं। नसें फैल जाती हैं, जिससे वे एक ही समय में अधिक रक्त ले जाने में सक्षम हो जाती हैं। यही कारण है कि क्लासिक, लाल "स्टोनर आँखें" होती हैं।

चूहों को THC का इंजेक्शन देने के बाद, शोधकर्ताओं ने पाया कि इसके तुरंत बाद रक्तचाप में काफी कमी आई। दूसरे अध्ययन में भी यही परिणाम प्राप्त हुए। यह पता लगाना काफी आसान है कि यह आपके लिए कारगर होगा या नहीं। कुछ कश लें। पहले और बाद में अपना रक्तचाप मापें, और आपको अपना उत्तर मिल जाएगा।

हाइड्रोजन चिकित्सा में नया क्या है?

हाइड्रोजन पर नए शोध हर समय सामने आ रहे हैं। एक हालिया अध्ययन इस बात को बल देता है कि मैं लगभग हमेशा हाइड्रोजन इनहेलेशन मशीनों की सिफारिश क्यों करता हूं जो मिश्रण में ऑक्सीजन जोड़ती हैं। जब हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को मिलाया जाता है, तो कार्डियक डिसफंक्शन और मायोकार्डियल पैथोलॉजिकल में सुधार देखा जाता है।

CIH द्वारा प्रेरित कम ऑक्सीजन/पुनःऑक्सीजनीकरण के दौरान, बड़ी संख्या में प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियाँ (ROS) उत्पन्न होती हैं और ऑक्सीडेटिव तनाव क्षति को ट्रिगर करती हैं। H2 कोशिकाओं में बुनियादी चयापचय को प्रभावित किए बिना कोशिका झिल्ली और अवरोधों में तेज़ी से प्रवेश करता है।

परिणामों से पता चला कि H2-O2 मिश्रण ने हृदय संबंधी शिथिलता और मायोकार्डियल फाइब्रोसिस में उल्लेखनीय सुधार किया। हमने पाया कि H2-O2 मिश्रण साँस लेने से तीन प्रमुख प्रतिक्रियाओं के माध्यम से ER तनाव-प्रेरित एपोप्टोसिस में कमी आई

H2-O2 संयोजन ने सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेस (SOD) और ग्लूटाथिऑन (GSH) को बढ़ाकर ROS के स्तर को काफी हद तक कम कर दिया और CIH चूहों के दिलों में NADPH ऑक्सीडेज (NOX 2) की अभिव्यक्ति को कम कर दिया।

निद्रा विकारों का उपचार.

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (OSA) एक आम श्वास विकार है, जो नींद के दौरान बार-बार ऊपरी वायुमार्ग अवरोध एपिसोड की विशेषता है। वयस्कों में OSA की घटना लगभग 15-24% है। OSA अक्सर कई हृदय संबंधी विकारों, जैसे उच्च रक्तचाप, हृदय गति रुकना और एथेरोस्क्लेरोसिस के साथ होता है। OSA रोगियों में लंबे समय तक धमनी ऑक्सीजन संतृप्ति में उतार-चढ़ाव और बार-बार स्लीप एपनिया देखा गया, जिससे उन्हें क्रोनिक इंटरमिटेंट हाइपोक्सिया (CIH) और बार-बार हाइपोक्सिया के साथ एक विशिष्ट आंतरिक वातावरण में उजागर किया गया। रात भर प्रशासित हाइड्रोजन और ऑक्सीजन इनहेलेशन आंतरायिक हाइपोक्सिया के इलाज के लिए एक शक्तिशाली हस्तक्षेप है। इस तरह के उपचार की उम्मीद आईसीयू में की जा सकती है। कोई भी घर पर इस तरह के अभिनव गहन देखभाल को लागू कर सकता है।

कीमोथेरेपी से श्रवण हानि का उपचार।

कैंसर रोधी दवा सिस्प्लैटिन के उपचार से होने वाले साइड-इफेक्ट के रूप में स्थायी श्रवण हानि और टिनिटस एक नैदानिक समस्या है। एक प्रीक्लिनिकल इन विवो अध्ययन ने अंतःशिरा सिस्प्लैटिन द्वारा प्रेरित ओटोटॉक्सिसिटी पर हाइड्रोजन (H2) साँस लेने की सुरक्षात्मक प्रभावकारिता की खोज की। ओटोटॉक्सिसिटी कान (ओटो-), विशेष रूप से कोक्लीअ या श्रवण तंत्रिका और कभी-कभी वेस्टिबुलर प्रणाली के लिए विषाक्त होना है, उदाहरण के लिए, एक दवा के साइड इफेक्ट के रूप में। ओटोटॉक्सिसिटी के परिणाम प्रतिवर्ती और अस्थायी या अपरिवर्तनीय और स्थायी हो सकते हैं। अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि H2 साँस लेना कार्यात्मक, सेलुलर और उपकोशिकीय स्तरों पर सिस्प्लैटिन-प्रेरित ओटोटॉक्सिसिटी को कम कर सकता है। H2 साँस लेना सिस्प्लैटिन-प्रेरित इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल थ्रेशोल्ड शिफ्ट, हेयर सेल लॉस और IHCs और OHCs के आसपास के सिनैप्स क्षेत्र में सिनैप्टोफिसिन इम्युनोरिएक्टिविटी को कम करता है।

इन्फ्लुएंजा के लिए उपचार.

हाल के अध्ययनों से पता चला है कि हाइड्रोजन युक्त सलाइन के इंट्रापेरिटोनियल इंजेक्शन में आश्चर्यजनक रूप से सूजन-रोधी, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-एपोप्टोसिस प्रभाव होते हैं, और यह ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करके और बड़े पैमाने पर प्रो-इंफ्लेमेटरी प्रतिक्रियाओं को कम करके पॉलीमाइक्रोबियल सेप्सिस चोट, तीव्र पेरिटोनिटिस चोट के खिलाफ जीवों की रक्षा करता है। यह भी अच्छी तरह से ज्ञात है कि अधिकांश वायरल-प्रेरित ऊतक क्षति और असुविधा मुख्य रूप से वायरस के बजाय एक भड़काऊ साइटोकाइन तूफान और ऑक्सीडेटिव तनाव के कारण होती है।

अध्ययनों से पता चला है कि साइटोकाइन स्टॉर्म को दबाने और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने से इन्फ्लूएंजा और अन्य गंभीर वायरल संक्रामक रोगों के लक्षणों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस प्रकार, चिकित्सा वैज्ञानिकों का अनुमान है कि हाइड्रोजन-समृद्ध समाधान चिकित्सा इन्फ्लूएंजा और अन्य वायरल संक्रामक रोगों से प्रेरित मल्टीपल ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम (MODS) के लिए एक सुरक्षित, विश्वसनीय और प्रभावी उपचार है।

निष्कर्ष।

हाइड्रोजन गैस का साँस लेना एक शक्तिशाली लेकिन सौम्य चिकित्सीय प्रक्रिया है। यदि हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को लगातार खिलाया जाए तो स्थिति में तेज़ी से सुधार होता है। हाइड्रोजन मृत्यु और बीमारी के खिलाफ़ एक बेहतरीन योद्धा है और ऑक्सीजन के साथ एक आदर्श साथी है, $CO2$ के साथ एक आदर्श साथी है।

इस पुस्तक का चिकित्सीय संदर्भ



जो प्रस्तुत किया जा रहा है वह मानव जीवन की नींव को लक्षित करने वाली दवा का एक सटीक रूप है। यह पुस्तक चिकित्सकों, नर्सों, वैकल्पिक चिकित्सकों और रोगियों के लिए उपयुक्त है जो अपने पैरों पर खड़े होकर घर पर ही अपना उपचार करने के लिए पर्याप्त रूप से सीख लेंगे।

इस पुस्तक में आपको जो संपूर्ण चिकित्सा प्रणाली मिलेगी, उसे अर्थ देने के लिए, मैं अपने कार्य को प्राकृतिक एलोपैथिक चिकित्सा कहता हूं, जो एक दृष्टिकोण है

जो बीमारी के मूल कारणों की पहचान करने और उन्हें संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित करता है जो लगभग सभी के लिए सार्वभौमिक हैं। उपचार और चिकित्सा विज्ञान इतना भ्रामक हो गया है कि व्यावहारिक उपाय सबसे शिक्षित चिकित्सक से भी बच सकते हैं। कई सालों तक मैंने अपने दृष्टिकोण को प्राकृतिक एलोपैथिक चिकित्सा कहा क्योंकि यह पश्चिमी चिकित्सा विज्ञान पर आधारित है लेकिन केवल केंद्रित प्राकृतिक दवाओं का उपयोग करता है, जिनमें से कई का उपयोग आईसीयू और आपातकालीन विभागों में किया जाता है।

प्राकृतिक एलोपैथिक चिकित्सा अधिकांश रोगियों में पाए जाने वाले सामान्य मूल कारणों का समाधान करती है, जैसे ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड का निम्न स्तर, अम्लीय पीएच की स्थिति,खनिज की कमी, शरीर का ठंडा तापमान, सांस लेने की दर और हृदय गति परिवर्तनशीलता असामान्यताएं।

एक बीमारी आमतौर पर एक से अधिक कारणों का परिणाम होती है, जिसमें मुख्य गड़बड़ी जीवन के सबसे प्रमुख तत्वों में होती है। बुनियादी बातों को नज़रअंदाज़ करना जीवन और बीमारी के सबसे बुनियादी कारणों को नज़रअंदाज़ करना है। जब जीवन के लिए ज़रूरी कोई तत्व कम हो जाता है (कमज़ोर हो जाता है), तो उस ज़रूरी तत्व के साथ सिर्फ़ पूरक और उपचार ही काफ़ी होगा। दवाइयों का आम तौर पर ज़रूरी तत्वों को और कम करने का असर होता है जिससे मरीज़ की हालत बेहतर होने के बजाय और खराब हो जाती है।

हमारा दृष्टिकोण रोगियों और स्वास्थ्य सेवा चिकित्सकों को यह समझने के लिए उपकरण प्रदान करता है कि क्या हो रहा है और इसके बारे में क्या करना है। उपचार प्रोटोकॉल को बार-बार प्रयोगशाला और नैदानिक मूल्यांकन के आधार पर विकसित करने की आवश्यकता नहीं है, जो अक्सर रोगी के लिए प्रभावी परिणाम नहीं देते हैं। बस किसी ऐसे व्यक्ति से पूछें जिसे एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर के पास जाना पड़ा हो और बिना किसी निर्णायक निदान और उपचार के लगातार परीक्षण करवाने पड़े हों जो किसी व्यक्ति की मौजूदा स्थिति को खत्म कर दें।

प्रत्येक रोगी के आनुवंशिक, जैव रासायनिक और जीवनशैली कारकों की विस्तृत समझ की आवश्यकता के बजाय, हम बुनियादी बातों को कवर करते हैं। हम देखते हैं कि फार्मास्यूटिकल दवाओं, सर्जरी, कीमोथेरेपी, विकिरण उपचार और कैंसर पैदा करने वाले विकिरण का उपयोग करने वाले नैदानिक परीक्षणों का सहारा लिए बिना क्या प्रगति की जा सकती है।

बेशक, अगर पेशेवर मदद सही प्रकार की हो तो यह हमें स्वयं को गहराई से समझने में मदद कर सकती है, लेकिन अगर पेशेवर सेवा गलत प्रकार की हो तो यह कभी-कभी हमें मार भी सकती है।

यद्यपि प्रत्येक रोगी में कारणों की सटीक अभिव्यक्ति व्यक्ति के जीन, पर्यावरण और जीवनशैली पर निर्भर करती है, केवल ऐसे उपचार जो कारणों को संबोधित करते हैं, लक्षणों के दमन से परे स्थायी लाभ प्रदान करेंगे। आज की सबसे उन्नत चिकित्सा पद्धतियाँ पोषण विज्ञान, जीनोमिक्स और एपिजेनेटिक्स में विकसित हो रहे शोध पर आधारित हैं। फिर भी, हमें अपने विचारों को पूर्ण करने के लिए मनोविज्ञान और भावनात्मक चिकित्सा को संयोजित करने की आवश्यकता है। हम मनुष्य केवल अपने शरीर से कहीं अधिक हैं।

मूल कारणों को संबोधित करके, रोगी लक्षणों के बजाय मूल कारणों को संबोधित करके पश्चिमी निदान की प्रतीत होने वाली जटिलता से निगल जाने के बजाय कार्य कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, समग्र शरीर विज्ञान को संबोधित करने के लिए एक पूर्ण प्रोटोकॉल लागू करने के बाद, स्तन कैंसर के रोगियों को स्थानीय ऊतकों से विषाक्त पदार्थों को अवशोषित करने के लिए मैग्नीशियम क्लोराइड, आयोडीन, मेडिकल मारिजुआना मलहम और यहां तक कि मिट्टी का उपयोग करके सीधे स्तनों पर सामयिक उपचार लागू करना सिखाया जाता है। फेफड़े के रोगी नेबुलाइजेशन का उपयोग करके लगभग यही करेंगे।

अभिनव गहन देखभाल क्या है?

क्रिटिकल केयर में काम करने वाले हर डॉक्टर को मैग्नीशियम क्लोराइड, सोडियम बाइकार्बोनेट, आयोडीन, पोटैशियम और यहां तक कि इंजेक्शन सेलेनियम के बारे में भी पता है। इन प्राथमिक खनिजों का इस्तेमाल अस्पताल में और घर पर सुरक्षित तरीके से जान बचाने के लिए किया जा सकता है। सोडियम बाइकार्बोनेट, पोटैशियम क्लोराइड और कैल्शियम क्लोराइड गहन देखभाल इकाइयों में पीएच और इलेक्ट्रोलाइट्स को सामान्य मानों के भीतर बनाए रखते हैं। मैग्नीशियम हृदय की स्थितियों और स्ट्रोक के लिए एक आवश्यक खनिज दवा है। जब सेप्सिस की बात आती है, तो अंतःशिरा विटामिन सी और हाइड्रोजन गैस इनहेलेशन थेरेपी दिन बचा सकती है।

विटामिन सी एक महत्वपूर्ण स्वतंत्र एंटीऑक्सीडेंट है जिसकी ऑक्सीडेटिव चुनौती से कोशिकाओं की रक्षा करने और ऑक्सीडेटिव तनाव से कोशिका मृत्यु में महत्वपूर्ण भूमिका है। जब हाइड्रोजन, ग्लूटाथियोन, मैग्नीशियम, बाइकार्बोनेट और आयोडीन जैसे अन्य एंटीऑक्सीडेंट के साथ संयोजन में उपयोग किया जाता है, तो व्यक्ति महसूस कर सकता है

मुझे विश्वास है कि इस तरह का प्रोटोकॉल अन्य जीवन-धमकाने वाली बीमारियों की तरह सेप्सिस के सबसे गंभीर खतरों को भी संबोधित करेगा।

इन महत्वपूर्ण प्राकृतिक दवाओं का उपयोग घर पर दिन में कई बार उच्च खुराक पर किया जा सकता है ताकि किसी व्यक्ति की चिकित्सा स्थिति में महत्वपूर्ण परिवर्तन सुरक्षित रूप से हो सके, भले ही वे मृत्यु के कगार पर हों या उसके करीब हों। कोई व्यक्ति घर पर मौखिक रूप से, ट्रांसडर्मली (स्थानिक रूप से), और नेबुलाइजेशन, एनीमा, फीडिंग ट्यूब, स्नान और यहां तक कि अंतःशिरा विधियों के माध्यम से चौबीसों घंटे जीवन रक्षक दवा लगा सकता है, यदि कोई नर्स उपलब्ध हो। ये सभी पदार्थ पोषण संबंधी नियमों की पूर्ति के माध्यम से उपचार करते हैं।

ये ऐसी दवाइयां हैं जो रोग के मूल कारणों पर काम करती हैं, वे कारण जो मूलतः सभी के लिए एक जैसे हैं, चाहे लक्षण कुछ भी हों या प्रत्येक व्यक्ति का रोग कैसे भी प्रकट होता हो।

स्पष्ट चिकित्सीय सोच.

अभिनव चिकित्सा स्पष्ट चिकित्सा शब्दों में सोचने की क्षमता को पुनर्स्थापित करती है। उदाहरण के लिए, यह स्पष्ट होना चाहिए कि मैग्नीशियम की कमी से होने वाली बीमारियों का एकमात्र इलाज मैग्नीशियम है। मैग्नीशियम की कमी कई बीमारियों का कारण बनती है, फिर भी डॉक्टर शायद ही कभी मैग्नीशियम को दवा के रूप में लिखते हैं। लाखों लोग हृदयाघात से मरते हैं, जिसे टाला जा सकता था यदि मैग्नीशियम को FDA द्वारा अनुमोदित दवा उपचार के रूप में निर्धारित किया जाता। एकमात्र समस्या यह है कि इसमें कोई पैसा नहीं है। बाइकार्बोनेट के लिए भी यही सच है, इसलिए मरीज़ अपने डॉक्टरों से इनमें से किसी के बारे में नहीं सुनते हैं।

यह पुस्तक आवश्यक शरीर विज्ञान पर आधारित चिकित्सा के एक रूप का परिचय देती है। सामान्य ज्ञान में, इसे समझने के लिए किसी को पीएचडी की आवश्यकता नहीं है। यह स्पष्ट चिकित्सा सोच की एक पुस्तक है, जो पिछली शताब्दी में लाभ से प्रेरित चिकित्सा विश्वास प्रणालियों के जड़ जमाने के कारण खो गई थी।

यह पुस्तक कैंसर पर विजय प्राप्त करने के लिए एक उत्कृष्ट साथी है - नैचुरलपैथिक ऑन्कोलॉजी में एक कारण, जो ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड चिकित्सा में बहुत गहराई से जाता है। यह जानना शुरू से ही आवश्यक है कि CO2 के बिना ऑक्सीजन खतरनाक है, और हमारे पास CO2 की कमी है

रक्त और कोशिकाओं में हर समय होता रहता है। पौधे उच्च $CO2$ स्तरों पर पनपते हैं, और हम भी।

इस पुस्तक का मुख्य उद्देश्य हाइड्रोजन थेरेपी को बढ़ावा देना है। जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली बीमारी से पीड़ित किसी भी व्यक्ति को हाइड्रोजन इनहेलेशन थेरेपी की आवश्यकता होती है। हालाँकि, जिस किसी को हाइड्रोजन थेरेपी की आवश्यकता होती है, उसे ऑक्सीजन की भी आवश्यकता होती है, और यही मुख्य कारण है कि मैं हाइड्रोजन इनहेलेशन डिवाइस की सलाह देता हूँ जो दोनों गैसों को आउटपुट करती हैं। यह पुस्तक तीन प्राथमिक चिकित्सा गैसों के साथ एक ही बार में ऊंची चिकित्सा इमारतों को छलांग लगाने के बारे में है।

जीवन का तहखाना.

सूजन कम पीएच, ऑक्सीजन और सीओ2 की कमी से अविभाज्य है, जो शरीर के तापमान, श्वसन और उत्सर्जन को ट्रैक करती है। चिकित्सा का एक एकीकरण सिद्धांत शरीर विज्ञान के इस क्षेत्र का वर्णन करेगा जहां चीजें एक साथ हो रही हैं।

एक बिंदु ऐसा भी है जहाँ ऑक्सीजन को $CO2$ के स्तर से अलग नहीं किया जा सकता क्योंकि वे एक कड़े गणितीय संबंध में बंधे होते हैं। pH और सेल वोल्टेज के बारे में भी यही बात है। जैसे-जैसे $CO2$ का स्तर नीचे जाता है, वैसे-वैसे $O2$ का स्तर भी नीचे जाता है; जब pH गिरता है, तो सेल वोल्टेज भी गिरता है।

कैंसर।

पर्याप्त समय दिए जाने पर, जब भी प्रसार होगा, कैंसर विकसित हो जाएगाक्षतिग्रस्त कोशिकाओं की, और जब ऑक्सीजन का स्तर गिरता है, तो कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, कोशिका भित्ति की पारगम्यता बदल जाती है। जब विषाक्त पदार्थ और मुक्त कण जमा हो जाते हैं, और माइटोकॉन्ड्रिया एटीपी उत्पादन के मामले में कार्यक्षमता खो देते हैं, और जब कोशिकाओं में पीएच अम्लीय हो जाता है, जब कार्बन डाइऑक्साइड जैसी आवश्यक गैसें पर्याप्त सांद्रता में मौजूद नहीं होती हैं, और जब आवश्यक पोषक तत्व अनुपस्थित होते हैं, अगर तनाव का स्तर काफी अधिक है, तो कोशिकाएँ अंततः कैंसर की स्थिति में गिर जाएँगी।

चिकित्सा के विषय में सच्चाई क्या है?

मुख्यधारा की चिकित्सा प्राकृतिक पदार्थों के प्रति दयालु नहीं है, जिससे उन्हें गलत प्रेस मिलती है, भले ही वे गंभीर चिकित्सा स्थितियों में जीवन बचाते हैं। यहां तक कि गूगल भी इस कार्य में शामिल हो रहा है। गूगल का कहना है कि "वैज्ञानिक या चिकित्सा संबंधी जानकारी मांगने वाले प्रश्नों के लिए अच्छी तरह से स्थापित वैज्ञानिक या चिकित्सा सहमति का सीधे तौर पर खंडन करने वाले पृष्ठ" को उसके सर्च इंजन पर दबा दिया जाता है, "जब तक कि क्वेरी यह संकेत न दे कि उपयोगकर्ता वैकल्पिक दृष्टिकोण की तलाश कर रहा है।"

"फ़ेसबुक ने छद्म विज्ञान पर स्पष्ट कार्रवाई करते हुए फ्रिंज या समग्र चिकित्सा को समर्पित दर्जनों पेज हटा दिए हैं। वैकल्पिक मीडिया साइट ग्लोबल फ्रीडम मूवमेंट ने बताया कि सोशल प्लेटफ़ॉर्म ने 80 से ज़्यादा अकाउंट हटा दिए हैं और "इसके लिए कोई कारण नहीं बताया गया। पूछताछ का कोई जवाब नहीं आया है।"

मुझे आश्चर्य है कि आजकल लोग एंटीबायोटिक दवाओं के बारे में क्या सोचते हैं। जल्द ही, अगर अभी नहीं, तो अस्पताल में पैर रखना भी खतरनाक हो जाएगा क्योंकि एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी संक्रमण अनियंत्रित रूप से फैल जाएंगे, जिससे डॉक्टर सबसे आम रोगाणुओं का इलाज करने में असमर्थ हो जाएंगे।

हिंसक चिकित्सा.

टीकों के सबसे बड़े समर्थक डॉ. पॉल ओफिट हमें बताते हैं कि टीके लगाना एक हिंसक कार्य है।

> "टीकाकरण आसान नहीं है। हम अपने बहुत से नागरिकों से जीवन के पहले कुछ वर्षों में 26 टीके लगवाने के लिए कहते हैं, एक बार में पाँच शॉट। ऐसा करना कठिन है, खासकर तब जब टीकाकरण एक हिंसक कार्य है; आप बच्चे को जकड़ लेते हैं, आप उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें यह जैविक एजेंट देते हैं।"

चिकित्सा-औद्योगिक परिसर बिना किसी खुली बहस के और बिना किसी विपरीत विचार सुने अधिक लोगों को जहर देगा, जो 'खुराक से जहर बनता है' प्रतिमान से प्यार करता है। हाइड्रोजन कोई जहर नहीं है।

जब CO2 के साथ संतुलन हो तो ऑक्सीजन और ऑक्सीकरण को जारी रखने के लिए पर्याप्त हाइड्रोजन (अतिरिक्त ऑक्सीडेटिव तनाव के बिना) होता है।

मुझे दवा को अधिक सुरक्षित और अधिक प्रभावी बनाने पर गर्व है। दवा की दुनिया में जो कुछ भी चल रहा है, उसके बारे में अच्छा होने का कोई मतलब नहीं है, जो दवा अनुसंधान के छद्म विज्ञान द्वारा बंदी है। डॉक्टरों के लिए यह समझना बहुत मुश्किल है कि दवाइयों के जहरीले दुष्प्रभाव उनके मुख्य प्रभाव हैं। चाहे खुराक कितनी भी कम क्यों न हो - जहर फिर भी जहर ही है।

सर्जरी के लिए हाइड्रोजनएवं गहन देखभाल.



मेडिकल गैस अस्पतालों और कई अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण है। अस्पतालों में मेडिकल गैस सिस्टम, एक शब्द में, जीवन रक्षक हैं। अस्पताल के क्षेत्रों जैसे कि रोगी कक्ष, रिकवरी क्षेत्र, ऑपरेटिंग रूम और आईसीयू विभागों में मेडिकल गैस, ऑक्सीजन, नाइट्रस ऑक्साइड, नाइट्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड को पाइप के माध्यम से पहुँचाना रोगियों के जीवित रहने के लिए महत्वपूर्ण है। अब हाइड्रोजन को भी इस सूची में शामिल करने की आवश्यकता है।

अस्पतालों को हाइड्रोजन में निवेश करना चाहिए क्योंकि यह ऑक्सीडेटिव तनाव के लिए एकदम सही और सुरक्षित पदार्थ है। वयस्कों में गंभीर बीमारियों में बड़े पैमाने पर ऑक्सीडेटिव तनाव के सबूत अच्छी तरह से स्थापित हैं, जो ऊतक इस्केमिया-रिपर्फ्यूजन चोट और सेप्सिस और तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम जैसी तीव्र प्रणालीगत भड़काऊ प्रतिक्रिया की विशेषता है। ऑक्सीडेटिव तनाव अंग की चोट और समग्र नैदानिक स्थिति को बढ़ाता है

नतीजा।[44]ऑक्सीजन-व्युत्पन्न मुक्त कण गंभीर रूप से बीमार रोगियों में रोग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

"गंभीर रूप से बीमार मरीज़ रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज़ (ROS) और रिएक्टिव नाइट्रोजन स्पीशीज़ (RNS) के कारण होने वाले ऑक्सीडेटिव तनाव से पीड़ित होते हैं। हालाँकि सामान्य परिस्थितियों में ROS/RNS का उत्पादन लगातार होता रहता है, लेकिन गंभीर बीमारी के कारण इनका उत्पादन काफ़ी बढ़ जाता है। इन रोगियों में एंटीऑक्सीडेंट और फ्री-इलेक्ट्रॉन स्कैवेंजर या कॉफ़ैक्टर्स के प्लाज़्मा और इंट्रासेल्युलर स्तर कम हो गए हैं। ROS डिटॉक्सीफिकेशन में शामिल एंजाइमेटिक सिस्टम की गतिविधि भी कम हो गई है। प्रो-ऑक्सीडेंट-एंटीऑक्सीडेंट संतुलन गंभीर बीमारी के दौरान कार्यात्मक रूप से प्रासंगिक है क्योंकि यह कई अंग विफलता के रोगजनन में शामिल है।"[45]हाइड्रोजन वह गैस है जो बड़े पैमाने पर ऑक्सीडेटिव तनाव से उत्पन्न गंभीर स्थितियों का सीधे और तत्काल समाधान करती है।

विभिन्न अध्ययनों ने आपातकालीन और गहन देखभाल चिकित्सा के कई पहलुओं के संबंध में हाइड्रोजन गैस के चिकित्सीय प्रभावों का सुझाव दिया है, जिसमें तीव्र मायोकार्डियल रोधगलन, कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट सिंड्रोम, कंट्रास्ट-प्रेरित तीव्र किडनी की चोट और रक्तस्रावी शॉक शामिल हैं।

आपातकालीन कक्ष/आईसीयू/ऑपरेशन कक्ष में हाइड्रोजन मशीनें हैं, जिनकी हाइड्रोजन/ऑक्सीजन की गैस उत्पादन दर 3000 मिली ~ 6000 मिली/मिनट है। अस्पताल और FDA अधिकारी शायद अभी तक यह नहीं जानते होंगे, लेकिन चीन पहले से ही ICU और ऑपरेटिंग रूम के वातावरण के लिए उपयुक्त हाइड्रोजन मशीनें बना रहा है। अस्पताल 30,000 डॉलर की अनुमानित कीमत और संयुक्त गैसों पर पूर्ण नियंत्रण वहन कर सकते हैं। कम खर्चीली इकाइयाँ आपके घर में भी हाइड्रोजन से शरीर को समान रूप से भर देंगी।

हाइड्रोजन अपने छोटे आकार और तटस्थ पदचिह्न के कारण तेजी से काम करता है। 1-4% हाइड्रोजन गैस के साँस लेने से ऊतक क्षति कम हो जाती है और रोधगलन का आकार कम हो जाता है। हाइड्रोजन गैस के साँस लेने के 20 मिनट के भीतर रक्त और ऊतक हाइड्रोजन का स्तर संतृप्ति तक पहुँच जाता है। 2% हाइड्रोजन गैस के साँस लेने के बाद रक्त में गैसीय हाइड्रोजन का स्तर 16 μmol/L तक पहुँच जाता है। धमनी ऑक्सीजन संतृप्ति प्रभावित नहीं होती है क्योंकि गैसीय हाइड्रोजन हीमोग्लोबिन के साथ बंधता नहीं है, और स्थिर अवस्था की स्थितियों में रक्तचाप और नाड़ी दर भी अप्रभावित रहती है।

साँस लेना बंद करने के बाद हाइड्रोजन गैस का रक्त स्तर तेजी से कम हो जाता है क्योंकि फेफड़े इसे बाहर निकाल देते हैं।"[46]

एक बार जब रक्त संतृप्त हो जाता है, तो यह केवल हाइड्रोजन के स्तर को परिसंचरण के लिए उपलब्ध रखने का मामला है। 99 प्रतिशत हाइड्रोजन का उपयोग करने वाले हाइड्रोजन इनहेलर शरीर को और भी तेज़ी से संतृप्त करेंगे।

हाइड्रोजन विज्ञान.

पुनर्जीवित हृदयाघात के एक चूहे मॉडल में, स्वतःस्फूर्त परिसंचरण (आरओएससी) की वापसी के 72 घंटे बाद जीवित रहने की दर नियंत्रण समूह में केवल 30% थी। इसके विपरीत, हाइपरथर्मिया समूह और हाइड्रोजन गैस समूह में यह बढ़कर 70% हो गई और संयुक्त समूह में यह 80% से भी अधिक थी।[47]हाइड्रोजन के साथ संयोजनअवरक्त वार्मिंग उपचारोंचिकित्सीय परिणामों को अनुकूलित करता है।

स्ट्रोक एक विनाशकारी न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, और हाइड्रोजन ने इन रोगियों के लिए भी आशाजनक परिणाम दिखाए हैं। साँस लेने से, हाइड्रोजन गैस रक्त-मस्तिष्क अवरोध को प्रभावी ढंग से पार कर सकती है, जिससे विभिन्न स्ट्रोक मॉडल में न्यूरोलॉजिकल स्थितियों में सुधार होता है (ओहसावा एट अल., 2007; चेन एट अल., 2010; लेकिक एट अल., 2011; झान एट अल., 2012)।

"हाइड्रोजन गैस साँस लेने से भारी रक्तस्राव के कारण होने वाली हेमोडायनामिक अस्थिरता के प्रति प्रतिरोध प्रदान होता है। होमियोस्टेसिस के दौरान हाइड्रोजन गैस साँस लेनाजब यह परेशान होता है, तो यह जटिल नेटवर्क पर काम करता है और होमियोस्टेसिस को बहाल करता है। अंतर्जात शारीरिक रूप से सक्रिय गैसें, जैसे नाइट्रिक ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड, हीम से बंधती हैं, लेकिन हाइड्रोजन गैस नहीं बंधती है।"[48]

मैग्नीशियम के साथ सुरक्षित सर्जरी.

हाइड्रोजन मैग्नीशियम के साथ अच्छी तरह से काम करता है, और सोडियम बाइकार्बोनेट भी।सर्जरी, आपातकालीन कक्ष चिकित्सा और गहन देखभाल में, मैग्नीशियम मौजूद होता है। बड़ी सर्जरी के बाद अतालता, किडनी फेलियर, स्ट्रोक और संक्रमण जैसी जटिलताएं हो सकती हैं। सर्जरी के लिए निर्धारित सभी लोगों को अपने मैग्नीशियम के भंडार को बढ़ाने की आवश्यकता होती है। सर्जरी से पहले और बाद में

ऑपरेशन के बाद के चरणों में, मैग्नीशियम दर्द को कम करने, रक्त के थक्के को कम करने में मदद कर सकता हैदबाव को कम करना, कुछ हृदय अतालता को कम करना, रक्त के थक्के को रोकना, बाईपास सर्जरी के बाद आम अवसाद से राहत देना, तथा ऊर्जा और संज्ञानात्मक क्षमताओं में सुधार करना।

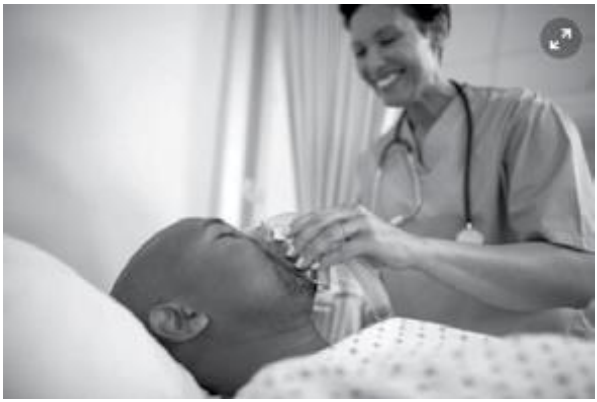
जब सर्जरी से पहले, उसके दौरान और बाद में मैग्नीशियम के स्तर को ठीक कर लिया जाता है, तो चिकित्सीय जटिलताएं इस हद तक कम हो जाती हैं कि यह केवल एक सामान्य बात रह जाती है।इसके बिना सर्जरी करना अविवेकपूर्ण है। जापान में थोरैसिक और कार्डियोवैस्कुलर सर्जरी विभाग के डॉ. मिनाटो ने ऑफ-पंप कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग (ओपीसीएबी) के दौरान और बाद में हाइपोमैग्नेसीमिया के सुधार की दृढ़ता से अनुशंसा की है ताकि पेरिऑपरेटिव कोरोनरी धमनी ऐंठन की रोकथाम हो सके। उनकी टीम ने कहा है कि वे अब इसके उपयोग के बिना यह सर्जरी नहीं करेंगे।[49]

निष्कर्ष।

हाइड्रोजन एक और पदार्थ है जो आईसीयू, सर्जरी विभाग, एम्बुलेंस और आपातकालीन केंद्रों में सकारात्मक परिणाम लाने में सहायक होगा। भविष्य में, इन महत्वपूर्ण देखभाल विभागों में हाइड्रोजन या मैग्नीशियम न देना एक गंभीर त्रुटि, यहाँ तक कि कदाचार होगा। चिकित्सा प्रणाली के लिए सभी मामलों में ऑक्सीजन प्रदान करना हाइड्रोजन और ऑक्सीजन और मैग्नीशियम को एक साथ देना एक बड़ी छलांग नहीं होनी चाहिए।

ऊपर दिखाए गए हाई-एंड हाइड्रोजन इनहेलर से डॉक्टरों को दोनों गैसों पर सही नियंत्रण मिलेगा। हालाँकि, मरीज़ के लिए, अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए घर पर प्रतिदिन हाइड्रोजन इनहेलेशन का उपयोग करने की आवश्यकता है। व्यक्तिगत रूप से, सर्जरी को छोड़कर, मुझे ऐसे महंगे उपकरणों की कोई वजह नहीं दिखती। अन्य इनहेलर अधिक किफायती रूप से पर्याप्त हीलिंग गैस देते हैं जो हाइड्रोजन इनहेलर के बीच प्रतिस्पर्धा के मैदान को बराबर कर देते हैं।

हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से जीवन बचाना।



किसी व्यक्ति की मृत्यु का खतरा होने की सूचना मिलने के बाद, एक मित्र ने हाइड्रोजन-ऑक्सीजन (हाइड्रोक्सी) गैस जनरेटर की पेशकश की। इस व्यक्ति ने नाक के नलिका के माध्यम से हाइड्रोक्सी गैस को 9+ घंटे तक अंदर लिया - और उस दौरान सबसे उल्लेखनीय परिवर्तन हुए।

आगमन पर, वह मृत्यु के करीब लग रहा था। वह धूसर रंग का था, काफी हद तक बेहोश (होश में और बेहोश), मुंह से सांस ले रहा था, उसे निगलने में कठिनाई होने लगी थी (मरते हुए रोगियों के साथ एक सामान्य घटना), और कुछ भी नहीं खा रहा था। उसकी पत्नी को लगा कि वह अगले 24 घंटे भी जीवित नहीं रहेगा। उसे तुरंत नाक के कैनुला के साथ हाइड्रोक्सी से जोड़ा गया, हालांकि उसके मुंह से सांस लेने से यह संदेह हुआ कि उसे पूरा लाभ नहीं मिल रहा होगा। उसे सांस लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया

जितना संभव हो सके नाक से अंदर और मुंह से बाहर निकालो। कुछ ही समय में उसकी सांसें गहरी होने लगीं। धीरे-धीरे लेकिन प्रत्यक्ष रूप से, उसके गालों और माथे का रंग वापस आने लगा। उसकी पत्नी उसे बहुत ध्यान से देख रही थी, हालाँकि उसकी भावनात्मक भागीदारी ने उसे सूक्ष्म परिवर्तनों को देखने से रोक रखा था।

जब उसे शौचालय का उपयोग करने की आवश्यकता हुई, तो वह खुद को रोलिंग कुर्सी पर बाथरूम में ले गया, और उसने स्पष्ट और निर्विवाद बदलाव देखा। उसने हाइड्रोजन इनहेलर लाने वाले तकनीशियन को गले लगाया और कहा, "तुमने उसकी जान बचाई!" वह बाथरूम से बाहर आया, बिस्तर पर जाना चाहता था, और खुद ही सीढ़ियों से ऊपर चला गया। उसकी कमज़ोर हालत को जानते हुए, उसे चिंता थी कि वह गिर सकता है।

एक बार जब वह उसे बिस्तर पर लेटी, तो उसने उसे पुनः हाइड्रोजन गैस से जोड़ दिया।जैसे-जैसे वह नाक के कैनुला से सांस लेना जारी रखता था, उसकी हालत में सुधार यह था कि वह घर की नौकरानी से यह कहने में सहज महसूस करती थी कि जब वह कुछ सामान लेने जाती थी, तो वह उस पर नज़र रखे। यह स्पष्ट था कि वह न केवल ठीक था, बल्कि वह फिर से बाथरूम का उपयोग करने के लिए बिस्तर से उठ गया था, और वापस आने के बाद, उसने खुद ही नाक के कैनुला को फिर से स्थापित करने की सूझबूझ दिखाई।

घर लौटने पर, उसकी त्वचा का रंग और रंगत - चेहरा, छाती और शरीर - काफी बेहतर हो गया था, उसके हाथ-पैर गर्म थे, और वह काफी सचेत था, उसने अपनी पत्नी को चूमा भी। वह 8 औंस सूप शोरबा पी सकता था, जो कुछ समय के लिए उसका पहला पोषण था। अब तक, उसकी पत्नी जानना चाहती थी कि क्या वह पूरी रात इनहेलर चालू रख सकता है। अगर उसकी पत्नी उसके बगल में सो रही होती तो ऐसा न करने का कोई कारण नहीं था।

चिकित्सा साहित्य में इस गैस को लंबे समय तक सांस लेने से रोकने की सलाह नहीं दी गई है। एशिया में डॉक्टरों द्वारा किए गए चिकित्सा अध्ययनों में, आणविक हाइड्रोजन उन दुर्लभ अनुप्रयोगों में से एक प्रतीत होता है जो "अधिक बेहतर है!" अभिव्यक्ति के अनुकूल है। उस दिन एक अद्भुत बात हुई। और एक अपेक्षाकृत अज्ञात (संयुक्त राज्य अमेरिका में) तकनीक के लिए धन्यवाद, यह आदमी अब मौत के दरवाजे पर नहीं था - वह फल-फूल रहा था।

दुर्भाग्यवश, इस व्यक्ति की मृत्यु हो गई, लेकिन हाइड्रोक्सी (ब्राउन गैस का दूसरा नाम) से सहायता मिलने के बाद वह छह महीने तक जीवित रहा।

सेप्सिस रोगियों की जान बचाना।

क्या डॉक्टर सेप्सिस से मरने वाले लाखों लोगों को बचाने के लिए तैयार हैं? नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, अब हमारे पास एक ऐसी बीमारी के लिए गेम-चेंजर है जो अकेले अमेरिका में हर साल 1.5 मिलियन से अधिक लोगों में होती है, जिसमें 28-50% मृत्यु दर होती है। तीसरी दुनिया के देशों में सेप्सिस से मृत्यु दर और भी अधिक है।

सेप्सिस के कारण 500 हजार से अधिक अमेरिकियों की मौत हो सकती हैएक साल। हाइड्रोजन ऑक्सीजन, विटामिन सी, डी और सीओ2 के साथ मिलकर हाइड्रोकार्टिसोन और थायमिन के साथ दिए जाने पर इनमें से अधिकांश रोगियों को बचा सकता है। हाइड्रोजन इंजेक्शन सेलेनियम, सोडियम बाइकार्बोनेट और मैग्नीशियम क्लोराइड के IVs के साथ जीवित रहने की दर को बढ़ाएगा।

सेलेनियम एक उत्कृष्ट एंटीऑक्सीडेंट है, जो रिपरफ्यूजन इंजरी, मायोकार्डियल इन्फार्क्शन, इस्केमिक स्ट्रोक, तथा संवहनी सर्जरी से सुरक्षा प्रदान करता है, जिसे सेलेनियम इंजेक्शन से कम किया जा सकता है, साथ ही अनियंत्रित संक्रमणों से उत्पन्न साइटोकाइन स्टॉर्म से भी सुरक्षा प्रदान करता है।

> विज्ञान दैनिकरिपोर्ट में कहा गया है, "संक्रामक रोगों के मामले में, अक्सर रोगज़नक़ ही नहीं, बल्कि अत्यधिक सूजन वाली प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया (सेप्सिस) होती है जो रोगी की मृत्यु का कारण बनती है, उदाहरण के लिए, अंग क्षति के कारण। गहन देखभाल इकाइयों में, सेप्सिस दुनिया भर में मृत्यु का दूसरा सबसे आम कारण है।

> गंभीर रूप से कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली, विशेष रूप से, जीवन-कैंडिडा के खतरे के कारण, फंगल संक्रमण सेप्सिस का उच्च जोखिम उत्पन्न होता है।''

संक्रमण के प्रति व्यवस्थित भड़काऊ प्रतिक्रिया, सेप्सिस, आईसीयू में सबसे गंभीर बीमारियों में से एक है। व्यापक उपचार के साथ भी, डॉ. पॉल मैरिक के आने तक सेप्सिस अभी भी उच्च रुग्णता और मृत्यु दर से जुड़ा हुआ है।

डॉ. मैरिक ने सेप्सिस के उपचार के लिए एक अभिनव तकनीक के साथ दुनिया भर में सुर्खियाँ बटोरीं। हालाँकि, उन्हें विवादास्पद उपचार के बारे में "चुप रहना" चाहिए। रोगियों के चिकित्सकों की प्रतिक्रिया लगभग आधी-आधी रही है; कुछ लोग इसे आजमाने के लिए तैयार थे, जबकि अन्य कह रहे थे कि यह पूरी तरह से बकवास है।" वह एक सामान्य ज्ञान वाली बुनियादी चिकित्सा पद्धति का उपयोग कर रहे हैं जो विटामिन सी, हाइड्रोकार्टिसोन और थायमिन के IV इन्फ्यूजन के साथ सिस्टीन स्टॉर्म को बाहर निकालती है।[50]

उनके अस्पताल ने उनके प्रोटोकॉल के साथ प्रयोग किया और मृत्यु दर में आश्चर्यजनक गिरावट देखी। हालाँकि, डॉक्टर अभी भी संशय में हैं क्योंकि उनके अध्ययन में पहले के नियंत्रण समूह की तुलना में केवल कुछ ही विषय और सर्वेक्षण शामिल थे। हालाँकि, चिकित्सा संस्थान इसे इतनी गंभीरता से ले रहे हैं कि वे और अधिक जाँच शुरू कर रहे हैं।

अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन के मेडिकल जर्नल "चेस्ट" में प्रकाशितजर्नल, एकटेक2016 में नॉरफ़ॉक जनरल के आईसीयू में इलाज किए गए सेप्सिस के 47 रोगियों में से केवल चार की मृत्यु हुई, लेकिन वे ऐसी स्थितियों में से थे जिनके कारण सेप्सिस हुआ था। पिछले साल, अस्पताल के 47 सेप्टिक रोगियों में से 19 की मृत्यु हो गई थी। डॉ. मैरिक ने प्रोटोकॉल के साथ 700 रोगियों का इलाज किया है, और जबकि कुछ की मृत्यु हुई है, यह आमतौर पर अंतर्निहित बीमारी, जैसे कि कैंसर, के कारण हुआ है, जिसके कारण वे सेप्टिक अवस्था में पहुँच गए थे।

डॉ. मारिक ने अपने उपचार में हाइड्रोजन का उपयोग नहीं किया। लेकिन चूँकि आणविक हाइड्रोजन एक एंटीऑक्सीडेंट है, जो विटामिन सी से भी अधिक मौलिक है, इसलिए इस अध्याय में हाइड्रोजन को मिश्रण में शामिल करके मारिक के नए उपचार की प्रभावशीलता को बढ़ाने का प्रस्ताव है।

विटामिन सी, कैंसर और ऑक्सीडेटिव तनाव

एशोध चायकैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में एम ने पाया कि विटामिन सी ने पर्यावरण संबंधी तंबाकू के धुएं के संपर्क में आने वाले लोगों के लिए विभिन्न पुरानी बीमारियों से जुड़े ऑक्सीडेटिव तनाव के स्तर को काफी हद तक कम कर दिया। विटामिन सी एलपीओ (लिपिड पेरोक्सीडेशन स्तर) को कम करके और लीवर की एंटीऑक्सीडेंट रक्षा प्रणालियों को बदलकर इमिडाक्लोप्रिड-प्रेरित ऑक्सीडेटिव क्षति को भी कम करता है।

विटामिन सी एक आवश्यक एंटी-ऑक्सीडेंट है जो कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव क्षति से बचाता है।चुनौती। हाइड्रोजन का उच्च स्तर एस्कॉर्बिक एसिड की एंटी-ऑक्सीडाइजिंग गतिविधि को तीन गुना बढ़ा देता है, जो एस्कॉर्बिक एसिड की उच्च खुराक के प्रो-ऑक्सीडेंट जोखिम से बचने में महत्वपूर्ण है।

विटामिन सी की अपनी सीमाएँ हैं। "हाइड्रॉक्सिल रेडिकल जैसे विनाशकारी ROS मजबूत ऑक्सीडेंट होते हैं जो ऊतक क्षति का कारण बनते हैं, जबकि लाभकारी ROS में हाइड्रॉक्सिल रेडिकल ...।सुपरऑक्साइड और हाइड्रोजन पेरोक्साइड जैसी प्रजातियाँ सिग्नल ट्रांसडक्शन मार्गों के माध्यम से अंतर्जात एंटी-ऑक्सीडेंट तंत्र को बढ़ाती हैं। विटामिन सी जैसे शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट, विनाशकारी और लाभकारी दोनों आरओएस को अंधाधुंध तरीके से खत्म कर देते हैं, इस प्रकार ऑक्सीडेटिव तनाव से संबंधित स्थितियों की प्रगति को दबाने में विफल हो जाते हैं। हाइड्रोजन गैस एक कमजोर अपचायक एजेंट है, और इसकी ऑक्सीकरण-अपचयन प्रतिक्रिया केवल एक मजबूत ऑक्सीडेंट के साथ होती है जो ऊतक क्षति का कारण बनती है।"[51]

आणविक हाइड्रोजन

आणविक हाइड्रोजन हमारे विटामिन सी के भंडार को बढ़ाएगा। आणविक हाइड्रोजन अन्य एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि को बढ़ाता है क्योंकि विटामिन सी की पर्याप्त आपूर्ति शरीर में विटामिन ई और अन्य एंटी-ऑक्सीडेंट के पुनर्जनन को सक्षम बनाती है। IV विटामिन सी उन लोगों के लिए एक उचित उपचार है जो मृत्यु के करीब हैं। इसमें लोगों को कगार से वापस लाने की शक्ति है, और हाइड्रोजन में भी।

सेप्सिस, एक मल्टीपल ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम है, जो गंभीर रूप से बीमार रोगियों में मृत्यु का प्रमुख कारण है। हाइड्रोजन गैस का साँस लेना काफी हद तक

प्रयोगशाला परीक्षणों में सेप्टिक चूहों की जीवित रहने की दर और अंग क्षति में सुधार हुआ।

बायोप्सी ने सेप्सिस पर हाइड्रोजन के सुरक्षात्मक प्रभाव को साबित किया है। आणविक हाइड्रोजन थेरेपी सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव की चोटों को काफी हद तक कम कर सकती है, जिससे सेप्सिस के साथ आम तौर पर होने वाले विभिन्न अंग कार्यों की क्षति कम हो सकती है।[52]

हाइड्रोजन कोरोनावायरस थेरेपी.

डॉ. कैमरून काइल-साइडेल, एमडी, एक बोर्ड-प्रमाणित आपातकालीन चिकित्सा विशेषज्ञ हैंब्रुकलिन, न्यूयॉर्क में फिजीशियन। वह मैमोनाइड्स मेडिकल सेंटर से जुड़े हैं और चिल्ला रहे हैं कि अमेरिका भर के आईसीयू विभागों में कोरोनावायरस रोगियों के इलाज के तरीके में कुछ ठीक नहीं है।

ब्रुकलिन के इंटरफेथ मेडिकल सेंटर में इंटरनल मेडिसिन के प्रैक्टिशनर डॉ. आइजैक सोलाइमनज़ादेह, डॉ. काइल-सिडेल द्वारा एक वीडियो में कही गई बात का समर्थन करते हैं, जिसमें उन्होंने कहा है कि कोरोनावायरस एक वायरल ड्रिवन निमोनिया से ज़्यादा हाई एल्टीट्यूड पल्मोनरी एडिमा जैसा कुछ है। उन्होंने कहा:

> "जबकि एंटी-वायरल दृष्टिकोण और टीकों पर विचार किया जा रहा है, तत्काल प्रतिवाद उपलब्ध नहीं है। COVID-19 में धमनी ऑक्सीजन का आंशिक दबाव कम हो जाता है और आंशिक रूप से ऑक्सीजन प्रेरित होता है, साथ ही हाइपोक्सिया और तीक्ष्ण श्वास भी होती है। दोनों में कम कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर की प्रवृत्ति भी दिखाई देती है।"

कार्बन डाइऑक्साइड एक आवश्यक चिकित्सा गैस है। चिकित्सा गैसें स्वाभाविक रूप से होने वाली शारीरिक प्रतिक्रियाओं को सक्रिय करती हैं, जिससे मानव शरीर की निवारक और स्व-उपचार क्षमताएं बढ़ती हैं। चिकित्सा गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड, ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सबसे हाल ही में शामिल हैं,

हाइड्रोजन का उपयोग घर पर या आईसीयू में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे खराब लक्षणों के इलाज के लिए किया जा सकता है।

यदि आप सांस नहीं ले पा रहे हैं तो हाइड्रोजन आपकी मदद करेगा

फोर्ड और जीई हेल्थकेयर का लक्ष्य 100 दिनों के भीतर 50 हजार वेंटिलेटर बनाना था। हर कोई वेंटिलेटर के लिए संघर्ष कर रहा था। लेकिन उन्हें हाइड्रोजन इनहेलेशन डिवाइस पाने के लिए संघर्ष करना चाहिए था। वेंटिलेटर पर बहुत से लोग मर गए, फिर भी लोग हाइड्रोजन गैस के साथ फिर से आसानी से सांस लेना शुरू कर सकते हैं।

कोरोनावायरस चिकित्सा सोच तेजी से विकसित हो रही है। दृष्टिकोणों को एक पूर्ण प्रोटोकॉल में जोड़ा जा सकता है जो 99 प्रतिशत जीवित रखेगा। जब से वायरस चीन की सड़कों पर आया है, तब से चिकित्सा अधिकारियों ने एक इंच भी नहीं हिलाया है। आधिकारिक कहानी वही है। कोई उपचार नहीं, कोई टीका नहीं। अब हमारे पास प्रयोगात्मक गैर-एफडीए अनुमोदित टीके हैं, और इस प्रकाशन की तिथि तक, यूरोपीय और अमेरिकी वैक्सीन रिपोर्टिंग सिस्टम में 15 हजार से अधिक मौतें दर्ज की गई हैं।

वेंटिलेटर के बजाय हाइड्रोजन इनहेलेशन मशीनों के साथ, हम एक पूरी तरह से अलग कहानी देख रहे होंगे। कम मृत्यु दर का मतलब है कि हमें दुनिया की अर्थव्यवस्था को नष्ट नहीं करना पड़ेगा। हमारे पास मैनहट्टन प्रकार की परियोजना शुरू करने और हजारों हाइड्रोजन इनहेलेशन मशीनें बनाने का हर कारण है और हमें कोरोनावायरस से मरने की चिंता नहीं करनी चाहिए।

प्रोफ़ेसर झोंग नानशान, एक चीनी महामारी विज्ञानी और पल्मोनोलॉजिस्ट (जिन्होंने 2003 में SARS कोरोनावायरस की खोज की थी), वुहान से चीनी रोगियों के डेटा के आधार पर हाइड्रोजन-ऑक्सीजन गैस मिक्स इनहेलेशन की सलाह देते हैं। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ़ चाइना के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग का कहना है, "कोविड-19 वायरस निमोनिया के इलाज के लिए 66.6% हाइड्रोजन और 33.3% ऑक्सीजन को मिलाकर इनहेलेशन किया जा सकता है।" गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिए यह उनकी उपचार सूची में सबसे ऊपर है।

प्रतिलिपि:
डॉक्टर: मुझे बताओ हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस अंदर लेने के बाद तुम्हें कैसा महसूस होता है?

मरीज: साँस लेने के बाद, मैं इतने दिनों से यहाँ था; मेरी छाती का दर्द कम नहीं हुआ था। दरअसल, हाइड्रोजन-ऑक्सीजन एटमाइज़र का इस्तेमाल करने के बाद, मेरी छाती का दर्द कम हो गया। अब छाती का दर्द नहीं है, बिल्कुल भी दर्द नहीं है।

डॉक्टर: बहुत बढ़िया!

मरीज़: शुक्रिया प्रोफ़ेसर वेई चुनुआ। आज पहली बार यहाँ आकर मैं आज़ाद महसूस कर रहा हूँ।

प्रतिलिपि:

डॉक्टर: तुम्हें कैसा लग रहा है?

रोगी: इस हाइड्रोजन ऑक्सीजन एटमाइजर के साथ, मैं अच्छा महसूस करता हूं।

डॉक्टर: क्या आपको लगता है कि इस उपकरण से आपकी सांस अधिक आरामदायक हो गयी है?

मरीज़: हाँ, यह है.

डॉक्टर: आपकी सांसें अब सामान्य हो गई हैं, है न?

मरीज़: हाँ, ऐसा ही है। जब मैंने इसे पहली बार इस्तेमाल किया था। डॉक्टर: आपको

कैसा लगा?

मरीज़: मुझे ऐसा लगा जैसे गैस मास्क हटा दिया गया हो। डॉक्टर: ऐसा

लग रहा है।

मरीज़: हाँ, बिल्कुल। पहले मैं गहरी साँस लेने की हिम्मत नहीं करता था, लेकिन अब मैं हाइड्रोजन-ऑक्सीजन से गहरी साँस ले सकता हूँ।

डॉक्टर: अच्छा! बढ़िया!

प्रतिलिपि:

डॉक्टर: तुम्हें कैसा लग रहा है? मरीज़: मुझे आराम

महसूस हो रहा है। डॉक्टर: आराम, हाँ?

मरीज़: हाँ, कुछ ग़लत नहीं है।

डॉक्टर: क्या आपको सांस लेने के बाद अपनी छाती में बहुत आराम महसूस होता है? या आपको लगता है कि आपकी सांस लेना थोड़ा आसान है?

रोगी: हाँ, मुझे खांसी आती है। पहले जब मैं गहरी साँस लेता था, तो मुझे खांसी आती थी। लेकिन हाइड्रोजन ऑक्सीजन एटमाइज़र से खांसी लगभग गायब हो जाती है। और जब मैं गहरी साँस लेता हूँ, तो मुझे खांसी नहीं आती।

डॉक्टर: अच्छा, बहुत अच्छा!

प्रतिलिपि:

डॉक्टर: अब तुम्हें कैसा लग रहा है?

मरीज़: आधे दिन तक इससे सांस लेने के बाद, मुझे लगता है कि मेरी छाती में दर्द नहीं हो रहा हैअब और दर्द नहीं होता, और अब, मुझे सीने में बिल्कुल भी दर्द नहीं होता। अब दर्द नहीं होता। इससे पहले, मेरे सीने में दर्द होता था। यह सीने में जकड़न थी। आगे, इस जगह और पीठ में थोड़ा दर्द होता था। आधे दिन तक हाइड्रोजन में सांस लेने के लिए इसका इस्तेमाल करने के बाद, मुझे बहुत बेहतर महसूस हुआ, बिना किसी दर्द के। अच्छा! धन्यवाद।

वायुमार्ग प्रतिरोध और सुरक्षा में उल्लेखनीय कमी के मद्देनजर, जल इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से उत्पन्न हाइड्रोजन और ऑक्सीजन मिश्रित गैस को साँस द्वारा अंदर लेने का प्रयोग आईसीयू चिकित्सा में किया गया। पायलट जांच में कोविड-19 के अधिकांश रोगियों में हाइड्रोजन/ऑक्सीजन मिश्रित गैस साँस द्वारा साँस लेने से श्वास कष्ट में उल्लेखनीय सुधार हुआ। इसलिए, कोविड-19 के निदान और प्रबंधन के लिए नवीनतम अनुशंसा दस्तावेज़ द्वारा इसका समर्थन किया गया है।

ब्राउन गैस हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का मिश्रण है।

ब्राउन गैस को पहले ही चीनी सरकार, यूरोपीय संघ के संगठनों और यूके के डॉक्टरों द्वारा कोविड-19 थेरेपी के लिए समर्थन दिया जा चुका है। ब्राउन गैस (जिसे हाइड्रोक्सी या एचएचओ भी कहा जाता है) साँस लेने से कोरोनावायरस के कारण होने वाले निमोनिया के इलाज में मदद मिली है। हाइड्रोजन अणु सीधे नए कोरोनावायरस को लक्षित नहीं करते हैं, लेकिन सहायक चिकित्सीय भूमिका निभाने के लिए वायरस की सूजन को खत्म कर सकते हैं। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग द्वारा रिपोर्ट की गई सबसे बेहतरीन विशेषता बिना किसी दुष्प्रभाव के एंटी-इंफ्लेमेटरी है।

हाइड्रोजन ऑक्सीडेटिव-संबंधित जीन और प्रो-इंफ्लेमेटरी साइटोकाइन जीन की अभिव्यक्ति को सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से कम कर सकता है। ऑक्सीडेटिव तनाव और सिस्टमिक इंफ्लेमेटरी रिस्पॉन्स सिंड्रोम एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंपॉलीमाइक्रोबियल सेप्सिस चोट, तीव्र पेरिटोनिटिस चोट और पेरिटोनिटिस के बाद ऊतक और अंग क्षति, जो कि अनुचित उपचार के कारण घातक सेप्सिस में विकसित हो सकती है।

अब तक के अध्ययनों से पता चला है कि संक्रमित होने पर साइटोकाइन स्टॉर्म और ऑक्सीडेटिव तनाव रोग प्रक्रिया से अत्यधिक जुड़े होते हैं

वायरस के साथ। हालांकि साइटोकाइन तूफान और ऑक्सीडेटिव तनाव इन रोगजनकों को खत्म करने की कोशिश करते हैं, लेकिन वे बहु-अंग क्षति उत्पन्न करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक फुफ्फुसीय शोफ, वायुकोशीय और अन्य ऊतक रक्तस्राव, और तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम आदि जैसे घातक नैदानिक लक्षण होते हैं।

नाइट्रिक ऑक्साइड.

नाइट्रिक ऑक्साइड के बारे में भी यही कहा जा रहा है। 1992 में, जर्नल साइंस ने नाइट्रिक ऑक्साइड को "वर्ष का अणु" नाम दिया। और 1998 में, यूसीएलए फार्माकोलॉजीसेंट लुईस जे. इग्नाआरआरओ ने नाइट्रिक ऑक्साइड की भूमिका को उजागर करने के लिए चिकित्सा में नोबेल पुरस्कार साझा किया, जो "हृदय प्रणाली में सिग्नलिंग अणु" के रूप में है। नाइट्रिक ऑक्साइड एक गैस है; एक बार साँस लेने पर, यह रक्त वाहिकाओं को चौड़ा (फैलाने) के लिए चिकनी मांसपेशियों को आराम देकर काम करता है, खासकर फेफड़ों में। इसके अलावा, इसका उपयोग समय से पहले जन्मे शिशुओं में श्वसन विफलता के इलाज के लिए एक यांत्रिक वेंटिलेटर के साथ किया जाता है। $CO2$ का बढ़ा हुआ स्तर भी रक्त वाहिकाओं को फैलाता है जबकि ऑक्सीजन विघटन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

बोस्टन, अलबामा, लुइसियाना, स्वीडन और ऑस्ट्रिया के अस्पतालों में, शोधकर्ताओं ने COVID-19 के हल्के से मध्यम मामलों वाले रोगियों में साँस के ज़रिए नाइट्रिक ऑक्साइड का परीक्षण करने के लिए एक नैदानिक परीक्षण शुरू किया है। परीक्षण यह मूल्यांकन करेगा कि क्या गैस उन रोगियों की संख्या को कम कर सकती है जिन्हें अंततः यांत्रिक वेंटिलेटर से साँस लेने में सहायता की आवश्यकता होती है। परीक्षण के सक्रिय भाग में शामिल अध्ययन प्रतिभागियों को दिन में दो या तीन बार लगभग 30 मिनट के लिए मास्क के माध्यम से नाइट्रिक ऑक्साइड की उच्च खुराक साँस के ज़रिए अंदर लेनी होगी।

नए परीक्षण का नेतृत्व कर रहे मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल के गहन देखभाल विशेषज्ञ डॉ. लोरेंजो बेरा ने कहा कि इटली में, जहां गैस का उपयोग अधिक अव्यवस्थित परिस्थितियों में किया गया था, इस उपचार से कोविड-19 रोगियों के रक्त में ऑक्सीजन का स्तर नाटकीय रूप से बढ़ गया।

हाइड्रोजन प्रशासन की लचीलापन.

दिलचस्प बात यह है कि $H2$ थेरेपी को साँस के माध्यम से, हाइड्रोजन युक्त पानी के मौखिक सेवन, हाइड्रोजन युक्त खारा इंजेक्शन के माध्यम से प्रशासित किया जा सकता है,

हाइड्रोजन का सीधा प्रसार: स्नान, आंखों की बूंदें, और विसर्जन, और आंतों में हाइड्रोजन को बढ़ाते हैं। हालांकि प्रत्येक वितरण तरीके की अपनी विशेषताएं और फायदे हैं, हाइड्रोजन युक्त खारा इंजेक्शन कम से कम समय में एंटीऑक्सिडेंट, सूजन-रोधी और एंटी-एपोप्टोसिस प्रभाव डालने के लिए पर्याप्त हाइड्रोजन की अनुमति देता है।

निष्कर्ष।

हमें उन सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों की बात सुनने की जरूरत है जो स्थिति पर नजर रख रहे हैं, न कि मीडिया और स्वास्थ्य अधिकारियों की जो बिल्कुल अलग-अलग भविष्यवाणियां कर रहे हैं।

यह हास्यास्पद है कि आधुनिक चिकित्सा प्रतिष्ठान कम लागत वाली प्रिस्क्रिप्शन दवाओं (जैसे हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन) या जिंक, मैग्नीशियम, विटामिन सी, डी और सेलेनियम जैसे सरल पोषण संबंधी सप्लीमेंट्स के बारे में बात नहीं करेगा जो व्यापक रूप से उपलब्ध हैं और सुरक्षित, प्रभावी उपयोग का लंबा ट्रैक रिकॉर्ड है। जब केंद्रित किया जाता है, तो वे सभी आपातकालीन और आईसीयू दोनों विभागों में उत्कृष्ट दवाएं बनाते हैं। वे निश्चित रूप से सोडियम बाइकार्बोनेट के बारे में बात नहीं करेंगे, भले ही हमारे पास इसके उपयोग के लिए पुराने और नए दोनों संकेतक हों।

जैसा कि ऊपर बताया गया है, डॉ. इसहाक सोलाइमनज़ादेह ने हमें बताया कि COVID-19 में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर कम होता है। हम मरीजों के कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को कैसे बढ़ा सकते हैं? बाइकार्बोनेट को पर्याप्त मात्रा में मौखिक रूप से या अंतःशिरा रूप से दें। स्वास्थ्य अधिकारी उन डॉक्टरों की तरह नहीं हैं जो ICU में हताश मरीजों का इलाज करने वाली अग्रिम पंक्ति में हैं। इस वैश्विक महामारी के संदर्भ में, वैकल्पिक उपचारों की सक्रिय सेंसरशिप एक अपराध, एक दुख और चिकित्सा कला के सभी चिकित्सकों के मूल मिशन के लिए एक खोया हुआ उद्देश्य है।

शायद स्वास्थ्य अधिकारियों को इतिहास के सामने अपने उन कार्यों के लिए खुद का बचाव करना पड़ेगा, जिन्होंने एक पूरी सभ्यता की जीवन-शैली को नष्ट कर दिया।उन चीजों को अपनाने का जोआरके.

गहन क्रांतिदेखभाल चिकित्सा.



आपातकालीन कक्षों और गहन देखभाल वार्डों के अंदर आम लेकिन असाधारण रूप से सुरक्षित और प्रभावी पदार्थ हैं जो हर दिन जीवन बचाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि किसी ने भी इन सुपर मेडिकल हथियारों का इस्तेमाल पुरानी बीमारी या कैंसर के खिलाफ करने के बारे में नहीं सोचा है।

आपातकालीन कक्षों और गहन देखभाल वार्डों में, दवाइयों को सुरक्षित होना चाहिए, साथ ही साथ, उपचार शक्ति का तत्काल जीवन रक्षक विस्फोट भी प्रदान करना चाहिए। यदि वे आपात स्थितियों के लिए सुरक्षित और प्रभावी हैं, तो वे आमतौर पर पुरानी और तीव्र बीमारियों का सामना करेंगे क्योंकि वे पोषण संबंधी कमियों को दूर करते हैं।

अधिकांश डॉक्टरों और कई रोगियों को यह जानकर आश्चर्य होता है कि सबसे अच्छे उपचार एजेंट फार्मास्यूटिकल दवाएं नहीं बल्कि अत्यधिक केंद्रित पोषक तत्व हैं। ये दुनिया में बेजोड़ शक्ति प्रदान करते हैं

दवा। जो दवाएँ आपातकालीन स्थिति में तत्काल किसी व्यक्ति की जान बचा सकती हैं, जैसे हृदयाघात, वही दवाएँ उन बीमारियों से लड़ने में भी कारगर हैं, जिन्होंने दशकों से पूरे पश्चिमी एलोपैथिक प्रतिष्ठान को उलझन में डाल रखा है।

क्योंकि पोषण संबंधी दवाएँ गैर-विषाक्त होती हैं, इसलिए हम कैंसर या किसी अन्य चीज़ पर एक साथ कई तरफ़ से उपचार और हमला कर सकते हैं जो जीवन को ख़तरे में डालती है या हमें बीमार बनाती है। हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, सोडियम और पोटेशियम बाइकार्बोनेट, मैग्नीशियम, आयोडीन, सेलेनियम, मेडिकल मारिजुआना, ऑक्सीजन, $CO2$, ग्लूटाथियोन, विटामिन सी और डी, और सल्फर प्रमुख प्राकृतिक एजेंट हैं जिनका उपयोग अभिनव गहन देखभाल के साथ-साथ आपके अपने घर में भी किया जाता है।

सोडियम बाइकार्बोनेट, एक मानक आपातकालीन कक्ष दवा, एक शक्तिशाली, प्राकृतिक और सुरक्षित एंटी-फंगल एजेंट के रूप में कार्य करता है। जब आयोडीन के साथ मिलाया जाता है, तो यह सूक्ष्मजीवों के पूरे स्पेक्ट्रम को कवर करता है। कुछ बैक्टीरिया और कवक के खिलाफ सोडियम बाइकार्बोनेट की प्रभावकारिता का दस्तावेजीकरण किया गया है, लेकिन वायरस के खिलाफ एक कीटाणुनाशक के रूप में इसकी भूमिका शायद ही ज्ञात हो। 5% और उससे अधिक की सांद्रता पर सोडियम बाइकार्बोनेट 1 मिनट के संपर्क समय के भीतर खाद्य संपर्क सतहों पर वायरल टिटर में 99.99% की कमी के साथ सहायक है।[53]

चरण चार और पांच के कैंसर के लिए गहन देखभाल।

हाइड्रोजन-चालित प्रोटोकॉल हमें गहन कैंसर उपचार में एक पूरी तरह से नई अवधारणा प्रदान करते हैं। कैंसर के चार चरण होते हैं, लेकिन जब डॉक्टर हमें छोड़ देते हैं और हमें आसन्न मौत की सजा देते हैं - तो हम इसे चरण पांच पर विचार कर सकते हैं। चरण पांच के कैंसर में लोगों को मौत के दरवाजे से वापस लाने के लिए आपातकालीन गहन देखभाल प्रक्रियाओं की आवश्यकता होती है। चरण चार के कैंसर के समान, हालांकि इसमें थोड़ा अधिक समय लगता है।

कैंसर रोगियों की बढ़ती संख्या के कारण ऐसे कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ रही है जिन्हें गहन देखभाल उपचार की आवश्यकता होगी। गहन देखभाल में प्रगति के कारण कैंसर से पीड़ित गंभीर रूप से बीमार रोगियों के बचने की संभावना बढ़ गई है। तीव्र देखभाल आधुनिक कैंसर देखभाल का एक अनिवार्य आधार बन रही है।

गहन चिकित्सा वार्ड में, अधिकांश दवाएँ नसों के द्वारा या इंजेक्शन के माध्यम से दी जाती हैं। कुछ लोग इसे घर पर भी कर सकते हैं। हालाँकि, हममें से अधिकांश लोग गहन चिकित्सा स्नान, ट्रांसडर्मल औषधीय अनुप्रयोगों, नेबुलाइजेशन और अपने पानी में शक्तिशाली दवा भरकर मौखिक सेवन के माध्यम से इस तरह के प्रशासन की तीव्रता को दोहरा सकते हैं। हमारे पास घर में इस्तेमाल होने वाली हाइड्रोजन और ऑक्सीजन मशीनें हैं जो हमें बीमारों को ठीक करने के लिए केंद्रित शक्ति देती हैं। उपचार पहले कभी इतना बेहतर नहीं रहा।

कोई भी व्यक्ति अपने घर में ही गहन चिकित्सा पद्धति का अभ्यास अस्पताल की तुलना में अधिक सुरक्षित और कम खर्च में सीख सकता है।

आपातकालीन और गहन देखभाल के लिए उपयोग हेतु निर्देश।

मैं गहन देखभाल रोगियों के लिए हाइड्रोजन इनहेलर से जुड़ने और गैस को लगातार बहने देने की सलाह देता हूं जब तक कि कोई उल्लेखनीय परिवर्तन न हो जाए। ऐसी घटनाओं की अपेक्षा करें। इसके समानांतर हाइड्रोजन पानी का सेवन है, भले ही फीडिंग ट्यूब के माध्यम से दिया गया हो।

गहन उपचार से कुछ ही समय में मापने योग्य और ध्यान देने योग्य परिणाम दिखने चाहिए।आठ घंटे से लेकर एक से दो दिन तक। यदि हाइड्रोजन इनहेलर कैनुला में ऑक्सीजन भी मिलाता है, तो हमें सर्वोत्तम परिणामों के लिए प्रोटोकॉल में मैग्नीशियम, सेलेनियम, आयोडीन, सल्फर और बाइकार्बोनेट को शामिल करना चाहिए।

विशेष नोट:शोधकर्ताओं ने बताया कि स्तन कैंसर "सुलग सकता है" और 20 साल बाद भी वापस आ सकता है जब तक कि मरीज़ इसे दबाने के लिए दुर्बल करने वाले दुष्प्रभावों वाली दवाएँ लेते रहें। यह "सुलगेगा" नहीं अगर पर्याप्त हाइड्रोजन लिया जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सेलुलर "आग" किसी अन्य कैंसर का कारण न बने। सूची में आयोडीन को भी शामिल करें क्योंकि आयोडीन की कमी स्तनों को कैंसर के प्रति असाधारण रूप से संवेदनशील बनाती है।

केस स्टडी– लार कैंसर

यह एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है जिसे लार का कैंसर है, जो फैलकर ब्रेन स्टेम कैंसर, फेफड़े के कैंसर तक पहुंच गया था, जिसमें ऑप्टिक तंत्रिका को प्रभावित करने वाली कोई अज्ञात चीज शामिल थी। लगभग 15 महीने पहले मस्तिष्क में विकिरण चिकित्सा के बाद उसके लिए सब कुछ खराब हो गया, और वह उससे उबर नहीं सका क्योंकि हम

उम्मीद है। पिछले फरवरी में, निदान के लिए तीन सप्ताह का समय दिया गया था, रोगी बहुत कमज़ोर था, त्वचा के नीचे टिशू पेपर की तरह खून बह रहा था। वह मुश्किल से चल पा रहा था (हम उसे लगभग उठाकर ले जाते थे), उसकी आँखें बंद थीं और वह मुश्किल से बोल पा रहा था, उसका लीवर और किडनी काम करना बंद कर रहे थे, और वह अपनी आंतों का इस्तेमाल खुद नहीं कर पा रहा था।

हालांकि, उन्हें अंत में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस थेरेपी दी गई और फरवरी में उन्होंने काफी प्रगति की। उनका सुधार आश्चर्यजनक था। हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस थेरेपी देने वाले चिकित्सकों को लगा कि वे पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे। उन्होंने देखा कि उनमें जीवन वापस आ गया है। उनकी आंखों में एक चमक पहली चीज थी जो उन्होंने देखी, जो पहले दिन थी। उनकी त्वचा मोटी हो गई, और उनकी चोट के निशान फीके पड़ गए। उनका पीला रंग और गंध सामान्य हो गई। उनकी आंतें ठीक से चलने लगीं। वहां से, उनकी भूख वापस आ गई, हालांकि वजन बढ़ना अभी भी एक समस्या थी क्योंकि विकिरण ने एक ऐसे व्यक्ति को तोड़ दिया था जो केवल 15 महीने पहले एक मजबूत और फिट व्यक्ति था। उनकी ताकत बेहतर थी, और अब वे बिना गिरे और चुटकुले सुनाए और अपनी पत्नी के साथ बदतमीजी किए बिना खुद ही शौचालय जा सकते थे। कोई आश्चर्य नहीं कि चिकित्सक आशावादी थे।

यह सब तब उलट गया जब डॉक्टरों ने उसकी दवाइयों का शेड्यूल बदल दिया। अब उसकी मौत निकट है। उसकी पत्नी ने उसके लिए बहुत संघर्ष किया, इतने लंबे समय तक लड़ाई लड़ी, लेकिन सिस्टम ने हर कदम पर उसे मजबूर किया।

इस मामले की रिपोर्ट करने वाले लोगों को डर है कि वह उसे खोने के कुछ समय बाद ही जानबूझकर उसका पीछा करेगी। हाइड्रोजन और ऑक्सीजन थेरेपी के संयोजन से क्या हो सकता है और जब डॉक्टर भी शामिल होते हैं तो टर्मिनल रोगियों के लिए चीजें कितनी मुश्किल हो सकती हैं, इसकी यह एक कहानी है।

हाइड्रोजन साँस लेना उपकरण.



हाइड्रोजन इनहेलेशन डिवाइस संयुक्त राज्य अमेरिका में उपलब्ध हैं और जापान और चीन में पहले से ही व्यापक रूप से उपयोग किए जा रहे हैं। सर्जरी और आईसीयू के लिए हाइड्रोजन अध्याय में, हमने सर्जरी और गहन देखभाल के लिए एक उच्च-स्तरीय हाइड्रोजन ऑक्सीजन इनहेलर देखा, जो एफडीए द्वारा अनुमोदित होने पर तीस हजार डॉलर में मिलेगा। जैसा कि आप देखेंगे, आप 2,000 हजार डॉलर से भी कम में एक अच्छी हाइड्रोजन इनहेलेशन मशीन प्राप्त कर सकते हैं।

आणविक हाइड्रोजन की गोलियाँ लेने वाला औसत जोड़ा प्रति माह दो बोतलें खाता है, जिसकी औसत लागत $119 है, जो कि बाजार में प्रति मिलियन हाइड्रोजन की सबसे अधिक मात्रा है। जब आपके पास हाइड्रोजन इनहेलेशन मशीन होती है, तो पूरा परिवार हाइड्रोजन की गोलियों की तुलना में बहुत कम लागत पर इसका उपयोग कर सकता है। संदर्भ के लिए, हाइड्रोजन इनहेलेशन मशीन पर सिर्फ़ 40 मिनट बिताना वाइटल की एक पूरी बोतल लेने के बराबर है।

रिएक्शन मॉलिक्यूलर हाइड्रोजन टैबलेट! यदि आप एक वर्ष तक प्रतिदिन 40 मिनट के लिए अपनी इनहेलेशन मशीन का उपयोग करते हैं, तो यह 21,700.00 डॉलर से अधिक मूल्य की टैबलेट के बराबर है!

यह अध्याय रोगियों और क्लीनिकों के लिए उपलब्ध विकल्पों और उपयोगों के लिए समर्पित है। हाइड्रोजन इनहेलर की कीमतों की एक विस्तृत श्रृंखला है। नीचे दी गई इकाइयाँ तीस हज़ार डॉलर की मशीन की अधिकांश, यदि सभी नहीं, सुरक्षा और चिकित्सीय लाभ प्रदान करेंगी, लेकिन इनकी कीमत दो से साढ़े सात हज़ार डॉलर के बीच होगी। अधिकांश रोगियों के लिए मेरी सिफारिश एक ऐसे उपकरण का उपयोग करने की है जो हाइड्रोक्सी (जिसे ब्राउन गैस भी कहा जाता है) नामक हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का मिश्रण बनाता है। हाइड्रोक्सी 67 प्रतिशत हाइड्रोजन और 33 प्रतिशत ऑक्सीजन का मिश्रण है। जब पानी को हाइड्रोक्सी में बदल दिया जाता है, तो यह 1866 बार फैलता है (तरल से गैस में)। एक लीटर पानी से 1866 लीटर हाइड्रोक्सी बनाया जा सकता है। इस गैस के अनूठे गुणों और इसके चिकित्सीय प्रभावों को उन्नत हाइड्रोजन अनुसंधान में परिभाषित किया गया है।

ज़्यादातर हाइड्रोजन इनहेलर शरीर को जल्दी से संतृप्त कर देते हैं। हाइड्रोजन युक्त साँस में ली गई हवा लगभग 20 मिनट में अपने चरम प्लाज़्मा स्तर पर पहुँच जाती है, और साँस लेना बंद करने के बाद, बेसलाइन पर वापस आने में लगभग 30 मिनट लगते हैं।



हाइड्रोजन को शरीर में पहुंचाने का सबसे कारगर तरीका साँस लेना है। 2% हाइड्रोजन वाली हवा को 12 सेकंड तक अंदर लेने से रक्त में उतना ही हाइड्रोजन जाएगा जितना 1.6 पीपीएम हाइड्रोजन युक्त एक लीटर पानी पीने से मिलता है।

ध्यान रखें कि मशीन से आने वाली सारी गैस का उपयोग नहीं किया जाता है, क्योंकि श्वास लेने में कठिनाई होती है।चक्र में 1/3 साँस लेना, 1/3 साँस छोड़ना और 1/3 आराम करना शामिल है। इसलिए उच्च आउटपुट प्रवाह दर वाली मशीनें उतनी कुशल नहीं हैं, जितना कि कंपनियाँ उन्हें बताती हैं।

यदि निर्देशानुसार उपयोग किया जाए तथा अनुशंसित सेवा अनुसूची के अनुसार रखरखाव किया जाए,नीचे दी गई दोनों मशीनें दस साल से भी ज़्यादा समय तक चलेंगी, भले ही इन्हें 24/7 इस्तेमाल किया जाए। सभी में 120 VAC और 240 VAC के साथ संगत पावर सप्लाई है।

नीचे हाल ही में मुझे एक उल्लेखनीय महिला से प्राप्त एक गवाही दी गई है जो टेक्सास और कोस्टा रिका में एक हीलिंग रिट्रीट सेंटर चलाती है। उसने मेरे साथ अपना नैदानिक अनुभव साझा किया जो बताता है कि हाइड्रोजन इनहेलेशन (हाइड्रोजन और ऑक्सीजन मिश्रण जिसे ब्राउन गैस कहा जाता है) सूजन को खत्म करने का सबसे प्रभावी, सबसे तेज़ और सबसे सुरक्षित तरीका है और यह हर स्थिति के लिए सबसे सहायक उपचार भी है।

जेनिटा एम. मेसन, चिकित्सा निदेशकओजोन उपचार केंद्र टेक्सास में, ने कहा, "इन महीनों में मैंने खुद और अपने मरीजों को सभी स्थितियों में इलाज के उत्कृष्ट परिणाम दिखाए हैं, मैं ईमानदारी से कह सकता हूं कि ब्राउन गैस हाइड्रोजन (66% हाइड्रोजन और 33% ऑक्सीजन) को जोड़ने सेहाइड्रोजन टेक्नोलॉजीज इनहेलेशन मशीनमेरे पहले से ही उच्च प्रभाव वाले जैविक चिकित्सा मॉडल ने हमारे पहले से ही बेहतर रोगी परिणामों को छत से ऊपर उड़ा दिया है! यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 66H2/33O2 मिश्रण रोगी की रिकवरी के परिणामों के लिए सबसे अच्छा है।

"मेरे रोगियों और मैंने जो अनुभव किया है, उसे मैं चमत्कारी परिणाम कहूंगा, अगर मैं "हुड के नीचे" क्या हो रहा है, इसके पीछे के विज्ञान को नहीं समझता। थकान, मस्तिष्क कोहरा, दृश्य समस्याएं, अवसाद, चिंता, कम हार्मोन, एथलेटिक धीरज, न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग, कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, बायोटॉक्सिन बीमारी, सभी आंत संबंधी समस्याएं - अनिवार्य रूप से हर स्थिति जिसका हमने हाइड्रोजन इनहेलेशन और पानी को कार्यक्रम में लागू करने के बाद इलाज किया है, नाटकीय रूप से बेहतर हुई है या पूरी तरह से ठीक हो गई है," मेसन ने लिखा।

मैं मेसन से सहमत हूँ कि 66% हाइड्रोजन और 33% ऑक्सीजन (ब्राउन गैस) का लगभग जादुई मिश्रण सीधे हाइड्रोजन साँस लेने वाली मशीनों से कहीं बेहतर लगता है। मैंने तीन बार कोशिश की है और बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है

तीन साल तक तीन प्रमुख कंपनियों की अलग-अलग हाइड्रोजन इनहेलेशन मशीनें इस्तेमाल कीं। मैंने सबसे पहले एक्वाक्योर (ब्राउन गैस) से शुरुआत की, और फिर क्योंकि मेरे बेटे को मुझसे ज़्यादा इसकी ज़रूरत थी, इसलिए मैंने एक महंगी हाई आउटपुट मॉलिक्यूलर हाइड्रोजन मशीन पर स्विच कर दिया।

मैसन से संपर्क करने का कारण यह था कि मुझे हाल ही में हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी मशीन मिली थी, लेकिन मैंने अभी तक इसे प्लग इन नहीं किया था, और मैं सोच रहा था कि क्या उम्मीद करनी है। अब परम नींद चिकित्सा के दस दिन बाद, पूरी रात हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की सांस लेते हुए, मैं मशीन से प्यार करता हूँ। मुझे पहले से ही ऐसा लग रहा है कि यह मेरी उम्र में एक दशक जोड़ देगा।

मुझे एहसास हुआ कि मेरी 6,000 डॉलर की वाइटल रिएक्शन हाइड्रोजन मशीन, एक अच्छी ब्राउन गैस मशीन से मिलने वाली मशीन से घटिया है।

एक ही गैस का उत्पादन करने वाले मॉडल के बीच चयन करना एक कार खरीदने जैसा है। यदि आप एक छोटी कार चला रहे हैं, जो आपको हर जगह ले जाती है, और अचानक आप एक मर्सिडीज में प्रवेश करते हैं, तो आप न केवल अपने गंतव्य तक जल्दी पहुंच सकते हैं, बल्कि आप अधिक आसानी और आराम के साथ यात्रा का आनंद ले सकते हैं।

मुझे कहना होगा कि अगर कोई व्यक्ति अपने बिस्तर के पास ऐसी परम उपचार मशीन चाहता है जो इतनी धीमी हो कि आप सोते समय भी हाइड्रोजन थेरेपी का आनंद ले सकें, तो उसे अधिक महंगी मशीन खरीदनी चाहिए। इन दिनों अमीर लोग जिन हास्यास्पद चीजों पर पैसा खर्च करते हैं, उन्हें देखते हुए यह अतिरिक्त निवेश के लायक है।

हालाँकि, मैं सप्ताह के किसी भी दिन 6,000 डॉलर की शुद्ध हाइड्रोजन मशीन की तुलना में 2,500 ब्राउन गैस मशीन (अभी 20% छूट) लेना पसंद करूँगा। चिकित्सा और स्वास्थ्य के संदर्भ में, हाइड्रोजन दवा साँस लेने की मशीन जीवन भर का सौदा है। हमारे जीवन को बढ़ाने का एक मौका, अगर कोई पीड़ित है तो दर्द में कमी का वादा। और अगर कोई गंभीर रूप से बीमार है तो ठीक होने का एक शानदार अवसर। कोई चालबाज़ी नहीं, कोई खेल नहीं। कोई अप्रमाणित तकनीक नहीं। जैविक रूप से सुरक्षित।

आखिरकार मुझे वह चमत्कार मिल गया जिसका मुझे लंबे समय से इंतजार था। कई सालों से मैं यह सपना देख रहा था कि मुझे दर्द के साथ नहीं जागना पड़ेगा।

जब ब्राउन गैस (बीजी) का उपयोग किया जाता है, तो ऑक्सीजन घटक अपेक्षाकृत कम मात्रा में होगा। एक्वाक्योर हाइड्रोजन इनहेलेशन डिवाइस निर्माता जॉर्ज वाइजमैन, सामान्य वजन वाले वयस्क के लिए बीजी की साँस लेने के लिए 18-20 एल/एच के गैस प्रवाह की सिफारिश करते हैं। यहाँ बीजी-वायु मिश्रण में साँस में ली गई ऑक्सीजन की शुद्ध वृद्धि 21 से 23 वॉल्यूम% तक बढ़ जाती है, क्योंकि यह माना जाता है कि बीजी में 33 वॉल्यूम% ऑक्सीजन होती है (जबकि परिवेशी वायु में, वॉल्यूमेट्रिक सांद्रता 21% होती है)।

हाइड्रोजन टेक्नोलॉजीज इनहेलर (ऊपर देखा गया) हाइड्रोजन इनहेलेशन मशीनों की मर्सिडीज या बीएमडब्ल्यू है। स्थायित्व, शांतता और 24/7 चलने की क्षमता के मामले में कोई अन्य उपकरण इसके करीब नहीं आता है, इसलिए यह नैदानिक वातावरण के लिए आदर्श है।

आणविक हाइड्रोजन/ऑक्सीजन जनरेटर उच्चतम गुणवत्ता वाली सामग्रियों का उपयोग करके बनाया गया है। इसका पेटेंट जनरेटर डिज़ाइन स्टेनलेस स्टील से बना है, जिसका उपयोग इसके उपकरणों में बड़े पैमाने पर किया जाता है। उनके इंजीनियरों का मानना है कि प्लास्टिक और पॉलीकार्बोनेट लंबे समय तक उपयोग किए जाने पर गैस की गुणवत्ता को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

810 हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी मशीन की कीमत 7,500 डॉलर है। मेरा नाम बताएं, और आपको अच्छी खासी छूट मिल सकती है। मैं अब इसका इस्तेमाल कर रहा हूँमैंने इसे रात में दो महीने तक इस्तेमाल करने पर बेहतरीन नींद की थेरेपी दी, और मैं आपको बता सकता हूँ कि मैं एक नया आदमी हूँ। मेरा 99% दर्द गायब हो गया है! हालाँकि, एक्वाक्योर में वही गैस और इस मशीन की ज़्यादातर सुविधाएँ लगभग एक तिहाई कीमत पर उपलब्ध हैं और यह वही गैस बनाती है।

हाइड्रोजन टेक जनरेटर उच्चतम गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग करके बनाया गया है।इसका पेटेंटेड जनरेटर डिज़ाइन स्टेनलेस स्टील से बना है, जिसका इस्तेमाल इसके उपकरणों में बड़े पैमाने पर किया जाता है। उनके इंजीनियरों का मानना है कि प्लास्टिक और पॉलीकार्बोनेट लंबे समय तक इस्तेमाल किए जाने पर गैस की गुणवत्ता को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

https://hydroproducts.info/

हाइड्रोजन टेक्नोलॉजीज मशीन 600 एमएल तक हाइड्रोजन का उत्पादन करती हैऔर प्रति मिनट 300 एमएल ऑक्सीजन।

हाइड्रोजन टेक्नोलॉजीज मशीन में बड़ी, 15 प्लेट इलेक्ट्रोलिसिस सेल और टैंक क्षमता, कम विद्युत मांग और कम परिचालन तापमान पर कुशल गैस उत्पादन की अनुमति देती है।

एक्वाक्योर® (मॉडल AC50) एक उन्नत, उपयोगकर्ता-अनुकूल हाइड्रोक्सी हैस्वास्थ्य उपकरण के लिए। इसे इलेक्ट्रोलाइज़र आरएंडडी के 30 से अधिक वर्षों के अनुभव और हजारों ग्राहकों से प्राप्त फीडबैक का उपयोग करके विकसित किया गया था। उदार छूट के लिए मेरी साइट देखें।http://hydroproducts.info



मेरी साइट के माध्यम से 20% छूट के साथ $2500, $2000 के लिए खुदरा।

एक्वाक्योर एक कम लागत वाला, व्यावहारिक, भरोसेमंद और बहुमुखी हाइड्रोजन इनहेलर है जो दशकों तक परेशानी मुक्त सेवा दे सकता है और इसे सुरक्षा प्रमाणन, दबाव राहत, दबाव नियंत्रण, परिवर्तनीय आउटपुट, तरल स्तर नियंत्रण आदि के साथ दुनिया की सबसे सुरक्षित हाइड्रोक्सी मशीन के रूप में डिजाइन किया गया है। यह प्रति मिनट 833 एमएल (558 एमएल और 275 एमएल ऑक्सीजन) हाइड्रोक्सी गैस का उत्पादन करने के लिए लगभग 200 वाट बिजली की खपत करता है, अगर आप हाइड्रोक्सी इनहेलेशन मशीन खरीदना चाहते हैं तो यह सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है।

इसमें स्टेनलेस स्टील के जलाशय टैंक के अंदर 10 इलेक्ट्रोलिसिस सेल हैं जो आकार को कुशलतापूर्वक कम करने में मदद करते हैं। इसमें कमर्शियल ग्रेड का सफ़ेद पाउडर कोटेड आयरन हाउसिंग है (हाइड्रोजन टेक्नोलॉजीज की तरह स्टेनलेस स्टील नहीं)

क्योंकि इसे कम लागत पर पूर्ण सुरक्षा और कार्यक्षमता के लिए डिज़ाइन किया गया है।

हालांकि इसे आउटपुट गैसों को ठंडा रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है, लेकिन कूलिंग फैन हाइड्रोजन टेक्नोलॉजीज की तुलना में थोड़ा ज़्यादा शोर करता है। इसकी आजीवन वारंटी और एक साल की संतुष्टि की गारंटी है। इसे न्यूनतम रखरखाव के साथ लगातार इस्तेमाल किया जा सकता है (बस शुद्ध पानी डालें और इसे हर 100 घंटे में धो लें)।

The हाइड्रोजन टेक्नोलॉजीज ‘‘हाइड्रोक्यूब’’ श्रृंखला(प्यार से जाना जाता है"क्यूबी" श्रृंखला के रूप में) अब उपलब्ध है और यह प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन (पीईएम) इलेक्ट्रोलिसिस प्रौद्योगिकी के आसपास केंद्रित है, जिस पर हमने अपनी शैली और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता मानकों को रखा है।

यह मशीन आसुत या विखनिजीकृत जल अणुओं को विभाजित करके 66.6% हाइड्रोजन और 33.3% ऑक्सीजन गैस की मिश्रित परमाणु गणना उत्पन्न करती है। खुदरा मूल्य 4,995 डॉलर है। अच्छी छूट पाने के लिए मेरा नाम बताएं।



हाइड्रोजन इनहेलेशन हाइड्रोजन वॉटर के साथ पूरी तरह से मेल खाता है, जिसे हाइड्रोजन-रिच वॉटर के नाम से भी जाना जाता है। कुछ सालों से हाइड्रोजन वॉटर मशीनें पीने के पानी में कम मात्रा में हाइड्रोजन डालती हैं। मेरा वॉटर आयनाइज़र के साथ कोठरी में रहता है, जो उच्च पीएच लेकिन कम क्षारीयता और कम हाइड्रोजन देता है। आणविक हाइड्रोजन वॉटर मशीनें हाइड्रोजन इनहेलर या यहां तक कि उच्च पीपीएम हाइड्रोजन वॉटर टैबलेट का सामना नहीं कर सकती हैं। ऊपर बताए गए हाइड्रोजन-ऑक्सीजन इनहेलर का सबसे बड़ा फायदा यह है कि वे दोनों आपके हाइड्रोजन ऑक्सीजन युक्त पानी भी बनाते हैं। मैं केवल हाइड्रोजन गैस का उपयोग करता हूं और परिणामों से बहुत खुश हूं।

यदि आपको हाइड्रोजन थेरेपी लागू करने में सहायता की आवश्यकता है, तो आप मुझसे परामर्श कर सकते हैं। मैं आपको यह तय करने में मदद कर सकता हूँ कि आपके लिए कौन सा हाइड्रोजन इनहेलर सबसे अच्छा है, वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए हाइड्रोजन गैस को सांस में लेने में लगने वाले समय का सुझाव दे सकता हूँ, और कौन सी अन्य थेरेपी हाइड्रोजन थेरेपी का समर्थन और पूर्ति करेगी। यदि आप मेरा पूर्ण समर्थन चाहते हैं, तो drsircus.com पर मेरा परामर्श पृष्ठ देखें।

हाइड्रोजन इनहेलेशन उपचार से क्या अपेक्षा करें?

- विषहरण.
- युवावस्था पुनः बहाल करता है।
- अल्सर और घावों का उपचार।
- मजबूत और घने बाल.
- रक्तचाप में कमी.
- मुक्त कणों से होने वाली क्षति को धीमा करता है।
- कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है.
- हमारे शरीर से भारी धातुओं को बाहर निकालने में सहायता करें।
- पूरक पदार्थों के अवशोषण में सहायता करता है।
- एलर्जी और अस्थमा की स्थिति में सुधार हुआ।
- बेहतर रक्त परिसंचरण.
- संतृप्त वसा का स्तर कम करें।
- शरीर में थकान कम होती है।
- बीमारियों से तेजी से उबरना।
- परिधीय परिसंचरण में सुधार.
- सेल्युलाईट और झुर्रियों को कम करता है।
- बुजुर्गों में याददाश्त में सुधार करता है।
- मस्तिष्क की शक्ति को बढ़ाता है.
- अम्लीय स्थिति को कम करता है।
- कब्ज और दस्त की स्थिति में सुधार हुआ।
- रक्त ग्लूकोज में सुधार.

किसी की हालत जितनी गंभीर होती है, उतना ही वह हाइड्रोजन गैस को हाइड्रोजन पानी के साथ मिलाकर पीना चाहता है। लेकिन जब कोई व्यक्ति किसी बीमारी से जूझ रहा होता है, तो मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट पानी, हाइड्रोजन पानी की तुलना में चिकित्सीय रूप से ज़्यादा कारगर होता है।

हाइड्रोजन का उपयोग करने वाले सामान्य साक्ष्यों में शामिल हैं:

हाथ-पैरों में सुन्नपन कम होना, एडिमा में कमी और उन्मूलन, साइनस
की समस्या में सुधार,
अधिक ऊर्जा,
रक्त शर्करा में सुधार, इंसुलिन की आवश्यकता में कमी,
पहले उपचार के बाद अंतर महसूस होना, पैरों में ताज़गी और हल्कापन महसूस
होना, त्वचा की स्थिति में सुधार होना,
सहनशक्ति में सुधार,
शरीर में परिवर्तन और ऊर्जा के स्तर में अस्थिरता की भावनाघुटनों और टखनों का,
युवा इंद्रियों को उत्तेजित करना, अधिक सतर्क होना, रक्त
संचार में प्रगति,
दर्द में कमी, सिरदर्द दूर, दर्दनिवारक दवा लेने की आवश्यकता में कमी,
त्वचा की बनावट में नाटकीय रूप से सुधार, स्वस्थ बाल, चेहरे पर धब्बे कम,
कब्ज में कमी, अवसाद की भावना कम
होना,
गर्दन में अकड़न नहीं रहती और पूरी गति बहाल हो जाती है, नाखून मजबूत हो जाते हैं,
बालों का टूटना और दोमुंहे बाल कम हो जाते हैं।

साँस लेने के लिए, 2-4% हाइड्रोजन गैस मिश्रण सामान्य है क्योंकि यह ज्वलनशीलता स्तर से नीचे है; हालाँकि, कुछ अध्ययनों में 66.7% H2 और 33.3% O2 का उपयोग किया जाता है, जो गैर-विषाक्त है लेकिन अगर सांद्रित किया जाए तो ज्वलनशील है। यह कोई समस्या नहीं है क्योंकि मशीनों से निकलने वाली गैस कमरे की हवा से तुरंत पतली हो जाती है। हाइड्रोजन इनहेलर का उपयोग करते समय अगर कोई अपनी नाक के पास माचिस जलाता है (अनुशंसित नहीं), तो भी उसे लौ दिखाई देना दुर्लभ होगा।

H2 को निगलने या उपभोग करने के अन्य तरीके भी हैं। हाइड्रोजन को पानी में घोलने वाली गोलियों का उपयोग करके हाइड्रोजन पानी पीना, H2- घुले हुए खारे पानी (H2-सलाइन) को इंजेक्ट करना, H2 स्नान, और H2-सलाइन को पानी में डालना।

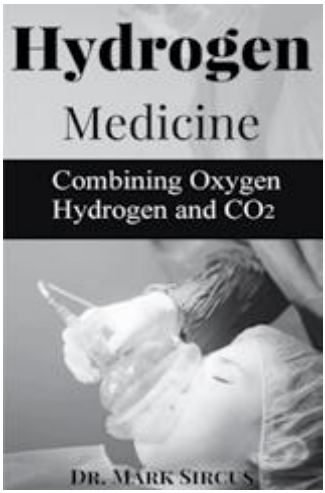
आँखों के लिए हाइड्रोजन और CO2 का ट्रांसडर्मल उपयोग लाभदायक हो सकता है, जैसा कि हाइड्रोजन IVs का है। इस समय, इसका उपयोग केवल जापान और चीन में किया जा रहा है।

सुरक्षा

अगर आप ध्यान से देखें, तो आपको कोई ऐसा व्यक्ति मिलेगा जो कहता है, 'हम हाइड्रोजन साँस लेते हैं: हवा में हाइड्रोजन (H2) की केवल थोड़ी मात्रा मौजूद है, इसलिए हमें और साँस नहीं लेनी चाहिए।' या ऐसी पागलपन भरी बातें जैसे 'शुद्ध हाइड्रोजन साँस लेने से आपकी मृत्यु हो जाएगी', मानो आप इनमें से किसी भी साँस लेने वाली मशीन से शुद्ध हाइड्रोजन साँस ले सकते हैं, जो आप नहीं कर सकते। शुद्ध ऑक्सीजन आपको मार देगी; यही कारण है कि ऑक्सीजन सिलेंडर में हमेशा CO2 होती है।

सभी उपकरणों की तरह, सावधानी बरतें। उपयोग से पहले निर्देश पुस्तिकाओं को ध्यान से पढ़ें। हाइड्रोजन-ऑक्सीजन मशीनों का उपयोग करते समय, अतिरिक्त सावधानी आवश्यक है, इसलिए निर्देशों का पालन करें। हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के सही मिश्रण (स्टोइकियोमेट्री) में विस्फोट हो सकता है, लेकिन इन इनहेलेशन मशीनों के साथ यह कोई समस्या नहीं है। साँस लेने पर गैसों का मिश्रण पतला हो जाता है।

हाइड्रोजन का इतिहास.



13.8 अरब साल पहले, ब्रह्मांड का जन्म हुआ, जिसने भौतिक स्थान को हाइड्रोजन से भर दिया। हाइड्रोजन ब्रह्मांड में सबसे प्रचुर तत्व है। ब्रह्मांड में सभी हाइड्रोजन की उत्पत्ति बिग बैंग के बाद पहले कुछ क्षणों में हुई थी। यह ऑक्सीजन और सिलिकॉन के बाद पृथ्वी की सतह पर तीसरा सबसे प्रचुर तत्व है। हाइड्रोजन सभी तारों में है, और बृहस्पति ग्रह मुख्य रूप से हाइड्रोजन से बना है। हाइड्रोजन और ऑक्सीजन मिलकर पानी बन जाते हैं। इस प्रकार, हाइड्रोजन हमारे शरीर में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला परमाणु है।

1970 में, दक्षिण अफ्रीका में जन्मे इलेक्ट्रोकेमिस्ट जॉन बोक्रिस ने पहली बार एक भाषण में ''हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था'' शब्द का इस्तेमाल किया था। बाद में उन्होंने एक किताब प्रकाशित की जिसमें बताया गया कि सौर-हाइड्रोजन-संचालित दुनिया कैसी दिख सकती है। लेकिन फिर भी, कुछ नहीं बदला।

2001 में शिस्टोसोमासिस से संबंधित क्रोनिक यकृत सूजन के माउस मॉडल पर हाइपरबेरिक हाइड्रोजन के विरोधी भड़काऊ प्रभाव की भी रिपोर्ट की गई थी।[54]

2002 में, अमेरिकी आर्थिक और सामाजिक सिद्धांतकार जेरेमी रिफकिन ने तर्क दिया कि हाइड्रोजन, तेल का स्थान ले सकता है और ऊर्जा का भविष्य हाइड्रोजन-चालित ईंधन कोशिकाओं में निहित है।

एक औषधि के रूप में हाइड्रोजन की कहानी आधिकारिक रूप से 2007 में शुरू हुई, जब ओहसावा और उनके सहयोगियों ने पाया कि H2 में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो चुनिंदा रूप से हाइड्रॉक्सिल रेडिकल्स को निष्क्रिय करके मस्तिष्क को आई/आर चोट और स्ट्रोक से बचाते हैं।[55]

इसके बाद के वर्षों में सैकड़ों अध्ययन प्रकाशित हुए हैं, जिनमें हाइड्रोजन को 150 से अधिक रोग मॉडलों के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी दवा के रूप में दिखाया गया है।

आज, कई देश आधिकारिक तौर पर कारों, रेलगाड़ियों, बसों और ट्रकों के लिए हाइड्रोजन का उपयोग कर रहे हैं।

निष्कर्ष।

ज्ञात ब्रह्मांड में सबसे सरल और सबसे छोटे तत्व के रूप में, हाइड्रोजन "एक उज्जवल, अधिक बौद्धिक और स्वस्थ जीवन जीने का तरीका" की ओर ले जाएगा, ज़ुएज़ुन सन, शिगेओ ओहटा और अत्सुनोरी नाकाओ ने अपनी आधारभूत पुस्तक हाइड्रोजन मॉलिक्यूलर बायोलॉजी एंड मेडिसिन में लिखा है। वे ऐसा इसलिए कहते हैं क्योंकि हाइड्रोजन एक दवा है, जो अस्तित्व में सबसे सुरक्षित है। हमारा अस्तित्व हाइड्रोजन पर निर्भर करता है।

सूजन, मुक्त कण क्षति, ऑक्सीडेटिव तनाव और हाइड्रोजन।



डॉ. डेनहम हरमन द्वारा अपने फ्री-रेडिकल सिद्धांत को प्रकाशित करने के बाद से, 300,000 से अधिक शोध अध्ययनों ने पुष्टि की है कि फ्री रेडिकल्स बीमारियों और बुढ़ापे का प्रमुख कारण हैं। ऑक्सीडेटिव तनाव आधुनिक लोगों पर एक विपत्ति है। चाहे वह हवा में मौजूद जहरीला प्रदूषण हो जिसे आप 24/7 सांस के साथ पीते हैं, चिकित्सकीय रूप से प्रेरित विकिरण,[56]फार्मास्यूटिकल दवाएं, कीमोथेरेपी, यहां तक कि वाई-फाई और अन्य ईएमएफ प्रदूषण पैदा करने वाले उपकरणों के उपयोग से आप खुद को ऑक्सीडेटिव तनाव के संपर्क में लाते हैं,[57]

क्रोनिक थकान सिंड्रोम, फाइब्रोमायल्जिया, मधुमेह, अल्जाइमर रोग, चिंता, अनिद्रा, कैंसर और लगभग हर बीमारी सहित कई स्वास्थ्य स्थितियों की जड़ें ऑक्सीडेटिव तनाव में हैं। यह सीधे या परोक्ष रूप से कैंसर रोधी दवाओं की विषाक्तता के कारण होता है।

गैर-कैंसरयुक्त ऊतक। कीमोथेरेपी के दौरान, ऑक्सीडेटिव तनाव-प्रेरित लिपिड पेरोक्सीडेशन सेलुलर लक्ष्यों पर हमला करने वाले कई इलेक्ट्रोफिलिक एल्डिहाइड उत्पन्न करता है।[58]सभी निर्धारित दवाओं से प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव कई भयानक बीमारियों के स्रोत के रूप में कार्य करता है। इस प्रक्रिया के दौरान बनने वाले प्रतिक्रियाशील मेटाबोलाइट्स ऑक्सीडेटिव तनाव का कारण बनते हैं और दवा-चयापचय को ख़राब करते हैंएंजाइम्स के कार्य को प्रभावित करता है, जिससे विषाक्तता उत्पन्न होती है।[59]

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्रदूषण कोएक अधिक महत्वपूर्ण वैश्विक इबोला से भी ज्यादा खतराएचआईवी। इसकी हालिया रिपोर्ट के अनुसार, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में से चार में से एक की मौत वायु प्रदूषण और दूषित पानी जैसे पर्यावरणीय खतरों से होती है। हवा और पानी में मौजूद जहर ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा करते हैं, जिससे बीमारी, कैंसर और मौत होती है। महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययनों ने हृदय संबंधी रुग्णता, फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी, अस्पताल में भर्ती होने की संख्या में वृद्धि, मृत्यु दर और फोटोकैमिकल और कण प्रदूषकों की वायु में सांद्रता के बीच स्पष्ट संबंध दिखाया है।

हैवी मेटल्स

भारी धातुएं रिसेप्टर साइटों को अवरुद्ध कर देती हैं, इंसुलिन जैसे एंजाइमों में सल्फर बंधों को तोड़ती और मोड़ती हैं, डीएनए को नुकसान पहुंचाती हैं, और सामान्य रूप से स्वस्थ जैविक जीवन से जुड़ी हर चीज को नुकसान पहुंचाती हैं।

डॉ. हेरोल्ड बटरम कहते हैं, "मानव रासायनिक जोखिम के बारे में वर्तमान में बहुत सी लापरवाही पशु अध्ययनों पर आधारित विषाक्तता परीक्षण की विधि के कारण है, जिसमें मानव जोखिम के लिए अनुमानित 'सुरक्षित' स्तर का पता लगाने के लिए एक ही रसायन का मूल्यांकन किया जाता है। डेलाने संशोधन 1958 के ऐसे परीक्षण की आवश्यकता है, जो कैंसरकारी गुणों के लिए संभावित रूप से जहरीले रसायनों के परीक्षण की मांग करता है। इस प्रणाली में कई खामियां और अपर्याप्तताएं हैं। यह कई रसायनों के एक साथ संपर्क और उनके योगात्मक प्रभावों के प्रभावों पर विचार नहीं करता है।"

अधिकांश कैंसर रोगियों में मनोवैज्ञानिक और शारीरिक तनाव होता है जो शरीर के भीतर कैंसर के निर्माण में योगदान देता है। मनोवैज्ञानिक तनावों में अपरिहार्य सदमा, दबा हुआ भावनात्मक दर्द और गुस्सा, अवसाद, अलगाव, खराब नींद, भावनात्मक आघात और परिस्थितिजन्य तनाव शामिल हैं।

जीवन तनाव। शारीरिक तनाव में खराब पोषण, रसायन, विषाक्त पदार्थ, ईएमएफ विकिरण, परजीवी, यकृत, बृहदान्त्र, गुर्दे की बीमारी और व्यायाम की कमी शामिल हैं।

कैंसर भारी धातु विषाक्तता, मुक्त-कट्टरपंथी क्षति का एक प्रमुख उदाहरण है,रोगजनक संक्रमण, खनिज और विटामिन की कमी, सूजन, माइटोकॉन्ड्रिया की शिथिलता, प्रतिरक्षा प्रणाली अवसाद, आनुवंशिक उत्परिवर्तन, कोशिका भित्ति क्षति और ऑक्सीडेटिव तनाव।

कैंसर के उपचार के लिए कई तरीके अपनाए जा सकते हैं। सबसे अच्छा तरीका है कि इन सभी समस्याओं का एक साथ समाधान किया जाए, जो हाइड्रोजन-लेड प्रोटोकॉल से संभव होगा। कैंसर से होने वाली मौतों में योगदान देने वाले सामान्य पर्यावरणीय कारकों में तंबाकू (25-30%), आहार और मोटापा (30-35%), संक्रमण (15-20%), विकिरण (आयनीकरण और गैर-आयनीकरण दोनों, 10% तक), और तनाव, शारीरिक गतिविधि की कमी, और पर्यावरण प्रदूषण और 5-10% आनुवंशिकी के कारण शामिल हैं।

अध्ययनों से पता चला है कि सामान्य आबादी में मस्तिष्क ट्यूमर की संख्या में वृद्धि हुई हैपिछले दस या उससे ज़्यादा सालों में। पिछले दो दशकों के दौरान, व्यापक शोध से पता चला हैऑक्सीडेटिव स्ट्रे कैसेरेस से दीर्घकालिक सूजन होती है, जो कैंसर सहित अधिकांश दीर्घकालिक बीमारियों का कारण बनती है।

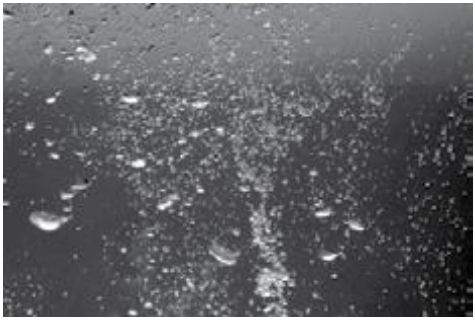
आयनकारी विकिरण के संपर्क में आने से ऑक्सीकरण की घटनाएं होती हैं जो मैक्रोमोलेक्यूल्स या जल रेडियोलिसिस उत्पादों को लक्षित करने वाले प्रत्यक्ष विकिरण इंटरैक्शन के माध्यम से मैक्रोमोलेक्यूल्स की आणविक संरचनाओं को बदल देती हैं। इसके अलावा, ऑक्सीडेटिव क्षति रेडॉक्स-मॉड्यूलेटेड इंटरसेलुलर संचार तंत्र के माध्यम से लक्षित से पड़ोसी, गैर-लक्षित बाईस्टैंडर कोशिकाओं तक फैल सकती है। जिन लोगों ने कम उम्र में सेल फोन का उपयोग करना शुरू कर दिया था, उनमें उन लोगों की तुलना में ब्रेन ट्यूमर विकसित होने की अधिक संभावना है जिन्होंने देर से (अपने वयस्क वर्षों के दौरान) शुरू किया।

प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियां (आरओएस) सामान्य चयापचय का उप-उत्पाद हैंयहां तक कि जब हमारी कोशिकाएं ऊर्जा बनाने के लिए ग्लूकोज का उपयोग करती हैं, तो हम मुक्त कणों का एक झरना बनाते हैं जो ऑक्सीडेटिव तनाव का कारण बनता है। हम जितनी अधिक चीनी का सेवन करते हैं, हमारा ऑक्सीडेटिव तनाव उतना ही अधिक होता है। जब हमारा प्रतिरक्षा तंत्र बैक्टीरिया और सूजन से लड़ रहा होता है, तो हम पीड़ित होते हैं

ऑक्सीडेटिव तनाव में वृद्धि से। जब हमारा शरीर कीटनाशकों, शाकनाशियों, कवकनाशियों से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है, तो हम ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा करते हैं।

जब हम शारीरिक और/या भावनात्मक रूप से तनावग्रस्त होते हैं तो ऑक्सीकरण बढ़ जाता है। हालाँकि, जब तक हमारे पास पर्याप्त एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, तब तक बिना किसी नुकसान के संतुलन बना रहता है। ऑक्सीडेटिव तनाव तब होता है जब मुक्त कण एंटीऑक्सीडेंट से अधिक हो जाते हैं। ऑक्सीडेटिव तनाव मुक्त कणों के उत्पादन और एंटीऑक्सीडेंट द्वारा निष्प्रभावन के माध्यम से उनके हानिकारक प्रभावों का प्रतिकार करने या विषहरण करने की शरीर की क्षमता के बीच असंतुलन है।

हाइड्रोजन परम एंटी-एजिंग दवा है।



हाइड्रोजन बुढ़ापे को रोकने वाले लोगों के लिए एक सपना सच होने जैसा है। हमारे पास अपने जीवन को बढ़ाने के लिए ज्ञान और तकनीक है, समय की कठिन सीमा के खिलाफ लड़ने के लिए पर्याप्त औषधीय शक्ति है।

जीवन-विस्तार उपचार और प्रौद्योगिकी के विकास में लगाया गया ढेर सारा पैसा स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी बातों की जगह नहीं लेगा। दीर्घायु में योगदान देने वाला कोई एक कारक नहीं है; हालाँकि, यह हमें यह जानने से नहीं रोकता कि कैसे लंबे समय तक और स्वस्थ तरीके से जीना है। कुछ चिकित्सा वैज्ञानिकों का मानना है कि हम अपनी ऊँचाई, जीवनकाल और शारीरिक प्रदर्शन की अधिकतम सीमा तक पहुँच चुके हैं।

हाइड्रोजन मेडिसिन समय के खिलाफ़ लड़ती है। यह एक ऐसी हवा है जो आईसीयू के मरीजों को मौत के दरवाज़े से दूर ले जाती है और काफी हद तक स्वस्थ लोगों को वापस जवानी की ओर ले जाती है। डॉ. निक डेलगाडो कहते हैं, "बढ़ते सबूत बताते हैं कि

हाइड्रोजन थेरेपी शायद वह युवापन का स्रोत हो सकती है जिसकी हम प्राचीन काल से तलाश कर रहे हैं। सैकड़ों अध्ययनों से यह पुष्टि होती है कि यह न केवल सुरक्षित है, बल्कि यह कई बीमारियों के उपचार, ऊर्जा और खेल प्रदर्शन को बढ़ाने और इष्टतम स्वास्थ्य और दीर्घायु को बढ़ावा देने के लिए भी अत्यधिक प्रभावी है।"

डॉ. मर्कोला ने हाल ही में कहा, "अगर कभी कोई ऐसी गोली आएगी जो लंबे समय तक गर्भावस्था सुनिश्चित करेगी,युवावस्था में, हर कोई इसे चाहेगा। सच तो यह है कि आपकी जीवनशैली और हर दिन आपके द्वारा किए जाने वाले चुनाव आपकी उम्र में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं, और मुझे संदेह है कि कभी भी ऐसी कोई दवा विकसित की जाएगी, जो आपको जंक फ़ूड खाने वाले व्यक्ति की तरह रहने दे और फिर भी आपकी उम्र उल्टी हो। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने माइटोकॉन्ड्रिया को स्वस्थ रखें, और इसके लिए आहार और व्यायाम जैसी जीवनशैली रणनीतियाँ महत्वपूर्ण हैं।"

ऑक्सीजन एक दवा है, और हाइड्रोजन भी एक दवा होगी, खासकर आईसीयू, आपातकालीन और सर्जरी कक्षों में। हाइड्रोजन थेरेपी सांप का तेल नहीं है। हाइड्रोजन ब्रह्मांड, कारों, ट्रकों, रॉकेटों को चलाता है, और, यदि पर्याप्त मात्रा में लिया जाए, तो यह अपने सुरक्षात्मक प्रभावों के कारण व्यक्ति के जीवन को बढ़ाएगा और क्योंकि यह माइटोकॉन्ड्रिया को स्वस्थ और सक्रिय रखता है, ठीक वही जो मर्कोला सुझाते हैं।

वैज्ञानिकों के पास मानव परीक्षणों के लिए आशाजनक एंटी-एजिंग यौगिकों की एक पूरी पाइपलाइन है, फिर भी गैर-पेटेंट योग्य हाइड्रोजन उनकी सूची में नहीं है। जो बेट्स-लैक्रोइक्स के अनुसार, एंटीएजिंग व्यवसाय "ऐसी चीज़ों का 8 बिलियन डॉलर का उद्योग है जो काम नहीं करता है।" उनका मानना है कि दीर्घायु की कुंजी अपक्षयी बीमारी की रोकथाम है।

हाइड्रोजन रोकथाम और उपचार के लिए काम करता है, यहाँ तक कि ICU और आपातकालीन स्थितियों में भी उच्च चिकित्सा शक्ति प्रदान करता है। हाइड्रोजन, अस्तित्व में सबसे छोटा, सरलतम परमाणु और अणु (H- और H2), हमारे अस्तित्व को लम्बा करने के लिए सबसे सुरक्षित एंटी-एजिंग दवा है।

आणविक हाइड्रोजन एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करता है, जो हानिकारक मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से कोशिकाओं और जीनों की रक्षा करने में मदद करता है। इसके विरोधी भड़काऊ प्रभावों के साथ, यह गुण दीर्घायु को बढ़ाने में मदद करता है क्योंकि उम्र बढ़ने का कारण ऊतक अध:पतन, ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन है।

यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि जुलाई 2016 में, एक जापानी अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि हाइड्रोजन ने संवहनी लाभों का संकेत देते हुए "पर्याप्त सबूत" दिखाए। इन चिकित्सा वैज्ञानिकों ने H2 के क्षणिक संपर्क के बाद भी, Nrf2 मार्ग के माध्यम से संवहनी एंडोथेलियल कोशिकाओं पर विशिष्ट दीर्घकालिक एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-एजिंग प्रभाव दिखाए। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि हाइड्रोजन युक्त पानी एक कार्यात्मक पेय है जो दीर्घायु को बढ़ाता है।[60]

एक अध्ययन, ''इंट्रासेलुलर बायोमार्कर पर हाइड्रोजनीकृत पानी का प्रभाव,'' दिखाता है कि हाइड्रोजनीकृत पानी बढ़ता हैएस टेलोमेरेज़ गतिविधिy, एक एंजाइमजो स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देता हैटेलोमेरएस - गुणसूत्रों के अंत में स्थित टोपी जो उम्र बढ़ने को प्रभावित करती है। यह निष्कर्ष निकाला गया कि आणविक हाइड्रोजन टेलोमेरेस को क्षरण से बचाने में मदद करता है, "उम्र विनियमन सुधार में योगदान देता है।" इन वैज्ञानिकों ने इंसुलिन सिग्नलिंग पर हाइड्रोजन के प्रभाव की भी जांच की।

उम्र बढ़ने के मामले में, हाइड्रोजन गैस या पानी का एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव हमारे टेलोमेरेस के क्षरण को कम करेगा। अधिकांश मानव कोशिकाओं में टेलोमेरेस डीएनए प्रतिकृति के प्रत्येक दौर के साथ छोटे होते हैं क्योंकि उनमें एंजाइम टेलोमेरेज़ की कमी होती है। हालाँकि, यह टेलोमेरिक डीएनए के नुकसान का एकमात्र निर्धारक नहीं है। ऑक्सीडेटिव क्षति की मरम्मत गुणसूत्र में कहीं और की तुलना में टेलोमेरिक डीएनए में कम अच्छी तरह से की जाती है। ऑक्सीडेटिव तनाव टेलोमेर के नुकसान को तेज करता है, जबकि एंटीऑक्सीडेंट इसे धीमा करते हैं।[61]

8,000 डॉलर में, एम्ब्रोसिया बुजुर्ग मरीजों को एक युवा डोनर का रक्त सीरम देगा। आप हर दिन बहुत कम पैसे में खुद का इलाज कर सकते हैं और बिना किसी अतिरिक्त लागत के पूरे परिवार को शामिल कर सकते हैं। हाइड्रोजन के साथ हर कोई लंबे समय तक जीवित रह सकता है।

सिलिकॉन वैली के अधिकारी अजीबोगरीब पुनरुद्धार के तरीकों का अनुसरण करते हैं। उन्हें लगता है कि उम्र बढ़ने के कोड को हैक किया जा सकता है, और मृत्यु को वैकल्पिक बनाया जा सकता है। बस तब तक प्रतीक्षा करें जब तक वे आणविक हाइड्रोजन के एंटी-एजिंग चमत्कार की खोज नहीं कर लेते, जो भारी तनाव में जीवित रहना अधिक प्रबंधनीय बनाता है। बस गहरे समुद्र में गोताखोरों से पूछें कि वे लगभग 2000 फीट की गहराई पर जीवित रहने के लिए क्या सांस ले रहे हैं। हाइड्रोजन!

अब तक, हमने मानव जीवन की बाहरी सीमा को बढ़ाने में बहुत कम प्रगति की है। हाँ, ज़्यादा लोग इसलिए लंबे समय तक जीते हैं क्योंकि हमने

पोषण में सुधार हुआ है, संक्रमण जैसी गंभीर स्थितियों का इलाज किया है, औरकुछ पुरानी बीमारियों का इलाज किया जा रहा है। लेकिन अधिकतम रिपोर्ट की गई आयु लगभग 115 वर्ष पर स्थिर हो गई है।

अब हाइड्रोजन इनहेलेशन थेरेपी के साथ, बढ़ी हुई ऑक्सीजन के साथवितरण और बढ़ी हुई $CO2$ अवधारण के बावजूद, हम अपनी आयु को सभी अपेक्षाओं से अधिक बढ़ा सकते हैं, जबकि हम उस दौरान शीर्ष स्वास्थ्य का आनंद ले सकते हैं।



दुनिया में उम्र बहुत तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य सेवा पर खर्च होने वाला अधिकांश पैसा जीवन के आखिरी दो से तीन सालों में असाधारण देखभाल पर खर्च किया जाता है - खास तौर पर कैंसर और हृदय तथा स्ट्रोक के रोगियों की गहन देखभाल पर। वर्तमान में एक सौ मिलियन से अधिक अमेरिकी एक या दूसरी अपक्षयी बीमारी के लिए इलाज करवा रहे हैं, जिस पर प्रति वर्ष 700 बिलियन डॉलर से अधिक की स्वास्थ्य देखभाल लागत आती है। चिकित्सा बीमा की लागत इतनी तेजी से बढ़ रही है कि इसका मतलब है कि अधिकांश लोग बुढ़ापे की लागत वहन नहीं कर पाएंगे।

हमें बस हर दिन 10 मिनट तक बड़ी शारीरिक गतिविधियां करने की जरूरत है, जिससे रक्त प्रवाह बढ़े, विषाक्त पदार्थ बाहर निकलें और पूरे शरीर को ऊर्जा देने वाली ऑक्सीजन और पोषक तत्व मिलें।.

मिरांडा एस्मोंडे व्हाइट

थकी हुई, जीर्ण-शीर्ण वृद्ध कोशिका के विपरीत एक चयापचय रूप से सक्रिय कोशिका होती है जो महत्वपूर्ण माइटोकॉन्ड्रिया से भरी होती है। मजबूत, चयापचय रूप से सक्रिय कोशिका की पहचानसक्रिय माइटोकॉन्ड्रिया के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं, जिनमें शामिल हैं:

बाइकार्बोनेट और कार्बन डाइऑक्साइड का उच्च स्तर (क्षारीय स्थितियां),

स्वस्थ ऑक्सीजन परिवहन,
मैग्नीशियम आयनों का उच्च स्तर, स्वस्थ नींद और श्वास
पैटर्न, औसत शरीर का तापमान
सामान्य रूप से पोषण संबंधी कारकों का स्वस्थ स्तर।

कैंसर सहित रोग की स्थिति माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन और ऑक्सीजन की कमी (हाइपोक्सिया) के कारण होती है, जैसा कि अल्बर्ट सेंट-ग्योर्गी, ओटो वारबर्ग, इमैनुएल रेविसी और लिनस पॉलिंग जैसे प्रख्यात वैज्ञानिकों ने दावा किया है। ओटो वारबर्ग द्वारा कैंसर के माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन के कारण होने के प्रस्ताव के लगभग 80 साल बाद, स्वीडन में कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट, बोस्टन कॉलेज और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के हालिया शोध ने अब उनके सिद्धांत को पूरी तरह से पुनर्जीवित कर दिया है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि उम्र बढ़ने का कारण मुक्त कणों से होने वाली क्षति और समय के साथ होने वाली पुरानी कम-स्तर की सूजन हो सकती है। उम्र बढ़ने के सभी अवांछित प्रभाव, जिसमें चयापचय धीमा होना, कठोरता, कमजोरी, दर्द और पीड़ा शामिल है, विषाक्त निर्माण और पोषण संबंधी कमियों के कारण होते हैं, जैसे कि ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड, हाइड्रोजन और मैग्नीशियम जैसे सबसे आवश्यक पोषक तत्वों की कमी। हमारी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को उलटने के लिए सबसे अच्छी पद्धति उन उपचारों को मिलाना है जो एक दूसरे को मजबूत और गुणा करते हैं।

लंबे समय तक जीना आपके बारे में है।

यदि आप सौ साल तक जीना चाहते हैं, तो आपको अपनी इच्छानुसार अधिक फिल्में देखनी चाहिए।आहार। इंटरनेशनल साइकोजेरिएट्रिक्स में प्रकाशित एक अध्ययन में सुदूर इतालवी गांवों में रहने वाले नब्बे वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के बारे में बताया गया कि इन वृद्ध लोगों के जीवन में अभी भी एक उद्देश्य था, वे अभी भी सक्रिय थे, और उनके व्यक्तित्व के गुणों में नियंत्रण और दबंग जिद्दीपन शामिल था।

सबसे बुजुर्ग वयस्कों में सकारात्मकता, मजबूत कार्य नैतिकता और परिवार, धर्म और ग्रामीण इलाकों के साथ घनिष्ठ संबंध सहित अन्य सामान्य गुण थे। अध्ययन में शामिल अधिकांश बुजुर्ग वयस्क अभी भी सक्रिय थे, नियमित रूप से अपने घरों या अपनी ज़मीन पर काम करते थे। अध्ययन लेखकों ने लिखा कि इससे उन्हें जीवन में एक उद्देश्य मिला, यहां तक कि बुढ़ापे में भी।

अपनी पुस्तक हार्ट हेल्थ में, मैंने लिखा है कि खुले और चमकते दिल वाले लोग हमेशा जवान रहते हैं। जब पूरी तरह से खुला होता है, तो आध्यात्मिक हृदय युवाओं के फव्वारे और एक ऐसी शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है जो हमें पर्यावरणीय अपमान, संक्रमण और बीमारी का विरोध करने में मदद करता है। दशकों तक एक व्यक्ति को बनाए रखने के लिए प्यार और निःस्वार्थ स्वभाव जैसा कुछ नहीं है।

बिना शर्त प्यार आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली का सबसे शक्तिशाली उत्तेजक है.

डॉ. बर्नी सीगल

डॉ. नॉर्मन शेली और डॉ. कैरोलीन मिस का मानना है कि दूसरों से प्रेम करनाप्यार पाना प्रतिरक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने, जीवन प्रत्याशा को बढ़ाने और समग्र खुशी पैदा करने में महत्वपूर्ण कारक हैं। प्यार का तनाव मुक्त जीवन से क्या लेना-देना है? डॉ. ब्रेंडा शेफ़र कहती हैं, "सब कुछ!"

युवा महसूस करना और युवा बने रहना मूर्खों का सपना नहीं है। जो लोग "दिल से युवा" महसूस करते हैं, उनके परिपक्व बुढ़ापे तक जीने की संभावना अधिक होती है। अपनी वास्तविक उम्र से तीन या उससे ज़्यादा साल कम उम्र का महसूस करने वाले बुज़ुर्गों ने आठ सालों में उन लोगों की तुलना में कम मृत्यु दर का अनुभव किया, जो या तो अपनी पूरी उम्र या उससे थोड़े ज़्यादा उम्र का महसूस करते थे। अपनी वास्तविक उम्र से ज़्यादा उम्र का महसूस करने वाले लगभग 25 प्रतिशत लोगों की मृत्यु हुई, जबकि अपनी वास्तविक उम्र से कम उम्र का महसूस करने वाले लगभग 14 प्रतिशत लोगों की मृत्यु हुई और 19 प्रतिशत लोगों की मृत्यु हुई। दो-तिहाई से ज़्यादा प्रतिभागियों ने अपनी वास्तविक उम्र से तीन या उससे ज़्यादा साल कम उम्र का महसूस किया, जबकि लगभग एक चौथाई ने अपनी उम्र का एहसास किया। लगभग 5 प्रतिशत ने अपनी वास्तविक उम्र से एक साल से ज़्यादा उम्र का महसूस किया।

जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी फेयरफैक्स, वर्जीनिया में मनोविज्ञान के एमेरिटस प्रोफेसर और सेंटर फॉर द एडवांसमेंट ऑफ वेल-बीइंग के वरिष्ठ विद्वान जेम्स मैडक्स ने कहा कि निष्कर्ष बताते हैं कि जब किसी व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य की बात आती है तो आशावाद कितना शक्तिशाली हो सकता है।

उन्होंने कहा, "आशावाद कई मायनों में एक स्व-पूर्ति वाली भविष्यवाणी है।" "अगर आपको लगता है कि आपका जीवन और आपका स्वास्थ्य काफी हद तक आपके नियंत्रण में है, और आपको लगता है कि आप तनाव को प्रबंधित करने, सही खाने और व्यायाम करने जैसी चीज़ें करने में सक्षम हैं, तो आप उन चीज़ों को करने की अधिक संभावना रखते हैं।"

अपनी वास्तविक उम्र से अधिक उम्र का अनुभव करने वाले लोगों की संख्या दोगुनी से भी अधिक थी।हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित लोगों की संख्या 10.2 प्रतिशत थी, जबकि खुद को जवान महसूस करने वालों की संख्या 4.5 प्रतिशत थी।

एंटी-एजिंग हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गवाही।



"मैंने 2005 में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन (हाइड्रॉक्सी) वाला पानी पीना शुरू किया। आखिरकार, मार्च 2016 में, मैंने कंप्यूटर पर काम करते हुए हर दिन कई घंटों तक हाइड्रोक्सी को सांस के ज़रिए लेना शुरू कर दिया। कई महीनों के बाद, मुझे हर महीने गैस को सांस के ज़रिए अंदर लेने पर एक साल का तरोताज़ा महसूस हुआ।"

"मेरे साथ एक दिलचस्प घटना घटी। हाल ही में मैं एक स्टील के खंभे को एक इम्प्रोवाइज्ड पोस्ट पाउंडर से नीचे गिरा रहा था और मेरे कंधे में बहुत ज़्यादा मोच आ गई। मैं बिना बहुत ज़्यादा दर्द के अपना हाथ नहीं उठा पा रहा था। फिर कुछ आश्चर्यजनक हुआ। मेरे कंधे की मोच तीन दिन में ठीक हो गई! मेरी मोच कभी इतनी जल्दी ठीक नहीं हुई!"

मेरी नज़र बेहतर हो गई है। मैं नौ साल की उम्र से ही चश्मा पहनता आ रहा हूँ। अब मैं गाड़ी चलाते समय के अलावा चश्मा नहीं पहनता।

मेरा सोरायसिस चला गया है; कोहनी, घुटनों पर अब मोटी सफेद छिलती हुई त्वचा नहीं है।और पैर। यह मेरे हाइड्रोक्सी साँस लेना शुरू करने के तीन सप्ताह के भीतर हुआ।

मेरी त्वचा चिकनी और कोमल है, उम्र के कारण झुर्रियाँ धीरे-धीरे गायब हो रही हैं।मेरे घाव के निशान (जो बचपन से ही मेरे शरीर पर थे) गायब होते दिख रहे हैं।

मेरी उम्र के निशान गायब हो रहे हैं।

मेरी तंत्रिका संबंधी बीमारियाँ दूर हो गई हैं। मैं अपने बाएं हाथ और पिंडलियों को फिर से महसूस करके बहुत खुश हूँ। मेरे बाल काले होते जा रहे हैं (अब सीधे भूरे रंग के बजाय नमक और काली मिर्च के रंग के)। मेरे बाल वापस उगते दिख रहे हैं (मेरे गंजे सिर पर घने और बढ़ते जा रहे हैं)।

मेरा टिनिटस अभी भी है, लेकिन कभी-कभी मुश्किल से ध्यान देने योग्य होता है।"
मैं बिना किसी विशेष व्यायाम के भी वसा खो रहा हूँ और मांसपेशियाँ बढ़ा रहा हूँ।

उन्होंने अक्टूबर 2017 में इसे अपडेट किया:
मेरे मस्से गायब हो गए हैं (हाथ के मस्से और प्लांटर के मस्से)। मेरे बाल निश्चित
रूप से वापस उग रहे हैं।
मेरा कब्ज दूर हो गया है। मेरा गठिया दूर
हो गया है।
मैं 2005 से अब तक बीमार नहीं पड़ा हूँ (यहां तक कि छींक भी नहीं आई है) (कोई दवा या फ्लू शॉट नहीं लिया है)।
मैंने 40 अतिरिक्त पाउंड वजन कम कर लिया है (220 से घटकर 180 पर आ गया है)। मेरी हृदय की धड़कन रुक गई है।

जॉर्ज वाइजमैन

हाइड्रोजन, बाइकार्बोनेट, मैग्नीशियम और एटीपी।

डॉ. पीटर मिशेल को 1978 में केमियोस्मोसिस के सिद्धांत के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। उनके मॉडल के अनुसार, ATP में हाइड्रोजन आवश्यक हैमाइटोकॉन्ड्रिया में उत्पादन, कोशिकाओं और शरीर में ऊर्जा स्रोत। यह हाइड्रोजन डिहाइड्रोजनेज के माध्यम से काम करता है, एक फ्लेवोप्रोटीन जो आणविक हाइड्रोजन (H2), $H2 + NAD+ \rightarrow H+ + NADH$ द्वारा NAD+ को NADH में बदलने को उत्प्रेरित करता है।

हमारा शरीर हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन से प्राप्त ऊर्जा पर निर्भर करता है। भोजन कई प्रक्रियाओं से गुजरता है और फिर अंत में एटीपी जारी करता है। भोजन हाइड्रोजन का प्राथमिक स्रोत है। यदि यह ताजा और बिना पका हुआ है, तो यह प्रचुर मात्रा में हाइड्रोजन प्रदान करता है। भोजन में हाइड्रोजन जटिल अणुओं में बंधा होता है जिन्हें हाइड्रोजन को मुक्त करने के लिए चयापचय (टूटना) करना पड़ता है।

जब आपका शरीर हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को जलाता है, तो यह जीवन की प्रक्रिया के लिए आवश्यक ऊर्जा उत्पन्न करता है। पानी में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन दोनों ईंधन होते हैं, जो ऑक्सीकरण की आग प्रदान करते हैं। हाइड्रोजन शब्द ग्रीक से आया है, जिसका अर्थ है "पानी बनाने वाला।" पानी तब बनता है जब हाइड्रोजन को ऑक्सीजन द्वारा जलाया जाता है (ऑक्सीकृत किया जाता है)। यह हमारे शरीर में हर दिन बनता है

हम एटीपी बनाने के लिए हाइड्रोजन को जलाते हैं। हाइड्रोजन और ऑक्सीजन एक सतत चक्र में भाग लेते हैं जो पानी और ऊर्जा उत्पन्न करता है।

मैग्नीशियम शोधकर्ताओं ने लंबे समय से यह माना है कि मैग्नीशियम की भूमिका (कैल्शियम विनियमन सहित) का पूरी तरह से उपयोग तभी किया जा सकता है जब शरीर पर्याप्त रूप से हाइड्रेटेड हो। पीएच संतुलन, शरीर से विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने और खनिजों एटीपी ऊर्जा उत्पादन का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए पानी के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है।

चौदह रोगियों के साथ 12 सप्ताह तक प्रतिदिन 1.0 लीटर हाइड्रोजन युक्त पानी (आणविक हाइड्रोजन) पीने का एक ओपन-लेबल परीक्षण, जिनमें से पांच प्रगतिशील पेशी अपविकास, चार पॉलीमायोसिटिस डर्मेटोमायोसिटिस और पांच माइटोकॉन्ड्रियल मायोपैथी से पीड़ित थे। हाइड्रोजन पानी पीने से माइटोकॉन्ड्रियल मायोपैथी में माइटोकॉन्ड्रियल फ़ंक्शन में सुधार हुआ और पॉलीमायोसिटिस और डर्मेटोमायोसिटिस में सूजन प्रक्रियाओं में कमी आई।[62]

कोशिकाओं के जीवनकाल, स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बढ़ाने की अवधारणा और अभ्यास को समझने के लिए, कोशिका के माइटोकॉन्ड्रिया, क्रेब्स चक्र, इलेक्ट्रॉन परिवहन प्रणाली और एटीपी बनाने में हाइड्रोजन की महत्वपूर्ण भूमिका पर गहराई से विचार करना होगा।

नकारात्मक हाइड्रोजन आयन माइटोकॉन्ड्रिया में एटीपी उत्पन्न कर सकते हैं और मुक्त कणों को प्रभावी ढंग से फंसा सकते हैं। H- माइटोकॉन्ड्रिया में NAD+ को NADH में बदल देता है। फिर NADH को इलेक्ट्रॉन परिवहन प्रणाली में संसाधित किया जाता है ताकि 3 ATP अणु उत्पन्न हो सकें। आमतौर पर क्रेब्स चक्र NADH उत्पन्न करता है, लेकिन H- NAD+ को NADH में पुनर्चक्रित करके क्रेब्स चक्र को बायपास करना संभव बनाता है।

क्षतिग्रस्त माइटोकॉन्ड्रिया रोगजनन को उत्तेजित करते हैं, जो असंबंधित प्रतीत होने वाले विकार हैं, जैसे:

एक प्रकार का मानसिक
विकार,द्विध्रुवी रोग, मनोभ्रंश,
अल्जाइमर रोग, मिर्गी,
माइग्रेन सिर के दर्द,

स्ट्रोक,न्यूरोपैथिक दर्द,
पार्किंसंस रोग, गतिभंग,
क्षणिक इस्केमिक अटैक,
कार्डियोमायोपैथी, कोरोनरी धमनी रोग,
क्रोनिक थकान सिंड्रोम,
फाइब्रोमायल्जिया,
रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा, मधुमेह,
हेपेटाइटिस सी,
प्राथमिक पित्त सिरोसिस.

डॉ. माइकल आर. ईडेस कहते हैं, "आंतरिक माइटोकॉन्ड्रियल झिल्ली से गुजरने वाले उच्च-ऊर्जा इलेक्ट्रॉन कभी-कभी मुक्त हो जाते हैं। जब वे मुक्त होते हैं, तो वे मुक्त कण बन जाते हैं। ये दुष्ट मुक्त कण फिर अन्य अणुओं पर हमला कर सकते हैं और उन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं। चूंकि ये मुक्त कण माइटोकॉन्ड्रिया के भीतर ढीले हो जाते हैं, इसलिए उनके लिए हमला करने के लिए सबसे नज़दीकी अणु माइटोकॉन्ड्रियल झिल्ली में वसा होते हैं। यदि इनमें से पर्याप्त वसा क्षतिग्रस्त हो जाती है, तो झिल्ली ठीक से काम करना बंद कर देती है। फिर पूरा माइटोकॉन्ड्रियन समझौता कर लेता है और काम करना बंद कर देता है। यदि पर्याप्त माइटोकॉन्ड्रिया मर जाते हैं, तो कोशिका काम नहीं करती है और एपोप्टोसिस से गुजरती है, जो एक तरह की कोशिकीय आत्महत्या है। कोशिकाओं की यह पुरानी क्षति और हानि उम्र बढ़ने की मूल परिभाषा है।"

हाइड्रोजन सल्फाइड और माइटोकॉन्ड्रियल कार्य।

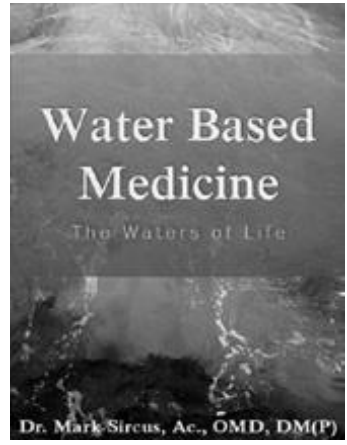
हाइड्रोजन सल्फाइड (H2S), कम सांद्रता में, माइटोकॉन्ड्रिया के लिए इलेक्ट्रॉन दाता के रूप में कार्य करता है और माइटोकॉन्ड्रियल इलेक्ट्रॉन परिवहन के लिए एक अकार्बनिक सब्सट्रेट के रूप में कार्य करता है। H2S दान चिकित्सीय प्रभाव डाल सकता है। यह विचार कि H2S का उपयोग ऑन-डिमांड मेटाबॉलिक दमन ("हाइबरनेशन") को प्रेरित करने के लिए किया जा सकता है, अन्य स्थितियों में प्रस्तावित किया गया है। अन्य स्थितियों में (जैसे, सूजन, सेप्टिक शॉक, जलने की चोट और कैंसर के कुछ रूप), H2S का अधिक उत्पादन होता है, और H2S जैवसंश्लेषण अवरोधक भविष्य का चिकित्सीय दृष्टिकोण हो सकता है। हाइड्रोजन

सल्फाइड उम्र बढ़ने को रोकने में व्यापक भूमिका निभा सकता है। हालाँकि, आणविक हाइड्रोजन का उपयोग करना अधिक आसान और सुरक्षित है।

मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट - चिकित्सा में सफलता

ऑक्सीडेटिव तनाव में वृद्धि, जो अम्लीय में पीएच परिवर्तनों के साथ तेजी से सहसंबंधित है, माइटोकॉन्ड्रिया के लिए खतरनाक है, जिसके परिणामस्वरूप ऑक्सीडेटिव दबाव होता है। जब हमारे ऊतक बहुत अधिक अम्लीय हो जाते हैं और एटीपी उत्पादन के लिए आवश्यक मैग्नीशियम की कमी हो जाती है, तो सेलुलर चयापचय कम हो जाता है, जिससे मोटापा और मधुमेह होता है।

"Mg2+ सभी कोशिकाओं की ऊर्जा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आवश्यक है कि Mg2+ शरीर के केंद्रीय उच्च ऊर्जा यौगिक ATP से बंधा हो। Mg2+ से बंधे बिना ATP, प्रोटीन, DNA, RNA बनाने, कोशिकाओं के अंदर और बाहर सोडियम, पोटेशियम या कैल्शियम ले जाने के लिए विशिष्ट शारीरिक एंजाइमों द्वारा सामान्य रूप से उपयोग की जाने वाली ऊर्जा नहीं बना सकता है। पर्याप्त Mg2+ के बिना ATP गैर-कार्यात्मक है और कोशिका मृत्यु का कारण बनता है," डॉ. बॉयड हेली लिखते हैं।



मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट मैग्नीशियम प्रशासन का पवित्र ग्रिल है,कोशिकाओं में सीधी रेखा प्रदान करना और माइटोकॉन्ड्रियल ऊर्जा कारखानों को सक्रिय करना। मेरी सबसे बड़ी सिफारिश है कि हाइड्रोजनीकृत और ऑक्सीजनयुक्त पानी या मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट पानी बनाकर पिएं। जीवन में वापस आने के लिए इसे पिएं। यदि कोई जल उपवास कर रहा है, तो उसे इस प्रकार के पानी के साथ करें।

मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट एक जटिल हाइड्रेटेड नमक है जो केवल विशिष्ट परिस्थितियों में पानी में मौजूद होता है। मैग्नीशियम आयन $Mg2+$ है, और बाइकार्बोनेट आयन $HCO3-$ है। इसलिए, मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट में दो बाइकार्बोनेट आयन होते हैं: $Mg (HCO3)2$।

मैग्नीशियम जीवन का दीपक है और 300 से अधिक एंजाइमेटिक प्रतिक्रियाओं के लिए एक सहकारक है। मैग्नीशियम एडेनोसिन ट्राइफॉस्फेट (एटीपी) चयापचय, डीएनए और आरएनए संश्लेषण, प्रजनन और प्रोटीन संश्लेषण के लिए महत्वपूर्ण है।

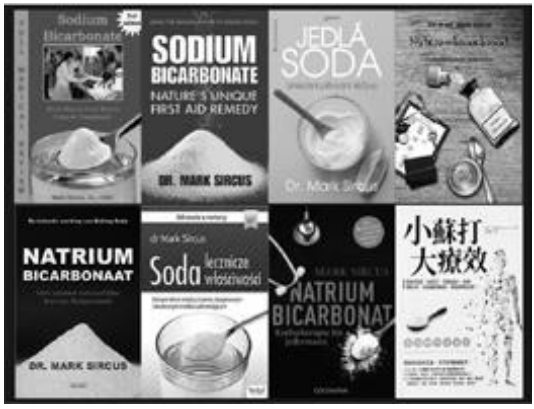
मैग्नीशियम और बाइकार्बोनेट मिलकर ऊर्जा में गिरावट का मुकाबला करते हैंविषाक्त पदार्थों से लगातार बमबारी के दौरान माइटोकॉन्ड्रिया के भीतर। यह चयापचय प्रक्रियाओं और एटीपी हाइड्रोलिसिस से उत्पन्न एसिड को बेअसर करता है, जिससे अधिक एटीपी को हाइड्रोलाइज किया जा सकता है या अधिक ऊर्जा बनाई जा सकती है। मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट शरीर की कोशिकाओं में अतिरिक्त एसिड सांद्रता से माइटोकॉन्ड्रिया को बफर करता है, माइटोकॉन्ड्रियल फ़ंक्शन में सुधार करता है और एटीपी बढ़ाता है।

आदर्श क्षारीय पानी मैग्नीशियम और बाइकार्बोनेट से भरपूर होता है। क्षारीयउच्च पीएच वाला पानी बनाने वाली जल मशीनें मैग्नीशियम और बाइकार्बोनेट की अधिकता वाले पानी के सामने टिक नहीं सकतीं। बायोकेमिकल पैथोलॉजी में पीएचडी करने वाले पशु चिकित्सक डॉ. रसेल बेकेट के काम ने मैग्नीशियम के साथ बाइकार्बोनेट के महत्व को समझने का मार्ग प्रशस्त किया। ऑस्ट्रेलिया से यूनिक वाटर और कैलिफोर्निया में नूह का पानी, यूरोप से डोनाट एमजी (प्राकृतिक झरने का पानी), और फ्लोरिडा में बना सुविधाजनक मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट सांद्रण ऐसा पानी प्रदान करता है जो दवा है।

मैग्नीशियम और बाइकार्बोनेट से भरपूर मिनरल वाटर आसानी से अवशोषित हो जाते हैं। चूँकि बाइकार्बोनेट आपके शरीर के pH को नियंत्रित करते हैं, इसलिए सोडियम बाइकार्बोनेट आपके शरीर को आहार की तुलना में कहीं ज़्यादा प्रभावी ढंग से तेज़ी से क्षारीय बना सकता है। मैं pH एडजस्ट नामक उत्पाद की सलाह देता हूँ क्योंकि, सोडियम बाइकार्बोनेट के अलावा, इसमें पोटेशियम बाइकार्बोनेट (सोडियम लोड को कम करने और आवश्यक पोटेशियम की आपूर्ति) के साथ-साथ मैग्नीशियम की एक खुराक भी होती है। मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट का इस्तेमाल लंबे समय तक किया जा सकता है।

मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट ऊर्जा की पूर्ति के लिए सबसे सुविधाजनक तरीकों में से एक है।हमारे शरीर को आवश्यक मैग्नीशियम प्रदान करता है: बहुत अधिक जैव उपलब्धता, कोई कैल्शियम मौजूद नहीं है, और बाइकार्बोनेट रक्त पीएच को बनाए रखने में मदद करता है। मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट शरीर से अतिरिक्त कैल्शियम को बाहर निकालने में मदद करने के लिए उपयुक्त है। सबसे अच्छा मैग्नीशियम सप्लीमेंट मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट पानी है, चाहे वह प्राकृतिक झरने के पानी में हो या घर पर मैगबिकार्ब कॉन्संट्रेट से बनाए गए पानी में।

बाइकार्बोनेट.



जब शरीर में पर्याप्त मात्रा में बाइकार्बोनेट होता है, तो यह रासायनिक आघातों की विषाक्तता का बेहतर प्रतिरोध करता है। यही कारण है कि सेना गुर्दे को रेडियोलॉजिकल संदूषण से बचाने के लिए इसके उपयोग का सुझाव देती है।

अमेरिकन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के क्लिनिकल जर्नल में हाल ही में प्रकाशित शोध में पाया गया कि आपके शरीर में बाइकार्बोनेट का संतुलित स्तर होने से समय से पहले मृत्यु की संभावना कम हो जाती है। अध्ययन में 2,287 प्रतिभागियों के स्वास्थ्य, उम्र बढ़ने और शारीरिक संरचना अध्ययन में संकलित आंकड़ों की जांच की गई।

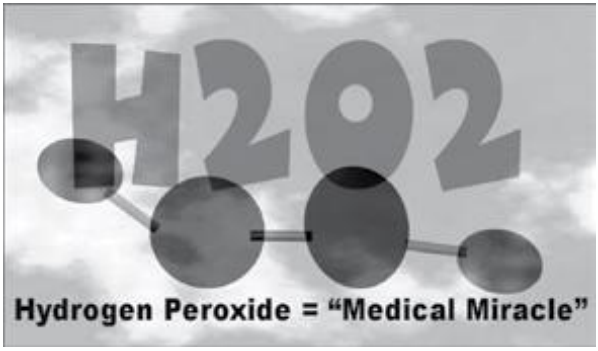
यूटा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर डॉ. कलानी राफेल और उनके सहयोगियों ने पीएच, कार्बन डाइऑक्साइड और बाइकार्बोनेट का दीर्घकालिक अस्तित्व के साथ संबंध जांचा। "गंभीर रूप से बीमार रोगियों में गंभीर एसिड-बेस असामान्यताएं होने के कारण उनके बीमारी से बचने की संभावना बहुत कम होती है।"

डॉ. राफेल ने पाया कि बाइकार्बोनेट का निम्न स्तर कैंसर के बढ़ने से जुड़ा है।असमय मृत्यु का जोखिम 24 प्रतिशत बढ़ जाता है।

बाइकार्बोनेट माइटोकॉन्ड्रिया में मैग्नीशियम के ट्रांसपोर्टर के रूप में कार्य करता है। मैग्नीशियम आसानी से माइटोकॉन्ड्रिया तक नहीं पहुंचता है, लेकिन अगर बाइकार्बोनेट की भरपूर मात्रा उपलब्ध हो तो मैग्नीशियम भर जाएगा। इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन के डाइटरी रेफरेंस इंटेक गाइड के अनुसार, मैग्नीशियम का प्रवाह बाइकार्बोनेट परिवहन से जुड़ा हुआ है। बाइकार्बोनेट सीधे उस पर काम करके ATPase को उत्तेजित करने का काम करता है।

बाइकार्बोनेट बफर सिस्टम इंट्रा- और एक्स्ट्रासेलुलर तरल पदार्थ दोनों में होता है। इसमें कार्बोनिक एसिड (H2CO3) और सोडियम बाइकार्बोनेट (NaHCO3) होते हैं। यदि कोई मजबूत एसिड मौजूद है, तो यह सोडियम बाइकार्बोनेट के साथ प्रतिक्रिया करके कार्बोनिक एसिड और सोडियम क्लोराइड बनाता है, जिससे सकारात्मक हाइड्रोजन आयनों की बढ़ती सांद्रता कम हो जाती है। यदि कोई मजबूत बेस मौजूद है, तो यह कार्बोनिक एसिड के साथ प्रतिक्रिया करके सोडियम बाइकार्बोनेट और पानी बनाता है, जिससे क्षारीय बदलाव कम हो जाता है। बाइकार्बोनेट आयन सांद्रता कार्बोनिक एनहाइड्रेज एंजाइम (ले चेटेलियर के सिद्धांत) द्वारा एसिड के निर्माण को कम करती है। मैग्नीशियम और बाइकार्बोनेट आयनों की उपस्थिति में, कार्बोनिक एनहाइड्रेज एंजाइम द्वारा कम एसिड का उत्पादन होता है।

H2O2 - हाइड्रोजन पेरोक्साइड.



ऐसा लगता है कि हाइड्रोजन अपने सभी रूपों में (H+ आयनों को छोड़कर) एक शक्तिशाली दवा के रूप में हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, यहाँ तक कि कैंसर के खिलाफ भी। हाइड्रोजन पेरोक्साइड (H2O2) सबसे अच्छे घरेलू उपचारों में से एक है और यह उन कुछ "चमत्कारी पदार्थों" में से एक है जो अभी भी जनता के लिए उपलब्ध हैं; यह सुरक्षित है, आसानी से उपलब्ध है, और बहुत सस्ता है। और सबसे अच्छी बात यह है कि यह काम करता है! क्या आप जानते हैं कि आपने अपनी पहली सांस लेने के तुरंत बाद हाइड्रोजन पेरोक्साइड का पहला घूंट लिया था? यह सही है, माँ के दूध (विशेष रूप से कोलोस्ट्रम) में H2O2 की उच्च सांद्रता होती है।"

हाइड्रोजन पेरोक्साइड सबसे पुरानी ज्ञात ऑक्सीजन थेरेपी है। यह शरीर को अतिरिक्त आवश्यक ऑक्सीजन प्रदान करता है। ऑक्सीजन, अस्पतालों में सबसे अधिक निर्धारित प्राकृतिक दवा है, जो हमारी ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत है। हमारे शरीर की सभी कोशिकाओं को जीवित रहने और सामान्य रूप से कार्य करने के लिए इस कीमती गैस की पर्याप्त मात्रा की आवश्यकता होती है। जब बात ऑक्सीजन की आती है तो यह चिकित्सा चमत्कार करता है।

उपचार। इसका अर्थ है जीवन, और H2O2 अधिक ऊर्जा, अधिक ऑक्सीजन प्राप्त करने का एक कम लागत वाला तरीका प्रदान करता है।

H2O2 का उपयोग करने से डरने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि यह एक प्राकृतिक पदार्थ है जिसे शरीर शत्रुतापूर्ण रोगजनकों से खुद को बचाने के लिए बनाता है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली और प्राकृतिक हत्यारा (NK) कोशिकाओं को उत्तेजित करता है, जो कैंसर कोशिकाओं पर हमला करते हैं, जिससे पूरे शरीर में कैंसर का प्रसार रुक जाता है। शरीर में संक्रमण और विदेशी आक्रमणकारियों से लड़ने के लिए जिम्मेदार कोशिकाएं (हमारा श्वेत रक्त और टी-कोशिकाएं) हाइड्रोजन पेरोक्साइड बनाती हैं और इसका उपयोग किसी भी अपराधी को ऑक्सीकरण करने के लिए करती हैं। जब हाइड्रोजन पेरोक्साइड बैक्टीरिया से भरे कट या घाव से टकराता है तो आप जो तीव्र बुदबुदाहट देखते हैं वह ऑक्सीजन का निकलना और बैक्टीरिया का नष्ट होना है। H202 कोई अवांछनीय उपोत्पाद या विष नहीं है बल्कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए एक आवश्यक आवश्यकता है।

रक्त में कणों का सामना करने पर रक्त प्लेटलेट्स हाइड्रोजन पेरोक्साइड छोड़ते हैं। बड़ी आंत में, एसिडोफिलस लैक्टोबैसिलस H2O2 का उत्पादन करता है, जो सर्वव्यापी कैंडिडा यीस्ट को बढ़ने से रोकता है। जब कैंडिडा आंत से बाहर निकलता है, तो यह प्राकृतिक नियंत्रण प्रणाली को छोड़ देता है और अंगों में पैर जमा लेता है, जिससे क्रोनिक थकान सिंड्रोम होता है।

H2O2, चाहे प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया से आ रहा हो या मौखिक रूप से, नसों के द्वारा या त्वचा पर लगाने के माध्यम से लिया गया हो, ऑक्सीकरण के माध्यम से वायरस और अन्य रोगजनकों को मारता है। साथ ही, ऑक्सीजन को बढ़ावा मिलता है और सामान्य कोशिकाओं को पुनर्जीवित करता है।

समर्थक H2O2 को अब तक के सबसे उल्लेखनीय उपचार चमत्कारों में से एक मानते हैं। यह सोडियम बाइकार्बोनेट, पोटेशियम बाइकार्बोनेट, आयोडीन, सेलेनियम, सल्फर और मैग्नीशियम के बाद हर औषधीय कैबिनेट के लिए आवश्यक दवाओं के रूप में आता है। ये सभी सुपरहीरो दवाएं हैं क्योंकि वे जीवन की जड़ों को पोषण देती हैं।

सोडियम बाइकार्बोनेट और मैग्नीशियम की तरह, हाइड्रोजन पेरोक्साइड के भी कई संभावित अनुप्रयोग हैं, जिनमें बहुत कम या कोई जोखिम नहीं है। FDA (मेरा पसंदीदा संगठन नहीं) ने हाइड्रोजन पेरोक्साइड को GRASS पदनाम दिया है, जिसका अर्थ है कि इसे सुरक्षित माना जाता है। पेरोक्साइड थेरेपी के लाभों में से एक यह है कि यह बाइकार्बोनेट की तरह अविश्वसनीय रूप से सुलभ है।

हाइड्रोजन पेरोक्साइड का रासायनिक सूत्र H2O2 है। इसमें पानी (H20) की तुलना में ऑक्सीजन का एक परमाणु अधिक होता है। हाइड्रोजन पेरोक्साइड गंधहीन और रंगहीन होता है लेकिन स्वादहीन नहीं होता। उचित परिस्थितियों में संग्रहीत होने पर, यह एक बहुत ही स्थिर यौगिक है। जब इसे प्रकाश और संदूषकों की अनुपस्थिति में रखा जाता है, तो यह प्रति वर्ष लगभग 5 से 10% की दर से बहुत धीरे-धीरे विघटित होता है।

अन्य यौगिकों के संपर्क में आने पर, हाइड्रोजन पेरोक्साइड डिस्मुटेस आसानी से नष्ट हो जाता है। अतिरिक्त ऑक्सीजन परमाणु मुक्त हो जाता है, जिससे H20 (पानी) बच जाता है। प्रकृति में, ऑक्सीजन
(02) में दो परमाणु होते हैं - एक बहुत ही स्थिर संयोजन। हालाँकि, ऑक्सीजन का एक परमाणु बहुत प्रतिक्रियाशील होता है और इसे फ्री रेडिकल कहा जाता है। पेरोक्साइड लेने का एक बेहतरीन तरीका स्नान में है (पूरे स्नान में 35% के पिंट तक)। बेहतर जेट1 किलोग्राम समुद्री नमक + 500 ग्राम बाइकार्बोनेट + 1 पिंट 35% H2O2।

हाइड्रोजन पेरोक्साइड एक प्रतिक्रियाशील रसायन है जो सांद्रित होने पर विषैला हो जाता है।फिर भी हम H2O2 को 35 प्रतिशत के सांद्रित रूप में खरीदते हैं। इस प्रकार, H202 (3%) की केवल पतला मात्रा ही शरीर में प्रवेश कर सकती है और होनी चाहिए, जिसका अर्थ है कि 35 प्रतिशत खाद्य ग्रेड पेरोक्साइड के एक औंस को 11 औंस शुद्ध पानी के साथ मिलाना चाहिए। 35% खाद्य ग्रेड ही आंतरिक उपयोग के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एकमात्र ग्रेड है जिसे 5% तक कम कर दिया जाता है। 35 प्रतिशत त्वचा को जला देगा और ज्वलनशील है, इसलिए कृपया ठीक से पतला करने के लिए सावधान रहें।

अंग्रेजी चिकित्सा पत्रिका लैंसेट ने 1920 में प्रथम विश्व युद्ध के बाद निमोनिया महामारी के इलाज के लिए H2O2 के अंतःशिरा जलसेक की रिपोर्ट की थी। 1940 के दशक में, पेरोक्साइड को बढ़ावा देने वाले अग्रणी फादर रिचर्ड विल्हेम ने बैक्टीरिया से संबंधित मानसिक बीमारी से लेकर त्वचा रोग और पोलियो तक हर चीज का इलाज किया। हालाँकि, 1940 के दशक में हाइड्रोजन पेरोक्साइड में बहुत रुचि कम हो गई जब प्रिस्क्रिप्शन दवाएँ सामने आईं।

पिछले 25 वर्षों में हाइड्रोजन पेरोक्साइड से संबंधित हजारों लेख मानक चिकित्सा पत्रिकाओं में छपे हैं। इसके चिकित्सीय उपयोग से संबंधित हजारों लेख वैकल्पिक स्वास्थ्य प्रकाशनों में छपे हैं।

H202 कई स्वास्थ्य समस्याओं पर अद्भुत काम करता है। यह ऊतकों में ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाकर ऐसा करता है। पिछले अध्याय को पढ़ने के बाद, यह स्पष्ट है कि हमारी ऑक्सीजन की ज़रूरतें पूरी नहीं हो रही हैं। हाइड्रोजन पेरोक्साइड कई घटकों में से एक है जो हमारी कोशिकाओं में जाने वाली ऑक्सीजन की मात्रा को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसकी उपस्थिति कई कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है, जैसे कि उत्पादन

थायरॉइड हार्मोन और यौन हार्मोन को नियंत्रित करता है और हृदय और मस्तिष्क में रक्त वाहिकाओं को फैलाता है। यह मधुमेह से पीड़ित लोगों में ग्लूकोज के उपयोग को बेहतर बनाता है।

नोट: पेरोक्साइड को पतला करने के लिए क्लोरीनयुक्त नल के पानी का उपयोग न करें!

पेरोक्साइड को स्टैंड-अलोन हीलिंग सिस्टम के रूप में इस्तेमाल करते समय (मैडिसन कैवनॉग द्वारा वन-मिनट क्योर देखें), मुख्य अनुशंसा दिन में तीन बार तीन बूँदें लेना शुरू करना है और दिन-ब-दिन तीन बार 25 बूँदें लेना है। फिर व्यक्ति दिन में तीन बूँदें लेना शुरू कर देता है और या तो इसे जारी रखता है या बंद कर देता है।

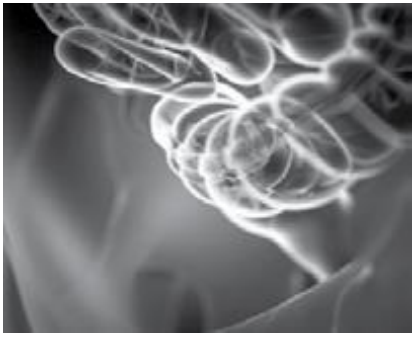
कुछ लोग मतली के कारण उच्च खुराक तक नहीं पहुंच पाते हैं। जब अन्य ऑक्सीजन-प्राप्ति विधियों का उपयोग किया जाता है, जैसे बाइकार्बोनेट लेना, धीमी गति से सांस लेना, और आयोडीन और मैग्नीशियम बढ़ाना (जो ऑक्सीजन भी बढ़ाते हैं), तो इतना पेरोक्साइड का उपयोग करना आवश्यक नहीं होगा।

H2O2 का उपयोग करने का एक वैकल्पिक तरीका यह है कि 3% घोल से भरी स्प्रे/नाक की बोतल का उपयोग करें और दिन में 5-10 बार मुंह में स्प्रे करें तथा धुंध को फेफड़ों में गहराई तक ले जाएं।

थॉमस लेवी, एम.डी., एक बोर्ड-प्रमाणित हृदय रोग विशेषज्ञ, का मानना है, जैसा कि अन्य लोग मानते हैं, कि H2O2 (हाइड्रोजन पेरोक्साइड) एक और घरेलू उपचार है जो कोरोनावायरस सहित किसी भी वायरस को खत्म कर सकता है। इस उपचार में मुख्य घटक आम घरेलू 3% हाइड्रोजन पेरोक्साइड है, और यह वही पदार्थ है जिसे वॉलमार्ट में 88 सेंट या वालग्रीन्स में $1.00 से कम में 32-औंस प्लास्टिक की बोतल में खरीदा जा सकता है।

क्योंकि हाइड्रोजन पेरोक्साइड में एक पानी का अणु (H2O) होता है जिसमें एक अतिरिक्त ऑक्सीजन परमाणु (H2O2) होता है, यही अतिरिक्त ऑक्सीजन परमाणु इसे वायरस के लिए इतना घातक बनाता है। अच्छी खबर यह है कि इस सामान्य पदार्थ को प्रशासित करने का एक सुरक्षित और सरल तरीका है, जो लगभग IV जितना ही प्रभावी है। बाइकार्बोनेट और ग्लूटाथियोन की तरह, H2O2 को नेबुलाइज़ किया जा सकता है।

कैंसर, सूजन और हाइड्रोजन।



कई प्रकाशनों से पता चलता है कि H2 के जैविक और चिकित्सीय लाभ मजबूत ऑक्सीडेंट के साथ प्रत्यक्ष प्रतिक्रियाओं द्वारा ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न जीन अभिव्यक्तियों को विनियमित करके। इसके अलावा, H2 एक एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-एपोप्टोटिक के रूप में कार्य करता है और ऊर्जा चयापचय को उत्तेजित करता है।[63]

क्योंकि हम कैंसर को सूजन के रूप में परिभाषित कर सकते हैं, इसलिए हम इसके खिलाफ अपनी लड़ाई जीतने के लिए हाइड्रोजन का उपयोग कर सकते हैं। डॉ. जोहान्स फ़ाइबिगर एक डेनिश वैज्ञानिक, चिकित्सक और पैथोलॉजिकल एनाटॉमी के प्रोफेसर थे, जिन्होंने प्रयोगशाला पशुओं में कैंसर के पहले नियंत्रित प्रेरण को प्राप्त करने के लिए 1926 में फिजियोलॉजी और मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार जीता था, जो कैंसर अनुसंधान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण विकास था।

1907 में, तपेदिक से संक्रमित चूहों का विच्छेदन करते समय, उन्हें ट्यूमर मिलेतीन जानवरों के पेट में। गहन शोध के बाद, उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि ट्यूमर, जो स्पष्ट रूप से घातक था, एक कीड़े के लार्वा के कारण पेट के ऊतकों की सूजन के बाद हुआ था, जिसे अब गोंगाइलोनेमा नियोप्लास्टिकम के रूप में जाना जाता है। कीड़ों ने चूहों द्वारा खाए गए तिलचट्टों को संक्रमित कर दिया था।

1913 तक उन्होंने चूहों और चूहों को कृमि से संक्रमित तिलचट्टे खिलाकर लगातार गैस्ट्रिक ट्यूमर को प्रेरित किया। यह दिखाकर कि ट्यूमर मेटास्टेसिस से गुजरते हैं, उन्होंने उस समय प्रचलित अवधारणा को समर्थन दिया कि कैंसर ऊतक जलन के कारण होता है।

फ़ाइबिगर के काम ने तुरंत जापानी रोगविज्ञानी यामागीवा कट्सुसाबुरो को प्रयोगशाला के जानवरों में कैंसर पैदा करने के लिए प्रेरित किया, जिसमें उनकी खाल को कोल-टार डेरिवेटिव से रंगा गया, एक प्रक्रिया जिसे फ़ाइबिगर ने जल्द ही खुद भी अपना लिया। जबकि बाद के शोध से पता चला कि गोंगाइलोनेमा लार्वा सूजन के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं थे, फ़ाइबिगर के निष्कर्ष रासायनिक कार्सिनोजेन्स (कैंसर पैदा करने वाले एजेंट) के उत्पादन के लिए एक आवश्यक प्रस्तावना थे, जो आधुनिक कैंसर अनुसंधान को विकसित करने में एक महत्वपूर्ण कदम था।

लैटिन में, "सूजन" शब्द का अर्थ है "प्रज्वलित करना, जलाना", और गैसोलीन की तरह, यह कैंसर के लिए भी यही करता है। पुरानी सूजन का सूक्ष्म वातावरण कैंसर के लिए मंच तैयार करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सूजन कैंसर कोशिकाओं के प्रसार और उत्परिवर्तन को बढ़ावा देती है जबकि कैंसर कोशिकाओं के विकास के भीतर उत्परिवर्तन को बढ़ावा देती है।

ऑक्सीडेटिव तनाव सूजन के रोगजनन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चूँकि हम पहले ही पा चुके हैं कि हाइड्रोजन गैस और हाइड्रोजन पानी मुक्त कणों और ऑक्सीडेटिव तनाव को खत्म करते हैं, इसलिए हम जानते हैं कि यह सूजन को कम करता है।

नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के अनुसार, रासायनिक, सेल कल्चर और पशु अध्ययनों से प्राप्त प्रयोगशाला साक्ष्यों से पता चलता है कि एंटीऑक्सीडेंट कैंसर के विकास को धीमा कर सकते हैं या रोक सकते हैं। एंटीऑक्सीडेंट पोषक तत्व (विटामिन और खनिज) और एंजाइम (आपके शरीर में प्रोटीन जो रासायनिक प्रतिक्रियाओं में सहायता करते हैं) हैं। वे कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक, अल्जाइमर रोग, रुमेटीइड गठिया और मोतियाबिंद जैसी पुरानी बीमारियों के विकास को रोकने में भूमिका निभाते हैं।

हाइड्रोजन परम एंटीऑक्सीडेंट है, इसलिए यह कैंसर पर हमारी जंग जीतने में हमारी मदद करता है। कैंसर के मरीज़ जो मानवीय उपचार में रुचि रखते हैं और जो जहरीली कीमोथेरेपी और विकिरण से पीड़ित नहीं होना चाहते हैं, वे हाइड्रोजन कैंसर उपचार में अत्यधिक रुचि लेंगे। ऑक्सीजन और $CO2$ थेरेपी, महत्वपूर्ण खनिजों की एक सूची और यहां तक कि कीमोथेरेपी के प्राकृतिक रूप के रूप में मेडिकल मारिजुआना के एक केंद्रित रूप द्वारा समर्थित, आप बहुत बेहतर महसूस करेंगे।

कैंसर की शुरुआत सूजन से होती है।

शरीर में लगातार होने वाली सूजन और कैंसर की घटना के बीच एक मजबूत संबंध है। जीवविज्ञानियों ने सूजन के लिंक को व्यक्तिगत सिग्नलिंग अणुओं के स्तर तक खोजा है, जिससे कार्सिनोजेनेसिस के सबूत मिले हैं। हम पहले से ही जानते हैं कि सूजन दर्द और मधुमेह और हृदय रोग जैसी अधिकांश बीमारियों की जड़ है। फिर भी, हम अभी कैंसर के विकास और निरंतरता में सूजन की महत्वपूर्ण और केंद्रीकृत भूमिका पर ध्यान देना शुरू कर रहे हैं।

यूसी सैन डिएगो में रसायन विज्ञान और जैव रसायन के सहायक प्रोफेसर डॉ. एलेक्जेंडर हॉफमैन के अनुसार, "हमने एक बुनियादी सेलुलर तंत्र की पहचान की है जो पुरानी सूजन और कैंसर को जोड़ सकता है। जानवरों के साथ किए गए अध्ययनों से पता चला है कि प्रतिरक्षा प्रणाली और अन्य अंग प्रणालियों के सामान्य विकास के लिए थोड़ी सूजन आवश्यक है," हॉफमैन बताते हैं। "हमने पाया कि प्रोटीन $p100$ कोशिका को एक ऐसा तरीका प्रदान करता है जिससे सूजन विकास को प्रभावित कर सकती है। लेकिन एक अच्छी चीज की अधिकता भी हो सकती है। पुरानी सूजन के मामले में, बहुत अधिक $p100$ की उपस्थिति विकास पथ को अधिक सक्रिय कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप कैंसर हो सकता है।"

सूजन कैंसर के विकास से जुड़ी है। साइंटिफिक अमेरिकन का कहना है, "दीर्घकालिक सूजन को समझना, जो हृदय रोग, अल्जाइमर और कई अन्य बीमारियों में योगदान देता है, कैंसर के रहस्यों को उजागर करने की कुंजी हो सकती है।" सूजन वह ईंधन है जो कैंसर को बढ़ावा देता है। यह निश्चित रूप से कैंसर के विकास में एक महत्वपूर्ण घटना है।

"ट्यूमर के विभिन्न चरणों में सूजन संबंधी प्रतिक्रियाएं निर्णायक भूमिका निभाती हैंविकास, जिसमें आरंभ, प्रचार, घातक रूपांतरण, आक्रमण और मेटास्टेसिस शामिल हैं। सूजन प्रतिरक्षा निगरानी और उपचार के प्रति प्रतिक्रियाओं को भी प्रभावित करती है। सैन डिएगो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिसिन के फार्माकोलॉजी और पैथोलॉजी विभागों के शोधकर्ताओं का कहना है, "ट्यूमर में घुसपैठ करने वाली प्रतिरक्षा कोशिकाएं कैंसर कोशिकाओं के साथ व्यापक और गतिशील क्रॉसटॉक में संलग्न होती हैं।"

डॉ. सर्गेई आई. ग्रिवेनिकोव लिखते हैं, "19वीं शताब्दी में रुडोल्फ विरचो द्वारा ट्यूमर के भीतर ल्यूकोसाइट्स की उपस्थिति देखी गई, जिसने सूजन और कैंसर के बीच संभावित संबंध का पहला संकेत दिया। फिर भी, यह केवल पिछले दशक के दौरान ही है कि इस बात के स्पष्ट प्रमाण प्राप्त हुए हैं कि सूजन ट्यूमरजनन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कुछ अंतर्निहित आणविक तंत्रों को स्पष्ट किया गया है। ट्यूमरजनन में सूजन की भूमिका अब आम तौर पर स्वीकार की जाती है, और यह स्पष्ट हो गया है कि एक भड़काऊ सूक्ष्म वातावरण सभी ट्यूमर का एक आवश्यक घटक है। सभी कैंसरों में से केवल एक अल्पसंख्यक जर्मलाइन उत्परिवर्तन के कारण होता है, जबकि विशाल बहुमत (90%) दैहिक उत्परिवर्तन और पर्यावरणीय कारकों से जुड़ा होता है।"

विभिन्न सूजन कोशिकाओं में रहने वाला एक सूजन वाला सूक्ष्म वातावरण और सिग्नलिंग अणुओं का एक नेटवर्क भी रूपांतरित कोशिकाओं की घातक प्रगति के लिए अपरिहार्य है, जो कि जीर्ण सूजन स्थलों पर लगातार संक्रमण से लड़ने वाले एजेंटों की उत्परिवर्तनीय प्रवृत्ति के कारण होता है। जीर्ण सूजन एक धीमी, खामोश गड़बड़ी है जो कभी बंद नहीं होती। अक्सर एक मरीज इसे महसूस नहीं कर सकता। आमतौर पर, आप इसके लिए परीक्षण नहीं कर सकते।

सूजन से जुड़े कैंसर के विकास के बारे में शोध ने साइटोकाइन्स और केमोकाइन्स और सूजन और कैंसर को जोड़ने में उनके डाउनस्ट्रीम लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित किया है। संक्रमण या क्रॉनिक इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज जैसी स्थितियों के कारण होने वाली क्रॉनिक सूजन सभी कैंसर के 25 प्रतिशत मामलों से जुड़ी है। ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर सेंटर के शोधकर्ताओं ने पाया कि सूजन माइक्रोआरएनए-155 (miR-155) नामक अणु के स्तर में वृद्धि को उत्तेजित करती है। बदले में, यह डीएनए में शामिल प्रोटीन के स्तर में गिरावट का कारण बनता है

मरम्मत, जिसके परिणामस्वरूप स्वतःस्फूर्त जीन उत्परिवर्तन की दर अधिक होती है, जो कैंसर का कारण बन सकती है। प्रथम लेखक और पोस्ट-डॉक्टरल शोधकर्ता डॉ. एस्मेरिना टिली कहती हैं, "हमारा अध्ययन दर्शाता है कि miR-155 भड़काऊ उत्तेजनाओं द्वारा अव्यवस्थित हो जाता है और miR-155 की अधिक अभिव्यक्ति स्वतःस्फूर्त उत्परिवर्तन दर को बढ़ाती है, जो ट्यूमरजनन में योगदान कर सकती है।" "लोगों को संदेह है कि सूजन कैंसर में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, और हमारा अध्ययन एक आणविक तंत्र प्रस्तुत करता है जो बताता है कि यह कैसे होता है।"

डॉ. विजय नायर की पुस्तक प्रिवेंट कैंसर, स्ट्रोक, हार्ट अटैक और अन्य घातक हत्यारों में कहा गया है, "कोलन कैंसर, पेट का कैंसर, एसोफैगल कैंसर, फेफड़े का कैंसर, लीवर कैंसर, स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर, डिम्बग्रंथि का कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर और अग्नाशय का कैंसर सभी सूजन से जुड़े हैं। यह बहुत अच्छी खबर है क्योंकि इसका मतलब है कि कैंसर कहीं से भी अचानक नहीं आता है। इसे रोका जा सकता है!"

सभी प्रकार की सूजन कैंसर का कारण बन सकती है।

फेफड़ों का कैंसर जो लगातार धूम्रपान के कारण होने वाली सूजन के कारण होता है। एसोफैजियल कैंसर जो एसिड रिफ्लक्स के कारण होने वाली सूजन के कारण होता है। पेट का कैंसर जो एच. पाइलोरी (अल्सर पैदा करने वाला जीवाणु) के कारण होने वाली सूजन के कारण होता है।
मूत्राशय कैंसर मूत्र पथ के संक्रमण से प्रेरित सूजन के कारण होता है।हेपेटाइटिस बी या सी से प्रेरित सूजन के कारण होने वाला यकृत कैंसर।
एपस्टीन बार (मोनोन्यूक्लिओसिस उत्पन्न करने वाला एक वायरस) के कारण उत्पन्न लिम्फोमा सूजन उत्पन्न करता है।
गर्भाशय ग्रीवा कैंसर मानव पेपिलोमावायरस (वह वायरस जो जननांग मस्से उत्पन्न करता है) से प्रेरित सूजन के कारण होता है।
गुर्दे की पथरी से उत्पन्न सूजन के कारण गुर्दे का कैंसर।
चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम से प्रेरित सूजन के कारण कोलन कैंसर होता है।

चाहे सूजन संक्रमण (जैसे हेपेटाइटिस), यांत्रिक जलन (जैसे किडनी स्टोन) या रासायनिक जलन (जैसे पेट में एसिड) के कारण हो, परिणाम एक ही होता है। पुरानी, कम-श्रेणी की सूजन नाटकीय रूप से कैंसर विकसित होने के आपके जोखिम को बढ़ाती है।"

अमेरिकन कैंसर सोसायटी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओटिस ब्रॉली ने कहा कि उनका मानना है कि एस्पिरिन के सूजनरोधी गुण कैंसर को रोकने में मदद कर सकते हैं।

हृदय रोग और कैंसर। डॉ. ब्रॉली ने कहा, "सूजन कैंसर का कारण नहीं हो सकती है, लेकिन यह कैंसर को बढ़ावा दे सकती है - यह वह उर्वरक हो सकता है जो इसे बढ़ाता है।"

एम.आई.टी. का एक नया अध्ययन[64]रासायनिक और आनुवंशिक पर एक व्यापक नज़र प्रदान करता हैसूजन के कैंसर में बदलने के कारण होने वाले परिवर्तन। लीवर, कोलन या पेट के कैंसर के लिए सबसे महत्वपूर्ण जोखिम कारकों में से एक उन अंगों की पुरानी सूजन है, जो अक्सर वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण के कारण होती है। रूढ़िवादी कैंसर उपचार सूजन का इलाज नहीं करते हैं; इस प्रकार, वे वास्तव में कैंसर का इलाज नहीं करते हैं।

कैंसर की दर में वृद्धि में भारी धातुओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।[65],[66]हम दुनिया को बार-बार भारी धातुओं से विषाक्त कर रहे हैं, और हमारे मस्तिष्क की कोशिकाएँ और अन्य ऊतक इससे पीड़ित हैं। 80% से ज़्यादा भारी धातुएँ आंत में मौजूद अनुकूल बैक्टीरिया के ज़रिए शरीर से बाहर निकल जाती हैं। फिर भी, दुर्भाग्य से, हमारे पास पश्चिमी चिकित्सा को नियंत्रित करने वाले पागल लोग हैं जो डॉक्टरों को एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जो आंत के अनुकूल बैक्टीरिया को मार देते हैं। भारी धातु संदूषण सूजन पैदा करता है!

ज़ाइमोसन-प्रेरित सामान्यीकृत सूजन मॉडल में जीवित रहने की दर और अंग क्षति पर 2% H2 उपचार प्रभावों की जांच की गई। बेकर के खमीर (सैकरोमाइसिस सेरेविसिया) से तैयार ज़ाइमोसन, सूजन और प्रतिरक्षा विज्ञान अनुसंधान में कई वर्षों से व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला अभिकर्मक है।

ज़ाइमोसन-प्रेरित अंग क्षति में H2 उपचार के लाभकारी प्रभाव ऑक्सीडेटिव उत्पाद के कम स्तर, एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम की बढ़ी हुई गतिविधियों और सीरम और ऊतकों में प्रारंभिक और बाद में प्रो-इंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स के कम स्तर से जुड़े थे। H2 उपचार ने ज़ाइमोसन-प्रेरित सामान्यीकृत सूजन मॉडल में कई अंगों की क्षति से सुरक्षा की, जिससे सूजन से संबंधित कई अंग शिथिलता सिंड्रोम के उपचार में H2 के एक चिकित्सीय एजेंट के रूप में संभावित उपयोग का सुझाव मिलता है।[67]

मनोरोग विकारों के लिए हाइड्रोजन.



एंटीडिप्रेसेंट संयुक्त राज्य अमेरिका में सबसे अधिक निर्धारित दवाओं में से एक हैं, लेकिन उनके दुष्प्रभाव और परीक्षण-और-त्रुटि प्रकृति अक्सर कुछ कमी छोड़ देती है। कुछ अध्ययनों के अनुसार, वे प्लेसबो की तुलना में केवल 50 प्रतिशत अधिक प्रभावी हैं। हाल ही तक, अधिकांश डॉक्टरों और रोगियों ने अभी भी सोचा था कि ये दवाएं किसी अपंग बीमारी के लिए सबसे अच्छा उपचार हैं। अब हाइड्रोजन गैस इन अश्लील दवाओं की जगह लेने का वादा करती है।

कुल मिलाकर छह में से एक अमेरिकी नियमित रूप से इस श्रेणी की किसी न किसी तरह की दवा लेता है। हालाँकि, अब बच्चे दवा आतंकवाद की चपेट में आ रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य निगरानी समूह सिटिज़न्स कमीशन ऑन ह्यूमन राइट्स इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित कर रहा है कि हमारे देश में छह साल से कम उम्र के दस लाख से ज़्यादा बच्चे वर्तमान में ये मनोरोग संबंधी दवाएँ ले रहे हैं। IMS हेल्थ के डेटा से पता चलता है कि

बच्चों के बड़े होने के साथ ही नशीली दवाओं की स्थिति और भी खराब होती जा रही है, 6 से 12 वर्ष की आयु के 4,130,340 बच्चे किसी न किसी तरह की मनोरोग संबंधी दवा ले रहे हैं। इन हानिकारक दवाओं के भयानक दुष्प्रभावों और अप्रभावीता को देखते हुए यह संख्या चिंताजनक है।

शिशुओं को मनोरोग संबंधी दवाएँ दी गईं।

इनमें से लगभग आधे बच्चे चार से पांच साल के हैं, और यह एक अविश्वसनीय बात है274,804 बच्चे एक साल से कम उम्र के हैं। दो से तीन साल के बच्चों के लिए यह संख्या बढ़ जाती है, इस श्रेणी में कुल मिलाकर 370,778 बच्चे मनोरोग संबंधी दवाएँ ले रहे हैं। बच्चों को दी जाने वाली मनोरोग संबंधी दवा का सबसे प्रमुख प्रकार चिंता-निवारक दवाएँ हैं। एक साल से कम उम्र के 227,132 से ज़्यादा बच्चे और चार से पाँच साल की उम्र के 248,000 बच्चे ये दवाएँ लेते हैं। हालाँकि, विशेषज्ञों का मानना है कि ये अनुमान कम हैं। वास्तविक संख्याएँ बहुत ज़्यादा हैं, आंशिक रूप से कुछ डॉक्टरों द्वारा "ऑफ़-लेबल" उपयोगों के लिए मनोरोग संबंधी दवाएँ देने की प्रवृत्ति के कारण।

यूरोप में, 15 में से 4 लोग गंभीर अवसाद और चिंता से पीड़ित हैं। न्यूरोसाइकिएट्रिक विकार यूरोप में विकलांगता का दूसरा कारण है और केवल 4% के साथ 19% हृदय रोगों के लिए जिम्मेदार है। 466 मिलियन लोगों वाले 28 यूरोपीय संघ के देशों में, कम से कम इक्कीस मिलियन लोग अवसाद से प्रभावित थे, लगभग 80% पुरुष हैं। मानसिक विकारों का उपचार महंगा है। 2004 में यूरोप में अवसाद की कुल वार्षिक लागत लगभग 118 बिलियन यूरो थी, जो प्रति निवासी 253 यूरो के बराबर थी। अवसाद की कीमत यूरोप की पूरी अर्थव्यवस्था के 1% के बराबर है।[68]

मस्तिष्क के लिए हाइड्रोजन.

हाइड्रोजन गैस, अपने सूजनरोधी और एंटी-ऑक्सीडेटिव गुणों के कारण, न्यूरोलॉजिकल और मानसिक विकारों के लिए सहायक है। द्विध्रुवी विकार, सिज़ोफ्रेनिया और ऑटिज़्म सहित विभिन्न मानसिक विकारों में ऑक्सीडेटिव तनाव की उपस्थिति और प्रभाव पर डेटा उभर रहा है। इसलिए, यह अनुमान लगाया गया है कि हाइड्रोजन अणु प्रशासन में द्विध्रुवी विकार के लिए एक नई चिकित्सा के रूप में क्षमता हो सकती है

विकार, सिज़ोफ्रेनिया, और अन्य समवर्ती विकार जो ऑक्सीडेटिव, सूजन और एपोप्टोटिक डिस्रेग्यूलेशन द्वारा विशेषता रखते हैं।[69]

अपने कम आणविक भार के कारण, हाइड्रोजन रक्त-मस्तिष्क अवरोध को तेजी से पार कर सकता है, जिससे यह कोशिकाओं को क्षय से बचाता है और मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में सुधार करता है। चेन एट अल.[70]चूहों में डेक्सट्रोज इंजेक्शन के बाद मस्तिष्क में हाइड्रोजन के सुरक्षात्मक प्रभाव के साथ ऑक्सीडेटिव तनाव और रक्त शर्करा के स्तर में कमी देखी गई। हाइड्रोजन युक्त शुद्ध पानी पीने से हाइपोक्सिया-री-ऑक्सीजनेशन के दौरान विटामिन सी-रहित एसएमपी30/जीएनएल-नॉकआउट चूहों के मस्तिष्क के टुकड़ों में सुपरऑक्साइड का निर्माण रुक जाता है[71]आणविक हाइड्रोजन ने संज्ञानात्मक गिरावट को भी रोका है। हाइड्रोजन जल के सेवन से ऑक्सीडेटिव तनाव में वृद्धि को रोका जा सका और चूहों में क्रोनिक शारीरिक संयम के दौरान हिप्पोकैम्पस-निर्भर सीखने के कार्यों में तनाव-प्रेरित हानि को रोका जा सका।[72].

विशेष रूप से, द्विध्रुवी विकार और सिज़ोफ्रेनिया दोनों ही बढ़े हुए ऑक्सीडेटिव और भड़काऊ तनाव से जुड़े हैं। इसके अलावा, लिथियम, जिसे आमतौर पर द्विध्रुवी विकार के इलाज के लिए प्रशासित किया जाता है, ऑक्सीडेटिव तनाव और एपोप्टोटिक मार्गों को प्रभावित करता है, जैसा कि वैल्प्रोएट और सिज़ोफ्रेनिया के इलाज के लिए कुछ असामान्य एंटीसाइकोटिक्स करते हैं। आणविक हाइड्रोजन का कुछ चिकित्सीय स्थितियों, जैसे हाइपोक्सिया और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के इलाज के लिए पशु मॉडल में प्री-क्लीनिकल रूप से अध्ययन किया गया है। पार्किंसंस रोग सहित न्यूरोलॉजिकल विकारों में दिलचस्प नैदानिक निष्कर्ष हैं।

सिज़ोफ्रेनिया में माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन की अक्सर रिपोर्ट की जाती है। इसके अलावा, माइटोकॉन्ड्रियल विकार मनोविकृति के साथ उपस्थित हो सकते हैं। mtDNA सिज़ोफ्रेनिया के न्यूरोबायोलॉजी में एक भूमिका निभाता है। सिज़ोफ्रेनिया में माइटोकॉन्ड्रियल जीन अभिव्यक्ति बदल जाती है। सिज़ोफ्रेनिया में माइटोकॉन्ड्रिया की संख्या सामान्य नियंत्रण की तुलना में कम हो जाती है। जैसा कि हमने देखा है, हाइड्रोजन का सिज़ोफ्रेनिया उपचार की पहली पंक्ति के रूप में उपयोग किए जाने वाले माइटोकॉन्ड्रिया पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

पार्किंसंस रोग में, बढ़े हुए लिपिड पेरोक्सीडेशन द्वारा अनुक्रमित ऑक्सीडेटिव तनाव में वृद्धि और पदार्थ में ग्लूटाथियोन के स्तर में कमी

निग्रा पीडी के ज्ञात रोगजनन का हिस्सा हैं। हाइड्रोजन पानी पार्किंसंस रोग के चूहे मॉडल को भी रोकता है[73]और सेरेब्रल इस्केमिया/रिपर्फ्यूजन के बाद जीवित रहने की क्षमता को बढ़ाता है[74]यह ऑक्सीडेटिव तनाव के मार्कर को कम करता हैपार्किंसंस रोग के पशु मॉडल के सब्सटेंशिया निग्रा के भीतर डोपामिनर्जिक न्यूरॉन्स में।

निष्कर्ष।

हर कोई स्वास्थ्य और जीवंत जीवन चाहता है। क्रोनिक ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के कार्य में गिरावट का कारण बनते हैं, जिससे जीवन की गुणवत्ता (QOL) कम हो जाती है। स्वस्थ व्यक्तियों में, उम्र बढ़ने, नौकरी के तनाव और कई घंटों तक संज्ञानात्मक भार भी ऑक्सीडेटिव तनाव को बढ़ाता है, यह सुझाव देता है कि ऑक्सीडेटिव तनाव के संचय को रोकने से QOL और उम्र बढ़ने के प्रभावों को कम करने में मदद मिलती है।

एक अध्ययन में साइकोफिजियोलॉजिकल परीक्षणों का उपयोग करके वयस्क स्वयंसेवकों के QOL पर हाइड्रोजन युक्त पानी (HRW) पीने के प्रभावों की जांच की गई। इस डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन में, परिणाम बताते हैं कि HRW मूड, चिंता और स्वायत्त तंत्रिका कार्य से जुड़े केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के कार्यों को बढ़ाने वाले प्रभावों के माध्यम से QOL को मजबूत कर सकता है।[75]

हाइड्रोजन के साथ कम भोजन और कम मधुमेह।



हाइड्रोजन मानव शरीर में सबसे आम तत्व है, जो पानी, डीएनए और अधिकांश अन्य कार्बनिक अणुओं का बहुमत हिस्सा या घटक है। कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा जैसे मैक्रो-पोषक तत्वों में रासायनिक संरचना के हिस्से के रूप में हाइड्रोजन होता है। इसका मतलब है कि हर भोजन में कुछ हाइड्रोजन होता है।

फल और साबुत अनाज कार्बोहाइड्रेट के स्वस्थ स्रोत हैं, जो बदले में हाइड्रोजन के स्रोत हैं। कार्बोहाइड्रेट, जिन्हें शर्करा भी कहा जाता है, वे अणु होते हैं जिनमें कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन होते हैं। ग्लूकोज की रासायनिक संरचना, सरल शर्करा जो आपकी कोशिकाएं ऊर्जा को चयापचय करने के लिए उपयोग करती हैं, में कार्बन के छह परमाणु, हाइड्रोजन के बारह परमाणु और ऑक्सीजन के छह परमाणु होते हैं।

मांस, मुर्गी, मछली, डेयरी और फलियाँ अमीनो एसिड से बने प्रोटीन हैं जो हाइड्रोजन के स्रोत हैं। अमीनो एसिड की रासायनिक संरचना भिन्न हो सकती है, लेकिन सभी अमीनो एसिड में कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन और नाइट्रोजन होते हैं। वसा, जिसे लिपिड भी कहा जाता है, कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से बने मैक्रो-पोषक तत्व हैं।

खाद्य श्रृंखला में हाइड्रोजन की भूमिका पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है, फिर भी यह हमारे भोजन का एक आवश्यक घटक है, जैसा कि मूल हाइड्रोजन शोधकर्ता पैट्रिक फ़्लैनागन कहते हैं। जब हम एक स्वस्थ व्यक्ति द्वारा हाइड्रोजन को साँस में लेने और पीने की गतिशीलता को देखते हैं, तो हम पाते हैं कि गैस के रूप में हाइड्रोजन प्रदान करना, एक हद तक, उस हाइड्रोजन का विकल्प है जिसे शरीर को पाचन के दौरान भोजन से निकालना पड़ता है।

लोगों को हाइड्रोजन से पोषित और पोषित होने की उम्मीद करनी चाहिए। एक साठ वर्षीय व्यक्ति नींव खोद रहा है (बहुत से युवा सहायकों के साथ) जो पूरे दिन काम कर रहे हैं, उनमें से सर्वश्रेष्ठ के साथ काम कर सकता है। यह बूढ़ा युवक दिन में केवल एक बार भोजन करता था, लेकिन दो घंटे हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को अंदर लेता था और हाइड्रोजन पानी पीता था।

यह कहानी जीवन विस्तार में महत्वपूर्ण है क्योंकि कम ही अधिक है, कैलोरी सेवन को सीमित करने से अध्ययन की गई प्रत्येक प्रजाति में जीवनकाल बढ़ता है। मोटे तौर पर नियम के अनुसार कैलोरी सेवन को 30% तक सीमित किया जाता है और जीवनकाल में 30% तक की वृद्धि देखी जाती है। जितना अधिक हम हाइड्रोजन पर चलते हैं, जो उन स्रोतों से आता है जिन्हें इंसुलिन की आवश्यकता नहीं होती है, हाइड्रोजन का एंटी-एजिंग प्रभाव उतना ही अधिक होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि NAD+ का स्तर उम्र के साथ कम होता जाता है लेकिन कैलोरी प्रतिबंध और व्यायाम से बढ़ जाता है।

इंसुलिन का काम शरीर को भोजन के सेवन के प्रति प्रतिक्रिया करने के लिए प्रेरित करना है। स्टॉक डिलीवरी प्राप्त करने वाले गोदाम पर्यवेक्षक की तरह, रक्त में छोड़ा जाने वाला हार्मोन कई प्रणालियों को जल्दी से सक्रिय करना सुनिश्चित करता है। इंसुलिन 'रिसेप्टर' इन संकेतों को शरीर के ऊतकों तक पहुंचाता है, ताकि पोषक तत्वों का उपयोग आवश्यकतानुसार किया जा सके या वसा के रूप में संग्रहीत किया जा सके।

कैलोरी प्रतिबंध इंसुलिन सिग्नलिंग मार्गों (IGF-I और इंसुलिन दोनों के माध्यम से) में कमी लाता है। इंसुलिन सिग्नलिंग में यह कमी प्राथमिक तंत्रों में से एक है जिसके माध्यम से कैलोरी प्रतिबंध जीवनकाल बढ़ाता है।

उच्च रक्त इंसुलिन स्तर आमतौर पर उच्च रक्त ग्लूकोज स्तरों का परिणाम होता है। उच्च इंसुलिन स्तर एक उच्च "पोषण स्थिति" का संकेत देते हैं, जो कोशिका की आंतरिक अवस्थाओं को वृद्धि के स्तर में वृद्धि और मरम्मत के स्तर में कमी की ओर ले जाता है। वृद्धि में वृद्धि और मरम्मत में कमी, कोशिका के भीतर जमा होने वाले अपशिष्ट उत्पादों में वृद्धि के बराबर होती है, जिससे कोशिकीय स्तर पर उम्र बढ़ने लगती है।

हाइड्रोजन में कोई कैलोरी नहीं होती, फिर भी यह अंतरिक्ष में रॉकेट भेज सकता है। हाइड्रोजन किसी भी अन्य ईंधन की तुलना में अधिक स्वच्छ तरीके से जलता है। जब हम इस तथ्य पर गौर करते हैं कि भोजन हमारा ईंधन है और हाइड्रोजन सबसे आसान और स्वच्छ ईंधन है, तो हम समझने लगते हैं कि हाइड्रोजन इतनी कारगर दवा क्यों है और यह हमारे जीवन को कैसे बढ़ाएगी।

मधुमेह।

कैलोरी प्रतिबंध और हमारे शरीर पर इसके शक्तिशाली सकारात्मक प्रभावों के बारे में बात करना मधुमेह और कई समग्र चिकित्सकों द्वारा वर्षों से ज्ञात बातों के बारे में बात करने का सही समय है। इंग्लैंड के न्यूकैसल और ग्लासगो में, डॉक्टरों ने एक नए अध्ययन की रिपोर्ट दी है जिसमें पाया गया है कि लगभग आधे रोगियों ने ‘‘वाटरशेड’’ परीक्षण में टाइप 2 मधुमेह को उलट दिया है।

अध्ययन में, लोगों ने वजन घटाने के लिए सूप और शेक जैसे कम कैलोरी वाले आहार पर पाँच महीने तक बिताया। उदाहरण के लिए, 65 वर्षीय इसोबेल का वजन 95 किलो था, 25 किलो वजन कम हुआ और अब उसे मधुमेह की गोलियों की ज़रूरत नहीं थी। वह कहती है: "मुझे अपना जीवन वापस मिल गया है।" इसोबेल अध्ययन किए गए 298 लोगों में से एक थी। उसका रक्त शर्करा स्तर बहुत अधिक था। हर बार जब वह डॉक्टरों के पास जाती थी, तो वे उसकी दवा बढ़ा देते थे। इसलिए, उसने 17 सप्ताह तक पूरी तरह से तरल आहार लिया - खाना बनाना और खरीदारी करना छोड़ दिया, दिन में चार बार तरल भोजन लिया।

परीक्षण के परिणाम, जो एक साथ द लांसेट मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुए तथा अंतर्राष्ट्रीय डायबिटीज फेडरेशन में प्रस्तुत किए गए, ने दर्शाया:

जिन रोगियों ने परीक्षण शुरू किया उनमें से 46% एक वर्ष बाद ठीक हो गए।

जिन लोगों ने 15 किग्रा (2 स्टोन 5 पाउंड) या इससे अधिक वजन कम किया, उनमें से 86% लोगों में टाइप 2 मधुमेह की बीमारी ठीक हो गई।

वर्तमान में प्रयुक्त सर्वोत्तम उपचारों से केवल 4% मामलों में ही सुधार हुआ।

न्यूकैसल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रॉय टेलर ने बीबीसी को बताया, "इस कार्य को शुरू करने से पहले, डॉक्टर और विशेषज्ञ टाइप 2 को अपरिवर्तनीय मानते थे।"

इस बात के प्रमाण हैं कि आणविक हाइड्रोजन मधुमेह से उबरने की प्रक्रिया को आसान बनाता है। पशुओं पर किए गए अध्ययनों में हाइड्रोजन यकृत FGF21 को प्रेरित करके और ऊर्जा चयापचय को उत्तेजित करके मोटापे और मधुमेह में सुधार करता है।[76] हाइड्रोजन युक्त पानी के पूरक से टाइप 2 मधुमेह या खराब ग्लूकोज सहनशीलता वाले रोगियों में लिपिड और ग्लूकोज चयापचय में सुधार होता है।[77]

हाइड्रोजन समृद्ध जल:

- यकृत में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है और यकृत वसा को कम करता है।
- शरीर के वजन में वृद्धि को रोकता है और रक्त शर्करा और ट्राइग्लिसराइड के स्तर को कम करता है।
- आहार प्रतिबंध के समान प्रभाव दिखाता है।
- यकृत में FGF21 (एक प्रोटीन जो ऊर्जा व्यय को नियंत्रित करता है, अधिक खाने से होने वाले मोटापे से बचाता है, तथा रक्त शर्करा और ट्राइग्लिसराइड के स्तर को कम करता है) के स्तर को बढ़ाता है।
- ऊर्जा चयापचय को उत्तेजित करता है.

वैज्ञानिकों को यह समझने में कठिनाई हो रही थी कि हाइड्रोजन युक्त पानी में थोड़ी मात्रा में हाइड्रोजन का सेवन करने से इतने महत्वपूर्ण नैदानिक प्रभाव कैसे हो सकते हैं। एक अध्ययन से पता चला है कि हाइड्रोजन ग्लाइकोजन अणुओं से जुड़कर लीवर में जमा और सुरक्षित रहता है।

शरीर के अंग और मांसपेशियाँ ईंधन के रूप में ग्लूकोज का उपयोग करते हैं। कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा को उपयोग में लाने के लिए ग्लूकोज में परिवर्तित करने की आवश्यकता होती है। ग्लाइकोजन मांसपेशियों और यकृत दोनों में संग्रहीत ग्लूकोज है। यकृत से, ग्लाइकोजन को आवश्यकता पड़ने पर अंगों और मांसपेशियों को ऊर्जा के रूप में छोड़ा जाता है। हाइड्रोजन युक्त पानी के माध्यम से सेवन किए जाने के बाद H2 यकृत ग्लाइकोजन भंडार में जमा हो जाता है।

H2 एक एंटीऑक्सीडेंट और सूजन रोधी के रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध है जबशरीर के लिए आवश्यक है।

जब शरीर के किसी अंग को ग्लूकोज की आवश्यकता होती है, तो उस अंग या मांसपेशी को H2 भी मिल रहा होता है। इसलिए, शरीर के एंटीऑक्सीडेंट तंत्र में सुधार होता है, जिससे मुक्त कणों से होने वाली क्षति कम होती है। चूंकि मुक्त कणों से होने वाली क्षति मधुमेह के विकास में योगदान करती है, इसलिए एंटीऑक्सीडेंट कार्यों में वृद्धि मधुमेह के विकास को बाधित करती है। H2 पानी प्राप्त करने वाले चूहों में मुक्त कणों से होने वाली क्षति को इंगित करने वाले अणुओं का स्तर कम था; H2 उपचारित चूहों में इन अणुओं का स्तर लगभग गैर-मधुमेह चूहों के समान था।

जानवरों पर किए गए अध्ययनों में एच2 के चमड़े के नीचे इंजेक्शन का भी इस्तेमाल किया गया और "माउस मॉडल में टाइप 2 डायबिटीज़ और डायबिटिक नेफ्रोपैथी से जुड़े परिणामों में उल्लेखनीय सुधार हुआ। एच2 उपचारित चूहों के शरीर का वजन पूरे प्रयोग के दौरान नहीं बदला। अनुपचारित नियंत्रण जानवरों की तुलना में, उपचारित चूहों में ग्लूकोज, इंसुलिन, कम घनत्व वाले लिपोप्रोटीन और ट्राइग्लिसराइड का स्तर सीरम में काफी कम था, जबकि सीरम में उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल का स्तर काफी अधिक था। एच2 उपचारित चूहों में ग्लूकोज सहनशीलता और इंसुलिन संवेदनशीलता दोनों में सुधार हुआ। मधुमेह नेफ्रोपैथी विश्लेषण ने मूत्र की मात्रा, मूत्र में कुल प्रोटीन और β2- माइक्रोग्लोब्युलिन, किडनी/शरीर के वजन के अनुपात और एच2 के चमड़े के नीचे इंजेक्शन से जुड़ी किडनी फाइब्रोसिस में महत्वपूर्ण कमी दिखाई।"[78]

मधुमेह एक सूजन संबंधी बीमारी है जो तनाव, रासायनिक और भारी धातु विषाक्तता, विकिरण जोखिम, मैग्नीशियम, आयोडीन और बाइकार्बोनेट की कमी और अत्यधिक कार्बोहाइड्रेट सेवन पर केंद्रित पोषण असंतुलन सहित कई कारकों के संयोजन के कारण होती है जो सभी मिलकर धीमी गति से सेलुलर हाउस को जलाते हैं। चीनी की अधिकता और निर्जलीकरण शरीर में सूजन पैदा करते हैं। इससे लोगों को कैंसर सहित बड़ी बीमारियों का सामना करने की लंबी प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

"संभावित एलर्जी वाले पदार्थों के संपर्क में आने से पहले और बाद में रक्त शर्करा के स्तर, इंसुलिन उत्पादन, एसिड-बेस संतुलन और अग्नाशय बाइकार्बोनेट और एंजाइम उत्पादन की निगरानी से पता चलता है कि

डॉ. विलियम फिलपोट और डॉ. ड्वाइट और डॉ. के. कलिता ने अपनी पुस्तक ब्रेन एलर्जीज़ में लिखा है कि अग्न्याशय विभिन्न तनावों के कारण बाधित कार्य विकसित करने वाला पहला अंग है।

डॉ. लिसा लैंडीमोर-लिम ने अपनी पुस्तक पॉइज़नस प्रिस्क्रिप्शन्स में बताया हैआज के समय में बिना सोचे-समझे लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कितनी ही दवाएँ खराब ग्लूकोज़ नियंत्रण और मधुमेह की शुरुआत में शामिल हैं। आर्सेनिक, पारा और यहाँ तक कि फ्लोराइड जैसी भारी धातुओं से प्रायोगिक जानवरों में मधुमेह को भड़काना आसान है। लोगों को कीटनाशकों, शाकनाशियों, परिरक्षकों, खाद्य योजकों और पारा से भरे खाद्य पदार्थों से जहर दिया जा रहा है, बस कुछ ऐसे जहरों का उल्लेख करने के लिए जो पृथ्वी पर सभी को परेशान करते हैं।

मधुमेह रोगियों के लिए मैग्नीशियम आवश्यक है।

इंसुलिन प्रतिरोध को उलटना मधुमेह और हृदय रोग को उलटने का पहला कदम है। कम सीरम और इंट्रासेल्युलर मैग्नीशियम सांद्रता इंसुलिन प्रतिरोध, बिगड़ा हुआ ग्लूकोज सहनशीलता और कम इंसुलिन स्राव से जुड़ी होती है। मैग्नीशियम इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करता है, इस प्रकार इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है। मैग्नीशियम और इंसुलिन को एक दूसरे की आवश्यकता होती है। मैग्नीशियम के बिना, हमारा अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन स्रावित नहीं करेगा - या जो इंसुलिन स्रावित करता है वह हमारे रक्त शर्करा को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त कुशल नहीं होगा।

जर्नल क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक ब्राजीलियाई अध्ययन में पाया गया कि मैग्नीशियम का कम स्तर टाइप 2 मधुमेह के लक्षणों को और खराब कर देता है, जिसके परिणामस्वरूप इंसुलिन का स्तर कम हो जाता है और रक्त शर्करा बढ़ जाता है। मधुमेह रोगी की रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने की क्षमता सीधे उनके मैग्नीशियम के स्तर से जुड़ी होती है। यह खनिज इंसुलिन रिसेप्टर कोशिकाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इंसुलिन प्रतिरोध और मैग्नीशियम की कमी के कारण इंसुलिन प्रतिरोध और बिगड़ने का दुष्चक्र शुरू हो गया और अंतःकोशिकीय मैग्नीशियम में कमी आ गई। मैग्नीशियम कार्बोहाइड्रेट चयापचय में शामिल एंजाइमों के लिए एक आवश्यक सह-कारक है, इसलिए मैग्नीशियम के स्तर को खतरे में डालने वाली कोई भी चीज समग्र चयापचय को खतरे में डालती है।

अमेरिका की 68% से ज़्यादा आबादी में मैग्नीशियम की कमी है। टाइप 2 डायबिटीज़ वाले 80% लोग कम मैग्नीशियम वाले होते हैं क्योंकि वे अनियंत्रित रक्त शर्करा के स्तर के कारण दूसरों की तुलना में ज़्यादा मैग्नीशियम बर्बाद करते हैं। ये अनुमान समस्या को कम करके आंकते हैं क्योंकि मैग्नीशियम को मापने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले परीक्षण इस महत्वपूर्ण खनिज के रक्त स्तर पर होते हैं, न कि सेलुलर स्तर पर। मधुमेह वाले लोग उच्च और उतार-चढ़ाव वाले रक्त शर्करा से अधिक पेशाब के कारण अधिक मैग्नीशियम बर्बाद करते हैं, इसलिए उन्हें लगातार अपने मैग्नीशियम भंडार को फिर से भरने की ज़रूरत होती है।

एडेला हर्बी के नेतृत्व में किए गए टफ्ट्स अध्ययन में पाया गया कि सबसे अधिक मैग्नीशियम का सेवन करने वाले स्वस्थ लोगों में उच्च रक्त शर्करा या अत्यधिक परिसंचारी इंसुलिन विकसित होने की संभावना 37% कम थी, जो मधुमेह के सामान्य अग्रदूत हैं। जिन लोगों में पहले से ही ये स्थितियाँ थीं, उनमें से जिन लोगों ने सबसे अधिक मैग्नीशियम का सेवन किया, उनमें मधुमेह विकसित होने की संभावना सबसे कम सेवन करने वालों की तुलना में 32% कम थी।

मधुमेह और सोडियम बाइकार्बोनेट.

थाईलैंड के परहत्सथिड नपातालुंग लिखते हैं, "अग्न्याशय को नुकसान पहुंचता हैअगर शरीर चयापचय रूप से अम्लीय है। जैसे-जैसे यह बाइकार्बोनेट को बनाए रखने की कोशिश करता है, इंसुलिन एक समस्या बन जाता है, और इसलिए मधुमेह एक मुद्दा बन जाता है। बाइकार्बोनेट बफर के बिना, बीमारी दूरगामी होती है क्योंकि शरीर अम्लीय हो जाता है।

अग्न्याशय एक लंबी, संकरी ग्रंथि है जो तिल्ली से ग्रहणी के मध्य तक फैली होती है। इसके तीन मुख्य कार्य हैं। सबसे पहले, यह पाचन रस प्रदान करता है, जिसमें क्षारीय घोल में अग्नाशयी एंजाइम होते हैं जो छोटी आंतों में पाचन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सही परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं। दूसरा, अग्न्याशय इंसुलिन का उत्पादन करता है, जो चयापचय और अन्य कार्बोहाइड्रेट द्वारा रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है। तीसरा, यह पेट से एसिड को बेअसर करने के लिए बाइकार्बोनेट का उत्पादन करता है जो अग्नाशयी एंजाइमों को प्रभावी होने के लिए सही वातावरण प्रदान करता है।

एलर्जी की शुरुआत शरीर द्वारा किसी विशेष एंजाइम का उत्पादन करने में असमर्थता या पाचन प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से काम करने के लिए पर्याप्त एंजाइम का उत्पादन करने में असमर्थता से होती है। इसके साथ ही पर्याप्त मात्रा में एंजाइम का उत्पादन करने में असमर्थता भी होती है

बाइकार्बोनेट अग्नाशयी एंजाइमों के सही ढंग से काम करने के लिए आवश्यक है। जब ऐसा होता है, तो अपचित प्रोटीन रक्तप्रवाह में प्रवेश करते हैं जिससे अधिक एलर्जी प्रतिक्रियाएँ होती हैं। सूजन एक ऐसी ही स्थिति है; यह प्रणालीगत है लेकिन अग्नाशय पर ध्यान केंद्रित कर सकती है, जिससे बाइकार्बोनेट उत्पादन, इंसुलिन और आवश्यक एंजाइमों में कमी आ सकती है।[79]

बाइकार्बोनेट आयन रक्त और शरीर के अन्य तरल पदार्थों में सही अम्लता (पीएच) बनाए रखने के लिए बफर के रूप में कार्य करता है। रक्त और शरीर के तरल पदार्थों की अम्लता की निगरानी के लिए बाइकार्बोनेट के स्तर को मापा जाता है। अम्लता हमारे द्वारा खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों या दवाओं और गुर्दे और फेफड़ों के कार्य से प्रभावित होती है। अधिकांश प्रयोगशाला रिपोर्टों पर बाइकार्बोनेट के लिए रासायनिक संकेतन HCO3- या कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) की सांद्रता के रूप में दर्शाया जाता है।

बाइकार्बोनेट के लिए सामान्य सीरम रेंज 22-30 mmol/L है। बाइकार्बोनेटपरीक्षण आमतौर पर अन्य रक्त इलेक्ट्रोलाइट्स के परीक्षणों के साथ किया जाता है। सामान्य बाइकार्बोनेट स्तरों में व्यवधान श्वसन क्रिया में बाधा डालने वाली बीमारियों, गुर्दे की बीमारियों, चयापचय स्थितियों और विफल अग्न्याशय के कारण हो सकता है। अग्न्याशय, पीएच नियंत्रण के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार अंग है,[80]जब सामान्य pH अम्लीय हो जाता है तो यह सबसे पहले प्रभावित होने वाले अंगों में से एक है।

गंभीर चिकित्सात्वचा के लिए.

उबलती हुई चाय पीने के बाद एक महिला का पेट जल गया। उसे बिस्तर पर बैठे-बैठे एक गर्म कप चाय दी गई। उसने अपने हाथों पर लोशन लगाया था और उसे एहसास नहीं हुआ कि वे फिसलन भरे थे। यह बहुत दर्दनाक था, और वह बहुत चिंतित थी क्योंकि यह जगह बहुत बड़ी थी और इसमें दर्द था। उसने कहा कि यह पहले तो बहुत बुरा नहीं था, लेकिन समय बीतने के साथ बहुत दर्दनाक हो गया। उसने प्रभावित क्षेत्र पर हाइड्रोजन पानी लगाया:

30 मिनट बाद। लाली पूरी तरह से गायब हो गई थी, और दर्द कम हो रहा था, और उसने कहा कि जब उसकी शर्ट उस पर रगड़ती थी तो उसे "रोएंदार" महसूस होता था। यह उस रात 11:00 बजे की बात थी। वह बिना किसी परेशानी के सो पाई। अगली सुबह, उसे बिल्कुल भी दर्द नहीं हुआ।

सनबर्न और हाइड्रोजन:

एक बार मैं पूरे दिन धूप में रहा और मेरे चेहरे, गर्दन और कंधों के पास गर्दन के आस-पास के क्षेत्र में सनबर्न हो गया। मेरे पास 4 औंस की स्प्रे बोतल है जिसमें मैंने 5 मिनट के लिए H2 डाला और फिर 30 मिनट में कई बार उस क्षेत्र पर स्प्रे किया। परिणाम आश्चर्यजनक थे, क्योंकि दर्द तेजी से कम हो गया। घटना के कई दिनों बाद, यहाँ प्रयोग का परिणाम है:

H2 युक्त जल:

- दर्द और परेशानी तेजी से दूर हो गई।
- जब आप त्वचा को सतह पर रगड़ते हैं तो दर्द कम हो जाता है।
- यदि आप त्वचा को आपस में दबाते हैं तो दर्द कम नहीं होता (गहरी क्षति?)।
- लालिमा/रंग कम नहीं हुआ.
- त्वचा को नरम किया।
- मेरी त्वचा नहीं छिली - एक महीन परत के अलावा - बड़े धब्बों में सामान्य त्वचा का छिलना नहीं।
- त्वचा का रंग अब सामान्य भूरा रंग है।
- झुर्रियाँ दूर हो रही हैं!

सुन्दर युवा त्वचा के लिए हाइड्रोजन.



प्रसिद्ध त्वचा विशेषज्ञ डॉ. निकोलस पेरिकोन का मानना है कि हाइड्रोजन का उपयोग झुर्रियों से लड़ने का एक अधिक प्रभावी तरीका है। जर्नल ऑफ़ फोटोकेमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी में हाल ही में प्रकाशित एक जापानी अध्ययन ने स्थानीय लोगों द्वारा वर्षों से प्रचारित की जा रही बातों की पुष्टि की है। उन्होंने पाया कि तीन महीने तक हर दिन हाइड्रोजन पानी में नहाने से गर्दन की झुर्रियाँ कम हो सकती हैं। इसी तरह, यूवी-क्षतिग्रस्त मानव फाइब्रोब्लास्ट (आपकी त्वचा में कोलेजन का उत्पादन करने के लिए जिम्मेदार कोशिका) के एक नियंत्रण समूह को 72 घंटे तक हाइड्रोजन पानी में भिगोने के बाद कोलेजन उत्पादन दोगुना दिखाया गया।

आणविक हाइड्रोजन में एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो आपके शरीर से मुक्त कणों को हटाने में मदद करते हैं जो समय से पहले त्वचा की उम्र बढ़ने का कारण बनते हैं। महिलाएं और सौंदर्य विशेषज्ञ हाइड्रोजन पर कूद रहे हैं

बैंडवागन क्योंकि वे हाइड्रोजन प्रशासन के सौंदर्यीकरण प्रभाव देख सकते हैं।

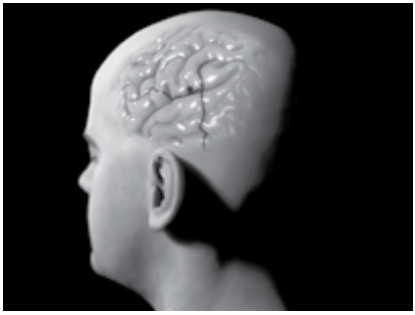
हम अक्सर भूल जाते हैं कि त्वचा मानव अंगों में सबसे बड़ी और सबसे महत्वपूर्ण है। अगर हम त्वचा पर हाइड्रोजन की क्रिया देख सकते हैं, तो हम वैज्ञानिक अध्ययनों के बिना भी कल्पना कर सकते हैं कि इसका आंतरिक अंगों पर भी ऐसा ही प्रभाव पड़ता है और वे कैसे बूढ़े होते हैं।

जल एक हाइड्रोजन समृद्ध पदार्थ है।

हमारे शरीर की सभी कोशिकाओं को काम करने और स्वस्थ रहने के लिए पानी की ज़रूरत होती है। अगर आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, तो आपकी कोशिकाएँ निर्जलीकरण से पीड़ित होंगी। इसलिए हाइड्रोजन युक्त पानी पीना, जो नियमित पानी से बेहतर हाइड्रेट करता है, आपकी त्वचा को नमीयुक्त और जवां बनाए रखेगा।

जब हाइड्रोजन गैस के बारे में सोचा जाता है, चाहे वह साँस के ज़रिए अंदर ली गई हो या पानी में घुली हो, तो पानी के बारे में सोचना ज़रूरी है, जो कि स्पष्ट रूप से हाइड्रोजन से भरपूर पदार्थ है। जब आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, तो आपकी त्वचा में सूखापन, कसाव और परतदारपन दिखाई देगा, क्योंकि आप पर्याप्त हाइड्रोजन नहीं देते हैं। आपकी त्वचा पर जितनी कम नमी होगी, उतनी ही यह झुर्रियों और उम्र के प्रति संवेदनशील होगी।

रोकथाम और उपचारहाइड्रोजन और मैग्नीशियम के साथ स्ट्रोक.



डॉ. मैथियास राथ का मानना है कि दिल के दौरे और स्ट्रोक असल में बीमारियाँ नहीं हैं, बल्कि पोषण संबंधी कमियों का नतीजा हैं। "दिल की बीमारी इस बात से नहीं होती कि आप क्या खाते हैं, बल्कि इस बात से होती है कि आप क्या नहीं खाते।"[81] हम चाहे जो भी मानें या समझें, दर्दनाक मस्तिष्क की चोट (टीबीआई) और मस्तिष्क संबंधी संवहनी घटनाएं आमतौर पर विनाशकारी होती हैं, फिर भी क्योंकि मुख्यधारा में बहुत कम लोग डॉ. राथ की बात सुनते हैं, हृदय रोग और स्ट्रोक लोगों को अत्यधिक संख्या में मार रहे हैं। कोविड के दौर में, वायरस और उनके लिए टीकों को लेकर बहुत अधिक उन्माद के कारण बहुत कम लोग इस पर ध्यान देते हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल 795,000 लोग स्ट्रोक से पीड़ित होते हैं, जिनमें से 610,000 लोग पहले दौर से गुज़रते हैं। अनुमान है कि 20 वर्ष की आयु के 7.2 मिलियन अमेरिकी स्ट्रोक से पीड़ित हैं।

या उससे ज़्यादा लोग स्ट्रोक का इतिहास बताते हैं। इस्केमिक स्ट्रोक दुनिया में मृत्यु दर के सबसे आम स्रोतों में से एक है।

शोधकर्ताओं ने इस्केमिक स्ट्रोक के उपचार के लिए पूरक चिकित्सा खोजने की कोशिश की है ताकि इसके पूर्वानुमान में सुधार हो और रिपरफ्यूजन उपचार के लिए चिकित्सीय खिड़की का विस्तार हो। चिकित्सा की मुख्यधारा में रोगियों में मस्तिष्क क्षति और समग्र परिणाम को कम करने के लिए कुछ उपचार सिद्ध हुए हैं। लेकिन अगर लोग डॉ. रैथ की बात सुनें और हाइड्रोजन गैस और मैग्नीशियम की उच्च खुराक पर शोध करें तो यह बदल जाएगा।

यह अध्याय दो न्यूरोप्रोटेक्टिव एजेंटों के बारे में है, जिन्हें एक साथ लाने पर स्ट्रोक की रोकथाम और उनके उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। एक आदर्श न्यूरो-प्रोटेक्टेंट गैर-विषाक्त, आसानी से प्रशासित, रक्त-मस्तिष्क अवरोध (बीबीबी) में पारगम्य होगा, और रोकथाम सहित सभी चोट चरणों में सुरक्षा प्रदान करेगा। हाइड्रोजन गैस बिल के लिए उपयुक्त है।

स्ट्रोक रोगियों के लिए हाइड्रोजन गैस आवश्यक है।

हर डॉक्टर और मरीज को पता होना चाहिए कि हाइड्रोजन में सफल न्यूरोप्रोटेक्टेंट के लिए ज़रूरी कई विशेषताएँ हैं: यह व्यापक रूप से उपलब्ध है, इसका उत्पादन आसान है, लिपिड झिल्लियों के माध्यम से तेज़ी से फैलता है, निष्क्रिय है और प्रशासित करने के लिए सुरक्षित है, और केवल सबसे आक्रामक ROS के साथ प्रतिक्रिया करता है। साथ ही, यह एपोप्टोसिस और कोशिका मृत्यु की ओर ले जाने वाले कई पैथोफिज़ियोलॉजिकल मार्गों की मध्यस्थता करता है।

हाइड्रोजन गैस हाइड्रॉक्सिल मुक्त मूलक और पेरोक्सीनाइट्राइट आयनों को खत्म करती है और इस्केमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में एक चिकित्सीय प्रभाव पैदा करती है। इसके एंटी-ऑक्सीडेटिव, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-एपोप्टोटिक प्रभावों को दर्शाते हुए कई अध्ययन प्रकाशित हुए हैं।

कई प्रयोगात्मक साक्ष्य संकेत देते हैं कि स्ट्रोक क्षति के सभी रूपों में, मुक्त कणों का निर्माण बढ़ गया था, जिससे पोषण संबंधी ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा हुआ। इस्केमिया के दौरान कई मुक्त कण उत्पादन तंत्र होते हैं, जिनमें इंट्रासेल्युलर कैल्शियम अधिभार, माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन, एनएमडीएआर-मध्यस्थ एक्साइटोटॉक्सिसिटी और शामिल हैं।

प्रेरित नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेस की रिहाई। अत्यधिक मुक्त कण, जैसे कि ROS और हाइड्रॉक्सिल रेडिकल, सेलुलर मैक्रोमोलेक्यूल्स को नुकसान पहुंचा सकते हैं और सिग्नलिंग मार्गों को प्रभावित करके कोशिकाओं के ऑटोफैगी, एपोप्टोसिस और नेक्रोसिस का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा, मुक्त कण डीएनए क्षति और सेलुलर उम्र बढ़ने का कारण भी बनते हैं।

स्ट्रोक के रोगियों में हाइड्रोजन की सफलता की कुंजी स्ट्रोक के बाद मस्तिष्क क्षति के सबसे महत्वपूर्ण रोग तंत्र के रूप में मुक्त कणों को कम करना है। हानिकारक मुक्त कणों के स्तर को कम करें, और हम मस्तिष्क क्षति को कम करते हैं। यह पर्याप्त रूप से उजागर नहीं किया जा सकता है कि हाइड्रोजन गैस थेरेपी विशेष रूप से हाइड्रॉक्सिल रेडिकल्स को लक्षित करती है, जिन्हें मुक्त कण श्रृंखला प्रतिक्रियाओं के लिए मुख्य ट्रिगर माना जाता है। एक अध्ययन ने यह भी दिखाया कि हाइड्रोजन आई ड्रॉप्स ने रेटिना के इस्केमिया/रिपर्फ्यूजन में हाइड्रॉक्सिल रेडिकल्स को सीधे कम कर दिया।[82]हाइड्रोजन 8-हाइड्रॉक्सी को भी कम कर सकता है-डीऑक्सीगुआनिन, डीएनए ऑक्सीकरण को कम करता है।

सेरेब्रल इस्केमिया वाले 25 रोगियों के एक नैदानिक परीक्षण में, 3% हाइड्रोजन को सात दिनों तक प्रतिदिन दो बार एक घंटे के लिए साँस द्वारा प्रशासित किया गया था। हाइड्रोजन की सांद्रता 20 मिनट में एक पठार पर पहुँच गई; फिर धमनी और शिरापरक रक्त में प्रशासन बंद होने के 6-18 मिनट बाद यह घटकर 10% हो गई। निष्कर्ष: सेलुलर, पशु और मानव अध्ययनों से बढ़ते सबूत बताते हैं कि हाइड्रोजन को पुनर्संवहन के दौरान न्यूरोप्रोटेक्टर के रूप में सुरक्षित रूप से प्रशासित किया जा सकता है।

स्ट्रोक के मरीजों के लिए हाइड्रोजन का इस्तेमाल केंद्र में आने का समय आ गया है। इंजेक्शन, मैग्नीशियम के IV ड्रिप और मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट युक्त पानीभी आह्वान किया जाएगा।

स्ट्रोक की रोकथाम और उपचार के लिए मैग्नीशियम।

मैग्नीशियम की कमी से चयापचय संबंधी परिवर्तन हो सकते हैं, जो हृदयाघात और स्ट्रोक का कारण बन सकते हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान

जब पानी में मैग्नीशियम मौजूद होता है, तो जीवन और स्वास्थ्य बेहतर होता है। मैग्नीशियम युक्त पानी पीने का एक मुख्य लाभ बच्चों में भी हृदय रोग और स्ट्रोक को रोकना है। डॉ. जेरी एल. नैडलर हमें बताते हैं कि मैग्नीशियम रक्त वाहिकाओं को सिकुड़ने से रोकता है, इस प्रकार रक्तचाप में वृद्धि, स्ट्रोक और दिल के दौरे को रोकता है। मैग्नीशियम थ्रोम्बोक्सेन के स्राव को रोकता है, एक ऐसा पदार्थ जो रक्त प्लेटलेट्स को चिपचिपा बनाता है।"

वेल्स में 2,182 पुरुषों पर दस साल तक किए गए अध्ययन में पाया गया कि मैग्नीशियम-कम आहार लेने वालों में दिल के दौरे से अचानक मृत्यु का जोखिम 50 प्रतिशत अधिक था, जबकि मैग्नीशियम एक तिहाई अधिक खाने वालों में नहीं था। उच्च मैग्नीशियम उपभोक्ताओं में गैर-घातक दिल के दौरे, स्ट्रोक, एनजाइना (सीने में दर्द), या दिल की सर्जरी जैसी कोई भी हृदय संबंधी घटना होने की संभावना केवल आधी थी।[83]

जर्नल ऑफ द अमेरिकन कॉलेज ऑफ न्यूट्रिशन के 2006 के अंक में एक लेख प्रकाशित हुआ था जिसमें दिखाया गया था कि मैग्नीशियम की खपत कम होने पर सी-रिएक्टिव प्रोटीन का स्तर बढ़ जाता है। लीवर सी-रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) का उत्पादन करता है। यह हृदय संबंधी बीमारियों, जैसे दिल के दौरे और स्ट्रोक की नैदानिक घटनाओं का एक मजबूत भविष्यवक्ता बनकर उभरा है, यहां तक कि उन मामलों में भी जहां कोलेस्ट्रॉल के स्तर की उम्मीद की जा सकती है।

मैग्नीशियम और स्ट्रोक.

मेरे अभ्यास में, स्ट्रोक के प्रारंभिक चरण में मैग्नीशियम के उपयोग से सर्वोत्तम परिणाम मिले हैं।

डॉ. अल पिंटो

स्ट्रोक का सबसे प्रभावी उपचार पहले कुछ घंटों के भीतर दिया जाता हैस्ट्रोक होने के बाद। जब मैग्नीशियम उपचार शुरू होने के 24 घंटे के भीतर शुरू किया जाता है, तो हम 30 दिनों के बाद रोगियों में नियंत्रण की तुलना में बेहतर कार्यात्मक परिणाम की ओर रुझान देखते हैं।

एक दशक से भी पहले, लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में, हमने FAST-MAG परीक्षण किया था, जिसमें एम्बुलेंस कर्मियों को मैग्नीशियम इंजेक्शन लगाया गया था।

स्ट्रोक पीड़ितों के पहुंचने पर तुरंत सहायता प्रदान की जाती है। स्ट्रोक के क्षेत्र प्रशासनथेरेपी (फास्ट-मैग परीक्षण) एक एनआईएच-एनआईएनडीएस-प्रायोजित अध्ययन था जिसका लक्ष्य तीव्र स्ट्रोक वाले रोगियों के दीर्घकालिक कार्यात्मक परिणाम में सुधार करने में क्षेत्र-प्रारंभिक मैग्नीशियम की प्रभावशीलता और सुरक्षा का मूल्यांकन करना था।

फास्ट-मैग परीक्षण में उपचार में लगने वाले विलंब के महत्वपूर्ण कारक पर ध्यान दिया गया है, जिसने न्यूरोप्रोटेक्टिव दवाओं के सभी पिछले मानव नैदानिक परीक्षणों में बाधा उत्पन्न की है।[84]FAST-MAG पायलट ट्रायल ने प्रदर्शित किया कि तीव्र स्ट्रोक में मैग्नीशियम की फील्ड शुरूआत संभव, सुरक्षित और संभावित रूप से उत्पादक है। मूल डिजाइन स्ट्रोक की शुरुआत के 1-2 घंटे के भीतर मैग्नीशियम का इंजेक्शन लगाना था, जब न्यूरोप्रोटेक्टिव तीव्र स्ट्रोक थेरेपी के लाभ महत्वपूर्ण होते हैं।

एम्बुलेंस के माध्यम से फील्ड डिलीवरी का उपयोग करके, चिकित्सा वैज्ञानिकों ने 0-2 घंटे की अवधि में किया गया पहला न्यूरोप्रोटेक्टिव अध्ययन किया। अधिकांश स्ट्रोक रोगियों को आमतौर पर इन संक्षिप्त अवधियों के भीतर उपचार नहीं मिलता है। मरीज आमतौर पर बहुत देर से अस्पताल पहुंचते हैं, जिसके भयानक परिणाम होते हैं। अगर एम्बुलेंस में हाइड्रोजन गैस मशीनें होतीं, तो हम अधिकतम परिणाम प्राप्त कर सकते थे।

शोधकर्ताओं का मानना है कि मैग्नीशियम उस रासायनिक प्रक्रिया को धीमा कर देता है जो जानलेवा हो सकती है।अनुपचारित स्ट्रोक के दौरान प्रति मिनट 12 मिलियन मस्तिष्क कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं, जिससे दीर्घकालिक विकलांगता और मृत्यु हो जाती है। परिणाम के लिए हर पल महत्वपूर्ण है। कम से कम नौ प्री-क्लीनिकल अध्ययनों ने पशु फोकल इस्केमिक स्ट्रोक मॉडल में अंतिम इंफार्क्ट आकार पर सिस्टमिक मैग्नीशियम सल्फेट के प्रभाव की जांच की है। नौ में से आठ ने उपचारित जानवरों में इंफार्क्ट आकार में पर्याप्त कमी दिखाई, जिसमें 26 से 61 प्रतिशत तक की कमी आई।

चूहों और चूहों पर किए गए प्रारंभिक अध्ययनों से पता चला है कि अगर दिया जाए उच्च सांद्रता में, मैग्नीशियम मस्तिष्क के उस क्षेत्र को कम कर सकता है जो स्ट्रोक के परिणामस्वरूप स्थायी रूप से नष्ट हो जाता है।

डॉ. जोस वेगा

डॉ. वेगा पूछते हैं, "मैग्नीशियम घायल मस्तिष्क की रक्षा कैसे करता है?" "ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की कमी (यानी, इस्केमिया) के प्रति मस्तिष्क की प्रतिक्रिया

इसमें रसायनों का स्थानीय स्राव शामिल है जो मस्तिष्क कोशिकाओं को इस्केमिया से होने वाले नुकसान से भी अधिक नुकसान पहुंचा सकता है। इन रसायनों में सबसे हानिकारक ग्लूटामेट है, जो मस्तिष्क कोशिकाओं द्वारा संचार करने के लिए अल्प मात्रा में उपयोग किया जाने वाला एक एमिनो एसिड है। हालांकि, स्ट्रोक के दौरान, ग्लूटामेट की भारी मात्रा में रिलीज मस्तिष्क कोशिकाओं के अंदर कैल्शियम की बाढ़ पैदा करती है, जिससे वे समय से पहले मर जाती हैं। मैग्नीशियम ग्लूटामेट को कोशिकाओं में कैल्शियम की बाढ़ पैदा करने से रोक सकता है, इस प्रकार उन्हें समय से पहले मरने से बचाता है।"

ब्रिघम यंग विश्वविद्यालय की डॉ. टाविया मैथर्स और डॉ. रेनेया बेकस्ट्रैंड ने 2009 में जर्नल ऑफ द अमेरिकन एकेडमी ऑफ नर्स प्रैक्टिशनर्स में प्रकाशित किया था कि मैग्नीशियम को 2010 में ध्यान देने योग्य घटक के रूप में घोषित किया गया है। मैग्नीशियम स्ट्रोक के जोखिम को कम करने में सहायक है।[85]

डॉ. सेवर और सहकर्मी[86]क्षेत्र में इस्केमिक या रक्तस्रावी स्ट्रोक में प्रारंभिक मैग्नीशियम जलसेक के न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव की जांच की गई; तीन-चौथाई इंफार्क्ट कोहोर्ट का उपचार शुरुआत के दो घंटे के भीतर और लगभग एक-तिहाई का उपचार शुरुआत के एक घंटे के भीतर किया गया। प्रारंभिक चरण (<2-घंटे के इंफार्क्ट रोगियों में से 42 प्रतिशत) में नाटकीय शुरुआती परिणाम और 90-दिवसीय वैश्विक कार्यात्मक परिणामों (सभी रोगियों में से 69 प्रतिशत और <2-घंटे के इंफार्क्ट रोगियों में से 75 प्रतिशत) में बेहतर परिणाम सामने आए।

तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक वाले मरीजों में प्रवेश के समय CSF
Mg+2 का स्तर कम होने से एक सप्ताह में मृत्यु दर
अधिक होने का पूर्वानुमान लगाया गया।[87]

स्ट्रोक के दौरान मस्तिष्क के न्यूरोनल सुरक्षा प्रदान करने के लिए किसी भी औषधीय एजेंट के लिए एक आवश्यक शर्त रक्त-मस्तिष्क बाधा को स्वतंत्र रूप से पार करने की इसकी क्षमता है। कई अध्ययनों से पता चलता है कि मैग्नीशियम जानवरों और मनुष्यों दोनों में इस बाधा को पार करता है।[88]मैग्नीशियम आयन रक्त-मस्तिष्क अवरोध को पार कर जाते हैं, जिससे अंतःशिरा मैग्नीशियम सल्फेट मस्तिष्कमेरु द्रव और मस्तिष्क बाह्यकोशिकीय द्रव को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा देता है।

डॉ. जेरी नैडलर ने कहा, "मैग्नीशियम का अधिक आहार सेवन उच्च रक्तचाप वाले पुरुषों में स्ट्रोक के कम जोखिम से जुड़े कारकों में से एक था। 40-75 वर्ष की आयु के 45,000 पुरुषों के एक सर्वेक्षण में, स्ट्रोक का समग्र जोखिम

सेवन के उच्चतम पंचमांश में पुरुषों के लिए स्ट्रोक काफी कम थापोटेशियम, मैग्नीशियम और अनाज फाइबर की मात्रा अधिक थी, लेकिन कैल्शियम की मात्रा कम थी, जबकि सेवन के मामले में पुरुषों की संख्या कम थी।"

मैग्नीशियम एक ऐसा एजेंट है जो एन-मिथाइल-डी-एस्पार्टेट (एनएमडीए) रिसेप्टर पर काम करता है और इसके साइड इफेक्ट कम होते हैं। यह क्षेत्रीय रक्त प्रवाह को बढ़ाकर, वोल्टेज-संवेदनशील कैल्शियम चैनलों का विरोध करके और एनएमडीए रिसेप्टर को अवरुद्ध करके इस्केमिक चोट को कम कर सकता है। व्यवस्थित रूप से प्रशासित मैग्नीशियम की खुराक जो शारीरिक सीरम सांद्रता को दोगुना करती है, स्ट्रोक के पशु मॉडल में इंफार्क्ट वॉल्यूम को काफी कम कर देती है। पहले से परीक्षण किए गए न्यूरोप्रोटेक्टिव एजेंटों की तुलना में शुरुआत के बाद छह घंटे तक की खिड़की और अनुकूल खुराक-प्रतिक्रिया विशेषताएँ।[89]

मधुमेह, मैग्नीशियम, बाइकार्बोनेट और हाइड्रोजन।



मेरी मधुमेह पुस्तक में मेरे अधिकांश लेखन मैग्नीशियम और बाइकार्बोनेट की आवश्यक शक्ति के इर्द-गिर्द केंद्रित थे जो मधुमेह को प्रबंधित करने और यहां तक कि ठीक करने के लिए एक साथ काम करते हैं। 2020 की शुरुआत में, 67 वर्ष की आयु में, जीवन भर चीनी खाने के बाद, मुझे उपवास के स्तर के साथ मधुमेह का पता चला।

132. सौभाग्यवश, मुझे पता था कि क्या करना है और मैंने मैग्नीशियम का सेवन बढ़ाकर दो सप्ताह में ही निदान को टाल दिया।

मैग्नीशियम सभी के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह निर्माण से जुड़ा हैइंसुलिन का आकार और प्रभाव, तथा कोशिकाओं में इंसुलिन ग्रहणशीलता। मैंने अभी-अभी अपने वफ़ल पर ढेर सारा शहद और जैम डालकर दोपहर का भोजन किया है, और मेरे रक्त परीक्षण में केवल 151 पाया गया, जो सामान्य से 20 यूनिट कम है।

BLOOD SUGAR LEVEL CHART			
	FASTING	JUST ATE	3 HOURS AFTER EATING
NORMAL	80-100	170-200	120-140
PRE-DIABETIC	101-125	190-230	140-160
DIABETIC	126+	220+300	200+

विशेष नोट:इस अध्याय के मुख्य विषय को संबोधित करने से पहले, मैं यह कहना चाहता हूँ कि हम एक असाधारण क्षण में हैं। दुनिया हिल रही है और हमारे पैरों के नीचे से फिसल रही है, और यह तनावपूर्ण है, असाधारण रूप से। लोग मर रहे हैं, आत्महत्या कर रहे हैं, उदास हो रहे हैं, अपनी आजीविका खो रहे हैं, मीडिया द्वारा झूठ बोला जा रहा है, नाटकीय जलवायु परिवर्तन (ठंड की ओर) का सामना कर रहे हैं, कई प्रणालियों के पतन का सामना कर रहे हैं, और वायरस और अब टीकों की महामारी का सामना कर रहे हैं। दवा के संदर्भ में, जो विशेष रूप से मधुमेह रोगियों के लिए लागू होता है, हमारे द्वारा पीड़ित तनाव के लिए सबसे महत्वपूर्ण मारक मैग्नीशियम है, और उसके बाद बाइकार्बोनेट। चाहे आप कुछ भी करें, अपने मैग्नीशियम का सेवन बढ़ाएँ, उपचार, पोषण देने वाले सूरज और विटामिन डी के सेवन को न भूलें।

इंसुलिन एक सामान्य विभाजक है, जीवन में एक केंद्रीय व्यक्ति है, जैसा कि मैग्नीशियम है। इंसुलिन का कार्य अतिरिक्त पोषण संसाधनों को संग्रहीत करना है। यह प्रणाली एक विकासवादी विकास है जिसका उपयोग भूख के समय में जीवित रहने के लिए प्रचुरता के समय ऊर्जा और अन्य पोषण संबंधी आवश्यकताओं को बचाने के लिए किया जाता है। हम इस बात की बहुत कम सराहना करते हैं कि इंसुलिन कोशिकाओं में शर्करा के प्रवेश को विनियमित करने के लिए जिम्मेदार है।

कम सीरम और अंतःकोशिकीय मैग्नीशियम सांद्रता इंसुलिन प्रतिरोध, खराब ग्लूकोज सहनशीलता और कम इंसुलिन स्राव से जुड़ी हुई है।[90]मैग्नीशियम इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करता है, जिससे इंसुलिन प्रतिरोध कम होता है।[91] मैग्नीशियम और इंसुलिन को एक दूसरे की ज़रूरत होती है। मैग्नीशियम के बिना, हमारा अग्न्याशय पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन स्रावित नहीं कर पाएगा - या जो इंसुलिन स्रावित होता है वह हमारे रक्त शर्करा को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त रूप से कुशल नहीं होगा।,[92]

सफ़ेद चावल, सफ़ेद चीनी, सफ़ेद ब्रेड और सफ़ेद पास्ता सफ़ेद होते हैं क्योंकि इनमें से खनिज, विटामिन और फाइबर की मात्रा खत्म हो जाती है। ये हमारे लिए ज़हरीले खाद्य पदार्थ हैं क्योंकि ये मैग्नीशियम की कमी का कारण बनते हैं। यही मैग्नीशियम की कमी मधुमेह के मामलों को महामारी के स्तर तक बढ़ा रही है।

डॉ. कैरोलिन डीन ने संकेत दिया कि मैग्नीशियम की कमी एक स्वतंत्र बीमारी है।मधुमेह के पूर्वानुमानक और मधुमेह से पीड़ित लोगों को ज़्यादातर लोगों की तुलना में ज़्यादा मैग्नीशियम की ज़रूरत होती है और वे ज़्यादा मैग्नीशियम खो देते हैं। इंसुलिन के उत्पादन, कार्य और परिवहन के लिए मैग्नीशियम ज़रूरी है।

जर्नल क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक ब्राजीलियाई शोधकर्ता की टीम के अध्ययन में पाया गया है कि मैग्नीशियम का कम स्तर टाइप 2 मधुमेह के लक्षणों को और खराब कर देता है, जिसके परिणामस्वरूप इंसुलिन का स्तर कम हो जाता है और रक्त शर्करा बढ़ जाती है। मधुमेह रोगी की रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने की क्षमता सीधे उनके मैग्नीशियम के स्तर से जुड़ी होती है, क्योंकि यह खनिज इंसुलिन रिसेप्टर कोशिकाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यदि आप अपने डॉक्टर की सलाह को नज़रअंदाज़ करते हैं तो टाइप 2 डायबिटीज़ का इलाज संभव है।यह कोई निराशाजनक बीमारी नहीं है जैसा कि अधिकांश डॉक्टर हमें विश्वास दिलाना चाहते हैं, यह एक दीर्घकालीन हारी हुई लड़ाई है, यदि आप पश्चिमी चिकित्सा के मार्ग पर चलते हैं, जिस पर आप चलना चाहते हैं।

बाइकार्बोनेट और मधुमेह.

मधुमेह में बाइकार्बोनेट फिजियोलॉजी को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया जाता है, जैसा कि ऑन्कोलॉजी में किया जाता है। थाईलैंड के परहत्सथिड नेपाटालुंग लिखते हैं, "अग्न्याशय को नुकसान पहुंचता हैयदि शरीर चयापचय रूप से अम्लीय है क्योंकि यह बाइकार्बोनेट को बनाए रखने की कोशिश करता है। पर्याप्त बाइकार्बोनेट के बिना, अग्न्याशय धीरे-धीरे नष्ट हो जाता है, इंसुलिन एक समस्या बन जाता है, और मधुमेह एक मुद्दा बन जाता है। पर्याप्त बाइकार्बोनेट बफर के बिना, बीमारी का प्रभाव दूरगामी होता है क्योंकि शरीर अम्लीय हो जाता है।

सोडियम बाइकार्बोनेट को समझना अग्न्याशय से शुरू होता है, जो हमारे शरीर में बाइकार्बोनेट के उत्पादन के लिए जिम्मेदार अंग हैयह एक लंबी, संकरी ग्रंथि है जो प्लीहा से ग्रहणी तक फैली होती है

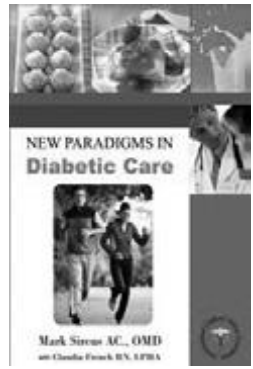
मध्य। इसके तीन मुख्य कार्य हैं। सबसे पहले, यह पाचन रस प्रदान करता है, जिसमें क्षारीय घोल में अग्नाशयी एंजाइम होते हैं, जो छोटी आंतों में पाचन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सही परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं। दूसरा, अग्न्याशय इंसुलिन का उत्पादन करता है, जो चयापचय और अन्य कार्बोहाइड्रेट द्वारा रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है। तीसरा, यह पेट से एसिड को बेअसर करने के लिए बाइकार्बोनेट का उत्पादन करता है ताकि अग्नाशयी एंजाइमों को प्रभावी होने के लिए सही वातावरण प्रदान किया जा सके।

एलर्जी की शुरुआत शरीर द्वारा किसी विशेष एंजाइम का उत्पादन करने में असमर्थता या पाचन प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से काम करने के लिए पर्याप्त एंजाइम का उत्पादन करने में असमर्थता से होती है। इसके साथ ही अग्नाशयी एंजाइमों के सही ढंग से काम करने के लिए आवश्यक पर्याप्त बाइकार्बोनेट का उत्पादन करने में असमर्थता भी होती है। जब ऐसा होता है, तो अपचित प्रोटीन रक्तप्रवाह में प्रवेश करते हैं जिससे अधिक एलर्जी प्रतिक्रियाएँ होती हैं। ऐसे परिदृश्य में सूजन प्रणालीगत होती है लेकिन यह अग्नाशय पर ध्यान केंद्रित कर सकती है जिससे बाइकार्बोनेट उत्पादन, इंसुलिन और आवश्यक एंजाइम में कमी आ सकती है।

बाइकार्बोनेट आयन सामान्य अम्लता स्तर को बनाए रखने के लिए बफर के रूप में कार्य करता हैरक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों में (पीएच) बाइकार्बोनेट के स्तर को मापा जाता है ताकि रक्त और शारीरिक तरल पदार्थों की अम्लता पर नज़र रखी जा सके।

मधुमेह के कई कारण हैं। भारी धातुएँ, विषैले रसायन और विकिरण संदूषण अग्नाशय के ऊतकों को प्रभावित, कमज़ोर और नष्ट कर देंगे। जब शरीर में बाइकार्बोनेट पर्याप्त होता है, तो यह रासायनिक अपमान की विषाक्तता का प्रतिरोध करने में अधिक सक्षम होता है। यही कारण है कि सेना गुर्दे को रेडियोलॉजिकल संदूषण से बचाने के लिए इसके उपयोग का सुझाव देती है। मैग्नीशियम के स्तर के लिए भी यही कहा जा सकता है। मैग्नीशियम, बाइकार्बोनेट और आयोडीन सभी हमें हमारे पानी, भोजन और हवा में हर दिन हानिकारक रसायनों और विकिरण जोखिम के निरंतर हमले से बचाते हैं।

हाइड्रोजन मधुमेह रोगियों के लिए अच्छी दवा है।



हाइड्रोजन मेडिसिन नई है और जब मैंने न्यू पैराडाइम्स इन डायबिटिक केयर लिखा था, तब भी किसी के रडार पर नहीं थी। हालाँकि, अब यह स्पष्ट है कि यह सबसे बुनियादी गैस मधुमेह की हवाओं को पीछे धकेलने में क्यों मदद करेगी। आणविक हाइड्रोजन ऑक्सीडेटिव तनाव को रोककर टाइप 2 मधुमेह में सुधार करता है। ऑक्सीडेटिव तनाव को मधुमेह, उच्च रक्तचाप और एथेरोस्क्लेरोसिस सहित विभिन्न विकारों से जुड़ा माना जाता है। यह अच्छी तरह से स्थापित है कि हाइड्रोजन में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने की क्रिया होती है।

हाइड्रोजन पानी और गैस के पूरक से टाइप 2 मधुमेह या बिगड़ा हुआ ग्लूकोज सहनशीलता वाले रोगियों में लिपिड और ग्लूकोज चयापचय में सुधार होता है। हाइड्रोजन को कंकाल की मांसपेशियों में ग्लूकोज के अवशोषण को बढ़ावा देकर टाइप 1 मधुमेह पशु मॉडल में ग्लाइसेमिक नियंत्रण में सुधार करने के लिए दिखाया गया है। हाइड्रोजन इनहेलेशन थेरेपी मधुमेह न्यूरोपैथी के लिए भी उत्कृष्ट है, चाहे यह शरीर में कहीं भी विकसित हो।

दालचीनी।

उपचार के रूप मेंमधुमेह के लिए दालचीनी को 2003 में विश्वसनीयता मिली, जबआलम खान के एक अध्ययन से पता चला है कि प्रतिदिन कई ग्राम कैसिया दालचीनी का सेवन उपवास के दौरान रक्त शर्करा को कम कर सकता है। खान ने टाइप 2 मधुमेह के रोगियों को 40 दिनों के लिए 1 ग्राम, 3 ग्राम या 6 ग्राम दालचीनी दी। तीनों समूहों ने अपने उपवास रक्त शर्करा और रक्त लिपिड के स्तर में सुधार किया।

https://www.youtube.com/playlist?list.../www.youtube.com/watch?v=da1vvigy5tQ

मोटापे के विशेषज्ञ द्वारा दिए गए इस टेड टॉक में, डॉक्टर ने कहा कि इंसुलिन प्रतिरोध अनिवार्य रूप से कार्बोहाइड्रेट असहिष्णुता की स्थिति है। लेकिन वह यह नहीं कहती कि मैग्नीशियम की कमी से कार्बोहाइड्रेट असहिष्णुता होती है।

मधुमेह के लिए कौन सा आहार सर्वोत्तम है?

शोधकर्ताओं ने पाया है कि सफ़ेद चावल के अधिक सेवन और टाइप 2 मधुमेह के बीच संबंध है। हार्वर्ड स्कूल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ के डॉ. क्यूई सन ने कहा, "हमने पाया है कि सफ़ेद चावल से टाइप 2 मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है।" जो लोग ज़्यादा सफ़ेद चावल खाते हैं, उनमें बीमारी होने की संभावना कम खाने वालों की तुलना में 55% ज़्यादा होती है। सफ़ेद चावल, सफ़ेद चीनी, सफ़ेद ब्रेड और सफ़ेद पास्ता सफ़ेद होते हैं क्योंकि इनमें से खनिज (मैग्नीशियम), विटामिन और फाइबर की मात्रा कम होती है। ये जहरीले खाद्य पदार्थ हैं क्योंकि ये मैग्नीशियम की कमी का कारण बनते हैं।

डायबेटोलोजिया पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में कहा गया है कि प्रतिदिन मात्र 600 कैलोरी का आहार मधुमेह को उलट देता है। आहार पर एक सप्ताह के बाद, मधुमेह रोगियों ने देखा कि उनके रक्त शर्करा का स्तर सामान्य हो गया है, जो दर्शाता है कि उनका मधुमेह ठीक हो गया है। आहार बंद करने के तीन महीने बाद ग्यारह में से आठ रोगी मधुमेह से मुक्त रहे।

डॉ. लिसा लैंडीमोर-लिम ने अपनी पुस्तक पॉइज़नस प्रिस्क्रिप्शन्स में बताया हैआज के समय में आम जनता द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कितनी ही दवाएँ बिगड़े हुए ग्लूकोज नियंत्रण और मधुमेह की शुरुआत में शामिल हैं। वह स्ट्रेप्टोज़ोसिन और एलोक्सन दवाओं का उदाहरण देते हुए समझाती हैं, जिनका इस्तेमाल प्रयोगशाला के चूहों को मधुमेह बनाने के लिए शोध में किया जाता है।

के लिए शक्तिशाली उपचारपार्किंसंस रोग।



हाइड्रोजन और मैग्नीशियम.

"जब मैंने पहली बार डॉ. सिरकस से परामर्श के लिए संपर्क किया, तो मुझे मदद की सख्त जरूरत थी। मेरे बुजुर्ग पति, जिन्हें पार्किंसन रोग का पता चला था, अचानकपाँच महीनों में उसकी हालत तेज़ी से बिगड़ने लगी। उसे भूख नहीं लगती थी, उसका वजन कम हो गया था और धीरे-धीरे चलने की क्षमता भी चली गई, यहाँ तक कि वॉकर के साथ भी। उसके पैर टखनों से लेकर कूल्हों तक सूज गए थे और उसका मानसिक भ्रम और भी बदतर होता जा रहा था।"

"डॉ. सिरकस ने एक गहन प्रोटोकॉल निर्धारित किया, जिसमें हाइड्रोजन गैस (एक्वाक्योर) को साँस में लेने के लिए हाइड्रोजन मशीन शामिल थी। उन्होंने इसका उपयोग करना शुरू कर दियाडिवाइस को एक बार में 5-10 मिनट, दिन में तीन बार, और धीरे-धीरे बढ़ाते हुए

वह समय जब तक कि डॉ. सिरकस ने उसे पूरे दिन गैस से जुड़े रहने की हरी झंडी नहीं दे दी।''

"मुझे नहीं पता था कि क्या उम्मीद करनी है और मैं अपनी उम्मीदों पर खरा न उतरने के लिए भी सावधान थाहाई, लेकिन लगभग तीन सप्ताह तक साँस लेने के बाद, मैं बेहतरी के लिए बदलाव देख सकता था। इसकी शुरुआत भूख से हुई, जो जोरदार तरीके से वापस आ गई (उसने अपना नाश्ता और मेरा आधा भी खाया), उसके पैर अब सूजे हुए नहीं हैं, और उसका पुराना रूप फिर से उभरने लगा। क्या वह अभी भी स्वस्थ है? बेशक नहीं, लेकिन अब मुझे विश्वास है कि हाइड्रोजन गैस के निरंतर उपयोग से वह अपने समग्र स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करेगा।''

"हाइड्रोजन गैस ने मेरे पुराने टखने के दर्द में भी दो दिन में ही नाटकीय रूप से सुधार कर दिया है, जो एक पुरानी चोट के कारण हुआ था। दर्द पचास प्रतिशत से भी अधिक कम हो गया।"

फ्रांसिस्का

पशु पीडी मॉडल और पीडी रोगियों में मोटर घाटे पर हाइड्रोजन जल के लाभों की रिपोर्ट की गई है।

[93]*हिरायामा एम, इटो एम, मिनाटो टी, एट अल*

ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक हैपीने हाइड्रोजन जल और हाइड्रोजन गैस का अंतर्ग्रहणएस. हाइड्रोजन का न्यूरोप्रोटेक्टिव तंत्रजीवनशैली से संबंधित ऑक्सीडेटिव क्षति को कम करता है न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगएस, पी.डी. सहित

तंत्रिका तंत्र रोगों में अपरिवर्तनीय क्षति के अनेक रूप तंत्रिका-शोथ, अत्यधिक ऑक्सीडेटिव तनाव, माइटोकॉन्ड्रियल शिथिलता और कोशिका मृत्यु के कारण होते हैं।

गैसीय हाइड्रोजन H2 से सभी तरह के चिकित्सीय और उपचारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं - विशेषज्ञों, चिकित्सकों, जैव रसायनज्ञों, भौतिकविदों और फार्मासिस्टों की भीड़ इस गैस के बारे में उत्साहित है जिसकी हमारे वायुमंडल में बहुत कमी है। इचिहारा एट अल द्वारा 2015 की समीक्षा में, प्रभावशीलता का जिक्र करते हुए "कठोर प्रभावों" का उल्लेख है

दवा के रूप में H2 का उपयोग। अन्यथा अपेक्षाकृत शांत शोध वातावरण में ऐसा उत्साह दुर्लभ है।

"ओहसावा हाइड्रोजन" या "ओहसावा हाइड्रोजन" जैसे खोज शब्दों से, कोई भी इंटरनेट पर तुरंत यह अंदाजा लगा सकता है कि हाइड्रोजन थेरेपी का विषय पहले से ही कितनी आश्चर्यजनक रूप से प्रगति कर चुका है, मुख्य रूप से जापान, कोरिया, चीन और हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में।

पार्किंसंस और मैग्नीशियम.

पार्किंसन के साथ मेरा पहला अनुभव पंद्रह साल पहले मेरी पत्नी के एक मरीज के साथ हुआ था। मैंने उसे घुमक्कड़ का उपयोग करके बहुत कठिनाई से कार्यालय में प्रवेश करते देखा। उसके हाथ बेकाबू होकर कांप रहे थे, और वह दुखी थी। हमने उसे दोनों को लेने के लिए थोड़ा मैग्नीशियम दियामौखिक और त्वचा के पारदो हफ़्ते बाद, वह वापस आई, लेकिन इस बार वह बिना घुमक्कड़ के ही दौड़कर आई और उसकी मुस्कान इतनी बड़ी थी जितनी मैंने पहले कभी नहीं देखी थी। बस थोड़े से मैग्नीशियम ने उसके साथ कुछ ऐसा कर दिया था जो उसकी कोई भी दवा नहीं कर सकती थी।

कुछ लोग तो इतनेमैग्नीशियम की कमीऐसा नहीं है कि सिर्फ़ थोड़ी मात्रा में सप्लीमेंट लेने से बहुत फ़र्क पड़ता है। इस महामारी के दौरान हम देख पा रहे हैं कि दवा की दुनिया पर दवा कंपनियों का कितना नियंत्रण है और इससे लोगों को कितना नुकसान हो सकता है। हम अपनी आँखों से देख सकते हैं कि केंद्रित पोषण चिकित्सा क्या कर सकती है जो दवा कंपनियाँ नहीं कर सकतीं।

कई साल पहले, मैं एक महिला से मिलने गया था जिसे पार्किंसन रोग भी है। मैंने उसे आयोडीन, सोडियम बाइकार्बोनेट और मैग्नीशियम देकर छोड़ा था, और जब मैं दोबारा उसके पास गया तो वह बिल्कुल नई महिला की तरह दिख रही थी। उसके हाथ मुश्किल से हिल रहे थे। आज, हाइड्रोजन इनहेलेशन थेरेपी के आगमन के साथ, हम पार्किंसन के रोगियों को और भी अधिक राहत देने का वादा कर सकते हैं। पुरानी बीमारियों वाले सभी रोगियों को सर्वोत्तम परिणामों के लिए प्राकृतिक दवाओं का पूरा प्रोटोकॉल अपनाना चाहिए। इसमें शामिल हैसांस लेने का पुनः प्रशिक्षणचूँकि हमारी सांस न केवल शारीरिक मापदंडों को नियंत्रित करती है, बल्कि भावनात्मक और मानसिक मापदंडों को भी नियंत्रित करती है।

नेशनल पार्किंसन फाउंडेशन की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल पीडी के 50,000-60,000 नए मामले सामने आते हैं, जिससे वर्तमान में पीडी से पीड़ित लोगों की संख्या दस लाख हो जाती है। विश्व भर में लगभग चार से छह मिलियन लोग इस रोग से पीड़ित हैं।

समकालीन चिकित्सा में पार्किंसंस रोग के लिए कोई ज्ञात इलाज नहीं है। इसका एक मुख्य कारण यह है कि वे यह स्वीकार करने से इनकार करते हैं कि भारी धातुओं और रसायनों से होने वाली विषाक्तता किस तरह पोषण संबंधी कमियों में बदल जाती है, जिससे बीमारी होती है। पार्किंसंस और अन्य तंत्रिका संबंधी विकार प्राकृतिक एलोपैथिक चिकित्सा से अच्छी तरह से ठीक हो जाते हैं। इस बात के पर्याप्त सबूत और प्रमाण हैं कि लोगों को इस बिगड़ती बीमारी से पीड़ित होने की ज़रूरत नहीं है जो पूरी तरह से विकलांगता की ओर ले जाती है। इलाज न किए जाने पर, पार्किंसंस के कारण मस्तिष्क के सभी कार्य बिगड़ जाते हैं और समय से पहले ही दुखद मौत हो जाती है![94]

मैग्नीशियम, भारी धातुएं, और डोपामाइन।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि मैग्नीशियम का कम स्तर मस्तिष्क में भारी धातु के जमाव में योगदान देता है जो पार्किंसंस, मल्टीपल स्केलेरोसिस और अल्जाइमर से पहले होता है। मैग्नीशियम कोशिकाओं को एल्युमिनियम, पारा, सीसा, कैडमियम, बेरिलियम और निकल से बचाता है। मस्तिष्क के सुरक्षात्मक एजेंटों की श्रेणी में मैग्नीशियम सबसे ऊपर आता है।

तंत्रिका कोशिकाएं मांसपेशियों के कार्य को नियंत्रित करने के लिए डोपामाइन नामक मस्तिष्क रसायन का उपयोग करती हैं।आंदोलन। पार्किंसंस रोग तब होता है जब मस्तिष्क में डोपामाइन बनाने वाली तंत्रिका कोशिकाएँ धीरे-धीरे नष्ट हो जाती हैं। डोपामाइन के बिना, मस्तिष्क के उस हिस्से में तंत्रिका कोशिकाएँ ठीक से संदेश नहीं भेज पाती हैं। इससे मांसपेशियों की कार्यक्षमता में कमी आती है। समय के साथ यह क्षति और भी बदतर होती जाती है।

यह दर्शाया गया है कि लगातार कम मैग्नीशियम का सेवन चूहों में डोपामिनर्जिक न्यूरॉन्स की पूर्ण क्षति का कारण बनता है।[95]मैग्नीशियम, डोपामिनर्जिक न्यूरॉन्स में 1-मिथाइल-4-फेनिलपाइरीडिनियम (एमपीपी+) विषाक्तता से संबंधित इन विट्रो चूहे पार्किंसंस रोग मॉडल में निवारक और सुधारात्मक दोनों प्रभाव डालता है।[96]

मैग्नीशियम सब्सटेंशिया निग्रा में डोपामिनर्जिक न्यूरॉन्स को अध:पतन से बचाता है। न्यूराइट और न्यूरॉन पैथोलॉजी को रोकने और न्यूराइट पैथोलॉजी में सुधार के लिए मैग्नीशियम का एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली प्रभाव है।[97]

मैग्नीशियम प्रशंसापत्र.

मैंने कैरिन के साथ एक सुंदर बातचीत की, जो अपने पिता पीटर की देखभाल कर रही है, जो 18 साल से पार्किंसन से पीड़ित है। मैग्नीशियम तेल शुरू करने से पहले उसकी हालत ऐसी थी कि वह बिल्कुल भी बात नहीं कर सकता था। वह कुछ भी स्पष्ट नहीं कर सकता था! वह मुश्किल से काम कर पाता था और स्वेच्छा से कुछ भी नहीं करता था। लार का बहना इतना बुरा और लगातार हो रहा था कि कैरिन उसे अपने बेडरूम में अलग-थलग करने लगी थी; यह हर हफ़्ते और भी खराब होता गया। वह उसके साथ हिंसक भी होने लगा था।

उसने दो बार मैग्नीशियम तेल लगाया, और वह अगली सुबह उठा, अपना चेहरा धोया, अपने दाँत साफ किए, और खुद ही अपना लबादा पहना - बिना बताए। ऐसा दो साल तक नहीं हुआ। और भी, उसके मुँह से लार नहीं टपक रही थी।

केवल तीन दिनों के बाद, उसकी वाणी समग्र रूप से बेहतर हो गई है। कैरिन ने दिन में तीन बार उसके पूरे शरीर पर मैग्नीशियम लगाया। उसकी आँखें पहले से ज़्यादा चमकीली हैं, एकाग्रता ज़्यादा समय तक और बेहतर है, और वाणी में भी काफ़ी सुधार हुआ है। कम से कम अब वह दो या तीन शब्दों को एक साथ बोल सकता है और पूरी तरह से रुकता नहीं है।

मैग्नीशियम तेल शुरू करने के बाद से, उसके व्यवहार में बहुत सुधार हुआ है। अब न तो वह बदसूरत दिखता है, न ही वह निगलने या कुछ करने से इनकार करने की ज़िद करता है जो वह उससे करने के लिए कहती है। बहुत बढ़िया सुधार हुआ है, और सबसे अच्छी बात यह है कि अब वह अपनी इच्छा और ज़रूरतों के बारे में उसे बता सकता है।

कैनबिस और पार्किंसंस रोग.

कैनाबिनोइड्स शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट हैं जो न्यूरॉन्स को मृत्यु से बचा सकते हैंकैनाबिनोइड रिसेप्टर सक्रियण के बिना। ऐसा लगता है कि कैनाबिनोइड मस्तिष्क डोपामिनर्जिक प्रणालियों के प्रगतिशील अध:पतन में देरी कर सकते हैं या उसे रोक भी सकते हैं।

चेक गणराज्य के प्राग में चार्ल्स विश्वविद्यालय के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. एवज़िन रूज़िका ने कहा, "हमारे ज्ञान के अनुसार, यह पार्किंसंस रोग पर भांग के प्रभाव का आकलन करने वाला पहला अध्ययन है, और हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि यह कुछ लक्षणों को कम कर सकता है।"[98]

नेचर पत्रिका में प्रकाशित 2007 के एक अध्ययन में, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने बताया कि एन्डोकैनाबिनोइड्स, जो मस्तिष्क में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले रसायन हैं, जैसे मारिजुआना और हशीश में पाए जाने वाले सक्रिय यौगिक, पार्किंसंस जैसी स्थिति वाले चूहों में नाटकीय सुधार लाने में सहायक होते हैं।

डॉ. रॉबर्ट मालेनका, नैन्सी फ्रेंड प्रिट्जकर मनोचिकित्सा और व्यवहार विज्ञान के प्रोफेसर, और डॉ. एनाटोल क्रेइट्जर ने पार्किंसंस रोग (डोपामाइन) के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा को एक प्रयोगात्मक यौगिक के साथ मिलाया जो मस्तिष्क में एंडोकैनाबिनोइड्स के स्तर को बढ़ा सकता है। जब उन्होंने पार्किंसंस जैसी स्थिति वाले चूहों पर इस संयोजन का इस्तेमाल किया, तो चूहे 15 मिनट में जगह से जमने से मुक्त हो गए। क्रेइट्जर ने कहा, "वे मूल रूप से सामान्य थे।"

आयोडीन.

आयोडीन मस्तिष्क और आंख के सिलिअरी बॉडी में बड़ी मात्रा में पाया जाता है।
आयोडीन की कमी से पार्किंसंस रोग और ग्लूकोमा होने की संभावना हो सकती है।

डॉ. जेम्स हॉवेनस्टीन

लंबे समय तक आयोडीन की कमी से असामान्यताएं उत्पन्न होती हैं।डोपामिनर्जिक प्रणाली, जिसमें डोपामाइन रिसेप्टर्स में वृद्धि शामिल है।

यह परिकल्पना नई नहीं है कि पार्किंसंस रोग का संबंध हिमनदीकरण से जुड़ी मिट्टी और आहार में आयोडीन की कमी से हो सकता है।

मस्तिष्क में आयोडीन सब्सटैंशिया नाइग्रा में केंद्रित होता है, जो
मस्तिष्क का वह क्षेत्र है जो पार्किंसंस रोग से जुड़ा हुआ है।

डॉ. डेविड ब्राउनस्टीन

हाइड्रोजन खुराक.



कई डॉक्टरों को अच्छे परिणाम मिल रहे हैं - व्यक्तिगत रूप से भी औरउनके मरीज़ सप्ताह में 2-3 बार इनहेलेशन मशीन के साथ 30-60 मिनट के सत्र की पेशकश करते हैं और फिर H2 साँस न लेने पर अपनी दैनिक खुराक के लिए VR हाइड्रोजन टैबलेट के साथ काम करते हैं। हाइड्रोजन सप्लीमेंटेशन खुराक को समझने की कुंजी लंबे समय तक लेना है, न कि "बस एक महीने और आप ठीक हो गए" प्रकार की मानसिकता के लिए।

मैं सर्वोत्तम परिणामों के लिए सुबह, दोपहर और रात को खाली पेट एक गोली लेने का सुझाव देता हूँ। हाइड्रोजन की खुराक की तुलना दैनिक विटामिन लेने से की जानी चाहिए, जिसका अर्थ है कि उन्हें दैनिक दिनचर्या में शामिल किया जाना चाहिए जो स्थायी हो जाए।

गंभीर रूप से बीमार या किसी पुरानी बीमारी से पीड़ित व्यक्ति के लिए उच्च खुराक की आवश्यकता होती है। जब किसी को चिकित्सा निराशा के अंधेरे गड्ढे से बाहर निकलने की आवश्यकता होती है, तो हाइड्रोजन मैग्नीशियम की उच्च खुराक (प्रत्येक टैबलेट के साथ 80 मिलीग्राम) और सही मात्रा के साथ मांसपेशियों को प्रदान करेगा -

पीएच को अधिक क्षारीय अवस्था में लाने के लिए बाइकार्बोनेट का उपयोग किया जाता है। बेशक, यह सब तब बदल जाता है जब कोई हाइड्रोजन इनहेलर का उपयोग करता है, जिससे मरीज़ उच्च खुराक में हाइड्रोजन ले सकते हैं।

हाइड्रोजन टैबलेट की नवीनतम पीढ़ी में हाइड्रोजन को पानी में प्रति मिलियन बहुत अधिक मात्रा में घोला जाता है। मैं थोड़ा बर्फीला पानी इस्तेमाल करता हूँ और एक टैबलेट को बहुत बड़े गिलास पानी में मिलाता हूँ। जैसे ही टैबलेट घुल जाती है, मैं ज़्यादा से ज़्यादा हाइड्रोजन पाने के लिए पानी को नीचे गिरा देता हूँ। अगर आपका पानी बहुत ठंडा है, तो इसमें थोड़ा ज़्यादा समय लगता है। एक से ज़्यादा टैबलेट इस्तेमाल करना पैसे की बर्बादी है।

यदि कोई गोली को कसकर बंद बोतल में रखता है, तो पानी का तापमानइससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे एक बार में $H2$ की अधिक खुराक लेना पसंद है। भारी परिश्रम, हवाई यात्रा, नींद की कमी, तीव्र व्यायाम, तनाव आदि के बाद अधिक खुराक लेना उचित है। आमतौर पर, मैं अच्छे स्वास्थ्य में दिन में दो या तीन बार एक गोली लेने की सलाह देता हूँ।

अगर कोई व्यक्ति मर रहा है या कैंसर के अंतिम चरण से पीड़ित है, तो हाइड्रोजन बहुत ज़रूरी है। बस उस व्यक्ति को मशीन से जोड़ दें और तब तक सांस लेते रहें जब तक कि सुधार नज़र न आने लगे। सोते समय भी हाइड्रोजन को साँस के ज़रिए अंदर लिया जा सकता है।

खुराक पर सामान्य जानकारी.

मैग्नीशियम क्लोराइड, आयोडीन, सोडियम बाइकार्बोनेट, विटामिन सी, अल्फा-लिपोइक एसिड, आयोडीन, सेलेनियम और हाइड्रोजन जैसी पोषण संबंधी दवाओं का उपयोग करते समय खुराक प्रभाव निर्धारित करती है। पारंपरिक एलोपैथिक चिकित्सा में, वे कहते हैं कि खुराक जहर बनाती है, लेकिन हम प्राकृतिक एलोपैथिक चिकित्सा प्रोटोकॉल में जहर का उपयोग नहीं करते हैं। अब मैं अक्सर इस चिकित्सा मॉडल को अभिनव चिकित्सा कहता हूँ।

अभिनव चिकित्सा में, हम आम तौर पर बिना किसी दुष्प्रभाव के अत्यधिक उच्च स्तर तक खुराक लेते हैं जो कि बहुत कम खुराक पर भी हमेशा मौजूद खतरा होता है। खुराक पर यह सामान्य जानकारी हाइड्रोजन पर बहुत लागू होती है।

एलोपैथिक चिकित्सा में पानी और विटामिन सी को भी विषाक्तता के पैमाने पर रखा जाता है, जिसमें हर चीज को जहरीला माना जाता है।

वास्तव में पानी में डूबना, एक बड़ा व्यक्ति सुरक्षित रूप से बिना किसी बुरे प्रभाव के एक गैलन पानी पी सकता है। और कोई व्यक्ति नहाने के पानी में कई पाउंड मैग्नीशियम क्लोराइड डाल सकता है और एंटीबायोटिक दवाओं के गंभीर और खतरनाक नुकसान के बिना संक्रामक विकारों के लिए सुरक्षित रूप से आयोडीन की उच्च खुराक ले सकता है। प्रतिकूल प्रभाव दुर्लभ हैं और आमतौर पर व्यक्ति या प्रिस्क्राइबर की देखभाल या ज्ञान की कमी के कारण होते हैं।

सही उपायों के प्रयोग से असाध्य रोगों का इलाज संभव है।विटामिन, खनिज और फैटी एसिड (अन्य चीजों के अलावा) की खुराक। मात्रा प्रभाव निर्धारित करती है! कम खुराक से नैदानिक परिणाम नहीं मिलते हैं! वर्षों से, मैंने बार-बार कम खुराक लेने की गलती देखी है।

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. थॉमस लेवी ने कहा, "प्रभावी विटामिन सी थेरेपी में तीन सबसे महत्वपूर्ण विचार खुराक, खुराक और खुराक हैं। यदि आप पर्याप्त मात्रा में नहीं लेते हैं, तो आपको वांछित प्रभाव नहीं मिलेगा।"

प्रभावी खुराक उच्च मात्रा में होती है, जो अक्सर यू.एस. अनुशंसित आहार भत्ता (आरडीए) या दैनिक संदर्भ सेवन (डीआरआई) से सैकड़ों गुना अधिक होती है। डॉ. अब्राम हॉफ़र ने कहा, "डॉ. विलफ्रिड शूट और इवान शूट ने प्रतिदिन 400 से 8,000 आईयू विटामिन ई की खुराक की सिफारिश की। सामान्य खुराक सीमा 800-1600 आईयू थी, लेकिन उन्होंने बताया कि उन्होंने बिना किसी विषाक्तता के 8,000 आईयू दिए थे।" शूट ने विटामिन ई के साथ 35,000 से अधिक रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज किया।[99]

अगर कोई व्यक्ति हाइड्रोजन इनहेलर के साथ भाग्यशाली है और उसकी हालत गंभीर है, तो उसे खुराक के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। दिन में चार घंटे या उससे ज़्यादा समय तक इसका सेवन गंभीर स्थितियों पर काफ़ी असर डाल सकता है।

महत्वपूर्ण खुराकें.

चिकित्सकों और रोगियों के लिए उचित खुराक जानना आवश्यक है क्योंकि चिकित्सीय प्रभाव प्राप्त करने के लिए खुराक मिशन-महत्वपूर्ण है। हम सभी को खुराक का अनुमान लगाना चाहिए। सबसे बुनियादी चीज जो हम करते हैं वह है पानी का सेवन। एक व्यक्ति को कितनी मात्रा में पानी (खुराक) पीना चाहिए

एक दिन में कितनी खुराक लेनी चाहिए? सूर्य की कितनी खुराक लेनी चाहिए? ये ऐसे महत्वपूर्ण प्रश्न हैं जिनका उत्तर डॉक्टर अक्सर गलत देते हैं।

फार्मास्यूटिकल मेडिसिन में, दवा की महत्वपूर्ण खुराक को मापने का सिद्धांत न्यूनतम आवश्यक चिकित्सीय प्रभाव को मापना होगा। यह एक महत्वपूर्ण खुराक है क्योंकि सिंथेटिक रसायनों (सभी फार्मास्यूटिकल्स माइटोकॉन्ड्रियल जहर हैं) की बढ़ती खुराक के साथ साइड इफेक्ट्स में वृद्धि होती है और निर्धारित दवाओं से मरने की संभावना बढ़ जाती है।

जुलाई 2000 में JAMA में प्रकाशित अपने शोधपत्र में डॉ. बारबरा स्टारफील्ड ने बताया कि अकेले अमेरिका में 106,000 लोग उचित रूप से निर्धारित दवाइयों से मरते हैं। 2015 में, अमेरिका के एक ज़हर केंद्र में प्रिस्क्रिप्शन दवाइयों से कुल 443,900 मौतें दर्ज की गईं, जिसमें एनाल्जेसिक या दर्द निवारक सबसे घातक ज़हर थे। इनमें से 275,000 मौतें त्रुटियों के कारण हुईं - जैसे कि गलत खुराक - और 130,000 अनजाने में दुरुपयोग के कारण हुईं, जैसे कि निर्धारित से ज़्यादा बार दवा लेना। चालीस हज़ार मौतें उचित रूप से निर्धारित और ली गई दवा के प्रतिकूल प्रतिक्रिया के कारण हुईं।[100]

टाइलेनॉल के ओवरडोज़ के कारण हर साल 75,000 से ज़्यादा आपातकालीन विभाग में जाने से गंभीर स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियाँ पैदा होती हैं, जिसमें लीवर फेलियर और मौत शामिल है। 50 सालों में आयोडीन के ओवरडोज़ से मरने वाला कोई भी व्यक्ति नहीं है, फिर भी बहुत से डॉक्टर आयोडीन लिखने से डरते हैं। सुरक्षित दवा जैसी कोई चीज़ नहीं होती। "सुरक्षित" दवा के ज़हर मौजूद नहीं हैं, लेकिन कई सुरक्षित लेकिन शक्तिशाली प्राकृतिक पदार्थ हैं जो माँ प्रकृति हमें खुद को ठीक करने के लिए देती है।

हाल ही में हुए एक अध्ययन में विषाक्तता के शीर्ष पाँच कारण क्रमशः अवसादरोधी
दवाएँ, दर्दनिवारक दवाएँ आदि थे।
जैसे एस्पिरिन, स्ट्रीट ड्रग्स, हृदय संबंधी दवाएं और शराब।

रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री

ऐसा तब होता है जब आप खतरनाक दवाओं से निपटते हैं। 400 साल बाद, आधुनिक चिकित्सा को अपने स्वयं के प्रतिमान के साथ एक समस्या है, "खुराक जहर बनाती है।" इसका एक कारण कला, विज्ञान और

दवा के रूप में ज़हर का उपयोग करने की बेतुकी बात इसलिए सामने आई है क्योंकि ज़्यादातर शहरी लोग पहले से ही हवा और पानी से विषाक्त पदार्थों से भरे हुए हैं। किसी व्यक्ति के पहले से ही आसमान छूते ज़हरीले बोझ में और ज़हर मिलाना कारगर नहीं होता।

जहर बनाने वाली खुराक एक लंबे समय से स्वीकृत अवधारणा है, लेकिन दवामाना जाता है कि इसका उद्देश्य लोगों की मदद करना है। ज़हर शब्द को पहली बार मध्य अंग्रेजी में 1200 ई. के आसपास रचित एक रचना में दर्ज किया गया था। जब किसी जीवित जीव में प्रवेश किया जाता है या अवशोषित किया जाता है, तो विष वह पदार्थ होता है जो जीवन को नष्ट कर देता है या स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है। ज़हर को किसी भी ऐसे पदार्थ के रूप में परिभाषित किया जाता है जो रुग्ण, विषाक्त या घातक प्रभाव पैदा करने में सक्षम हो। ज़हर एक ऐसा पदार्थ है जो अन्य पदार्थों, विशेष रूप से एंजाइमों और उन महत्वपूर्ण जैव रासायनिक प्रक्रियाओं को बाधित करता है जिनमें वे शामिल होते हैं। एंजाइम महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ऊतक की मरम्मत या भोजन को आत्मसात करने के लिए प्रत्येक रासायनिक परिवर्तन में एंजाइम की गतिविधि शामिल होती है। एंजाइम गतिविधि के बिना, कोई जैविक गतिविधि नहीं है, कोई जीवन नहीं है।

ज़हर का असर बहुत तेज़ या बहुत धीमा हो सकता है, धीरे-धीरे बढ़ता हुआ, क्रोनिक थकान सिंड्रोम जैसी कम-श्रेणी की दुर्बलता वाली बीमारियाँ या एमएस, एएलएस और अल्जाइमर जैसे विनाशकारी तंत्रिका संबंधी विकार पैदा कर सकता है। छह महीने की उम्र से शिशुओं में इंजेक्ट किए जाने वाले भारी धातु के पारे से ज़्यादा तेज़ी से न्यूरॉन को कोई नहीं जला सकता। वैंकूवर के वैज्ञानिक डॉ. क्रिस शॉ ने टीकों में इस्तेमाल किए जाने वाले एल्युमिनियम हाइड्रॉक्साइड और पार्किंसंस, एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस, या लू गेहरिग रोग) और अल्जाइमर से जुड़े लक्षणों के बीच एक संबंध दिखाया है।[101]

गलत खुराकें, गलत चिकित्सा अवधारणाएँ।

यदि खुराक काफी कम है, तो एक अत्यधिक जहरीला पदार्थ भी हानिकारक प्रभाव पैदा करना बंद कर देगा। इस प्रकार, किसी रसायन की विषाक्त क्षमता उस रसायन की खुराक (मात्रा) द्वारा परिभाषित की जाती है जो किसी विशिष्ट जैविक प्रणाली में एक विशिष्ट प्रतिक्रिया उत्पन्न करेगी। "इन सभी बहसों में, मुख्य बिंदु जो अक्सर समझ में नहीं आता है वह यह है कि यह खुराक है जो जहर बनाती है," कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस में विष विज्ञान के विशेषज्ञ डॉ कार्ल विंटर कहते हैं। "प्रवृत्ति विषाक्तता को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की है। यह एक फिसलन भरी ढलान है जहां वैध प्रतिनिधित्व करने वाली रेखा खींची जाती है

चिंता का विषय क्या है और क्या प्रतिबंध लागू होने चाहिए।"[102]बेशक, प्लूटोनियम जैसी कट्टरपंथी चीज़ के लिए यह सच नहीं है। प्लूटोनियम के साथ महत्वपूर्ण मुद्दा मात्रा या द्रव्यमान नहीं है - यह विषाक्तता है।

रोमन जानते थे कि सीसा गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं, यहाँ तक कि पागलपन और मृत्यु का कारण बन सकता है। हालाँकि, वे इसके विविध उपयोगों के इतने शौकीन थे कि उन्होंने इससे होने वाले खतरों को कम कर दिया। उन्हें यह एहसास नहीं था कि धातु के साथ उनके रोज़ाना के कम-स्तर के संपर्क ने उन्हें क्रोनिक सीसा विषाक्तता के प्रति संवेदनशील बना दिया, जबकि इससे उन्हें तीव्र सीसा विषाक्तता की पूरी भयावहता से बचा लिया गया। रोमन इंजीनियरों ने रोमन साम्राज्य को तब खत्म कर दिया जब उन्होंने पीने के पानी के परिवहन और आपूर्ति के लिए अपने पत्थर के जलसेतुओं को सीसे के पाइपों से बदल दिया, जिससे रोमन आबादी का एक बड़ा हिस्सा तंत्रिका संबंधी अपंग हो गया।[103]

भूतपूर्व सोवियत संघ के प्रोफेसर आईएम त्राखटेनबर्ग कहते हैं, "विषाक्त पदार्थों की कम-श्रेणी की सांद्रता के दीर्घकालिक प्रभाव व्यक्तिगत संवेदनशीलता पर निर्भर करते हैं।" निम्न-स्तर की विषाक्तता का विज्ञान दर्शाता है कि यह प्रति मिलियन, प्रति बिलियन और यहां तक कि प्रति ट्रिलियन स्तर पर भी मायने रखता है। जैसे-जैसे हमारे उपकरण असीम रूप से अधिक संवेदनशील होते गए हैं, वैज्ञानिक रासायनिक संवेदनशीलता की नई दुनिया में प्रवेश करने में सक्षम हुए हैं, जिसकी पैरासेल्सस कल्पना भी नहीं कर सकता था। उद्योग और सरकार ने प्रति मिलियन भागों में देखी गई कम संख्याओं में जो छिपाया है, वह प्रति ट्रिलियन भागों के रूप में गणना और प्लॉट किए जाने पर खगोलीय हो जाता है।

हॉरमिसिस.

"जो आपको नहीं मारता वह आपको मजबूत बनाता है" एक ऐसा वाक्यांश है जिसके बारे में कई लोगों को लगता है कि इसमें सच्चाई का एक दाना भी नहीं है। यह हॉरमेसिस सिद्धांत का वर्णन करता है - वह प्रक्रिया जिसके द्वारा कम स्तर के तनाव या विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने वाले जीव कठिन चुनौतियों के प्रति अधिक प्रतिरोधी बन जाते हैं। यह "खुराक जहर बनाती है" की एक सहोदर अवधारणा है।

हाल के वर्षों में, जीवविज्ञानियों ने हॉरमेसिस कैसे काम करता है, इसका एक स्पष्ट आणविक स्पष्टीकरण तैयार किया है; इस प्रकार, सिद्धांत को अंततः एक मौलिक जीवविज्ञान और बायोमेडिसिन सिद्धांत के रूप में स्वीकार किया गया है। इस सिद्धांत का एक उदाहरण चूहों को छोटे आकार के संपर्क में लाने पर देखा जाता है

गामा किरणों के बहुत उच्च स्तर से विकिरणित करने से कुछ समय पहले गामा-किरण विकिरण की खुराक दी जाती है। इससे कैंसर की संभावना कम हो जाती है। चूहों को डाइऑक्सिन दिए जाने पर भी ऐसा ही प्रभाव होता है।

ज़हर की कम खुराक शरीर में विशिष्ट मरम्मत तंत्र को सक्रिय कर सकती है। ये तंत्र, शुरू होने के बाद, विष के प्रभाव को बेअसर करने और विष के कारण न होने वाले अन्य दोषों को ठीक करने के लिए पर्याप्त रूप से कुशल होते हैं। लोगों को ज़हर देने और सही खुराक प्राप्त करने के लिए किस्मत आजमाने का यह एक अच्छा सिद्धांत है। मैग्नीशियम और अन्य असाधारण रूप से सुरक्षित पदार्थों के साथ नृत्य करना अधिक समझदारी भरा है जो रोगी को जहर नहीं देते हैं।

प्राकृतिक चिकित्सा के लिए खुराक की गणना।

प्राकृतिक दवाओं में, महत्वपूर्ण खुराक को उस अधिकतम मात्रा से मापा जाता है जिसे आवश्यक चिकित्सीय प्रभाव प्राप्त करने के लिए लिया जा सकता है। प्राकृतिक एलोपैथिक चिकित्सा में, हम अक्सर बिना किसी दुष्प्रभाव के अत्यधिक उच्च स्तर तक खुराक लेते हैं जो कि बहुत कम खुराक पर भी हमेशा मौजूद खतरा होता है।

सुरक्षित और प्रभावी दवा का रहस्य उन औषधीय पदार्थों का उपयोग करना है जिनके उचित मात्रा में साइड इफेक्ट नहीं होते हैं, यानी वे जहर नहीं हैं। सुरक्षित का यही मतलब है - ऐसा कुछ जो आपको नुकसान या चोट न पहुँचाए। किसी भी प्राकृतिक प्रोटोकॉल की कुंजी खुराक को पर्याप्त रूप से उच्च बनाना है। अधिकांश पदार्थों के साथ कम से शुरू करना सबसे अच्छा है, प्रत्येक पदार्थ की आदत डालें, और धीरे-धीरे उन्हें बढ़ाएँ।

निष्कर्ष।

ऑरेलियस फिलिपस थियोस्ट्रेटस बॉम्बैस्टस वॉन होहेनहेम, जिन्हें "पैरासेलसस" के नाम से अमर कर दिया गया और जिन्हें कभी-कभी "विष विज्ञान का जनक" भी कहा जाता है, का जन्म 1493 में हुआ था। पैरासेलसस, एक स्विस डॉक्टर, ने दवा में रसायनों और खनिजों के उपयोग का बीड़ा उठाया। पैरासेलसस ने सबसे पहले कहा था, "यह केवल खुराक पर निर्भर करता है कि कोई जहर जहर है या नहीं। बहुत अधिक मात्रा में जहर मरता है; थोड़ा सा इलाज करता है।" इसलिए वह बहुत जहरीला पदार्थ ले लेता था

पारे की तरह इसका उपयोग मिर्गी के इलाज के लिए करना, ऐसा काम अब कोई भी स्वस्थ दिमाग वाला व्यक्ति नहीं करेगा।

यह धारणा कि जहर का सुरक्षित रूप से उपयोग किया जा सकता है, आधुनिक मनुष्य के लिए भानुमती का पिटारा है; एक बार खुल जाने के बाद, सत्ता के लालची उद्योगपतियों ने साबुन और शैम्पू जैसे घरेलू उत्पादों से लेकर हमारे भोजन, दवाओं और पानी में सीधे जहर डालने तक, हर चीज में स्वतंत्र महसूस किया।

हाइड्रोजन जल



- हाइड्रोजन युक्त पानी पीना शरीर में हाइड्रोजन को ले जाने का एक प्रभावी तरीका है। पानी में मौजूद हाइड्रोजन हाइड्रेशन के स्तर को बढ़ाने के लिए सिद्ध है, जो नल के पानी की तुलना में आपकी प्यास को छह गुना अधिक शांत करता है।
- हाइड्रोजन पानी से लिए गए सप्लीमेंट्स का अवशोषण बेहतर हो सकता है। यह भोजन से पोषक तत्वों को नियमित नल के पानी की तुलना में बेहतर तरीके से अवशोषित करने में भी मदद कर सकता है।
- यह शरीर के जोड़ों और मांसपेशियों को चिकनाई देने में मदद कर सकता है। हाइड्रोजन युक्त पानी जोड़ों और मांसपेशियों को लगभग 70% चिकनाई प्रदान करता है।
- हाइड्रोजन पानी मस्तिष्क को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद कर सकता है। उचित जलयोजन के बिना हमारा मस्तिष्क अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर सकता।
- यह आपके शरीर के अंदर की अशुद्धियों को दूर करने में मदद कर सकता है। यह आपकी कोशिकाओं और अंगों की गुणवत्ता में भी सुधार कर सकता है।
- हाइड्रोजन पानी पीने से आपके रक्तचाप को नियंत्रित करने और इष्टतम प्रदर्शन बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

- यह शरीर पर हमला करने वाली कुछ पुरानी बीमारियों के लक्षणों को कम करता है। यह गठिया के लक्षणों की शुरुआत को रोकने और सिरदर्द से राहत दिलाने में भी मदद कर सकता है।
- यह त्वचा को नमी प्रदान करता है। निर्जलीकरण से त्वचा समय के साथ पपड़ीदार और ढीली हो सकती है। त्वचा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उचित जलयोजन की आवश्यकता होती है।
- यह सूर्य और हवा से होने वाले नुकसान को कम करता है। यह बालों के रोम को नमी प्रदान करने में भी मदद करता है।

घुली हुई हाइड्रोजन पीना.

मानक परिवेशी तापमान और दबाव (SATP) पर पानी में हाइड्रोजन की सांद्रता/घुलनशीलता 0.8 मिमी या 1.6 पीपीएम (1.6 मिलीग्राम/लीटर) है। संदर्भ के लिए, पारंपरिक पानी (जैसे, नल, फ़िल्टर किया हुआ, बोतलबंद, आदि) में 0.0000002 पीपीएम से कम H2 होता है, जो चिकित्सीय स्तर से काफी नीचे है। 1.6 पीपीएम की सांद्रता कई तरीकों से आसानी से प्राप्त की जाती है, जैसे कि केवल हाइड्रोजन गैस को पानी में बुदबुदाना। आणविक हाइड्रोजन के कम मोलर द्रव्यमान (यानी, 2.02 ग्राम/मोल H2 बनाम 176.12 ग्राम/मोल विटामिन सी) के कारण, 1.6-मिलीग्राम H2 की खुराक में हाइड्रोजन के अणु शुद्ध विटामिन सी की 100-मिलीग्राम खुराक में विटामिन सी के अणुओं की तुलना में अधिक होते हैं (यानी, 1.6 मिलीग्राम H2 में 0.8 मिलीमोल H2 होता है बनाम 100 मिलीग्राम विटामिन सी में 0.57 मिलीमोल विटामिन सी होता है)।

हाइड्रोजन युक्त पानी का अर्धायु काल अन्य गैसीय पेयों (जैसे कार्बोनेटेड या ऑक्सीजन युक्त पानी) की तुलना में कम होता है, लेकिन चिकित्सीय स्तर बना रह सकता हैआसानी से सेवन के लिए पर्याप्त लंबे समय तक। हाइड्रोजन युक्त पानी के सेवन से खुराक के आधार पर 5-15 मिनट में प्लाज्मा और सांस की सांद्रता में अधिकतम वृद्धि होती है।

सांस में हाइड्रोजन की मात्रा में वृद्धि इस बात का संकेत है कि हाइड्रोजन सबम्यूकोसा के माध्यम से फैलता है और प्रणालीगत परिसंचरण में प्रवेश करता है, जहां इसे फेफड़ों से बाहर निकाल दिया जाता है। रक्त और सांस की सांद्रता में यह वृद्धि अंतर्ग्रहण की गई खुराक के आधार पर 45-90 मिनट में बेसलाइन पर लौट आती है।

पानी एक औषधि के रूप में.

पानी ऑक्सीजन और हाइड्रोजन है। पानी एक अद्भुत औषधि है जो जीवन के लिए बहुत ज़रूरी है। हम जानते हैं कि बार-बार पानी पीने से लोगों को क्रोनिक किडनी रोग (CKD) से बचाने में मदद मिलती है। कैनेडियन सोसाइटी ऑफ़ नेफ्रोलॉजी की 2013 की वार्षिक बैठक में, शोधकर्ताओं ने बताया कि जो लोग प्रतिदिन 4.3 लीटर से ज़्यादा पानी पीते हैं, उनमें CKD विकसित होने की संभावना उन लोगों की तुलना में 2.5 गुना कम होती है जो प्रतिदिन दो लीटर से कम पानी पीते हैं।

"पानी, जीवन का केंद्र है। पानी इसका पदार्थ और मैट्रिक्स, माँ और माध्यम है। पानी सबसे असाधारण पदार्थ है! इसके सभी गुण असामान्य हैं, जो जीवन को अपनी मशीनरी के लिए निर्माण सामग्री के रूप में उपयोग करने में सक्षम बनाते हैं। जीवन ठोस पदार्थों की धुन पर नाचता पानी है," अल्बर्ट सेंट-ग्योर्गी ने लिखा। यह हाइड्रोजन और ऑक्सीजन है जो नाचते हैं।

बायोइंजीनियरिंग के प्रोफेसर डॉ. गेराल्ड पोलाक को पानी के साथ उनके काम के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के सिएटल में वाशिंगटन विश्वविद्यालय द्वारा अपने कर्मचारियों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान मिला। प्रोफेसर पोलाक कहते हैं, "पानी पृथ्वी के अधिकांश भाग को कवर करता है। यह आसमान में व्याप्त है। यह आपकी कोशिकाओं को भरता है - जितना आप जानते हैं उससे कहीं ज़्यादा। आपकी कोशिकाओं में मात्रा के हिसाब से दो-तिहाई पानी होता है; हालाँकि, पानी का अणु इतना छोटा होता है कि अगर आप अपने शरीर में हर एक अणु को गिनें, तो उनमें से 99% पानी के अणु होंगे। दो-तिहाई आयतन बनाने के लिए इतने पानी के अणुओं की ज़रूरत होती है। आपके पैर ज़्यादातर पानी के अणुओं से भरी एक बड़ी बोरी को अपने साथ रखते हैं।"

हाइड्रोजन शोधकर्ता जॉर्ज वाइजमैन हमें प्रारंभिक रसायन विज्ञान की याद दिलाते हुए कहते हैं, "वजन के हिसाब से, हमारे शरीर में ज़्यादातर ऑक्सीजन है क्योंकि ऑक्सीजन हाइड्रोजन से आठ गुना भारी है। आयतन के हिसाब से, हमारे शरीर में ज़्यादातर हाइड्रोजन है क्योंकि हर ऑक्सीजन परमाणु के लिए दो हाइड्रोजन परमाणु हैं।" उम्मीद है, संदेश स्पष्ट हो रहा है। जब हम हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का उपयोग करते हैं, तो हम एक बेहतरीन जीवन-विस्तार स्वास्थ्य अभ्यास का अभ्यास करते हैं जो उपलब्ध विविध रूपों में दवा के रूप में भी काम करता है।

हम सभी जानते हैं कि निर्जलीकरण एक ऐसी समस्या है जो दुख और बीमारी का कारण बनती है। निर्जलीकरण हाइड्रोजन के अणुओं की कमी है जो शरीर से जुड़े होते हैं।

ऑक्सीजन। ऑक्सीजन की कमी एक समस्या है, और साथ ही आवेशित हाइड्रोजन परमाणुओं की अधिकता भी एक समस्या है, जो रक्त और शरीर को अम्लीय बना देती है।

लगभग दो वर्षों से मैं विभिन्न आणविक कारकों पर प्रयोग कर रहा हूँहाइड्रोजन उत्पाद। मैं हाल ही में नई पीढ़ी की गोलियों का उपयोग कर रहा हूं जो सबसे अच्छी, सबसे सुविधाजनक उच्चतम पीपीएम हैं। हाइड्रोजन वॉटर टैबलेट के कई लेबल और प्रकार हैं।

इस बाजार में सबसे प्रतिष्ठित खिलाड़ी वाइटल रिएक्शन रहे हैं;मूल खिलाड़ियों में से एक एक्टिव एच2 ने एक लोकप्रिय नई हाइड्रोजन टैबलेट भी विकसित की है। हाइड्रोजन टैबलेट में पहला खिलाड़ी मेगाहाइड्रेट था, जो आणविक हाइड्रोजन से अलग तरीके से काम करता है।

वाइटल रिएक्शन में उच्च स्तर (10 या उससे अधिक पीपीएम) और उच्चतम मैग्नीशियम होता है, जो प्रति टैबलेट 80 मिलीग्राम दर्ज करता है। एक्टिव एच2 अल्ट्रा थोड़ी कम कीमत पर लगभग 8 पीपीएम प्रदान करता है, और ग्लास में कोई अवशेष नहीं होता है, जिससे हाइड्रोजन की खपत सुखद होती है।

बाजार में उपलब्ध कोई भी हाइड्रोजन जल मशीन हाइड्रोजन नहीं बना सकतीटैबलेट की नवीनतम पीढ़ी के उच्च स्तर पर, जो हाइड्रोजन सांद्रता में असाधारण हैं। वे कम से कम समय में बहुत अधिक हाइड्रोजन प्रदान करते हैं। इसके अलावा, वे सुविधा और उपयोग में आसानी के लिए अपने हाइड्रोजन को एक खुले कंटेनर में बनाते हैं।

हाइड्रोजन की गोलियाँ पहली बार इस्तेमाल करने वालों के लिए बहुत बढ़िया हैं। अगर कोई हाइड्रोजन गैस इनहेलर खरीदता है जो एक साथ हाइड्रोजनीकृत पानी बनाता है, तो भी गोलियाँ पोर्टेबिलिटी और अधिक प्रभावकारिता प्रदान करती हैं। जब किसी की चिकित्सा ज़रूरतें गंभीर होती हैं, तो वह हाइड्रोजन की जितनी संभव हो उतनी अधिक खुराक लेना चाहता है।

"मैं पिछले चार महीनों से रोजाना वाइटल रिएक्शन टैबलेट का इस्तेमाल कर रहा हूं और अपने स्वास्थ्य में कई सकारात्मक बदलाव देख रहा हूं। जबकि मैं आम तौर पर बहुत अच्छा स्वास्थ्य रखता हूं और कोई प्रिस्क्रिप्शन दवा नहीं लेता हूं, मैं कई सालों से दिमागी कोहरे से जूझ रहा हूं। इसने मेरे काम, शैक्षणिक प्रयासों और व्यक्तिगत जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया क्योंकि मैं जरूरत पड़ने पर जानकारी को जल्दी से याद नहीं कर पाता था। हाइड्रोजन पानी पीना शुरू करने के बाद से, मैं अधिक स्पष्ट रूप से सोचने में सक्षम हो गया हूं, और मेरी याददाश्त बेहतर हो गई है

तेज हो गया है। मैंने यह भी देखा है कि गोलियों के इस्तेमाल के बाद से मेरा ऊर्जा स्तर बढ़ गया है। अब मैं दिन में थकता नहीं हूँ और अच्छी नींद भी ले रहा हूँ और रात में जागता नहीं हूँ। आखिरकार, मेरी मांसपेशियों में पहले जैसा दर्द खत्म हो गया है। अब मुझे शरीर में कोई दर्द नहीं होता। मुझे अपना हाइड्रोजन वॉटर बहुत पसंद है और मैं इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ,'' डॉ. लेस्ली नाई कहती हैं।

हाइड्रोजन ऑक्सीजनसभी गंभीर रूप से बीमार COVID रोगियों के लिए आवश्यक।

कोविड से होने वाली मौतों में योगदान देने वाले इतने सारे कारक हैं कि हमें पूर्ण-विश्लेषण की आवश्यकता हैइस बारे में बात करने के लिए एक लंबी किताब है। मास्क (थूथन, दम घुटने और प्रदूषण उपकरण) से शुरू करते हुए, हम जानते हैं कि जब बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है तो वे कोशिकाओं में ऑक्सीजन की आपूर्ति को कम कर देते हैं।

हाइड्रोजन मेडिसिन सभी रोगियों के लिए महत्वपूर्ण है, जिनमें वायरल संक्रमण वाले रोगी भी शामिल हैं। महामारी की शुरुआत में, चीनी डॉक्टरों ने पहले से ही आईसीयू में भर्ती कोविड रोगियों के इलाज के लिए एक व्यवहार्य दृष्टिकोण अपनाया- हाइड्रोजन और ऑक्सीजन (ब्राउन गैस) को साँस में लेना। यह एक अभिनव, पर्यावरण के अनुकूल उपचार है जिसमें मानव साँस के लिए हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का मिश्रण बनाने के लिए H2O के इलेक्ट्रोलिसिस से जुड़े कोई दुष्प्रभाव नहीं हैं।

COVID-19 के उपचार के रूप में शोध के परिणाम जर्नल ऑफ़ थोरैसिक डिजीज (JTD) के जून 2020 संस्करण में प्रकाशित किए गए थे। हाल ही में हुए एक बहु-केंद्रीय, ओपन-लेबल क्लिनिकल ट्रायल में "हाइड्रोजन/ऑक्सीजन मिश्रित गैस इनहेलेशन ने कोरोनावायरस रोग 2019 के रोगियों में बीमारी की गंभीरता और श्वास कष्ट में सुधार किया" शीर्षक वाले लेख में वर्णित एक बहु-केंद्रीय, ओपन-लेबल क्लिनिकल ट्रायल में। हाइड्रोजन/ऑक्सीजन मिश्रण के इनहेलेशन ने आगे की बीमारी को बढ़ने से रोका और, सबसे खास बात यह है कि COVID-19 रोगियों द्वारा अनुभव की जाने वाली सांस की तकलीफ को कम किया।

यह एक पूर्वव्यापी अध्ययन है, जिसने कोविड-19 के रोगियों में H2-O2 मिश्रण को साँस के ज़रिए अंदर लेने की प्रभावकारिता और सुरक्षा को प्रमाणित किया है। अध्ययन से जुड़े शोध और नैदानिक परीक्षण का नेतृत्व चीन के प्रमुख महामारी नियंत्रण विशेषज्ञ और कोविड-19 से लड़ने वाले राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के विशेषज्ञ समूह के प्रमुख झोंग नानशान ने किया।

क्लिनिकल ट्रायल में कोविड-19 के 44 मरीज शामिल थे, जिनकी सांस की तकलीफ 11 अस्पतालों में नियमित उपचार के बाद भी कम नहीं हो पाई थी। हाइड्रोजन/ऑक्सीजन के तीन दिनों के निरंतर उपयोग के बाद, सभी 44 मरीजों में 46 मरीजों की तुलना में महत्वपूर्ण सुधार दिखा, जिन्हें केवल ऑक्सीजन का मानक उपचार दिया गया था।

फेफड़े की चिकित्सा में सर्वोत्तम.

जिन रोगियों ने हाइड्रोजन-ऑक्सीजन गैस का मिश्रण सूंघा उनमें सुधार देखा गयासीने में दर्द के लक्षण, श्वास कष्ट, सांस फूलना, खांसी, बलगम और तीव्र निमोनिया में यह दवा कारगर है। यह गंभीर बीमारी के जोखिम को भी कम कर सकता है, अस्पताल में रहने की अवधि को कम कर सकता है और रोगियों को फुफ्फुसीय फाइब्रोसिस में सुधार करने में मदद कर सकता है।

एस्क्लेपियस के निदेशक शिन-योंग लिन ने कहा, "हमारा मानना है कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।"उन्होंने कहा, "बिना किसी दुष्प्रभाव के अभिनव उपचार उपकरण, जिसका परिणाम सभी हाइड्रोजन चिकित्सा विशेषज्ञ देख रहे थे।" "यह निस्संदेह प्रेरणादायक है क्योंकि वर्तमान में नोवेल कोरोनावायरस निमोनिया के लिए दवाओं की कमी है।"

हाइड्रोजन चिकित्साफ्लू के लिए.



सी.डी.सी. (रोग नियंत्रण केंद्र) कभी नहीं सीखता क्योंकि वे सीखना ही नहीं चाहते। और फ्लू के मौसम के बीच में, लोग अपनी जान देकर इसकी कीमत चुकाते हैं। हर साल फ्लू के मौसम में सैकड़ों लोग बेवजह मर जाते हैं।

सी.डी.सी. ने 2017-2018 फ्लू को महामारी घोषित किया है। इंग्लैंड में यह एक महामारी थी।महामारी के कारण अस्पताल में सिर्फ़ खड़े रहने के लिए कमरे ही रह गए हैं। उन्होंने बताया कि एक समय में 50 से ज़्यादा मरीज़ों को आपातकालीन इकाइयों में बिस्तरों के लिए इंतज़ार करना पड़ता था, गलियारों में एक दिन में 120 मरीज़ होते थे और "कुछ समय से पहले मर जाते थे।"

उस वर्ष 12 जनवरी को,सीडीसी ने घोषणा कीफ्लू निगरानी के 13 वर्षों में पहली बार: 6 जनवरी तक, महाद्वीपीय अमेरिका के हर हिस्से में"व्यापक" फ्लू गतिविधि दिखाईफ्लू इतना व्यापक था कि एजेंसी ने इसे महामारी घोषित कर दिया है और उन लोगों से आग्रह किया है जो अभी तक संक्रमित नहीं हुए हैं।

टीका लगवाने के बाद फ्लू का टीका लगवाना एक बुरा विचार है। सी.डी.सी. अधिकारियों के अनुसार, यह न केवल इसलिए कि इसमें न्यूरो-टॉक्सिक पारा है, बल्कि यह केवल 30 प्रतिशत ही प्रभावी है।

सी.डी.सी. इन्फ्लूएंजा डिविजन के निदेशक डॉ. डैन जेर्निगन ने शुक्रवार को एक ब्रीफिंग के दौरान कहा, "यह पहला साल है जब पूरे महाद्वीपीय यू.एस. को ग्राफ पर एक ही रंग में दिखाया गया है, जिसका मतलब है कि इस समय पूरे महाद्वीपीय यू.एस. में व्यापक गतिविधि है।" "यह बहुत सी जगहों पर है और बहुत अधिक फ्लू का कारण बन रहा है।" उस समय, अस्पताल में भर्ती होने की दर प्रति 100,000 यू.एस. निवासियों पर 22.7 लोग थी।

अधिकांश लोगों में फ्लू हल्की बीमारी पैदा करता है, लेकिन यह गंभीर बीमारी भी पैदा कर सकता है।दूसरों में बीमारी और मृत्यु। फ्लू मौजूदा पुरानी बीमारियों को भी बढ़ा सकता है, खासकर वृद्धों में, जिससे जटिलताएं और मृत्यु हो सकती है।

यदि आप इन लक्षणों के विकसित होने के 48 घंटों के भीतर डॉक्टर से मिलते हैं, तो आप एंटीवायरल दवाएँ ले सकते हैं, जैसे कि टैमीफ्लू, जो बीमारी के दौरान होने वाले दर्द को केवल एक दिन कम कर सकती है। टैमीफ्लू हमेशा से ही एक बड़ी गलती रही है!

अगले महीने जैसे ही फ्लू के टीके लगने शुरू होंगे, कुछ लोग जो टीका लगवाएंगे, वे दिल के दौरे या स्ट्रोक से मर जाएंगे, कुछ बच्चों को दौरे पड़ेंगे, और कुछ गर्भवती महिलाओं का गर्भपात हो जाएगा। - न्यूयॉर्क टाइम्स 2009.[104]आप सोचेंगे कि सार्वजनिक मीडिया और सी.डी.सी. इस बात पर जोर देंगे कि लोग यह बात जानें।

कैंसर के साथ जीने से इन्फ्लूएंजा से होने वाली जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है("फ्लू")। यदि आपको अभी कैंसर है या पहले कभी कैंसर हुआ है, तो आपको मौसमी फ्लू या इन्फ्लूएंजा की जटिलताओं का अधिक जोखिम है, जिसमें अस्पताल में भर्ती होना और मृत्यु शामिल है। यह विशेष रूप से सच है यदि आप सर्जरी, कीमोथेरेपी या विकिरण करवा रहे हैं। "लोग फ्लू के प्रभावों को कम आंकते हैं; यह हर साल कई लाख लोगों को अस्पताल में भर्ती कराता है। यह हर साल 50,000 लोगों की जान ले सकता है, और कुछ समूह हैं - अंतर्निहित चिकित्सा स्थितियों वाले लोग, बुजुर्ग और युवा - जो फ्लू से गंभीर बीमारी के जोखिम में हैं," डॉ.

माइकल झुंग, अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के फ्लू विशेषज्ञ।

फ्लू वैक्सीन और टैमीफ्लू की आवश्यकता को प्रतिस्थापित करना।

हाइड्रोजन गैस, खास तौर पर जब ऑक्सीजन के साथ दी जाती है, तो मेडिकल सेंटर और घर पर भी गंभीर फ्लू होने पर बचाव करेगी। अगर आप हाइड्रोजन इनहेलर से जुड़े हैं तो फ्लू से मरना मुश्किल है। इन्फ्रारेड गद्दे पर गर्म रहना खास तौर पर उन लोगों के लिए आरामदायक है जिन्हें फ्लू का गंभीर मामला है।

साइटोकाइन तूफान के माध्यम से मृत्यु.

हमें यह समझने की ज़रूरत है कि हाइड्रोजन सर्वश्रेष्ठ फ़्लू दवा के लिए प्रतियोगिता का विजेता क्यों है। साइटोकाइन स्टॉर्म (जो इन्फ्लूएंजा से पीड़ित रोगी को मारता है) में तेज़ बुखार, सूजन, लालिमा, अत्यधिक थकान और मतली होती है। कुछ मामलों में, प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया घातक हो सकती है। साइटोकाइन स्टॉर्म और तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम (ARDS) को रोकने के लिए, हमें टीकों और टैमीफ्लू जैसी दवाओं का उपयोग करके रूढ़िवादी चिकित्सा प्रतिक्रियाओं से दूर होना होगा।

सेप्सिस-प्रेरित एआरडीएस वाले रोगियों से जुड़े नैदानिक परीक्षणों के डेटा ने अंग क्षति में कमी दिखाई है। विभिन्न फ्री रेडिकल एस.कैवेंजर्स (एंटीऑक्सीडेंट) के प्रशासन के बाद जीवित रहने की दर में सुधार (एआरडीएस में जीवित रहने की दर लगभग 60% है) की ओर रुझान।

हाइड्रोजन बचाव के लिए.

हाल के अध्ययनों से पता चला है कि हाइड्रोजन युक्त सलाइन के इंट्रापेरिटोनियल इंजेक्शन में आश्चर्यजनक रूप से सूजनरोधी, एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-एपोप्टोसिस प्रभाव होते हैं। इसने ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करके और बड़े पैमाने पर सूजनरोधी प्रतिक्रियाओं को कम करके पॉलीमाइक्रोबियल सेप्सिस चोट और तीव्र पेरिटोनिटिस चोट के खिलाफ जीव की रक्षा की। यह सर्वविदित है कि अधिकांश वायरल-प्रेरित ऊतक क्षति और असुविधा मुख्य रूप से इसके कारण होती है

यह वायरस के कारण नहीं बल्कि एक भड़काऊ साइटोकाइन तूफान और ऑक्सीडेटिव तनाव के कारण होता है।[105]

अध्ययनों से पता चला है कि साइटोकाइन तूफान को दबाने और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने से इन्फ्लूएंजा और अन्य गंभीर वायरल संक्रामक रोगों के लक्षणों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस प्रकार, चिकित्सा वैज्ञानिकों ने इन्फ्लूएंजा और अन्य वायरल संक्रामक रोगों से प्रेरित मल्टीपल ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम (MODS) के लिए हाइड्रोजन-समृद्ध समाधान चिकित्सा को एक सुरक्षित, विश्वसनीय और प्रभावी उपचार माना है।

फ्लू के लिए संयोजन चिकित्सा.

बेशक, अन्य बेहतरीन उपचार फ्लू के सबसे बुरे लक्षणों और दर्द से बचते हैं, जिसमें इन्फ्रारेड थेरेपी सबसे ऊपर है। फ्लू से पीड़ित होने पर बायोमैट पर कूदना स्वर्ग में कूदने जैसा है। फ्लू के हमले के दौरान एकमात्र जगह बायोमैट पर ही है! सबसे अच्छा तरीका हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैसों को हाइड्रोजन पानी के साथ मिलाकर इनहेलर के साथ देना है ताकि हाइड्रोजन की डिलीवरी के मामले में पूरी तरह से हाइड्रेशन हो सके।

फ्लू के लिए प्राकृतिक एलोपैथिक आपातकालीन चिकित्सा।



पाँच साल पहले, मैंने इन्फ्लूएंजा के खिलाफ़ एक प्रोटोकॉल प्रकाशित किया था जिसमें बुनियादी आपातकालीन कक्ष और गहन देखभाल दवाएँ शामिल हैं जो मेरे चिकित्सा दृष्टिकोण का एक अभिन्न अंग हैं। इसमें मैग्नीशियम क्लोराइड, आयोडीन, सोडियम बाइकार्बोनेट, सेलेनियम, विटामिन सी और विटामिन डी3 (यदि संभव हो तो, सूर्य के संपर्क के माध्यम से) जैसी दवाएँ शामिल हैं जो रोगियों को खतरनाक फ्लू जटिलताओं का प्रतिरोध करने और उनसे बचने में मदद करती हैं।

सांस लेने की प्रक्रिया को फिर से प्रशिक्षित करना (धीमी गति से सांस लेना) CO2 और O2 के स्तर को बढ़ाने में सहायक है, और निश्चित रूप से, पूर्ण हाइड्रेशन थेरेपी आवश्यक है। हाइड्रोजन फ्लू के सबसे बुरे प्रभावों को कम करने के लिए एकदम सही दवा है। आणविक हाइड्रोजन अभिव्यक्ति को काफी हद तक कम कर सकता है

सूजन से संबंधित जीनों की पहचान करना और चुनिंदा रूप से हाइड्रॉक्सिल रेडिकल और पेरोक्सीनाइट्राइट को कम करना।

इन्फ्रारेड थेरेपी - फ्लू के लिए बहुत अच्छी।

अगर किसी मेडिकल डिवाइस से प्यार करना संभव है, तो कोई इन्फ्रारेड बायोमैट के लिए गिर जाएगा। यह आपको ठंडी रातों में गर्म रखता है और दर्द को दूर करता है। यह विशेष रूप से सच है अगर कोई फ्लू से पीड़ित है। हर कोई बायोमैट का हकदार है, जैसे हर कोई प्यार का हकदार है। मैं उन्हें मेडिकल लव मशीन कहता हूं। बायोमैट इतने अच्छे और मददगार हैं। काश हर कोई इसे खरीद पाता!

जब दूर-अवरक्त (FIR) ऊष्मा त्वचा के माध्यम से चमड़े के नीचे के ऊतकों में प्रवेश करती है, तो यह प्रकाश से ऊष्मा ऊर्जा में बदल जाती है, रक्त केशिकाओं को फैलाती है, और शरीर को विषाक्त पदार्थों और चयापचय अपशिष्टों को पसीने के माध्यम से बाहर निकालने में सहायता करती है। गर्मी से सक्रिय, एफआईआर ऊर्जा मानव कोशिकाओं द्वारा "प्रतिध्वनि" या "प्रतिध्वनि अवशोषण" नामक प्रक्रिया में अवशोषित की जाती है।

तनाव की स्थिति में कोशिका की अनुकूलन क्षमता ही उसके भाग्य का निर्धारण करती है। सुदूर अवरक्त उपचार कोशिकाओं को प्रकाश और गर्मी से पोषित करके उनके दबाव को कम करते हैं, ऑक्सीजन की पोषण संबंधी पर्याप्तता बढ़ाते हैं, और कोशिकीय श्वसन को बढ़ाते हैं। कोशिकाओं से अधिक विषाक्त पदार्थ और अपशिष्ट बाहर निकलते हैं।

यह उपकरण पुराने अपशिष्ट उत्पादों को पिघलाने, रक्त संचार बढ़ाने और दर्द को कम करने और खत्म करने के लिए शरीर के आंतरिक तापमान को बढ़ाने के लिए सबसे अच्छा है। यह केवल कुछ इंच मोटा है, जिसे एक मजबूत गद्दे या फर्श पर रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आप अपनी पसंद के हिसाब से तापमान को समायोजित कर सकते हैं, और यह दुनिया का सबसे अद्भुत एहसास है।

यह एक साधारण इलेक्ट्रिक हीटिंग पैड से अलग है। इसकी सतह छूने पर गर्म नहीं होती, लेकिन जब आप इस पर लेटते हैं तो आपको अंदर से गर्मी महसूस होती है। यह एक लेटे-लेटे सॉना है, और अगर आप सेटिंग को बढ़ा देते हैं, तो यह आपको बिना किसी मांसपेशी को हिलाए पसीना देगा। आप इस पर पूरी रात सो सकते हैं!

सुदूर अवरक्त ऊष्मा लोगों के लिए कई तरह से फायदेमंद है:

1. एफआईआर की गर्मी केशिकाओं का विस्तार करती है, जिससे रक्त प्रवाह बढ़ता है और पुनर्जनन, बेहतर परिसंचरण और ऑक्सीजनीकरण में सहायता मिलती है।
2. सुदूर अवरक्त ऊष्मा माइटोकॉन्ड्रिया को उत्तेजित करके और एंजाइम गतिविधि को सक्रिय करके कोशिकीय चयापचय दर को गति प्रदान करती है, जिससे रोगजनकों: बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवियों का विनाश होता है। एफआईआर ऊर्जा अस्थि मज्जा द्वारा श्वेत रक्त कोशिकाओं (ल्यूकोसाइट्स) और थाइमस ग्रंथि द्वारा हत्यारा टी-कोशिकाओं के बढ़े हुए उत्पादन को उत्तेजित करके प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करती है।
3. सुदूर अवरक्त ऊष्मा फ़ाइब्रोब्लास्ट (मरम्मत के लिए आवश्यक संयोजी ऊतक कोशिकाएँ) पर सकारात्मक प्रभाव डालकर घायल ऊतक के पुनर्निर्माण को बढ़ावा देती है। यह ऊतक मरम्मत और पुनर्जनन के दौरान महत्वपूर्ण कोशिकाओं, डीएनए और प्रोटीन संश्लेषण की वृद्धि को बढ़ाता है।

सोडियम बाइकार्बोनेट (बेकिंग सोडा)।

"1918 और 1919 में, अमेरिका में 'फ्लू' से लड़ते समय, शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जो सोडा बाइकार्बोनेट से क्षारीय हो गया हो। जिन लोगों को यह बीमारी हुई, अगर उन्हें जल्दी क्षारीय किया गया, तो उन्हें हमेशा हल्के हमले हुए। मैंने उस समय से 'सर्दी', इन्फ्लूएंजा और 'ला ग्रिप' के सभी मामलों का इलाज पहले सोडा बाइकार्बोनेट की भरपूर खुराक देकर किया है, और कई मामलों में 36 घंटों के भीतर लक्षण पूरी तरह से कम हो गए थे।" (डॉ. वॉल्नी एस. चेनी ने आर्म एंड हैमर कंपनी को बताया।)

विटामिन डी फ्लू से बचाएगा।

इन्फ्लूएंजा, स्वाइन फ्लू और फेफड़ों की कमी से होने वाली मौतों के सबसे महत्वपूर्ण कारणों में से एक विटामिन डी की कमी है। विटामिन डी फ्लू सहित सभी कारणों से मरने के जोखिम को कम करता है। न्यूयॉर्क के माइनोला में विन्थ्रोप यूनिवर्सिटी अस्पताल के शोधकर्ताओं ने पाया कि स्वयंसेवकों के एक समूह को विटामिन डी की खुराक देने से तीन वर्षों में सर्दी और फ्लू के संक्रमण के मामलों में 70% की कमी आई। शोधकर्ताओं ने पाया कि विटामिन डी की खुराक देने से तीन वर्षों में सर्दी और फ्लू के संक्रमण के मामलों में 70% की कमी आई।

उन्होंने कहा कि यह विटामिन वायरस और बैक्टीरिया के प्रति ‘‘जन्मजात प्रतिरक्षा’’ को उत्तेजित करता है।

आयोडीन.

कनाडा के डॉ. डेविड डेरी लिखते हैं, "आयोडीन की अत्यधिक उच्च खुराक के गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं, लेकिन इन्फ्लूएंजा वायरस को मारने के लिए ऐसी अत्यधिक खुराक का केवल एक छोटा सा अंश ही आवश्यक है।" 1945 में, एक सफलता तब मिली जब जेडी स्टोन और सर मैकफारलैंड बर्नेट (जिन्होंने बाद में अपने क्लोनल चयन सिद्धांत के लिए नोबेल पुरस्कार जीता) ने चूहों को इन्फ्लूएंजा वायरल मिस्ट के घातक प्रभावों के संपर्क में लाया। इन्फ्लूएंजा वायरस वाले कक्षों में रखने से ठीक पहले चूहों के थूथन पर आयोडीन घोल डालकर घातक बीमारी को रोका गया। डॉ. डेरी हमें याद दिलाते हैं कि कक्षाओं में छात्रों को बहुत समय पहले आयोडीन एरोसोल थेरेपी द्वारा इन्फ्लूएंजा से बचाया गया था। एरोसोल आयोडीन ताजा छिड़के गए इन्फ्लूएंजा वायरस के खिलाफ भी प्रभावी है।

सेलेनियम.

सेलेनियम एक मजबूत एंटीऑक्सीडेंट एंटी-इंफ्लेमेटरी है। संवहनी सर्जरी को सुरक्षित बनाया जाता है; सेलेनियम इंजेक्शन से रिपरफ्यूजन इंजरी, मायोकार्डियल इंफार्क्शन और इस्केमिक स्ट्रोक को कम किया जाता है, साथ ही अनियंत्रित संक्रमणों से उत्पन्न साइटोकाइन तूफान को भी कम किया जाता है।

सेप्सिस अध्ययनों में नैदानिक जांच से पता चलता है कि सेलेनियम की उच्च खुराक अच्छी तरह से सहन की जाती है। सोडियम सेलेनाइट के रूप में सेलेनियम के निरंतर जलसेक (पहले दिन सोडियम सेलेनाइट पेंटाहाइड्रेट के रूप में 4,000 μg सेलेनियम, अगले नौ दिनों में 1,000 μg सेलेनियम/दिन) में विषाक्तता की कोई समस्या नहीं देखी गई। इस जानकारी को देखते हुए, बायोसिन, एक दवा कंपनी ने ऐसे उच्च सेलेनियम नैदानिक उपयोग के लिए 1,000 μg खुराक वाली शीशियाँ पेश कीं।

सेलेनियम की कमी वाले चूहों में इन्फ्लूएंजा वायरस के संक्रमण के बाद सेलेनियम-पर्याप्त चूहों की तुलना में फेफड़ों की अधिक गंभीर विकृति विकसित हुई। एक अन्य अध्ययन में, जब सेलेनियम की कमी वाले चूहों को हल्के से संक्रमित किया गया

इन्फ्लूएंजा वायरस के इस प्रकार के विषाणु में उत्परिवर्तन हुआ और यह अधिक विषैला हो गया, जिसने सेलेनियम-पर्याप्त चूहों में भी गंभीर फेफड़ों की विकृति उत्पन्न कर दी।

सेलेनियम पारे का एक मारक भी है, क्योंकि इसमें पारे के प्रति किसी भी अन्य परमाणु की तुलना में अधिक आकर्षण होता है। इसलिए सेलेनियम दोहरा काम करता है, पारे की विषाक्तता को कम करता है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि पारे की विषाक्तता इन्फ्लूएंजा को भड़काने के लिए जानी जाती है।

मैग्नीशियम क्लोराइड.

मैग्नीशियम क्लोराइड (मैग्नीशियम तेल) हमेशा से मेरी पसंदीदा दवा रही है और रहेगी जो समग्र शरीरक्रिया को सकारात्मक और सीधे तौर पर प्रभावित करती है। डॉ. राउल वर्जिनी कहते हैं, "मैग्नीशियम क्लोराइड में तीव्र वायरल और बैक्टीरियल रोगों पर एक अद्वितीय उपचार शक्ति है। इसने पोलियो और डिप्थीरिया को ठीक किया और यह मेरी मैग्नीशियम पुस्तक का मुख्य विषय है। कुछ ग्राम मैग्नीशियम क्लोराइड हर कुछ घंटों में लगभग सभी तीव्र बीमारियों को ठीक कर देगा, जिन्हें कुछ घंटों में ठीक किया जा सकता है। मैंने कई फ्लू के मामलों को 24-48 घंटों में ठीक होते देखा है, जिसमें हर 6-8 घंटे में तीन ग्राम मैग्नीशियम क्लोराइड लिया जाता है।"

अंतःशिरा विटामिन सी.

जब लोग जीवन और मृत्यु के बीच होते हैं, तो अंतःशिरा विटामिन सी एक गहन उपचार है। इसमें लोगों को कगार से वापस लाने की शक्ति है। विटामिन सी (एस्कॉर्बिक एसिड) कई तरह के लाभों में योगदान देता है। यह शरीर के भीतर कई महत्वपूर्ण कार्य करता है जिसमें विषहरण, ऊतक निर्माण, प्रतिरक्षा वृद्धि, दर्द नियंत्रण और रोगजनक जीवों को नियंत्रित करना या मारना शामिल है। यह घाव और हड्डियों को ठीक करने, स्वस्थ त्वचा और आँखों, संक्रमण से लड़ने, तनाव नियंत्रण, विषाक्त जोखिम और सभी प्रकार के क्षतिग्रस्त ऊतकों की मरम्मत में मदद करने के लिए भी जाना जाता है।

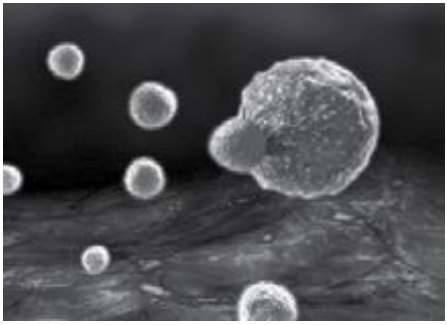
कैनाबिनोइड चिकित्सा.

यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग फार्मेसी विभाग में, डॉ. बेन व्हाले ने कहा कि जानवरों पर किए गए परीक्षणों से पता चला है कि मारिजुआना के यौगिक दौरे और ऐंठन को प्रभावी ढंग से रोकते हैं, साथ ही मौजूदा मिर्गी की दवाओं की तुलना में इसके साइड इफेक्ट भी कम हैं। बेथेस्डा, मैरीलैंड में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (NIH) में, चूहे की तंत्रिका कोशिकाओं को स्ट्रोक के दौरान आमतौर पर निकलने वाले विष के संपर्क में लाया गया। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की रिपोर्ट के अनुसार, कैनाबिडियोल नुकसान की सीमा को कम करता है। विटामिन सी या ई से अधिक प्रभावी, शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट जैसे कि कैनाबिडियोल (CBD) मनोरंजन और अन्य चिकित्सा उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले मारिजुआना के साथ उच्च अनुभव के बिना मुक्त कणों को बेअसर कर देगा। भांग के सभी रूपों में एंटी-ऑक्सीडेटिव, न्यूरोप्रोटेक्टिव, इम्यूनोमॉड्यूलेशन, एनाल्जेसिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी क्रियाएं होती हैं।

इन मुख्य शारीरिक सुरक्षात्मक तंत्रों से परे, मारिजुआना धूम्रपान जैसी सरल चीज़ इन्फ्लूएंजा के दर्द और परेशानी के लिए आदर्श है। "हाई" के साथ या उसके बिना, कैनाबिनोइड दवा सुरक्षित दर्द से राहत प्रदान करती है, साथ ही यह ठीक भी करती है और सुरक्षा भी करती है। फ्लू के सबसे बुरे प्रभावों के खिलाफ नियमित उपचार के लिए इसे अस्पतालों और घर पर व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

मैं ऊपर वयस्कों के लिए जो कह रही हूँ, वह बच्चों पर भी लागू होता है। डॉ. एस्टर फ्राइड बाल चिकित्सा में कैनाबिनोइड्स के उपयोग की दृढ़ता से अनुशंसा करती हैं। वहउन्होंने बताया कि बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी और गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारियों या मस्तिष्क आघात वाले बच्चों के केस स्टडीज़ में "उत्कृष्ट नैदानिक परिणाम" रिपोर्ट किए गए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि कैनबिस से प्राप्त दवाएँ अन्य बचपन के सिंड्रोम के इलाज में भी भूमिका निभा सकती हैं, जिसमें सिस्टिक फाइब्रोसिस से जुड़े दर्द और जठरांत्र संबंधी सूजन शामिल हैं।

प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाना.



श्वेत रक्त कोशिका, जिसे टी कोशिका भी कहा जाता है, अपनी सतह पर विशिष्ट रोगजनकों को पहचानने के लिए अनोखी संरचनाएं रखती है।

‘‘कुल मिलाकर, आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली आपके शरीर को संक्रमण से बचाने में उल्लेखनीय काम करती है।रोग पैदा करने वाले सूक्ष्मजीवों के खिलाफ़ आपकी रक्षा करता है। लेकिन कभी-कभी यह विफल हो जाता है: एक रोगाणु सफलतापूर्वक आक्रमण करता है और आपको बीमार कर देता है। क्या इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना और अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाना संभव है? क्या होगा यदि आप अपने आहार में सुधार करें? कुछ विटामिन या हर्बल तैयारियाँ लें? एक लगभग पूर्ण प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करने की उम्मीद में जीवनशैली में अन्य बदलाव करें? अपनी प्रतिरक्षा को बढ़ाने का विचार आकर्षक है, लेकिन ऐसा करने की क्षमता कई कारणों से मायावी साबित हुई है। प्रतिरक्षा प्रणाली वास्तव में यही है - एक प्रणाली, एक एकल इकाई नहीं। अच्छी तरह से काम करने के लिए, इसे संतुलन और सामंजस्य की आवश्यकता होती है। शोधकर्ताओं के लिए अभी भी बहुत कुछ है

प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की पेचीदगियों और अंतर्संबंधों के बारे में नहीं जानते।" हार्वर्ड हेल्थ।

दवा कंपनियाँ और ऑन्कोलॉजिस्ट जिस तरह की प्रतिरक्षा चिकित्सा का समर्थन करते हैं, उसकी कीमत सालाना एक मिलियन डॉलर से ज़्यादा होती है। निवोलुमैब की कीमत 28.78 डॉलर प्रति मिलीग्राम है, जबकि इपिलिम्यूमैब की कीमत 157.46 डॉलर प्रति मिलीग्राम है। मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर, न्यूयॉर्क शहर के एमडी लियोनार्ड साल्ट्ज ने टिप्पणी की, "इसे परिप्रेक्ष्य में रखें तो यह सोने की कीमत से लगभग 4000 गुना ज़्यादा है।" एक मिलियन डॉलर के लिए, व्यक्ति को न केवल उपचार के बाद दिवालिया होने का जोखिम उठाना पड़ता है, बल्कि मरने का भी जोखिम उठाना पड़ता है:

टी-कोशिका उपचार कितने प्रभावशाली हैं इसका एक संकेत यह है कि अधिकांश रोगी इससे पीड़ित होते हैं।"साइटोकाइन रिलीज सिंड्रोम" से, कोशिकाओं द्वारा कैंसर से लड़ने पर उत्पन्न अणुओं का एक तूफान। इस सिंड्रोम ने कम से कम सात रोगियों की जान ले ली है। -

प्राकृतिक एलोपैथिक दवा प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्तेजित करने का एक सुरक्षित और असीम रूप से कम खर्चीला तरीका प्रदान करती है। हालाँकि पूरा प्रोटोकॉल मददगार से कहीं ज़्यादा है (आयोडीन, सेलेनियम और मैग्नीशियम, सोडियम बाइकार्बोनेट), हम प्रतिरक्षा प्रणाली को शीर्ष कार्य क्रम में लाने के लिए प्रोटोकॉल सूची में हाइड्रोजन और इन्फ्रारेड थेरेपी को सबसे ऊपर रखते हैं।

हाइड्रोजन और प्रतिरक्षा प्रणाली.

ऑक्सीडेटिव तनाव प्रतिरक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है; इसलिए, हाइड्रोजन प्रतिरक्षा प्रणाली की ताकत को पुनर्जीवित करने के लिए एकदम सही दवा है। महत्वपूर्ण ऑक्सीडेटिव तनाव के तहत, टी कोशिकाओं को नुकसान के कारण प्रतिरक्षा प्रणाली ठीक से काम नहीं करती है। इसके बजाय, टी कोशिकाएं विभाजित हो जाती हैं और मर जाती हैं, जिससे संक्रमण जीर्ण हो जाता है। ऑक्सीडेटिव तनाव प्रतिरक्षा प्रणाली को सीमित करता है। चूंकि हम जानते हैं कि सेलेनियम जैसे खनिज इष्टतम एंटी-ऑक्सीडेटिव स्थिति को बढ़ावा देते हैं, जो सबसे बड़ी प्रतिरक्षा रक्षा है, हम आसानी से मान सकते हैं कि यह प्रक्रिया आणविक हाइड्रोजन और अन्य एंटीऑक्सिडेंट के संयोजन से संवर्धित होगी।

ETH ज्यूरिख के प्रोफेसर मैनफ्रेड कोफ के साथ काम करने वाली एक शोध टीमइंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर हेल्थ साइंसेज के शोधकर्ताओं ने प्रतिरक्षा कोशिकाओं पर ऑक्सीडेटिव तनाव के प्रभावों का पता लगाने का प्रयास किया। उन्होंने पाया कि जब कोई वायरस

शरीर पर आक्रमण होने पर, टी कोशिकाएँ सक्रिय हो जाती हैं और तेज़ी से बढ़ती हैं। इन कोशिकाओं का एक उप-वर्ग, CD8+T कोशिकाएँ, संक्रमित कोशिकाओं को मारकर वायरस को खत्म कर देती हैं। CD4+T कोशिकाएँ विभिन्न रोगजनकों के प्रति प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का समन्वय करती हैं। टी कोशिकाओं को पूरी तरह से विभाजित होने और जीतने में एक सप्ताह तक का समय लग सकता है।

डॉ. मैनफ्रेड कोफ़ और उनकी टीम ने दिखाया है कि विटामिन ई जैसे एंटीऑक्सीडेंट की उच्च खुराक प्रतिरक्षा कोशिकाओं के तनाव को कम कर सकती है। हाइड्रोजन, परम एंटीऑक्सीडेंट के रूप में, प्रतिरक्षा प्रणाली की कोशिकाओं को राहत प्रदान करेगा।

ये शोधकर्ता उच्च विटामिन युक्त पेय पदार्थों को मिलाकर प्रतिरक्षा कोशिकाओं को बचा सकते हैं।जानवरों के भोजन में ई खुराक दी गई। यह टी कोशिकाओं की कोशिका झिल्लियों को नुकसान से बचाने के लिए पर्याप्त एंटीऑक्सीडेंट था, ताकि वे गुणा कर सकें और वायरल संक्रमण से सफलतापूर्वक बचाव कर सकें। डॉ. कोफ़ कहते हैं, "हम यह प्रदर्शित करने वाले पहले व्यक्ति हैं कि ऑक्सीडेटिव तनाव के कारण प्रतिरक्षा कोशिकाएँ कैंसर कोशिकाओं जैसी ही मृत्यु का सामना करती हैं।"

शरीर का मुख्य तापमान बढ़ाना.

प्रतिरक्षा प्रणाली की प्रतिक्रिया को बढ़ाने का एक और मूल्यवान और महत्वपूर्ण तरीका है इन्फ्रारेड थेरेपी के साथ शरीर का तापमान बढ़ाना। 98.6° F अधिकांश लोगों के लिए प्राकृतिक ऑपरेटिंग तापमान है। प्रतिरक्षा प्रणाली का कार्य, जीवन शक्ति और चयापचय लगभग 50- 70% तापमान की हानि के साथ कम हो जाता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि किसी व्यक्ति का बेसल शरीर का तापमान कितना कम हो जाता है।

गर्मी की कमी अक्सर ठंडे हाथों और पैरों के साथ दिखाई देती है, लेकिन पुरानी ठंड की बीमारियों के साथ भी: अवसाद, जलन, थकान, आर्थ्रोसिस, नपुंसकता, पार्किंसंस, एमएस, और मनोभ्रंश, साथ ही कई अन्य बीमारियाँ। जब शरीर का तापमान कम होता है तो कैंसर के ट्यूमर तेजी से बढ़ते हैं। शरीर का कम तापमान कैंसर को आमंत्रित करता है क्योंकि प्रतिरक्षा प्रणाली की कैंसर कोशिकाओं को शरीर से बाहर निकालने की कम क्षमता होती है।

The राष्ट्रीय कैंसर संस्थान कहते हैं, "अतिताप (जिसे थर्मल थेरेपी या थर्मोथेरेपी भी कहा जाता है) एक कैंसर उपचार है जिसमें शरीर के ऊतकों को उच्च तापमान के संपर्क में लाया जाता है। शोध से पता चला है कि उच्च तापमान

कैंसर कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है और मार सकता है, आमतौर पर सामान्य ऊतकों को कम से कम नुकसान पहुंचाता है। कई अध्ययनों से पता चला है कि हाइपरथर्मिया को अन्य उपचारों के साथ मिलाने से ट्यूमर के आकार में उल्लेखनीय कमी आई है।"

अमेरिकन कैंसर सोसाइटी का कहना है, "हाइपरथर्मिया का मतलब है हीट ट्रीटमेंट - चिकित्सा उद्देश्यों के लिए गर्मी का सावधानीपूर्वक नियंत्रित उपयोग। जब शरीर में कोशिकाएँ सामान्य से ज़्यादा तापमान के संपर्क में आती हैं, तो कोशिकाओं के अंदर बदलाव होते हैं। इन बदलावों की वजह से कोशिकाओं पर रेडिएशन थेरेपी या कीमोथेरेपी का असर होने की संभावना बढ़ जाती है। बहुत ज़्यादा तापमान कैंसर कोशिकाओं को पूरी तरह से खत्म कर सकता है।"

ऑटिज़्म के लिए हाइड्रोजन और बाइकार्बोनेट एलईडी उपचार।



रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, ऑटिज्म की दरें एजेंसी के ऑटिज्म और विकासात्मक विकलांगता निगरानी (एडीडीएम) नेटवर्क द्वारा दर्ज की गई अब तक की सबसे अधिक दर से बढ़ी हैं। यह व्यापक ट्रैकिंग सिस्टम 300,000 से अधिक 8 वर्षीय बच्चों में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (एएसडी) की व्यापकता और विशेषताओं की निगरानी करता है। (नमूने में देश के 8 वर्षीय बच्चों का लगभग 8% शामिल है।)

2014 के शोध पर आधारित अध्ययन में फिर से न्यू जर्सी को सबसे अधिक घटनाओं वाला राज्य बताया गया है। उस राज्य में 34 में से एक बच्चा या 3 प्रतिशत ऑटिज्म स्पेक्ट्रम में आता है, जिसमें सामाजिक, व्यवहारिक और सीखने संबंधी विकार शामिल हैं, जो मुश्किल से दिखने वाले से लेकर गंभीर रूप से दुर्बल करने वाले तक होते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर, प्रचलन में वृद्धि हुई है

अध्ययन के अनुसार, 2000 से 150 प्रतिशत, ऑटिज़्म को "एक जरूरी समस्या" कहा गया हैसार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता।"

अधिकांश मुख्यधारा के चिकित्सा वैज्ञानिक इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि ऑटिज़्म का कारण क्या है क्योंकि वे दवा के फार्मास्यूटिकल प्रतिमान से परे बहुत कम समझते हैं। उन्हें पर्यावरणीय जोखिमों या ट्रिगर्स पर संदेह है, लेकिन यह हमारे बच्चों पर लक्षित मार्टियन किरण बंदूकें हो सकती हैं। इस प्रकार, उनके लिए, उनकी सभी अनिश्चितता और संदेह के साथ, ऑटिज़्म का कोई इलाज नहीं है।

अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (AAP) रे गन में विश्वास करता है। उनके अनुसार, "ऑटिज्म कोई खास बीमारी नहीं है, बल्कि मस्तिष्क के विकास में होने वाली बीमारियों का एक संग्रह है जिसका एक मजबूत आनुवंशिक आधार है, हालांकि इसका सटीक कारण पूरी तरह से ज्ञात नहीं है।"[106] फिर भी, ज़्यादातर डॉक्टर जानते हैं कि आनुवंशिक बीमारी का अचानक महामारी बनना असंभव है। मेरी किताब द टेरर ऑफ़ पीडियाट्रिक मेडिसिन में, शीर्षक को देखकर कोई भी इस संस्था के बारे में मेरी राय जान सकता है।

कम से कम यह कहना तो दुखद है कि सी.डी.सी. और ए.ए.पी. ने ऑटिज्म के बारे में जो कहा है, या उससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वे जो नहीं कहते हैं। सी.डी.सी. के अनुसार, ऑटिज्म की पहचान और रिपोर्टिंग में यह वृद्धि ऑक्सीडेटिव तनाव में वृद्धि और खतरनाक टीकों के विनाशकारी महामारी में योगदान के कारण नहीं है।

वे चेतावनी देते हैं कि ज़्यादा बच्चों में ऑटिज़्म का निदान होने का मतलब यह नहीं है कि ऑटिज़्म ज़्यादा आम हो रहा है। हालाँकि, ऑटिज़्म बहुत आम है और दशकों से बदतर होता जा रहा है, फिर भी बेरहम चिकित्सा संस्थान महामारी और हर जगह परिवारों की भयानक पीड़ा को कम आंकते हैं।

ऑटिज्म के कई कारण ज्ञात हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि सी.डी.सी.ऑटिज्म के कारण होने वाली अपनी भूमिका की सच्चाई का सामना नहीं करना चाहता। चिकित्सा प्रतिष्ठान ने बच्चों को नुकसान से बचाने की अपनी जिम्मेदारियों को छोड़ दिया है और माता-पिता को पारे के पर्यावरणीय खतरों के बारे में चेतावनी नहीं दे रहा है। सभी का दिमाग इस तरह से धोया गया है कि वे CO2 उत्सर्जन के बारे में उन्मादी हो जाते हैं, जबकि धुएँ के ढेर से निकलने वाला पारा जीवमंडल को कहीं ज़्यादा नुकसान पहुँचाता है।

सी.डी.सी. ऑटिस्टिक बच्चों के माता-पिता के साथ कभी भी खुलकर बात नहीं करेगा, क्योंकि वे ऑटिज्म के मुख्य कारणों के पीछे पूरी तरह से खड़े हैं। वे अपनी तरफ से पूरी कोशिश करते हैंचाहे कितने भी बच्चों को टीकों से नुकसान क्यों न हो, वे सही और सच्ची जानकारी देने से इनकार करेंगे; वे कहेंगे कि उनका सुरक्षा रिकॉर्ड बहुत बढ़िया है। टीके उन कई ज़हरीले अपमानों में से एक हैं जिनका सामना बच्चों को करना पड़ता है।

ईपीए के अनुसार, फ्लू शॉट्स में मौजूद पारे की मात्रा को सुरक्षित रूप से संसाधित
करने के लिए एक व्यक्ति का वजन 500 पाउंड से अधिक होना चाहिए। और,
फिर भी ये शॉट्स
गर्भवती महिलाओं और शिशुओं के लिए अनुशंसित हैं।

दुनिया भर के हर बाल चिकित्सा संगठन के अधिकारी टीकों और ऑटिज्म के बीच संबंधों से इनकार करते हैं; वास्तव में, वे बहुत आगे निकल गए हैं। कुछ लोग यह दावा करने की हिम्मत करते हैं कि इंजेक्शन वाला पारा बच्चों के लिए उपयुक्त हो सकता है। बाल चिकित्सा के सितंबर 2004 के अंक में कहा गया है कि प्रिजर्वेटिव थिमेरोसल युक्त टीकों से शिशुओं का टीकाकरण करने से व्यवहार और मानसिक प्रदर्शन में सुधार हो सकता है।[107]यह चिकित्सा आतंकवाद हैबच्चों के प्रति ऐसी भावनाएँ; ऐसे रवैये का और क्या वर्णन किया जा सकता है?

हालांकि, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों को उत्पन्न करने में पारे की भूमिका पर उंगली उठाने से उन अनेक कारणों को नकारा नहीं जा सकता, जो अंततः बच्चों को इस हद तक कमजोर कर देते हैं कि टीकों में रसायनों से उत्पन्न विषाक्त भार इतना अधिक हो जाता है कि उसे संभालना मुश्किल हो जाता है।

बिजली संयंत्र कोयला जलाकर प्रति वर्ष 48 टन पारा वायुमंडल में छोड़ते हैं।

अकेले अमेरिका में, अस्पताल जो अपना कचरा जलाते हैं, वे हर साल बीस टन हवा में छोड़ते हैं और संभावित रूप से दो सौ टन से ज़्यादा पर्यावरण में खो जाते हैं क्योंकि स्फिग्मोमैनोमीटर की मरम्मत के लिए अस्पतालों में इतना ही पारा (Hg) मंगवाया जाता है। हर प्लास्टिक निर्माता इसे बाहर फेंकता है, और हर नई कार इसके धुएं से भरी होती है। इसके अलावा, कई माताएँ अपने दांतों के अमलगम से पारे की भाप अपने मुँह में छोड़ती हैं।

ऑटिज्म या ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (ASD) के एटिओपैथोजेनेसिस में विभिन्न कारक शामिल होते हैं, जैसे कि बिगड़ी हुई प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया,

तंत्रिका-सूजन, असामान्य तंत्रिका-संचरण, ऑक्सीडेटिव तनाव, माइटोकॉन्ड्रियल शिथिलता, पर्यावरण विषाक्त पदार्थ और तनाव कारक। वर्तमान में क्या समझा जाता है:

- ऑक्सीडेटिव तनाव एक भूमिका निभाता है।
- ऑटिस्टिक लोगों में ऑक्सीडेटिव तनाव मार्करों का स्तर अधिक होता हैउनके मूत्र (ऑक्सीडेटिव तनाव का एक उपाय) में ऑक्सीडेटिव तनाव की मात्रा अधिक होती है, तथा ऑटिज्म जितना गंभीर होता है, स्तर भी उतना ही अधिक होता है।
- लिपिड पेरोक्सीडेशन में वृद्धि.
- ग्लूटाथियोन के स्तर में कमी.

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (एनएएस) के अनुसार, हर साल 60,000 अमेरिकी बच्चे जीवाश्म ईंधन और औद्योगिक वायु प्रदूषण से मिथाइल मरकरी यौगिकों के जन्मपूर्व संपर्क के कारण न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के साथ पैदा होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान है कि वायु प्रदूषण से हर साल 3 मिलियन लोगों की मौत होती है। वायु प्रदूषक धमनियों में सिकुड़न पैदा करते हैं और हृदय और मस्तिष्क में रक्त प्रवाह और ऑक्सीजन की आपूर्ति को कम करते हैं। उल्लेखनीय रूप से, हवा में पाए जाने वाले रासायनिक प्रदूषकों का कोई सुरक्षित स्तर नहीं है; वे बहुत कम स्तर पर भी मनुष्यों को नुकसान पहुँचाते हैं। हाल की रिपोर्टों का अनुमान है कि दुनिया की 95 प्रतिशत आबादी खतरनाक वायु प्रदूषण के स्तर के संपर्क में है।

ऑटिज्म हम पर इसलिए है क्योंकि यह इसका परिणाम है
प्रत्येक जीवित प्राणी को टीकों सहित विषाक्त पदार्थों से भरने का 50 साल का प्रयोग।

डॉ. ग्रेगरी एलिस

अपनी तरह के पहले अध्ययन के अनुसार, सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में ऑटिज्म विकार वाले बच्चों के ऐसे इलाकों में पैदा होने की संभावना 50% अधिक थी, जहाँ कई जहरीले वायु प्रदूषक, विशेष रूप से पारा की मात्रा अधिक थी। नए निष्कर्षों ने शोधकर्ताओं को आश्चर्यचकित कर दिया, जिससे पता चलता है कि गर्भवती होने के दौरान औद्योगिक वायु प्रदूषकों (अधिक ऑक्सीडेटिव तनाव) के संपर्क में आने से उसके बच्चे में ऑटिज्म का खतरा बढ़ सकता है।

एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों की माताओं ने प्रसव से पूर्व वर्ष के दौरान एक लोकप्रिय प्रकार की अवसादरोधी दवा ली थी, उनमें ऑटिज्म का खतरा अधिक था।

प्रोज़ैक, ज़ोलॉफ़्ट, सेलेक्सा और लेक्साप्रो जैसी दवाएँ उन बच्चों में ऑटिज़्म का जोखिम बढ़ाती हैं जिनकी माताओं ने प्रसव से एक साल पहले इनका सेवन किया हो। फिर से, CDC इसमें शामिल है, जैसा कि मीडिया कभी रिपोर्ट नहीं करेगा कि ये दवाएँ बच्चों को कैसे प्रभावित करती हैं। इसी तरह, अमेरिका में बड़े पैमाने पर हो रही हत्याओं के बीच, क्या आपने कभी इस बारे में कोई रिपोर्ट पढ़ी है कि ये लोग कौन सी दवाएँ ले रहे हैं?

कई साल पहले, मैंने ऑटिज़्म के कई कारणों के बारे में एक निबंध लिखा थाइस अध्याय में, हम उनमें से कई के बारे में बात करते हैं, लेकिन इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि उनके मूल में क्या है: ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन। विषाक्तता हमारे चारों ओर है और बदतर होती जा रही है, फिर भी डॉक्टर इसके बारे में बात नहीं करेंगे क्योंकि वे जोखिम के प्राथमिक स्रोतों में से हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने 2011 में जुड़वां बच्चों पर किए गए एक अध्ययन में बताया था कि पर्यावरणऑटिज़्म के कारणों में गर्भ में स्थितियाँ सहित अन्य कारक कम से कम जीन जितने ही महत्वपूर्ण हो सकते हैं। गणितीय मॉडलिंग ने सुझाव दिया कि अध्ययन के केवल 38 प्रतिशत मामलों को आनुवंशिक कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। इसके विपरीत, 58 प्रतिशत मुद्दों में पर्यावरणीय कारक काम करते दिखाई दिए।

पारा सल्फहाइड्रिल समूहों के प्रति अपनी आत्मीयता के कारण जैविक
प्रणालियों में परिवर्तन लाता है, जो कि निम्न हैं:
अधिकांश एंजाइमों और हार्मोनों के कार्यात्मक भाग।
यह कोशिका संरचना में परिवर्तन लाता है, तथा महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉन स्थानांतरण प्रतिक्रियाओं को
बाधित करता है, जिसके परिणामस्वरूप शरीर की प्रतिरक्षा रक्षा और मरम्मत प्रणाली द्वारा
कोशिकाओं को विदेशी माना जाता है।

डॉ. रशीद बुड्डर

ग्रीनपीस ने भारत में एक अध्ययन किया और पाया कि, "कीटनाशकों के तंत्रिका संबंधी प्रभावों में स्मृति, एकाग्रता, मोटर कौशल, निर्णय और विश्लेषण पर प्रभाव शामिल हैं। अध्ययन में बच्चों के समूहों के बीच उल्लेखनीय अंतर पाया गया, जिसमें सांख्यिकीय रूप से सुसंगत रुझान थे। अन्य सभी भ्रमित करने वाले कारकों को नियंत्रित करने के बाद, परेशान करने वाले निष्कर्षों का एकमात्र महत्वपूर्ण कारण बच्चों का कीटनाशकों के संपर्क में आना है।"

विषविज्ञानी डॉ. आइजैक पेसाह ने कहा, "इससे पता चलता है कि ऑटिज्म की शुरुआत और पर्यावरण के संपर्कों के बीच संबंध हो सकते हैं, खासकर जब यह धातु के संपर्क से संबंधित हो।" वे यूसी डेविस सेंटर फॉर चिल्ड्रन एनवायर्नमेंटल हेल्थ एंड डिजीज प्रिवेंशन के प्रमुख हैं। डॉ. पेसाह यूनिवर्सिटी के MIND (मेडिकल इन्वेस्टिगेशन ऑफ न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर) इंस्टीट्यूट में शोधकर्ता हैं, जो ऑटिज्म का अध्ययन करता है।

सभी कारण ऑक्सीडेटिव तनाव को बढ़ाते हैं।

ऑटिस्टिक रोगियों के मस्तिष्क में दीर्घकालिक सूजन, जो कि अत्यधिक मात्रा में ऑक्सीजन के सेवन के कारण होती हैसक्रिय प्रतिरक्षा प्रणाली, स्वप्रतिरक्षा का संकेत है। सूजन यह संकेत देती है कि मस्तिष्क एक ऐसी प्रक्रिया पर प्रतिक्रिया करता है जो मस्तिष्क कोशिकाओं पर दबाव डालती है या उन्हें नुकसान पहुंचाती है, एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें ऑक्सीडेटिव तनाव का उच्च स्तर शामिल होता है।

डॉ. सैंड्रा जिल जेम्स, डॉ. वुडी आर. मैकगिनिस और अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों के अध्ययनों ने इस बात के प्रमाण प्रदान किए हैं कि ऑटिस्टिक बच्चों में ऑक्सीडेटिव तनाव का स्तर बढ़ा हुआ होता है। उन्होंने पाया है कि ऑटिस्टिक बच्चों में उनके शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव के बढ़े हुए स्तर का मुकाबला करने के लिए एंटीऑक्सीडेंट क्षमता की कमी होती है, इसलिए उनकी विषहरण क्षमता कम होती है।

अरकंसास विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिसिन के डॉ. जेम्स ने प्रतिगामी ऑटिज्म से पीड़ित 95 ऑटिस्टिक बच्चों में एक अद्वितीय चयापचय प्रोफ़ाइल का दस्तावेजीकरण किया है।[108]प्रतिगामी ऑटिज्म एक प्रकार की बीमारी है जिसमें बच्चे पहले से सीखी गई भाषा या व्यवहार को खोने से पहले एक निश्चित अवधि के लिए सामान्य रूप से विकसित होते हैं और ऑटिज्म का निदान किया जाता है। जेम्स अध्ययन बच्चों की चयापचय प्रोफ़ाइल स्वस्थ नियंत्रण बच्चों के एक समूह की तुलना में ऑटिस्टिक बच्चों में सक्रिय से निष्क्रिय ग्लूटाथियोन के अनुपात में गंभीर असंतुलन के रूप में प्रकट होती है। ग्लूटाथियोन, एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट, शरीर का सबसे मूल्यवान उपकरण है जो धातुओं को डिटॉक्सीफाई और उत्सर्जित करता है, शरीर में इसका उत्पादन अच्छे पोषण पर निर्भर करता है।

जेम्स अध्ययन से पता चलता है कि प्रतिगामी ऑटिज़्म वाले बच्चों में सामान्य स्वस्थ बच्चों की तुलना में ऑक्सीडेटिव तनाव का स्तर लगातार बढ़ा हुआ होता है। कम ग्लूटाथियोन एंटीऑक्सीडेंट क्षमता वाले व्यक्ति क्रोनिक ऑक्सीडेटिव तनाव में होंगे और विषाक्त पदार्थों के प्रति अधिक संवेदनशील होंगे

यौगिक जो मुख्य रूप से ऑक्सीडेटिव क्षति के माध्यम से कार्य करते हैं, जिनमें पारा भी शामिल है।

तीन स्वतंत्र केस-कंट्रोल अध्ययनों में, डॉ. जेम्स ने पाया कि डिटॉक्सिफिकेशन और एंटीऑक्सीडेंट क्षमता के लिए महत्वपूर्ण मेटाबोलाइट्स के प्लाज्मा स्तर ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में आयु-मिलान वाले नियंत्रणों की तुलना में काफी कम हैं। एंटीऑक्सीडेंट/डिटॉक्सिफिकेशन क्षमता में यह कमी ऑक्सीडेटिव डीएनए क्षति और प्रतिरक्षा कोशिकाओं में माइटोकॉन्ड्रियल शिथिलता के साक्ष्य से जुड़ी थी। हाल ही में, उन्होंने और उनकी टीम ने ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों से प्राप्त मस्तिष्क ऊतक की जांच की है। उन्होंने अप्रभावित मस्तिष्क की तुलना में एंटीऑक्सीडेंट क्षमता और मस्तिष्क की सूजन और माइटोकॉन्ड्रियल शिथिलता के साक्ष्य में समान कमी पाई।

पारे (Hg) का प्राथमिक विनाश इसके ऑक्सीडेटिव निर्माण से होता हैतनाव, ग्लूटाथियोन की कमी, और प्रोटीन पर सल्फहाइड्रिल समूहों से बंधने से नुकसान होता है। जब ग्लूटाथियोन का स्तर कम हो जाता है, तो ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ जाता है।[109]

एंटीऑक्सीडेंट रक्षा क्षमता.

डॉ. अहमद ग़नीज़ादेह लिखते हैं, "ऑक्सीडेटिव तनाव और एंटीऑक्सीडेंट रक्षा क्षमता के बीच संतुलन होना चाहिए। ऑक्सीडेटिव तनाव ऑटिज़्म में एक कारणपूर्ण भूमिका निभाता है। जबकि ऑटिज़्म में ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ जाता है, मिथाइलेशन क्षमता क्षीण हो जाती है। ऑटिज़्म में एंटीऑक्सीडेंट और मिथाइलेशन क्षमता में कमी ऑटिज़्म के लिए एक विशिष्ट खोज है। ग्लूटाथियोन (GSH) ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने के लिए ज़िम्मेदार है। प्रमुख इंट्रासेल्युलर रेडॉक्स (कमी/ऑक्सीकरण) बफर GSH है। सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेस (SOD), कैटेलेज और ग्लूटाथियोन पेरोक्सीडेज (GSH-Px) के एंजाइम रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज़ (ROS) को खत्म करने में भाग लेते हैं। ऑटिज़्म में SOD और GSH-Px का स्तर बढ़ जाता है। ROS का बढ़ा हुआ स्तर कुछ बायोमॉलीक्यूल्स जैसे कि मेम्ब्रेन लिपिड को ऑक्सीकृत कर सकता है।

यूसी डेविस के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया है कि ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में कोशिका उत्पादन में कमी होने की संभावना अधिक होती है।

विकासशील बच्चों के लिए सामान्य से ज़्यादा ऊर्जा की आवश्यकता होती है। जर्नल ऑफ़ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (JAMA) में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि कोशिका के ऊर्जा उत्पादक माइटोकॉन्ड्रिया में संचयी क्षति और ऑक्सीडेटिव तनाव ऑटिज़्म की शुरुआत और गंभीरता दोनों को प्रभावित कर सकता है, जो ऑटिज़्म और माइटोकॉन्ड्रियल दोषों के बीच एक मजबूत संबंध का सुझाव देता है।[110]

ऑक्सीडेटिव तनाव के उच्च स्तर वाले ऑटिस्टिक रोगियों के लिए हाइड्रोजन चिकित्सा।

बिगड़ा हुआ एंटीऑक्सीडेंट उत्पादन ऑटिस्टिक विकारों की कई अलग-अलग विशेषताओं के लिए एक सामान्य तर्क प्रदान करता है। आणविक हाइड्रोजन ऑक्सीडेटिव तनाव के लिए एकदम सही चिकित्सा उपचार है। हाइड्रोजन इनहेलर डिवाइस के साथ हाइड्रोजन गैस को साँस लेने से सबसे तीव्र ऑक्सीडेटिव आग और सूजन को बुझाया जा सकता है। आणविक हाइड्रोजन में एंटी-ऑक्सीडेटिव और एंटी-इंफ्लेमेटरी गतिविधियाँ और न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव होते हैं।[111]हम हाइड्रोजन के सेवन से एंटी-ऑक्सीडेटिव एंजाइम सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेस (एसओडी) का स्तर बढ़ता हुआ देखते हैं।[112]हाइड्रोजन युक्त खारा घोल Aβ-प्रेरित न्यूरोइन्फ्लेमेशन और ऑक्सीडेटिव तनाव को रोकता है, जो पशु अध्ययनों में स्मृति विकार में सुधार कर सकता है।[113]

रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज (आरओएस) से जुड़ा ऑक्सीडेटिव तनाव कैंसर, हृदय रोग, गठिया, न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग और बुढ़ापे सहित बीमारियों में स्पष्ट रूप से प्रो-इंफ्लेमेटरी अणुओं और माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए क्षति में वृद्धि का आधार है। उच्च हाइड्रोजन स्तर आरओएस के कारण डीएनए के एकल-स्ट्रैंड टूटने को दबाकर और आरएनए और प्रोटीन को ऑक्सीडेटिव क्षति से बचाकर ऑक्सीडेटिव क्षति से डीएनए की रक्षा करते हैं।

हाइड्रोजन का एंटी-ऑक्सीडेटिव तनाव प्रभाव हाइड्रॉक्सिल रेडिकल और पेरोक्सीनाइट्राइट के सीधे उन्मूलन से होता है। बाद के अध्ययनों से संकेत मिलता है कि हाइड्रोजन Nrf2-Keap1 सिस्टम को सक्रिय करता है। इस्केमिया-रिपर्फ्यूजन या सूजन से प्रेरित तीव्र ऑक्सीडेटिव तनाव ऊतकों को गंभीर नुकसान पहुंचाता है। लगातार ऑक्सीडेटिव तनाव कैंसर सहित कई सामान्य बीमारियों का कारण बनता है। H2 चयनसक्रिय रूप से हाइड्रॉक्सिल रेडिकल को कम करता है, प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन का सबसे अधिक साइटोटोक्सिकएन प्रजाति (आरओएस), और प्रभावी रूप से

कोशिकाओं की रक्षा करता है; तथापि, H2, ROS के साथ प्रतिक्रिया नहीं करता है, जिसकी शारीरिक भूमिकाएं होती हैं।

H2 गैस के साँस द्वारा अंतर्ग्रहण से मस्तिष्क की चोट को बर्फरिंग द्वारा काफी हद तक दबा दिया गयाऑक्सीडेटिव तनाव के प्रभाव। इस प्रकार, H2 को एक प्रभावी एंटीऑक्सीडेंट थेरेपी के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। झिल्ली में तेजी से फैलने की इसकी क्षमता साइटोटॉक्सिक ROS तक पहुँच सकती है और उसके साथ प्रतिक्रिया कर सकती है और ऑक्सीडेटिव क्षति से बचा सकती है।[114]

सोडियम बाइकार्बोनेट के साथ दिन की बचत।

ऑटिस्टिक रोगियों के मस्तिष्क में दीर्घकालिक सूजन, जो कि अत्यधिक मात्रा में ऑक्सीजन के सेवन के कारण होती हैसक्रिय प्रतिरक्षा प्रणाली, स्वप्रतिरक्षा का संकेत है। सूजन यह संकेत देती है कि मस्तिष्क एक ऐसी प्रक्रिया पर प्रतिक्रिया करता है जो मस्तिष्क कोशिकाओं पर दबाव डाल रही है या उन्हें नुकसान पहुंचा रही है, एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें ऑक्सीजन रेडिकल शामिल हो सकते हैं।

एक नए चिकित्सा अध्ययन में सूजन को कम करने के संकेत मिले हैंजो स्वप्रतिरक्षी रोग लाते हैं। अध्ययन को अप्रैल 2018 में पीयर-रिव्यूड जर्नल ऑफ इम्यूनोलॉजी में प्रकाशित किया गया था ताकि इस परिकल्पना की पुष्टि की जा सके कि सोडा बाइकार्बोनेट में चिकित्सा योग्यता है और यह स्वप्रतिरक्षी रोगों का एक सरल इलाज हो सकता है। शोध रिपोर्ट का शीर्षक है ओरल NaHCO3 एक स्प्लेनिक एंटी-इंफ्लेमेटरी मार्ग को सक्रिय करता है: साक्ष्य कि कोलीनर्जिक संकेत मेसोथेलियल कोशिकाओं के माध्यम से प्रेषित होते हैं। NaHCO3 सोडा बाइकार्बोनेट का रासायनिक श्रृंगार है, जिसे आमतौर पर बेकिंग सोडा के रूप में जाना जाता है। स्प्लेनिक प्लीहा को संदर्भित करता है। कोलीनर्जिक कोलीन को संदर्भित करता है, जो तंत्रिका तंतुओं में पाए जाने वाले न्यूरोट्रांसमीटर एसिटाइलकोलाइन का एक प्राथमिक घटक है,

यह अध्ययन ऑगस्टा विश्वविद्यालय के जॉर्जिया के मेडिकल कॉलेज में आयोजित किया गया था और इसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ अनुदान द्वारा वित्त पोषित किया गया था। शोधकर्ताओं का संदेश है: हमारा डेटा संकेत देता है कि मौखिक NaHCO3 एक प्लीहा विरोधी भड़काऊ मार्ग को सक्रिय करता है और इस बात का सबूत देता है कि इस प्रतिक्रिया को मध्यस्थ करने वाले संकेत मेसोथेलियल कोशिकाओं के एक नए न्यूरोनल-जैसे कार्य के माध्यम से प्लीहा तक प्रेषित होते हैं।

उनके शोध में पता चला कि प्लीहा की भूमिका सूजन को कम करने में अम्लीय पीएच स्तर को उच्च क्षारीय स्तर तक बढ़ाने से कहीं अधिक है, जो कि मुख्यधारा की चिकित्सा में भी बेकिंग सोडा का एक मान्यता प्राप्त गुण है।

आयोडीन से दिन बचाना।

शोध से पता चलता है कि एक महिला के थायरॉयड फंक्शन और उसके बच्चे के ऑटिज्म के जोखिम के बीच एक चिंताजनक संबंध है। वे एक अध्ययन के बारे में बात करते हैं, जिसमें कहा गया है कि, "जब गर्भावस्था के शुरुआती दिनों में माताओं में थायरॉयड हार्मोन का स्तर बहुत कम था, तो ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे के होने की संभावना चार गुना बढ़ गई थी, बहुत कम ही हम इस मजबूत संबंध को देखते हैं।"

मुख्य लेखक डॉ. गुस्तावो रोमन कहते हैं, "मुझे लगता है कि पहली बार, हमारे पास समस्या का स्पष्टीकरण खोजने की संभावना है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे पास ऐसा होने से रोकने का एक तरीका है।" ह्यूस्टन मेथोडिस्ट न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट और नीदरलैंड के शोधकर्ताओं के साथ, डॉ. रोमन ने हज़ारों गर्भवती डच महिलाओं का अध्ययन किया और पाया कि उनके आहार में आयोडीन की कमी से भ्रूण के मस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है।

इस अध्ययन में शोधकर्ताओं का मानना है कि सात में से एक अमेरिकी आयोडीन की कमी से पीड़ित है। फिर भी, डॉ. डेविड ब्राउनस्टीन ने डेट्रोइट क्षेत्र में अपने 5,000 रोगियों का परीक्षण किया और पाया कि उनमें से 90 प्रतिशत में आयोडीन की कमी है।

ऑटिज्म के अनेक कारण जारी हैं।

केंटकी विश्वविद्यालय में अपनी प्रयोगशाला में, डॉ. बॉयड हेली ने दिखाया है कि कैसे टाइलेनॉल जैसे अपेक्षाकृत सौम्य पदार्थ और टेस्टोस्टेरोन जैसे अंतःस्रावी हार्मोन भी पारे की विषाक्तता को बढ़ाते हैं, जो कम से कम आंशिक रूप से यह बताता है कि लड़कियों की तुलना में लड़के ऑटिज़्म के शिकार क्यों होते हैं। टाइलेनॉल के बारे में कुछ भी सौम्य नहीं है और एंटीबायोटिक्स के बारे में कुछ भी हानिरहित नहीं है।

पारा जैविक प्रणालियों में परिवर्तन लाता है क्योंकि इसमें सल्फहाइड्रिल समूहों के प्रति आकर्षण होता है, जो अधिकांश एंजाइमों और हार्मोनों के कार्यात्मक भाग होते हैं।

यह कोशिका संरचना में परिवर्तन लाता है, तथा महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉन स्थानांतरण प्रतिक्रियाओं को बाधित करता है, जिसके परिणामस्वरूप शरीर की प्रतिरक्षा रक्षा और मरम्मत प्रणाली द्वारा कोशिकाओं को विदेशी माना जाता है।

डॉ. रशीद बुट्टर

एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी के चिकित्सा वैज्ञानिकों ने हमें बताया कि एंटीबायोटिक का उपयोग चूहों में आंत के फ्लोरा में परिवर्तन के कारण पारा उत्सर्जन को लगभग पूरी तरह से बाधित करने के लिए जाना जाता है। इस प्रकार, ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में मौखिक एंटीबायोटिक दवाओं के अधिक उपयोग से पारा उत्सर्जित करने की उनकी क्षमता कम हो सकती है। शैशवावस्था में मौखिक एंटीबायोटिक दवाओं के अधिक उपयोग से ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों में पुरानी जठरांत्र संबंधी समस्याओं की उच्च घटनाओं की आंशिक रूप से व्याख्या भी हो सकती है।[115] डॉ. राशिद बुट्टर लिखते हैं, "पारा सल्फहाइड्रिल समूहों के प्रति अपनी आत्मीयता के कारण जैविक प्रणालियों को बदल देता है, जो अधिकांश एंजाइमों और हार्मोनों के कार्यात्मक भाग हैं। यह कोशिका संरचना में परिवर्तन लाता है जबकि महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉन स्थानांतरण प्रतिक्रियाओं को बाधित करता है जिसके कारण शरीर की प्रतिरक्षा रक्षा और मरम्मत प्रणाली द्वारा कोशिकाओं को विदेशी माना जाता है।"

ऑटिज्म के गंभीर मामलों में सबसे बड़ी बात यह है कि यह पारा विषाक्तता में पाए जाने वाले लक्षणों से मिलता जुलता है। नेशनल ऑटिज्म एसोसिएशन के अध्यक्ष जो पाइक कहते हैं, "हजारों माता-पिता ने थिमेरोसल युक्त टीकों के बाद अपने बच्चों में कौशल में गिरावट देखी है।" "इनमें से कई बच्चे पारा विषाक्तता को संबोधित करने वाले बायोमेडिकल हस्तक्षेपों के साथ तेजी से प्रगति कर रहे हैं।"[116]छह चिकित्सा पुस्तकों के लेखक डॉ. सिडनी बेकर हर साल देश भर से सैकड़ों ऑटिस्टिक रोगियों का इलाज करते हैं। उन्हें संदेह है कि उनके द्वारा देखे जाने वाले लगभग आधे बच्चे अपने टीकों से थिमेरोसल से प्रभावित हुए हैं।[117]

यह कथन कि "अधिकांश बचपन के टीकों से पारा हटा दिया गया है" सच्चाई को पूरी तरह से तोड़-मरोड़ कर पेश करना है।

फ्लू के टीके में पारा होता है और 2004 के बाद से बच्चों को दिए जाने वाले फ्लू टीकों की संख्या में नाटकीय वृद्धि हुई है।

डॉ. डेविड अय्यूब

ऑटिज्म के कारणों की खोज बहुत ही खतरनाक हो सकती है क्योंकि डॉक्टर किसी भी तरह की अपराध-बोध पैदा करने वाली जिम्मेदारी को स्वीकार नहीं करना चाहते हैं। इनकार की दीवारें बहुत मोटी हो सकती हैं, और यह सबसे आश्चर्यजनक है कि ऐसी मानसिकता का सामना करना पड़ता है जो इस तथ्य से निपट नहीं पाती कि रासायनिक जहर मुख्य रूप से बच्चों को जहर देता है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि आज हमारे बच्चे खतरनाक रसायनों के अत्यधिक बढ़ते स्तर के संपर्क में आ रहे हैं। उन पर हर तरफ से प्रहार हो रहा है और कई बच्चों में तो जन्म से पहले ही विषाक्तता की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। चिकित्सा-औद्योगिक परिसर हजारों रसायनों के हमेशा मौजूद खतरों को छिपाने का दोषी है क्योंकि यह एक ऐसा उद्योग है जो दवाओं के रूप में जहरीले रसायनों का उपयोग करता है।

ऑटिज्म और जन्म.

गर्भावस्था और जन्म के बारे में कई ऐसी बातें हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता हैऑटिज्म समीकरण में। उदाहरण के लिए, गर्भवती महिलाओं को प्रसव को प्रेरित करने या उसे तेज करने के लिए कृत्रिम हार्मोन (पिटोसिन) का उपयोग करके ऑटिस्टिक विकारों से जुड़ी जानकारी दी जाती है।[118]

उपलब्ध साक्ष्यों की अधिकता
ऑटिस्टिक सिंड्रोम उत्पन्न करने के लिए एक या एक से अधिक तंत्रों के माध्यम से कार्य करने वाले कई जैविक कारकों के महत्व का सुझाव देता है।

डॉ. डोनाल्ड जे. कोहेन और फ्रेड वोल्कमार

अधिकांश गर्भनाल को क्लैंप करके काट दिया जाता है[119]इससे पहले कि प्लेसेंटा से सारा रक्त शिशु तक पहुंच सके, इसका मतलब है कि रक्त की मात्रा में 40% तक की कमी आ जाती है।[120]जन्म एक हद तक एक झटका है। शिशुओं को प्रकाश, ध्वनि, सांस लेने की सरल क्रिया के साथ तालमेल बिठाने के लिए समय की आवश्यकता होती है। लेकिन उन्हें वह समय नहीं दिया जाता जिसकी उन्हें आवश्यकता होती है। जैसे ही वे पैदा होते हैं, उनकी आँखों में एंटीबायोटिक बूँदें या मलहम डाला जाता है, उन्हें विटामिन K का इंजेक्शन दिया जाता है। समस्या यह है कि इंजेक्शन में बेंजाइल अल्कोहल, फिनोल (कार्बोलिक एसिड), प्रोपलीन ग्लाइकॉल (एंटीफ्रीज), एसिटिक एसिड और हाइड्रोक्लोरिक एसिड जैसे खतरनाक रसायन होते हैं।[121]

शिशु की गर्भनाल को कसने में मात्र दो मिनट की देरी से बच्चे के लौह भंडार में वृद्धि हो सकती है और महीनों तक एनीमिया से बचाव हो सकता है।[122]

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस।

200 साल से भी पहले, इरास्मस डार्विन (चार्ल्स डार्विन के दादा) ने गर्भनाल को जल्दी से बांधने के बारे में लिखा था, "नाभि की डोरी को बहुत जल्दी बांधना और काटना बच्चे के लिए बहुत हानिकारक है; इसे हमेशा तब तक छोड़ देना चाहिए जब तक कि बच्चा न केवल बार-बार सांस ले ले बल्कि गर्भनाल में सभी स्पंदन बंद न हो जाए। अन्यथा, बच्चा जितना होना चाहिए उससे कमज़ोर हो जाता है और प्लेसेंटा में रक्त का एक हिस्सा रह जाता है, जो बच्चे में होना चाहिए।"

जब हम कुछ घंटों बाद हेप बी वैक्सीन को इसके एल्युमिनियम हाइड्रॉक्साइड, थिमेरोसल (कुछ देशों में) और संशोधित आनुवंशिक सामग्री के साथ जोड़ते हैं, तो कोई केवल बाल रोग विशेषज्ञों और उनकी सोच के बारे में आश्चर्य कर सकता है। न्यूरोलॉजी के 14 सितंबर के अंक (2004; 63: 838-42) में, हार्वर्ड समूह ने अपने निष्कर्ष प्रकाशित किए, जिसमें रीकॉम्बिनेंट हेपेटाइटिस बी वैक्सीन के बारे में हमारी सबसे खराब आशंकाओं और प्राप्तकर्ताओं में मल्टीपल स्केलेरोसिस (एमएस) होने की संभावना को बढ़ाने में इसकी भूमिका की पुष्टि की गई। हार्वर्ड के शोधकर्ताओं का अनुमान है कि इससे जोखिम तीन गुना से अधिक बढ़ जाता है। यह हमारे ऑटिज्म के कई कारणों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि, जैसा कि डॉ. ब्लेलॉक ने संदेह किया था,

डॉ. विएरा शेबनर ने कम्प्यूटरीकृत कॉटवॉच ब्रीदिंग मॉनीटर से शिशुओं की सांसों को रिकॉर्ड किया और पाया कि टीकाकरण के तुरंत बाद उनमें से कई ने अपनी सांसों के पैटर्न को बदल दिया। एक घंटे के भीतर, सांस लेने में तनाव का स्तर बढ़ गया और कंप्यूटर प्रिंटआउट पर दिखाई दे रहा था। नवजात शिशुओं और छोटे बच्चों को तेजी से आक्रामक हस्तक्षेपों के अधीन किया जा रहा है, और वे हमले का सामना करने में सक्षम नहीं हैं। निष्कर्ष, निश्चित रूप से, विनाशकारी है। हालांकि कई पर्यावरणीय कारक हैं, सीडीसी और अन्य चिकित्सा संगठन यह स्वीकार नहीं करना चाहते हैं कि ऑटिज्म मुख्य रूप से एक चिकित्सकजनित रोग है। यह मुख्य रूप से प्रसूति रोग विशेषज्ञों, बाल रोग विशेषज्ञों, नर्सों द्वारा होता है जो इंजेक्शन लगाते हैं

शिशुओं के शरीर में जहरीले रसायन पहुंचाना, तथा यहां तक कि दंत चिकित्सक भी माताओं के दांतों में भरी गई चीजों के माध्यम से उन्हें पारे के संपर्क में लाना।

अतिरिक्त उपचार.

जे. मिलर ने शोध निष्कर्ष का हवाला देते हुए कहा कि शरीर के मुख्य तापमान में मामूली वृद्धि ऑटिस्टिक बच्चों के व्यवहार को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। दूर-अवरक्त तरंगें परिसंचरण को बढ़ाती हैं। मिलर के अनुसार, ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के मस्तिष्क के कुछ क्षेत्रों में रक्त परिसंचरण कम हो जाता है, जिसका अर्थ है कि पोषक तत्व और ऑक्सीजन उन जगहों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं जहां उन्हें जाना चाहिए। हर रात बायोमैट पर सोने से शरीर का मुख्य तापमान बढ़ेगा, परिसंचरण में सुधार होगा, कोशिकाओं को डिटॉक्सीफाई करने में मदद मिलेगी और पोषक तत्वों को कोशिकाओं में जाने में भी मदद मिलेगी।

मैंने न्यूरोलॉजिकल रूप से कमज़ोर आबादी के लिए मिट्टी, मैग्नीशियम, सल्फर और सेलेनियम का उपयोग करने की भी रिपोर्ट की है। डॉ. एलेन ग्रांट के अनुसार, बायोलैब में परीक्षण किए गए लगभग सभी ऑटिस्टिक बच्चों में जिंक, कॉपर, सोडाज़ और मैग्नीशियम की कमी थी। हम जानते हैं कि पारा कोशिकाओं से मैग्नीशियम, जिंक और कॉपर जैसे आवश्यक तत्वों को विस्थापित करता है, जिससे इस प्रक्रिया में एंजाइम सिस्टम में व्यवधान होता है। पच्चीस बच्चों को प्रतिदिन 200 मिलीग्राम एलिमेंटल मैग्नीशियम का डबल-ब्लाइंड प्रशासन नियंत्रण की तुलना में छह महीने में अति सक्रियता में मापनीय कमी उत्पन्न करता है।

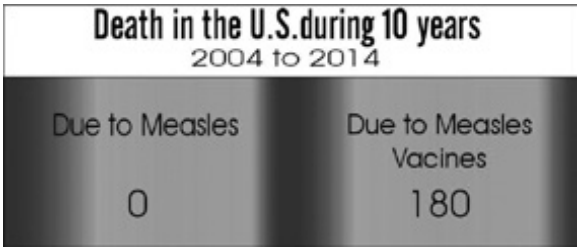
निष्कर्ष।

विषाक्तता समय के साथ बढ़ती जाती है, चाहे वह पोषण संबंधी विषाक्तता हो, भावनात्मक, शारीरिक, पारे से प्रेरित या पर्यावरणीय। ये विषाक्त पदार्थ श्वसन एंजाइमों को कम कर देते हैं, इसलिए ये कोशिकाएँ अब ऑक्सीजन का उपयोग नहीं कर सकती हैं।

डॉ. माइकल गैलिट्जर

पारा रासायनिक पागलपन की सबसे स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है जिसने उद्योग, चिकित्सा और दंत चिकित्सा को पीछे छोड़ दिया है क्योंकि यह सबसे खतरनाक रसायनों में से एक है।

पर्यावरण में सबसे अच्छी तरह से शोध किया गया विषाक्त पदार्थ। यह सबसे जहरीला गैर-रेडियोधर्मी तत्व भी है, जो विकिरण की तरह, किसी भी स्तर पर जहरीला होता है। यह केवल पागल बाल रोग विशेषज्ञ ही नहीं हैं जो इसे इंजेक्ट कर रहे हैं, बल्कि दंत चिकित्सक भी इसे लगा रहे हैं। उद्योग इसे टन के हिसाब से उत्पादित कर रहा है और इसे वातावरण में निकाल रहा है।



एक भी वैज्ञानिक, प्रतिरक्षाविज्ञानी, संक्रामक रोग विशेषज्ञ या चिकित्सा चिकित्सक कभी भी खसरे के टीकाकरण के लिए वैज्ञानिक आधार स्थापित करने में सक्षम नहीं रहा है। हाल ही में एक फैसले में, जर्मन संघीय सर्वोच्च न्यायालय (बीजीएच) के न्यायाधीशों ने पुष्टि की कि खसरा वायरस मौजूद नहीं है। इसके अलावा, दुनिया में ऐसा कोई भी चिकित्सा अध्ययन नहीं है जो किसी भी वैज्ञानिक साहित्य में वायरस के अस्तित्व को साबित करता हो।

जैसा कि अमेरिकी वैक्सीन कोर्ट ने साबित किया है, टीका लगवाने वाले कई लोग छोटी, बड़ी और पुरानी ऑटोइम्यून बीमारियों, कभी-कभी लकवा, ऑटिज्म और मौत का शिकार हो जाते हैं। कई साल पहले फ्लू के टीकों पर न्यूयॉर्क टाइम्स के एक निबंध के अनुसार, "जैसे ही अगले महीने स्वाइन फ्लू के टीके लगने शुरू होंगे, कुछ लोग दिल के दौरे या स्ट्रोक से मर जाएंगे, कुछ बच्चों को दौरे पड़ेंगे और कुछ गर्भवती महिलाओं का गर्भपात हो जाएगा।"

सबसे ज़्यादा विवादित और विवादित सिद्धांत यह है कि बचपन के टीकों में मौजूद पारा ऑटिज़्म के विकास में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों में से एक हो सकता है। अब एल्युमिनियम को भी बराबर का दोषी माना जा रहा है। हम देखते हैं कि कई दोषी एक साथ आ रहे हैं, लेकिन उनमें से सभी का उल्लेख इस पुस्तक में नहीं किया गया है।

अधिक हाइड्रोजन अध्ययन.



रुमेटीइड गठिया (आरए) के बीस रोगियों ने चार सप्ताह तक हर दिन 4 से 5 पीपीएम आणविक हाइड्रोजन (उच्च H2 पानी) युक्त 530 मिलीलीटर पानी पिया। चार सप्ताह की वॉश-आउट अवधि के बाद, रोगियों ने अगले चार सप्ताह तक उच्च H2 पानी पिया। प्रारंभिक आरए (अवधि <12 महीने) वाले पांच रोगियों, जिनमें चक्रीय सिट्रुलिनेटेड पेप्टाइड्स (एसीपीए) के खिलाफ एंटीबॉडी नहीं दिखाई दिए, ने छूट हासिल की, और उनमें से 4 अध्ययन के अंत में लक्षण-मुक्त हो गए। परिणाम बताते हैं कि हाइड्रॉक्सिल रेडिकल स्कैवेंजर H2 इस स्थिति वाले रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव को प्रभावी रूप से कम करता है। उच्च H2 पानी के साथ आरए के लक्षणों में काफी सुधार हुआ।[123]

क्रोनिक हेपेटाइटिस बी (सीएचबी) के रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव स्पष्ट है, जिसमें लीवर का कार्य काफी खराब हो जाता है। हाइड्रोजन युक्त जल उपचार (1200-1800 एमएल/दिन, दिन में दो बार) के बाद, लीवर के कार्य में काफी सुधार हुआ।

मिथाइलग्लायॉक्सल जैसे ग्लूकोज क्षरण उत्पादों से संबंधित ऑक्सीडेटिव तनाव (ओएस) पेरिटोनियल डायलिसिस (पीडी) से उपचारित रोगियों में पेरिटोनियल गिरावट से जुड़ा हुआ है। छह नियमित पीडी रोगियों के अपशिष्ट और रक्त के नमूने मानक डायलीसेट और हाइड्रोजन-समृद्ध डायलीसेट का उपयोग करके पेरिटोनियल संतुलन परीक्षण के दौरान प्राप्त किए गए थे। अपशिष्ट में कम हुए एल्बुमिन का औसत अनुपात मानक डायलीसेट की तुलना में $H2$-समृद्ध डायलीसेट में काफी अधिक था। इसी तरह, हाइड्रोजन-समृद्ध डायलीसेट के प्रशासन के बाद सीरम $f(\mathrm{HMA})$ मानक डायलीसेट की तुलना में अधिक ऊंचा था। $H2$ का ट्रांस-पेरिटोनियल प्रशासन पेरिटोनियल और प्रणालीगत ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है।[124]

हेमोडायलिसिस (एचडी) रोगियों में पुरानी सूजन खराब रोगनिदान का संकेत देती है, और उपचारात्मक दृष्टिकोण सीमित हैं। डायलिसिस मापदंडों में परिवर्तन ने प्लाज्मा मोनोसाइट कीमोएट्रैक्टेंट प्रोटीन 1 (पी < 0.01) और मायलोपेरोक्सिडेस (पी < 0.05) के स्तरों में महत्वपूर्ण कमी दिखाई, यहां तक कि हाइड्रोजन पानी की कम सांद्रता के साथ भी। हेमोडायलिसिस समाधान में आणविक हाइड्रोजन को जोड़ने से सूजन संबंधी प्रतिक्रियाएं कम हो गईं और बीपी नियंत्रण में सुधार हुआ। हाइड्रोजन यूरेमिया के नियंत्रण के लिए एक नया चिकित्सीय विकल्प प्रदान करता है।[125]

निर्जलीकरण और हाइड्रोजन.



निर्जलीकरण बीमारी के सबसे अधिक अनदेखा कारणों में से एक है। जब हम जलयोजन के बारे में सोचते हैं, तो हम पानी के बारे में सोचते हैं। ऑक्सीजन और पानी व्यापक रूप से उपलब्ध हैं, लेकिन हाइड्रोजन प्रकृति में कहीं भी स्वतंत्र रूप से उपलब्ध नहीं है। हाइड्रोजन लगभग हमेशा अन्य तत्वों से 'बंधा' रहता है। जब शरीर को पानी की आवश्यकता होती है, तो यह ऑक्सीजन से हाइड्रोजन बंध जाता है। अधिकांश रोग लक्षण और बुढ़ापा, एक तरह से या किसी अन्य तरीके से, हाइड्रोजन की कमी के साथ होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव तनाव के साथ-साथ निर्जलीकरण की ओर ले जाता है। हाइड्रोजन सबसे खराब मुक्त कणों को पानी में बदलकर हाइड्रेट करता है।

हमारा शरीर आम तौर पर हाइड्रोजन प्राप्त करने के लिए भोजन (हाइड्रोकार्बन) और/या पानी से हाइड्रोजन निकाल सकता है। फिर भी, तनाव, पर्यावरणीय जहर, भारी धातुओं, विकिरण जोखिम, दवाइयों, पेट में हाइड्रोक्लोरिक एसिड की कमी से पाचन में कमी या एंटीबायोटिक्स और जंक फूड से आंतों के वनस्पतियों के प्रभावित होने के कारण हमारा शरीर उस क्षमता को कुछ हद तक खो देता है।

हाइड्रोजन की दैनिक मात्रा बढ़ाकर, हम कई लक्षणों से राहत पाते हैं,हमारे ऊर्जा स्तर में सुधार करें, और हमारे जीवन को लम्बा करें, अधिक स्वास्थ्य के साथ लंबे समय तक जियें। अब किसी को पूरी तरह से कच्चे भोजन पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है; क्योंकि अब हम इतिहास में किसी भी व्यक्ति की तुलना में अधिक हाइड्रोजन प्राप्त कर सकते हैं, बस अपने पानी को हाइड्रोजन से समृद्ध करके और हाइड्रोजन इनहेलेशन मशीन का उपयोग करके इसे सांस में लेकर।

दुख की बात है कि अधिकांश बाल चिकित्सा आपातकालीन चिकित्सा कदाचार में बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन और निर्जलीकरण उपचार की कमी से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। भोजन के बिना, अधिकांश मनुष्य एक महीने में मर जाएंगे। पानी के बिना, हम दस दिनों से भी कम समय में मर जाते हैं। पानी शरीर का 70% से अधिक, रक्त का लगभग 90% और मस्तिष्क का लगभग 85% हिस्सा बनाता है। समस्या यह है कि हमें सामान का बिल बेचा गया है - जब आपको प्यास लगे, तो सोडा या नवीनतम "स्पोर्ट्स ड्रिंक" (वैसे, चीनी से भरा हुआ) पीएं। हम कॉफी और सोडा और बीयर और पाश्चुरीकृत दूध और कुछ भी पीते हैं, लेकिन हम में से अधिकांश पर्याप्त पानी पीना भूल जाते हैं।



आंकड़े बताते हैं कि हममें से 90% लोग निर्जलीकरण की पुरानी स्थिति में घूम रहे हैं। यह पता लगाने का एक तरीका है कि आप निर्जलित हैं या नहीं, मूत्र का रंग देखना है। अगर यह हमेशा गहरा रहता है, तो आप शायद निर्जलित हैं।

अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का सबसे आसान तरीका है अधिक क्षारीय पानी पीना, अर्थात ऐसा पानी जिसमें भरपूर मात्रा में खनिज शामिल हों।

हममें से ज़्यादातर लोग पूरी तरह से हाइड्रेटेड रहने के लिए पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। हर दिन, शरीर त्वचा, फेफड़े, आंत और गुर्दे के ज़रिए तीन लीटर तक पानी खो देता है। इस प्रक्रिया में, पानी विषाक्त पदार्थों को खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उस पानी को फिर से भरने की ज़रूरत है। जब शरीर ऊर्जा के लिए ग्लूकोज जलाता है, तो यह उप-उत्पाद के रूप में प्रतिदिन लगभग एक-तिहाई लीटर पानी बनाता है। हमारे द्वारा खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों, फलों और सब्जियों में ज़्यादा पानी होता है। इसके अलावा, हमें प्रतिदिन कम से कम एक लीटर या आदर्श रूप से 1.5 से दो लीटर पानी पीने की ज़रूरत है। यदि आप कठोर व्यायाम करते हैं, तो आपको इससे ज़्यादा की ज़रूरत हो सकती है।

पानी पाँच महत्वपूर्ण शारीरिक कार्य करता है: यह चिकनाई और ठंडक प्रदान करता है; यह शरीर के चारों ओर चीजों को ले जाता है; यह एक विलायक और फैलाव भी है। भरपूर मात्रा में पानी पीना - जिसमें, ज़ाहिर है, कोई कैलोरी नहीं होती - वजन कम करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है।

गंभीर चिकित्सा स्थितियों की शुरुआत.

आपके शरीर की कोशिकाओं के आस-पास के पानी में दो प्रतिशत की कमी से ताकत और ऊर्जा के स्तर में 20 प्रतिशत की कमी आती है। जब ऊर्जा इस तरह प्रभावित होती है, तो शरीर की कार्यप्रणाली सभी तरह से काफी कम हो जाती है। अगर हमें भरपूर ऊर्जा चाहिए और बड़ी बीमारियों से बचना है, तो हमारे शरीर को पर्याप्त रूप से हाइड्रेटेड होना चाहिए। निर्जलीकरण कोशिकाओं को कम ऊर्जा (वोल्टेज) की स्थिति में ले जाता है। जैसे-जैसे चयापचय कम होता है, वैसे-वैसे कोशिका और ऊतक का तापमान भी कम होता जाता है।

जब रक्त गाढ़ा और अम्लीय हो जाता है, तो धमनी प्रणाली में निर्जलीकरण, घर्षण और आंसू आते हैं। एल-लैक्टिक एसिडोसिस निर्जलीकरण या एंडोटॉक्सिमिया के कारण खराब ऊतक पर्फ्यूजन से उत्पन्न होता है, जिसके बाद एनारोबिक ग्लाइकोलाइसिस और एल-लैक्टेट की यकृत निकासी में कमी आती है। जब शरीर अधिक कोलेस्ट्रॉल बनाना शुरू करता है, तो यह एक अच्छे कारण से होता है (एलोपैथिक दवा द्वारा अनदेखा किया जाता है) - यह क्रोनिक डिहाइड्रेशन की प्रतिक्रिया है। इस स्थिति में, शरीर इनको ठीक करने की कोशिश कर रहा है

धमनी प्रणाली में उत्पन्न घर्षण और आँसू। कोलेस्ट्रॉल लोगों की जान बचाता है क्योंकि कोलेस्ट्रॉल एक पट्टी है, शरीर द्वारा डिज़ाइन की गई एक जलरोधक पट्टी।[126]

शरीर के पुराने दर्द जिन्हें आसानी से चोट या संक्रमण के रूप में नहीं समझाया जा सकता है, उन्हें उस क्षेत्र में पुरानी पानी की कमी के संकेतों के रूप में समझा जाना चाहिए जहाँ दर्द महसूस होता है। इन दर्द संकेतों पर पहले विचार किया जाना चाहिए और रोगी पर किसी भी अन्य जटिल प्रक्रिया को लागू करने से पहले निर्जलीकरण के प्राथमिक संकेतक के रूप में बाहर रखा जाना चाहिए। शरीर दर्द के रूप में निर्जलीकरण को प्रकट करता है, दर्द उस जगह होता है जहाँ निर्जलीकरण सबसे अधिक होता है। परीक्षणों से लगातार पता चलता है कि पुराने दर्द के रोगी पुरानी निर्जलीकरण से पीड़ित हैं।[127]क्रोनिक दर्द से पीड़ित काफी संख्या में रोगियों में शिरापरक रक्त प्लाज्मा का पीएच भी सामान्य से कम होता है।[128]कम शिरापरक प्लाज्मा पीएच वाले व्यक्ति में आमतौर पर कम ऑक्सीजन सामग्री के कारण गहरे रंग का अम्लीय रक्त होता है। क्रोनिक, अनजाने में होने वाला निर्जलीकरण मानव शरीर में अधिकांश दर्द और अपक्षयी रोगों का मूल है। मुंह सूखना निर्जलीकरण का संकेत नहीं है, और प्यास लगने का इंतजार करना गलत है। प्यास को रोका जाना चाहिए। जब शरीर को पानी नहीं मिलता है और आपको दर्द होता है, तो यह निर्जलीकरण का संकेत है। शरीर में दर्द पानी के लिए एक संकट की पुकार है। अगर आपको सीने में जलन होती है, तो आपका शरीर आपको बताता है कि आपके जठरांत्र संबंधी मार्ग में पानी की कमी है। आपने भारी भोजन किया है, भोजन को तरल बनाने और उसे अवशोषित करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं था, और यह आपको दर्द देता है।

जानवरों पर किए गए अध्ययनों में, पानी की कमी के कारण रक्त पीएच में कोई खास अंतर नहीं आया; हालाँकि, श्वसन दर में काफी वृद्धि हुई थी, जबकि $CO2$, कुल $CO2$ और बाइकार्बोनेट का रक्त आंशिक दबाव काफी कम हो गया था। निर्जलीकरण में चुनौती कम रक्त $CO2$ द्वारा प्रेरित एक हल्का श्वसन क्षारीयता है, जो एक त्वरित श्वसन दर के परिणामस्वरूप हो सकता है।[129]

शरीर के सभी कार्यों के लिए पानी की मौजूदगी की आवश्यकता होती है। अच्छी तरह से हाइड्रेटेड शरीर इन कार्यों को जल्दी और कुशलता से करने में सक्षम बनाता है। निर्जलीकरण तब होता है जब कोई व्यक्ति जितना तरल पदार्थ लेता है, उससे ज़्यादा खो देता है। बुखार, दस्त, उल्टी या पसीने के माध्यम से शरीर बड़ी मात्रा में तरल पदार्थ खो देता है।

शिशुओं और छोटे बच्चों में निर्जलीकरण बहुत जल्दी होता है, क्योंकि उनके पास पर्याप्त तरल पदार्थ नहीं होता है। बच्चों में निर्जलीकरण का जोखिम वयस्कों की तुलना में अधिक है, और निर्जलीकरण की यह प्रक्रिया तेज़ी से शुरू हो सकती है। पुनर्जलीकरण शरीर में उन तरल पदार्थों को वापस लाने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिससे सामान्य कामकाज बहाल होता है। बच्चों में निर्जलीकरण एक गंभीर चिकित्सा स्थिति हो सकती है। अगर इसका इलाज न किया जाए, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। चूँकि बच्चे हमेशा इस बात से अवगत नहीं होते या हमें नहीं बताते कि उन्हें निर्जलीकरण है, इसलिए माता-पिता के रूप में हमें विशेष देखभाल करनी होगी। बच्चों के लिए पानी सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में से एक है। जब हम बच्चों के लिए आहार संबंधी सलाह पढ़ते हैं, तो पानी और अन्य पेय पदार्थों के सही उपयोग पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। बच्चों को हमेशा शुद्ध, स्वच्छ और उच्च गुणवत्ता वाले पीने के पानी तक असीमित पहुँच होनी चाहिए। बीमार होने पर निर्जलीकरण सबसे आम है। जब कोई बच्चा उल्टी करता है या दस्त करता है, तो वह बहुत सारा तरल पदार्थ खो देता है। बुखार तरल पदार्थ की कमी में योगदान देता है। $100.4° F$ से ऊपर के तापमान में हर डिग्री के लिए, आपका बच्चा शरीर के 12.5 प्रतिशत तरल पदार्थ खो देता है। गले या मुंह में दर्द के कारण तरल पदार्थ का सेवन कम होना भी एक अन्य कारण है। दुर्लभ मामलों में, मधुमेह और किडनी रोग की स्थिति के कारण अत्यधिक पेशाब बच्चों में निर्जलीकरण का कारण बन सकता है।

निर्जलीकरण उन लोगों के लिए एक सच्चाई है जो मानते हैं कि कॉफी और सोडा जैसे पेय पदार्थ शुद्ध पेयजल का विकल्प हो सकते हैं। गलत खाद्य पदार्थ खाने और पीने से निर्जलीकरण हो सकता है। फलों और सब्जियों जैसे खाद्य पदार्थों से हमारे पानी के सेवन का 20 प्रतिशत हिस्सा मिलना चाहिए - जंक फूड पूरी तरह से हाइड्रेटेड रहने में बहुत कम मदद करते हैं।[130]

डॉ. चार्ल्स पीटरसन कहते हैं कि डिहाइड्रेशन उन अमेरिकियों में एक समस्या है जो मधुमेह जैसी अन्य बीमारियों से पीड़ित हैं या जो अत्यधिक परिश्रम करते हैं, लेकिन यह वास्तव में सच नहीं है। कोई भी व्यक्ति डिहाइड्रेशन से पीड़ित हो सकता है, और अधिकांश लोग कभी न कभी हल्के डिहाइड्रेशन से पीड़ित होते हैं।

निर्जलीकरण हिस्टामाइन के स्राव को सक्रिय करता है जो एलर्जी प्रतिक्रियाओं और स्वास्थ्य समस्याओं की एक श्रृंखला शुरू करता है। सामान्य परिस्थितियों में, हम में से कई लोग लंबे समय तक हल्के निर्जलीकरण से जूझते हैं। यहीं से चीजें गलत होने लगती हैं, और डॉक्टर नियमित रूप से मामले को सुलझाते हैं

निर्जलीकरण को पहचानने में विफल रहने तथा ऐसी दवाएं लिखने से स्थिति और खराब हो जाती है, जो शरीर और रक्त में पानी के स्तर को और कम कर देती हैं।

सांस फूलना निर्जलीकरण का एक आम लक्षण है, और इसी तरह कम ऊर्जा भी। जब कोई व्यक्ति निर्जलित होता है और इन लक्षणों का अनुभव करता है, तो उसे शरीर की लगभग पूरी तरह से सक्रियता महसूस करने के लिए बस कुछ गिलास पानी पीना होता है।हाइड्रेशन के प्रति तुरंत प्रतिक्रिया। थोड़ा सोडियम बाइकार्बोनेट मिलाएँ, और प्रतिक्रिया और भी बेहतर हो जाएगी।

निर्जलीकरण का पहला उद्देश्य महत्वपूर्ण संकेतों में है, नाड़ी की दर में 10 से 15 प्रतिशत के बीच वृद्धि। शरीर कार्डियक आउटपुट (हृदय द्वारा शरीर में पंप किए गए रक्त की मात्रा) को बनाए रखने की कोशिश करता है। यदि अंतःस्रावी स्थान में द्रव की मात्रा कम हो जाती है, तो शरीर को हृदय गति बढ़ानी पड़ती है, जिससे रक्त वाहिकाओं को रक्तचाप बनाए रखने के लिए संकुचित होना पड़ता है। निर्जलीकरण के अन्य सामान्य लक्षणों में मतली, थकान, सिरदर्द, शुष्क मुँह और मानसिक तीक्ष्णता में कमी शामिल हो सकती है।

मध्यम से गंभीर निर्जलीकरण के लक्षणों में शामिल हैं:

- कम रक्तचाप।
- भयंकर सरदर्द।
- बेहोशी.
- हाथ, पैर, पेट और पीठ में गंभीर मांसपेशी संकुचन।
- आक्षेप.
- फूला हुआ पेट.
- दिल की धड़कन रुकना।
- धँसा हुआ फॉन्टानेल - शिशु के सिर पर नरम स्थान।
- धंसी हुई सूखी आंखें, जिनमें बहुत कम या बिल्कुल भी आंसू नहीं होते।
- त्वचा अपनी दृढ़ता खोकर झुर्रीदार हो जाती है।
- त्वचा में लचीलेपन की कमी (जब त्वचा का कुछ भाग ऊपर उठ जाता है, मुड़ा रहता है, तथा अपनी सामान्य स्थिति में आने में समय लेता है)।
- सामान्य से अधिक तेज़ और गहरी साँस लेना।
- तेज़, कमज़ोर नाड़ी.

निर्जलीकरण कोशिका जीवन को गहराई से प्रभावित करता है। शरीर के विभिन्न भागों में पानी की कमी के लक्षण (प्यास की चीख) प्रकट होंगे, लेकिन हम आमतौर पर ऐसा नहीं करते हैं

पानी की समस्याओं का इलाज नहीं। समकालीन चिकित्सकों के बीच यह मानना लगभग ईशनिंदा है कि पानी बीमारियों का कारण बन सकता है या उन्हें ठीक कर सकता है। जब हम पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते हैं, तो पहला संकेत पेशाब का रंग गहरा होना होता है। निर्जलित व्यक्ति का पेशाब गहरे पीले से नारंगी रंग का होगा। हम जितने अधिक हाइड्रेटेड होंगे, हमारे पेशाब का रंग उतना ही हल्का होगा। पेशाब में कोई भी गहरा रंग पानी की कमी का संकेत हो सकता है।

हल्का निर्जलीकरण व्यक्ति के चयापचय को तीन गुना तक धीमा कर सकता है।प्रतिशत.[131]वाशिंगटन विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में लगभग 100 प्रतिशत डाइटर्स की आधी रात की भूख को एक गिलास पानी ने शांत कर दिया। पानी की कमी दिन के समय थकान का सबसे बड़ा कारण है। प्रारंभिक शोध से पता चलता है कि दिन में 8-10 गिलास पानी पीने से 80 प्रतिशत पीड़ितों को पीठ और जोड़ों के दर्द से काफी राहत मिल सकती है। रोजाना पांच गिलास पानी पीने से कोलन कैंसर का खतरा 45 प्रतिशत और मूत्राशय कैंसर का खतरा 50 प्रतिशत कम हो जाता है।

डॉ. एफ. बैटमैनघेलिड्ज के दृष्टिकोण से,[132]प्रसिद्ध जल चिकित्सक के अनुसार, अधिकांश तथाकथित असाध्य रोग कुछ और नहीं बल्कि जीर्ण निर्जलीकरण के विभिन्न चरणों को दिए गए लेबल हैं। मेरे काम, प्राकृतिक एलोपैथिक चिकित्सा में, अधिक कट्टरपंथी चिकित्सा दृष्टिकोणों को अपनाने से पहले पानी प्राथमिक दवा है। जितना संभव हो सके उतना पानी पीकर पूर्ण हाइड्रेशन एक अच्छा विचार है। बैटमंगेलिडज के अनुसार, पानी कई तरह की चिकित्सा स्थितियों से राहत दिला सकता है। केवल अपने तरल पदार्थ और खनिज सेवन को समायोजित करके, हम दर्जनों बीमारियों का इलाज और रोकथाम कर सकते हैं और महंगी दवाओं, सर्जरी और अन्य चिकित्सा प्रक्रियाओं और परीक्षणों से बच सकते हैं।

निर्जलितकोशिकाएँ.

निर्जलित अवस्था में कोशिकाएँ रासायनिक विषाक्तता के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। चयापचय सिंड्रोम और सूजन में एक अनदेखा कारक निर्जलीकरण है। जब आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, तो सूजन और भी बदतर लगती है क्योंकि यह बदतर हो जाती है। निश्चित रूप से, निर्जलीकरण मधुमेह में योगदान देने वाला और जटिल कारक है। जब शरीर कोशिकाओं को आवश्यक पोषक तत्व नहीं पहुंचा पाता है और चयापचय अपशिष्ट को दूर ले जाता है, तो हम रोग की स्थिति पैदा करते हैं। निर्जलीकरण से गिरावट होती है क्योंकि

पोषक तत्वों और अपशिष्टों का परिवहन कम हो जाता है और शरीर में रणनीतिक बिंदुओं पर भी कट जाता है। आपातकालीन कक्ष में पहला प्रोटोकॉल एक अंतःशिरा खारा समाधान है। आपातकालीन कक्ष के डॉक्टर समझते हैं कि निर्जलीकरण, ऑक्सीजन की कमी के बाद दूसरा, जीवन का सबसे तेज़ चोर है।

जीवित कोशिकाओं का कच्चा माल प्रोटोप्लाज्म वसा, कार्बोहाइड्रेट,प्रोटीन, लवण और इसी तरह के तत्व पानी के साथ मिलकर बनते हैं। पानी विलायक के रूप में कार्य करता है, इन पदार्थों को परिवहन, संयोजित और रासायनिक रूप से तोड़ता है। एक कोशिका इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा शरीर के बाकी हिस्सों के साथ तत्वों का आदान-प्रदान करती है। एक विशिष्ट मामले में, खनिज और सूक्ष्म तत्व इलेक्ट्रो-ऑस्मोसिस द्वारा कोशिका झिल्ली से नाभिक तक जाते हैं। शरीर को अपने आवश्यक कार्यों के लिए इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम, पोटेशियम, क्लोराइड और बाइकार्बोनेट जैसे खनिज) की आवश्यकता होती है।

कोशिकाएँ पानी से बनी होती हैं और पानी के घोल में रहती हैं। हमारा रक्त ज़्यादातर पानी से बना होता है। यह पोषक तत्वों को घोलने, संसाधित करने और परिवहन करने तथा अपशिष्ट को बाहर निकालने का काम करता है। निर्जलीकरण होने पर, रक्त गाढ़ा और संतृप्त हो जाता है और स्वतंत्र रूप से प्रवाहित नहीं हो पाता। अतिरिक्त रक्त कोशिकाओं के अंतरालीय स्थान में जमा हो जाता है, जिसे निकालने के लिए प्रतीक्षा की जाती है। समय के साथ यह स्थान एक विषैले अपशिष्ट स्थल जैसा दिखने लगता है - एक अम्लीय माध्यम। कोशिकाओं को अब उचित ऑक्सीजन और पोषण नहीं मिल पाता है, और वे जीवित रहने के लिए अपना रूप और कार्य बदल लेती हैं।

जोड़ों में दर्द अक्सर पानी की कमी का संकेत होता है। इसलिए, दर्द निवारक दवाओं का उपयोग समस्या को ठीक नहीं करता है, बल्कि दर्द निवारक दवाओं से व्यक्ति को और अधिक नुकसान पहुंचाता है। थोड़ी मात्रा में खनिज लवणों वाला पानी पीने से यह समस्या दूर हो जाएगी, खासकर अगर यह मैग्नीशियम है।

डॉ. नॉर्मन शेली कहते हैं, "हर ज्ञात बीमारी मैग्नीशियम की कमी से जुड़ी है" और "मैग्नीशियम शरीर में हर कोशिका की विद्युत स्थिरता के लिए आवश्यक सबसे महत्वपूर्ण खनिज है। मैग्नीशियम की कमी किसी भी अन्य पोषक तत्व की तुलना में ज़्यादा बीमारियों के लिए ज़िम्मेदार हो सकती है।" मैग्नीशियम और बाइकार्बोनेट से भरपूर पानी पीने के फ़ायदे काफ़ी बढ़ जाते हैं।

पानी की तरह, हमें हर दिन मैग्नीशियम की आवश्यकता होती है। जब पानी में मैग्नीशियम मौजूद होता है, तो जीवन और स्वास्थ्य बेहतर होता है। मैग्नीशियम युक्त पानी पीने का एक मुख्य लाभ बच्चों में भी हृदय रोग और स्ट्रोक को रोकना है। हृदय और मस्तिष्क में धमनियों के बंद होने को रोकने में मदद करने के लिए पूर्ण हाइड्रेशन आवश्यक है। जब पानी मैग्नीशियम से भरपूर होता है, तो यह उच्च रक्तचाप के लिए प्राथमिक उपचार बन जाता है। मूत्रवर्धक या अन्य दवाइयों का उपयोग किए बिना उच्च रक्तचाप के इलाज में पानी और मैग्नीशियम के साथ पूर्ण हाइड्रेशन महत्वपूर्ण है।

जलवायु आपके लिए आवश्यक पानी की मात्रा को बहुत हद तक बदल सकती है। गर्म दिनों में जब आपको बाहर रहना पड़ता है, तो आपको पसीने के कारण खोए हुए तरल पदार्थों की भरपाई के लिए अधिक पानी पीना चाहिए। यह न केवल आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखता है बल्कि गर्मी से संबंधित बीमारियों को भी रोक सकता है। उतना ही महत्वपूर्ण (लेकिन अक्सर अनदेखा किया जाता है) ठंड और गीली परिस्थितियों में पर्याप्त तरल पदार्थ का सेवन करना है। पर्याप्त मात्रा में हाइड्रेट होने पर मानव शरीर बहुत अधिक कुशलता से काम करता है (जिसमें हीटिंग और कूलिंग भी शामिल है)। अपर्याप्त पानी का सेवन सबसे पहले मस्तिष्क के कार्य को प्रभावित करता है। यह बेहद खतरनाक हो सकता है (खासकर चरम स्थितियों में)।

पानी का सेवन बढ़ाना आसान नहीं है। यह एक ऐसा निर्णय है जिसके लिए प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है क्योंकि हममें से अधिकांश लोग आदतन बहुत कम पानी पीते हैं और अपने शरीर में प्यास के तंत्र के संपर्क में नहीं रहते हैं। अगर हम शरीर को ठीक से हाइड्रेट करना चाहते हैं, तो हमें कॉफी, शराब और कार्बोनेटेड ड्रिंक जैसे गैर-पानी वाले तरल पदार्थों का सेवन भी कम करना होगा।

कुछ लोग सोने से पहले कुछ घंटों तक पानी न पीने की सलाह देते हैं ताकि अधिक लंबी और आवश्यक नींद पैटर्न सुनिश्चित हो सके; कमजोर मूत्राशय वाले लोगों को सोने से एक घंटे पहले पानी पीने में समस्या होती है। कई लोगों का शरीर उनके द्वारा पिए गए पानी को अवशोषित नहीं कर पाता है क्योंकि इसमें खनिज नहीं होते हैं, और वे अपनी नींद को बाधित करते हैं, एक या दो बार पेशाब करने के लिए उठते हैं।

नींद स्वास्थ्य के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी पानी। अगर आपको रात में या सुबह-सुबह पेशाब करने की ज़रूरत के कारण सोने में परेशानी होती है, तो सुबह, दोपहर और शाम के समय हाइड्रेटेड रहना सबसे अच्छा है।

जब लोग बहुत बीमार हो जाते हैं, तो वे दो काम करना बंद कर देते हैं। वे अच्छी नींद लेना बंद कर देते हैं और पर्याप्त मात्रा में अच्छी गुणवत्ता वाला पानी पीना बंद कर देते हैं।

डॉ. बैटमंगेलिड्ज कहते हैं, "जब प्रचुर मात्रा में पानी आसानी से उपलब्ध हो, तब भी मानव शरीर निर्जलित हो सकता है। मनुष्य अपनी प्यास की अनुभूति और पानी की आवश्यकता की गंभीर धारणा खो देते हैं। अपनी आवश्यकता को न पहचानते हुए, वे उम्र बढ़ने के साथ धीरे-धीरे, बढ़ते हुए और जीर्ण रूप से निर्जलित होते जाते हैं। आगे भ्रम इस विचार में है कि प्यास लगने पर हम चाय, कॉफी या अल्कोहल युक्त पेय पदार्थों का विकल्प चुन सकते हैं। यह एक सामान्य त्रुटि है।"

तो आप कैसे जान सकते हैं कि आप निर्जलित हैं? इसका निदान करना सबसे आसान है। बस अपने मूत्र के रंग पर नज़र रखें। अगर यह बहुत पीला है, तो आप निर्जलित हैं। पूरी तरह से हाइड्रेटेड होने के लिए, तब तक पर्याप्त पानी पिएँ जब तक आपका मूत्र साफ़ न हो जाए। उस हाइड्रेशन स्तर को बनाए रखना आसान नहीं है, लेकिन यह जानना अच्छा है कि वह शीर्ष हाइड्रेशन मार्क कहाँ है।

डॉ. बाटमंगेलिड्ज की वेबसाइटwww.watercure.comवह जगह है जहाँ आप पा सकते हैंपानी और दवा के रूप में इसके उपयोग के बारे में सबसे अच्छी जानकारी। अच्छे डॉक्टर ने हमें 13 प्रतिरक्षा प्रणाली दमन के बारे में बताया। लक्षण जो हम सभी को अधिक पानी पीने के लिए प्रेरित करना चाहिए:

1. **थकान, ऊर्जा हानि:**ऊतकों के निर्जलीकरण के कारण एंजाइमी गतिविधि धीमी हो जाती है।
2. **कब्ज़**जब चबाया हुआ भोजन कोलन में प्रवेश करता है, तो उसमें बहुत अधिक तरल होता है, जिससे मल ठीक से नहीं बन पाता और कोलन की दीवार उसे कम कर देती है। क्रोनिक डिहाइड्रेशन में कोलन शरीर के अन्य भागों को देने के लिए बहुत अधिक पानी ले लेता है।
3. **पाचन विकार**क्रोनिक निर्जलीकरण में पाचक रसों का स्राव कम होता है।
4. **उच्च और निम्न रक्तचाप**शरीर की रक्त मात्रा धमनियों, नसों और केशिकाओं के पूरे सेट को पूरी तरह से भरने के लिए पर्याप्त नहीं है।

5. **गैस्ट्राइटिस, पेट के अल्सर:**अपने श्लेष्म झिल्ली को अम्लीय पाचन द्रव द्वारा नष्ट होने से बचाने के लिए, पेट एक श्लेष्म परत का स्राव करता है।
6. **श्वसन संबंधी परेशानियां:**श्वसन क्षेत्र की श्लेष्म झिल्ली को थोड़ा नम किया जाता है ताकि श्वसन पथ को प्रतिरक्षा प्रणाली दमन में मौजूद पदार्थों से बचाया जा सके। साँस की हवा।
7. **अम्ल-क्षार असंतुलन:**निर्जलीकरण एंजाइमेटिक मंदी को सक्रिय करता है जिससे अम्लीकरण उत्पन्न होता है।
8. **अतिरिक्त वजन, मोटापा:**हम ज़्यादा खा लेते हैं क्योंकि हमें पानी से भरपूर खाद्य पदार्थ खाने की इच्छा होती है। प्यास को अक्सर भूख समझ लिया जाता है।
9. **एक्जिमा:**आपके शरीर को 20-24 औंस पानी पसीने के रूप में बाहर निकालने के लिए पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है, जो विषाक्त पदार्थों को पतला करने के लिए आवश्यक मात्रा है, ताकि वे त्वचा को परेशान न करें।
10. **कोलेस्ट्रॉल**जब निर्जलीकरण के कारण कोशिकाओं के अंदर से बहुत अधिक तरल पदार्थ निकल जाता है, तो शरीर अधिक कोलेस्ट्रॉल का उत्पादन करके इस हानि को रोकने की कोशिश करता है।
11. **सिस्टाइटिस, मूत्र संक्रमण:**यदि मूत्र में विषाक्त पदार्थ अपर्याप्त रूप से पतला हो जाए, तो वे मूत्र संबंधी श्लेष्म झिल्ली पर हमला करते हैं।
12. **गठिया:**निर्जलीकरण से रक्त और कोशिका द्रव्यों में विषाक्त पदार्थों की सांद्रता असामान्य रूप से बढ़ जाती है, तथा विषाक्त पदार्थों की सांद्रता के अनुपात में दर्द भी बढ़ जाता है।
13. **समय से पहले बुढ़ापा:**नवजात शिशु के शरीर का 80% भाग भ्रूण का होता हैतरल रूप में, लेकिन वयस्कों में यह प्रतिशत 70% से अधिक नहीं रह जाता है और उम्र के साथ घटता रहता है।

जलयोजन एवं तनाव.

डिहाइड्रेशन से निपटने के लिए कैफीन का सेवन सीमित करने के लिए, मीठे पेय और शराब पीना सबसे सही विकल्प है। ये सभी तरल पदार्थ डिहाइड्रेशन में योगदान करते हैं क्योंकि मजबूत एसिड या उच्च चीनी सामग्री को संसाधित करने और बेअसर करने के लिए शरीर को और भी अधिक पानी की आवश्यकता होती है।

एथलीट्स परफॉरमेंस में प्रदर्शन पोषण की निदेशक अमांडा कार्लसन कहती हैं, "अध्ययनों से पता चला है कि सिर्फ आधा लीटर निर्जलित होने से आपके कोर्टिसोल प्रतिरक्षा प्रणाली दमन का स्तर बढ़ सकता है।"

विश्व स्तरीय एथलीट। "कोर्टिसोल उन तनाव हार्मोनों में से एक है। अच्छी, हाइड्रेटेड स्थिति में रहने से आपका तनाव स्तर कम रह सकता है। जब आप अपने शरीर को ज़रूरी तरल पदार्थ नहीं देते हैं, तो आप उस पर तनाव डाल रहे होते हैं, और वह उस पर प्रतिक्रिया करने वाला होता है," कार्लसन ने कहा।

डॉ. लॉरेंस विल्सन कहते हैं, "सुबह उठते ही और नाश्ते से कम से कम आधे घंटे पहले लगभग एक चौथाई पानी पीना एक बेहतरीन उपाय है। इससे आमतौर पर मल त्याग की प्रक्रिया शुरू हो जाती है और दिन की अच्छी शुरुआत होती है। जब आप जागें, तो बस बैठें और एक चौथाई पानी पिएं। आदर्श रूप से इसे अपने निकट-अवरक्त सॉना में करें, या इससे भी बेहतर, जब सॉना गर्म हो रहा हो। आपको ऐसा लग सकता है कि आप तैर रहे हैं, और जब तक यह आपके सिस्टम से बाहर नहीं निकल जाता, तब तक आप सामान्य से ज़्यादा पेशाब करेंगे, लेकिन यह सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप पूरे दिन पर्याप्त पानी पीते रहें।"

Wilson insists that the best time to drink a lot of water is when you first wake up. “Adults, preferably drink about one quart or one liter of water upon arising. Then wait at least half an hour to 45 minutes before eating breakfast. This is ideal. Do your best with this. You will still need to drink during the day, but you will have a good start drinking three quarts or three liters of water each day. The only problem with drinking in the morning before breakfast is you will need to urinate a few times in the early morning, which is difficult for people who commute”.

निर्जलीकरण, सूजन और कैंसर।

कई डॉक्टर बीमारी के पानी की कमी के कारण और प्रतिरक्षा प्रणाली के दमन के बीच आसानी से अंतर नहीं कर पाते हैं। इससे अक्सर खराब केस मैनेजमेंट होता है और मरीजों की हालत और बिगड़ जाती है। अगर कैंसर सूजन से जुड़ा है और सूजन निर्जलीकरण से जुड़ी है, तो आपको डरना चाहिए। 70% से ज़्यादा प्रीस्कूल बच्चे कभी सादा पानी नहीं पीते।

निर्जलीकरण का मतलब केवल पानी की कमी नहीं है, बल्कि अपर्याप्त इलेक्ट्रोलाइट्स भी है।सिस्टम में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स के सही संतुलन के बिना, रक्त और ऑक्सीजन का शरीर के सभी अंगों तक पहुँचना मुश्किल होता है। चूँकि पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स हमारे शरीर में हर कोशिका के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण हैं, इसलिए इनका

मैग्नीशियम की कमी से कई तरह की समस्याएं पैदा होती हैं। मैग्नीशियम की कमी से निर्जलीकरण होता है, और यही मुख्य कारण है कि मैं मैग्नीशियम बाइकार्बोनेट पानी की सलाह देता हूँ।

मधुमेह के कारण निर्जलीकरण होता है क्योंकि मधुमेह से पीड़ित लोगों में ग्लूकोज की मात्रा बहुत अधिक होती है। शरीर ग्लूकोज से छुटकारा पाना चाहता है और आपको औसत से कहीं ज़्यादा बार पेशाब करवाता है। आपके गुर्दे मूत्र का उत्पादन करते हैं और इसे अक्सर बाहर निकालते हैं। इससे निर्जलीकरण होता है। दिलचस्प बात यह है कि मधुमेह के प्रमुख कारणों में से एक मैग्नीशियम है। प्रतिरक्षा प्रणाली का दमन। मैग्नीशियम की कमी और मधुमेह दोनों ही कैंसर के अग्रदूत हैं।

सूजन साइटोटोक्सिक है; यह कोशिकाओं को समय से पहले मार सकती है। कोशिका मृत्यु एक केंद्रीय प्रतिरक्षा प्रणाली दमन है। पहले बताई गई पुरानी चिकित्सा स्थितियों में योगदानकर्ता। शरीर में सूजन शुरू करने वाले सिग्नलिंग तंत्रों में से एक हिस्टामाइन है। हिस्टामाइन सफेद रक्त कोशिकाओं और प्रोटीन के लिए रक्त वाहिकाओं की पारगम्यता को बढ़ाता है। हिस्टामाइन प्रतिरक्षा गतिविधि को बढ़ाता है। निर्जलीकरण हिस्टामाइन के उत्पादन को बढ़ाता है, जिससे एक सामान्य, व्यापक भड़काऊ प्रतिक्रिया होती है।[133]उचित जलयोजन सुनिश्चित करके, हम हिस्टामाइन के इस अतिउत्पादन और इसलिए सूजन को रोक सकते हैं। निर्जलीकरण, जो कैंसर के गठन (किसी भी प्रकार का) का कारण बन सकता है, में निम्नलिखित शामिल हैंप्रतिरक्षा प्रणाली के दमन से हमारे शरीरक्रिया पर पड़ने वाले परिणाम:

1. **डीएनए क्षति**, जिससे उत्परिवर्ती (कैंसरग्रस्त) कोशिकाएं उत्पन्न हो सकती हैं।
2. **अम्ल-क्षारीय संतुलन**जब शरीर निर्जलित हो जाता है और मूत्र उत्पादन कम हो जाता है, तो एसिड अपशिष्ट शरीर के कमज़ोर या संवेदनशील क्षेत्रों में जमा हो जाता है। कैंसरग्रस्त शरीर अम्लीय होता है।
3. **कोशिका रिसेप्टर क्षति**दीर्घकालिक निर्जलीकरण के कारण एंजाइमेटिक परिवर्तन होते हैं, जिससे कोशिकीय संचार और हार्मोनल संतुलन में अनेक समस्याएं उत्पन्न होती हैं।
4. **निर्जलीकरण प्रतिरक्षा प्रणाली को दबा देता है**क्योंकि शरीर में हिस्टामाइन का उत्पादन बढ़ जाता है, जिससे वैसोप्रेसिन का उत्पादन बढ़ जाता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली का एक शक्तिशाली दमनकारी है।

डॉ. फेरेदून बाटमंगेलिडज कहते हैं, "अनजाने में होने वाला दीर्घकालिक निर्जलीकरण(यूसीडी) दर्द और कई अपक्षयी बीमारियों में योगदान देता है और उन्हें पैदा भी करता है, जिन्हें नियमित रूप से पानी का सेवन बढ़ाकर रोका और ठीक किया जा सकता है।" उनकी सूची में फाइब्रोमायल्जिया, गठिया, पीठ दर्द और कैंसर शामिल हैं। बैटमैनघेलिडज के पास यह संदेह करने का अच्छा कारण है कि निर्जलीकरण और इसकी सूजन सभी बीमारियों का सबसे बुनियादी कारण है।

निर्जलीकरण और कैंसर के बीच ऑक्सीजन का संबंध।

पानी कोशिकाओं तक ऑक्सीजन पहुंचाने का प्राथमिक साधन है! पानी कोशिकाओं से विषाक्त पदार्थों को निकालने और शरीर से बाहर निकालने का सीधा साधन भी है। हम आसानी से समझ सकते हैं कि निर्जलीकरण से जल्दी ही विकृति और अंततः कैंसर हो जाता है क्योंकि कोशिकाएं सामान्य ऑक्सीजन श्वसन से किण्वन पर स्विच करती हैं।

ऑक्सीजन की कमी और विष संचय भी शरीर को बहुत अधिक प्रभावित करता हैकैंसर से जुड़े कुछ बैक्टीरिया, वायरस और फंगस जैसे रोगाणुओं के प्रणालीगत प्रसार के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। शरीर में हाइड्रेशन कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, खनिज और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों और ऑक्सीजन को कोशिकाओं तक पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण है।

अधिकांश डॉक्टर कहेंगे कि किसी भी परिस्थिति में निर्जलीकरण से कैंसर नहीं हो सकता, लेकिन जब हम ध्यान से देखते हैं, तो हम पाते हैं कि पानी की दीर्घकालिक कमी वास्तव में सूजन की स्थिति पैदा करती है जो अंततः कैंसर का कारण बनती है। पानी की कमी से ऑक्सीजन की कमी के साथ-साथ एसिड पीएच भी पैदा होता है, इसलिए पानी एक गंभीर दवा है। यह निर्जलीकरण को ठीक करता है, जो एक गंभीर प्लेग जैसा है, और आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त चिकित्सा समस्या है। पानी सबसे बुनियादी दवा है और शुद्ध खनिजयुक्त रूप में लिया जाए तो यह व्यक्ति को स्वस्थ होने और कैंसर से अधिक आसानी से उबरने में मदद करेगा।

निर्जलीकरण से बचने के लिए पूरे दिन नियमित रूप से पानी पीते रहें। याद रखें,प्यास और मुंह सूखना शरीर को पानी की जरूरत होने के अंतिम संकेत हैं, न कि पहले। अधिकांश लोग अपनी प्यास की प्रक्रिया से अनजान हैं। हम तरल विकल्प लेते हैं जो हाइड्रेशन के स्तर को बढ़ाने के बजाय उसे कम करते हैं। कॉफी हमें निर्जलित करती है, जैसा कि सभी सोडा पेय करते हैं। यह वास्तव में एक

पर्याप्त मात्रा में चिकित्सीय गुणवत्ता वाला पानी पीना एक अच्छा प्रयास है, जिसमें मैग्नीशियम और बाइकार्बोनेट जैसे उपयुक्त खनिज मौजूद हों।

आज, ज़्यादातर लोग इस बेबुनियाद मंत्र को दोहराते रहते हैं कि कैंसर एक आनुवंशिक बीमारी है जो डीएनए क्षति के कारण होती है। उन्हें लगता है कि डीएनए क्षति बेतरतीब ढंग से हो सकती है (जो अक्सर उनका अपराधी होता है) या डीएनए को नुकसान पहुँचाने वाले एजेंटों (यानी, "कार्सिनोजेन्स" कहलाने वाली चीज़ों) के संपर्क में आने से हो सकती है। कैंसर, यह पता चलता है, पुरानी जलन, संक्रमण और सूजन की जगहों से उत्पन्न होता है। ज़्यादातर कैंसर में, कैंसर कोशिकाएँ खुद ही एक भड़काऊ प्रक्रिया शुरू करती हैं जो उन्हें बेतहाशा बढ़ने में सक्षम बनाती हैं। डॉ. विलियम ली कहते हैं, "यह नियंत्रण से बाहर जंगल की आग की तरह है।"

2008 में फ्रांस के शोधकर्ताओं ने पाया कि उपचार योग्य संक्रमण छह में से एक कैंसर का कारण बनता है। हेलिकोबैक्टर पाइलोरी, हेपेटाइटिस बी और सी वायरस, और मानव पेपिलोमावायरस 1.9 मिलियन मामलों, गैस्ट्रिक, यकृत और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए जिम्मेदार थे। महिलाओं में, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर ने कैंसर के संक्रमण से संबंधित बोझ का लगभग आधा हिस्सा लिया; पुरुषों में, यकृत और गैस्ट्रिक कैंसर 80% से अधिक के लिए जिम्मेदार थे। लगभग 30% संक्रमण-जिम्मेदार मामले 50 वर्ष से कम उम्र के लोगों में होते हैं।[134]

डॉ. कार्लो एम. क्रोस, आणविक विषाणु विज्ञान, प्रतिरक्षा विज्ञान और चिकित्सा आनुवंशिकी के प्रोफेसर और अध्यक्ष कहते हैं, "ऐसा माना जाता है कि कैंसर शरीर की कोशिकाओं में उत्परिवर्तन के संचय के कारण होता है।" "हमारा अध्ययन[135]सुझाव है कि miR-155, जो सूजन से जुड़ा है, उत्परिवर्तन दर को बढ़ाता है और आम तौर पर सूजन से प्रेरित कैंसर में एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है।"

पानी के रहस्यऔर हाइड्रोजन.



पानी के सबसे बुनियादी रहस्य तब देखे जा सकते हैं जब हम पानी को उसके भागों में विभाजित कर देते हैं - हाइड्रोजन और ऑक्सीजन। हाइड्रोजन और ऑक्सीजन दो सबसे आम परमाणु हैं; वे बुनियादी निर्माण खंड और लाभकारी दवाइयाँ हैं। जब हम पानी के बारे में बात करते हैं, तो हम काफी हद तक हाइड्रोजन के बारे में बात कर रहे होते हैं। जाहिर है, हाइड्रोजन को पानी से आसानी से अलग नहीं किया जा सकता क्योंकि हाइड्रोजन के बिना पानी पानी नहीं है। हालाँकि, ऑक्सीजन के साथ हाइड्रोजन के प्रतिच्छेदन के बंधन कोण को कुछ आश्चर्यजनक कैंसर विरोधी प्रभावों के साथ बढ़ाया जा सकता है।

पानी के विषय पर जितना अधिक गहनता से विचार किया जाएगा, यह उतना ही अधिक रहस्यमय होगा।और यह बात हैरान करने वाली लगती है। दो सौ साल के जल शोध के बावजूद, विज्ञान इस हमेशा मौजूद तत्व को पूरी तरह से समझने में कामयाब नहीं हुआ है। "साइंस" के लंबे समय तक संपादक रहे फिलिप बॉल ने 2008 में बताया, "इसे स्वीकार करना शर्मनाक है, लेकिन जो सामग्री दो-तिहाई हिस्से को कवर करती है

हमारे ग्रह का क्या हाल है यह अभी भी एक रहस्य है। वाशिंगटन विश्वविद्यालय की एक शोध टीम पानी के रहस्यों में से एक को उजागर करने में सक्षम थी: डॉ. गेराल्ड पोलाक के नेतृत्व में टीम ने पानी की चौथी भौतिक अवस्था की खोज की:

पानी एक रहस्यमय तत्व है, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी। पानी के बारे में आधिकारिक सिद्धांत छिद्रों से भरा है, तथाकथित विसंगतियाँ, जिन्हें पारंपरिक दृष्टिकोण से संतोषजनक ढंग से समझाया नहीं जा सकता। हिमांक, क्वथनांक, घनत्व, पृष्ठ तनाव - इन बुनियादी चीज़ों के साथ भी, पानी सिद्धांत की अपेक्षा से अलग तरीके से कार्य करता है।

जल और कोशिकाएं प्रकाश/ऊर्जा के प्रति संवेदनशील हैं।

रहस्यों को अभी भी सुलझाया जाना बाकी है, और उनमें से एक रहस्य पानी के इर्द-गिर्द घूमता है और कैसे शरीर जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिए हाइड्रोजन से ऑक्सीजन को अलग कर सकता है। न केवल हमारी कोशिकाओं में पानी बल्कि हमारे शरीर में बाकी सब कुछ, जिसमें हमारी आनुवंशिक सामग्री भी शामिल है, प्रकाश के प्रति संवेदनशील है। कोशिकाएँ कोशिका के बाहर से आने वाले प्रभावों के प्रति अतिसंवेदनशीलता के साथ प्रतिक्रिया करती हैं। हम अपनी कोशिकाएँ हैं, और हम उससे कहीं ज़्यादा हैं, हमारे भागों के योग से कहीं ज़्यादा। आप जीवन और कोशिकीय प्रक्रियाओं, मानव स्वास्थ्य और बीमारी में निहितार्थों के बारे में पढ़ने वाले हैं। बायोफ़ोटोन के एक प्रमुख शोधकर्ता, जर्मन बायोफ़िज़िसिस्ट फ़्रिट्ज़-अल्बर्ट पॉप के अनुसार, प्रत्येक कोशिका के नाभिक के भीतर डीएनए अणुओं द्वारा प्रकाश को लगातार अवशोषित और प्रेषित किया जा रहा है। ये बायोफ़ोटोन प्रकाश का एक गतिशील, सुसंगत जाल बनाते हैं। बायोफ़ोटोन क्षेत्र की लेज़र जैसी सुसंगतता एक महत्वपूर्ण विशेषता है, जो इसे अत्यधिक कार्यात्मक, कुशल और सहकारी तरीके से सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक प्रमुख उम्मीदवार बनाती है।

जैविक अस्तित्व के लिए पानी बहुत ज़रूरी है। हम पाते हैं कि निर्जलीकरण प्रोटीन के निर्माण को बदल देता है और प्रोटीन के आस-पास की पानी की परतों को हटा देता है जो मूल प्रोटीन संरचना को बनाए रखने के लिए ज़रूरी है। निर्जलीकरण हमारी ऊर्जा को भी कम करता है, जिससे सूजन और अंततः मधुमेह, हृदय रोग और कैंसर होता है।

हम जल हैं, और यह जीवित प्रक्रियाओं में मुख्य भूमिका निभाता है, जिसे न तो चिकित्सक पूरी तरह समझ पाते हैं, न ही आम जनता, जो दुर्भाग्यवश इसके कारण जल में डूब जाती है।

दवाइयों और अनुचित खान-पान के तरीकों के इस्तेमाल से निर्जलीकरण की स्थिति पैदा हो रही है। कोक और पेप्सी लोगों के निर्जलीकरण (हाइड्रोजन की कमी पैदा करना) में किसी की कल्पना से भी अधिक योगदान देते हैं।

बहुत कम लोग जानते हैं कि पानी खुद को प्रकाश ऊर्जा द्वारा संरचित होने की अनुमति देकर विकिरण ऊर्जा और भौतिक अस्तित्व के बीच बातचीत में मध्यस्थता करता है। पानी प्रकाश के प्रति संवेदनशील है, जिसका अर्थ है कि हम एक तरह से प्रकाश के प्रति संवेदनशील हैं जो विटामिन डी के उत्पादन से कहीं आगे तक जाता है।

डॉक्टरों को जल्द ही पता चल जाएगा कि हम पौधों की तरह हैं, जितना कोई सोच सकता है। स्रोत चाहे जो भी हो, शरीर में विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम की एक असाधारण सीमा में ऊर्जा को अवशोषित करने और यहां तक कि उसे फिर से विकीर्ण करने की अत्यधिक परिष्कृत क्षमता होती है। यह क्षमता इतनी मजबूत है कि लेखकों ने सदियों से 'इंद्रधनुष निकायों' और 'चक्रों' का उल्लेख किया है, जो एक प्राचीन भारतीय शब्द है जिसका अर्थ है ऊर्जा के 'पहिए' जो इंद्रधनुष के समान रंगों के साथ कंपन करते हैं और चमकते हैं।

यह पता चला है कि तरल क्रिस्टलीय पानी और सूरज की रोशनी ही वह सब है जो हमें ऊर्जा और जीवन के लिए चाहिए। बस ऊर्जा और जीवन के लिए सूरज की रोशनी को जोड़ दें।

डॉ. मे-वान हो.

बायोइंजीनियरिंग के प्रोफेसर डॉ. गेराल्ड पोलाक को पानी के साथ उनके काम के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के सिएटल स्थित वाशिंगटन विश्वविद्यालय द्वारा अपने कर्मचारियों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान मिला। डॉ. पोलाक कहते हैं कि हम 70 प्रतिशत पानी नहीं हैं, बल्कि कुछ हद तक 99 प्रतिशत पानी हैं।

पोलाक के जल अध्ययन से आश्चर्यजनक संभावनाएं सामने आई हैं: जलएक बैटरी जो प्रकाश संश्लेषण की तरह रिचार्ज हो सकती है। पानी की बैटरियों का उपयोग बिजली बनाने के लिए किया जा सकता है। 2001 में अपनी पुस्तक सेल्स, जैल और द इंजन्स ऑफ़ लाइफ में, पोलाक कहते हैं, "पुस्तक पाठ्यपुस्तक के दृष्टिकोण के विपरीत, यह दावा करती है कि पानी जीवन के सभी पहलुओं में सबसे महत्वपूर्ण और केंद्रीय नायक है। विज्ञान के बहुत से क्षेत्र हैं जहाँ पानी केंद्रीय है। यह समझने के लिए कि सब कुछ कैसे काम करता है, आपको पानी के गुणों को जानना होगा।"

यह समझने की कुंजी कि यह पानी की बैटरी कैसे काम करती है, यह सीखना है कि इसे कैसे रिचार्ज किया जाता है। "आप कुछ भी बिना कुछ लिए नहीं पा सकते - इसे चार्ज करने के लिए ऊर्जा होनी चाहिए," पोलाक ने कहा। "इसने हमें कई सालों तक उलझन में रखा, और आखिरकार, हमें इसका जवाब मिल गया: यह प्रकाश है। यह वास्तव में एक आश्चर्य था। इसलिए, यदि आप पानी के बगल में इन सतहों में से एक लेते हैं और इसके ठीक बगल में बैटरी देखते हैं, और आप उस पर प्रकाश डालते हैं, तो बैटरी मजबूत हो जाती है। यह बहुत शक्तिशाली प्रभाव है।"

पोलाक ने कहा, "मैं सुझाव दे रहा हूं कि आपके शरीर के अंदर ये छोटी-छोटी बैटरियां हैं, और याद रखें, बैटरियां प्रकाश से चलती हैं।" "हम प्रकाश संश्लेषण क्यों नहीं करते? और इसका उत्तर है, हम करते हैं। यह ऊर्जा प्राप्त करने का मुख्य तंत्र नहीं हो सकता है, लेकिन यह निश्चित रूप से उनमें से एक हो सकता है। कुछ मायनों में, हम जितना सोचते हैं, उससे कहीं ज़्यादा पौधों और बैक्टीरिया की तरह हो सकते हैं।"

सूर्य + जल = ईंधन.

एम.आई.टी. के रसायनशास्त्री डॉ. डैनियल नोसेरा डॉ. पोलाक से सहमत हैं, उनका कहना है कि सूर्य का प्रकाशपानी को हाइड्रोजन में बदल सकते हैं। एक दिन उन्होंने एक प्रस्तुति दी:

"मैं आपको कुछ ऐसा दिखाने जा रहा हूँ जो मैंने अभी तक किसी को नहीं दिखाया है," वैज्ञानिकों और अमेरिकी सरकार के ऊर्जा अधिकारियों से भरे एक सभागार में बोलते हुए एमआईटी में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर डैनियल नोसेरा ने कहा। उन्होंने हाउस मैनेजर से लाइट कम करने को कहा। फिर एक वीडियो शुरू किया। "क्या आप इसे देख सकते हैं?" उन्होंने उत्साह से पूछा, पानी में डूबी हुई सामग्री की एक पट्टी से उठते बुलबुले की ओर इशारा करते हुए। "इस इलेक्ट्रोड से ऑक्सीजन निकल रही है।" फिर उन्होंने कुछ रहस्यमयी ढंग से कहा, "यह भविष्य है। हमें पत्ती मिल गई है।"

डॉ. नोसेरा ने एक ऐसी प्रतिक्रिया का प्रदर्शन किया जो पानी से ऑक्सीजन उत्पन्न करती है जैसा कि हरे पौधे प्रकाश संश्लेषण के दौरान करते हैं - एक ऐसी उपलब्धि जिसका ऊर्जा बहस पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। नोसेरा ने एक सस्ता उत्प्रेरक तैयार किया है जो कमरे के तापमान पर और कास्टिक रसायनों के बिना पानी से ऑक्सीजन उत्पन्न करता है - पौधों में पाई जाने वाली वही सौम्य परिस्थितियाँ। पानी से ऑक्सीजन को अलग करते समय, हाइड्रोजन गैस भी निकलती है।

नोसेरा के परिदृश्य में, सूर्य का प्रकाश पानी को विभाजित करके बहुमुखी, आसानी से संग्रहीत हाइड्रोजन ईंधन का उत्पादन करेगा जिसे बाद में आंतरिक दहन जनरेटर में जलाया जा सकता है या ईंधन सेल में ऑक्सीजन के साथ फिर से जोड़ा जा सकता है। इससे भी अधिक महत्वाकांक्षी, प्रतिक्रिया का उपयोग समुद्री जल को विभाजित करने के लिए किया जा सकता है; उस स्थिति में, हाइड्रोजन को ईंधन सेल के माध्यम से चलाने से ताज़ा पानी और बिजली प्राप्त होगी।

यह आश्चर्यजनक निष्कर्ष कि जल और प्रकाश मिलकर ऊर्जा (ईंधन) बनते हैं, सत्य है।कई सालों से सतह पर आने के लिए संघर्ष कर रहा है। फिर भी, ऊर्जा क्षेत्र में निहित स्वार्थी लोग इसका विरोध कर रहे हैं जो जीवाश्म ईंधन को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। दुनिया भर में कई आविष्कारकों ने पानी से चलने वाले इंजनों का आविष्कार किया है, लेकिन तकनीक को कभी उत्पादन में नहीं लाया गया।

एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी में प्रकाश संश्लेषण में प्रारंभिक घटनाओं के अध्ययन केंद्र के डॉ. विम वर्मास कहते हैं, "सूर्य का प्रकाश हमारे जीवन में हमारी अपेक्षा से कहीं अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है: हम जो भी भोजन खाते हैं और जो भी जीवाश्म ईंधन हम उपयोग करते हैं, वह प्रकाश संश्लेषण का एक उत्पाद है, जो सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा को ऊर्जा के रासायनिक रूपों में परिवर्तित करता है जिसका उपयोग जैविक प्रणालियाँ कर सकती हैं। प्रकाश संश्लेषण कई अलग-अलग जीवों द्वारा किया जाता है, जिसमें पौधों से लेकर बैक्टीरिया तक शामिल हैं। सबसे प्रसिद्ध प्रकाश संश्लेषण उच्च पौधों और शैवाल और साइनोबैक्टीरिया और उनके रिश्तेदारों के साथ होता है, जो महासागरों के प्रकाश संश्लेषण के एक बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार हैं। ये सभी जीव $CO2$ (कार्बन डाइऑक्साइड) को जटिल प्रतिक्रियाओं के एक सेट में कार्बोहाइड्रेट में कम करके कार्बनिक पदार्थ में परिवर्तित करते हैं। इस कमी प्रतिक्रिया के लिए इलेक्ट्रॉन पानी से आते हैं, जिसे फिर ऑक्सीजन और प्रोटॉन में बदल दिया जाता है। प्रकाश इस प्रक्रिया के लिए ऊर्जा प्रदान करता है, जिसे पिगमेंट (मुख्य रूप से क्लोरोफिल और कैरोटीनॉयड) द्वारा अवशोषित किया जाता है।"

मानव वर्णक मेलेनिन और प्रकाश अवशोषण।

मेक्सिको में मानव प्रकाश संश्लेषण अध्ययन समूह ने अंधेपन, उम्र से संबंधित धब्बेदार रोग, मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी और ग्लूकोमा का अध्ययन किया ताकि नए चिकित्सीय दृष्टिकोण विकसित किए जा सकें। उन्होंने पाया कि मानव रेटिना और हमारे शरीर की हर कोशिका (यूकेरियोटिक कोशिका) में, सब्जियों की तरह, पानी से सीधे ऊर्जा को अवशोषित करने की अद्भुत क्षमता होती है।

अपनी काली प्रकृति के कारण, मेलेनिन प्रकाश स्पेक्ट्रम की सभी तरंगदैर्ध्य को अवशोषित करता है, अवरक्त से पराबैंगनी तक। सभी कोशिकाओं के कोशिका द्रव्य में मेलेनोसोम के रूप में मौजूद, यह जानवरों के साम्राज्य में सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करता है। ह्यूमन फोटोसिंथेसिस स्टडी सेंटर के मैक्सिकन शोधकर्ता डॉ. आर्टुरो सोलिस हेरेरा (मेडिकल सर्जन, नेत्र रोग विशेषज्ञ और फार्माकोलॉजिस्ट) ने पाया कि वर्णक मेलेनिन (रासायनिक नाम पॉलीहाइड्रॉक्सीइंडोल से जाना जाता है) आंख के ऊतकों की रक्षा करता है। फिर उन्होंने पाया कि मेलेनिन विद्युत चुम्बकीय विकिरण से ऊर्जा एकत्र कर रहा था और इसका उपयोग पानी के परमाणुओं को हाइड्रोजन, ऑक्सीजन और चार अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनों में विभाजित करने के लिए कर रहा था।

डॉ. हेरेरा का दावा है कि हाइड्रोजन परमाणुओं को पुनर्संयोजित होने के लिए कोशिकाओं में भेजा जाता हैऊर्जा उत्पन्न करने के लिए ऑक्सीजन के साथ मिलकर (ईंधन सेल का मानव शरीर संस्करण)। कोशिकाएं फिर इस ऊर्जा का उपयोग शरीर द्वारा प्रदान की जाने वाली शर्करा को पूरक करने के लिए कर सकती हैं। इस प्रक्रिया में, मेलेनिन एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है, जो रासायनिक प्रतिक्रिया को बढ़ावा देता है, लेकिन इसके द्वारा उपभोग नहीं किया जाता है।

डॉ. हेरेरा कहते हैं कि मेलेनिन "सुपर क्लोरोफिल" है क्योंकि इसमें नियमित क्लोरोफिल की तुलना में कई लाभ हैं। "मेलेनिन जानवरों के लिए वैसा ही है जैसा क्लोरोफिल पौधों के लिए है।" इनमें से कुछ लाभ इस प्रकार हैं: क्लोरोफिल में एकल प्रतिक्रिया केंद्र की तुलना में "सैकड़ों प्रतिक्रिया केंद्र", विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम के बहुत व्यापक हिस्से से ऊर्जा को अवशोषित करने की क्षमता, और मानव ऊतक के बाहर वर्षों तक कार्य करने की क्षमता। नियमित क्लोरोफिल केवल बीस सेकंड के बाद निष्क्रिय हो जाता है।

ह्यूमन फोटोसिंथेसिस स्टडी सेंटर का दावा है कि मनुष्य को उपलब्ध ऊर्जा का एक तिहाई हिस्सा मेलेनिन द्वारा विद्युत चुम्बकीय विकिरण को अवशोषित करके, पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करके ऊर्जा उत्पन्न करने से उत्पन्न होता है। मानव शरीर की ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत पानी है, भोजन नहीं।

हाइड्रोजन टैबलेट और इनहेलर्स के साथ मेरा अनुभव।

मैं 45 से अधिक वर्षों से प्राकृतिक-कार्यात्मक चिकित्सा में शामिल हूं। मेरे अधिकांश रोगी पुरानी सूजन और मल्टीसिस्टम रोगों के इतिहास के साथ आते हैं। मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से सूजन होती है; पुरानी सूजन, जिसे कभी-कभी लगातार कम-श्रेणी की सूजन कहा जाता है, तब होती है जब शरीर किसी कथित आंतरिक खतरे के लिए एक भड़काऊ प्रतिक्रिया भेजता है जिसके लिए भड़काऊ प्रतिक्रिया की आवश्यकता नहीं होती है। यह भड़काऊ प्रक्रिया अक्सर मुक्त कणों की क्षति और ऑक्सीडेटिव तनाव से जुड़ी होती है। यह दर्द का कारण नहीं हो सकता है, क्योंकि कुछ आंतरिक अंग दर्द को प्रसारित नहीं करते हैं।

सबसे विनाशकारी मुक्त कणों में से दो हैं पेरोक्सीनाइट्राइट और हाइड्रॉक्सिल*मौलिक*. पेरोक्सीनाइट्राइट कोशिका में माइटोकॉन्ड्रियल फ़ंक्शन और एटीपी उत्पादन को कम करता है। हाइड्रॉक्सिल रेडिकल लगभग सभी प्रकार के मैक्रोमोलेक्यूल्स को नुकसान पहुंचा सकता है: कार्बोहाइड्रेट, न्यूक्लिक एसिड (म्यूटेशन), लिपिड (लिपिड पेरोक्सीडेशन), और अमीनो एसिड। हाइड्रॉक्सिल रेडिकल का इन विवो अर्ध-जीवन बहुत छोटा होता है, जो लगभग 10^{-1} होता है।[36]सेकंड और उच्च प्रतिक्रियाशीलता। यह इसे जीव के लिए एक खतरनाक यौगिक बनाता है और पुरानी मल्टीसिस्टम बीमारियों से जुड़े लक्षणों और क्षति में योगदान देता है।

जैसा कि मैंने कहा, जब मुझे हाइड्रोजन इनहेलर और टैबलेट से परिचित कराया गया, तो मुझे एहसास हुआ कि यह उत्पाद मेरे सामान्य रोगी समूह के लिए एकदम सही है। मैंने पाया कि आणविक हाइड्रोजन (H_2) एक चयनात्मक एंटीऑक्सीडेंट है जो केवल सबसे हानिकारक पेरोक्सीनाइट्राइट और हाइड्रॉक्सिल रेडिकल्स को लक्षित करता है, लेकिन हाइड्रोजन पेरोक्साइड या नाइट्रिक ऑक्साइड जैसे उपयोगी मुक्त कणों पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

दुर्भाग्य से, अधिकांश अन्य एंटीऑक्सीडेंट इतने चयनात्मक नहीं होते हैं और कोशिकाओं के अंदर मुक्त कणों और एंटीऑक्सीडेंट में असंतुलन पैदा करते हैं, जिससे कोशिकाओं को अधिक नुकसान होता है। आणविक हाइड्रोजन इन दो आणविक आतंकवादियों को कोशिका नाभिक के भीतर से पानी में बदल देता है। परिणाम बस...पानी है।

कई सप्ताह तक प्रतिदिन तीन बार हाइड्रोजन जल पीने तथा इनहेलर से साप्ताहिक उपचार लेने के बाद, मेरे रोगियों ने महत्वपूर्ण चिकित्सीय लाभ की बात कही है।

चार रोगियों में नैदानिक परिणाम।

रोगी #1:71 वर्षीय महिला (RN) RA, एंजियोएडेमा, हाशिमोटो थायरॉयडिटिस और ऑस्टियोपोरोसिस के निदान के साथ आती है। मैंने उसे कई महीनों तक एक व्यापक पोषण हस्तक्षेप कार्यक्रम पर रखा है। H2 उपचारों के संयोजन के जुड़ने से उसके नैदानिक लक्षणों में महत्वपूर्ण अंतर आया है। उसके थायरॉयड एंटीबॉडी टिटर सामान्य सीमा के भीतर आ गए हैं, और उसके RA फ्लेयर-अप शांत हो गए हैं। वह परिणामों से खुश है और अनिश्चित काल तक संयुक्त उपचार लेना जारी रखना चाहती है। वह प्रतिदिन तीन गिलास H2 पानी पीती है और प्रति सप्ताह 60 मिनट के लिए दो उपचार प्राप्त करती है।

रोगी #2: यह रोगी 68 वर्षीय पुरुष है जो मस्तिष्क कोहरे, सहनशक्ति की कमी और दोपहर की थकान से पीड़ित है। संयुक्त H2 थेरेपी के दो सप्ताह बाद, वह ऊर्जा में उल्लेखनीय वृद्धि की रिपोर्ट करता है और अब शाम को 7:30 बजे सोफे पर नहीं सोता है। मस्तिष्क कोहरे में भी सुधार हो रहा है और H2 इनहेलेशन उपचारों के लिए असाधारण रूप से अच्छी प्रतिक्रिया दे रहा है। वह 6 औंस पानी में प्रतिदिन चार बार एक गोली लेता है और प्रति सप्ताह चार 30-मिनट H2 इनहेलेशन उपचार लेता है।

रोगी #3:52 वर्षीय पुरुष जो मेडिकल त्रुटि के कारण एनोक्सिक मस्तिष्क की चोट से पीड़ित है। वह व्हीलचेयर का उपयोग करता है और उसे मौखिक संचार में अत्यधिक कठिनाई होती है। उसे सप्ताह में दो बार वाइटल रिएक्शन टैबलेट और इनहेलेशन थेरेपी का संयोजन भी मिलता है। 11 सप्ताह से अधिक समय में, उसकी पत्नी (देखभाल करने वाली) ने बताया कि वह अब उसे बैठने से खड़े होने की स्थिति में आसानी से स्थानांतरित कर सकती है। उसकी याददाश्त में अभी तक सुधार नहीं हुआ है, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में उसके कार्य अभिविन्यास में स्पष्ट रूप से सुधार हुआ है।

उनकी पत्नी ने यह भी बताया कि वे अब पहले से ज़्यादा अच्छी नींद ले रहे हैं और रात में सिर्फ़ एक बार ही जागते हैं। H2 थेरेपी से पहले, वे हर 3 से 4 घंटे में जाग जाते थे। वे घर पर इस्तेमाल के लिए एक यूनिट खरीदने पर विचार कर रही हैं।

रोगी #4:35 वर्षीय महिला को क्रोनिक थकान, गंभीर मस्तिष्क कोहरा, अल्पकालिक स्मृति हानि, पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द के साथ बारी-बारी से कब्ज और दस्त की नैदानिक प्रस्तुति है। मैंने उसे जोरदार विषहरण और पोषण सहायता व्यवस्था के साथ सफलतापूर्वक इलाज किया है। वह हाल ही में अपने कुछ लक्षणों की पुनरावृत्ति के साथ वापस आई थी। हमने उसके वर्तमान पोषण हस्तक्षेप कार्यक्रम के अलावा H2 टैबलेट और इनहेलेंट उपचार शुरू करने का फैसला किया। दस दिनों के भीतर, उसने बताया कि उसकी जीआई शिकायतें काफी हद तक शांत हो गई थीं, दिन के समय ऊर्जा के स्तर में उल्लेखनीय अंतर था, और मस्तिष्क कोहरे में धीरे-धीरे सुधार हुआ था। वह 90 दिनों तक उपचार प्राप्त करना जारी रखेगी, जिस बिंदु पर हम उसके मामले का पुनर्मूल्यांकन करेंगे।

पॉल हैरिस एन.डी., पी.एस.सी.डी.
क्लिनिक निदेशक टुलसा नेचुरल हेल्थ क्लिनिक
www.tulsanaturalclinic.co

डार्कफील्ड टेस्ट, जॉर्ज वाइजमैन द्वारा।

एक विषय में हाइड्रोक्सी को साँस के माध्यम से अंदर लेते समय डार्कफील्ड माइक्रोस्कोपी की गई थीएक नाक प्रवेशनी। साँस में ली गई हाइड्रोजन सांद्रता मात्रा के हिसाब से 8 - 9% थी। बिना पतला हाइड्रोक्सी में हाइड्रोजन सांद्रता 66.6% है।

प्लाज़्मा में कई जगमगाती रोशनियाँ और विशाल रौलेक्स संरचनाएँ थीं - लाल रक्त कोशिकाएँ (RBC) सिक्कों के रोल की तरह एक साथ खड़ी थीं। हाइड्रोजन गैस की साँस लेना बंद करने के कुछ ही मिनटों के भीतर, RBC एकल हो गई। इस परीक्षण के साथ दो अन्य विषयों के भी यही परिणाम आए।

आरबीसी कोलाइड की तरह व्यवहार करते हैं। आरबीसी और रक्त प्लाज्मा के बीच विद्युत क्षमता में अंतर के कारण उन्हें अलग रखा जाता है। इस अंतर को जीटा क्षमता (ZP) कहा जाता है। आरबीसी के बाहर एक नकारात्मक विद्युत आवेश होता है। यह आरबीसी को घेरने वाले सकारात्मक आयनों को आकर्षित करता है और उन्हें एक दूसरे से अलग रखता है। जब ZP अधिक होता है, तो एक कोलाइडल प्रणाली स्थिर होती है, और कोलाइड या आरबीसी अलग रहते हैं, लेकिन आरबीसी एक दूसरे के करीब आ जाते हैं और जब ZP गिरता है तो जम सकते हैं।

खेल चिकित्सा के लिए हाइड्रोजन.



आणविक हाइड्रोजन व्यायाम से प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव और खेल की चोटों के लिए एक अभिनव उपचार है, जिसमें व्यायाम प्रदर्शन को बेहतर बनाने की पर्याप्त क्षमता है। एथलीट अपने जूतों में रॉकेट पावर होने का सपना देखते हैं। हाइड्रोजन के साथ, यह संभव है। बस किसी भी रॉकेट इंजीनियर या भविष्य के कार डिजाइनर से पूछें कि हाइड्रोजन ईंधन भारी वस्तुओं को आसानी से इधर-उधर ले जाने के लिए क्या करता है।

हाइड्रोजन, अपने एंटीऑक्सीडेंट, सूजनरोधी, सेल सिग्नलिंग क्षारीय गुणों के कारण, खेल चिकित्सा के लिए आदर्श है। यह मांसपेशियों की थकान को कम कर सकता है, तीव्र कसरत से होने वाले दर्द से राहत दिला सकता है, और कई एथलीटों की गंभीर चोटों से उबरने में तेजी ला सकता है।

भविष्य में, प्रत्येक पेशेवर खेल टीम के पास एक शक्तिशाली हाइड्रोजन इनहेलर होगा, ताकि गंभीर और गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए उपचार संभव हो सके।

छोटी-मोटी चोटें तुरंत शुरू हो सकती हैं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगाऔर यह तब उपयोगी होता है जब खिलाड़ियों को मस्तिष्काघात की समस्या होती है, जो फुटबॉल, कुश्ती और सॉकर में अक्सर होता है।

अब तक खेलों में H2 के उपयोग का औचित्य मुख्यतः इस बात पर केन्द्रित रहा हैहाइड्रोजन के एंटीऑक्सीडेंट गुण। चूँकि गहन व्यायाम के परिणामस्वरूप ROS का अधिक उत्पादन होता है और ऊतकों को मुक्त कणों से होने वाली क्षति होती है[137], H2 जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट का उपयोग ऑक्सीडेटिव तनाव और ROS-संबंधी विकारों (जैसे, थकान, सूक्ष्म चोट, सूजन, ओवरट्रेनिंग) को कम करेगा। इसके अतिरिक्त, हाइड्रोजन युक्त पानी उच्च pH प्रदर्शित करता है जो व्यायाम से प्रेरित एसिडोसिस को लाभ पहुंचा सकता है[138]शारीरिक रूप से सक्रिय व्यक्तियों में एक आम चयापचय गड़बड़ी।

"मेरे पास एक आणविक हाइड्रोजन इनहेलर है और मैं इसे एथलेटिक प्रोटोकॉल के लिए इस्तेमाल कर रहा हूँ। मैंने अपने ओरा स्लीप रिंग, बहुत गहरी आरईएम नींद और अपनी लंबी दौड़ (मैं 100 मील + अल्ट्रा-मैराथन करता हूँ) के बाद रिकवरी से अविश्वसनीय लाभ देखे हैं। एक मित्र जिसे मैंने हाल ही में हाइड्रोजन इनहेलेशन से परिचित कराया है, वह एक शीर्ष विश्व-रैंक वाला ट्राई-एथलीट है। उसने रिकवरी और हर दिन प्रशिक्षण करने की अपनी क्षमता में आश्चर्यजनक लाभ देखे हैं," टॉड शिपमेन लिखते हैं।

चिकित्सा वैज्ञानिकों ने 'उच्च श्रेणी के एथलीटों में तीव्र व्यायाम के कारण मांसपेशियों की थकान पर हाइड्रोजन युक्त पानी पीने के प्रभावों' का अध्ययन किया, उन्होंने लिखा, "चूंकि ऊर्जा की मांग और ऑक्सीजन की खपत सुपर-मैक्सिमल व्यायाम (जैसे कि रुक-रुक कर दौड़ना, स्प्रिंट और कूदना) के दौरान बढ़ जाती है, इसलिए रिएक्टिव ऑक्सीजन प्रजाति (आरओएस) और रिएक्टिव नाइट्रोजन प्रजाति (आरएनएस) का उत्पादन भी बढ़ जाता है, जिससे रेडॉक्स संतुलन बिगड़ने और ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा होने का खतरा होता है। आरओएस और आरएनएस सामान्य परिस्थितियों में कम दर पर उत्पन्न होते हैं और बाद में एंटीऑक्सीडेंट सिस्टम द्वारा समाप्त हो जाते हैं। हालांकि, आरओएस उत्पादन की बहुत अधिक बढ़ी हुई दर सेलुलर रक्षा प्रणाली की क्षमता से अधिक हो सकती है। नतीजतन, सेल झिल्ली पर पर्याप्त मुक्त कणों के हमले से सेल व्यवहार्यता और सेल नेक्रोसिस का नुकसान हो सकता है। वे थकाऊ व्यायाम के कारण कंकाल की मांसपेशियों को नुकसान और सूजन शुरू कर सकते हैं।"[139]

मांसपेशियों की थकान को कम करना.

तीव्र व्यायाम से लैक्टिक एसिड बनता है, जो मांसपेशियों के पीएच को कम करता है। यह एक ऐसा कारक है जो मांसपेशियों की थकान को बढ़ावा दे सकता है, जिसका अर्थ है मांसपेशियों को सिकोड़ने में कम ताकत या अक्षमता। लैक्टिक एसिड एक मजबूत एसिड है, जो आयनीकृत होता है, H+ और लैक्टेट के आयनों को छोड़ता है। H+ की सांद्रता में वृद्धि दो तरीकों से व्यायाम के निष्पादन को प्रभावित कर सकती है:

1. H+ की सांद्रता में वृद्धि से मांसपेशियों की ATP उत्पादन की क्षमता कम हो जाती है, और
2. H+ ट्रोपोनिन बंधन स्थलों के लिए Ca+ आयनों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकता है और इस तरह संकुचन प्रक्रिया को बाधित कर सकता है।[140]

व्यायाम से पहले हाइड्रोजन युक्त पानी से पर्याप्त मात्रा में जल पीने से रक्त में लैक्टेट का स्तर कम हो जाता है और व्यायाम के कारण मांसपेशियों की कार्यक्षमता में होने वाली गिरावट में सुधार होता है।[141]खेल चिकित्सा में हाइड्रोजन थेरेपी व्यायाम से प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव और खेल चोटों के लिए एक प्रभावी और विशिष्ट अभिनव उपचार है, जो संभावित रूप से व्यायाम प्रदर्शन में सुधार करता है।[142]

2012 में दस शीर्ष पुरुष फुटबॉल खिलाड़ियों के साथ एक अध्ययन किया गया था, जिसमें तीव्र व्यायाम के कारण मांसपेशियों की थकान पर हाइड्रोजन युक्त पानी (HW) के प्रभाव की जांच की गई थी। HW के मौखिक सेवन ने भारी व्यायाम के दौरान रक्त लैक्टेट के बढ़ने को रोका।

"एक प्रतिस्पर्धी एथलीट के रूप में, मैं हमेशा अपने रेस टाइम से कुछ सेकंड कम करने के लिए अगले सबसे अच्छे तरीके की तलाश में रहता हूँ। मैं प्रशिक्षण से पहले और बाद में एक हाइड्रोजन टैबलेट लेता हूँ और मैंने धीरज में उल्लेखनीय वृद्धि और कम सूजन देखी है। बेहतर एटीपी उत्पादन के कारण लैक्टेट बिल्ड-अप कम होने के कारण मैं तेजी से ठीक हो जाता हूँ। यह मेरा अंतिम गुप्त हथियार है।" (माइकल)

2012 में 52 शारीरिक रूप से सक्रिय पुरुषों के साथ हाइड्रोजन के साथ रक्त पीएच की वृद्धि का परीक्षण करने के लिए एक अध्ययन किया गया था। छब्बीस प्रतिभागियों को दो लीटर हाइड्रोजन पानी दिया गया, और 26 प्रतिभागियों को एक प्लेसबो दिया गया। 14 दिनों के बाद, हस्तक्षेप समूह, जिसने एचडब्ल्यू का सेवन किया, ने उपवास धमनी रक्त पीएच में 0.04 की उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई।

और व्यायाम के बाद पीएच 0.07 तक। उपवास बाइकार्बोनेट काफी अधिक थे। किसी भी प्रतिभागी ने कोई दुष्प्रभाव नहीं बताया।[143]

मांसपेशियों में जलन.

तनाव और आक्रामक व्यायाम के तहत, मांसपेशियों को ऐसा महसूस होता है जैसे वे ‘‘जल रही हैं’’जैसे ही एसिडोसिस शुरू होता है और लैक्टिक एसिड का उत्पादन होता है। इससे मांसपेशियों में अव्यक्त थकान होती है। यह सभी तीव्र व्यायाम का नकारात्मक पक्ष है - लैक्टिक एसिड जलता है और इसके कारण होने वाली अवशिष्ट थकान।

उपरोक्त शीर्ष एथलीटों के साथ किए गए अध्ययन में, हाइड्रोजन जल ने कोशिकाओं में लैक्टिक एसिड (एसिडोसिस) की अधिकता को रोका - कोई "जलन" नहीं हुई।

मैं कई महीनों से यह अनुभव कर रहा हूँ - पिछले दिनों, एक गहन चर्चा के दौरानबाइक वर्कआउट में 1/4 मील में 400 फीट की चढ़ाई - बिना किसी मांसपेशी जलन के। मैंने कई हफ़्तों से यह सवारी नहीं की थी। मैं "ठंडे" रूप में बाइक पर चढ़ा और कुल 800 फीट की चढ़ाई की और वापस लौटा, उस खराब 400 फीट वाले हिस्से को कसरत का सबसे अच्छा हिस्सा माना। मांसपेशियों में कोई थकान नहीं। सवारी के दौरान मांसपेशियों में कोई जलन नहीं हुई। EW

चोटों का इलाज.

आखिरी चीज जो कोई भी प्रशिक्षक या खेल चिकित्सक देखना चाहता है, वह है उनके एथलीट घायल होना। डॉ. जेफ शुट्ट कहते हैं कि एथलीट पोषण संबंधी सहायता के माध्यम से हैमस्ट्रिंग की चोटों से बच सकते हैं क्योंकि संकुचन और विश्राम मैग्नीशियम के पर्याप्त सेलुलर स्तरों पर निर्भर हैं। वे कहते हैं, "कम हो चुकी हैमस्ट्रिंग उपलब्ध मैग्नीशियम की कमी का परिणाम है।" तरल मैग्नीशियम क्लोराइड को बस सूजन को कम करने के लिए एकिलिस टेंडन में स्प्रे और रगड़ा जा सकता है। और पैरों को मैग्नीशियम क्लोराइड फुटबाथ में भिगोना सबसे अच्छी चीज है - स्ट्रेचिंग के अलावा - जो आप हैमस्ट्रिंग और अन्य चोटों से बचाने या ठीक होने के लिए खुद के लिए कर सकते हैं।

हालांकि, चोट एक एथलीट के जीवन का लगभग अपरिहार्य हिस्सा है। यह एक तीव्र लिगामेंट टियर के रूप में हो सकता है या व्यायाम के बाद हल्का हो सकता है

मांसपेशियों में दर्द। किसी भी तरह से, अधिकांश खेल-संबंधी चोटों को रोका या कम किया जा सकता है। हर एथलीट समय-समय पर घायल होता है। एथलीटों के साहस और अनुशासन का हिस्सा है कि वे अपने पूरे प्रदर्शन पर वापस लौटने के बारे में सकारात्मक और आशावादी बने रहने के लिए अपनी आत्माओं को सहन करें और चुनौती दें। जब कोई एथलीट घायल हो जाता है, तो वे खेल चिकित्सा के अग्रणी किनारे पर शीर्ष-गुणवत्ता वाली देखभाल चाहते हैं।

मांसपेशियों में खिंचाव एथलीटों में होने वाली एक आम चोट है, खास तौर पर फुटबॉल खिलाड़ियों और धावकों में। पैर की मांसपेशियों में होने वाली चोट सबसे आम है। यह मांसपेशियों का टूटना या आंशिक रूप से टूटना है, जिसके परिणामस्वरूप एथलीट को चोट के स्तर के आधार पर कुछ समय के लिए व्यायाम से दूर रहना पड़ता है। टूटने से दर्द, सूजन और मांसपेशियों को सिकोड़ने में असमर्थता भी होती है।[144]

2013 में एक अध्ययन में पुरुष पेशेवर एथलीटों में तीव्र नरम ऊतक चोट के बाद सूजन और कार्यात्मक रिकवरी के जैव रासायनिक मार्करों पर हाइड्रोजन के 2-सप्ताह के प्रशासन के प्रभावों की जांच की गई। हाइड्रोजन का उपयोग करते समय गति की सीमा में सुधार के लिए अंतर पाया गया; मौखिक और सामयिक हाइड्रोजन हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप नियंत्रण हस्तक्षेप की तुलना में घायल अंग के लचीलेपन और विस्तार के लिए सामान्य संयुक्त गति की सीमा में तेजी से वापसी हुई। लेखकों ने निष्कर्ष निकाला कि पारंपरिक उपचार प्रोटोकॉल में हाइड्रोजन को शामिल करने से पुरुष पेशेवर एथलीटों में नरम ऊतक चोटों का प्रभावी ढंग से इलाज होता है।[145]

उम्र 40- पुरुष (सासेबो निवासी) "मेरे पहले उपचार के बाद मुझे कुछ भी महसूस नहीं हुआ। मैं अगले दिन सुबह जल्दी उठकर बाथरूम का इस्तेमाल करने लगा। आम तौर पर मेरे घुटने और टखने अकड़ जाते हैं और चलते समय फट जाते हैं। मैं अलग महसूस कर रहा था... जवान। सुबह 4:30 बजे तक दिमाग भी बहुत सतर्क रहता था!! मैंने पूरी ज़िंदगी खेल खेले हैं। निश्चित रूप से, कुछ टूट-फूट थी। कई H2 उपचारों के बाद, मेरा गोल्फ़ खेल काफ़ी बेहतर हो गया है। बिल्कुल चिकना और स्थिर जैसे मैं फिर से 20 साल का हो गया हूँ!! हैंगओवर के बाद H2 साँस लेना एक चमत्कारिक इलाज की तरह था। वाकई!!"

मिश्रित गैस की चोटों से तेजी से उबरने की क्षमता का प्रदर्शन किया गया है, जिसमें आमतौर पर महीनों लग जाते हैं - या उपचार प्रक्रिया में ठहराव आ जाता है। मांसपेशियों और प्रोप्रियोसेप्टर अस्थिरता

हाइड्रोजन के साथ ठीक किया जा सकता है - मिनटों में, जिससे प्रशिक्षक, भौतिक चिकित्सक और डॉक्टर मरम्मत और कायाकल्प के लिए इस नए उपकरण की शक्ति पर विचार कर रहे हैं।

हाइड्रोजन एलईडी खेल प्रोटोकॉल.

यदि आप अधिकांश एथलीटों की तरह हैं, तो आप अपनी चोट से स्वाभाविक रूप से ठीक होना चाहते हैं और दवाओं या सर्जरी का सहारा लिए बिना रिकॉर्ड समय में ऐसा करना चाहते हैं। धीरज, प्रतिस्पर्धी खेल और गहन शक्ति प्रशिक्षण के लिए इष्टतम, संतुलित पोषण की आवश्यकता होती है, क्योंकि वे शरीर पर भारी मांग करते हैं। अच्छे पोषण संबंधी अभ्यास हर एथलीट की नियमित दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए। पोषण एक ऐसा कारक है जिसे हर एथलीट नियंत्रित कर सकता है और उच्चतम प्रदर्शन क्षमता प्राप्त करने के लिए अधिकतम कर सकता है।

चाहे आपकी खेल उपलब्धि का स्तर कुछ भी हो, दूर-अवरक्त थेरेपी बहुत मददगार और आरामदायक् होगी। घर पर इन्फ्रारेड गद्दे पर दैनिक और रात के उपचार से कठिन कसरत के बाद दर्द से राहत मिलती है और एथलीटों को शीर्ष प्रदर्शन पर सुरक्षित, तेज़ वापसी मिलती है।

ओलंपिक में सफलता का रहस्य कोशिकाओं तक ऑक्सीजन की उच्च सांद्रता पहुंचाना है, और हाल ही तक ऐसा करने के लिए, उन्हें उच्च ऊंचाई पर रहना पड़ता था और वहीं प्रशिक्षण लेना पड़ता था। अब यह आवश्यक नहीं है। अब कोई भी व्यक्ति EWOT प्रशिक्षण (ऑक्सीजन थेरेपी के साथ व्यायाम) के साथ अपने बेडरूम में आराम से प्रशिक्षण ले सकता है, जो दो रूपों में आता है, मूल और नकली उच्च-ऊंचाई प्रशिक्षण। ऑक्सीजन युक्त रक्त खेल प्रदर्शन के आवश्यक घटकों में से एक है।

खेल चिकित्सा में आयोडीन का विशेष मामला।

एथलीट या जोरदार व्यायाम में भाग लेने वाले लोग पसीने में आयोडीन की काफी मात्रा खो सकते हैं, जो तापमान और आर्द्रता जैसे पर्यावरणीय कारकों पर निर्भर करता है। कम से मध्यम आहार आयोडीन सेवन वाले क्षेत्रों में, पसीने में कमी मूत्र में कमी के बराबर हो सकती है। आयोडीन उच्च स्तर के खेल प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि "आयोडीन की कमी ऊर्जा-क्षीण करने वाले प्रभावों की एक श्रृंखला शुरू करती है," लिखते हैं

डॉ. विलियम डेविस। थायरॉइड की कमी के लक्षण थकान और कम सहनशक्ति हैं, यह ऐसी चीज नहीं है जिससे आप उच्च प्रदर्शन की तलाश में खुद को ग्रस्त पाना चाहेंगे।

सोडियम बाइकार्बोनेट का विशेष मामला.

"फूड एंड न्यूट्रिशन साइंसेज" में 2010 में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एथलीट जो एक से सात मिनट तक की स्पर्धाओं में भाग लेते हैं, जैसे 100 मीटर से 400 मीटर तैराकी और 400 मीटर से 1,500 मीटर दौड़, उन्हें सोडियम बाइकार्बोनेट से सबसे अधिक लाभ होता है। प्रतिरोध प्रशिक्षण के संबंध में, "जर्नल ऑफ़ स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग रिसर्च" में 2014 में प्रकाशित एक अध्ययन ने प्रतिभागियों द्वारा प्लेसीबो की तुलना में बेकिंग सोडा लेने पर थकावट तक स्क्वाट और बेंच प्रेस करने में उल्लेखनीय सुधार दिखाया। उदाहरण के लिए, समय के लिए 2k करने वाले शीर्ष रोवर्स के अध्ययन में कोई लाभ या महत्वहीन लाभ नहीं देखा गया है। तैराकी इसके विपरीत है; दोहराए गए स्प्रिंट प्रोटोकॉल (50 मीटर के दस स्प्रिंट या 100-200 मीटर के पांच स्प्रिंट) का उपयोग करने वाले अध्ययनों से पता चला है

निष्कर्ष।

बहुत जल्द ही, स्पोर्ट्स मेडिसिन में हाइड्रोजन/ऑक्सीजन गैस के व्यापक उपयोग की वास्तविकता एक वास्तविकता बन जाएगी। प्रदर्शन के मामले में, ऐसी मशीनें जो एक ही समय में कई एथलीटों को पर्याप्त मात्रा में मिश्रित गैस (हाइड्रोजन और ऑक्सीजन) प्रदान कर सकती हैं, उन्हें शरीर में उच्च तीव्रता वाली गतिविधियों के कारण होने वाले तीव्र ऑक्सीकरण तनाव से सुरक्षा प्रदान करेंगी। यह सुरक्षा प्री-और पोस्ट-वर्कआउट प्रोटोकॉल दोनों का रूप लेगी जिसमें इन्फ्यूज्ड वॉटर और इनहेलेशन शामिल हैं। ये प्रोटोकॉल फिटनेस उद्योग में क्रांति लाएंगे।

यदि आप एथलीट हैं, तो आप घर पर एक हाइड्रोजन इन्हेलर चाहते हैं, और आपकी पेशेवर टीम भी मैदान पर एक ऐसा ही इन्हेलर चाहती है, एक शक्तिशाली हाइड्रोजन इन्हेलर जो ताजा चोटिल शरीर को सुखदायक हाइड्रोजन और जीवनदायी ऑक्सीजन से मिनटों में संतृप्त कर दे।

हाइड्रोजन प्रदर्शन को बढ़ाता है। यह तीव्र खेलों के दर्द को कम करता है;चोटों से उबरने में लगने वाला समय बहुत कम होगा। हमें यह अनुमान लगाना चाहिए था कि वही गैस जो समुद्र में लगभग 2,000 फीट नीचे गोता लगाना संभव बनाती है, जिससे मानव गतिविधि को हड्डियों को कुचलने वाली गहराई और तनाव में सक्षम बनाया जा सकता है, वह सतह पर एथलीटों को जीवन-निर्वाह शक्ति प्रदान करेगी।

शहरी निवासियों के लिए हाइड्रोजन इन्हेलेशन थेरेपी।



विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने कहा है कि हम जिस हवा में सांस लेते हैं, उसमें कैंसर पैदा करने वाले तत्व होते हैं और अब इसे मनुष्यों के लिए कैंसरकारी माना जाना चाहिए। यह बात मायने रखती है कि आप कहां रहते हैं और कोई व्यक्ति अपने कैंसर का इलाज कहां कराता है। कैंसर से जूझते समय कोई भी व्यक्ति प्रदूषित शहर के आसपास नहीं रहना चाहता।

WHO ने इस महीने बाहरी वायु प्रदूषण को मनुष्यों में कैंसर के प्रमुख कारण के रूप में वर्गीकृत किया है। WHO की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (IARC) के कर्ट स्ट्रेफ ने कहा, "हम जिस हवा में सांस लेते हैं, वह कैंसर पैदा करने वाले पदार्थों के मिश्रण से प्रदूषित हो गई है।" इसका मतलब है कि शहरी क्षेत्रों में रहने से ऑक्सीडेटिव तनाव की एक निरंतर धारा बनती है, जिससे निपटने में हाइड्रोजन नियमित रूप से मदद कर सकता है।

"अब हम जानते हैं कि बाहरी वायु प्रदूषण न केवल एक बड़ा स्वास्थ्य जोखिम है, बल्कि कैंसर से होने वाली मौतों का एक प्रमुख पर्यावरणीय कारण भी है।"

एजेंसी ने कहा कि यद्यपि वायु प्रदूषण की संरचना और जोखिम का स्तर विभिन्न स्थानों पर नाटकीय रूप से भिन्न हो सकता है, फिर भी उसके निष्कर्ष विश्व के सभी क्षेत्रों पर लागू होते हैं।

वायु प्रदूषण से श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। 2010 के आंकड़ों से पता चला है कि दुनिया भर में 223,000 फेफड़ों के कैंसर से मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुई हैं। दुनिया भर में कैंसर की दर खतरनाक रूप से बढ़ रही है, और फिर भी सरकारों ने कैंसर के खिलाफ़ युद्ध में जो भी पैसा लगाया है, उससे कैंसर महामारी को बढ़ने से नहीं रोका जा सका है। इसका एक कारण यह है कि वायु प्रदूषण बदतर होता जा रहा है और स्वास्थ्य पर इसके प्रतिकूल प्रभाव बढ़ते जा रहे हैं।

हमारे अधिकांश कैंसर रोगियों के दांतों में बहुत
अधिक मात्रा में अमलगम भराव होता है।

प्रोफेसर डब्ल्यू. कोस्टलर

मुंह में पारा वाष्प वायु प्रदूषण का एक और रूप है। अमेरिका में हर साल, पारा-अमलगम डेंटल रेस्टोरेशन तैयार करने के लिए अनुमानित 40 टन पारा का उपयोग किया जाता है। "अमलगम फिलिंग से निकलने वाला पारा न्यूरोटॉक्सिक, एम्ब्रियोटॉक्सिक, म्यूटाजेनिक, टेराटोजेनिक, इम्यूनोटॉक्सिक और क्लैस्टोजेनिक होता है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली की शिथिलता और ऑटोइम्यून बीमारियों का कारण बन सकता है," डॉ. रॉबर्ट गैमल लिखते हैं।

मानवता एक घातक रास्ते पर चल रही है। वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड में वरिष्ठ कार्यक्रम वैज्ञानिक डॉ. थियो कोलबोर्न कहते हैं, "इस बात के बहुत सारे सबूत हैं कि हर बच्चा, चाहे वह दुनिया में कहीं भी पैदा हुआ हो, न केवल जन्म से बल्कि गर्भाधान से ही मानव निर्मित रसायनों के संपर्क में आएगा जो बच्चे की अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने की क्षमता को कमज़ोर कर सकते हैं - ऐसे रसायन जो प्राकृतिक रसायनों में हस्तक्षेप करते हैं जो ऊतकों को बताते हैं कि उन्हें अपने माता और पिता से विरासत में मिले जीन के अनुसार स्वस्थ, संपूर्ण व्यक्तियों का विकास और निर्माण कैसे करना है।"

क्लोरीनयुक्त पानी पीने वाले लोगों में कैंसर का खतरा क्लोरीन रहित पानी पीने वालों की तुलना में
93% अधिक है।

अमेरिकी पर्यावरण गुणवत्ता परिषद

आज मानव जाति सीसा, पारा, आर्सेनिक, यूरेनियम, एल्युमिनियम, तांबा, टिन, एंटीमनी, ब्रोमीन, बिस्मथ और वैनेडियम के रिकॉर्ड किए गए इतिहास में सबसे अधिक स्तरों के संपर्क में है, ये केवल कुछ धातुओं और पर्यावरण में बाढ़ लाने वाले हजारों अतिरिक्त रसायनों का उल्लेख करने के लिए है। इनका स्तर आदिम मनुष्य की तुलना में कई हजार गुना अधिक है।

जिस हवा में हम सांस लेते हैं, उसमें मौजूद भारी धातुएं ऑक्सीडेटिव तनाव को बढ़ाकर/प्रेरित करके कैंसरजनन में योगदान करती हैं।[146] ऑक्सीडेटिव तनाव डीएनए को नुकसान पहुंचाता है और कैंसर को बढ़ावा देने वाले उत्परिवर्तनों को जन्म दे सकता है।[147,148] भारी धातुएं एपोप्टोसिस (क्रमादेशित कोशिका मृत्यु) की प्रक्रिया को भी बाधित करती हैं।[149] एपोप्टोसिस बीमार/अस्वस्थ कोशिकाओं को सुरक्षित रूप से हटाने के लिए महत्वपूर्ण है, जिनमें कैंसरग्रस्त कोशिकाएं भी शामिल हैं।

आपका डॉक्टर हमेशा उन दवाओं, परीक्षणों, विकिरण और सर्जरी के जोखिमों और खतरों को कम करके बताएगा जो वे सुझाएंगे। यह अपेक्षित है। वायु प्रदूषण और कैंसर का सवाल उस स्थान पर सवाल उठाता है जहाँ हम उपचार चाहते हैं। क्या अस्पताल और उसका स्थान उपचार की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है? हम जानते हैं कि एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी संक्रमणों के मामले में अस्पताल कितने खतरनाक हैं। हालाँकि, उनके चारों ओर की हवा और उनके अंदर प्रवेश करने वाली हवा के बारे में क्या?

आप कहां रहते हैं यह मायने रखता है।

यह बात मायने रखती है कि आप कहाँ रहते हैं और आप अपने कैंसर का इलाज कहाँ कराते हैं। अपने कैंसर के इलाज के लिए इनमें से किसी भी इलाके में अस्पताल न चुनें! स्थान सुरक्षा का यह पूरा विषय और भी जटिल होता जा रहा है क्योंकि फुकुशिमा पूरे उत्तरी गोलार्ध में, खासकर उत्तरी अमेरिका जैसे स्थानीय और हवा के बहाव वाले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए खतरा बन रहा है।

अगर आप बीमार हैं और ऐसे शहर में रहते हैं जहाँ आप हवा को सचमुच देख सकते हैं, तो आपको अपनी बीमारी के कारण के बारे में इतना सोचने की ज़रूरत नहीं है। यह ठीक उसी हवा में है जिसमें आप सांस लेते हैं। यह आपकी बीमारी का एकमात्र स्रोत नहीं हो सकता है, लेकिन यह एक कारण है - एटियलजि का एक हिस्सा। ग्रह पर हर इंसान जहर खा रहा है, लेकिन कुछ जगहों पर यह गैस चैंबर जैसा है।

वयस्क होने के नाते, हम अपने काम और रहने के स्थान के बारे में व्यक्तिगत निर्णय लेते हैं, यह एक तथ्य है। यह दुखद है कि हमारे युवाओं के पास इस संबंध में कोई विकल्प या विकल्प नहीं है। वे पर्यावरणीय खतरों के प्रति बहुत अधिक संवेदनशील हैं, और हमारे पास फुकुशिमा के पिघलने के बाद से शिशु मृत्यु दर में वृद्धि की रिपोर्ट है। EPA डेटा के अनुसार लॉस एंजिल्स, कैलिफ़ोर्निया और मैडिसन काउंटी, इलिनोइस में देश में सबसे अधिक कैंसर का जोखिम था। एलेघेनी काउंटी, पेनसिल्वेनिया और टस्कालूसा काउंटी, अलबामा ने मजबूत दूसरे स्थान पर जगह बनाई। एक अध्ययन से पता चलता है कि हम जिस हवा में सांस लेते हैं, वह इंसुलिन प्रतिरोध और सूजन को बढ़ाती है।[150]ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के हृदय और फेफड़े के शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण और मधुमेह के बीच सीधे संबंध की रिपोर्ट सबसे पहले दी है, जो अंततः और सांख्यिकीय रूप से कैंसर की दरों में वृद्धि का कारण बनता है।

हमें सिर्फ़ प्लेग जैसी जहरीली दवाइयों और चिकित्सा प्रक्रियाओं से ही नहीं बचना चाहिए, बल्कि प्रदूषित शहरी केंद्रों में कैंसर उपचार केंद्रों से भी बचना चाहिए। उन्होंने फॉल्ट लाइनों पर परमाणु संयंत्र बनाए, इस भ्रम के साथ कि दुर्घटनाएँ नहीं होंगी। इसी तरह की पागलपन की वजह से शहरों के दिलों में अस्पताल हैं, जहाँ सबसे खराब खाना और सबसे खतरनाक संक्रमण लोगों का इंतज़ार कर रहे हैं।

भविष्य में, उपचार केंद्रों को अधिक उचित तरीके से रखा जाएगा और संरक्षित किया जाएगा, हालांकि कोई आश्चर्य करता है कि क्या निकट भविष्य में पृथ्वी पर कोई प्राचीन स्थान बचेगा। हमें दोष रेखाओं पर अनियंत्रित और असहनीय तकनीक वाले परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण करने से बचना चाहिए था। हमें शहर के केंद्र में बड़े अस्पताल नहीं बनाने चाहिए थे जो इतने खतरनाक होते जा रहे हैं कि उनमें चलना भी मुश्किल हो रहा है।

अधिकांश अस्पतालों में मरीजों का मूल्यांकन और उपचार करने के लिए अपनी खुद की परमाणु सुविधाएं हैं। अगर कोई जहर खाना चाहता है या टुकड़ों में कटना चाहता है, तो यह सही जगह है, लेकिन कैंसर से ठीक होने के लिए कुछ ऐसा करना पड़ता है जो दर्द के बजाय मदद करे।

ऑक्सीजन एक पोषण औषधि है.



हमने शुरू में पढ़ा कि कैंसर का एक विशिष्ट कारण हाइपोक्सिया, अर्थात् ऑक्सीजन की कमी है, जो कोशिकाओं को किण्वित होने और कैंसरग्रस्त होने के लिए मजबूर करती है।

कोशिकाओं में कम ऑक्सीजन की आपूर्ति के कई कारण हैं और हाइपोक्सिया को रोकने के कई तरीके हैं। हम कैंसर के इलाज के लिए अपने शरीर में ऑक्सीजन की भरमार कर सकते हैं और यहां तक कि कार्बन डाइऑक्साइड दवा का सही तरीके से इस्तेमाल करके यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारी कोशिकाओं को माइटोकॉन्ड्रिया में ऑक्सीजन मिले, जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

ब्रिटिश लंग फाउंडेशन का कहना है, "अधिक ऑक्सीजन वाली हवा में सांस लेने से रक्त में कम ऑक्सीजन का स्तर ठीक हो जाता है। अगर आपको सांस लेने में तकलीफ और थकान महसूस होती है, खासकर जब आप इधर-उधर घूम रहे हों, तो आपके रक्त में ऑक्सीजन का स्तर कम हो सकता है।" हम जिस ऑक्सीजन में सांस लेते हैं, वह हमारे लिए ज़रूरी है

मानव जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा है। सांस लेने में तकलीफ वाले कुछ लोगों को प्राकृतिक रूप से पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है। उन्हें पूरक ऑक्सीजन या ऑक्सीजन थेरेपी की आवश्यकता हो सकती है। ऑक्सीजन थेरेपी लेने वाले लोगों में ऊर्जा का स्तर बेहतर होता है, नींद बेहतर होती है और कुल मिलाकर जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है।

हाइड्रोजन वाले भाग में हमने ऑक्सीजन को हाइड्रोजन के साथ मिलाना सीखा। निम्नलिखित में ऑक्सीजन थेरेपी (EWOT) के साथ व्यायाम का परिचय दिया जाएगा, जो हमें कोशिकाओं में और ट्यूमर में गहराई तक ऑक्सीजन पहुँचाने की अनुमति देता है। याद रखें कि मैग्नीशियम, आयोडीन, बाइकार्बोनेट और सल्फर सभी ऑक्सीजन थेरेपी की प्रभावशीलता, विषहरण और केलेशन प्रोटोकॉल में वृद्धि करेंगे।

पिछले कई वर्षों में वायुमंडलीय ऑक्सीजन (O2) में उच्च स्तर की गिरावट आई है।जीवाश्म ईंधन के जलने से CO2 की मात्रा में वृद्धि की तुलना में यह दर बहुत अधिक है। साथ ही, दुनिया के महासागरों में ऑक्सीजन का स्तर भी गिर रहा है।

ऑक्सीजन थेरेपी पहले से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण होती जा रही है। एम्बुलेंस चालक दल अक्सर ऑक्सीजन को चमत्कारी दवा के रूप में देखते हैं। ऑक्सीजन हमेशा से ही जीवन रक्षक दवा रही है, और अब डॉक्टर और मरीज़ ज़्यादा जीवन रक्षक दवाएँ दे सकते हैं क्योंकि वे ज़्यादा ऑक्सीजन सुरक्षित तरीके से देंगे। ध्यान दें कि ऑक्सीजन ज़हरीली होती है[151] और हमेशा सुरक्षित नहीं फिर भी हमेशा आवश्यक है।

नर्सें प्रतिदिन मरीजों को ऑक्सीजन की आपूर्ति और प्रशासन करती हैं। यदि आप चिकित्सा पेशे में हैं तो ऑक्सीजन एक गंभीर दवा है। यह हमारी कोशिकाओं के लिए भी गंभीर पोषण है, जिस पर हमारा जीवन हर पल निर्भर करता है। मेडिकल प्रोफेसर अपने छात्रों को बताते हैं कि ऑक्सीजन एक दवा है क्योंकि आपको इसे रोगी को देने के लिए चिकित्सक की आवश्यकता होती है। चाहे यह वास्तविक दवा हो या न हो, आपको अभी भी अस्पतालों में इसका इलाज उसी तरह से करना होगा।

FDA इसे दवा मानता है, इसलिए अगली सांस लेने से पहले प्रिस्क्रिप्शन लें! दवा वह चीज है जो शारीरिक कार्यप्रणाली को प्रभावित करती है। फार्माकोलॉजी में, किसी दवा का उपयोग बीमारी के इलाज, रोकथाम, इलाज या निदान के लिए किया जाता है। यहां तक कि खाद्य पदार्थ को भी FDA दवा मानता है, अगर उत्पादक कोई स्वास्थ्य संबंधी दावा करते हैं।

FDA की नज़र में ऑक्सीजन भी किसी दूसरी दवा की तरह ही एक दवा है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे बिना किसी विशेष चिकित्सा प्राधिकरण के नियमित तौर पर नर्सों द्वारा लिखी जाने वाली दवा को नियंत्रित करते हैं। इंग्लैंड में, चिकित्सा प्रतिष्ठान ऑक्सीजन प्रशासन पर सख्ती बरत रहा है।

यह सब उपयोग के उद्देश्य के बारे में है। ऑक्सीजन को सांस के ज़रिए अंदर लेना, जैसा कि हम सभी बिना किसी सहायता के करते हैं, कोई दवा नहीं है, लेकिन यह ऑक्सीजन का उपयोग तकनीकी रूप से एक दवा बनाता है जब किसी बीमारी का इलाज, रोकथाम या इलाज करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर एक चिकित्सा उपकरण है, हालांकि इसके लिए किसी डॉक्टर के पर्चे की ज़रूरत नहीं होती है।

हाइपरबेरिक चैंबर उन बीमारियों के इलाज के लिए अत्याधुनिक जीवन रक्षक उपकरण हैं जो दवाइयों से ठीक नहीं होती हैं। हाइपरबेरिक ऑक्सीजन एक दवा के रूप में कार्य करता है, जो अलग-अलग खुराक पर अलग-अलग स्तर की प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है। यह विभिन्न स्थितियों के लिए सहायक चिकित्सा के रूप में सहायक है, खासकर उन रोगियों के लिए जो EWOT (ऑक्सीजन थेरेपी के साथ व्यायाम) प्रशिक्षण नहीं कर सकते हैं।

अगर कोई ऑक्सीजन से कैंसर या किसी अन्य बीमारी का इलाज करना चाहता है, तो उसे डॉक्टर बनना होगा। अगर कोई अपनी सूजन, एसिड की स्थिति, कम ऑक्सीजन के स्तर या केवल प्रदर्शन और स्वास्थ्य में सुधार करना चाहता है। तो उसे डॉक्टर के पर्चे की ज़रूरत नहीं है। जब वे कैंसर के रोगियों के साथ काम करते हैं, तो अधिकांश वैकल्पिक चिकित्सक कैंसर का इलाज नहीं करते हैं, जो कि अवैध होगा, लेकिन वे कैंसर की अंतर्निहित स्थितियों का इलाज कर रहे हैं।

डॉ. आर्थर सी. गाइटन कहते हैं, "सभी पुराने दर्द, पीड़ा और बीमारियाँ कोशिका स्तर पर ऑक्सीजन की कमी के कारण होती हैं।" अपर्याप्त ऑक्सीजन का मतलब अपर्याप्त जैविक ऊर्जा है जो हल्की थकान से लेकर जानलेवा बीमारी तक कुछ भी पैदा कर सकती है। डॉ. पैरिस एम. किड ने कहा, "ऑक्सीजन प्रतिरक्षा प्रणाली के समुचित कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।" कम ऑक्सीजन की स्थिति सीधे सूजन की ओर ले जाती है। पुरानी सूजन हमारे शरीर की कम ऑक्सीजन की स्थिति को दर्शाती है।

ऑक्सीजन सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले चिकित्सीय एजेंटों में से एक है, जिसमें विशिष्ट जैव रासायनिक और शारीरिक क्रियाएं, प्रभावी खुराक की एक अलग श्रेणी और कार्बन डाइऑक्साइड गैस की अनुपस्थिति में अत्यधिक मात्रा में अच्छी तरह से परिभाषित प्रतिकूल प्रभाव होते हैं। हालाँकि, यह एक दवा नहीं है। यह पोषण संबंधी है!

ऑक्सीजन का सही तरीके से और समय पर इस्तेमाल किया जाए तो यह जीवन रक्षक है। ऑक्सीजन मौत के दूत को उसके शिकार से बचाती है। ऑक्सीजन जीवन देने वाली सबसे बड़ी चीज़ है।

आजकल, ज़्यादातर लोगों के शरीर में अपने आंतरिक और बाहरी अंगों के दैनिक कार्यों को सहारा देने के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं है। हममें से कई लोग कई तरह के कारणों से इसकी कमी से पीड़ित हैं। जब हम सीखते हैं कि हमारे जीवन में हर तनावपूर्ण घटना हमारे ऑक्सीजन स्कोर को कम कर सकती है, तो हम यह समझना शुरू कर सकते हैं कि सफल उपचार के लिए ऑक्सीजन कितनी महत्वपूर्ण हो सकती है।

गंभीर ऑक्सीजन की कमी (हाइपोक्सिया) को अक्सर ऑक्सीजन भुखमरी के रूप में जाना जाता है। यह बीमारी सहानुभूति तंत्रिका तंत्र को अत्यधिक उत्तेजित करके और हृदय गति को बढ़ाकर हृदय संबंधी परेशानी को आमंत्रित करती है।

ऑक्सीजन की कमी के लक्षण:

1. संक्रमण में वृद्धि
2. ट्यूमर
3. यौन रोग
4. तर्कहीन व्यवहार
5. चिड़चिड़ापन
6. मांसपेशियों में दर्द और पीड़ा
7. फेफड़ों की कमियां
8. चक्कर आना
9. अवसाद
10. सिर दर्द
11. सामान्य शारीरिक कमज़ोरी
12. भार बढ़ना
13. कैंसर और रोग
14. थकान और नींद संबंधी विकार
15. प्रतिरक्षा प्रणाली का दमन
16. परिसंचरण संबंधी समस्याएं
17. खराब पाचन
18. स्मृति हानि और खराब एकाग्रता
19. हैंगओवर

कैंसर का मुख्य कारण ऑक्सीजन की कमी है।



कैंसर के कारणों के बारे में जानने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन सबसे बुनियादी कारण कोशिकाओं में ऑक्सीजन की कम आपूर्ति है। कोशिकाओं में कम ऑक्सीजन का स्तर अधिकांश कैंसर में अनियंत्रित ट्यूमर वृद्धि का प्राथमिक कारण है। उनके अध्ययन के निष्कर्ष व्यापक रूप से स्वीकृत मान्यताओं के विपरीत हैं कि आनुवंशिक उत्परिवर्तन कैंसर के विकास के लिए जिम्मेदार हैं।

रिसर्च अलायंस के प्रख्यात विद्वान तथा फ्रैंकलिन कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज में जैवसूचना विज्ञान और कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान के प्रोफेसर यिंग जू कहते हैं, "वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि कोशिकाओं में लंबे समय तक ऑक्सीजन की कमी कैंसर के विकास का मुख्य कारण है।"

वे कहते हैं, "कोशिका में ऑक्सीजन का कम स्तर ऑक्सीडेटिव फॉस्फोराइलेशन की गतिविधि को बाधित करता है, यह एक ऐसा शब्द है जो कोशिकाओं द्वारा भोजन को ऊर्जा में बदलने के लिए आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले अत्यधिक कुशल तरीके के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जैसे-जैसे ऑक्सीजन कम होती जाती है, कोशिकाएं स्विच करती जाती हैं

ग्लाइकोलाइसिस के माध्यम से अपनी ऊर्जा इकाइयाँ बनाते हैं, जिन्हें एटीपी कहा जाता है। ग्लाइकोलाइसिस ऊर्जा प्राप्त करने का एक बहुत ही कम कुशल तरीका है, और इसलिए कैंसर कोशिकाओं को जीवित रहने के लिए और भी अधिक भोजन, विशेष रूप से ग्लूकोज प्राप्त करने के लिए और भी अधिक मेहनत करनी पड़ती है। जब ऑक्सीजन का स्तर खतरनाक रूप से कम हो जाता है, तो एंजियोजेनेसिस, या नई रक्त वाहिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया शुरू होती है। नई रक्त वाहिकाएँ ताज़ा ऑक्सीजन प्रदान करती हैं, जिससे कोशिका और ट्यूमर में ऑक्सीजन का स्तर बेहतर होता है और कैंसर का विकास धीमा होता है-लेकिन केवल अस्थायी रूप से।"

यदि आप कोशिकाओं के एक समूह को महत्वपूर्ण ऑक्सीजन से वंचित करते हैं, तो कुछ मर जाएंगे, लेकिन अन्य अपने आनुवंशिक कार्यक्रम को बदलने में कामयाब हो जाएंगे। वे जीवित रहने के तरीके के रूप में लाखों साल पहले आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली कोशिकाओं के प्रकारों में वापस आ जाएंगे, जब ऑक्सीजन बहुत कम सांद्रता में थी। भूमध्य सागर की गहराई में, वैज्ञानिकों ने जटिल जानवरों की खोज की है जो ऑक्सीजन के बिना जीवित रहने के लिए जाने जाते हैं। पहले यह माना जाता था कि केवल वायरस और एकल-कोशिका वाले सूक्ष्मजीव ही लंबे समय तक ऑक्सीजन के बिना जीवित रह सकते हैं।

इस प्रकार, कैंसर को एक विकासवादी थ्रोबैक के रूप में देखा जा सकता है, जो एक अरब साल पुराने आनुवंशिक टूलकिट से लिया गया है, जो अभी भी हमारी कोशिकाओं के जीनोम में गहराई से दबा हुआ है। डॉ. पॉल डेविस इस भूमिगत आनुवंशिक परत को मेटाज़ोआ 1.0 कहते हैं। इसमें ऐसे मार्ग और आनुवंशिक कार्यक्रम शामिल हैं जो एक समय हमारे प्राचीन सेलुलर पूर्वजों के लिए अपरिहार्य थे जो एक बिल्कुल अलग वातावरण में विकसित हुए थे। एक अरब साल पहले, वायुमंडलीय ऑक्सीजन की कमी थी क्योंकि प्रकाश संश्लेषण अभी तक प्रचुर मात्रा में आपूर्ति करने के लिए विकसित नहीं हुआ था। पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत में कोशिकाओं के पास कम या बिना ऑक्सीजन वाले वातावरण में पनपने के अलावा कोई विकल्प नहीं था, ठीक वैसा ही जैसा कैंसर कोशिकाएँ करती हैं और ऑक्सीजन मौजूद होने पर भी करती रहती हैं। लेकिन उन पर ऑक्सीजन के अत्यधिक स्तरों की बौछार करें, और उन्हें समस्याएँ होने लगती हैं, और जैसा कि डॉ. वारबर्ग ने अनुमान लगाया था, पहले ही पकड़ लिए जाने पर, कैंसर कोशिकाएँ सामान्य श्वसन पर वापस आ जाएँगी। डॉ. रॉबर्ट रोवन कहते हैं, "डॉ. ओटो वारबर्ग ने इस बात पर जोर दिया कि जब तक ऑक्सीजन की कमी न हो, तब तक आप कोशिका किण्वन नहीं कर सकते। 1955 में, दो अमेरिकी वैज्ञानिकों, आरए माल्मग्रेन और सीसी फ्लैनिगन ने वारबर्ग के निष्कर्षों की पुष्टि की। उन्होंने पाया कि कैंसर विकसित होने पर ऑक्सीजन की कमी हमेशा मौजूद रहती है।" यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर के शोधकर्ताओं ने पाया कि महत्वपूर्ण नियामक अणुओं में कमी आ जाती है।

जब ऑक्सीजन की कमी हो जाती है, तो इन विट्रो और इन विवो में कैंसर की प्रगति बढ़ जाती है।

डी.एफ. ट्रेचर और आर.एम. लीच बताते हैं, "पर्यावरणीय हवा से व्यक्तिगत कोशिकाओं के माइटोकॉन्ड्रिया तक ऑक्सीजन का परिवहन कई चरणों में होता है। सिस्टम को ऊर्जा कुशल होना चाहिए (अनावश्यक कार्डियोरेस्पिरेटरी कार्य से बचना), जिससे एक्स्ट्रावैस्कुलर ऊतक मैट्रिक्स में ऑक्सीजन का कुशल परिवहन हो सके। कोशिकाओं को एक्स्ट्रासेलुलर वातावरण से ऑक्सीजन निकालना चाहिए और सेलुलर चयापचय प्रक्रियाओं में इसका कुशलतापूर्वक उपयोग करना चाहिए।" जैसा कि हम अन्य अध्यायों में देखेंगे, ऑक्सीजन परिवहन के लिए सह-कारक हैं, जिनमें जीवन के लिए प्राथमिक खनिजों में से कुछ शामिल हैं, जैसे मैग्नीशियम, आयोडीन, लोहा, बाइकार्बोनेट और सल्फर।

जैसा कि हम देखेंगे, कई कारक हाइपोक्सिया (कम ऑक्सीजन की स्थिति) का कारण बनते हैं। दिलचस्प बात यह है कि आयोडीन, थायरॉयड, ऑक्सीजन और पीएच का संबंध है। ऑक्सीजन हमारा गैसोलीन है; हमारा थायरॉयड वह चिंगारी प्रदान करता है जो चयापचय की लौ को जलाती है। कम थायरॉयड ऑक्सीजन की लागत बढ़ाता है, चयापचय में बाधा डालता है, और हमें अधिक सांस लेने के लिए मजबूर करता है, जिससे सांस लेने की ऑक्सीजन की लागत बढ़ जाती है। हमें तुरंत अधिक ऊर्जा मिल सकती है, लेकिन ऑक्सीजन की लागत अधिक है। हमारा इंजन हमारे थायरॉयड और पैराथायरायड ग्रंथियों के "गंदे स्पार्क प्लग" की भरपाई करने के लिए अधिक काम करता है।

थायरॉइड हार्मोन/आयोडीन की कमी से वसा, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट के उपयोग में सामान्य कमी आती है। आयोडीन की कमी होने पर हमारे भोजन का जलना कुशलता से नहीं होता है, इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि ऑक्सीजन और $CO2$ प्रभावित होंगे। आधुनिक मनुष्यों में व्यापक रूप से पाई जाने वाली मैग्नीशियम की कमी ऑक्सीजन वितरण को भी प्रभावित करती है। मैग्नीशियम से वंचित लाल रक्त कोशिकाएं आकार से बाहर हो जाती हैं। मैग्नीशियम की कमी कोशिकाओं के अंदर बहुत आम है जहां वे माइटोकॉन्ड्रिया को प्रभावित करते हैं, जो श्वसन के केंद्र में होते हैं, जिसमें $O2$ और $CO2$ दोनों शामिल होते हैं।

"लेकिन आज कोई भी यह नहीं कह सकता कि उसे कैंसर और उसके मूल कारण के बारे में नहीं पता। इसके विपरीत, ऐसी कोई बीमारी नहीं है जिसका मूल कारण बेहतर ज्ञात हो, इसलिए आज अज्ञानता कोई बहाना नहीं रह गई है," नोबेल पुरस्कार विजेता ओटो वारबर्ग ने 30 जून, 1966 को नोबेल पुरस्कार विजेताओं की एक बैठक में कहा। वारबर्ग को 20वीं सदी के अग्रणी कैंसर विशेषज्ञों में से एक माना जाता है।

बायोकेमिस्ट। उन्हें 1931 में फिजियोलॉजी और मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिला था। कुल मिलाकर, उन्हें अपने करियर के दौरान 47 बार इस पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था। कुछ लोग कहते हैं कि हम दशकों पहले के वैज्ञानिकों पर उनकी अज्ञानता का बचाव करने के लिए भरोसा नहीं कर सकते, लेकिन भौतिकविदों का कहना है कि हमें आइंस्टीन और गैलीलियो के बारे में भूल जाना चाहिए।

पचास साल बाद भी, ऑन्कोलॉजिस्ट अभी भी गलत हैं, और वैकल्पिक चिकित्सा समुदाय में भी कुछ लोग इस महत्वपूर्ण बिंदु को ठीक से नहीं समझ पा रहे हैं। हाइपोक्सिया और कैंसर के बीच संबंधों की जांच करने के लिए बहुत कम काम किया गया है। और बहुत अधिक कैंसर अनुसंधान ने दवा उपचारों को डिजाइन करने पर ध्यान केंद्रित किया है जो एक विशेष प्रकार के कैंसर से जुड़े आनुवंशिक उत्परिवर्तन का प्रतिकार करते हैं। यह एक महंगी गलती रही है जो लाखों लोगों के दर्द, मौत और पीड़ा के लिए जिम्मेदार है।

उपचारों को उन कारकों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो कोशिकाओं में ऑक्सीजन की आपूर्ति को बढ़ाते हैं, लेकिन इस तरह के दृष्टिकोण में बहुत कम पैसा है। कैंसर का सबसे बुनियादी वास्तविक कारण आधी सदी से भी ज़्यादा समय से जाना जाता है, और फिर भी आज, आधुनिक ऑन्कोलॉजी अभी भी लक्ष्य से बहुत दूर है। न केवल वे कैंसर का इलाज करने के लिए कैंसर पैदा करने वाले परीक्षणों और उपचारों का उपयोग कर रहे हैं, बल्कि उनके उपचार ऑक्सीजन के स्तर को और भी कम कर देते हैं, जिससे हाइपोक्सिक स्थितियाँ और भी बदतर हो जाती हैं।

डॉ. वारबर्ग ने दिखाया कि कोशिकाओं को हाइपोक्सिया की अवधि में रखकर उन्हें कैंसरग्रस्त बनाया जा सकता है।[152]कैंसर कोशिकाएं कम ऑक्सीजन वाले वातावरण में लाभकारी ऊर्जा-निर्माण प्रक्रिया का उपयोग करके जीवित रहती हैं। कैंसर कोशिकाएं और यीस्ट ऊर्जा के लिए अवायवीय श्वसन का उपयोग करते हैं। अवायवीय का अर्थ है "बिना ऑक्सीजन के।" वारबर्ग ने पाया कि आप केवल ऑक्सीजन जोड़कर किण्वन को उलट सकते हैं - लेकिन केवल तभी जब आप इसे कैंसर कोशिकाओं के लिए पर्याप्त समय से पहले करें। कम ऑक्सीजनेशन घातक प्रगति और मेटास्टेसिस को तेज करता है, जिससे कैंसर के उपचार के बावजूद खराब रोग का निदान होता है।

चिकित्सा वैज्ञानिकों को पहले से ही पता है कि टी-ल्यूकेमिया और बी-माइलोमा कैंसर कोशिकाओं के एपोप्टोसिस को हाइपरबेरिक ऑक्सीजन द्वारा प्रेरित किया जा सकता है। किसी कोशिका में ऑक्सीजन की मात्रा उसकी सामान्य आवश्यकता से 35% कम हो जाने पर; वह कोशिका या तो मर जाएगी या किण्वन शुरू होने पर जल्दी ही कैंसरग्रस्त हो जाएगी। कैंसर

मेटास्टेसिस का प्रसार ऑक्सीजन और कैंसर कोशिकाओं के आसपास और अंदर की अम्लता के व्युत्क्रमानुपाती होता है। जितनी अधिक ऑक्सीजन होगी, कैंसर उतनी ही धीमी गति से फैलेगा। जितनी कम ऑक्सीजन और जितनी अधिक अम्लता (अधिक लैक्टिक एसिड) होगी, कैंसर उतनी ही तेजी से फैलेगा, और कीमोथेरेपी के सबसे जहरीले रूपों से भी इसे मारना उतना ही कठिन होगा।

ऐसा होता है कि अम्लता ऑक्सीकरण को कम करती है। यहां तक कि एक चिह्नित डिग्री तक, क्षारीयता में वृद्धि नाटकीय रूप से ऑक्सीकरण दर को बढ़ाती है, क्योंकि ऑक्सीकरण के लिए बहुत अधिक ऑक्सीजन होती है। जब अम्लीय स्थितियां प्रबल होती हैं, तो माइटोकॉन्ड्रिया के अंदर ऑक्सीडेटिव प्रक्रिया से समझौता होता है, और जैसे ही हम अधिक क्षारीय स्थितियों में जाते हैं, किण्वन, जिसका उपयोग कैंसर कोशिकाएं करती हैं, कम हो जाता है।

डॉ. वारबर्ग के अनुसार, क्षतिग्रस्त कोशिका श्वसन किण्वन का कारण बनता है,जिसके परिणामस्वरूप सेलुलर स्तर पर कम पीएच (अम्लता) होती है। "हर मामले में, कैंसर के विकास के दौरान, ऑक्सीजन श्वसन हमेशा कम हो जाता है, किण्वन दिखाई देता है, और अत्यधिक विभेदित कोशिकाएं किण्वन करने वाले एनारोब में बदल जाती हैं, जो अपने सभी शारीरिक कार्यों को खो चुके होते हैं और केवल विकास और प्रतिकृति की अब बेकार संपत्ति को बनाए रखते हैं। इस प्रकार, जब श्वसन गायब हो जाता है, तो जीवन हमेशा गायब नहीं होता है, लेकिन जीवन का अर्थ बदल जाता है। जो बचता है वह एक बढ़ता हुआ जानवर होता है जो उस शरीर को नष्ट कर देता है जिसमें वे बढ़ते हैं।

कैंसर के वारबर्ग सिद्धांत में यह माना गया है कि ट्यूमरजनन का चालकमाइटोकॉन्ड्रिया के अपमान के कारण अपर्याप्त कोशिकीय श्वसन होता है। दूसरे शब्दों में, पर्याप्त ऑक्सीजन की उपस्थिति में पूरी तरह से सांस लेने के बजाय, कैंसर कोशिकाएं किण्वन करती हैं। कैंसर एक चयापचय रोग है जिसमें किण्वन माइटोकॉन्ड्रिया की खराबी के कारण होता है, जिसके परिणामस्वरूप उपचय में वृद्धि और अपचय में कमी होती है।

हाइपोक्सिया या एनोक्सिया के परिणामस्वरूप एडेनोसिन ट्राइफॉस्फेट (एटीपी) के स्तर में नाटकीय कमी आती है। हाइपोक्सिया वह उत्तेजना है जो खोए हुए एटीपी के प्रतिस्थापन की आवश्यकता पैदा करती है। यदि कोई कोशिका जीवित रहना चाहती है (कोशिका मृत्यु से पीड़ित नहीं होना चाहती), तो उसे किण्वन की ओर मुड़ना चाहिए, और वह ऐसा करती है। जब ऑक्सीजन सीमित हो जाती है, तो माइटोकॉन्ड्रियल ऑक्सीडेटिव फॉस्फोराइलेशन (ऑक्सफॉस) होता है

प्रतिबंधित हो जाता है, और पाइरूवेट लैक्टेट में परिवर्तित हो जाता है, जो अम्लीय स्थिति को बढ़ाता है, जो आगे चलकर कैंसर को उत्तेजित करता है।

कोशिकीय स्वास्थ्य के लिए कोशिकाओं को मिलने वाली ऑक्सीजन का स्तर बहुत महत्वपूर्ण है। अधिकांश ऊतकों में ऑक्सीजन का स्तर 20-21% नहीं होता है। हमारे फेफड़ों में, ऑक्सीजन का स्तर लगभग 14.5% होता है, और परिधीय ऊतकों में, ऑक्सीजन 3.4-6.8% तक कम हो सकता है। फिजियोलॉजिकल नॉर्मोक्सिया शब्द 3-7% के बीच ऑक्सीजन के स्तर को परिभाषित करता है।

कुछ मामलों में पैथोलॉजिकल हाइपोक्सिया हो सकता है, जैसे रक्त वाहिकाओं का बंद होना या बंद होना या ऐसे मामलों में कैंसर, रिसाव और अपर्याप्त वाहिका तंत्र। इन उदाहरणों में O2 का स्तर 2% से नीचे गिर जाता है, लेकिन यह 0.3- 4.2% तक हो सकता है। O2 का सबसे कम स्तर या ऑक्सीजन रहित होना, एनारोबिक वातावरण कहलाता है। पाचन तंत्र और समुद्र तल में बैक्टीरिया सहित कई सूक्ष्मजीवों को एनारोबिक प्रजाति माना जाता है। O2 का कोई भी अंश इनमें से कई प्रजातियों को मार सकता है। वैज्ञानिकों को इस सूक्ष्मजीव का अध्ययन ऐसे वातावरण में करना चाहिए, जहाँ O2 न हो।

येल यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन (यूएसए) के डॉ. रॉकवेल ने कोशिकीय स्तर पर घातक परिवर्तनों का अध्ययन किया और लिखा: "हाइपोक्सिया के शारीरिक प्रभाव और संबंधित सूक्ष्म पर्यावरणीय अपर्याप्तताएं उत्परिवर्तन दरों को बढ़ाती हैं, क्रमादेशित कोशिका मृत्यु के सामान्य मार्गों में कमी वाली कोशिकाओं का चयन करती हैं, और तेजी से आक्रामक, मेटास्टेटिक फेनोटाइप के विकास में योगदान करती हैं।"

नेचर पत्रिका के 13 मार्च (2008) के अंक में दो शोधपत्र प्रकाशित हुएवारबर्ग के सिद्धांतों के अनुरूप। बेथ इज़राइल डेकोनेस मेडिकल सेंटर (BIDMC) और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं ने पाया कि चयापचय प्रक्रिया जिसे वारबर्ग प्रभाव के रूप में जाना जाता है, ट्यूमर के तेजी से विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने इस प्रक्रिया के पीछे एक महत्वपूर्ण तंत्र के रूप में पाइरूवेट किनेज (PKM2) के M2 रूप की पहचान की, जो चीनी चयापचय में शामिल एक एंजाइम है।

"हमने दिखाया कि हाइपोक्सिया ड्रोशा और डाइसर के डाउनरेगुलेशन का कारण बनता है, ये एंजाइम माइक्रोआरएनए (miRNAs) के उत्पादन के लिए आवश्यक हैं। MiRNAs कोशिका द्वारा स्वाभाविक रूप से व्यक्त किए जाने वाले अणु होते हैं जो एक को विनियमित करते हैं

जीन की विविधता, "डॉ अनिल सूद, स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी के प्रोफेसर ने कहाऔर प्रजनन चिकित्सा और कैंसर जीवविज्ञान। "कार्यात्मक स्तर पर, सेलुलर स्तर पर अध्ययन करने पर इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप कैंसर की प्रगति बढ़ जाती है।"

डॉ. रॉबर्ट जे. गिलीज़ और वेन स्टेट यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन की टीम ने कहा, "हर मामले में, पेरिट्यूमोरल पीएच अम्लीय और विषम था, और उच्चतम ट्यूमर आक्रमण के क्षेत्र सबसे कम पीएच वाले क्षेत्रों के अनुरूप थे।[153]सोडियम बाइकार्बोनेट का मौखिक प्रशासन पेरिट्यूमोरल पीएच को बढ़ाने, प्री-क्लीनिकल मोड में ट्यूमर के विकास को रोकने के लिए पर्याप्त थाइल. बाइकार्बोनेट को हर कैंसर में शामिल किया जाना चाहिए मरीज़ का बचावओकोल.

ऑक्सीजन ट्यूमर में नई रक्त वाहिकाओं के विकास को उत्तेजित करता है, और आम धारणा यह है कि इससे कैंसर में मेटास्टेसिस और आनुवंशिक अस्थिरता पैदा होती है।[154]सिद्धांत यह है कि ऑक्सीजन में सांस लेने या हाइपोक्सिक ऑक्सीजन (ऑक्सीजन में कम) कैंसर ऊतकों को समृद्ध करने से उपचार में सुधार होता है। ट्यूमर की वृद्धि क्षमता को बढ़ावा देने के बजाय, इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। यह कैंसर कोशिकाओं को अंदर से कमजोर करता है, जिससे वे रेडियोथेरेपी या किसी भी कैंसर उपचार चिकित्सा के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाती हैं। कैंसर कोशिकाएं जीवित रहने के लिए संघर्ष करती हैं, लेकिन ऑक्सीजन उन्हें किसी भी अन्य उपचार के लिए कमजोर बना देती है। कम ऑक्सीजन वाले कैंसर रेडियोथेरेपी के प्रति तीन गुना अधिक प्रतिरोधी होते हैं। ऑक्सीजन के स्तर को सामान्य कोशिका के स्तर पर बहाल करने से ट्यूमर उपचार के प्रति तीन गुना अधिक संवेदनशील हो जाता है।

डॉ. राल्फ मेसन के नेतृत्व में यूटी साउथवेस्टर्न के वैज्ञानिकों ने मैग्नेटिक में रिपोर्ट दीचिकित्सा में अनुनाद यह है कि "ऑक्सीजन चुनौती" के साथ हाइपोक्सिक और आक्रामक ट्यूमर का मुकाबला करना - ट्यूमर प्रतिक्रिया की निगरानी करते हुए ऑक्सीजन को अंदर लेना - एक विकिरणित पशु मॉडल में ट्यूमर के विकास में देरी के साथ मेल खाता है।[155]

यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो कैंसर सेंटर के वैज्ञानिकों ने कहा, "ऐसा लगता है कि ऑक्सीजन से वंचित ट्यूमर सिकुड़ जाएगा। हालांकि, कई अध्ययनों से पता चला है कि ट्यूमर हाइपोक्सिया, जिसमें ट्यूमर के कुछ हिस्सों में ऑक्सीजन की मात्रा काफी कम होती है, अधिक आक्रामक ट्यूमर व्यवहार और खराब रोगनिदान से जुड़ा होता है। यह ऐसा है जैसे कि इसके बजाय

हल्के हाइपोक्सिक परिस्थितियों के शिकार, आमतौर पर ऑक्सीजन की कमीजब ट्यूमर अपनी रक्त आपूर्ति क्षमता से बाहर हो जाता है, तो ट्यूमर को ऑक्सीजन के नए स्रोतों की तलाश में बढ़ने और मेटास्टेसाइज करने के संकेत मिलते हैं। उदाहरण के लिए, हाइपोक्सिक मूत्राशय कैंसर के फेफड़ों में-मेटास्टेसाइज होने की संभावना होती है, जो अक्सर घातक होता है।"[156]

टोरंटो विश्वविद्यालय के डॉ. ब्रैडली वाउटर्स के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक टीम ने दावा किया है कि बड़े क्षेत्र वाले ट्यूमर और कम ऑक्सीजन स्तर वाले ट्यूमर का निदान और उपचार प्रतिक्रिया खराब होती है।[157]ट्यूमर के सभी क्षेत्र ऑक्सीजन के स्तर के मामले में समान नहीं होते हैं। इसका एक चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण निहितार्थ यह है कि कम ऑक्सीजन वाले बड़े क्षेत्र वाले ट्यूमर (क्षेत्रों को हाइपोक्सिक क्षेत्र के रूप में जाना जाता है) खराब रोगनिदान और उपचार प्रतिक्रिया से जुड़े होते हैं।

ट्यूरिन मेडिकल स्कूल विश्वविद्यालय के डॉ. पाओलो मिचिली और उनके सहयोगियों ने पाया कि ट्यूमर अपने विस्तार को बढ़ावा देने के लिए हाइपोक्सिया पर निर्भर करते हैं। हाइपोक्सिया ट्यूमर की प्रगति को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कारक है। घातक ट्यूमर और ट्यूमर की प्रगति की एक पहचान।[158]

बर्नहैम इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल रिसर्च (बर्नहैम) के डॉ. चियांग और उनके सहकर्मियों का कहना है, "कोशिकाएं हाइपोक्सिक तनाव में होने पर सबसे अधिक ऊर्जा-खर्च वाली प्रक्रियाएं, जैसे विकास, बंद कर देती हैं।"[159]

दूसरे अध्याय में, हम वॉरबर्ग द्वारा बताए गए एक और मुख्य बिंदु पर गहराई से चर्चा करेंगे। "अगर हमारा आंतरिक वातावरण अम्लीय ऑक्सीजन-रहित वातावरण से बदलकर ऑक्सीजन से भरपूर क्षारीय वातावरण में बदल जाए, तो वायरस, बैक्टीरिया और फंगस जीवित नहीं रह पाएंगे।" सच तो यह है कि ये संक्रमण कैंसर का एक और बड़ा कारण हैं।

विशेष नोट:डॉ. जोहाना बुडविग का यह कहना दिलचस्प है, "वॉनहेल्महोल्ट्ज़ ने कोशिका में अधिक ऑक्सीजन पहुँचाने का प्रयास किया था। उन्होंने दिखाया कि जब हम उन कबूतरों का इलाज करते हैं जो दम घुटने की स्थिति में हैं (यानी, कबूतरों को इस तरह से खिलाया जाता है कि ऑक्सीजन का अवशोषण अवरुद्ध हो जाता है) तो वे अधिक ओजोन या ऑक्सीजन के साथ मर जाते हैं - और आज भी यही स्थिति है। अगर ऑक्सीजन की कमी वाले व्यक्ति के लिए अस्पताल में "ऑक्सीजन बम" लगाया जाता है, तो बीमार व्यक्ति अधिक तेज़ी से मर जाता है।"

डॉ. बुडविग ने आगे कहा, "वसा अम्लों के बिना श्वसन एंजाइम काम नहीं कर सकते। ऑक्सीजन युक्त हवा मिलने पर भी व्यक्ति का दम घुटता है। इन अत्यधिक असंतृप्त वसा अम्लों की कमी से कई महत्वपूर्ण कार्य बाधित होते हैं। सबसे पहले, यह व्यक्ति को उपलब्ध ऑक्सीजन की आपूर्ति को कम करता है। हम हवा और भोजन के बिना जीवित नहीं रह सकते; न ही हम इन वसा अम्लों के बिना जीवित रह सकते हैं।"

मैंने अपने निबंध 'ऑक्सीजन खतरनाक हो सकती है, लेकिन आवश्यक है' में लिखा था कि अप्रैल 2018 में द लैंसेट ने साक्ष्य प्रस्तुत किया था कि जब गंभीर रूप से बीमार रोगियों को उदारतापूर्वक पूरक ऑक्सीजन दी जाती है, तो सेप्सिस, स्ट्रोक, हृदयाघात के साथ-साथ मानसिक आघात या आपातकालीन सर्जरी की आवश्यकता वाले लोगों में मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है।

प्राकृतिक एलोपैथिक प्रोटोकॉल इस ज्ञान के अनुरूप है, और यही कारण है कि हम एक संपूर्ण प्रोटोकॉल का उपयोग करते हैं जिसमें कई अनुकूल कारक शामिल हैंऑक्सीजन परिवहन और अवशोषण के लिए। हम चिकित्सा के भविष्य के लिए अनुशंसा करते हैं कि हाइड्रोजन को हमेशा ऑक्सीजन के साथ मिलाया जाना चाहिए क्योंकि $CO2$ पहले से ही है।

हाइड्रोजन कई कारणों से ऑक्सीजन को सुरक्षित बनाता है। सबसे पहले, हाइड्रोजन की मौजूदगी में हमें उपचार के लिए कम ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, गहरे समुद्र में गोताखोर 96% हाइड्रोजन और केवल 4% ऑक्सीजन सांस के साथ लेते हैं। हाइड्रोजन सबसे खतरनाक मुक्त कणों को पानी में बदल देता है।

ऑक्सीजन जीवन देने या छीनने की अपनी क्षमता में अजेय है। यह कैंसर कोशिकाओं के लिए उतना ही सच है जितना कि स्वस्थ मानव कोशिकाओं के लिए। ऑक्सीजन ठीक कर सकती है, और यह मार भी सकती है, इसलिए यह सभी प्रकार के संक्रमणों के लिए एकदम सही है। हर ऑक्सीजन उपयोगकर्ता यह जानता है। कोई भी व्यक्ति हमेशा के लिए पृथ्वी पर शारीरिक रूप से मौजूद नहीं रह सकता है, लेकिन पर्याप्त ऑक्सीजन के साथ, हम तब तक जवान रह सकते हैं जब तक हमारा समय समाप्त नहीं हो जाता!

हालाँकि ऑक्सीजन सभी को नहीं बचा सकती, लेकिन ऑक्सीजन जीवन के केंद्र में काम करती है और इसकी बहन $CO2$ भी। जीवन के लिए इससे ज़्यादा मौलिक कुछ नहीं है। कार्बन डाइऑक्साइड और ऑक्सीजन हमें कैंसर और कई अन्य गंभीर बीमारियों से लड़ने के लिए ज़रूरी चीज़ें देते हैं। सभी कैंसर कोशिकाओं को मारने के लिए पर्याप्त उच्च स्तर पर ऑक्सीजन का उपयोग करने का एकमात्र सुरक्षित तरीका कार्बन डाइऑक्साइड के साथ है।

ऑक्सीजन थेरेपी के साथ व्यायाम (EWOT)।

यह सबसे अच्छी और सबसे कम लागत वाली EWOT प्रणाली उपलब्ध है और इसे बनाया गया थासांस लेने के मामले में अग्रणी विशेषज्ञों में से एक माइकल व्हाइट ने कहा। मैंने तीन अलग-अलग कंपनियों के मास्क और बैग इस्तेमाल किए हैं और पाया है कि उनका मास्क लगभग एक हज़ार डॉलर कम में बेहतर है। कोई व्यक्ति 1,529,00 डॉलर में 500 लीटर का बैग और नया 5 लीटर का ऑक्सीजन कंसंट्रेटर वाला पूरा सेट प्राप्त कर सकता है या 900 लीटर के बैग के लिए 200 डॉलर और जोड़ सकता है। और अगर आप नए के बजाय दोबारा बनाए गए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के साथ जाने को तैयार हैं, तो आप सिर्फ़ 1,170.00 डॉलर में पूरा सिस्टम प्राप्त कर सकते हैं। इससे EWOT तकनीक ज़्यादा लोगों की पहुँच में आ जाएगी।

हर कैंसर की दवा कुछ कैंसर कोशिकाओं को पीछे छोड़ती है जो उस दवा के प्रति प्रतिरोधी होती हैं। हर दवा प्रतिरोध के लिए चयन करती है। रासायनिक दवाओं के इस्तेमाल से कैंसर एक अनुकूली दुश्मन बन जाता है, लेकिन ऑक्सीजन के इस्तेमाल से ऐसा नहीं होता, खासकर तब जब आप सोडियम बाइकार्बोनेट से कैंसर के पैर काट देते हैं।

कैंसर एक समरूप बीमारी नहीं है। कैंसर एक दूसरे से बहुत अलग हैं। एक सार्वभौमिक इलाज खोजना बहुत मुश्किल रहा है। उन्हें ऑक्सीजन से बमबारी करना और ग्लूकोज की कमी और बाइकार्बोनेट के साथ उनके नीचे से कालीन खींचना सभी प्रकार के कैंसर और ट्यूमर के अंदर पाए जाने वाले उत्परिवर्तन के इलाज में सार्वभौमिक रूप से प्रभावी होगा।

ईडब्ल्यूओटी भारी मात्रा में ऑक्सीजन इंजेक्ट करने का एक सीधा तरीका हैकोशिकाओं में सुरक्षित रूप से प्रवेश करना क्योंकि जब हम व्यायाम कर रहे होते हैं, तो हम भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्पादन कर रहे होते हैं। पंद्रह मिनट में, कोई व्यक्ति कोशिकाओं को खोल सकता है जिससे वे अधिक ऑक्सीजन के स्तर को निगलते हुए विषहरण कर सकते हैं।

EWOT एक ऐसी तकनीक है जो महंगे, असुविधाजनक हाइपरबेरिक चैंबर की तुलना में बहुत अधिक चिकित्सीय परिणाम प्रदान करती है। EWOT में व्यायाम करते समय उच्च स्तर की ऑक्सीजन को सांस के माध्यम से अंदर लेना शामिल है। फेफड़ों में उच्च ऑक्सीजन स्तर फुफ्फुसीय केशिकाओं में ऑक्सीजन को ले जाने के लिए अधिक उदार दबाव बनाता है। व्यायाम रक्त संचार को तेज़ बनाता है, जिससे अधिक महत्वपूर्ण ऑक्सीजन परिवहन सुनिश्चित होता है। शुरू में, नसों का ऑक्सीजन दबाव बढ़ जाता है क्योंकि अधिक ऑक्सीजन शिरापरक पक्ष में जा रही होती है। फिर भी, यह ऑक्सीजन ही है जो केशिकाओं को स्थानांतरण तंत्र की मरम्मत करने की अनुमति देती है।

डॉ. पॉल हार्च की पुस्तक, द ऑक्सीजन रिवोल्यूशन, हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी के उपचार और पुनर्स्थापनात्मक प्रभावों (HBOT) के प्रत्यक्ष विवरण प्रस्तुत करती है। जो लोग व्यायाम नहीं कर सकते, उनके लिए HBOT एक प्रभावी उपचार है। अधिक ऑक्सीजन प्राप्त करना लगभग हमेशा एक अच्छा विचार है, लेकिन ऑक्सीजन हमेशा सुरक्षित नहीं होती जब तक कि CO2 और हाइड्रोजन का उच्च स्तर उसके साथ न हो।

EWOT वह सब कुछ करता है जो HBOT करता है और उससे भी कहीं ज़्यादा। HBOT ऑक्सीजन की उस सीमा तक नहीं पहुँच पाता जहाँ व्यापक, गहरा और त्वरित सूजनरोधी प्रभाव होता है। EWOT के 15 मिनट के सत्र के समान परिणाम प्राप्त करने के लिए घंटों HBOT करना चाहिए, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर से सीधे साँस लेने के बजाय बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन रखने वाले रिज़र्वायर बैग का उपयोग करना चाहिए।

जर्मनी के डॉ. मैनफ्रेड वॉन आर्डेन ने ऑक्सीजन मल्टी-स्टेप थेरेपी का आविष्कार किया। डॉ. वॉन आर्डेन ओटो वारबर्ग के पुरस्कार विजेता छात्र थे। वारबर्ग ने साबित किया कि कैंसर केवल ऑक्सीजन की कमी वाले वातावरण में ही बढ़ सकता है। कैंसर एनारोबिक है। डॉ. वॉन आर्डेन ने व्यायाम को ऑक्सीजन के साथ मिलाकर लगभग 150 अध्ययन किए।

कैंसर एक शब्द है; यह एक बीमारी है। इसके कारण, लक्षण और यहां तक कि लक्षण भी हैं।हमारे विषाक्त जोखिम से बचने के लिए उद्देश्य को समझना आवश्यक है। कैंसर को समझने के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण पहलू इसका हमसे संबंध है,

हमारा तनाव और हमारी चेतना। लेकिन यह समझना आसान है कि ऑक्सीजन की कमी कैंसर का प्राथमिक कारण और विशेषता कैसे है और ऑक्सीजन इस जानलेवा बीमारी का इलाज क्यों करती है। ऑक्सीजन की सांद्रता व्यक्तिगत पॉकेट्स में कम होती है, शरीर के कुछ संवेदनशील क्षेत्र जहां विषाक्त पदार्थ उच्च सांद्रता में एकत्र होते हैं।

कैंसर कोशिकाएं भारी धातुओं और रसायनों को खाती हैं, ठीक उसी तरह जैसे कवक कोशिकाएं खाती हैं, और यही कारण है कि पारा अक्सर या यहां तक कि ''हमेशा'' कैंसर कोशिकाओं में मौजूद होता है।

पीएच कोशिका ऊर्जा के ऑक्सीजन का माप है, इसलिए जब हम या विशिष्ट अंग अम्लीय परिस्थितियों के संपर्क में आते हैं, तो ऑक्सीजन का स्तर गिर जाता है, और कैंसर जल्दी बनता है। याद रखें कि ऑक्सीजन के बिना कोई विषहरण नहीं होता है। जब हम ऑक्सीजन की कमी से पीड़ित होते हैं, तो जहर जमा हो जाता है, कोशिकाओं और कोशिका की दीवारों को अवरुद्ध कर देता है।

कुछ जीव ऑक्सीजन से घृणा करते हैं।

सूक्ष्मजीव और कैंसर कोशिकाएँ उच्च ऑक्सीजन सांद्रता में लंबे समय तक जीवित नहीं रह सकती हैं। इसलिए, ये अवायवीय वायरस और बैक्टीरिया और कैंसर कोशिकाएँ कस्टर के अंतिम स्टैंड की तरह खत्म हो जाती हैं। ऑक्सीजन से घिरे होने के कारण, उनके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं होती - उनका अस्तित्व घातक होता है। इस कथन में केवल एक समस्या है। ऑक्सीजन कभी भी अकेले ऐसा नहीं कर सकती! कार्बन डाइऑक्साइड के बिना, हम रोगी को मार देंगे।

शुद्ध ऑक्सीजन विषाक्त है, लेकिन असीमित कार्बन के सामने इसकी विषाक्तता शून्य हैडाइऑक्साइड। शरीर में इन गैसों को संतुलित करने की उत्कृष्ट क्षमता होती है, और इसलिए व्यायाम इतना स्वस्थ है, इसलिए EWOT इतनी शक्तिशाली चिकित्सा है। हम शरीर को उच्च ऑक्सीजन स्तरों से भर सकते हैं क्योंकि हम बहुत अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्पन्न करते हैं, और इस प्रकार कोशिकाओं को अधिक ऑक्सीजन पहुँचाई जाती है।

जब हम ऊतक जीवन और ऊतक मरम्मत के लिए आवश्यक पदार्थ की डिलीवरी में सुधार करते हैं, तो शरीर के पास पैथोलॉजी को ठीक करने का बेहतर मौका होगा। EWOT की सफलता यह है कि यह धमनी दबाव को वापस युवा स्तर पर ले जाती है। एक बार जब केशिकाओं में अधिक ऑक्सीजन के द्वार खुल जाते हैं, और हम प्रतिदिन उपचार को मजबूत करना जारी रखते हैं, तो

प्रभाव स्थायी हो जाता है, जिसका अर्थ है कि कैंसर कोशिकाएँ और हमारी सभी स्वस्थ कोशिकाएँ उच्च स्तर की ऑक्सीजन के संपर्क में आ जाती हैं और उसके साथ रहने के लिए मजबूर हो जाती हैं। स्वस्थ कोशिकाएँ खुश रहती हैं, जबकि कैंसर कोशिकाएँ इतनी अच्छी तरह से नहीं चलतीं।

सेलुलर स्वर्ग तक 15 मिनट।

पंद्रह मिनट में, कोई व्यक्ति कोशिका के दरवाज़े खोल सकता है, जिससे वे उच्च ऑक्सीजन स्तरों को निगलते हुए विषहरण कर सकते हैं। हमारे सिस्टम में जितनी अधिक ऑक्सीजन होगी, हम उतनी ही अधिक ऊर्जा उत्पन्न करेंगे, हम उतने ही स्वस्थ होंगे। ऑक्सीजन सभी कोशिकाओं के लिए जीवन का स्रोत है। केशिका बिस्तरों को ऑक्सीजन के उच्च स्तर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने वाली दवा चिकित्सीय रूप से फायदेमंद है। ऑक्सीजन की कमी से स्वास्थ्य खराब होता है या बीमारी और मृत्यु होती है।

सरल, सीधे तरीके से, कोई भी व्यक्ति एक रैमजेट प्रज्वलित या बना सकता है, जहाँ कोशिकाओं में ऑक्सीजन इंजेक्ट की जाती है। कोशिका की दीवारों के दरवाज़े खोलने वाली तीव्रता ऑक्सीजन को अंदर आने देती है और ज़हर को बाहर निकालती है। हम ऑक्सीजन के साथ जीवन और ऊर्जा लाते हैं और साथ ही घर को साफ करते हैं। ऑक्सीजन दवा सबसे बुनियादी दवा है क्योंकि हम आवश्यक तत्व से निपटते हैंजीवन की वह शक्ति जिसकी हमें हर पल या अस्तित्व में निरंतर आपूर्ति की आवश्यकता होती है।

बेशक, हमें व्यायाम करने की ज़रूरत है, भले ही ऐसा करना एक प्रयास हो। मान लीजिए कि कैंसर के अंतिम चरण के रोगियों के लिए यह असंभव है। उस स्थिति में, हमेशा हाइपरबेरिक ऑक्सीजन उपचार उपलब्ध हैं, जिसने असाध्य रोगों (फार्मास्युटिकल दृष्टिकोण से केवल टर्मिनल) को ठीक करने का मार्ग प्रशस्त किया है, लेकिन यह महंगा और असुविधाजनक है।



कैंसर, सूजन और ऑक्सीजन पर डॉ. वॉन आर्डेन।

प्रोफेसर वॉन आर्डेन ने बताया कि सूजन किस तरह से कोशिकाओं में ऑक्सीजन के स्थानांतरण में बाधा डालती है। आज के आधुनिक प्रकार के EWOT में ऑक्सीजन की कमी (बुढ़ापे, बीमारी, सूजन) के कारण संकुचित केशिकाओं का फिर से विस्तार होता है। "यह पुनः विस्तार रक्त में ऑक्सीजन के अधिक सेवन और एक निश्चित अवधि में मानव ऊतकों के बेहतर ऑक्सीजन उपयोग के बाद दिखाई देता है।"

EWOT ऊतकों में रक्त की आपूर्ति को बहाल करके सूजन को ठीक करने में मदद करता है, जिससे ऊतकों को सामान्य एरोबिक चयापचय में वापस आने में मदद मिलती है। प्रोफेसर आर्डेन ने दिखाया कि तनाव लगातार सूजन को ट्रिगर करता है, जिससे शरीर और मांसपेशियों का एक बढ़ता प्रतिशत एनारोबिक चयापचय में बंद हो जाता है - खासकर बढ़ती उम्र के साथ।[160]

> "उन्नीस उदाहरणों से यह पता चला है कि विभिन्न प्रकार के तनाव एक निश्चित अवधि में धमनी आंशिक ऑक्सीजन दबाव (pO2) को काफी हद तक कम कर देते हैं। इस विशिष्ट मूल्य की सीमा और समय के माप तनाव प्रभावों की निगरानी के लिए उपयोगी होने चाहिए। इसलिए, धमनी pO2 विश्राम स्तर का स्थायी पुनः उत्थान तनाव प्रभावों से लड़ने के लिए पसंद की विधि है।"

ईडब्ल्यूओटी विशेष रूप से डॉ. वॉन आर्डेन की ऑक्सीजन मल्टी-स्टेप थेरेपी के मूल डिजाइन के तहत संभावित स्तर से पांच गुना अधिक प्लाज्मा में घुलित ऑक्सीजन के विस्फोट के साथ केशिका सूजन को लक्षित करता है।

कम ऑक्सीजन (हाइपोक्सिया) के कई कारण.



कोशिकाओं में अपर्याप्त ऑक्सीजन वितरण की पहचान प्रारंभिक चरणों में समस्याग्रस्त हो सकती है क्योंकि नैदानिक विशेषताएं अक्सर गैर-विशिष्ट होती हैं। प्रगतिशील चयापचय अम्लरक्तता, हाइपरलैक्टेटेमिया, और मिश्रित शिरापरक ऑक्सीजन संतृप्ति (SvO2) में गिरावट, साथ ही अंग-विशिष्ट घटक,[161]इसका पता तब तक नहीं चलता जब तक बहुत देर हो चुकी होती है और गंभीर बीमारी फैल जाती है।

गहन देखभाल के परिप्रेक्ष्य से बोलते हुए, डॉ. आर.एम. लीच और
डी.एफ. ट्रेचर कहते हैं, "ऊतक हाइपोक्सिया की रोकथाम, शीघ्र पहचान और सुधार, गंभीर रूप से बीमार रोगी के प्रबंधन में आवश्यक कौशल हैं, और इसके लिए ऑक्सीजन परिवहन, वितरण और खपत की समझ की आवश्यकता होती है।"[162]

ऑक्सीजन के बिना, हमारा मस्तिष्क, यकृत और अन्य अंग मिनटों में क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। हाइपोक्सिमिया (आपके रक्त में कम ऑक्सीजन) हाइपोक्सिया (आपके ऊतकों में कम ऑक्सीजन) का कारण बन सकता है जब आपका रक्त आपके ऊतकों तक उनकी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुँचा पाता है। हाइपोक्सिया शब्द का इस्तेमाल कभी-कभी दोनों समस्याओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि 1.2 मेटाबोलिक यूनिट (ऑक्सीजन की खपत) की वृद्धि कैंसर से होने वाली मृत्यु के जोखिम में कमी से संबंधित थी, विशेष रूप से फेफड़ों और जठरांत्र संबंधी कैंसर में। इसलिए, हमें हाइपोक्सिया का अध्ययन करना चाहिए। कई कारण कोशिकाओं में ऑक्सीजन के स्तर को कम करते हैं, इनमें से एक या अधिक कारण कई ऐसे लोगों में मौजूद होते हैं जो लंबे समय से बीमार हैं।

विकिरण के संपर्क में आने से ऑक्सीडेटिव तनाव के कारण हाइपोक्सिक स्थितियां पैदा होती हैं। कैंसर के लिए विकिरण चिकित्सा के बाद अक्सर स्थानीय पुनरावृत्ति और दूरस्थ मेटास्टेसिस होता है और यह घातक हो सकता है। रेडियोकेमिकल और रेडियोबायोलॉजिकल अध्ययनों से पता चला है कि ये समस्याएं ट्यूमर-विशिष्ट माइक्रोएन्वायरमेंट हाइपोक्सिया के कारण होती हैं।[163]

> *कोई भी तत्व जो मानव शरीर की ऑक्सीजन-वहन क्षमता को ख़तरे में डालता है, कैंसर के विकास को बढ़ावा देगा।*

नाक में लगातार जमाव के कारण खराब नींद, अनिद्रा या यहां तक कि स्लीप एप्निया भी हो सकता है, जो एक दीर्घकालिक बीमारी है, जिसमें नींद के दौरान ऑक्सीजन का स्तर इतना कम हो जाता है कि आपके हृदय और मस्तिष्क को सही ढंग से काम करने के लिए पर्याप्त हवा नहीं मिल पाती।

प्रोफेसर लुम अपनी समीक्षा "द सिंड्रोम ऑफ़ हैबिचुअल क्रॉनिक हाइपरवेंटिलेशन" (मॉडर्न ट्रेंड्स इन साइकोसोमैटिक मेडिसिन में प्रकाशित) में लिखा है, "राइस (1950) को छोड़कर अधिकांश लेखकों ने हाइपरवेंटिलेशन की नैदानिक प्रस्तुति को एक अंतर्निहित चिंता की स्थिति की अभिव्यक्ति के रूप में वर्णित किया है।"

यह अनुमान लगाया गया है कि स्थिरीकरण तनाव प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों के निर्माण को प्रेरित करता है। यह मस्तिष्क की एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा को कमजोर करता हैऔर ऑक्सीडेटिव क्षति का कारण बनता है। दर्द, ठंड, यौन हिंसा, प्रियजनों की मृत्यु, दुर्घटनाएं और कई अन्य चीजें जैसे विभिन्न गड़बड़ियां उच्च तनाव स्तर उत्पन्न कर सकती हैं।

तनाव संभावित रूप से श्वसन सहित कई शारीरिक प्रक्रियाओं को बिगाड़ देता है। जब हम तनावग्रस्त होते हैं तो हम तेजी से सांस लेते हैं, और इससे कोशिकाओं में ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है। अत्यधिक लड़ाई या उड़ान प्रतिक्रिया के कारण सांसें उथली हो जाती हैं, जिससे ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।

सभी गंभीर रोग स्थितियों में, हम कम ऑक्सीजन की स्थिति पाते हैं।
शरीर के ऊतकों में ऑक्सीजन की कमी रोग का निश्चित सूचक है।
हाइपोक्सिया, या ऊतकों में ऑक्सीजन की कमी, सभी अपक्षयी रोगों का
मूल कारण है।

डॉ. स्टीफन लेविन आणविक
जीवविज्ञानी.

तेज़ और गहरी साँस लेने से ज़्यादा कार्बन डाइऑक्साइड बाहर निकलती है। जब हम साँस लेते हैंसामान्य से अधिक (और यह 90% से अधिक मामलों में होता है), कोशिका ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है, और हम कोशिका हाइपोक्सिया से पीड़ित होते हैं। दर्जनों अध्ययनों से पता चला है कि आधुनिक "सामान्य व्यक्ति" आराम करते समय लगभग 12 लीटर/मिनट सांस लेते हैं, जबकि चिकित्सा मानक केवल 6 लीटर/मिनट है। नतीजतन, रक्त CO2 का स्तर औसत से कम है। धमनी हाइपोकैप्निया (CO2 की कमी) ऊतक हाइपोक्सिया का कारण बनता है जो कई रोग संबंधी प्रभावों को ट्रिगर करता है। हाइपोकैप्निया ऊतक हाइपोक्सिया (शरीर में ऑक्सीजन की कम मात्रा) बनाता है, और यह प्रतिरक्षा प्रणाली को दबा देता है, कोशिकाओं को एटीपी से वंचित करता है जिसकी उन्हें आवश्यकता होती है, और अंततः कैंसर की ओर ले जाता है।

कोशिकाओं में ऑक्सीजन की कमी का एक और कारण है ज़्यादा चीनी का सेवन। ओटो वारबर्ग ने कहा कि ग्लूकोज कोशिकाओं की ऑक्सीजन का उपयोग करने की क्षमता को कम कर देता है। चीनी केशिकाओं और अन्य ऊतकों में सूजन पैदा करती है, जिससे कोशिकाओं तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है।

अनुपयुक्त पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड (पीयूएफए) माइटोकॉन्ड्रियल झिल्लियों को अस्तर करने वाली कोशिकाओं के फॉस्फोलिपिड्स पर हमला करते हैं। इस तरह के समावेश से झिल्ली के गुणों में परिवर्तन होता है जो कोशिका में ऑक्सीजन संचरण को बाधित करता है। ट्रांस वसा, आंशिक रूप से ऑक्सीकृत पीयूएफए इकाइयाँ, और अनुचित ओमेगा-6: ओमेगा-3 अनुपात असंतृप्त फैटी एसिड के संभावित स्रोत हैं जो विशिष्ट झिल्ली संरचना को बाधित कर सकते हैं।

हम पाते हैं कि सेप्सिस अक्सर मौत का कारण बनता है क्योंकि सेप्सिस की परिभाषित विशेषता अंगों के माइक्रोवास्कुलचर में प्रगतिशील रक्त प्रवाह विकार हैचोट की मूल जगह से दूर। सेप्सिस, परफ्यूज्ड केशिकाओं के नुकसान के कारण, माइक्रोवैस्कुलर ऑक्सीजन परिवहन से समझौता करता है।[164]

हाइपोक्सिया सूजन और घाव के स्थानों की विशेषता है। चूँकि अधिकांशलोग शरीर के किसी न किसी भाग में सूजन से पीड़ित हैं, इसलिए हमें सूजन को कम ऑक्सीजन स्तर का प्रमुख कारण घोषित करना होगा।

मैग्नीशियम की कमी और कम ऑक्सीजन.

खनिज की कमी हाइपोक्सिक स्थितियों को बनाने में मदद करती है, खासकर जब रासायनिक और भारी धातु विषाक्त पदार्थों को बेअसर करने की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, लाल रक्त कोशिकाओं को अपना काम कुशलतापूर्वक करने के लिए कुछ खनिजों की आवश्यकता होती है। मैग्नीशियम की कमी वाले आहार से लाल रक्त कोशिकाओं (RBC), हीमोग्लोबिन और पूरे रक्त Fe की सांद्रता में महत्वपूर्ण कमी आती है।[165]

हम पाते हैं कि मैग्नीशियम की कमी से ऑक्सीजन के परिवहन और उपयोग में कई तरह की समस्याएं होती हैं (नीचे देखें।) आयरन हीमोग्लोबिन के केंद्र में होता है। चूँकि कई दवाइयाँ मैग्नीशियम के स्तर को कम कर देती हैं, इसलिए वे कोशिकाओं में ऑक्सीजन की आपूर्ति कम कर देती हैं। थोड़े अलग तरीके से कहा जाए तो दवाइयाँ बीमारी और मौत का एक महत्वपूर्ण कारण हैं।

लाल रक्त कोशिकाओं के उभयोत्तल आकार को बनाए रखने की प्रक्रिया कई अध्ययनों का विषय रही है। उभयोत्तल आकार को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कारकों में से एक लाल रक्त कोशिका एडेनोसिन ट्राइफॉस्फेट (एटीपी) का स्तर है। झिल्ली संरचनात्मक प्रोटीन के साथ कैल्शियम, मैग्नीशियम और एटीपी की परस्पर क्रिया मानव लाल रक्त कोशिकाओं के आकार को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।[166]

लाल रक्त कोशिकाओं में $Mg2+$ की सांद्रता अपेक्षाकृत अधिक होती है, लेकिन मुक्त $Mg2+$ऑक्सीजन युक्त लाल रक्त कोशिकाओं में ऑक्सीजन रहित लाल रक्त कोशिकाओं की तुलना में मैग्नीशियम बहुत कम होता है। मैग्नीशियम लाल रक्त कोशिका झिल्ली के पार आयनों, अमीनो एसिड, न्यूक्लियोटाइड, शर्करा, पानी और गैसों के परिवहन में शामिल है।

सीरम की तुलना में लाल रक्त कोशिकाओं में मैग्नीशियम का स्तर धीमी गति से गिरता है।[167]

स्वस्थ लोगों में, ज़्यादातर लाल रक्त कोशिकाएँ चिकनी सतह वाली और डोनट जैसी दिखने वाली अवतल आकार की होती हैं। इन डिस्कोसाइट्स में अवतल क्षेत्र में अतिरिक्त झिल्लियाँ होती हैं जो उन्हें केशिका बिस्तरों के माध्यम से आगे बढ़ने, ऑक्सीजन, पोषक तत्व और रसायन पहुँचाने के लिए ज़रूरी लचीलापन देती हैं।

असामान्य मैग्नीशियम-वंचित लाल रक्त कोशिकाओं में लचीलापन नहीं होता है जो उन्हें छोटी केशिकाओं में प्रवेश करने की अनुमति देता है। इन नॉनडिस्कोसाइट्स की विशेषता विभिन्न अनियमितताओं से होती है, जिसमें सतह पर उभार या लकीरें, एक कप या बेसिन का आकार और डिस्कोसाइट्स में पाए जाने वाले गोल आकार के बजाय परिवर्तित मार्जिन शामिल हैं। जब लोग बीमार हो जाते हैं या शारीरिक रूप से तनावग्रस्त हो जाते हैं (मैग्नीशियम की कमी), तो डिस्कोसाइट्स का एक उच्च प्रतिशत कम लचीले नॉनडिस्कोसाइट्स में बदल जाता है।

ऑक्सीजन-वहन क्षमता बढ़ाने के लिए मैग्नीशियम का उपयोग करना।

डेटा से पता चलता है कि मैग्नीशियम की कमी वाले लोग शारीरिक गतिविधि के दौरान ज़्यादा ऑक्सीजन का इस्तेमाल करते हैं - उनकी हृदय गति लगभग दस बीट प्रति मिनट बढ़ जाती है। फिजियोलॉजिस्ट हेनरी सी. लुकास्की कहते हैं, "जब स्वयंसेवकों में मैग्नीशियम की कमी थी, तो उन्हें कम-स्तर की गतिविधियाँ करने के लिए ज़्यादा ऊर्जा और ज़्यादा ऑक्सीजन की ज़रूरत थी, जबकि जब वे पर्याप्त मैग्नीशियम की स्थिति में थे, तो ऐसा नहीं था।"[168]

मैग्नीशियम हीम प्रोटीन से ऑक्सीजन के बंधन को बढ़ाता है।[169] संभवतः किसी प्रकार का मैग्नीशियम पंप होता है, जहाँ ऑक्सीजन लाल कोशिकाओं पर चढ़ता है, और मैग्नीशियम वापस लाल कोशिकाओं पर वापस कूदने के लिए नीचे कूदता है। लाल रक्त कोशिकाओं का एक अनूठा आकार होता है जिसे बाइकोनकेव डिस्क के रूप में जाना जाता है, जो ऑक्सीजन परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है। मैग्नीशियम लाल रक्त कोशिका के आकार और कार्य के लिए आवश्यक है। झिल्ली संरचनात्मक प्रोटीन के साथ कैल्शियम, मैग्नीशियम और एटीपी की परस्पर क्रिया मानव लाल रक्त कोशिकाओं को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।[170]

ध्यान दें कि शरीर ईर्ष्या से रक्त में मैग्नीशियम जमा करता है और मैग्नीशियम रक्त स्तर को बनाए रखने के लिए कोशिकाओं को अंधाधुंध चुरा लेता है। यही कारण है कि मैग्नीशियम रक्त परीक्षण हमें मैग्नीशियम कोशिका की स्थिति के बारे में कुछ नहीं बताते हैं।

आयोडीन और ऑक्सीजन.

यद्यपि डॉक्टर और लोग आमतौर पर आयोडीन को ऑक्सीजन से नहीं जोड़ते हैं,हमें यह देखना चाहिए कि आयोडीन-वाहक थायरॉयड हार्मोन ऑक्सीजन-आधारित चयापचय के लिए आवश्यक हैं। आयोडीन और थायरॉयड हार्मोन में वृद्धि से लाल रक्त कोशिका द्रव्यमान बढ़ता है और हीमोग्लोबिन से ऑक्सीजन पृथक्करण बढ़ता है।[171]

थायरॉयड हार्मोन एरिथ्रोपोएसिस पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं, जिससे लाल रक्त कोशिकाएं (एरिथ्रोसाइट्स) बनती हैं। हाइपोथायरायडिज्म और हाइपरथायरायडिज्म रक्त कोशिकाओं को प्रभावित करते हैं और अलग-अलग गंभीरता के साथ एनीमिया का कारण बनते हैं। थायरॉयड डिसफंक्शन और आयोडीन की कमी रक्त कोशिकाओं पर एरिथ्रोसाइटोसिस, ल्यूकोपेनिया, थ्रोम्बोसाइटोपेनिया और दुर्लभ मामलों में पैन्सीटोपेनिया जैसे प्रभाव उत्पन्न करती है। आयोडीन आरबीसी सूचकांकों को भी बदलता है जिसमें एमसीवी, एमसीएच, एमसीएचसी और आरडीडब्ल्यू शामिल हैं।

थायरॉइड हार्मोन ऑक्सीजन की खपत बढ़ाता है, माइटोकॉन्ड्रियल आकार, संख्या और महत्वपूर्ण माइटोकॉन्ड्रियल एंजाइम बढ़ाता है। इसका मतलब है कि आयोडीन प्लाज्मा झिल्ली Na-K ATPase गतिविधि को बढ़ाता है, व्यर्थ थर्मोजेनिक ऊर्जा चक्रों को बढ़ाता है और सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेस गतिविधि को कम करता है।

सल्फर और ऑक्सीजन.

एंजाइमों की उचित संरचना और जैविक गतिविधि के लिए हमें सल्फर की आवश्यकता होती है। यदि आपके शरीर में पर्याप्त मात्रा में सल्फर नहीं है, तो एंजाइम ठीक से काम नहीं कर सकते। यह कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, क्योंकि जैविक रूप से सक्रिय एंजाइमों के बिना, आपकी चयापचय प्रक्रियाएँ ठीक से काम नहीं कर सकती हैं। सल्फर कोशिका झिल्लियों में ऑक्सीजन के परिवहन को सक्षम बनाता है। चूँकि आवर्त सारणी में सल्फर ऑक्सीजन से ठीक नीचे है, इसलिए इन तत्वों में समान इलेक्ट्रॉन विन्यास होते हैं।

सल्फर कई यौगिक बनाता है जो ऑक्सीजन यौगिकों के अनुरूप होते हैं, और शरीर के ऊतकों पर इसका एक अनूठा प्रभाव होता है। यह कोशिका के अंदर दबाव को कम करता है। तरल पदार्थ और विषाक्त पदार्थों को हटाने में, सल्फर कोशिका झिल्ली को प्रभावित करता है। सल्फर सभी कोशिकाओं में मौजूद होता है और सोडियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम और सेलेनियम के साथ सल्फेट यौगिक बनाता है। कार्बनिक सल्फर न केवल भारी धातुओं को खत्म करता है बल्कि शरीर में सभी कोशिकाओं को पुनर्जीवित, मरम्मत और पुनर्निर्माण भी करता है। कोशिकाओं को उनकी ज़रूरत के हिसाब से ऑक्सीजन प्राप्त करने के लिए सल्फर बहुत ज़रूरी है।

कम ऑक्सीजन स्तर के अन्य कारण.

1. हवा में पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं है.
2. फेफड़ों द्वारा सांस लेने और सभी कोशिकाओं और ऊतकों तक ऑक्सीजन भेजने में असमर्थता।
3. रक्तप्रवाह का फेफड़ों तक संचारित होने, ऑक्सीजन एकत्र करने तथा उसे पूरे शरीर में पहुंचाने में असफल होना।

कई चिकित्सा स्थितियाँ और परिस्थितियाँ उपरोक्त कारकों में योगदान कर सकती हैं, जिनमें शामिल हैं:

1. अस्थमा, _
2. हृदय रोग, जिसमें जन्मजात हृदय रोग भी शामिल है। श्वसन और संचार प्रणाली मिलकर यह सुनिश्चित करती हैं कि फेफड़ों से रक्तप्रवाह में पर्याप्त ऑक्सीजन स्थानांतरित हो और उसके बाद शरीर में पहुंचाई जाए। संचार प्रणाली में समस्याएँ जो फेफड़ों के माध्यम से सामान्य रक्त प्रवाह में बाधा डालती हैं, हाइपोक्सिमिया का कारण बन सकती हैं।
3. अधिक ऊंचाई पर,
4. एनीमिया: लाल रक्त कोशिकाएं हीमोग्लोबिन वाहक अणु के माध्यम से फेफड़ों से शरीर के अंगों और ऊतकों तक ऑक्सीजन पहुंचाती हैं। लाल रक्त कोशिकाओं की कमी या एनीमिया, रक्त की ऑक्सीजन ले जाने की क्षमता को सीमित कर देता है, जिससे रक्तप्रवाह में कुल ऑक्सीजन की मात्रा कम हो सकती है।
5. क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज या सीओपीडी: फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोगों में गंभीर वेंटिलेशन-पर्फ्यूजन मिसमैच विकसित होता है, जिससे धमनी रक्त ऑक्सीजन का स्तर गंभीर रूप से कम हो जाता है।

यह CO2 की वायुमार्ग (ब्रांकाई और ब्रोन्किओल्स) को फैलाने की क्षमता के कारण होता है।

6. अंतरालीय फेफड़े की बीमारी,
7. वातस्फीति,
8. तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम या एआरडीएस,
9. न्यूमोनिया,
10. उदाहरण के लिए, रक्त के थक्के के कारण फेफड़े में धमनी का अवरोध
11. फुफ्फुसीय फाइब्रोसिस, या फेफड़ों में घाव और क्षति।
12. छाती में हवा या गैस की उपस्थिति जो फेफड़ों को संकुचित कर देती है।
13. फेफड़ों में अतिरिक्त तरल पदार्थ
14. स्लीप एप्निया जिसमें नींद के दौरान सांस लेने में रुकावट आती है।
15. कुछ दवाइयां, जिनमें कुछ नशीले पदार्थ और दर्द निवारक दवाएं शामिल हैं।

सूर्य के प्रकाश की कमी.

रक्त में ऑक्सीजन का उपयोग करने के लिए UV की आवश्यकता होती है। UV नाइट्रिक ऑक्साइड और रक्त वाहिकाओं की शिथिलता को बढ़ाता है। UV मुक्त एंडोथेलियल NOS/eNOS (वाहिकाओं/केशिकाओं में) और कुल न्यूरोनल NOS/nNOS (न्यूरॉन्स में) को बढ़ाता है और अन्य तरीकों (R) के माध्यम से नाइट्रिक ऑक्साइड को बढ़ाता है, जो ऑक्सीजन को ऊतकों में बेहतर तरीके से फैलने देता है। UV आपके रक्त वाहिकाओं को उन तंत्रों द्वारा भी शिथिल करता है जो NO (R) से स्वतंत्र हो सकते हैं।

निम्न रक्तचाप और खराब परिसंचरण।

रक्त ऑक्सीजन का परिवहन करता है; जब आपका रक्तचाप कम होता है, तो मस्तिष्क तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुँच पाती। याद रखें, गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध रक्त पंप करने के लिए आपको बल की आवश्यकता होती है, और जब आप सीधे खड़े होते हैं, तो गुरुत्वाकर्षण आपके विरुद्ध होता है। श्वसन और संचार प्रणाली मिलकर यह सुनिश्चित करती हैं कि फेफड़ों से रक्तप्रवाह में पर्याप्त ऑक्सीजन स्थानांतरित हो और बाद में शरीर में पहुँचाई जाए। इसलिए, संचार प्रणाली की समस्याएँ जो फेफड़ों के माध्यम से सामान्य रक्त प्रवाह में बाधा डालती हैं, हाइपोक्सिमिया का कारण बन सकती हैं।

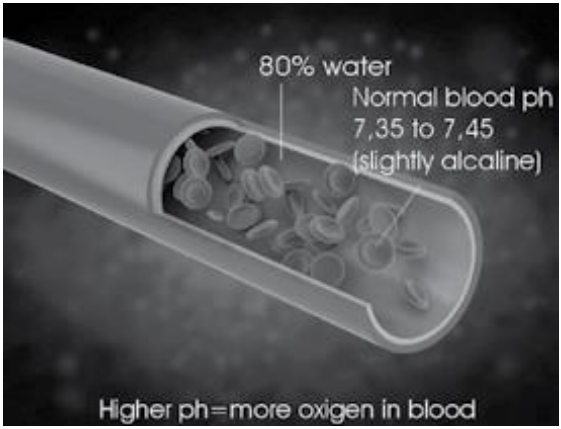
हैवी मेटल्स।

पारा जैसी भारी धातुएं हीमोग्लोबिन की संरचना को आसानी से प्रभावित करती हैं। सभी कार्सिनोजेन्स केशिका परिसंचरण को बिगाड़कर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से श्वसन को बाधित करते हैं, यह कथन इस तथ्य से सिद्ध होता है कि कोई भी कैंसर कोशिका बिना श्वसन में कमी के मौजूद नहीं होती। डॉ. जेरी टेनेंट कहते हैं, "यदि ऑक्सीजन का स्तर सामान्य है, तो ट्यूमर नहीं बढ़ सकता है, और ऑक्सीजन का स्तर वोल्टेज द्वारा नियंत्रित होता है।" वह कह सकते थे कि ऑक्सीजन का स्तर पीएच द्वारा नियंत्रित होता है या ऑक्सीजन का स्तर वोल्टेज को नियंत्रित करता है। यदि ऑक्सीजन बहुत कम है, तो माइटोकॉन्ड्रिया सेलुलर ऊर्जा को उच्च रखने के लिए पर्याप्त एटीपी नहीं बना सकता है।

निष्कर्ष।

हाइपोक्सिक परिस्थितियों में लाल रक्त कोशिकाएं सिकुड़ जाती हैं और कठोर हो जाती हैं[172]ऑक्सीजन परिवहन और वितरण में गिरावट की ओर अग्रसर। इसलिए, "ऊतक हाइपोक्सिया का शीघ्र पता लगाना और सुधार करना प्रगतिशील अंग शिथिलता और मृत्यु से बचने के लिए आवश्यक है। हालांकि, ऑक्सीजन वितरण के अव्यवस्थित क्षेत्रीय वितरण या सेलुलर ऑक्सीजन अवशोषण और उपयोग में व्यवधान के कारण व्यक्तिगत ऊतकों या अंगों में हाइपोक्सिया को वैश्विक माप से पहचाना नहीं जा सकता है। क्षेत्रीय ऑक्सीजन परिवहन और सेलुलर उपयोग की ऊतक कार्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब ऊतक हाइपोक्सिया की पहचान की जाती है, तो उपचार प्राथमिक कारण पर लक्षित होना चाहिए," डॉ. आरएम लीच, डीएफ ट्रेचर लिखते हैं।[173]

ऑक्सीजन, क्षारीयता और आपका स्वास्थ्य।



ऑक्सीजन ही जीवन है! हमारी पूरी दुनिया इसके इर्द-गिर्द घूमती है। मानव शरीर इसके बिना जीवित नहीं रह सकता। जब हम बीमार या रोगग्रस्त होते हैं, तो हमारे शरीर का pH स्तर आमतौर पर गिर जाता है, और हमारे सामान्य ऑक्सीजन स्तर में 15-20% की कमी आ जाती है। पूरा स्वास्थ्य जगत क्षारीयता पर निर्भर है, लेकिन क्या वे शरीर विज्ञान के उस मधुर बिंदु तक पहुँचने का सबसे अच्छा तरीका जानते हैं जहाँ हमारे ऊतकों का pH संतुलन में रहता है?

"उचित पीएच के बारे में वर्तमान जागरूकता और महत्व, और इसलिए अधिकांश लेखन और चर्चाएँ, केवल समग्र शरीर पीएच को समायोजित करने के लिए अलग-अलग प्रकार के भोजन या पानी के सेवन को विनियमित करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। वे बस सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व को अनदेखा करते हैं जिसका उपयोग शरीर लगातार पीएच को समायोजित करने के लिए करता है

मिस्टर ऑक्सीजन के नाम से मशहूर एड मैकबे ने लिखा, "प्रत्येक महत्वपूर्ण क्षेत्र में आवश्यकतानुसार इसका pH बनाए रखें।" उचित pH बनाने में सबसे महत्वपूर्ण कारक ऑक्सीजन को बढ़ाना है क्योंकि कोई भी अपशिष्ट या विषाक्त पदार्थ ऑक्सीजन के साथ मिले बिना शरीर से बाहर नहीं जा सकता है। आप जितने अधिक क्षारीय होंगे, आपके तरल पदार्थ उतनी ही अधिक ऑक्सीजन धारण कर सकते हैं। ऑक्सीजन चयापचय अपशिष्ट एसिड को बफर/ऑक्सीकृत भी करता है जिससे आप अधिक क्षारीय बने रहते हैं। 1912 में नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. एलेक्सिस कैरेल के अनुसार, "जीवन का रहस्य कोशिकाओं को भोजन और पोषण देना और उन्हें अपने अपशिष्ट और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने देना है।" 1931 और 1944 में नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. ओटो वारबर्ग ने कहा, "यदि हमारा आंतरिक वातावरण अम्लीय ऑक्सीजन से वंचित वातावरण से ऑक्सीजन से भरे क्षारीय वातावरण में बदल जाता है, तो वायरस, बैक्टीरिया और कवक जीवित नहीं रह सकते।"

ऑक्सीजन विघटन वक्र (ODC) की स्थिति सीधे pH, कोर बॉडी तापमान और कार्बन डाइऑक्साइड दबाव से प्रभावित होती है। वारबर्ग के अनुसार, कार्सिनोजेन्स, विषाक्तता और प्रदूषण की बढ़ी हुई मात्रा के कारण कोशिकाएँ ऑक्सीजन को कुशलतापूर्वक ग्रहण करने में असमर्थ हो जाती हैं। यह अत्यधिक अम्लता से जुड़ा है, जो मुख्य रूप से कम ऑक्सीजन की स्थिति में बनती है।

कोशिकाओं में विषाक्त पदार्थों की अधिकता, निम्न गुणवत्ता वाली कोशिका भित्ति जो पोषक तत्वों को कोशिकाओं में प्रवेश नहीं करने देती, श्वसन के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की कमी, खराब रक्त संचार, तथा जिस हवा में हम सांस लेते हैं उसमें ऑक्सीजन का निम्न स्तर, इन सब के कारण खतरनाक स्थितियां उत्पन्न होती हैं जो कैंसर को पनपने का मौका देती हैं।

चिकित्सा पद्धति में ऑक्सीजन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे शरीर की हर कोशिका इसी से काम करती है। हमें अपने रक्त में उचित मात्रा में ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है, अन्यथा हम बीमार हो सकते हैं और मर भी सकते हैं। हम दूसरी दवाओं का सहारा ले सकते हैं, लेकिन ऑक्सीजन से ज़्यादा कुछ भी हड्डियों को नुकसान नहीं पहुँचा सकता।

एनेली पोम्पे, एक प्रमुख पर्वतारोही और विश्व चैंपियन फ्री डाइवर के अनुसार, क्षारीय ऊतक अम्लीय ऊतकों की तुलना में 20 गुना अधिक ऑक्सीजन धारण कर सकते हैं। जब हमारे शरीर की कोशिकाएँ और ऊतक अम्लीय (6.5-7.0 के पीएच से नीचे) होते हैं, तो वे ऑक्सीजन का आदान-प्रदान करने की अपनी क्षमता खो देते हैं, और कैंसर कोशिकाओं को यह पसंद आता है।

खेल जगत के लोग वर्कआउट या एथलेटिक गतिविधियों से पहले सोडियम बाइकार्बोनेट (बेकिंग सोडा) को मौखिक रूप से लेने के लाभों को समझते हैं।

ऐसा करने से रक्त की ऑक्सीजन ले जाने की क्षमता बढ़ जाती है। प्रदर्शन में अंतर महसूस किया जा सकता है।

वर्तमान में, लोग क्षारीय बने रहने के लिए वाटर आयनाइजर और क्षारीय पानी तथा सर्वोत्तम स्वास्थ्य खाद्य पदार्थों पर निर्भर हैं। फिर भी, ये सभी क्षारीयता बढ़ाने के आवश्यक तरीके को आंशिक रूप से अनदेखा करते हैं। ये मशीनें और पानी सीधे तौर पर उस कारण को संबोधित नहीं करते हैं जिससे हम अम्लीय परिस्थितियों की ओर प्रवृत्त होते हैं। जब हमारे पास ऑक्सीजन और CO2 की मात्रा कम होती है, तो हम अम्लीय हो जाते हैं क्योंकि कम ऑक्सीजन की स्थिति में लैक्टिक एसिड उत्पन्न होता है।

पानी H+ और OH- में आयनित हो जाता है। जब H+ और OH- आयन बराबर संख्या में होते हैं, तो pH तटस्थ होता है। यदि H+ आयनों की संख्या अधिक है, तो पानी अम्लीय है। यदि OH- आयन प्रबल हैं, तो पानी क्षारीय है। अम्लीय पानी में H+ आयन मुक्त ऑक्सीजन के साथ बंध कर पानी के H2O अणु बनाते हैं। अम्लीय वर्षा से मछलियाँ मर जाती हैं - पानी में ऑक्सीजन कम होती है।

क्षारीय जल, अपने अनेक OH- आयनों के साथ, ऑक्सीजन से भरपूर होता है क्योंकि OH- आयन मिलकर H2O बनाते हैं और इस प्रक्रिया में ऑक्सीजन छोड़ते हैं। सात से कम pH मान को अम्लीय और सात से अधिक को क्षारीय माना जाता है। समग्र रूप से थोड़ा क्षारीय pH स्थिति बनाए रखना अच्छे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। यदि आपके शरीर का pH संतुलित नहीं है, तो आप विटामिन, खनिज, पूरक और भोजन को प्रभावी ढंग से आत्मसात नहीं कर सकते। यदि आपका pH बहुत अम्लीय है, तो आपके पास ऑक्सीजन की भी कमी है।

सॉफ्ट ड्रिंक जैसे अम्लीय पेय पदार्थ हमारे शरीर से ऑक्सीजन छीन लेते हैं, जबकि क्षारीय पेय पदार्थ जैसे क्षारीय पानी शरीर को ऑक्सीजन और बहुत ज़रूरी खनिजों से समृद्ध करते हैं। क्षारीय पानी मुक्त कणों को भी बेअसर करता है। क्षारीय पानी सबसे स्वास्थ्यप्रद पानी है।

कई लोग क्षारीय बने रहने के लिए अंतहीन संघर्ष करते हैं, क्योंकि वे अम्लीय विषाक्त पदार्थों को छोड़ने के लिए ऑक्सीजन के प्रत्यक्ष उपयोग पर ध्यान नहीं देते हैं और कम ऑक्सीजन की स्थिति के कारण प्रचुर मात्रा में लैक्टिक एसिड को हटाते हैं।

मेरा ध्यान सोडियम बाइकार्बोनेट के साथ शरीर को क्षारीय बनाने पर रहा है, जो शरीर के पीएच पर त्वरित नियंत्रण प्रदान करता है। सोडियम बाइकार्बोनेट पेट में कार्बन डाइऑक्साइड में बदल जाता है, जो हाइड्रोक्लोरिक एसिड स्रावित करता है

प्रतिक्रिया में, बाइकार्बोनेट को रक्तप्रवाह में ले जाया जाता है। कोशिकाओं तक ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने का एक तरीका बाइकार्बोनेट और $CO2$ सांद्रता को बढ़ाना, रक्त वाहिकाओं को फैलाना और अधिक ऑक्सीजन सुनिश्चित करना है।

अपर्याप्त ऑक्सीजन के साथ होने वाली चयापचय प्रतिक्रियाओं के कारण एसिडोसिस हो गया। इस प्रकार, ऊतकों का हाइपोक्सिया या खराब ऑक्सीजनेशन उच्च मृत्यु दर से जुड़ा हुआ है और इससे चेतना में कमी, हृदय अतालता और कुछ ही मिनटों में हृदय गति रुक सकती है। जब भी ऊतक ऑक्सीजनेशन में कमी आती है, जैसे कि सीओपीडी) क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) में होता है, तो पूरक ऑक्सीजन का संकेत दिया जाता है।[174]

ऑक्सीजन क्षारीयता को नियंत्रित करता है।

द मेटाबॉलिज्म ऑफ ट्यूमर में, वारबर्ग ने प्रदर्शित किया कि कैंसर के सभी रूपों की विशेषता दो आवश्यक स्थितियों से होती है: एसिडोसिस और हाइपोक्सिया (ऑक्सीजन की कमी)। ऑक्सीजन की कमी और एसिडोसिस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं: जहाँ आपके पास एक है, वहाँ दूसरा भी है।

केइची मोरीशिता ने अपनी पुस्तक हिडन ट्रुथ ऑफ कैंसर में लिखा है कि अगर रक्त अम्लीय होने लगे तो शरीर अतिरिक्त अम्लीय पदार्थों को कोशिकाओं में जमा कर देता है ताकि थोड़ी क्षारीय स्थिति बनी रहे। यह जमाव उन कोशिकाओं को और अधिक अम्लीय और विषाक्त बना देता है और उनके ऑक्सीजन के स्तर को कम कर देता है।

समय के साथ, उनका मानना है कि इन कोशिकाओं में अम्लीयता बढ़ती है और कुछ मर जाती हैं। ये मृत कोशिकाएँ स्वयं अम्ल में बदल जाती हैं। हालाँकि, इनमें से कुछ अम्लीय कोशिकाएँ उस वातावरण के अनुकूल हो सकती हैं। दूसरे शब्दों में, अम्लीय वातावरण में सामान्य कोशिकाओं की तरह मरने के बजाय, कुछ कोशिकाएँ असामान्य बनकर जीवित रहती हैं।

इन असामान्य कोशिकाओं को घातक कोशिकाएँ कहा जाता है। घातक कोशिकाएँ मस्तिष्क के कार्य से मेल नहीं खातीं और न ही हमारे अपने डीएनए मेमोरी कोड से। इसलिए, घातक कोशिकाएँ अनिश्चित काल तक और बिना किसी क्रम के बढ़ती रहती हैं। यह कैंसर है।

क्षारीय पानी (कोशिकाओं में मौजूद पानी सहित) बहुत ज़्यादा ऑक्सीजन धारण कर सकता है। अम्लीय पानी (या कोशिकाएँ) बहुत कम ऑक्सीजन धारण कर सकती हैं। इसलिए, आपकी कोशिकाएँ जितनी ज़्यादा अम्लीय होंगी, उनमें ऑक्सीजन की मात्रा उतनी ही कम होगी।

अगर रक्त पहले से ही बहुत अम्लीय है, तो शरीर को रक्त से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालना चाहिए और उन्हें कोशिकाओं में जमा करना चाहिए ताकि रक्त को उचित पीएच पर रखा जा सके। इसके अलावा, जब कोशिकाएं बहुत अम्लीय होती हैं तो वे खुद को डिटॉक्स करने के लिए रक्त में विषाक्त पदार्थों को नहीं छोड़ सकती हैं।

विषाक्त पदार्थों की अधिकता से कोशिकाएं अवरुद्ध हो जाती हैं, निम्न गुणवत्ता वाली कोशिका भित्ति पोषक तत्वों को कोशिकाओं में प्रवेश नहीं करने देती, श्वसन के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की कमी हो जाती है,खराब परिसंचरण और कम ऑक्सीजनेशन स्तर ऐसी स्थिति पैदा करते हैं जहाँ कोशिकाएँ अतिरिक्त लैक्टिक एसिड बनाती हैं और ऊर्जा का किण्वन करती हैं। लैक्टिक एसिड विषाक्त होता है और पड़ोसी सामान्य कोशिकाओं में $O2$ के परिवहन को रोकता है।[175]

निष्कर्ष।

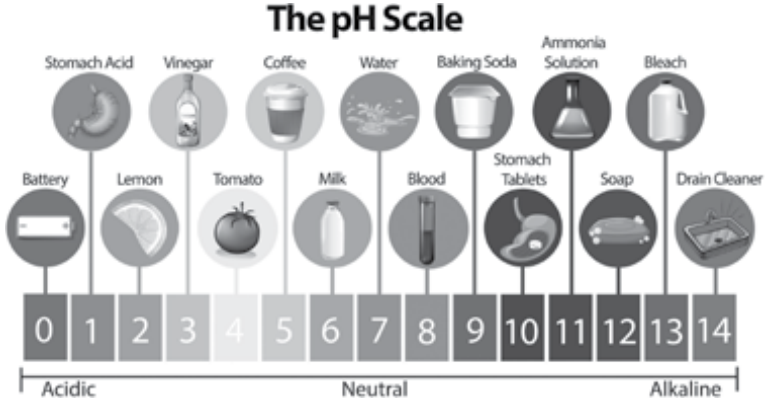
मानव शरीर की बनावट क्षारीय होती है, लेकिन काम करने के तरीके से अम्लीय। शरीर की हर जीवित कोशिका चयापचय अपशिष्ट बनाती है, जो अम्लीय होता है। हमारे भोजन से पोषक तत्व प्रत्येक कोशिका तक पहुँचते हैं; कोशिकाएँ ऑक्सीजन के साथ जलकर हमें जीवित रहने के लिए ऊर्जा प्रदान करती हैं। जले हुए पोषक तत्व चयापचय अपशिष्ट बन जाते हैं, लेकिन अपशिष्ट को पुनर्चक्रित किया जा सकता है और कार्बन डाइऑक्साइड में ऑक्सीजन के स्तर को संतुलित करने और बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

सभी अपशिष्ट उत्पाद एसिड होते हैं; शरीर मूत्र, पित्त और पसीने के माध्यम से अपशिष्ट को बाहर निकालता है। हमारा शरीर हर समय अपने द्वारा उत्पादित अपशिष्ट का 100% निपटान नहीं कर सकता है, जिससे विषाक्तता का भार बढ़ जाता है। उचित निष्कासन के बिना, एसिड अपशिष्ट उत्पाद ठोस अपशिष्ट बन जाते हैं, जैसे कि सूक्ष्म विषाक्त पदार्थ, विषाक्त पदार्थ, कवक, बैक्टीरिया और बलगम। ये हमारे रक्त, अंगों और ऊतकों में जमा हो जाते हैं। अपशिष्ट उत्पादों का यह संचय खनिजों और अन्य पोषक तत्वों की कमी को तेज करता है, बीमारी का कारण बनता है और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को तेज करता है। यह सब स्वस्थ ऑक्सीजन के स्तर को हाइपोक्सिक ऊतकों के गड्ढे में ले जाता है जो अंततः कैंसर बन जाते हैं।

कैंसर कोशिकाओं के चयापचय में सेलुलर प्रसार (माइटोसिस) के लिए 6.5 और 7.5 के बीच एक बहुत ही संकीर्ण पीएच सहनशीलता होती है। इस प्रकार, यदि आप आंतरिक कैंसर कोशिका पीएच को कम या बढ़ाकर कैंसर कोशिका चयापचय में हस्तक्षेप कर सकते हैं, तो आप सैद्धांतिक रूप से कैंसर की प्रगति को रोक सकते हैं।[176] अपनी पुस्तक सोडियम बाइकार्बोनेट में, मैंने यह पता लगाया है कि बेकिंग सोडा कैंसर के लिए सबसे उपयोगी दवाओं में से एक क्यों है। पुस्तक का मूल उपशीर्षक था अमीर आदमी का गरीब आदमी का कैंसर उपचार, और यह सबसे कम खर्चीली और तुरंत असर करने वाली दवा है।

कम ऑक्सीजन की स्थिति (एसिडोसिस) से हृदय संबंधी क्षति होती है। वजन बढ़ना, मोटापा और मधुमेह। मूत्राशय की स्थिति। गुर्दे की पथरी। प्रतिरक्षा की कमी। मुक्त कणों से होने वाले नुकसान में तेजी। हार्मोनल समस्याएं। समय से पहले बुढ़ापा। ऑस्टियोपोरोसिस और जोड़ों का दर्द। मांसपेशियों में दर्द और लैक्टिक एसिड का निर्माण। कम ऊर्जा और लगातार थकान। शरीर का कम तापमान। संक्रमण होने की प्रवृत्ति। प्रेरणा, खुशी और उत्साह की कमी। अवसादग्रस्त प्रवृत्ति। आसानी से तनावग्रस्त होना। रंगत का पीला पड़ना। सिरदर्द। कॉर्निया और पलकों की सूजन। ढीले और दर्दनाक दांत। संवेदनशील मसूड़ों में सूजन। मुंह और पेट के अल्सर। होठों के कोनों में दरारें। पेट में अत्यधिक एसिड। गैस्ट्राइटिस। नाखून पतले होते हैं और आसानी से टूट जाते

एसिड बॉडीज; एसिड कैंसर.



कैंसर में दुष्ट कोशिकाओं और आस-पास के ऊतकों के बीच परस्पर क्रिया शामिल होती है। डॉ. मीना बिसेल का यह स्पष्ट संदेश है। आस-पास की कोशिकाओं और आस-पास के बाह्यकोशिकीय मैट्रिक्स का स्वास्थ्य या बीमारी कैंसर कोशिका के व्यवहार जैसे ध्रुवता, प्रवास और प्रसार को आकार देने के लिए परस्पर क्रिया करते हैं।

कैंसर कोशिकाएँ आमतौर पर ज़्यादातर लोगों के शरीर में कम वोल्टेज, कम ऑक्सीजन और अम्लीय पीएच वाले क्षेत्रों में बनती हैं। निष्कर्ष: जितनी ज़्यादा अम्लीय परिस्थितियाँ होंगी, कैंसर उतना ही ज़्यादा आक्रामक होगा। हाइपोक्सिया और बाह्यकोशिकीय अम्लता सेलुलर माइक्रोएनवायरनमेंट और कैंसर के प्रसार से गहराई से जुड़ी हुई हैं।

जल पर pH पर ऑक्सीजन का प्रत्यक्ष प्रभाव नगण्य है, तापमान में परिवर्तन से भी कम; तथापि, अप्रत्यक्ष प्रभाव बहुत अधिक हैं।

पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन के बिना, कोशिकाएं खुद को डिटॉक्सीफाई नहीं कर सकती हैं, इसलिए एसिड का निर्माण होता है। पर्याप्त ऑक्सीजन के बिना, कोशिकाएं जीवित रहने के लिए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के रूप में किण्वन की ओर मुड़ जाती हैं, जो लैक्टिक एसिड बनाकर अम्लता का निर्माण करती है। पर्याप्त ऑक्सीजन के बिना, कोशिकाएं कैंसरग्रस्त हो जाती हैं, या वे मर जाती हैं।

रासायनिक सूत्रों में "पीएच" शब्द का प्रयोग उपस्थिति को इंगित करने के लिए किया जाता हैहाइड्रोजन का। इस सूत्र में "H" का अर्थ हाइड्रोजन है, ठीक वैसे ही जैसे "H2O" में "H" पानी में हाइड्रोजन की उपस्थिति का संकेत देता है - हाइड्रोजन के दो परमाणु और ऑक्सीजन का एक परमाणु।

एक अत्यधिक अम्लीय घोल में क्षारीय घोल की तुलना में एक सौ ट्रिलियन गुना अधिक हाइड्रोजन आयन हो सकते हैं। इन विशाल संख्याओं से निपटने के लिए, वैज्ञानिक एक लघुगणकीय पैमाने का उपयोग करते हैं जिसे pH स्केल के रूप में जाना जाता है। पैमाने पर प्रत्येक संख्या घोल में हाइड्रोजन आयनों की सांद्रता में 10 गुना परिवर्तन को दर्शाती है। अपने आणविक रूप में हाइड्रोजन और H- आयन स्वस्थ हैं, लेकिन वे सभी H+ आयन एक कुतिया हैं।

सामान्य तौर पर, हाइड्रॉक्सिल आयन सांद्रता में वृद्धि से ऑक्सीजन की खपत बढ़ जाती है। उच्च पीएच का मतलब है ऑक्सीजन की उच्च सांद्रता, जबकि कम पीएच का मतलब है ऑक्सीजन की कम सांद्रता।

pH को 4.0 pH से 5.0 pH तक बढ़ाने से द्रव में ऑक्सीजन के अणु दस गुना बढ़ जाते हैं। प्रत्येक पूर्ण संख्या फिर से दस गुना बढ़ जाती है, इसलिए
4.0 पीएच से 6.0 पीएच तक ऑक्सीजन 100 गुना बढ़ जाती है, और पीएच को 6.0 पीएच तक बढ़ाने से ऑक्सीजन 100 गुना बढ़ जाती है।
4.0 पीएच से 7.0 तक ऑक्सीजन का स्तर 1,000 गुना बढ़ जाता है।

पीएच एक तरल पदार्थ में ऑक्सीजन से हाइड्रोजन के अनुपात का माप है, जो 14 (बहुत अधिक ऑक्सीजन - या क्षारीय) से लेकर 1 (बहुत अधिक हाइड्रोजन - या अम्लीय) तक होता है। बिल फर लिखते हैं, "यदि आप अपनी कोशिकाओं को मिनी वैन के रूप में सोचते हैं, जिसमें दस यात्री होते हैं, जब तक उनमें से सात ऑक्सीजन वाले होते हैं, और केवल तीन हाइड्रोजन वाले होते हैं, तो सभी स्वस्थ और खुश रहेंगे। यह तब तक है जब तक आप तय नहीं करते कि आपको कोक चाहिए, सब्जियों के बजाय कुछ तले हुए या प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ चाहिए, और इस तरह से खाना जारी रखें। जल्द ही, सभी हाइड्रोजन आयन यात्री वैन से ऑक्सीजन अणुओं को बाहर धकेल देते हैं, और आपका पीएच स्तर गिरना शुरू हो जाता है। अब, आपका शरीर ऑक्सीजन लेने के लिए बेताब हो जाता है, लेकिन केवल हाइड्रोजन की पेशकश की जाती है, जिससे पीएच स्केल अम्लीय हो जाता है। फिर

ये हाइड्रोजन यात्री अपने दोस्तों को पार्टी में आमंत्रित करना शुरू कर देते हैं। ये दोस्त कैंसर, अनिद्रा, जीवाणु संक्रमण, खाद्य एलर्जी हैं, और यह सूची बहुत लंबी है।"

अम्लीय पीएच एसिड बनाने वाले आहार से हो सकता है जो सभी आवश्यक खनिज प्रदान नहीं करता है, भावनात्मक तनाव, विषाक्त अधिभार, प्रतिरक्षा अति-प्रतिक्रिया, या कोई भी प्रक्रिया जो कोशिकाओं को ऑक्सीजन और अन्य पोषक तत्वों से वंचित करती है। सामान्य शरीर की कोशिकाएँ लैक्टिक एसिड बनाती हैं जब उनकी ऑक्सीजन काट दी जाती है या उनकी श्वसन कम हो जाती है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि जबरदस्ती कसरत के दौरान, रक्त का लैक्टिक एसिड बढ़ जाता है। इस मामले में, मांसपेशियों की कोशिकाओं में ऑक्सीजन का प्रसार मांसपेशियों की ऑक्सीजन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है।

रक्त का pH महत्वपूर्ण होता है क्योंकि CO2 सांद्रता यह निर्धारित करने में मदद करती हैपीएच. कार्बन डाइऑक्साइड पानी के साथ प्रतिक्रिया करके कार्बोनिक एसिड बनाता है; यह प्रतिक्रिया हमारे रक्त में पाए जाने वाले एक एंजाइम द्वारा उत्प्रेरित या त्वरित होती है जिसे कार्बोनिक एनहाइड्रेज़ कहा जाता है। कार्बोनिक एनहाइड्रेज़ हाइड्रोजन आयन खोकर बाइकार्बोनेट बन जाता है, और यह बदले में हाइड्रोजन आयन खोकर कार्बोनेट आयन बन जाता है।

प्रतिक्रियाओं की यह शृंखला दोतरफ़ा होती है। कार्बोनेट हाइड्रोजन आयन को बाइकार्बोनेट में बदल सकता है और इसके विपरीत। pH किसी घोल में हाइड्रोजन आयन की सांद्रता का माप है, इसलिए प्रतिक्रियाओं की यह शृंखला हमारे रक्त pH को बनाए रखने या बफर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है - जितने ज़्यादा सकारात्मक हाइड्रोजन आयन होंगे, उतनी ही कम ऑक्सीजन होगी।

हेंडरसन-हसेलबाल्च समीकरण से पता चलता है कि pH का निर्धारण बेस (HCO3–) सांद्रता और एसिड (H2CO3) सांद्रता के अनुपात से होता है, क्योंकि हाइड्रोजन आयन बाइकार्बोनेट बफर में जोड़े जाते हैं।

$$H+ \text{ प्लस } HCO3 = H2CO3$$

इस प्रकार, बाइकार्बोनेट (बेस) का उपभोग किया जाता है (सांद्रता कम हो जाती है), और कार्बोनिक एसिड का उत्पादन होता है (सांद्रता बढ़ जाती है)। हाइड्रोजन आयनों को जोड़ना जारी रखें; अंततः सभी बाइकार्बोनेट का उपभोग किया जाता है (कार्बोनिक एसिड में परिवर्तित हो जाता है), और कोई बफरिंग प्रभाव नहीं होगा - यदि अधिक एसिड जोड़ा जाता है तो पीएच तेजी से गिरता है।

हालांकि, यदि कार्बोनिक एसिड को प्रणाली से लगातार हटाया जा सके और बाइकार्बोनेट को लगातार पुनर्जीवित किया जा सके, तो हाइड्रोजन आयनों के निरंतर जुड़ने के बावजूद बफरिंग क्षमता और, परिणामस्वरूप, pH को बनाए रखा जा सकता है।

महत्वपूर्ण पीएच.

थोड़ी सी अम्लता ऑक्सीकरण को कम करती है, और क्षारीयता में वृद्धि ऑक्सीकरण दर को काफी हद तक बढ़ा देती है। वारबर्ग, मैकक्लेंडन और मिशेल ने दिखाया कि हाइड्रॉक्सिल आयन सांद्रता में वृद्धि से ऑक्सीजन की खपत बढ़ जाती है। पीएच बढ़ने के साथ ऊतकों में ऑक्सीजन की खपत बढ़ जाती है।[177]

हमारे रक्त का pH इसमें मौजूद बाइकार्बोनेट और हीमोग्लोबिन की वजह से बहुत ही संतुलित रहता है। यही कारण है कि हमारे रक्त का pH एक सीमित सीमा में रहता है। चूँकि हमारी कोशिकाएँ शर्करा को तोड़ते समय कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ती हैं, इसलिए आपके ऊतकों में बहने वाले रक्त में कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बोनिक एसिड की सांद्रता आपके फेफड़ों में मौजूद रक्त की तुलना में अधिक होती है, जहाँ कार्बन डाइऑक्साइड अपेक्षाकृत कम होती है। नतीजतन, फेफड़ों में रक्त का pH लगभग 7.6 पर अपेक्षाकृत स्थिर रहता है, जबकि ऊतकों में रक्त का pH 7.2 के करीब होता है। pH में इस मामूली अंतर के महत्वपूर्ण परिणाम होते हैं।

कम ऑक्सीजन अम्लीय स्थिति के संकेत.

उचित pH बनाने में आवश्यक कारक ऑक्सीजन को बढ़ाना है।आपके शरीर का pH सही नहीं है क्योंकि ऑक्सीजन की कमी है; उस स्थिति में, आप विटामिन, खनिज, पूरक और भोजन को प्रभावी ढंग से आत्मसात नहीं कर सकते। यही कारण है कि, अच्छे आहार के साथ भी, अक्सर बीमारी की स्थिति से बाहर निकलना मुश्किल होता है। हमारे शरीर का pH हर चीज को प्रभावित करता है, जिसमें ऑक्सीजन का परिवहन और कोशिकाओं तक पहुंचाना भी शामिल है।

एड मैककेब, जिन्हें मिस्टर ऑक्सीजन के नाम से जाना जाता है, ने लिखा, "क्षारीयता और ऑक्सीजन एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। स्वस्थ, जीवित रहना और ऊर्जा के लिए भोजन जलाना, इसमें अरबों छोटी कोशिकाओं द्वारा ऊर्जा बनाने की निरंतर प्रक्रिया शामिल है।

रासायनिक अभिक्रियाएँ जो हमारे शरीर में लगातार अपशिष्ट अम्ल उत्पन्न करती हैं। अपशिष्ट अम्लों को जितनी जल्दी हम बनाते हैं, उतनी ही तेजी से उनकी निरंतर सफाई अच्छे स्वास्थ्य के लिए सर्वोपरि है। हमारे शरीर को जीवित रहने के लिए क्षारीय या अम्लीय पीएच के बीच उचित संतुलन बनाए रखना चाहिए।"

सावधान रहें.

कुछ लोग मानव स्वास्थ्य और बीमारी की पूरी एसिड-क्षारीय कहानी को झुठलाने की कोशिश करते हैं, कहते हैं, "क्योंकि कैंसर कोशिका लैक्टिक एसिड का उत्पादन कर रही है, इसका मतलब यह नहीं है कि पूरा शरीर अम्लीय हो जाता है। शरीर में जाँच और संतुलन का एक बहुत ही सख्त सेट है, जो आपके रक्त (यानी, शरीर) के पीएच को 7.35 - 7.45 या तटस्थ के बीच रखता है। आपके द्वारा खाए जाने वाले भोजन से किसी के रक्त के पीएच को महत्वपूर्ण रूप से बदलना भी असंभव है। इसलिए, अम्लता या क्षारीयता के लिए आपकी लार की जाँच करना आपके शरीर के वास्तविक पीएच संतुलन (रक्त में) का सटीक माप नहीं है।" फिर भी, यह शरीर के बाकी हिस्सों के संतुलन की स्थिति का अंदाजा देता है।

निष्कर्ष।

कोई भी अपशिष्ट या विषाक्त पदार्थ ऑक्सीजन के साथ मिले बिना शरीर से बाहर नहीं निकल सकता है, इसलिए यदि आपको पर्याप्त $O2$ नहीं मिल रहा है तो आप अधिक विषाक्त हो जाते हैं। जितने अधिक विषाक्त पदार्थ, उतनी ही कम ऑक्सीजन, जितनी कम ऑक्सीजन, उतनी अधिक अम्लता, और उतनी ही अधिक विषाक्तता बनती है। बहुत अधिक संचित अपशिष्ट विषाक्त पदार्थों और एसिड वाला शरीर अस्वस्थ और अक्सर दर्दनाक होता है। जैसा कि आसानी से देखा और महसूस किया जा सकता है - इसका एक उदाहरण है जब हम व्यायाम के बाद दर्द महसूस करते हैं। यह दर्द पूरी तरह से हमारी मांसपेशियों में लैक्टिक एसिड के अत्यधिक संचय के कारण होता है। यह बस निकाले जाने का इंतजार कर रहा है। कुछ मिनटों, घंटों या दिनों में, शरीर अपने संसाधनों को जुटा लेता है और लैक्टिक एसिड को बफर कर देता है - और दर्द दूर हो जाता है।

कैंसर के कारण कैंसर वाली जगह के आसपास लैक्टिक एसिड का अत्यधिक संचय होता है, जिससे आस-पास की अन्य कोशिकाएँ विकृत हो जाती हैं। कुछ लोग सोडियम बाइकार्बोनेट के साथ क्षारीयता बढ़ाकर एसिड-ईंधन वाले कैंसर के इस बढ़ते क्रम को हटा देते हैं।

ऑक्सीजन खतरनाक हो सकती है लेकिन महत्वपूर्ण है।

हालांकि यह आम तौर पर सुरक्षित है, लेकिन ऑक्सीजन थेरेपी में जटिलताओं का जोखिम होता है जो जीवन के लिए खतरा हो सकता है और/या दुर्लभ मामलों में स्थायी या दीर्घकालिक विकलांगता का कारण बन सकता है। कनाडा के नए शोध के अनुसार, दुनिया भर में हर दिन लाखों रोगियों को ऑक्सीजन दी जाती है, लेकिन इसकी अधिकता हानिकारक हो सकती है। अप्रैल 2018 में द लैंसेट में प्रकाशित, प्रस्तुत साक्ष्य से पता चलता है कि पूरक ऑक्सीजन, जब गंभीर रूप से बीमार रोगियों को उदारतापूर्वक दी जाती है, तो सेप्सिस, स्ट्रोक, कार्डियक अरेस्ट और आघात या आपातकालीन सर्जरी की आवश्यकता वाले लोगों में मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है।

ज़्यादातर लोगों का मानना है कि ऑक्सीजन थेरेपी नुकसानदेह नहीं है, जबकि ऐसा नहीं है।चिकित्सा वैज्ञानिकों ने निष्कर्ष निकाला है कि अत्यधिक ऑक्सीजन के साथ इलाज किए गए प्रत्येक 71 रोगियों के लिए अस्पताल में एक अतिरिक्त मृत्यु होती है, जो ऑक्सीजन के साथ बहुत अधिक उदारता से दूर जाने की आवश्यकता का सुझाव देता है, "अध्ययन के प्रमुख लेखक, मैकमास्टर विश्वविद्यालय के एक क्लिनिकल फेलो डॉ डेरेक चू ने कहा।

अध्ययन में पाया गया कि ऑक्सीजन के पूरक उपयोग से संक्रमण में कोई कमी
नहीं आई।
इससे मरीज के अस्पताल में रहने की अवधि में कोई सुधार नहीं हुआ।
तथा स्ट्रोक या मस्तिष्क की चोट से पीड़ित मरीजों की विकलांगता के स्तर में कोई सुधार नहीं हुआ।

1947 में, ब्रिटिश सेना ने पाया कि पानी के नीचे किए गए शोध के कारण ऑक्सीजन विषाक्त (ऑक्सीजन विषाक्तता) हो सकती है। उसी अध्ययन में पाया गया कि नाइट्रोजन (हवा का 78%) नाइट्रोजन नारकोसिस का कारण बनता है। ऑक्सीजन विषाक्तता एक ऐसी स्थिति है जो आंशिक दबाव में आणविक ऑक्सीजन को सांस लेने के हानिकारक प्रभावों से उत्पन्न होती है। इसे ऑक्सीजन विषाक्तता सिंड्रोम, ऑक्सीजन नशा और ऑक्सीजन विषाक्तता के रूप में भी जाना जाता है। गंभीर मामलों में कोशिका क्षति और मृत्यु हो सकती है, जिसका प्रभाव अक्सर केंद्रीय तंत्रिका तंत्र, फेफड़े और आंखों में देखा जाता है।

आंशिक ऑक्सीजन दबाव में वृद्धि के परिणामस्वरूप हाइपरॉक्सिया होता है, जो शरीर के ऊतकों में ऑक्सीजन की अधिकता है। एक्सपोजर के प्रकार के आधार पर शरीर विविध तरीकों से प्रभावित होता है। केंद्रीय तंत्रिका तंत्र विषाक्तता वायुमंडलीय दबाव से अधिक उच्च आंशिक ऑक्सीजन दबाव के कम समय के संपर्क के कारण होती है। मानक दबाव पर बढ़े हुए ऑक्सीजन स्तरों के लंबे समय तक संपर्क से फुफ्फुसीय और नेत्र विषाक्तता होती है। लक्षणों में भटकाव, सांस लेने में समस्या और मायोपिया जैसे दृष्टि परिवर्तन शामिल हो सकते हैं। सामान्य से अधिक ऑक्सीजन आंशिक दबाव के लंबे समय तक संपर्क, या बहुत अधिक आंशिक दबाव के कम समय के संपर्क से कोशिका झिल्लियों को ऑक्सीडेटिव क्षति, फेफड़ों में एल्वियोली का पतन, रेटिना का अलग होना और दौरे पड़ सकते हैं।

डॉ. चू कहते हैं, "उत्तरी अमेरिका या पूरी दुनिया में ऑक्सीजन के इस्तेमाल के बारे में कोई स्पष्ट सहमति नहीं है," इसका मतलब है कि अस्पतालों में इस्तेमाल की जाने वाली सबसे ज़्यादा निर्धारित दवा के बारे में काफ़ी चिकित्सा अज्ञानता है। जाहिर है, जैसा कि ऑक्सीजन सिलेंडर के सभी निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं ने दिखाया है, CO2 हमेशा इसलिए डाली जाती है क्योंकि CO2 ऑक्सीजन को सुरक्षित बनाती है, जैसा कि इस किताब में कई बार बताया गया है। उपशीर्षक दवा के भविष्य और ऑक्सीजन के सुरक्षित प्रशासन को दर्शाता है - ऑक्सीजन को हाइड्रोजन और CO2 के साथ मिलाना।

*हाइड्रोजन चिकित्सा*चिकित्सा की दुनिया में यह अपेक्षाकृत नया है। यह डॉक्टरों को फार्मास्युटिकल मेडिसिन के अंधकार युग से बाहर निकालेगा और गंभीर बीमारी की सर्जरी में सुरक्षा और प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए मेडिकल गैसों का उपयोग कैसे किया जाना चाहिए, इस बारे में नई समझ को जन्म देगा।

हृदय रोग विशेषज्ञ जॉन विलियम मैकएवॉय का मानना है कि इन परिणामों से पूरक ऑक्सीजन के बारे में दिशा-निर्देशों पर पुनर्विचार होगा, जिसमें अंत में हमेशा ऑक्सीजन के साथ हाइड्रोजन मिलाना शामिल होना चाहिए। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के सहायक प्रोफेसर मैकएवॉय ने कहा कि नया शोध उनके कोरोनरी केयर यूनिट में ऑक्सीजन देने के तरीके को बदल देगा। "यह निश्चित रूप से एक अभ्यास-परिवर्तनकारी अध्ययन है। मैंने बहुत सारे शोधपत्र और मेटा-विश्लेषण पढ़े हैं, और यह उन कुछ में से एक है जो मुझे लगता है कि वास्तव में ऑक्सीजन के बारे में हमारी सोच को बदलना चाहिए।"

ऑक्सीजन अक्सर इसलिए दी जाती है क्योंकि इसे व्यापक रूप से सुरक्षित माना जाता है और इसे हानिकारक पदार्थ नहीं माना जाता है। अतिरिक्त ऑक्सीजन देने का सबसे आम कारण फेफड़ों की बीमारी या ऑक्सीजन की कमी वाले अल्पकालिक सांस के रोगियों के लिए है। "यह बस आम बात है - एक पारंपरिक प्रथा मैकएवॉय ने कहा, "हम उन्हें कुछ अतिरिक्त ऑक्सीजन देते हैं क्योंकि वे आईसीयू में हैं, उन्हें ट्यूब लगाई गई है, और हमें नहीं लगता कि यह हानिकारक है।" यह आम बात है क्योंकि ऐसा होना चाहिए; ज़्यादातर गंभीर रूप से बीमार लोगों को ऑक्सीजन की कमी होती है, जो कैंसर के रोगियों के लिए दोगुनी है। ऑक्सीजन देने का सबसे अच्छा तरीका क्या है, इस पर निर्णय लेने की ज़रूरत है, जिसे यह पुस्तक अपने मुख्य बिंदुओं में से एक के रूप में संबोधित करती है।

ऑक्सीजन एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है.

कई वर्षों से, वातावरणसी ऑक्सीजन (O2) गिरा दिया गया हैजीवाश्म ईंधन के जलने से CO2 की मात्रा में होने वाली वृद्धि की तुलना में यह वृद्धि 2 से 4 गुना अधिक है, जो 2002-2003 से बढ़ रही है। इसके साथ ही, दुनिया भर में महासागरों में ऑक्सीजन का स्तर गिर रहा है।

यह स्पष्ट होता जा रहा है कि CO2 से छुटकारा पाना ही पर्याप्त नहीं है; ऑक्सीजन की अपनी गतिशीलता है; वायुमंडलीय O2 में तेजी से हो रही गिरावट को भी संबोधित किया जाना चाहिए। हालाँकि वायुमंडल में CO2 की तुलना में O2 बहुत अधिक है -
O2 का 20.95 प्रतिशत (209,460 पीपीएम) और CO2 का लगभग 400 पीपीएम - मनुष्य, सभी स्तनधारी, पक्षी, मेंढक, तितली, मधुमक्खियां और अन्य वायु-श्वास जीव अपने स्वास्थ्य के लिए ऑक्सीजन के इस उच्च स्तर पर निर्भर करते हैं। मनुष्यों में, ऑक्सीजन ऊर्जा चयापचय की विफलता कैंसर और सहित पुरानी बीमारियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण जोखिम कारक है।

मृत्यु। स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए बंद स्थानों में 'ऑक्सीजन की कमी' का स्तर वर्तमान में 19.5 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। इससे कम होने पर बेहोशी और मृत्यु हो सकती है।

ऑक्सीजन की कमी का निदान करना मुश्किल नहीं है। रक्त में ऑक्सीजन के स्तर को देखने के लिए बस एक सस्ता ऑक्सीमीटर अपनी उंगली पर पहनना होता है। कोई अपनी सांस लेने की दर भी गिन सकता है, क्योंकि जितनी तेज़ी से कोई व्यक्ति सांस लेता है, उतनी ही अधिक CO2 बाहर निकलती है, ऑक्सीजन का स्तर उतना ही कम होता है। जब कोई व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार हो या कैंसर से पीड़ित हो, तो वह कम ऑक्सीजन के स्तर से उबरे बिना कभी ठीक नहीं हो सकता। रोगियों और चिकित्सकों दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण बात यह है कि शरीर के सिर्फ़ एक हिस्से में ऑक्सीजन का स्तर खतरनाक रूप से कम हो सकता है जबकि बाकी हिस्सा सामान्य रहता है। कैंसर के मरीज़ के रक्त में ऑक्सीजन का स्तर अधिक हो सकता है (जिसकी जांच ऑक्सीमीटर करता है), लेकिन प्रोस्टेट ग्रंथि या मलाशय के ऊतकों या किसी के पैर की उंगलियों में ऑक्सीजन का स्तर कम हो सकता है।

जैसे-जैसे साल बीतते जाएंगे ऑक्सीजन थेरेपी और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी; यह पहले से ही कई लोगों के लिए एक गंभीर मुद्दा है। यह नवजात शिशुओं और शिशुओं के लिए उतना ही सच है जितना कि पुरानी बीमारी से पीड़ित वृद्ध लोगों के लिए। इसलिए, यह समझना ज़रूरी है कि ऑक्सीजन को किस तरह से प्रशासित किया जा सकता है जिससे मृत्यु का जोखिम न बढ़े।

हेऑक्सीजन को अस्पताल में वर्तमान में इस्तेमाल किए जा रहे तरीके से अलग तरीके से सुरक्षित तरीके से दिया जा सकता है। उपरोक्त शोध ऑक्सीजन प्रशासन में बदलावों की ओर इशारा करता है, लेकिन डॉक्टरों और चिकित्सा संस्थानों को नहीं पता कि कौन से बदलाव करने हैं। अपनी पुस्तक एंटी-इंफ्लेमेटरी ऑक्सीजन थेरेपी में, मैं ऑक्सीजन थेरेपी (EWOT) के साथ व्यायाम का समर्थन करता हूं, जो CO2 में भारी वृद्धि के कारण सुरक्षित है। CO2 के बिना ऑक्सीजन घातक है, और फिर भी ऑक्सीजन के अस्पताल उपयोग के उपरोक्त अध्ययन में, CO2 को एक महत्वपूर्ण कारक नहीं माना जाता है।

हमारे शरीर में कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) का स्तर ही हमारी सांसों को नियंत्रित करता है। जब कार्बन डाइऑक्साइड एक निश्चित स्तर तक पहुँच जाता है, तो आपके मस्तिष्क के तने में श्वास केंद्र सांस लेने वाली मांसपेशियों को एक संकेत भेजता है, जिससे साँस अंदर लेना शुरू हो जाता है। हम कार्बन डाइऑक्साइड बाहर निकालते हैं, और एक नया श्वास चक्र शुरू होता है। जब आप सांस लेते हैं तो आपके शरीर में कार्बन डाइऑक्साइड लगातार बनती रहती है; आप जमा हुई CO2 को बाहर निकालते हैं। हम जितने ज़्यादा सक्रिय होते हैं

जितना ज़्यादा कार्बन डाइऑक्साइड बनता है, उतना ज़्यादा कार्बन डाइऑक्साइड बनता है। यही कारण है कि जब हम बाहर जॉगिंग करते हैं तो हम ज़्यादा सांस लेते हैं, बजाय सोफे पर बैठकर आराम करने के।

EWOT सुरक्षित है लेकिन ICU, सर्जरी या आपातकालीन कक्षों के लिए व्यावहारिक नहीं है। सिंगलेट ऑक्सीजन प्रशासन और ओजोन ऑक्सीजन थेरेपी को पुस्तक के अंत में पेश किया गया है, सिंगलेट ऑक्सीजन सुरक्षित है क्योंकि अधिक ऑक्सीजन की खपत नहीं होती है।

हाइड्रोजन कई कारणों से ऑक्सीजन को सुरक्षित बनाता है। सबसे पहले, हाइड्रोजन की मौजूदगी में हमें उपचार के लिए कम ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। यह इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि समुद्र तल से 2000 फीट नीचे गोताखोर 96 प्रतिशत हाइड्रोजन और केवल 4 प्रतिशत ऑक्सीजन सांस के साथ लेते हैं। हाइड्रोजन शरीर के ऑक्सीजन उपयोग में निहित ऑक्सीडेटिव आग को बुझाता है, जिससे सबसे खतरनाक मुक्त कणों को पानी में बदल दिया जाता है।

कोशिकाओं में ऑक्सीजन बढ़ाने के मेरे पसंदीदा तरीकों में से एक है सांस को धीमा करना, जिससे रक्त में CO2/बाइकार्बोनेट बढ़ जाता है। दूसरा तरीका है सोडियम बाइकार्बोनेट का उपयोग करना, जिससे ऑक्सीजन लगभग तुरंत बढ़ जाती है।

मैंने अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी के बारे में लिखा है*ऑक्सीजन थेरेपी*पुस्तक, और यह सही तरीके से उपयोग किए जाने पर सुरक्षित है। फिर भी हम पढ़ते हैं: "हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी के दौरान अचानक मृत्यु: दुर्लभ, लेकिन ऐसा हो सकता है।"[178] उस क्लिनिक के पूर्व चिकित्सा निदेशक, जहां 2009 में एक हाइपरबेरिक चैंबर विस्फोट में चार वर्षीय लड़के और उसकी दादी की मौत हो गई थी, को दो साल की नजरबंदी की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, चीजें तब भी होती हैं, जब आप दरवाजे से बाहर निकलते हैं।

ओजोन थेरेपी के बारे में बहुत सी भद्दी बातें कही जाती हैं क्योंकि मुख्यधारा की चिकित्सा इससे खतरे में है। मैं डॉ. डेविड ब्राउनस्टीन के शब्दों और काम पर भरोसा करता हूं, जो कहते हैं, "ओजोन थेरेपी, जब सही तरीके से की जाती है, तो मैंने अब तक देखी गई सबसे प्रभावी और सुरक्षित चिकित्सा में से एक है। ओजोन थेरेपी का सबसे बड़ा खतरा इसे अंदर लेना है - जब तक ऐसा नहीं होता, यह एक सुरक्षित चिकित्सा है। ओजोन को इंजेक्शन द्वारा दिया जा सकता है, मलाशय, योनि में अंदर की ओर खींचा जा सकता है या कानों में सुरक्षित रूप से फूंका जा सकता है। जब सही तरीके से इस्तेमाल किया जाता है, तो ओजोन थेरेपी से मुझे जो एकमात्र वास्तविक दुष्प्रभाव दिखाई देता है, वह है हर्क्सहाइमर रिएक्शन, क्योंकि ओजोन से कीड़े मर जाते हैं।"

हाइड्रोजन, विशेषकर जब ऑक्सीजन के साथ मिश्रित हो, तो विस्फोटक हो सकता है।इसलिए हाइड्रोजन इनहेलेशन करते समय अपनी नाक पर माचिस रखना एक चतुर विचार नहीं है। आखिरकार, दुर्घटना होगी, क्योंकि स्थैतिक बिजली भी विस्फोट का कारण बन सकती है। यही कारण है कि मैं सभी हाइड्रोजन इनहेलर का मूल्यांकन करता हूं और उन लोगों की सिफारिश करता हूं जो सबसे सुरक्षित लगते हैं। मान लीजिए हाइड्रोजन इनहेलर के विक्रेता खरीदार को खतरों के बारे में नहीं बताते हैं। उस स्थिति में, संभावित आपराधिक दायित्व के परिणामस्वरूप जेल की सजा हो सकती है, खासकर अगर विक्रेता को खतरे के बारे में पता था और उसने इसका खुलासा नहीं किया।

ऊपर बताई गई हर बात को दवा और चिकित्सा पद्धति के उचित संदर्भ में समझने की जरूरत है, जहां एस्पिरिन लेने से भी आपकी मौत हो सकती है। एस्पिरिन के सभी अलग-अलग प्रकारों से 20,000 से ज़्यादा अमेरिकी मरते हैं, और टाइलेनॉल के कारण किसी भी अन्य पदार्थ की तुलना में ज़्यादा लोग आपातकालीन कक्ष में जाते हैं। ऑक्सीजन केवल तभी ख़तरनाक होती है जब बिना बुद्धि के इस्तेमाल की जाए, और हालांकि कुछ स्थितियों में, ऑक्सीजन के साथ मिला हाइड्रोजन विस्फोटक हो सकता है, लेकिन दवा में इस्तेमाल होने पर यह शायद ही कभी विस्फोटक होता है।

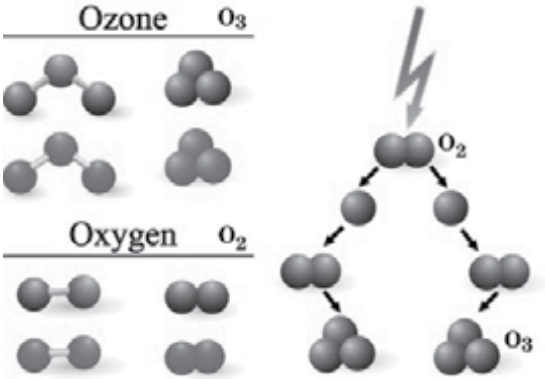
हाइड्रोजन को साँस में लेने और हाइड्रोजन पानी पीने के बीच के अंतरों की समीक्षा करते समय, हमें यह देखना चाहिए कि साँस लेना आंत की रिकवरी में उतना मदद नहीं करता जितना हाइड्रोजन पानी करता है (आजकल ज़्यादातर लोगों को बड़ी आंत संबंधी समस्याएँ होती हैं)। जब हाइड्रोजन पानी आंत में जाता है, तो यह चुनिंदा रूप से एनारोबिक माइक्रोफ़्लोरा को उत्तेजित करता है, और गैस्ट्रिक घ्रेलिन को उत्तेजित करता है। यह न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के साथ भी बहुत फ़ायदेमंद है, क्योंकि बहुत कुछ आंत के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। इस प्रकार, यह लगभग हमेशा अनुशंसित किया जाता है कि हाइड्रोजन साँस लेना हाइड्रोजन पानी प्रशासन के साथ होना चाहिए, खासकर लंबे समय तक।

हाइड्रोजन साँस लेना बहुत अधिक लचीला है, जिसमें कैंसर, सेप्सिस, आपात स्थिति, एम्बुलेंस, सर्जरी और आईसीयू जैसी गंभीर जीवन-धमकाने वाली चिकित्सा स्थितियों के लिए असीमित संभावनाएँ हैं। जब कोई व्यक्ति मर रहा होता है, तो उसे बस हाइड्रोजन (या हाइड्रोजन-ऑक्सीजन) मशीन से जोड़ा जा सकता है और इसे तब तक लगातार चलने दिया जा सकता है जब तक कि रोगी सकारात्मक प्रतिक्रिया न दे। पानी के साथ ऐसा नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब कोई मरीज पानी नहीं पी सकता, भले ही उसे पीना चाहिए।

हाल ही में मैंने ब्राज़ील में एक छोटी लड़की को देखा, जिसके साथ एक ऐसे अस्पताल में बुरा व्यवहार किया गया, जिसे प्रथम विश्व अस्पताल के नाम से भी जाना जाता है। वह गंभीर आंत की समस्या और असहनीय दर्द से पीड़ित थी। उन्होंने दर्द के लिए सिर्फ़ दो इंजेक्शन दिए (लड़की के कम शारीरिक वज़न की परवाह किए बिना) और एंटीबायोटिक इंजेक्शन दिए। इनमें से किसी से भी कोई मदद नहीं मिली। हमारी 13 वर्षीय बेटी की पड़ोसी और दोस्त होने के नाते, हमने उसे अपने साथ रहने के लिए आमंत्रित किया और लगातार हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस दी। हाइड्रोजन पानी के बजाय, हमने उसे सोडियम बाइकार्बोनेट, पोटेशियम बाइकार्बोनेट और मैग्नीशियम कार्बोनेट (उत्पाद को pH एडजस्ट कहा जाता है) के साथ पानी पिलाया, और बारी-बारी से आयोडीन के साथ पानी पिलाया, ताकि बहुत अच्छा स्वाद न होने पर भी बेहतरीन और शक्तिशाली सेलेनियम मिल सके। दो घंटे के भीतर, मरीज़ बेहतर दिखने लगी और बेहतर महसूस करने लगी। एक दिन के भीतर, वह फिर से थोड़ा-थोड़ा खाने लगी और अगले दिन घर जाने के लिए तैयार हो गई।

हाइड्रोजन-आधारित प्रोटोकॉल हमें घर पर या आईसीयू विभागों में दिए जाने वाले गहन देखभाल उपचार में एक पूरी तरह से नई अवधारणा प्रदान करते हैं। जैसा कि उपरोक्त मामले से पता चलता है, हाइड्रोजन चिकित्सा का नेतृत्व करता है लेकिन इसे अन्य आवश्यक दवाओं के साथ संतुलित और पूरक करने की आवश्यकता होती है। हाइड्रोजन को अकेले नहीं देखा जाना चाहिए या इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि हमेशा एक संपूर्ण प्रोटोकॉल के संदर्भ में इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

ओजोन थेरेपी और ऑक्सीजन युद्ध.



“संघीय और राज्य चिकित्सा अधिकारी वर्तमान में ओजोन मशीनों को जब्त और नष्ट कर रहे हैं। यहाँ कानूनी परंपराएँ मानती हैं कि एक चिकित्सक उस उपचार का उपयोग नहीं कर सकता है जिसका उपयोग उसके आस-पास के अन्य डॉक्टर नहीं कर रहे हैं। वे आए और उसे गिरफ्तार कर लिया, उसका लाइसेंस छीनने की कोशिश की। कई मामले लंबित हैं, ईमानदार डॉक्टर हानिरहित प्राकृतिक उपचारों का उपयोग करके अपने रोगियों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। उन पर हमला किया जा रहा है, उनके बीमा विशेषाधिकार छीने जा रहे हैं, और वे उन्हें ओजोन का उपयोग नहीं करने देंगे। मैंने ऐसे मामलों का साक्षात्कार किया है जहाँ वे SWAT टीमों का उपयोग करके घर में घुसते हैं और सभी माताओं और दादियों को बंदूक की नोक पर दीवार के खिलाफ धकेलते हैं और सभी रोगी रिकॉर्ड, ओजोन मशीन और कंप्यूटर, बैकअप सहित ले जाते हैं। डॉक्टर उन्हें कभी वापस नहीं पाते। कुछ समाचार पत्र इसकी रिपोर्ट करते हैं लेकिन अपमान को छोड़ देते हैं। अपनी कहानियों में, वे

उन्हें भेजे गए ढेर सारे मेडिकल साक्ष्यों को अनदेखा कर देते हैं - जिसमें पूर्व रोगियों की व्यक्तिगत गवाही भी शामिल है जो पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग को सही करने के लिए उनके संपादकीय कार्यालयों में आते हैं। वे लिखते हैं, "विशेषज्ञों का कहना है कि ओजोन बेकार है।" "विशेषज्ञ" जिनके पास मेडिकल ओजोन के साथ बिल्कुल भी प्रशिक्षण या अनुभव नहीं है। लेकिन जनता को यह नहीं पता। हम ऑक्सीजन युद्ध देख रहे हैं," एड मैककेब लिखते हैं।

ओजोन रक्त से वायरस और बैक्टीरिया को हटाता है। इसका उपयोग एड्स, हर्पीज, हेपेटाइटिस, मोनोन्यूक्लिओसिस, लीवर सिरोसिस, गैंग्रीन, हृदय रोग, धमनीकाठिन्य, उच्च कोलेस्ट्रॉल, कैंसर ट्यूमर, लिम्फोमा, ल्यूकेमिया पर सफलतापूर्वक किया गया है, रुमेटीइड और अन्य गठिया पर अत्यधिक प्रभावी है, मानसिक स्केलेरोसिस में सुधार करता है, अल्जाइमर रोग, बुढ़ापा और पार्किंसंस को ठीक करता है, प्रोक्टाइटिस, कोलाइटिस, प्रोस्टेट, कैंडिडिआसिस, ट्राइकोमोनिएसिस और सिस्टिटिस पर प्रभावी है। बाहरी रूप से, ओजोन प्रभावी रूप से मुँहासे, जलन, पैर के अल्सर, खुले घाव और घाव, एक्जिमा और फंगस का इलाज करता है। हम जिस तरह की दुनिया में रहते हैं, वहाँ हमारे पास SWAT टीमें हैं जो जीवन से अच्छी चीजों को खत्म करने की कोशिश कर रही हैं। ओजोन ऑक्सीजन का एक रूप है, एक रोमांचक रूप है जिसका व्यापक उपयोग दिलचस्प है।

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, चिकित्सकों ने इसके जीवाणुरोधी गुणों के कारण संक्रमित घावों पर ओजोन को शीर्ष रूप से लगाया। बाद में उन्होंने पाया कि इसके विरोधी भड़काऊ गुणों के कारण इसके व्यापक चिकित्सीय अनुप्रयोग थे। 1980 के दशक के उत्तरार्ध में, जर्मन चिकित्सकों ने ओजोन के साथ एचआईवी रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज करना शुरू कर दिया। हालाँकि कुछ चिकित्सक ओजोन का उपयोग करते हैं, लेकिन यह आज भी अमेरिका में एक असामान्य उपचार है। दुनिया के कई हिस्सों में ओजोन एक सम्मानित चिकित्सा है। जर्मनी में यह देखभाल अभ्यास का मानक है और इसका उपयोग 70-80% अभ्यास करने वाले चिकित्सकों द्वारा किया जाता है।

बिना किसी अपवाद के (कैंसर का स्थान या चरण कोई भी हो) हर एक कैंसर की स्थिति में मौजूद स्वास्थ्य की कमी शरीर की कोशिकाओं की खराब, ऑक्सीजन रहित श्वसन से जुड़ी है। ओजोन, अपने पूर्वज ऑक्सीजन की तरह ही एक गैस है। ऑक्सीजन (जिसे रासायनिक रूप से O2 के रूप में जाना जाता है) को जोड़ों में यात्रा करना पसंद है।

जब ऑक्सीजन का तीसरा परमाणु जुड़ता है, तो O2, O3 बन जाता है। चूँकि O3 स्वाभाविक रूप से अस्थिर है, इसलिए यह हमेशा उस अतिरिक्त परमाणु को छोड़ना चाहता है। साथ ही, कोई भी कोशिका जो O3 का सामना करती है, वह इस तीसरे परमाणु को ले लेगी। जब ऐसा होता है, तो ऑक्सीजन के पारंपरिक गुण अधिक शक्तिशाली और अधिक ऊर्जावान हो जाते हैं।

ओजोन का सबसे अनोखा गुण यह है कि यह एक शक्तिशाली ऑक्सीडेंट है। यह किसी भी रसायन को उसके मूल भागों में तोड़ देगा। इसकी खोज के बाद से ही ओजोन का उपयोग चिकित्सा में कीटाणुरहित करने और बीमारी के इलाज के लिए किया जाता रहा है। 1896 में, निकोला टेस्ला ने संयुक्त राज्य अमेरिका में पहले ओजोन जनरेटर का पेटेंट कराया। ओजोन का उपयोग एक सुरक्षित और पर्याप्त जल शोधक के रूप में एक सदी से भी अधिक समय से किया जा रहा है। ओजोन मानव शरीर में रोगजनक रोगाणुओं को उसी तरह से निष्क्रिय करता है जैसे यह पानी में करता है, यह आश्चर्यजनक नहीं है क्योंकि हमारा शरीर 70% पानी से बना है।

डॉ. फ्रैंक शेलेनबर्गर ने लिखा, "आपने मुझे कई मौकों पर यह कहते हुए सुना होगा कि ओजोन थेरेपी आपके शरीर को स्वस्थ रखने और स्वस्थ रहने में कितनी अद्भुत मदद करती है। आप शायद जानते होंगे कि मैं 25 से ज़्यादा सालों से दुनिया भर के डॉक्टरों को उनके मरीज़ों पर ओजोन थेरेपी का इस्तेमाल करना सिखा रहा हूँ। लेकिन क्या यह बहुत बढ़िया नहीं होगा अगर आप अपने घर में ही ओजोन थेरेपी के कई अद्भुत उपचार गुणों का इस्तेमाल कर सकें? अच्छी खबर यह है: आप डॉक्टर बन सकते हैं और आपको डॉक्टर होने की ज़रूरत नहीं है। आपको किसी भी तरह का मेडिकल अनुभव होने की ज़रूरत नहीं है। अगर आप एक कप कॉफ़ी बना सकते हैं, तो आप अपने और अपने परिवार का इलाज ओजोन से करना सीख सकते हैं।"

सूजन, ऑक्सीजन, CO2 और श्वास।



ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड, ऊतक और ट्यूमर की जटिल दुनियापीएच महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर हमारा शरीर सही तरीके से पीएच संतुलित नहीं है तो वह बीमारियों से नहीं लड़ सकता। नतीजतन, हमारी कोशिकाओं की ऑक्सीजन ले जाने की क्षमता कम हो जाती है। यह सीधा है - उच्च पीएच स्थितियों से O2 का स्तर अधिक होता है जिसके परिणामस्वरूप ऑक्सीजन को वहां पहुंचाया जाता है जहां इसकी आवश्यकता होती है।

इसके बाद CO2 फिजियोलॉजी और सांस लेने के बारे में पाठ दिए गए हैं। CO2 फिजियोलॉजी किसी भी अन्य स्वास्थ्य कारक की तुलना में बहुत महत्वपूर्ण और अधिक जटिल है, इसलिए सावधान रहें और उन जगहों पर गहरी यात्रा के लिए तैयार रहें जहाँ पहले बहुत कम लोग गए हैं। इसके बाद, हम ऑक्सीजन और CO2 थेरेपी को बड़े पैमाने पर संयोजित करने के एक शानदार और शक्तिशाली तरीके के बारे में अधिक जानेंगे।

ऑक्सीजन बढ़ जाती है। ऑक्सीजन थेरेपी (EWOT) के साथ व्यायाम ऑक्सीजन और CO2 दोनों का सबसे अच्छा प्रदान करता है।

ऑक्सीजन की कुंजी ज़्यादा ऑक्सीजन नहीं बल्कि ज़्यादा कार्बन डाइऑक्साइड है, जो एक पौष्टिक गैस है, ज़हर नहीं। कनाडा के ओंटारियो में टोरंटो जनरल अस्पताल के एनेस्थीसिया और मेडिकल-सर्जिकल इंटेंसिव केयर यूनिट के डॉक्टर कहते हैं कि "जमा हो रहे नैदानिक और बुनियादी वैज्ञानिक सबूत अंग की चोट में कार्बन डाइऑक्साइड की सक्रिय भूमिका की ओर इशारा करते हैं, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ी हुई सांद्रता सुरक्षात्मक होती है और कम सांद्रता हानिकारक होती है।"[179]

कार्बन डाइऑक्साइड मानव शरीर में अनगिनत कार्य करता है। इनमें फेफड़ों में एल्वियोली की मरम्मत, तंत्रिका कोशिकाओं की स्थिरता,नाड़ी का नियमन, सामान्य प्रतिरक्षा, रक्तचाप का रखरखाव, ब्रांकाई और ब्रोन्कियोल्स का फैलाव, रक्त पीएच का नियमन, नींद पर नियंत्रण, मांसपेशी कोशिकाओं का विश्राम, केशिकाओं में O2 का उत्सर्जन (बोहर प्रभाव), और अन्य आवश्यक कार्य।

हीमोग्लोबिन ऑक्सीजन के परिवहन के अलावा हाइड्रोजन आयनों और कार्बन डाइऑक्साइड के परिवहन में भी मदद करता है। हालाँकि, हीमोग्लोबिन इन प्रजातियों के कुल परिवहन का केवल 14% हिस्सा है; हाइड्रोजन आयन और कार्बन डाइऑक्साइड दोनों को बाइकार्बोनेट (HCO3-) के रूप में रक्त में भी ले जाया जाता है।

सोडियम बाइकार्बोनेट (बेकिंग सोडा) एक आश्चर्यजनक दवा है क्योंकि यह डॉक्टरों और रोगियों को शरीर की CO2 नब्ज पर रखता है। बाइकार्बोनेट का सेवन रक्त में CO2 के स्तर को बढ़ाता है। CO2 कोशिका ऑक्सीजन आपूर्ति के नियंत्रण के कारण भड़काऊ प्रतिक्रियाओं का एक प्रमुख नियामक है। बाइकार्बोनेट ऊतक और द्रव पीएच में तेजी से परिवर्तन के कारण भड़काऊ प्रतिक्रियाओं को भी नियंत्रित करता है। बाइकार्बोनेट और CO2 लगभग समान जुड़वाँ हैं, एक ही सिक्के के दो पहलू। बस बाइकार्बोनेट में एसिड मिलाएं, और आपको तुरंत CO2 मिल जाएगी। एनहाइड्रेस की मदद से, वे रक्त में एक दूसरे में बदल जाते हैं।

सभी गंभीर बीमारियों में, हम एक साथ कम ऑक्सीजन की स्थिति पाते हैं। शरीर के ऊतकों में कम ऑक्सीजन बीमारी का एक निश्चित संकेतक है। हाइपोक्सिया, या ऊतकों में ऑक्सीजन की कमी सभी अपक्षयी बीमारियों का मूल कारण है।

डॉ. स्टीफन लेविन
आणविक जीवविज्ञानी.

बाइकार्बोनेट का प्रभाव तुरंत होता है और तीव्र भी हो सकता है, जैसा कि एक एथलीट आपको बता सकता है कि किसी इवेंट से पहले बाइकार्बोनेट लेते समय। जीवित रहने के लिए, शरीर को उचित एसिड/क्षारीय (पीएच) संतुलन बनाए रखना चाहिए। रक्त का इष्टतम (और आवश्यक) पीएच क्षारीय है, जो 7.35 और 7.45 के बीच है। केवल इस सीमा में ही रक्त को भरपूर मात्रा में ऑक्सीजन की आपूर्ति होती है।

यह समझें कि यदि आपके रक्त का pH थोड़ा भी बदलता है, तो यह आपको मार सकता है। अधिकांश टर्मिनल कैंसर रोगी स्वस्थ लोगों की तुलना में अधिक अम्लीय होते हैं, जिसका अर्थ है कि उनके कुछ ऊतकों का pH कम होता है और कोशिकाओं में ऑक्सीजन की आपूर्ति का स्तर कम होता है। यह तब भी सच है, जब जीवन को बचाने के लिए रक्त का pH नियंत्रित किया जाता है। हालाँकि, रक्त pH में थोड़ा सा भी बदलाव ऑक्सीजन के मामले में सार्थक होता है।

प्राकृतिक एलोपैथिक चिकित्सा प्रोटोकॉल.

*प्राकृतिक एलोपैथिक चिकित्सा*यह एक स्वीट स्पॉट को लक्षित करता है - pH और O2 का वह क्षेत्र जो स्वस्थ कोशिकाओं को पसंद होता है और कैंसर कोशिकाओं को बिल्कुल पसंद नहीं होता। ऑक्सीजन का स्तर असंख्य प्रभावों के प्रति संवेदनशील होता है। विषाक्तता, भावनात्मक तनाव, शारीरिक आघात, संक्रमण, वायुमंडलीय ऑक्सीजन की कमी, पोषण संबंधी स्थिति, व्यायाम की कमी और अनुचित साँस लेना हमारे शरीर के ऑक्सीजन के स्तर को प्रभावित करेगा। मानव शरीर की ऑक्सीजन-वहन क्षमता को खतरे में डालने वाली कोई भी चीज़ कैंसर के विकास को बढ़ावा देगी। इसी तरह, ऑक्सीजन फ़ंक्शन को बेहतर बनाने वाली किसी भी थेरेपी से कैंसर के खिलाफ शरीर की सुरक्षा को बढ़ाने की उम्मीद की जा सकती है।

कम कार्बन डाइऑक्साइडकैंसर की ओर ले जाता है.

नैदानिक स्थितियों में, कम ऑक्सीजन और कम कार्बन डाइऑक्साइड एक साथ होते हैं। हवा में घुली इस गैस को साँस के ज़रिए अंदर लेने से कार्बन डाइऑक्साइड की चिकित्सीय वृद्धि अक्सर रक्त और ऊतकों के ऑक्सीकरण को बेहतर बनाने का एक प्रभावी तरीका है।[180]

कार्बन डाइऑक्साइड जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण गैसों में से एक है। यह हमारे जैविक अस्तित्व के लिए स्वस्थ और अपरिहार्य है। CO2, कोशिका चयापचय का अपशिष्ट उत्पाद है, जो बिल्कुल भी अपशिष्ट नहीं है। पौधे इस पर पनपते हैं, और हमारा जीवन इस पर निर्भर करता है।

डॉ. बुटेको ने कहा, "पृथ्वी पर किसी भी जीवित पदार्थ के पोषण का मुख्य स्रोत CO2 है। पौधे हवा से CO2 प्राप्त करते हैं और जानवरों के पोषण का मुख्य स्रोत प्रदान करते हैं, जबकि पौधे और जानवर दोनों ही हमारे लिए पोषण हैं। हवा में CO2 का महान संसाधन प्रागैतिहासिक काल में बना था जब इसकी मात्रा लगभग 10% थी।"

जब सब कुछ बहुत ज़्यादा हो जाता है तो वह विषाक्त हो जाता है, और यह पानी और ऑक्सीजन के लिए भी सच है। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, उसमें CO2 का मौजूदा स्तर ख़तरनाक के करीब भी नहीं है। चिकित्सकीय रूप से कहें तो असली समस्या तब होती है जब CO2 पर्याप्त नहीं होती - जब हम पर्याप्त व्यायाम नहीं करते या जब हम बहुत तेज़ी से सांस लेते हैं, तो हम रक्त में CO2 के स्तर को कम कर देते हैं।

अनुचित तेज़ साँस लेना (जो आज सामान्य बात है) ऑक्सीजन की कमी का कारण बनता है क्योंकि हम बहुत ज़्यादा CO2 बाहर निकालते हैं, जो रक्त वाहिकाओं को सिकोड़ता है और ऑक्सीजन विघटन वक्र को इस तरह से बदलता है कि धीरे-धीरे हमारी कोशिकाओं का दम घुटने लगता है। हाइपोकैप्निया (कम CO2) वाहिकासंकीर्णन और दबे हुए बोहर प्रभाव के कारण सभी महत्वपूर्ण अंगों और ऊतकों में ऑक्सीजन की मात्रा कम कर देता है।

CO2 और बाइकार्बोनेट, कार्बन डाइऑक्साइड की जुड़वां बहनें, कोशिकाओं, रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों में pH संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिसका अर्थ है कि CO2 ऑक्सीजन वितरण की कुंजी रखती है। यदि रक्त का कार्बन डाइऑक्साइड स्तर सामान्य से कम है, तो इससे हीमोग्लोबिन से ऑक्सीजन छोड़ने में कठिनाई होती है।

खराब ऑक्सीजनेशन या हाइपोक्सिया कैंसर के विकास के लिए अनुकूल वातावरण है, जबकि पर्याप्त ऑक्सीजनेशन स्वस्थ ऊतक विकास को बढ़ावा देता है। सोडियम बाइकार्बोनेट के माध्यम से सीओ2 के स्तर को बढ़ाना कैंसर के उपचार में सहायक है क्योंकि बाइकार्बोनेट रक्त में सीओ2 के स्तर को बढ़ाता है, जिससे कोशिकाओं में ऑक्सीजनेशन में सुधार होता है।

अधिकांश डॉक्टर CO2 को नज़रअंदाज़ करते हैं, भले ही रक्त में कार्बन डाइऑक्साइड के कम स्तर से कोशिकाओं में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे विषाक्त पदार्थ जमा हो जाते हैं और अम्लता बढ़ जाती है। इस स्थिति में कैंसर का खतरा बना रहता है। कार्बन डाइऑक्साइड की बड़ी मात्रा की उपस्थिति में, हीमोग्लोबिन अणु अपना आकार थोड़ा बदल लेता है, जिससे ऑक्सीजन निकलने में मदद मिलती है।

यदि कार्बन डाइऑक्साइड की कमी लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह बीमारियों और त्वरित बुढ़ापे के लिए जिम्मेदार हो सकती है। जैसा कि शारीरिक अध्ययनों से पता चला है, हाइपोकेनिया रक्त वाहिकाओं को संकुचित करता है और सभी महत्वपूर्ण अंगों के पर्फ्यूजन को कम करता है। आपातकालीन स्थितियों में, जब ये स्थितियाँ चरम पर होती हैं, तो शरीर के अंगों और ऊतकों को रक्त का पर्याप्त प्रवाह नहीं मिल पाता है।

हाइपोक्सिया प्रतिरक्षा प्रणाली को दबा देता है।

"हाइपोक्सिया और प्रतिरक्षा एक दूसरे पर अत्यधिक निर्भर हैं। हाइपोक्सिया आणविक और सेलुलर सूजन प्रक्रियाओं को प्रभावित करता है। हाइपोक्सिया अलग-अलग हाइपोक्सिया-संकेतन मार्गों को सक्रिय करता है, जिसमें हाइपोक्सिया-प्रेरित कारक और एडेनोसिन सिग्नलिंग के रूप में जाने जाने वाले प्रतिलेखन कारकों का एक समूह शामिल है। इन विट्रो और पशु अध्ययनों से पता चला है कि ये मार्ग सूजन प्रतिक्रियाओं के मॉड्यूलेशन में भाग लेते हैं। सूजन की स्थिति अक्सर ऊतक हाइपोक्सिया द्वारा चिह्नित होती है, जो बढ़ी हुई चयापचय मांग के साथ-साथ एडिमा, माइक्रोथ्रोम्बी और एटेलेक्टासिस के परिणामस्वरूप कम चयापचय सब्सट्रेट के कारण होती है, जिसके परिणामस्वरूप "सूजन हाइपोक्सिया" होता है।[181]

हाइपोक्सिया ट्यूमर के विकास को समर्थन देता है।

हाइपोक्सिया प्रभावी विकिरण और कीमोथेरेपी में बाधा डालता है। हाइपोक्सियायह विभिन्न प्रकार के प्रतिरक्षा प्रभावक कोशिकाओं को निष्क्रिय कर देता है, प्रतिरक्षादमनकारी कोशिकाओं की गतिविधि को बढ़ाता है, तथा नए रास्ते प्रदान करता है जो ट्यूमर कोशिकाओं की उपस्थिति के प्रति प्रतिरक्षा कोशिकाओं को ‘‘अंधा’’ रखने में मदद करते हैं।[182]हाइपोक्सिया ट्यूमर विरोधी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का दुश्मन है। दूसरी ओर, ऑक्सीजनेशन, प्रतिरक्षा निगरानी और प्रतिक्रिया से ट्यूमर के बचने को कम करेगा।

कई डॉक्टर रिपोर्ट करते हैं, "खराब रूप से बने वास्कुलचर के साथ तेज़ी से बढ़ने वाले ट्यूमर में ऑक्सीजन का स्तर कम होता है, और सीमित ऑक्सीजन उपलब्धता के परिणामस्वरूप हाइपोक्सिक माइक्रोएनवायरनमेंट होता है। ट्यूमर हाइपोक्सिया के उच्च स्तर वाले रोगियों में कम स्तर वाले रोगियों की तुलना में काफी खराब रोग का निदान होता है। इस प्रकार, प्रोस्टेट कैंसर के उपचार में ट्यूमर हाइपोक्सिया को लक्षित करने से उपचार और समग्र जीवित रहने के लिए रोगी की प्रतिक्रिया में सुधार करने की क्षमता है।"

फेफड़ों में हाइपोकैप्निया (CO_2 की कमी) और, ज़्यादातर मामलों में, धमनी रक्त में क्रोनिक बीमारियों में एक सामान्य खोज है, क्योंकि बीमार लोगों में क्रोनिक हाइपरवेंटिलेशन की व्यापकता होती है। रोग के रोगजनन को समझना ज़रूरी है, जिसमें हाइपोकैप्निया एक संघटक तत्व है

कैंसर को समझने के लिए। हाइपोकैप्निया इस स्थिति के पीछे एक सार्वभौमिक स्थिरांक है।

वॉरबर्ग प्रभाव (WE), या एरोबिक ग्लाइकोलाइसिस, हाइपोक्सिया द्वारा ट्रिगर किया जाता है।इसे आमतौर पर कैंसर की पहचान के रूप में पहचाना जाता है और संभावित कैंसर-रोधी चिकित्सा के विकास के लिए इसका व्यापक अध्ययन किया गया है।[183]

ऑक्सीजन, सूजन और हाइपोक्सिया-प्रेरित कारक

जर्मनी में, वैज्ञानिकों ने दिखाया है कि सूजन और घायल ऊतकों के सूक्ष्म वातावरण में आमतौर पर कम ऑक्सीजन और ग्लूकोज का स्तर और भड़काऊ साइटोकिन्स, प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन और नाइट्रोजन प्रजातियों और मेटाबोलाइट्स का ऊंचा स्तर होता है। चिकित्सा अनुसंधान सेल हाइपोक्सिया (कोशिकाओं में ऑक्सीजन की कमी) और पुरानी भड़काऊ प्रक्रियाओं के बीच एक मजबूत संबंध का सुझाव देता है।

सूजन ऊतक हाइपोक्सिया और कमी का सबसे आम कारण हैपरिसंचरण। सूजन वाले ऊतक और घातक ट्यूमर के आस-पास के क्षेत्र हाइपोक्सिया और ग्लूकोज की कम सांद्रता की विशेषता रखते हैं। सूजन से सेप्सिस, संचार पतन और अंततः मल्टी-सिस्टम ऑर्गन फेलियर हो सकता है।

ऊतक हाइपोक्सिया हाइपोक्सिया-प्रेरित कारक (HIF-1) के बढ़े हुए स्तरों में प्रकट होता है (यह कारक और कोशिका हाइपोक्सिया कैंसर की प्रगति में महत्वपूर्ण कारक हैं)। ऊंचा HIF-1 प्रो-इंफ्लेमेटरी ट्रांसक्रिप्शन कारकों जैसे कि न्यूक्लियर फैक्टर कप्पा बी (या NF-kappaB) और एक्टिवेटर प्रोटीन AP-1 से जुड़ी घटनाओं के एक कैस्केड को ट्रिगर करता है।

शोधकर्ताओं पाया गया है कि मैग्नीशियम का कम स्तर रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज (ROS) प्रेरित HIF-1 को दबा देता है। जब ऑक्सीजन का स्तर गिरता है, तो कोशिका स्तर पर चीजें खतरनाक हो जाती हैं क्योंकि कम स्तर पर जीन अभिव्यक्ति बदल जाती है। HIF-1a ऑक्सीजन के स्तर कम होने पर कम से कम 30 जीन की अभिव्यक्ति को नियंत्रित करता है। मैग्नीशियम की कमी HIF-1a गतिविधि को कम करती है।

अक्सर अत्यधिक सूजन वाली प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया (सेप्सिस) रोगी की मृत्यु का कारण बनती है। गहन देखभाल इकाइयों में, सेप्सिस सबसे आम है

मृत्यु का कारण। गंभीर रूप से कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले मरीजों को कैंडिडा फंगल संक्रमण के हमलों का सामना करना पड़ता है, जो सेप्सिस के उच्च जोखिम के कारण जीवन के लिए ख़तरा बन जाता है।

कैंसर और HIF-1.

"रेडिएशन और कीमोथेरेपी ज़्यादातर ठोस ट्यूमर कोशिकाओं को मार देती है, लेकिन जो कोशिकाएँ बच जाती हैं, उनमें ये उपचार HIF-1 को बढ़ाते हैं, जिसका इस्तेमाल कोशिकाएँ ट्यूमर में रक्त वाहिकाओं की वृद्धि को बढ़ाकर ऑक्सीजन प्राप्त करने के लिए करती हैं। ठोस ट्यूमर में आम तौर पर ऑक्सीजन की आपूर्ति कम होती है, और HIF-1 उन्हें ज़रूरी ऑक्सीजन प्राप्त करने में मदद करता है," ड्यूक यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के प्रोफ़ेसर डॉ. मार्क डब्ल्यू. डेविर्स्ट बताते हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो मेडिसिन स्कूल में एनेस्थिसियोलॉजी, मेडिसिन, सेल बायोलॉजी और इम्यूनोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. होल्गर के. एल्ट्ज़चिग कहते हैं, "यह समझना कि हाइपोक्सिया सूजन से कैसे जुड़ा है, जीवन बचाने में मदद कर सकता है। हाइपोक्सिया से लड़ने के लिए शरीर द्वारा उपयोग किए जाने वाले आणविक मार्गों पर ध्यान केंद्रित करके, हम उन रोगियों की मदद करने में सक्षम हो सकते हैं जो अंग प्रत्यारोपण से गुजरते हैं, जो संक्रमण से पीड़ित हैं या कैंसर से पीड़ित हैं।"

शोधकर्ताओं ने पाया कि 1.2 चयापचय इकाइयों (ऑक्सीजन की खपत) की वृद्धि कैंसर से मृत्यु के जोखिम में कमी से संबंधित थी, विशेष रूप से फेफड़ों और जठरांत्र संबंधी कैंसर में।[184]

कैंसर को शरीर में पैर जमाने के लिए ऑक्सीजन से वंचित होना पड़ता है और शरीर अम्लीय हो जाता है। अगर इन दो स्थितियों को उलट दिया जाए, तो कैंसर को न केवल धीमा किया जा सकता है, बल्कि उलटा भी किया जा सकता है।

डॉ. डीएफ ट्रेचर और आरएम लीच लिखते हैं, "रोकथाम, शीघ्र पहचान,और ऊतक हाइपोक्सिया का सुधार आवश्यक कौशल हैं। यदि ऑक्सीजन की आपूर्ति विफल हो जाती है, तो कुछ मिनटों के लिए भी, ऊतक हाइपोक्सिमिया विकसित हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप अवायवीय चयापचय और लैक्टेट का उत्पादन हो सकता है।[185]

बोहर प्रभाव.

1904 में, डेनिश वैज्ञानिक क्रिश्चियन बोहर ने देखा कि हीमोग्लोबिन कम pH की तुलना में उच्च pH पर ऑक्सीजन को अधिक मजबूती से बांधता है। बोहर प्रभाव केशिकाओं में ऑक्सीजन रिलीज की व्याख्या करता है, क्यों लाल रक्त कोशिकाएं ऊतकों में ऑक्सीजन को उतारती हैं। बोहर ने कहा कि हीमोग्लोबिन कम pH (अधिक अम्लीय वातावरण, जैसे ऊतकों में) पर कम आत्मीयता के साथ ऑक्सीजन से बंधेगा। बोहर प्रभाव हीमोग्लोबिन की हाइड्रोजन आयनों को लेने या दान करने की क्षमता से संबंधित है। जैसे-जैसे pH बढ़ता है, हीमोग्लोबिन अपनी संरचना में प्रमुख स्थानों पर विशिष्ट अमीनो एसिड से हाइड्रोजन आयन खो देता है। यह इसकी संरचना में एक सूक्ष्म परिवर्तन का कारण बनता है जो ऑक्सीजन को बांधने की इसकी क्षमता को बढ़ाता है।

जब रक्त में pH गिरता है, जब यह थोड़ा अधिक अम्लीय हो जाता है, तो विपरीत होता है: हीमोग्लोबिन हाइड्रोजन आयनों को ग्रहण करता है, और ऑक्सीजन के लिए इसकी आत्मीयता कम हो जाती है। आपके रक्त का pH बहुत कसकर बफर होता है, क्योंकि इसमें बाइकार्बोनेट और हीमोग्लोबिन होता है, जो pH परिवर्तनों का प्रतिकार करने के लिए हाइड्रोजन आयनों को ग्रहण या खो सकता है। ऑक्सीजन के लिए हीमोग्लोबिन आत्मीयता यह है कि हीमोग्लोबिन कितनी आसानी से ऑक्सीजन अणुओं को ग्रहण करता है और अपने आस-पास के द्रव में छोड़ता है।

कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता बढ़ने पर हीमोग्लोबिन से अधिक ऑक्सीजन निकल जाएगीनाटकीय रूप से बढ़ जाता है, जैसे जब हम व्यायाम करते हैं, जब ऊतक श्वसन तेजी से हो रहा होता है, और ऑक्सीजन की अधिक आवश्यकता होती है। कम CO2 स्तरों के तहत विपरीत सत्य है; हीमोग्लोबिन कम ऑक्सीजन छोड़ेगा। CO2 सांद्रता में वृद्धि से pH में कमी आती है, जो हीमोग्लोबिन को फेफड़ों से ले जाने वाली ऑक्सीजन को छोड़ने में मदद करती है, ताकि आपकी कोशिकाएँ इसका उपयोग ऊर्जा के लिए शर्करा को तोड़ने के लिए कर सकें। यह आराम करते समय सामान्य से अधिक तेज़ साँस लेने के माध्यम से CO2 को कम करता है जिसका विपरीत प्रभाव ऑक्सीजन वितरण पर ब्रेक लगाने का होता है। ऑक्सीजन के लिए आत्मीयता में pH-मध्यस्थ परिवर्तन हीमोग्लोबिन को एक शटल की तरह कार्य करने में मदद करता है जो फेफड़ों में ऑक्सीजन उठाता है और इसे उन ऊतकों में जमा करता है जहाँ इसकी आवश्यकता होगी।

ऑक्सीजन के पृथक्करण में मैग्नीशियम भी सहायक होता है क्योंकि यह ऑक्सीजन सोखना समतापी प्रदान करता है, जो हाइपरबोलिक है। यह यह भी सुनिश्चित करता है कि ऑक्सीजन पृथक्करण वक्र सिग्मोइडल हों, जिससे ऑक्सीजन संतृप्ति अधिकतम होगैसीय ऑक्सीजन दबाव के साथ (मरे एट अल. पृ. 65-67)।

ऊतकों में ऑक्सीजन की अधिक आपूर्ति के साथ ऑक्सीजन पृथक्करण को मैग्नीशियम द्वारा 2,3-बिसफ़ॉस्फ़ोग्लिसरेट/DPG (डार्ले, 1979) को बढ़ाकर बढ़ाया जाता है। मैग्नीशियम फ़ॉरफिरिन रिंग की फ्लोरोसेंट होने की क्षमता को स्थिर करता हैहीमोग्लोबिन पर मुक्त-कट्टरपंथी हमले से फेरिल हीमोग्लोबिन [HbFe4+] उत्पन्न होता है (डी'अग्निलो और अलायश, 2001), जिसे मैग्नीशियम द्वारा बाधित किया जाता है (रॉक एट अल., 1995)।

धमनी हाइपोकेनिया (CO2 की कमी) ऊतक हाइपोक्सिया का कारण बनती है।

कोशिका हाइपोक्सिया मुक्त कणों के निर्माण और ऑक्सीडेटिव तनाव के प्रमुख कारणों में से एक है, जो सूजन का कारण बनता है, खासकर केशिकाओं में। केशिकाएं ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की डिलीवरी और उपयोग के लिए महत्वपूर्ण निर्धारक हैं, इसलिए वहां सूजन होती है।

ऐसा इसलिए होता है क्योंकि CO2 के सामान्य धमनी स्तर में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। रूसी माइक्रोबायोलॉजिस्ट के एक समूह ने पाया कि "रक्त में देखे जाने वाले तनाव (37.0 मिमी एचजी) और उच्च तनाव (60- या 146-मिमी एचजी) पर CO2 मानव और ऊतकों की कोशिकाओं और माइटोकॉन्ड्रिया द्वारा सक्रिय ऑक्सीजन रूपों (मुक्त कणों) की पीढ़ी का एक शक्तिशाली अवरोधक है।"[186]

डॉ. एलओ सिम्पसन का दावा है कि थकान प्रतिरक्षा कमी सिंड्रोम (सीएफआईडीएस) "बिगड़े हुए केशिका रक्त प्रवाह के कारण अपर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्धता" के परिणामस्वरूप होता है। कैंसर, मधुमेह, कोरोनरी हृदय रोग, स्ट्रोक आदि जैसी रोग स्थितियों के दौरान ऊतक ऑक्सीजनेशन गंभीर रूप से बाधित होता है, जो pO2 में कमी, यानी 'हाइपोक्सिया' से जुड़ा होता है।[187]ऑक्सीजनप्रसव प्रत्येक अंग की चयापचय आवश्यकताओं और कार्यात्मक स्थिति पर निर्भर करता है। नतीजतन, अंगों और ऊतकों को एक शारीरिक स्थिति में अपनी अनूठी 'ऊतक नॉर्मोक्सिया' या 'फिजियोक्सिया' स्थिति द्वारा चिह्नित किया जाता है।

जीवविज्ञानी डॉ. रे पीट हमें बताते हैं कि, "शुद्ध ऑक्सीजन साँस लेने से ऊतकों में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है; विरल हवा, या कार्बन डाइऑक्साइड वाली हवा साँस लेने से ऊतकों को ऑक्सीजन मिलती है और ऊर्जा मिलती है। अगर यह उल्टा लगता है, तो ऐसा इसलिए है क्योंकि मेडिकल फिजियोलॉजी को उल्टा पढ़ाया गया है।

श्वसन शरीरक्रिया विज्ञान सभी अंगों के विशेष कार्यों की कुंजी हैऔर उनके कई बुनियादी रोग संबंधी परिवर्तन।"[188]

हमारे शरीर की हर कोशिका ऑक्सीजन की उपलब्धता में होने वाले बदलावों को पहचान सकती है और उनका जवाब दे सकती है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण तब है जब हम ऊँचाई पर चढ़ते हैं जहाँ हवा में ऑक्सीजन कम होती है। कोशिकाएँ रक्तप्रवाह के माध्यम से ऑक्सीजन में कमी को पहचानती हैं और प्रतिक्रिया करती हैं, 'हाइपोक्सिक प्रतिक्रिया' का उपयोग करके एक EPO प्रोटीन (एरिथ्रोपोइटिन) का उत्पादन करती हैं। यह प्रोटीन शरीर को अधिक से अधिक लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन करने के लिए प्रेरित करता है ताकि जितना संभव हो उतना कम ऑक्सीजन स्तर को अवशोषित किया जा सके।[189]

निष्कर्ष।

कार्बन डाइऑक्साइड, हवा, पानी और ऑक्सीजन की तरह, जीवन और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है; यह अस्थमा, कैंसर और कई अन्य पुरानी बीमारियों को ठीक करने की कुंजी है। कार्बन डाइऑक्साइड ऊतक द्रव का एक आवश्यक घटक है और इसे रक्त में इष्टतम स्तर पर बनाए रखा जाना चाहिए। कार्डियोपल्मोनरी बाईपास सर्जरी और गुर्दे के डायलिसिस के प्रबंधन जैसी विशेष स्थितियों के लिए विभिन्न एनेस्थेटिक और ऑक्सीजनेशन मिश्रणों को पूरक करने के लिए गैस की आवश्यकता होती है। हाइपोक्सिक स्थितियों में लाल रक्त कोशिकाओं के सिकुड़ने और सख्त होने की सूचना मिली है[190]और मैग्नीशियम की कमी होने पर अपना इष्टतम आकार खो देते हैं।

जीवन कार्बन डाइऑक्साइड पर निर्भर है.



डॉ. रे पीट कहते हैं, "ज़्यादा ऑक्सीजन लेने से बहुत ज़्यादा कार्बन डाइऑक्साइड विस्थापित हो जाती है, जिससे लैक्टिक एसिड में वृद्धि होती है; बहुत ज़्यादा लैक्टेट ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड दोनों को विस्थापित करता है। लैक्टेट खुद ही श्वसन को दबा देता है। ऑक्सीजन विषाक्तता और हाइपरवेंटिलेशन कार्बन डाइऑक्साइड की प्रणालीगत कमी पैदा करते हैं। कार्बन डाइऑक्साइड की कमी से शुद्ध ऑक्सीजन में साँस लेना मुश्किल हो जाता है, दिल की काम करने की क्षमता कम हो जाती है और रक्त वाहिकाओं का प्रतिरोध बढ़ जाता है, जिससे ऊतकों में रक्त संचार और ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होती है। ऐसी स्थितियों में जो अधिक कार्बन डाइऑक्साइड प्रतिधारण की अनुमति देती हैं, रक्त संचार बेहतर होता है और दिल अधिक प्रभावी ढंग से काम करता है। कार्बन डाइऑक्साइड लैक्टिक एसिड के उत्पादन को रोकता है और लैक्टिक एसिड कई तरह से कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता को कम करता है।"[191]

कार्बन डाइऑक्साइड एक पोषक तत्व है और कोशिकाओं में श्वसन और ऊर्जा उत्पादन का एक उत्पाद है। इसकी कमी या कमी शरीर में विभिन्न गड़बड़ियों के लिए एक प्रारंभिक बिंदु है। कार्बन डाइऑक्साइड में सुरक्षात्मक कार्य होते हैं, जिसमें क्रेब्स चक्र गतिविधि को बढ़ाना शामिल है, जो स्वास्थ्य की कुंजी है और कैंसर से बचने का सबसे बड़ा तरीका है। यह मुख्य कारणों में से एक है कि बाइकार्बोनेट कैंसर रोगियों के लिए आवश्यक दवाएँ हैं, जो माइटोकॉन्ड्रिया तक पहुँचने वाली CO2 की मात्रा को बढ़ाते हैं।

CO2 प्रोटीन को होने वाले विषाक्त नुकसान को रोकता है। कार्बन डाइऑक्साइड एक हानिरहित, रंगहीन, गैर-विषाक्त प्राकृतिक गैस है जो जीवन के कार्बन चक्र में मुख्य कड़ी है। कार्बन डाइऑक्साइड में वृद्धि लैक्टिक एसिड के निर्माण को रोकती है, इस प्रकार प्रणालीगत अम्लीकरण को नियंत्रित करने में मदद करती है, जो ऑक्सीजन के उपयोग को कम करता है। CO2 ने ऑक्सीकरण और फॉस्फोराइलेशन के बेहतर समन्वय को बढ़ावा दिया है और यकृत माइटोकॉन्ड्रिया में फॉस्फोराइलेशन वेग को बढ़ाया है।

जो लोग बहुत ऊंचाई पर रहते हैं, वे काफी लंबे समय तक जीवित रहते हैं; उनमें कैंसर, हृदय रोग तथा अन्य अपक्षयी रोगों की घटनाएं समुद्र तल के निकट रहने वाले लोगों की तुलना में कम होती हैं।

मोर्टिमर एट अल., 1977

"श्वसन का उत्पाद कार्बन डाइऑक्साइड है, और यह जीवन प्रक्रिया का एक अनिवार्य घटक है। पर्याप्त कार्बन डाइऑक्साइड का उत्पादन और उसे बनाए रखना दीर्घायु के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि रासायनिक प्रतिक्रियाओं को आवश्यकतानुसार होने देने के लिए पर्याप्त गर्मी का संरक्षण करना। कार्बन डाइऑक्साइड कई तरीकों से कोशिकाओं की रक्षा करता है। अमीनो समूहों से जुड़कर, यह ऑक्सीडेटिव तनाव के दौरान प्रोटीन के ग्लाइकेशन को रोक सकता है। यह रक्त में मुक्त कणों के निर्माण को सीमित कर सकता है; ज़ैंथिन ऑक्सीडेज का अवरोध एक तंत्र है (शिबाता एट अल., 1998)। यह ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर, IL-8, और अन्य सूजन प्रमोटरों के गठन को कम करके एंडोटॉक्सिन/LPS के कारण होने वाली सूजन को कम कर सकता है (शिमोताकाहारा एट अल., 2008)। यह माइटोकॉन्ड्रिया की रक्षा करता है (लावनी एट अल., 2007), तनाव के दौरान उनकी सांस लेने की क्षमता को बनाए रखता है (या यहाँ तक कि बढ़ाता भी है)," डॉ. रे पीट लिखते हैं।

"माइटोकॉन्ड्रियल श्वसन के दमन से विषाक्त मुक्त कणों का उत्पादन बढ़ जाता है, और कार्बन डाइऑक्साइड की कमी से प्रोटीन मुक्त कणों के हमले के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं।

कार्बन डाइऑक्साइड माइटोकॉन्ड्रियल श्वसन क्रिया के उचित होने का सूचक है। हर प्रकार के ऊतक में, ग्लूकोज का ऑक्सीकरण न हो पाना ऑक्सीडेटिव तनाव और सेलुलर क्षति उत्पन्न करता है," डॉ. रे पीट कहते हैं, और फिर निष्कर्ष निकालते हैं, "श्वसन दोष को ठीक करने पर ध्यान केंद्रित करना सभी बीमारियों और स्थितियों (हृदय रोग, मधुमेह, मनोभ्रंश सहित) के लिए प्रासंगिक होगा, जिसमें सूजन और अनुचित उत्तेजना शामिल है, न कि केवल कैंसर के लिए। कार्बन डाइऑक्साइड का कोशिकाओं पर स्थिर प्रभाव पड़ता है, स्टेम कोशिकाओं को संरक्षित करता है, तनाव को सीमित करता है और कार्य की हानि को रोकता है।"

शरीर की ऑक्सीजन आपूर्ति पर कार्बन डाइऑक्साइड अपने
सुरक्षात्मक पंख फैलाती है।
फ्रेडरिक मिशर

स्विसफिजियोलॉजिस्ट, 1885

पर्याप्त ऑक्सीजन के बिना, इलेक्ट्रॉन परिवहन श्रृंखला इलेक्ट्रॉनों से जाम हो जाती है। नतीजतन, NAD^{192}का उत्पादन नहीं किया जा सकता, जिसके कारण ग्लाइकोलाइसिस के कारण पाइरूवेट के स्थान पर लैक्टिक एसिड का उत्पादन होता है, जो क्रेब्स चक्र का एक आवश्यक घटक है।

सामान्य तौर पर, हम यह मान लेते हैं कि कैंसर कोशिकाएँ माइटोकॉन्ड्रियल ऑक्सीडेटिव फॉस्फोराइलेशन के बजाय ग्लाइकोलाइसिस का उपयोग करके ऊर्जा उत्पन्न करती हैं और माइटोकॉन्ड्रिया निष्क्रिय होते हैं। शोध तकनीकों में प्रगति ने कैंसर कोशिकाओं में माइटोकॉन्ड्रिया को विभिन्न ट्यूमर प्रकारों में आंशिक रूप से कार्यात्मक दिखाया है। हालाँकि, विभिन्न ट्यूमर आबादी में उनकी उच्च ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए विभिन्न बायोएनर्जेटिक परिवर्तन होते हैं जिसका अर्थ है कि वॉरबर्ग प्रभाव सभी कैंसर प्रकारों में एक समान नहीं है।

CO2 में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं।

CO2 के सामान्य धमनी स्तर में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। दरअसल, रूसी माइक्रोबायोलॉजिस्ट के एक समूह ने पाया कि "रक्त में देखे जाने वाले तनाव (37.0 मिमी एचजी) और उच्च तनाव (60- या 146- मिमी एचजी) पर CO2 सक्रिय पदार्थ की पीढ़ी का एक शक्तिशाली अवरोधक है।

मानव कोशिकाओं और माइटोकॉन्ड्रिया द्वारा ऑक्सीजन का निर्माण (मुक्त कण)और ऊतक" (कोगन एट अल., 1997)।

स्वास्थ्य स्थिति	**सांस लेने का प्रकार**	**डिग्री**	**नाड़ी, धड़कन/मिनट**	**सांस लेने की आवृत्ति/ मिनट**	**एल्वियोली में CO2, %**	**एपी, एस**	**सीपी, एस**	**एमपी, एस**
बहुत अच्छा-स्वास्थ्य	उथला	5	48	3	7,5	16	**180**	210
		4	50	4	7,4	12	**150**	190
		3	52	5	7,3	9	**120**	170
		2	55	6	7,1	7	**100**	150
		1	57	7	6,8	5	**80**	120
सामान्य	सामान्य	-	60	8	6,5	4	**60**	90
बीमारी	गहरा	-1	65	10	6,0	3	**50**	75
		-2	70	12	5,5	2	**40**	60
		-3	75	15	5,0	-	**30**	50
		-4	80	20	4,5	-	**20**	40
		-5	90	26	4,0	-	**10**	20
		-6	100	30	3,5	-	**5**	10

जैसा कि हमने देखा है, धमनी हाइपोकैप्निया (CO_2 की कमी) ऊतक हाइपोक्सिया का कारण बनती है जो कई रोग संबंधी प्रभावों को ट्रिगर करती है। सेल हाइपोक्सिया मुक्त कणों के निर्माण और ऑक्सीडेटिव तनाव का प्रमुख कारण है। रक्त में CO_2 की कमी हाइपोक्सिया (कम ऑक्सीजन) के प्रमुख कारणों में से एक है।

फेफड़ों और धमनी रक्त में CO2 का औसत स्तर (समुद्र तल पर 40 mm Hg या लगभग 5.3%) होना दैनिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है। क्या आधुनिक लोगों में CO2 का स्तर सामान्य है? नीचे दी गई तालिका को पढ़ते समय, ध्यान दें कि फेफड़ों में CO2 का स्तर मिनट वेंटिलेशन दरों के विपरीत आनुपातिक है; दूसरे शब्दों में, जितनी अधिक हवा में सांस ली जाती है, एल्वियोलर CO2 का स्तर उतना ही कम होता है।

तेज़ साँस लेना.

दर्जनों अध्ययनों से पता चला है कि आधुनिक "सामान्य व्यक्ति" आराम की अवस्था में लगभग 12 लीटर/मिनट की सांस लेते हैं, जबकि चिकित्सा मानक केवल 6 लीटर/मिनट है। नतीजतन, रक्त CO2 का स्तर औसत से कम है।

डॉ. अर्तोर राखीमोव लिखते हैं, "स्वास्थ्य की माइनस 4 और -5 डिग्री उपरोक्त चार्ट में वे मरीज़ हैं जिनके जीवन को कोई ख़तरा नहीं है फिलहाल, लेकिन उनकी मुख्य चिंता लक्षण हैं। हल्का अस्थमा, हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर की प्रारंभिक अवस्था, और कई अन्य पुरानी बीमारियाँ भी इसी क्षेत्र में आती हैं। दवाएँ लेना इनमें से अधिकांश लोगों के लिए यह मानक विशेषता है। जैसा कि हम देखते हैं तालिका के अनुसार, इन रोगियों की हृदय गति 80 से 90 धड़कन प्रति मिनट तक होती है। साँस लेने की आवृत्ति प्रति मिनट 20 से 26 साँस के बीच होती है (चिकित्सा मानक 12 है, जबकि डॉक्टर बुटेको का मानक प्रति सांस आठ है आराम की अवस्था में मिनट)। शारीरिक व्यायाम बहुत कठिन है क्योंकि तेज चलना भी मुंह से बहुत भारी साँस लेना, थकावट, और लक्षण बिगड़ते जा रहे हैं। थकान की शिकायत होना सामान्य बात है। ये सभी लक्षण अक्सर इतने दुर्बल करने वाले होते हैं कि वे सामान्य जीवन में बाधा डालते हैं जीवन और काम करने, जानकारी का विश्लेषण करने, या दूसरों की देखभाल करने की क्षमता। तनाव और तनाव के कारण चिरकालिक चिंता की स्थिति में रहना अपने खराब स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहना सामान्य बात है। विभिन्न क्षेत्रों (विज्ञान, कला, खेल, आदि) समझौता कर रहे हैं। आरामकुर्सी या नरम सोफे पर बैठना सबसे खराब है सबसे पसंदीदा आसन।"

डॉ. लिन एल्ड्रिज और कई अन्य लोगों ने पाया है कि अधिकांश आधुनिक वयस्क स्वस्थ श्वसन दर से कहीं अधिक तेज़ गति से सांस लेते हैं। कैंसर और अन्य गंभीर रूप से बीमार रोगियों में श्वसन दर आमतौर पर

उच्चतर, आम तौर पर लगभग 20 साँस/मिनट या उससे अधिक। इसका मतलब है कि आम आबादी कोशिकाओं को उपलब्ध ऑक्सीजन को कम कर रही है, जिससे कैंसर की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। कोशिकाओं की भारी धातु और रासायनिक विषाक्तता ऑक्सीजन को और बाधित करती है, साथ ही पोषण संबंधी कमियाँ कैंसर का कारण बनती हैं।

कोशिकाओं में ऑक्सीजन की उपलब्धता ग्लूकोज ऑक्सीकरण को कम करती है, जबकि ऑक्सीजन की कमी से ग्लूकोज का तेजी से उपभोग होता है और कम कुशल एनारोबिक ग्लाइकोलाइसिस के माध्यम से लैक्टेट के लिए एटीपी का उत्पादन होता है। यह कैंसर और अन्य बीमारियों की एक पूरी श्रृंखला में ऑक्सीजन थेरेपी का आधार है क्योंकि अधिकांश गंभीर रूप से बीमार लोगों को, यदि सभी नहीं, तो ऑक्सीजन और इसकी पूरी तरह से मिश्रित गैस, कार्बन डाइऑक्साइड दोनों के साथ चुनौतीपूर्ण समय का सामना करना पड़ रहा है।

कैंसर होने तक सब कुछ बिल्कुल सामान्य है।

हम अपनी मांसपेशियों से कुछ सबक ले सकते हैं जब उन्होंने कड़ी मेहनत की। जब शरीर में भरपूर ऑक्सीजन होती है, तो पाइरूवेट को एरोबिक मार्ग पर भेजा जाता है ताकि अधिक ऊर्जा के लिए इसे तोड़ा जा सके। लेकिन जब ऑक्सीजन सीमित होती है, तो शरीर अस्थायी रूप से पाइरूवेट को लैक्टेट में बदल देता है, जिससे ग्लूकोज का टूटना और ऊर्जा उत्पादन जारी रहता है। स्वस्थ एथलेटिक व्यक्तियों में भी, जब हम मांसपेशियों को बड़ी चुनौतियों का सामना कराते हैं, तो ऑक्सीजन का स्तर अस्थायी रूप से गिर जाता है, जो हमें दिखाता है कि जब कोशिकाओं को ऑक्सीजन की कमी होती है तो क्या होता है।

कैंसर में, यह परिवर्तन स्थायी हो जाता है। कैंसर कोशिकाएं ऑक्सीजन की मौजूदगी में भी ग्लूकोज और लैक्टेट उत्पादन के किण्वन को जारी रखेंगी। हालांकि, साक्ष्य बताते हैं कि कुछ कैंसर कोशिकाएं, विशेष रूप से युवा कैंसर कोशिकाएं, पर्याप्त ऑक्सीजन मिलने पर सामान्य कोशिकाओं में वापस आ सकती हैं।

हमारे ऊतकों में लैक्टिक एसिड कई कारणों से जैविक समस्याओं का कारण है; लैक्टिक एसिड कार्बन डाइऑक्साइड को विस्थापित करता है। तनाव चयापचय की प्राथमिक विशेषताओं में तनाव हार्मोन, लैक्टेट, अमोनिया, मुक्त फैटी एसिड, वसा संश्लेषण और कार्बन डाइऑक्साइड में कमी शामिल है। रक्त में लैक्टिक एसिड को दोषपूर्ण श्वसन के संकेत के रूप में लिया जा सकता है

चूंकि लैक्टिक एसिड में ग्लूकोज का टूटना कमी की पूर्ति के लिए बढ़ जाता हैऑक्सीडेटिव ऊर्जा उत्पादन.

ग्लूकोज को पाइरुविक एसिड में चयापचयित किया जा सकता है, जो ऑक्सीजन की उपस्थिति में कार्बन डाइऑक्साइड में बदल जाता है। ऑक्सीजन के बिना, पाइरुविक एसिड लैक्टिक एसिड में बदल जाता है। कार्बन डाइऑक्साइड में कमी के साथ लैक्टिक एसिड का उत्पादन भी बढ़ जाता है।

लैक्टिक एसिड की कार्बन डाइऑक्साइड को विस्थापित करने की क्षमता रक्त के थक्के बनाने की प्रणाली में भाग लेती है। यह प्रसारित इंट्रावास्कुलर जमावट और खपत जमावट में योगदान देता है। यह लाल कोशिकाओं के एकत्र होने की प्रवृत्ति को बढ़ाता है, जिससे "रक्त कीचड़" बनता है, जिससे लाल कोशिकाएं अधिक कठोर हो जाती हैं, रक्त की चिपचिपाहट बढ़ जाती है और छोटी वाहिकाओं में रक्त संचार बाधित होता है। (श्मिड-शोनबीन, 1981; कोबायाशी एट अल., 2001; मार्टिन एट अल., 2002; यामाजाकी एट अल., 2006.) लैक्टेट और सूजन एक दुष्चक्र में एक दूसरे को बढ़ावा देते हैं (कावाची एट अल., 2008)।

थायरॉइड की कमी से कार्बन डाइऑक्साइड का अपर्याप्त उत्पादन होता है और ग्लूकोज की बर्बादी होती है।

डॉ. रे पीट

कार्बन डाइऑक्साइड कई तरह से कोशिकाओं की रक्षा करता है। अमीनो समूहों से जुड़कर, यह ऑक्सीडेटिव तनाव के दौरान प्रोटीन के ग्लाइकेशन को रोक सकता है। यह रक्त में मुक्त कणों के निर्माण को सीमित कर सकता है; ज़ैंथिन ऑक्सीडेज का अवरोधयह एक तंत्र है (शिबाता एट अल., 1998)। यह ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर, IL-8 और अन्य सूजन प्रमोटरों के गठन को कम करके एंडोटॉक्सिन/LPS के कारण होने वाली सूजन को कम कर सकता है (शिमोताकाहारा एट अल., 2008)। CO2 माइटोकॉन्ड्रिया की रक्षा करता है (लावानी एट अल., 2007), तनाव के दौरान उनकी सांस लेने की क्षमता को बनाए रखता है (या यहां तक कि बढ़ाता है)।"

कार्बन डाइऑक्साइड कोशिकाओं को स्थिर करता है, स्टेम कोशिकाओं को संरक्षित करता है, तनाव को सीमित करता है, और कार्यक्षमता में कमी को रोकता है। कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग पेट की सर्जरी के दौरान आसंजनों से बचने और मैकेनिकल वेंटिलेशन के दौरान फेफड़ों की सुरक्षा के लिए किया जा सकता है।

अत्यधिक और अनुपयुक्त तनाव प्रतिक्रिया को रोकने के लिए पर्याप्त कार्बन डाइऑक्साइड आवश्यक है। कार्बन डाइऑक्साइड की कमी (जैसे कि हाइपरवेंटिलेशन या रक्त में लैक्टिक एसिड की उपस्थिति से उत्पन्न हो सकती है) सेलुलर ऊर्जा (एटीपी और क्रिएटिन फॉस्फेट के रूप में) को कम करती है और प्रोटीन (एंटीबॉडी सहित) और अन्य सेलुलर सामग्रियों के संश्लेषण में बाधा डालती है।

ऑक्सीजन कार्बन डाइऑक्साइड कनेक्शन.

ज़्यादातर लोगों की साँस लेने की आदतें अस्वस्थ होती हैं। वे अपनी साँस रोक लेते हैं या छाती में ऊपर की ओर या उथली, अनियमित तरीके से साँस लेते हैं। ये पैटर्न अनजाने में अपनाए गए हैं, गलती से बने हैं या भावनात्मक रूप से प्रभावित हुए हैं।

कुछ "विशिष्ट" श्वास पैटर्न शारीरिक और मनोवैज्ञानिक तनाव और चिंता प्रतिक्रियाओं को ट्रिगर करते हैं। बच्चे जानते हैं कि कैसे सांस लेनी है, और आप देख सकते हैं कि डायाफ्राम के नीचे जाने पर उनका पेट फूल जाता है और उनका पेट फूल जाता है। वयस्क अपनी छाती गुहा को फैलाकर अधिक सांस लेते हैं, और अधिक प्राकृतिक श्वास पैटर्न पर लौटने के लिए प्रशिक्षण और अनुशासन की आवश्यकता होती है जो पूर्ण ऑक्सीजनेशन की अनुमति देता है।

कार्बन डाइऑक्साइड की कमी हानिकारक है, हालांकि कई जलवायु उन्मादी लोग जोर-शोर से यह कहते फिर रहे हैं कि हमारे पास बहुत अधिक है और हमें इस पर कर लगाना चाहिए। कार्बन डाइऑक्साइड जीवित पदार्थ का एक मूलभूत घटक है, जैसा कि ऑक्सीजन है और यदि आप इससे असहमत हैं, तो पौधों से पूछें! जब लोगों में बाइकार्बोनेट की कमी होती है (एसिड की स्थिति, जो कि ज्यादातर लोगों में उम्र बढ़ने के साथ विकसित होती है), तो उनमें कार्बन डाइऑक्साइड की कमी होती है, जो ऑक्सीजन की कमी में तब्दील हो जाती है।

यदि कार्बन डाइऑक्साइड की कमी लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह बीमारियों, बुढ़ापे और कैंसर का कारण बनती है क्योंकि ऊतकों तक ऑक्सीजन उचित रूप से नहीं पहुंच पाती है। प्राचीन चिकित्सा पद्धति जानती थी कि कैसे कार्बन डाइऑक्साइड की कमी को दूर किया जाए

जीवन शक्ति बढ़ाने और बीमारी से मुक्ति के लिए अच्छी साँस लेने की आदतें। वे जानते थे कि खराब साँस लेने से हमारी जीवन शक्ति कम हो जाती है और बीमारी का द्वार खुल जाता है।

श्वसन का यिन यांग.

महत्वपूर्ण बात गैसों का संबंध है - कार्बन डाइऑक्साइड और ऑक्सीजन के बीच। बहुत ज़्यादा ऑक्सीजन (कार्बन डाइऑक्साइड स्तर के सापेक्ष), और हम बेचैन और बेचैन महसूस करते हैं। बहुत ज़्यादा कार्बन डाइऑक्साइड (फिर से, ऑक्सीजन स्तर के सापेक्ष), और हम सुस्त, नींद और थका हुआ महसूस करते हैं।

अधिकांश डॉक्टर इस प्राकृतिक गलत धारणा को बनाए रखते हैं कि ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड एक दूसरे के विरोधी हैं, अर्थात रक्त में एक की वृद्धि से दूसरे की हानि होती है। यह सही नहीं है; हालाँकि प्रत्येक गैस दबाव को बढ़ाती है और इस प्रकार दूसरे के प्रसार को बढ़ावा देती है, दोनों गैसें रक्त में अलग-अलग तरीकों से पकड़ी और परिवहन की जाती हैं; कणिकाओं में हीमोग्लोबिन ऑक्सीजन ले जाता है, जबकि प्लाज्मा में कार्बन डाइऑक्साइड क्षार के साथ संयुक्त होती है।[193]

रक्त के नमूने में दोनों गैसें अधिक या दोनों गैसें कम हो सकती हैं। नैदानिक स्थितियों में, कम ऑक्सीजन और कम कार्बन डाइऑक्साइड एक साथ होते हैं। हवा में घुली इस गैस को साँस के ज़रिए अंदर लेने से कार्बन डाइऑक्साइड की चिकित्सीय वृद्धि अक्सर रक्त और ऊतक ऑक्सीकरण में सुधार का एक प्रभावी साधन है।[194]

कार्बन डाइऑक्साइड और ऑक्सीजन से घाव भरना।

कार्बन डाइऑक्साइड के गहन उपचारात्मक प्रभाव को देखें। नीचे मधुमेह के पैर के लिए $CO2$ दवा के उपचारात्मक प्रभावों को दर्शाया गया है। कार्बन डाइऑक्साइड फ़ुटबाथ थेरेपी मधुमेह के पैर और अन्य इस्केमिक अल्सर को ठीक करती है।[195]यह उपचार सोडियम बाइकार्बोनेट स्नान से पूरा किया गयाइसमें साइट्रिक एसिड होता है, जो बाइकार्बोनेट को $CO2$ सूक्ष्म बुलबुले में तोड़ देता है।

यह उपचार से पहले, फिर एक महीने और उपचार के तीन महीने बाद होता है। इस तरह के मधुमेह वाले पैर की मदद करने वाला एकमात्र अन्य उपचार मैग्नीशियम थेरेपी है, जो बाइकार्बोनेट और $CO2$ दवा उपचार के साथ स्नान में खूबसूरती से संयोजित होता है।

हम उसी उपचार प्रकार को ऑक्सीजन के साथ देख और तुलना कर सकते हैं और देख सकते हैं कि परिणाम समान हैं। टेनेसी मेडिकल स्कूल विश्वविद्यालय दिखाता है कि घाव भरने के लिए ऑक्सीजन क्या कर सकता है।[196] हमारे शरीर की हर कोशिका ऑक्सीजन की उपलब्धता में होने वाले बदलावों को पहचान सकती है और उनका जवाब दे सकती है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण तब है जब हम ऊँचाई पर चढ़ते हैं जहाँ हवा में ऑक्सीजन कम होती है। कोशिकाएँ रक्तप्रवाह के माध्यम से ऑक्सीजन में कमी को पहचानती हैं और प्रतिक्रिया करती हैं, 'हाइपोक्सिक प्रतिक्रिया' का उपयोग करके एक EPO प्रोटीन (एरिथ्रोपोइटिन) का उत्पादन करती हैं। बदले में, यह प्रोटीन शरीर को अधिक से अधिक लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन करने के लिए उत्तेजित करता है ताकि कम ऑक्सीजन के स्तर को जितना संभव हो सके उतना अवशोषित किया जा सके।[197]

अगर हम कोशिकाओं में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन पहुंचाएं तो हम माइटोकॉन्ड्रिया को फिर से सक्रिय होने और ऊर्जा के लिए क्रेब्स चक्र का उपयोग करने के लिए मजबूर कर सकते हैं। हाइड्रोजन मिलाने पर यह प्रक्रिया आसान हो जाती है।

यदि आप कैंसर कोशिका में पर्याप्त ऑक्सीजन और हाइड्रोजन डालते हैं, तो यह क्रेब्स चक्र (माइटोकॉन्ड्रिया) को चालू कर देगा, जो कोशिका मृत्यु कार्यक्रम को फिर से शुरू कर देता है। याद रखें, कार्बन डाइऑक्साइड क्रेब्स चक्र का मुख्य उत्पाद है। इसलिए, जब कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ता है, तो हम अपने स्वास्थ्य को बढ़ाते हैं। इसलिए व्यायाम बहुत महत्वपूर्ण है। यह बहुत अधिक $CO2$ बनाने का सबसे अच्छा तरीका है! माइटोकॉन्ड्रिया से पर्याप्त मात्रा में निकलने वाली $CO2$ यह दर्शाती है कि हमारे जीवन की ऊर्जा फैक्ट्रियाँ सभी बर्नर जलने के साथ चालू हो गई हैं।

श्वास पुनःप्रशिक्षण.



सभी डॉक्टरों को पता होना चाहिए कि गंभीर रूप से बीमार और खतरनाक तीव्र संक्रमण वाले लोगों को अपने फेफड़ों में जाने और बाहर जाने वाली हवा की मात्रा को नियंत्रित करने से तुरंत लाभ होता है। फ्रोलोव के साथ, दिन में एक या दो बार 20 मिनट के अंतराल में, कोई भी महत्वपूर्ण चिकित्सा मापदंडों को नियंत्रित करना शुरू कर सकता है, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण कोशिकाओं और ऊतकों तक ऑक्सीजन पहुंचाना है।

"मेडिकल पाठ्यपुस्तकों से पता चलता है कि वयस्कों की सामान्य श्वसन दर आराम की अवस्था में केवल 12 साँस प्रति मिनट होती है। पुरानी पाठ्यपुस्तकें अक्सर इससे भी कम मान प्रदान करती हैं (जैसे, 8-10 साँस प्रति मिनट)। बीमार लोगों में श्वसन दर आमतौर पर अधिक होती है, आम तौर पर लगभग 20 साँस/मिनट या उससे अधिक," आर्टोर राखिमोव लिखते हैं।

जब हम सांस लेने की पुनः ट्रेनिंग का अभ्यास करते हैं, तो यह चार जंगली घोड़ों के साथ रथ पर खड़े होने जैसा होता है। हम लगाम को पीछे खींचते हैं - हवा के प्रवाह को सीमित करते हैं, सब कुछ धीमा कर देते हैं - हम इलेक्ट्रॉन प्रवाह को बढ़ाते हैं, सेलुलर वोल्टेज, पीएच और ऑक्सीजनेशन के साथ-साथ कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को बढ़ाते हैं।

अधिक ही कम है।

चिकित्सा अध्ययनों ने साबित कर दिया है कि हम जितनी अधिक सांस लेते हैं, शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को उतनी ही कम ऑक्सीजन मिलती है। क्या यह आपको उल्टा लगता है? आदर्श श्वास धीमी, हल्की और आसान पेट की श्वास (जिसे डायाफ्रामिक या पेट की श्वास भी कहा जाता है) से मेल खाती है, जिसे अधिकांश वयस्कों को फिर से सीखने की आवश्यकता होती है। डायाफ्रामिक श्वास व्यक्ति को सामान्य साँस लेने की अनुमति देता हैजबकि रक्तप्रवाह में प्रवाहित ऑक्सीजन की मात्रा को अधिकतम किया जाता है।

"गहरी साँस लेने" के व्यायाम और तकनीक, साँस लेने के बारे में कुछ जानने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए, किसी भी तरह से यह सुझाव नहीं देते हैं कि किसी को ज़्यादा साँस लेनी चाहिए। गहरी साँस लेना पेट की साँस लेने का एक और तरीका है, जो उथली, सतही छाती की साँस के विपरीत है। गहरी साँस बहुत धीमी होनी चाहिए ताकि रक्त में अधिक $CO2$ जमा हो। गहरी साँस लेने का मतलब है कम हवा में साँस लेना, ज़्यादा नहीं। कुछ लोगों को लगता है कि चिकित्सीय साँस लेने को 'गहरी साँस लेना' कहना गलत है। यदि आप कम साँस लेते हैं और $CO2$ जमा करते हैं, तो सही नाम 'कम साँस लेना' है," राखीमोव लिखते हैं।

जब हम सांस लेने वाले उपकरण का उपयोग करके कम सांस लेते हैं, तो हम सीधे तौर पर प्रभावित करते हैंअनैच्छिक (सहानुभूति तंत्रिका तंत्र) जो रक्तचाप, हृदय गति, परिसंचरण, पाचन और कई अन्य शारीरिक कार्यों को नियंत्रित करता है। सांस जीवन है, इसलिए अगर हम अपनी सांस के प्रति जागरूकता लाएं और सांस लेने के तरीके को फिर से प्रशिक्षित करें तो हम जीवित, जीवंत और स्वस्थ महसूस कर सकते हैं।

जब हम सही तरीके से सांस लेते हैं, तो हम अधिक स्वस्थ रह सकते हैं क्योंकिहमारी सांस सबसे ज़रूरी ऊर्जा स्रोत है। हिप्पोक्रेट्स ने कहा, "हवा जीवन का एक चारागाह है और सभी का सबसे बड़ा शासक है।" मुझे लगता है कि वह वही जानता था जो प्राचीन पूर्वी दार्शनिक जानते थे - कि हवा में "ऊर्जा का एक महासागर" है जिसका सीधे दोहन किया जा सकता है।

हम हर दिन, पूरे दिन सांस लेते हैं, इसलिए हमें इसे सही तरीके से करना चाहिए। चूँकि सांस लेना हमारे जीवन की पहली और आखिरी शारीरिक गतिविधि है, इसलिए हमें स्वास्थ्य और विश्राम की हमारी खोज में इसके महत्व पर विचार करना चाहिए। हम भोजन के बिना लंबे समय तक और बिना पानी पिए कुछ दिन तक जीवित रह सकते हैं, लेकिन सांस के बिना जीवन मिनटों में मापा जाता है। दुर्भाग्य से, जब तक कोई योग में भाग नहीं लेता या सिखाता नहीं है, तब तक सांस लेने पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता जितना मिलना चाहिए।

अमेरिकन एकेडमी ऑफ कार्डियोलॉजी का कहना है, "तनाव से सांस फूलने की समस्या हो सकती हैसांस फूलना या इसे और खराब करना। एक बार जब आपको सांस फूलने लगती है, तो घबराहट या चिंता होना आम बात है। यह आपकी सांस की तकलीफ को और भी बदतर बना सकता है। चिंतित होने से आपकी सांस लेने में मदद करने वाली मांसपेशियां सख्त हो जाती हैं; इससे आप तेजी से सांस लेने लगते हैं। जैसे-जैसे आप अधिक चिंतित होते हैं, आपकी सांस लेने वाली मांसपेशियां थक जाती हैं। इससे सांस फूलने और अधिक चिंता होने लगती है। इस बिंदु पर, आप घबरा सकते हैं।

तनाव से बचना या उसे नियंत्रित करना सीखना आपको इस चक्र से बचने में मदद कर सकता है। आप आराम करने में मदद करने के लिए सुझाव सीख सकते हैं और अपने फेफड़ों में अधिक हवा पहुँचाने के लिए साँस लेने की तकनीक सीख सकते हैं।

अमेरिकन एकेडमी ऑफ कार्डियोलॉजी

धीमी गति से सांस लेने के लाभ.

1. सांस लेने से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं।
2. सांस लेने से तनाव मुक्त होता है.
3. सांस लेने से मन/शरीर को आराम मिलता है और स्पष्टता आती है।
4. सांस लेने से भावनात्मक समस्याओं से राहत मिलती है।
5. सांस लेने से दर्द से राहत मिलती है.
6. सांस लेने से आपके अंगों की मालिश होती है।
7. सांस लेने से मांसपेशियां बढ़ती हैं।
8. सांस लेने से प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है।
9. सांस लेने से मुद्रा में सुधार होता है।
10. सांस लेने से रक्त की गुणवत्ता में सुधार होता है।
11. सांस लेने से भोजन का पाचन और आत्मसातीकरण बढ़ता है।
12. सांस लेने से तंत्रिका तंत्र में सुधार होता है।
13. सांस लेने से फेफड़े मजबूत होते हैं।
14. उचित श्वास लेने से हृदय मजबूत होता है।
15. उचित श्वास लेने से वजन नियंत्रण में सहायता मिलती है।
16. सांस लेने से ऊर्जा का स्तर बढ़ता है और सहनशक्ति में सुधार होता है।
17. सांस लेने से कोशिका पुनर्जनन में सुधार होता है।
18. सांस लेने से मूड अच्छा होता है।

यहां तक कि रीडर्स डाइजेस्ट ने भी सांस लेने के बारे में लिखते हुए कहा, "सांस लेने से ज़्यादा बुनियादी क्या हो सकता है? सांस लें, छोड़ें, दोहराएं... है न? बिल्कुल नहीं। पश्चिमी विज्ञान और चिकित्सा सांस लेने को शारीरिक क्रिया के रूप में देखते हैं जो जीवित रहने के लिए अभिन्न अंग है। पूर्वी स्वास्थ्य विज्ञान इसे शरीर और आत्मा दोनों के लिए पोषण के रूप में देखता है। चीनी मानते हैं कि ध्यानपूर्वक सांस लेना, या "सांस लेने का काम" के कई लाभ हैं, जिसमें बेहतर ध्यान और दक्षता, बढ़ी हुई सकारात्मकता और अधिक शारीरिक और मानसिक ऊर्जा शामिल है।"

"शरीर अपनी कार्यप्रणाली के लिए ज़रूरी कई चीज़ों को वसा के रूप में संग्रहीत कर सकता है, जैसे कि विटामिन और भोजन। ऑक्सीजन एक ऐसी चीज़ है जिसे कुछ मिनटों से ज़्यादा समय तक पर्याप्त मात्रा में संग्रहीत नहीं किया जा सकता। आराम की अवस्था में रक्त में घुली हुई ऑक्सीजन की मात्रा लगभग एक चौथाई होती है, लेकिन इसका उपयोग कोशिकाओं द्वारा ऊर्जा उत्पादन के लिए लगातार किया जाता है। फेफड़ों को विभिन्न गतिविधियों के लिए पर्याप्त आपूर्ति प्रदान करने के लिए लगातार काम करने की ज़रूरत होती है।"

आपकी सांस लेने की दर या श्वसन दर को एक व्यक्ति द्वारा आराम करते समय एक मिनट में ली जाने वाली सांसों की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है। हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि श्वसन दर की सटीक रिकॉर्डिंग गंभीर चिकित्सा घटनाओं की भविष्यवाणी करने में महत्वपूर्ण है। चूंकि कई कारक परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए यह समझना आवश्यक है कि सटीक माप कैसे लिया जाए। घड़ी देखते हुए, दो मिनट में आप कितनी बार सांस लेते हैं, इसकी गिनती करें। तीन बार प्रयास करें और औसत निकालें। प्रति मिनट सांसों की औसत संख्या जानने के लिए दो से भाग दें।

दर को आराम करते समय मापा जाना चाहिए, किसी के उठने और चलने के बाद नहीं। यह जानना कि आपकी साँसों की गिनती की जा रही है, परिणाम को गलत बना सकता है, क्योंकि लोग अक्सर अपनी साँस लेने के तरीके को बदल देते हैं यदि उन्हें पता है कि उनकी निगरानी की जा रही है। नर्सें श्वसन की सावधानीपूर्वक गणना करके, आपकी छाती के ऊपर उठने और नीचे गिरने की संख्या को देखकर इस समस्या पर काबू पाने में कुशल हैं - अक्सर आपकी नाड़ी लेने का नाटक करते हुए।

फेफड़े के विशेषज्ञ डॉ. लिन एल्ड्रिज का कहना है कि "आम तौर पर, बच्चों की श्वसन दर वयस्कों की तुलना में तेज़ होती है, और महिलाएँ पुरुषों की तुलना में ज़्यादा बार साँस लेती हैं। विभिन्न आयु समूहों के लिए सामान्य सीमाएँ नीचे सूचीबद्ध हैं:

नवजात शिशु: प्रति मिनट 30-60 साँसें
शिशु (1 से 12 महीने): 30-60 साँस प्रति मिनट बच्चा (1-2 वर्ष): 24-40 साँस प्रति मिनट प्रीस्कूलर (3-5 वर्ष): 22-34 साँस प्रति मिनट स्कूल जाने वाले बच्चे (6-12 वर्ष): 18-30 साँस प्रति मिनट किशोर (13-17 वर्ष): 12-16 साँस प्रति मिनट वयस्क: 12-18 साँस प्रति मिनट (तेज़ गति से साँस लेना 'नई' सामान्य बात है)

डॉ. शेल्डन सॉल हेंडलर लिखते हैं, "सांस लेना निस्संदेह आपके जीवन में सबसे महत्वपूर्ण काम है। और सही तरीके से सांस लेना आपके जीवन को बेहतर बनाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण काम है।" तो, जब हम कम सांस लेते हैं तो हमारे जीवन और स्वास्थ्य के बीच वास्तविक अंतर क्या होता है? माइकल व्हाइट द्वारा एकत्रित की गई जानकारी से आप चकित हो जाएंगे। 85,000 लोगों ने उनकी साइट पर प्रश्नावली भरी, जिसमें निम्नलिखित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई:

पूर्ण श्वास बनाम निदानित स्थितियां

बी/कि1	घ. चिंता या घबराहट के दौरे			च. ध्यान संबंधी मुद्दे			उच्च रक्तचाप			नींद संबंधी विकार			m.अवसाद			z.अधिक वजन/मोटापा		
	कुल परीक्षार्थियों का %	पंक्ति विकल्प वाले कुल परीक्षार्थियों का %	कॉलम विकल्प वाले कुल परीक्षार्थियों का %	कुल परीक्षार्थियों का %	पंक्ति विकल्प वाले कुल परीक्षार्थियों का %	कॉलम विकल्प वाले कुल परीक्षार्थियों का %	कुल परीक्षार्थियों का %	पंक्ति विकल्प वाले कुल परीक्षार्थियों का %	कॉलम विकल्प वाले कुल परीक्षार्थियों का %	कुल परीक्षार्थियों का %	पंक्ति विकल्प वाले कुल परीक्षार्थियों का %	कॉलम विकल्प वाले कुल परीक्षार्थियों का %	कुल परीक्षार्थियों का %	पंक्ति विकल्प वाले कुल परीक्षार्थियों का %	कॉलम विकल्प वाले कुल परीक्षार्थियों का %	कुल परीक्षार्थियों का %	पंक्ति विकल्प वाले कुल परीक्षार्थियों का %	कॉलम विकल्प वाले कुल परीक्षार्थियों का %
5-6	1.4	13.8	6.5	0.2	1.8	3.9	1.4	13.8	9.2	0.5	4.6	4.7	0.8	8.3	5.4	1.5	15.6	8.3
7-8	3.0	22.0	14.3	0.5	3.3	9.8	2.2	16.0	14.7	1.2	8.7	12.1	2.3	16.7	14.9	2.6	19.3	14.1
9-11	5.1	22.0	24.2	0.7	3.1	15.7	3.4	15.0	23.3	2.4	10.6	25.2	3.1	13.4	20.2	4.3	18.5	22.8
12-24	9.5	22.0	45.5	2.6	6.1	56.9	6.1	14.0	41.1	4.2	9.6	43.0	7.6	17.6	50.0	9.0	20.8	48.1

सौजन्य: breathe.com

आपको इस चार्ट को कुछ देर तक देखना चाहिए और इसकी जानकारी को अपने अंदर समाहित करना चाहिए। आप देख सकते हैं कि धीमी गति से सांस लेने वाले स्वस्थ हैं, और तेज़ गति से सांस लेने वाले अपने शरीर और जीवन के साथ सबसे कठिन समय बिता रहे हैं। तेज़ गति से सांस लेने वाले लोग धीमी गति से सांस लेने वालों की तुलना में अधिक चिंता के स्तर, अवसाद, नींद संबंधी विकार और उच्च रक्तचाप से पीड़ित होते हैं।

डॉ. फ्रेड मुएंच कहते हैं, "जब आप एक मिनट में दस साँसों से नीचे चले जाते हैं, तो आप पैरासिम्पेथेटिक तंत्रिका तंत्र को सक्रिय करना शुरू कर देते हैं, जो चोट लगने पर शरीर को आराम करने में मदद करता है। धीमी गति से साँस लेने से वेगस तंत्रिका सक्रिय होती है, जो प्राथमिक कपाल तंत्रिका है, जो एक स्वस्थ अवस्था से जुड़ी होती है।" शायद अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि धीमी गति से साँस लेने से हृदय गति परिवर्तनशीलता बढ़ जाती है, जो किसी गतिविधि के दौरान दिल की धड़कनों में उतार-चढ़ाव को दर्शाती है। "यदि आपकी हृदय गति 60 से 80 बीट प्रति मिनट के बीच उतार-चढ़ाव करती है, तो हृदय संबंधी दृष्टि से, यह उस व्यक्ति की तुलना में अधिक स्वस्थ है, जिसकी हृदय गति केवल 70 और 75 बीट प्रति मिनट के बीच बदलती है," मुएंच कहते हैं। "इसका मतलब है कि आपका सिस्टम इतना कठोर नहीं है। लांस आर्मस्ट्रांग जैसे व्यक्ति की हृदय गति परिवर्तनशीलता में बहुत अधिक उतार-चढ़ाव होता है, जबकि अस्वस्थ या वृद्ध व्यक्ति की हृदय गति में बहुत कम उतार-चढ़ाव होता है। परिवर्तनशीलता बढ़ाने का तरीका धीरे-धीरे साँस लेना है।"

एक व्यक्ति जो एक मिनट में चार बार सांस ले रहा है, वह दिन में केवल 5,760 बार सांस लेगा। आठ सांसों की ‘‘सामान्य’’ सांस लेने की दर पर, एक मिनट में दोगुनी गिनती 11,520 सांसों की होती है। 16 साल की उम्र में, जो कई बीमार लोगों के लिए अभी भी धीमी है, यह दर एक दिन में 23,000 सांसों तक पहुँच जाती है। एक मिनट में 25 सांसों के हिसाब से, हम एक दिन में 36,000 सांसों की दर से आगे बढ़ रहे हैं, जो सामान्य दर से बहुत ज़्यादा है।

डॉ. बुटेको ने पाया कि लगभग सभी बीमार लोगों (अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, आदि) में श्वसन पैटर्न में तेजी होती है। तेजी से सांस लेने के दौरान, कार्बन डाइऑक्साइड की कमी हो जाती है, कोशिकाओं में ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है, सांस रोकने का समय कम हो जाता है, और प्रत्येक सांस में प्राकृतिक स्वचालित विराम अनुपस्थित होता है।

फ्रेमिंगहैम अध्ययन में 5,000 से अधिक रोगियों पर तीस साल तक अध्ययन करने के बाद, बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के डॉक्टरों ने कहा कि वे लोगों की सांस लेने की क्षमता के आधार पर दीर्घकालिक और अल्पकालिक मृत्यु दर की भविष्यवाणी कर सकते हैं। डॉ. विलियम कैनेल ने कहा कि एक व्यक्ति की महत्वपूर्ण सांस

क्षमता ‘‘उन लोगों को चुन सकती है जो आज से 10, 20 या 30 साल बाद मरने वाले हैं।’’

अपनी पुस्तक परफेक्ट ब्रीदिंग में, अल ली और डॉन कैंपबेल कहते हैं, "सांस का प्रभाव जीवन के हर पहलू में फैलता है और मानव कार्य की जड़ में खुद को दिखाता है। प्राचीन शिक्षकों, ऋषियों, योगियों और मार्शल कलाकारों ने इसकी शक्ति की खोज की और योग, चीगोंग और कराटे के साथ-साथ कई अन्य अभ्यासों के साथ इसके इर्द-गिर्द अनुशासन विकसित किए। सांस को समझने का मतलब है मानव मशीन को समझना और प्रत्येक सांस कैसे शरीर को विकसित और नियंत्रित कर सकती है। सांस लेना ध्यान, चिंतनशील विचार और प्रार्थना की नींव बनाता है। फिर भी, यह विज्ञान और चिकित्सा को भी सूचित कर रहा है, क्योंकि सचेत सांस लेना तनाव से लड़ने, बीमारी के प्रति प्रतिरोधक क्षमता बनाने और कई तरीकों से शरीर को ठीक करने के उपकरण के रूप में अपनी योग्यता साबित करता है। एक आदर्श सांस क्या है? किसी महान लेकिन अप्राप्य लक्ष्य से बहुत दूर, जिसे हासिल करने के लिए वर्षों के कठोर अभ्यास की आवश्यकता होती है, एक आदर्श सांस वह सांस है जिसे आप पूरी तरह से ध्यान और जागरूकता के साथ लेते हैं। उस एक साधारण सांस के अंतराल में, महान चीजें हासिल की जा सकती हैं। सही सांस लेना प्राप्त करने योग्य और आसान पहुंच के भीतर है। आपकी अगली सांस एक आदर्श सांस हो सकती है।"

अधिकांश आधुनिक लोग सांस लेने की समस्याओं से पीड़ित हैं। आम समस्याओं में छाती से सांस लेना (पेट के डायाफ्राम से सांस लेने के विपरीत), मुंह से सांस लेना और हाइपरवेंटिलेशन (बहुत तेजी से सांस लेना) शामिल हैं, ये सभी शरीर की कोशिकाओं में ऑक्सीजन के स्तर को कम करते हैं और पुरानी बीमारियों को बढ़ावा देते हैं। निष्कर्ष यह है कि हम जितनी तेजी से सांस लेते हैं, हम उतने ही बीमार होते हैं। अगर कोई सावधान नहीं है तो बहुत तेजी से सांस लेने से व्यक्ति ताबूत में समा जाएगा और वास्तव में, अगर कोई नियंत्रण नहीं करता है तो जीवन दर्द और बीमारी के साथ जीएगा।

डॉ. नेरिना रामलखन लिखती हैं, "मैंने देखा कि 75% से ज़्यादा क्लाइंट (मरीज नहीं - ये 'अच्छे' कॉर्पोरेट कर्मचारी थे) सही तरीके से सांस नहीं ले रहे थे, जिससे वे तनावग्रस्त, लगातार थके हुए, ज़्यादा वज़न वाले और अनिद्रा से पीड़ित हो सकते थे। हमारी सेहत के लिए यह ज़रूरी है कि हम अपनी सांसों को सही तरीके से लें। मेरी सलाह सरल है - सिर्फ़ 21 दिनों के लिए, अपनी सांसों के प्रति थोड़ा जुनूनी बनें। दिन में पाँच बार इस पर ध्यान दें: सुबह बिस्तर से उठने से पहले सबसे पहले, रात को सोने से पहले सबसे आखिरी चीज़, और फिर दिन में तीन बार ऐसा करें।

अपने पैरों को ज़मीन पर रखें, अपनी साँस को अपने पेट में डालें, लंबी साँस छोड़ें और मोटी साँस अंदर लें। होशपूर्वक अच्छी साँस लें ताकि बाद में आप अनजाने में भी अच्छी साँस ले सकें।"

चेतावनी:स्थिति की गंभीरता और प्रकार के आधार पर, रोगियोंअगर वे बहुत ज़्यादा आक्रामक तरीके से गहन श्वास सत्र में जाते हैं, तो उनका स्वास्थ्य और भी खराब हो सकता है। कुछ गंभीर रूप से बीमार रोगियों में आक्रामक और तेज़ श्वास परिवर्तनों से उच्च रक्तचाप, घबराहट के दौरे और माइग्रेन का सिरदर्द भी हो सकता है।

डायाफ्रामिक श्वास.

जब आप वास्तव में गहरी साँस लेते हैं, तो आप फेफड़ों का विस्तार करते हैं, डायाफ्राम को दबाते हैं, और अपने पेट को फैलाते हैं क्योंकि आपके फेफड़े हवा से भर जाते हैं। यह न केवल तनाव को कम करने के लिए अद्भुत है, बल्कि शोध से पता चला है कि यह उन बीमारियों में भी मदद कर सकता है जो सांस लेने में बाधा डालती हैं, जैसे वातस्फीति।

डायाफ्रामटिक श्वास हमें प्रभावी रूप से शांत करती है। यह यह भी सुनिश्चित करती है कि आप बहुत सारी ऑक्सीजन लें। यदि आप सुनिश्चित नहीं हैं, तो आप पर्याप्त गहरी सांस लें, लेटने का प्रयास करें, और अपने पेट पर एक पत्रिका रखें। सुनिश्चित करें कि आप अपनी सारी हवा बाहर निकाल दें, पूरी तरह से साँस छोड़ें, और फिर साँस लेते समय धीरे-धीरे पत्रिका को ऊपर उठाएँ। पाँच बार अच्छी तरह से, लंबी गिनती तक साँस लें। उसी तरह साँस छोड़ें, जब तक कि पत्रिका नीचे न चली जाए। आप पत्रिका के बजाय अपने हाथ का भी उपयोग कर सकते हैं।

श्वास पुनःप्रशिक्षण से चिंतित उच्च रक्तचाप वाले रोगियों को बहुत लाभ होता है। चिंतित लोग सहानुभूति तंत्रिका तंत्र (लड़ाई या उड़ान प्रणाली) की अति-उत्तेजना का अनुभव कर रहे हैं। धीमी गति से सांस लेने से सहानुभूति तंत्रिका तंत्र की अति-उत्तेजना कम हो जाती है और पैरासिम्पेथेटिक तंत्रिका तंत्र की गतिविधि बढ़ जाती है - आराम, स्वस्थ होना, पुनर्जीवित करना प्रणाली - जो लोगों को शांत करती है।

सचेत श्वास और हृदय पर इसका प्रभाव।

योग के अनुसार, जब हम व्यायाम करते हैं तो ऊर्जा हृदय से अधिक स्वतंत्रता से प्रवाहित होती हैइसमें सांस लें और अपना ध्यान उस क्षेत्र पर केंद्रित करें - ऊर्जा वहीं प्रवाहित होती है जहां ध्यान जाता है। सांस लेना हृदय से जुड़ा हुआ है और सीधे हृदय को प्रभावित करता है। डायाफ्रामिक सांस लेने का नियमित अभ्यास हृदय गति परिवर्तनशीलता और सुसंगतता में काफी सुधार करता है। जब हम सही तरीके से सांस लेते हैं तो हृदय की सभी गतिशीलता में सुधार होता है। जितना अधिक व्यक्ति अपनी हृदय गति परिवर्तनशीलता (HRV) में सुधार करता है, वह उतना ही स्वस्थ होता है। यह मधुमेह से पीड़ित इस्केमिक हृदय रोगियों के लिए अच्छा है।[198] हृदय गति परिवर्तनशीलता स्वस्थ व्यक्तियों को हृदयवाहिनी रोग से ग्रस्त रोगियों से अलग करने के लिए अपरिहार्य है।

हृदय गति परिवर्तनशीलता (HRV) हृदय के स्वायत्त नियंत्रण का एक संकेतक है। योगिक, या जिसे बेली ब्रीदिंग के रूप में जाना जाता है (गहरी पेट की सांस बनाम उथली रिब पिंजरे की सांस), स्वायत्त स्थिति को संशोधित करता है सहानुभूतिपूर्ण गतिविधि बढ़ाकरy (वेगस गतिविधि में कमी)। यह आश्चर्यजनक हैकम एचआरवी स्कोर और रुझान बीमारी के साथ कितनी सटीकता से संरेखित होते हैं।

प्राचीन योग श्वास तकनीक हृदय को नियंत्रित करती है, महत्वपूर्ण ऊर्जा को उत्तेजित और बढ़ाती है, आंतरिक अंगों को मजबूत करती है, और शरीर को पुनर्जीवित और कायाकल्प करती है। सचेत रूप से सांस लेने के माध्यम से, हम अंतःस्रावी, तंत्रिका, पाचन और अन्य शारीरिक प्रणालियों के इष्टतम कामकाज को प्राप्त कर सकते हैं और मानसिक और शारीरिक स्थिरता प्राप्त कर सकते हैं।

जब आपकी साँस छोड़ने की अवधि आपकी साँस लेने की अवधि से कुछ गिनती अधिक होती है, तो वेगस तंत्रिका आपके मस्तिष्क को आपके पैरासिम्पेथेटिक तंत्रिका तंत्र को चालू करने और आपके सिम्पेथेटिक तंत्रिका तंत्र को बंद करने का संकेत भेजती है। सिम्पेथेटिक सिस्टम हमारी लड़ाई या उड़ान प्रतिक्रिया को नियंत्रित करता है, और जब इसे उत्तेजित किया जाता है, तो यह हृदय गति और श्वास को बढ़ाता है और कोर्टिसोल जैसे तनाव हार्मोन को बढ़ाता है। दूसरी ओर, पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम आपके आराम-आराम-और-पाचन प्रतिक्रिया को नियंत्रित करता है। जब पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम प्रमुख होता है, तो आपकी सांस धीमी हो जाती है, आपकी हृदय गति कम हो जाती है, रक्त वाहिकाओं के शिथिल होने के कारण आपका रक्तचाप कम हो जाता है, और आपका शरीर शांत और उपचार की स्थिति में आ जाता है।

मंतक चिया ने लिखा, "हजारों वर्षों से, ताओवादी गुरुओं ने सिखाया हैप्राकृतिक श्वास। हम अपने हृदय, फेफड़े और अन्य आंतरिक अंगों और प्रणालियों की कार्यप्रणाली और दक्षता में सुधार कर सकते हैं। हम अपनी भावनाओं को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं। हम अपने तनाव और नकारात्मकता को उस ऊर्जा में बदल सकते हैं जिसका उपयोग हम आत्म-चिकित्सा और आत्म-विकास के लिए कर सकते हैं। और हम आध्यात्मिक विकास और स्वतंत्रता के लिए आवश्यक ऊर्जा को निकालने और अवशोषित करने में बेहतर सक्षम हैं।" सही तरीके से सांस लेना लंबे समय तक जीने के लिए आवश्यक है, और यह हमें सकारात्मक भावनाओं को बनाए रखने और रोजमर्रा की गतिविधियों में हमारे प्रदर्शन को सर्वश्रेष्ठ रखने में मदद करता है।

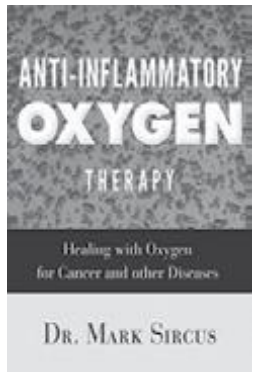
हम सभी हर दिन, पूरे दिन सांस लेते हैं, इसलिए हमें इसे सही तरीके से करना चाहिए। जैसे ही हम अपनी सांसों पर ध्यान देते हैं, यह तुरंत बदल जाती है, यही इसका मुख्य उद्देश्य है। सांसों को फिर से प्रशिक्षित करने का मतलब है अपनी सांसों के प्रति जागरूकता लाना और अपने जीवन को बनाए रखने के लिए ज़रूरी चीज़ों का सम्मान करना।

क्रिस्टल टैटम कहती हैं, "सांस लें। बस सांस लें। यह बहुत आसान है; यह संभवतः मदद नहीं कर सकता, है न? आपका क्या मतलब है, बस सांस लें? बेशक, मैं सांस ले रही हूँ! यह कहना कितनी बेवकूफी भरी बात है। मुझे कई उच्च विकसित लोगों से दोस्ती करने का सौभाग्य मिला है, जो कम विकसित लोगों, जैसे कि मेरे जैसे लोगों की मदद करने के बारे में एक-दो बातें जानते हैं। लेकिन जब एक दिन उनमें से एक दोस्त ने मुझसे कहा, "सांस लेना मत भूलना," तो मैं भौंहें सिकोड़ने और उसे "तुम क्या कह रही हो?" वाली नज़र से देखने से खुद को रोक नहीं पाई। उसने मुझसे कहा कि मैं अपनी सांस रोक रही हूँ। मुझे लगा कि वह पागल है, लेकिन अगली बार जब मैंने खुद को चिंता में पाया, तो मैंने अपने शरीर पर ध्यान दिया और महसूस किया कि वह सही थी। तब से, मैंने देखा है कि जब मैं बहुत तनावग्रस्त या चिंतित होती हूँ, तो मैं ऐसा करने लगती हूँ। मैं अपना जबड़ा भींच लेती हूँ और अपनी सांस रोक लेती हूँ, जब ज़रूरत होती है, तो केवल उथली साँस लेती हूँ। यह प्रतिक्रिया मेरे तनाव को और बढ़ा देती है और मुझे बेचैन कर देती है। तब से मैंने साँस लेने की कुछ तकनीकें सीखी हैं, जो वास्तव में मेरे तनाव को कम करती हैं।"

ताओ ऑफ ब्रीदिंग के लेखक डेनिस लुईस ने लिखा, "1990 में, मैंने खुद को शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से थका हुआ पाया, मेरे पसलियों के पिंजरे के दाहिने हिस्से में लगातार, तेज दर्द होता था। जब गिल्स मारिन ने पहली बार अपने हाथों को मेरे पेट में डाला और मेरे आंतरिक अंगों और ऊतकों की मालिश करना शुरू किया, और जब उन्होंने मुझे सांस लेने के लिए कहा

अपने बारे में जो मैंने अपनी सांसों के ज़रिए कभी अनुभव नहीं किया था, मुझे इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं था कि मैं खोज की उस अविश्वसनीय यात्रा की शुरुआत कर रहा था। हालाँकि कई सत्रों के बाद शारीरिक दर्द गायब हो गया, और हालाँकि मैं ज़्यादा ज़िंदा महसूस करने लगा, एक गहरा, मानसिक दर्द उभरने लगा - यह पहचानने का दर्द कि आत्म-ज्ञान और आत्म-परिवर्तन की दिशा में कई सालों तक मेरे सभी प्रयासों के बावजूद। मैं हर पल हमारे लिए उपलब्ध शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक ऊर्जाओं के विशाल पैमाने के केवल एक छोटे से हिस्से के लिए खुद को खोलने में कामयाब रहा था। जैसे-जैसे गिल्स मुझ पर काम करते रहे, और जैसे-जैसे मेरी साँसें मेरे अंदर गहराई से प्रवेश करने लगीं, मुझे तनाव, क्रोध, भय और उदासी की परत दर परत महसूस होने लगी जो मेरी तथाकथित जागृत चेतना के स्तर से नीचे मेरे पेट में गूंज रही थी और न केवल स्वास्थ्य के लिए बल्कि जीवन के साथ वास्तविक जुड़ाव के लिए भी मेरी ज़रूरत की ऊर्जा को खत्म कर रही थी। और मेरे अस्तित्व के केंद्र में यह गहराती हुई अनुभूति, चाहे वह कितनी भी दर्दनाक क्यों न हो, अपने साथ एक खुलापन लेकर आई, न केवल मेरे पेट के ऊतकों में बल्कि मेरे प्रति मेरे सबसे अंतरंग दृष्टिकोण में भी, खोज की एक नई भावना में मेरे अब तक के अचेतन टुकड़ों का स्वागत।"

पीईएमएफ ऑक्सीजन उपयोग को बढ़ाता है।



हाइड्रोजन ब्रह्मांड में एकमात्र ऐसी चीज़ नहीं है जो चीज़ों को ज़्यादा तेज़ जला सकती है। 2003 में नासा के डॉ. थॉमस गुडविन ने पाया कि 10 हर्ट्ज़ स्पंदित विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र ने चार गुना बेसलाइन पर तंत्रिका ऊतक पुनर्जनन का कारण बना। 5 और 15 हर्ट्ज़ दोनों ने 10 हर्ट्ज़ के आसपास एक आदर्श घंटी के आकार के वक्र के साथ दो गुना तंत्रिका ऊतक पुनर्जनन प्रदान किया। 1989 में डॉ. डेविड हूड ने पाया कि प्रतिदिन 10 घंटे पर 10 हर्ट्ज़ उत्तेजना के लगातार (35+ दिन) होने से कोशिका श्वसन के दो महत्वपूर्ण एंजाइम तीन गुना बढ़ गए।

वैज्ञानिकों के बारे में एक फिल्म थी जो हाइड्रोजन की अंतिम प्रतिक्रिया की तलाश कर रहे थे; उन्होंने हाइड्रोजन प्लाज़्मा क्षेत्र में इंजेक्ट करने के लिए सही आवृत्ति की खोज की। वास्तविक जीवन में, इन आवृत्तियों को शूमैन तरंगों, पृथ्वी आवृत्ति के रूप में जाना जाता है।

स्पंदित विद्युत चुम्बकीय क्षेत्रों (पीईएमएफ) द्वारा उत्तेजित होने पर माइटोकॉन्ड्रिया इन कम आवृत्ति श्रेणियों में हमारे द्वारा साँस ली जाने वाली ऑक्सीजन से अधिक एटीपी संश्लेषित करते हैं। कोशिकाएँ ऑक्सीजन को अधिक कुशलता से जलाती हैं, रक्त से ऑक्सीजन को अधिक धीरे-धीरे खींचती हैं, प्रत्येक साँस से अधिक ऊर्जा और कम अपशिष्ट उत्पन्न करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप कोशिकीय ऊर्जा की प्रचुरता होती है जो इन गहन पुनर्योजी प्रभावों का कारण बनती है।

यह अतिरिक्त ऊर्जा रात में मरम्मत, हार्मोन संश्लेषण, स्मृति समेकन और प्रतिरक्षा समर्थन के लिए उपलब्ध होती है, और दिन के दौरान शारीरिक और मानसिक प्रदर्शन वृद्धि (एर्गोजेनिक प्रभाव) के लिए उपलब्ध होती है। आपके द्वारा ली गई प्रत्येक सांस से अधिक ऊर्जा सिंगलेट ऑक्सीजन थेरेपी का उपयोग करते समय किए गए दावों की तरह है।

यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा मोरसानी कॉलेज ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ता और सहायक प्रोफेसर डॉ. डोमिनिक डी'अगोस्टिनो ने कहा, कार्बोहाइड्रेट में सीमित लेकिन कुछ वसा में उच्च आहार खाने से "कैंसर को भूखा रखा जाता है"। इसके बाद मरीज को हाइपरबेरिक चैंबर उपचार दिया जाता है, जिसमेंऑक्सीजन का कैंसर कोशिका पर और भी अधिक विषैला प्रभाव पड़ता हैएल.एस., व्याख्या करते हुएकैंसर को ख़त्म करने के लिए एक संभावित एक-दो वार।

डी'अगोस्टिनो ने नौ साल पहले मेटाबोलिक थेरेपी और हाइपरबेरिक ऑक्सीजन से जुड़े शोध की शुरुआत की थी, ताकि नेवी सील के गोताखोरों को ऑक्सीजन विषाक्तता से होने वाले दौरे से बचाया जा सके। कैंसरग्रस्त ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित 10 वर्षीय लड़के को पहले से ही पारंपरिक पारंपरिक विकिरण चिकित्सा की एक श्रृंखला मिल चुकी थी, जिससे उसे सकारात्मक परिणाम मिले हैं। आहार और हाइपरबेरिक उपचार के संयोजन पर युवा ने "उल्लेखनीय" प्रतिक्रिया दी।

निम्न-स्तरीय विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र ज्ञात हैं और कैंसर कोशिका वृद्धि को रोकने के लिए उपयोग किए जाते हैं। कोस्टा एट अल. (2011) ने उन्नत हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के उपचार के लिए विशिष्ट EMF संकेतों का उपयोग करने से आश्चर्यजनक नैदानिक लाभ की सूचना दी, जिससे रोग स्थिर हो गया और रोगी के उपसमूह में 58 महीने तक आंशिक प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न हुईं। अब ज़िमरमैन एट अल. ने लीवर और स्तन कैंसर से मानव ट्यूमर सेल लाइनों की वृद्धि दर के साथ-साथ उन ऊतकों से सामान्य कोशिकाओं की जांच की है जो AM-EMF के संपर्क में हैं। ऊतक-विशिष्ट AM-EMF के संपर्क में आने वाली ट्यूमर कोशिकाओं के लिए कम वृद्धि दर देखी गई, लेकिन व्युत्पन्न सामान्य कोशिकाओं में वृद्धि दर में कोई बदलाव नहीं हुआ।

एक ही ऊतक प्रकार से या अन्य ऊतक प्रकार से ट्यूमर या सामान्य कोशिकाओं में।[199]

सरल भाषा में कहें तो, कम आवृत्ति वाली पल्स प्रत्येक कोशिका के चारों ओर एक संक्षिप्त, तीव्र वोल्टेज बनाती हैं। कोशिका के भीतर मौजूद माइटोकॉन्ड्रिया इस ऊर्जा का कुछ हिस्सा ग्रहण कर लेते हैं। यह बदले में, कोशिका को ATP बनाने और पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने में अधिक कुशल बनाता है। PEMF थेरेपी चयापचय का समर्थन करती है और पूरे शरीर में सूक्ष्म केशिकाओं को फैलाकर रक्त प्रवाह को बढ़ाती है, जिससे सभी कोशिकाएं सांस ले पाती हैं और बेहतर तरीके से काम कर पाती हैं।

डार्कफील्ड माइक्रोस्कोपी से पता चलता है कि एरिथ्रोसाइट्स में क्लस्टरिंग को PEMF से साफ़ किया जा सकता है। इससे रक्त की चिपचिपाहट में सुधार होता है, रक्त प्रवाह में सुधार होता है, सतह क्षेत्र का विस्तार होता है, ऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है और थ्रोम्बोसिस का जोखिम कम होता है। थर्मो-ग्राफ़िक मापने वाले चार्ट PEMF के संपर्क में आने के बाद रक्त परिसंचरण में वृद्धि दिखाते हैं, जिससे बेहतर पोषण और कोशिकाओं का कायाकल्प होता है।

सभी जैविक प्रक्रियाएँ और, विशेष रूप से, प्रत्येक कोशिका का चयापचय काफी हद तक विद्युत चुम्बकीय ऊर्जा पर आधारित होता है। केवल एक जीव जो पर्याप्त रूप से ऊर्जा से भरपूर होता है, वह पुनर्जनन और उपचार की स्व-विनियमन तंत्र और शक्तियों को नियंत्रित कर सकता है। सभी कोशिकाओं के सामान्य घटकों में से एक आयन हैं। आयन सकारात्मक और नकारात्मक रूप से आवेशित कण होते हैं जो कोशिका के भीतर से विद्युत चुम्बकीय स्पंदों का संचालन करते हैं। विद्युत चुम्बकीय स्पंद कोशिका को कार्य करने की अनुमति देते हैं। PEMFs विशिष्ट कोशिका झिल्ली चैनलों (जैसे सोडियम, पोटेशियम और कैल्शियम) के माध्यम से आयन प्रवाह को प्रभावित करते हैं, जो इन एंजाइमों को सकारात्मक रूप से शामिल करते हैं। आयनों के बिना, एक कोशिका जीवित नहीं रह सकती। पर्याप्त ऊर्जा क्षेत्रों के बिना, कोशिकाएँ 100% पर कार्य नहीं करती हैं।

रोगग्रस्त या क्षतिग्रस्त कोशिकाओं में विश्राम क्षमता बदल जाती है। यदि आयन (कोशिकाओं के आस-पास विद्युत आवेशित कण) स्पंदित चुंबकीय क्षेत्र के क्षेत्र में चले जाते हैं, तो वे स्पंदन लय से प्रभावित होंगे। कोशिका की विश्राम क्षमता कोशिका झिल्ली पर होने वाले आयन विनिमय के समानुपाती होती है। आयन विनिमय कोशिका के ऑक्सीजन उपयोग के लिए भी जिम्मेदार होता है। स्पंदित चुंबकीय क्षेत्र सेलुलर और उपकोशिकीय में आयन विनिमय को नाटकीय रूप से प्रभावित कर सकते हैं

स्तर, जिससे रोगग्रस्त या क्षतिग्रस्त ऊतकों के ऑक्सीजन उपयोग में उल्लेखनीय सुधार होता है। ऑक्सीजन उपयोग में गिरावट एक समस्या हैकई चिकित्सा शाखाओं में, विशेष रूप से जोड़ों के विलंबित उपचार और गठिया में। खराब ऑक्सीजन उपयोग = ऑक्सीडेटिव तनाव में वृद्धि जिसके परिणामस्वरूप खराब ऑक्सीजन उपयोग होता है।

सभी परमाणु, रसायन और कोशिकाएँ विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र (EMF) उत्पन्न करते हैं। शरीर का हर अंग अपना विशिष्ट जैव-विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र उत्पन्न करता है। विज्ञान ने सिद्ध किया है कि हमारा शरीर अपने चुंबकीय क्षेत्र को प्रक्षेपित करता है और शरीर की सभी 70 ट्रिलियन कोशिकाएँ विद्युत चुम्बकीय आवृत्तियों के माध्यम से संचार करती हैं। विद्युत चुम्बकीय आदान-प्रदान के बिना शरीर में कुछ भी नहीं होता है। जब शरीर की विद्युत चुम्बकीय गतिविधि बंद हो जाती है, तो जीवन समाप्त हो जाता है। जब हम विद्युत चुम्बकीय ऊर्जा बढ़ाते हैं, तो हम जीवन को बढ़ाते हैं और उपचार को बढ़ावा देते हैं।

पृथ्वी पल्स.

मैं अर्थपल्स मशीन का उपयोग करके खुश हूं जो पृथ्वी और शूमान का पता लगाती है14 हर्ट्ज क्षेत्र से नीचे की आवृत्तियाँ। यह एक कम लागत वाली लेकिन शक्तिशाली मशीन है जिसे सोते समय पूरी रात उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अधिक महंगी स्पंदित विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र प्रणालियों के विपरीत, ये लंबे रात्रि सत्र हैं जहाँ अर्थपल्स का जादू होता है। अर्थपल्स के पास कुछ ही दिनों में जागने पर संतृप्त रक्त ऑक्सीजन के स्तर में 5% की वृद्धि की कई रिपोर्ट हैं।

अर्थपल्स जूते, कपड़े या रात में आपके गद्दे या तकिए के माध्यम से चुंबकीय क्षेत्र की पूर्ति की अनुमति देता है। PEMF कई तंत्रों के माध्यम से सूजन को कम करता है, जिसमें कोशिका झिल्ली होमियोस्टेसिस की बहाली, प्रो-इंफ्लेमेटरी साइटोकाइन इंटरल्यूकिन-1बीटा (IL-1β) को 10 गुना तक कम करना, प्रमुख प्रो-इंफ्लेमेटरी जीन की अभिव्यक्ति को कम करना और एंटी-इंफ्लेमेटरी जीन की अभिव्यक्ति को बढ़ाना शामिल है।

फ्लेक्सपल्स एक और बेहतरीन सिस्टम है जो PEMF उपकरण की कीमत के निचले सिरे पर है। अर्थपल्स पूरी रात के उपचार के लिए सबसे अच्छा है और फ्लेक्सपल्स तब सबसे अच्छा है जब आपको किसी खास क्षेत्र में आवृत्ति तरंगों को निर्देशित करने की आवश्यकता होती है।

ब्राजील के डॉक्टरों ने पाया है कि स्पंदित विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र के संपर्क में फैराडे धाराओं को प्रेरित करके माइक्रोवेव के संपर्क से राहत मिलती है। विद्युत चुम्बकीय क्षेत्रों को ऐसे खतरों के रूप में पहचाना जाता है जो प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों को उत्पन्न करके और परिपक्व शुक्राणुओं के लिए एण्ड्रोजन की जैव उपलब्धता को कम करके वृषण कार्य को प्रभावित करते हैं। इस प्रकार, माइक्रोवेव के संपर्क में आने से पुरुष प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जबकि स्पंदित विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र चिकित्सा एक गैर-आक्रामक, सरल तकनीक है जिसका उपयोग ऑक्सीडेटिव तनाव से निपटने के लिए एक स्कैवेंजर एजेंट के रूप में किया जाता है।[200]

पीईएमएफ कैंसर का इलाज करता है और ऑक्सीजन वितरण में सुधार करता है।

स्पंदित चुंबकीय क्षेत्र चिकित्सा (PEMF) को हड्डियों के जोड़ को ठीक करने के लिए FDA द्वारा अनुमोदित किया गया है। इसका उपयोग यूरोप में 20 वर्षों से अधिक समय से कैंसर, माइग्रेन, खेल-संबंधी चोटों, घाव भरने और अन्य दर्द सिंड्रोम वाले व्यक्तियों के साथ 400,000 सत्रों में किया जा रहा है। PEMF-आधारित कैंसर विरोधी रणनीतियाँ स्तन कैंसर के इलाज के लिए एक नए चिकित्सीय दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो सामान्य ऊतकों को प्रभावित किए बिना गैर-आक्रामक तरीके से किया जाता है और इसे मौजूदा कैंसर विरोधी उपचारों के साथ जोड़ा जा सकता है।

कोस्टा एट अल. (2011) ने उन्नत हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के उपचार के लिए विशिष्ट EMF संकेतों का उपयोग करने से आश्चर्यजनक नैदानिक लाभ की सूचना दी, जिससे रोग स्थिर हो गया और रोगी के उपसमूह में 58 महीने तक आंशिक प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न हुईं। अब ज़िमरमैन एट अल. ने लीवर और स्तन कैंसर से मानव ट्यूमर सेल लाइनों की वृद्धि दर के साथ-साथ उन ऊतकों से सामान्य कोशिकाओं की जांच की है जो AM-EMF के संपर्क में हैं। ऊतक-विशिष्ट AM-EMF के संपर्क में आने वाली ट्यूमर कोशिकाओं के लिए कम वृद्धि दर देखी गई, लेकिन उसी ऊतक प्रकार से उत्पन्न सामान्य कोशिकाओं या अन्य ऊतक प्रकार से ट्यूमर या सामान्य कोशिकाओं में वृद्धि दर में कोई बदलाव नहीं हुआ।

आम भाषा में कहें तो, कम आवृत्ति वाली पल्स प्रत्येक कोशिका के चारों ओर एक संक्षिप्त, तीव्र वोल्टेज बनाती हैं। कोशिका के अंदर मौजूद माइटोकॉन्ड्रिया इस ऊर्जा का कुछ हिस्सा ग्रहण कर लेते हैं। यह बदले में, कोशिका को ATP बनाने और पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने में अधिक कुशल बनाता है। PEMF थेरेपी सहायता करती है

यह चयापचय को बढ़ाता है और पूरे शरीर में सूक्ष्म केशिकाओं को फैलाकर रक्त प्रवाह को बढ़ाता है, जिससे सभी कोशिकाएं सांस ले पाती हैं और बेहतर ढंग से कार्य कर पाती हैं।

सभी जैविक प्रक्रियाएँ, जिनमें हर एक कोशिका का चयापचय भी शामिल है, विद्युत चुम्बकीय ऊर्जा पर आधारित हैं। केवल पर्याप्त ऊर्जा से भरपूर जीव ही स्व-विनियमन तंत्र और पुनर्जनन और उपचार की शक्तियों को नियंत्रित कर सकता है। सभी कोशिकाओं के सामान्य घटकों में से एक आयन हैं। आयन सकारात्मक और नकारात्मक रूप से आवेशित कण होते हैं जो कोशिका के भीतर से विद्युत चुम्बकीय स्पंदों का संचालन करते हैं। विद्युत चुम्बकीय स्पंद कोशिका को कार्य करने की अनुमति देते हैं। PEMFs विशिष्ट कोशिका झिल्ली चैनलों (जैसे सोडियम, पोटेशियम और कैल्शियम के लिए) के माध्यम से आयन प्रवाह को प्रभावित करते हैं, जो इन एंजाइमों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। आयनों के बिना, एक कोशिका जीवित नहीं रह सकती। पर्याप्त ऊर्जा क्षेत्रों के बिना, कोशिकाएँ 100% पर कार्य नहीं करती हैं।

रोगग्रस्त या क्षतिग्रस्त कोशिकाओं में विश्राम क्षमता बदल जाती है। यदि आयन (कोशिकाओं के आस-पास विद्युत आवेशित कण) स्पंदित चुंबकीय क्षेत्र के क्षेत्र में चले जाते हैं, तो वे स्पंदन लय से प्रभावित होंगे। कोशिका की विश्राम क्षमता कोशिका झिल्ली पर होने वाले आयन विनिमय के समानुपाती होती है। आयन विनिमय कोशिका के ऑक्सीजन उपयोग के लिए भी जिम्मेदार है। स्पंदित चुंबकीय क्षेत्र सेलुलर और उपकोशिकीय स्तरों पर आयन विनिमय को नाटकीय रूप से प्रभावित कर सकते हैं, जिससे रोगग्रस्त या क्षतिग्रस्त ऊतकों के ऑक्सीजन उपयोग में काफी सुधार होता है। ऑक्सीजन उपयोग में गिरावट कई चिकित्सा शाखाओं में एक समस्या है, विशेष रूप से जोड़ों के उपचार में देरी और गठिया में। कम ऑक्सीजन उपयोग = ऑक्सीडेटिव तनाव में वृद्धि जिसके परिणामस्वरूप ऑक्सीजन उपयोग खराब होता है।

सभी परमाणु, रसायन और कोशिकाएँ विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र (EMF) उत्पन्न करते हैं। शरीर का हर अंग अपना विशिष्ट जैव-विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र उत्पन्न करता है। विज्ञान ने सिद्ध किया है कि हमारा शरीर अपने चुंबकीय क्षेत्र को प्रक्षेपित करता है और शरीर की सभी सत्तर ट्रिलियन कोशिकाएँ विद्युत चुम्बकीय आवृत्तियों के माध्यम से संचार करती हैं। विद्युत चुम्बकीय आदान-प्रदान के बिना शरीर में कुछ भी नहीं होता है। जब शरीर की विद्युत चुम्बकीय गतिविधि बंद हो जाती है, तो जीवन समाप्त हो जाता है। जब हम विद्युत चुम्बकीय ऊर्जा बढ़ाते हैं, तो हम जीवन को बढ़ाते हैं और उपचार को बढ़ावा देते हैं।

पीईएमएफ ऑक्सीजन बढ़ाने का एक और तरीका है, पुरानी, हानिकारक सूजन को कम करने की उनकी शक्ति। पीईएमएफ टी सेल झिल्ली और कोशिकाओं में प्रमुख एंजाइमों के माध्यम से वृद्ध, पुरानी टी लिम्फोसाइट्स की उचित मृत्यु को प्रेरित कर सकते हैं। टी कोशिकाओं को खत्म करने से सूजन के अवांछित प्रभावों को कम किया जा सकता है, उपचार में तेजी लाई जा सकती है और पुरानी सूजन संबंधी बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

वैकल्पिक चिकित्सा।



हम वैकल्पिक चिकित्सा का अभ्यास कैसे करते हैं? वैकल्पिक चिकित्सा वास्तव में क्या है और क्या नहीं है, यही असली सवाल है - चिकित्सा का अभ्यास करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है? चिकित्सा का अभ्यास करने का एक सही तरीका और एक गलत तरीका होना चाहिए। कदाचार की अवधारणा इस विश्वास को बनाए रखती है। चिकित्सा कदाचार आकस्मिक बंदूक से होने वाली मौतों की तुलना में 500 गुना अधिक अमेरिकियों को मारता है। जॉन्स हॉपकिंस के एक आठ साल के अध्ययन में पाया गया कि अमेरिका में हर साल कदाचार के कारण कम से कम 250,000 मौतें होती हैं। अन्य अध्ययनों में पाया गया है कि ऐसी मौतें प्रति वर्ष 400,000 से अधिक हैं। हम यह भी जानते हैं कि हर साल 100,000 से अधिक अमेरिकी उचित रूप से निर्धारित दवाओं से मर जाते हैं।

जैसा कि वर्तमान में परिभाषित किया गया है, वैकल्पिक चिकित्सा मुख्यधारा की चिकित्सा के अलावा किसी भी अन्य चीज़ का अभ्यास है, जिसका अर्थ है फार्मास्युटिकल दवा और परमाणु चिकित्सा और वैक्सीन चिकित्सा जैसी अन्य गंदी चीज़ें। मैंने प्राकृतिक एलोपैथिक दवा को आधुनिक के विकल्प के रूप में नहीं बनाया

दवा के बजाय इसे किसी अन्य दवा से बदला जा सकता है। एक विशाल हत्या मशीन को किसी सुरक्षित और प्रभावी चीज़ से बदलना समझदारी है।

विकिपीडिया ने एक साथ कहा, "वैकल्पिक चिकित्सा, फ्रिंज मेडिसिन, छद्म चिकित्सा या बस संदिग्ध चिकित्सा उन प्रथाओं का उपयोग और प्रचार है जो अप्रमाणित, अस्वीकृत, साबित करना असंभव या उनके प्रभाव के संबंध में अत्यधिक हानिकारक हैं - चिकित्सा के उपचारात्मक प्रभावों को प्राप्त करने के प्रयास में।" फिर भी हम जानते हैं कि अधिकांश आधुनिक चिकित्सा खतरनाक है, और शायद ही कभी पश्चिमी चिकित्सा के साथ उपचार शब्द का प्रयोग होता है। हम जानते हैं कि हमारे विष-प्रेमी पश्चिमी चिकित्सा-औद्योगिक परिसर द्वारा लोगों की भीड़ को कमज़ोर, विकलांग, दुखी या सीधे तौर पर मार दिया जाता है।

नेशनल सेंटर फॉर कॉम्प्लिमेंट्री एंड इंटीग्रेटिव हेल्थ के अनुसार, 30 प्रतिशत से अधिक अमेरिकी किसी न किसी तरह की गैर-पारंपरिक चिकित्सा का उपयोग करते हैं। अन्य लोगों का कहना है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 40% वयस्क कहते हैं कि वे किसी न किसी तरह की वैकल्पिक चिकित्सा का उपयोग करते हैं। पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा, जिसे कभी-कभी CAM के रूप में संदर्भित किया जाता है, पारंपरिक पश्चिमी दृष्टिकोणों से बाहर आने वाले कई उपचारों के लिए एक व्यापक शब्द है। कुछ का अच्छी तरह से अध्ययन किया गया है और वे प्रभावी साबित हुए हैं; अन्य नहीं।

आपकी पंसद।

पूरक चिकित्सा का मतलब है कि आप इसे अपने पारंपरिक चिकित्सा उपचार के साथ उपयोग कर सकते हैं। यह आपको बेहतर महसूस करने और अपने कैंसर और उपचार से बेहतर तरीके से निपटने में मदद कर सकता है। दूसरी ओर, वैकल्पिक चिकित्सा का उपयोग आम तौर पर पारंपरिक चिकित्सा उपचार के बजाय किया जाता है। यहाँ ब्राज़ील में, सरकार वैकल्पिक और टिप्पणी चिकित्सा के अधिकांश रूपों को पूरी तरह से अपनाती है।

जब कोई लिखता है कि सभी पारंपरिक कैंसर उपचार, जैसे कि कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी, को यह साबित करने के लिए कानून द्वारा कठोर परीक्षण से गुजरना पड़ता है कि वे काम करते हैं, तो यह विश्वास करना कठिन है। ऐसा कोई सबूत नहीं है, और यह कोई रहस्य नहीं है कि विषाक्त कैंसर उपचार अच्छे नहीं होते हैं।

दवा कंपनियों के चीयरलीडर्स यह कहना पसंद करते हैं कि ज़्यादातर वैकल्पिक उपचारों का ऐसे परीक्षण नहीं किया गया है, और इस बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि वे काम करते हैं। और उन्हें यह कहना पसंद है कि कुछ वैकल्पिक उपचार पूरी तरह से सुरक्षित नहीं हो सकते हैं और हानिकारक दुष्प्रभाव पैदा कर सकते हैं। वे जितना संभव हो सके जनता से यह छिपाते हैं कि टीकों से कितने बच्चे घायल होते हैं और कितने लोगों की कानूनी तौर पर हत्या की जाती है।

यह प्रत्येक व्यक्ति पर छोड़ देना चाहिए कि वह किस पर विश्वास करे और किस पर भरोसा करे, हालांकि कुछ लोग अत्यधिक आक्रामक होते हैं और लोगों को चुनने के लिए मजबूर करते हैं। बच्चों को टीके जबरन लगाए जाते हैं, और हम सभी जानते हैं कि ऑन्कोलॉजिस्ट कीमो और विकिरण उपचार के विकल्पों के बारे में क्या सोचते हैं। हालाँकि, सच्चाई यह है कि वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियाँ अमेरिका और दुनिया भर में लोकप्रिय हो रही हैं क्योंकि आधुनिक चिकित्सा की प्रतिष्ठा को मिट्टी में मिला दिया गया है।

वैकल्पिक चिकित्सा के बारे में मुख्य बिंदुओं में से एक यह है कि यह अक्सर कई अलग-अलग प्रथाओं और दृष्टिकोणों का एक मोज़ेक होता है, लेकिन एक व्यापक पूरे में एक साथ बंधा नहीं होता है। एक्यूपंक्चरिस्ट, कायरोप्रैक्टर्स, होम्योपैथ और नेचुरोपैथ जैसे पेशेवर व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, लेकिन अभ्यास और सिद्धांत में अंतर प्रबल होता है।

संपूर्ण चिकित्सा प्रणाली में सिद्धांत और व्यवहार की पूरी प्रणाली शामिल होती है जो एलोपैथिक (पारंपरिक) चिकित्सा से स्वतंत्र रूप से या उसके समानांतर विकसित हुई है। कई पारंपरिक प्रणालियाँ हैं जिनका अभ्यास दुनिया भर में विभिन्न संस्कृतियों द्वारा किया जाता है।

एक सही तरीका है, एक सार्वभौमिक चिकित्सा पथ जिस पर अंततः सभी सहमत हो सकते हैं और उसका अनुसरण कर सकते हैं। कुछ ऐसा ठोस और मौलिक है कि एक हज़ार या दस लाख साल बाद भी, इसकी सच्चाई स्वयंसिद्ध रहेगी। ऐसा क्या है जो इतना सार्वभौमिक और स्थिर है कि ऐसी बात कही जा सके?

सूरज में हाइड्रोजन का ईंधन के रूप में जलना एक ऐसी ही बात है। ऑक्सीजन का जीवन के लिए ज़रूरी होना दूसरी बात है। कार्बन डाइऑक्साइड स्वास्थ्य की बुनियाद को नियंत्रित करता है, यह भी दूसरी बात है। यह सूची बहुत लंबी है, जो स्वस्थ कोशिका जीवन के लिए कभी नहीं बदलेगी। अगर किसी के रक्त में मैग्नीशियम, आयोडीन, सेलेनियम, सल्फर और बाइकार्बोनेट जैसे ज़रूरी खनिजों की कमी है, तो वह लंबे समय तक अच्छा जीवन नहीं जी सकता। क्या यह समझदारी नहीं है कि आप अपने रक्त में मैग्नीशियम, आयोडीन, सेलेनियम, सल्फर और बाइकार्बोनेट जैसे ज़रूरी खनिजों की कमी न करें?

क्या जैविक जीवन की ऐसी परम आवश्यकताओं पर विवेकपूर्ण चिकित्सा पद्धति का आधार आधारित है?

निष्कर्ष।

हमें कार के कामकाज को बनाए रखने के लिए केवल गैसोलीन, तेल, पानी और बिजली की चिंता करनी चाहिए। हमें अपने वाहन के लिए केवल इन चार के बजाय मनुष्यों में लगभग पंद्रह मुख्य कारकों का ध्यान रखना चाहिए। हालाँकि, पंद्रह प्रमुख दवाओं और चिकित्सीय प्रक्रियाओं के साथ भी, प्राकृतिक एलोपैथिक चिकित्सा को समझना और उसका अभ्यास करना पंप गैस या साइकिल चलाने से ज़्यादा कठिन नहीं है।

गहरी साँस लें, टहलने जाएँ, अपने शरीर की आवाज़ सुनें। एक छोटी सी शारीरिक परेशानी आमतौर पर आपको बताती है कि आपको अपना ध्यान कहाँ लगाना है। इस मामले में, अपने शरीर की मदद सस्ती पोषण संबंधी दवा से करें। यदि आपका शरीर पहले से ही मदद के लिए चिल्ला रहा है, तो और भी अधिक कोमल बनें और आक्रामक चिकित्सा पद्धतियों से अतिरिक्त तनाव से बचें। हाइड्रोजन दवा, ऑक्सीजन और $CO2$ के साथ मिलकर, आपके और आपके परिवार के लिए स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को पुनः प्राप्त करने का एक कोमल लेकिन प्रभावी तरीका है।

संदर्भ

1 चिकित्सीय चिकित्सा गैस के रूप में हाइड्रोजन अनुसंधान में हालिया प्रगति लेख·फ्री रेडिकल रिसर्च में साहित्य समीक्षा 44(9):971-82· सितंबर 2010

2 मेड गैस रेस. 2011; 1: 18. आणविक हाइड्रोजन ऑक्सीडेटिव तनाव से कोन्ड्रोसाइट्स की रक्षा करता है और नाइट्रिक ऑक्साइड से प्राप्त पेरोक्सीनाइट्राइट को कम करके अप्रत्यक्ष रूप से जीन अभिव्यक्ति को बदलता है

3 मेड गैस रेस. 2011; 1: 11. लीवर ट्यूमर के लिए रेडियोथेरेपी से इलाज किए गए रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर हाइड्रोजन युक्त पानी पीने का प्रभाव।

4 इंट जे रेडिएट बायोल. 2015 जनवरी;91(1) आयनकारी विकिरण-प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव, एपिजेनेटिक परिवर्तन और जीनोमिक अस्थिरता: माइटोकॉन्ड्रिया की महत्वपूर्ण भूमिका।

5 कैंसर लेट. 2012 दिसंबर 31; 327(0): 48–60. आयनीकरण विकिरण-प्रेरित चयापचय ऑक्सीडेटिव तनाव और लंबे समय तक कोशिका क्षति

6 "19वीं सदी के अंत में, वैज्ञानिक बोहर और वेरिगो ने एक अजीब नियम की खोज की: रक्त में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर कम होने से मस्तिष्क, हृदय, गुर्दे आदि सहित शरीर में कोशिकाओं को ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है। कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) ऑक्सीजन और हीमोग्लोबिन के बीच बंधन के लिए जिम्मेदार पाया गया।" - डॉ. एलिना वसिलजेवा और डॉ. डेविड नियास। बोहर प्रभाव को सबसे पहले पेश किया गया था, जिसमें हीमोग्लोबिन की ऑक्सीजन-बंधन आत्मीयता को पीएच और कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता के व्युत्क्रमानुपाती के रूप में वर्णित किया गया था। व्यवहार में, इसका मतलब है कि अगर शरीर में कहीं कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता बढ़ जाती है, तो हीमोग्लोबिन अणु कम आत्मीयता के साथ ऑक्सीजन से बंधेगा; इसलिए, संबंधित क्षेत्र में ऑक्सीजन की एक बड़ी मात्रा जारी की जाती है।

7 साँस द्वारा ली गई चिकित्सीय गैसें: ऑक्सीजन से अधिक साँस लेने के लिएरेस्पिर केयर.2011 सितम्बर;56(9):1341-57; चर्चा 1357-9. doi: 10.4187/respcare.01442.

8 https://en.wikipedia.org/wiki/CD34

9 खंड 7, संख्या 4 (अगस्त 2018) / डिम्बग्रंथि के कैंसर में आणविक हाइड्रोजन की चिकित्सीय क्षमता

10 हाइपरबेरिक हाइड्रोजन थेरेपी: कैंसर के लिए एक संभावित उपचार लेखक: मैल्कम डोल, एफ. रे विल्सन, विलियम पी. फाइफ स्रोत: विज्ञान, नई श्रृंखला, खंड 190, संख्या 4210 (10 अक्टूबर, 1975), पृष्ठ 152-154

11 रॉबर्ट्स बी.जे., फ़िफ़ डब्ल्यू.पी., कॉर्बेट टी.एच., शैबेल जूनियर एफ.एम. पांच स्थापित लोगों की प्रतिक्रियाठोस प्रत्यारोपण योग्य माउस ट्यूमर और एक माउस ल्यूकेमिया से हाइपरबेरिक हाइड्रोजन। कैंसर ट्रीट रेप. 1978;62(7):1077–9.

12 ग़रीब बी, हन्ना एस, अब्दुल्लाही ओएम, लेपिडी एच, गार्डेट बी, डी रेगी एम. आणविक हाइड्रोजन के सूजनरोधी गुण: परजीवी-प्रेरित यकृत सूजन पर जांच। सीआर एकेड साइंस III. 2001;324(8):719–24.

13 मेड गैस रेस. जुलाई-सितंबर 2019;9(3):115-121हाइड्रोजन-नियंत्रित कैंसर का "वास्तविक विश्व सर्वेक्षण": 82 उन्नत कैंसर रोगियों की अनुवर्ती रिपोर्ट। जी-बिंग चेन, जिओ-फेंग कोंग, यू-योंग लव, शू-कुन किन, ज़ू-जून सन, फेंग म्यू, तियान-यू लू, के-चेंग ज़ू।

14 हाइड्रोजन चुनिंदा रूप से साइटोटॉक्सिक ऑक्सीजन रेडिकल्स को कम करके एक चिकित्सीय एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करता है। ओहसावा आई, इशिकावा एम, ताकाहाशी के, वतनबे एम, निशिमाकी के, यामागाटा के, कत्सुरा के, कटयामा वाई, असोह एस, ओहता एस. नैट मेड. 2007 जून; 13(6):688-94.

15 एक्सप ऑन्कोल 2009 31, 3, 156–162 प्लैटिनम नैनोकोलॉइड-पूरक हाइड्रोजन-घुलित पानी सामान्य कोशिकाओं की तुलना में मानव जीभ कार्सिनोमा कोशिकाओं के विकास को रोकता है

16 न्यूरोडीजेनेरेटिव और अन्य बीमारियों के लिए एक उभरती हुई चिकित्सीय चिकित्सा गैस के रूप में आणविक हाइड्रोजनऑक्सीड मेड सेल लोंगेव. 2012; 2012: 353152. ऑनलाइन प्रकाशित 2012 जून 8.doi:10.1155/2012/353152

17 मेड गैस रेस. 2011; 1: 18. आणविक हाइड्रोजन ऑक्सीडेटिव तनाव से कोन्ड्रोसाइट्स की रक्षा करता है और नाइट्रिक ऑक्साइड से प्राप्त पेरोक्सीनाइट्राइट को कम करके अप्रत्यक्ष रूप से जीन अभिव्यक्ति को बदलता है

18 मेटास्टेटिक और गैर-मेटास्टेटिक स्तन कैंसर वाले मरीजों के सेंटिनल लिम्फ नोड और सीरम में मेटालोप्रोटीनैस एमएमपी-2 और एमएमपी-9 की अभिव्यक्ति

19 साइटोटेक्नोलॉजी। 2012 मई; 64(3): 357–371। इलेक्ट्रोकेमिकली कम किए गए पानी के मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनस-2 गतिविधियों और मानव फाइब्रोसारकोमा HT1080 कोशिकाओं के इन विट्रो आक्रमण पर दमनकारी प्रभाव

20 पीयरजे. 2015; 3: e859. हाइड्रोजन-पानी 5-फ्लूरोयूरेसिल-प्रेरित कोलन कैंसर के अवरोध को बढ़ाता है

21 Int J Biol Sci. 2011; 7(3): 297–300. हाइड्रोजन चूहों को विकिरण प्रेरित थाइमिक लिंफोमा से बचाता है BALB/c चूहों में

22 कैंसर कीमोथेरेपी और फार्माकोलॉजी। सितंबर 2009, 64:753। आणविक हाइड्रोजन चूहों में एंटी-ट्यूमर गतिविधि से समझौता किए बिना एंटी-कैंसर दवा सिस्प्लैटिन द्वारा प्रेरित नेफ्रोटॉक्सिसिटी को कम करता है।

23 मेड गैस रेस. 2011; 1: 11. आणविक हाइड्रोजन चूहों में एंटी-ट्यूमर गतिविधि से समझौता किए बिना एंटी-कैंसर दवा सिस्प्लैटिन द्वारा प्रेरित नेफ्रोटॉक्सिसिटी को कम करता है। कैंसर कीमोथेरेपी और फार्माकोलॉजी में 2008 में प्रकाशित

24 मेड गैस रेस.2020 अप्रैल-जून; 10(2): 75–80.जी-बिंग चेन,1,2ज़ियाओ-फेंग काँग,फेंग म्यू,तियान-यू लू,यू-योंग लू, औरके-चेंग जू.

25 बायोसी रिप. 2020 अप्रैल 30;40(4):BSR20192761. हाइड्रोजन गैस CD47 को कम करके फेफड़ों के कैंसर की प्रगति को रोकती हैजिंगहोंग मेनजी,लेयुआन लियू,डोंगचांग वांग,झेनफेंग यान,गैंग चेन·

26 बायोमेड फ़ार्माकोथेर। 2018 अगस्त;104:788-797। हाइड्रोजन गैस SMC3 को लक्षित करके फेफड़ों के कैंसर की प्रगति को रोकती है।डोंगचांग वांग'लिफ़ी वांग'यू झांग'युन्शिया झाओ,गैंग चेन

27 फ्रंट.ऑन्कोल., 06 अगस्त 2019 |https://doi.org/10.3389/fonc.2019.00696कैंसर के उपचार में हाइड्रोजन गैस। साई ली, रोंगरोंग लियाओ, ज़ियाओयान शेंग, ज़ियाओजुन लुओ, ज़िन झांग, ज़ियाओमिन वेन, जिन झोउ और कांग पेंग।

28 डोल एम, विल्सन एफआर, फ़िफ़ डब्ल्यूपी. हाइपरबेरिक हाइड्रोजन थेरेपी: कैंसर के लिए एक संभावित उपचार. विज्ञान. (1975) 190:152–4. doi: 10.1126/science.1166304

29 https://www.youtube.com/playlist?list.../www.youtube.com/watch?v=gyPuP9GMdIw

30 https://www.forbes.com/sites/startswithabang/2017/09/05/the-suns-energy-हाइड्रोजन को हीलियम में मिलाने से अधिकांशतः ऐसा नहीं होता/#241ce2b270f9

31 https://www.youtube.com/playlist?list.../www.youtube.com/watch?v=SrgQ65UsbZ0

32 PLoS One. 2017; 12(3): e0173645. हाइड्रोजन गैस PC12 कोशिकाओं में हाइड्रॉक्सिल रेडिकल के स्तर को कम करके ऑक्सीजन विषाक्तता को कम करती है

33 आणविक हाइड्रोजन चूहों में तनाव के प्रति लचीलापन बढ़ाता है। कियांग गाओ, हान सोंग, जिओ-टिंग वांग, यिंग लियांग, यान-जी शी, युआन गाओ, किंग-जून गुओ, टायलर लेबरन, यी-जिआओ लुओ, शुआंग-चेंग ली, शी यिन, हाई-शुई शि और यू-ज़िया मा वैज्ञानिक रिपोर्ट 7, लेख संख्या: 9625 (2017) doi:10.1038/ s41598-017-10362-6

34 चिकित्सा उपचार के रूप में हाइड्रोजन का नैदानिक अनुप्रयोग। एक्टा मेड। ओकायामा, 2016 खंड 70, संख्या 5, पृष्ठ 331-337। ओकायामा यूनिवर्सिटी मेडिकल स्कूल।

35 मस्तिष्क अनुसंधान.खंड 1328, 30 अप्रैल 2010, पृष्ठ 152-161

36 कर्र फ़ार्म डिज़ाइन. 2013 अक्टूबर; 19: 6375–6381. आणविक हाइड्रोजन: रुमेटी गठिया और संबंधित रोगों के लिए नया एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी थेरेपी

37 आणविक हाइड्रोजन के लाभकारी जैविक प्रभाव और अंतर्निहित तंत्र - 321 मूल लेखों की व्यापक समीक्षा - मेडिकल गैस रिसर्च20155:12

38 https://www.youtube.com/playlist?list.../www.gasworld.com/h2-inhalation-research-shows-promise-in-जापानी अस्पताल/2010537.लेख

39 तीव्र मस्तिष्क रोधगलन में हाइड्रोजन गैस अंतःश्वसन उपचार: सुरक्षा और तंत्रिकासंरक्षण पर एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक

अध्ययन।http://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S105230571730294X

40 वांग आर, वू जे, चेन जेड एट अल. इनहेल्ड हाइड्रोजन के साथ पोस्ट कंडीशनिंग रेटिनल इस्केमिया/रिपर्फ्यूजन इंजरी के चूहे मॉडल में रेटिनल गैंग्लियन कोशिकाओं के अस्तित्व को बढ़ावा देता है। ब्रेन रेस. 2016 फरवरी 1;1632:82-90.

41 चूहे के मॉडल में मोनोक्रोटलाइन-प्रेरित फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप पर हाइड्रोजन-समृद्ध खारा के सुरक्षात्मक प्रभाव श्वसन अनुसंधान। https://doi.org/10.1186/1465-9921-12-26

42 किशिमोटो वाई, काटो टी, इटो एम, अज़ुमा वाई, फुकासावा वाई, ओहनो के, एट अल। हाइड्रोजनचूहों में सूजनरोधी और एंटी-ऑक्सीडेटिव प्रभावों द्वारा फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप को कम करता है। जे थोरैक कार्डियोवास्क सर्जन। 2015;150:645-54.e3.

43 हाइड्रोजन गैस सहानुभूति तंत्रिका गतिविधि को बाधित करके और एंटीऑक्सीडेशन के माध्यम से वासोडिलेटर प्रतिक्रियाओं को बढ़ाकर क्रोनिक आंतरायिक हाइपोक्सिया प्रेरित उच्च रक्तचाप को कम करती है। 27 सितंबर 2018https://doi.org/10.1002/jcb.27684

44 फ्री रेडिकल बायोलॉजी एंड मेडिसिन। खंड 40, अंक 3, 1 फरवरी 2006,
पृष्ठ 398-406
वयस्कों की गहन देखभाल में ऑक्सीडेटिव तनाव की भूमिका

45 क्रिट केयर। 2006; 10(5): R146. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव एंटीऑक्सीडेंट विटामिन के सेवन के अनुसार बढ़ता है, गंभीरता से स्वतंत्र: एक कोहोर्ट अध्ययन

46 तीव्र चिकित्सा और शल्य चिकित्सा। आपातकालीन और गंभीर देखभाल चिकित्सा के लिए हाइड्रोजन गैस के साथ आशाजनक नवीन चिकित्सा
24 अक्टूबर 2017.http://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/ams2.320/full

47 हयाशिदा के, सानो एम, कामिमुरा एन एट अल. एच2 गैस हृदयाघात के बाद कार्यात्मक परिणाम को एक हद तक बेहतर बनाती है, जो कि चूहे के मॉडल में चिकित्सीय हाइपोथर्मिया के बराबर है। जे. एम. हार्ट एसोसिएशन. 2012; 1: ई003459.

48 तीव्र चिकित्सा और शल्य चिकित्सा। आपातकालीन और गंभीर देखभाल चिकित्सा के लिए हाइड्रोजन गैस के साथ आशाजनक नवीन चिकित्सा
24 अक्टूबर 2017.http://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/ams2.320/full

49 ऑफ-पंप कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग में पेरिऑपरेटिव कोरोनरी धमनी ऐंठन और पेरिऑपरेटिव हाइपोमैग्नेसीमिया के साथ इसका संभावित संबंध। एन थोरैक कार्डियोवास्क सर्जन। 2006 फरवरी;12(1):32-6।

50 https://pilotonline.com/news/local/health/article_7a3063e5-24cf-56c1- b25c-142731604196.html

51 ओहसावा आई, इशिकावा एम, ताकाहाशी के एट अल. हाइड्रोजन चुनिंदा रूप से साइटोटॉक्सिक ऑक्सीजन रेडिकल्स को कम करके एक चिकित्सीय एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करता है। नैट. मेड. 2007; 13: 688–94.

52 ऑक्सीडेटिव मेडिसिन और सेलुलर दीर्घायु। वॉल्यूम 2016 (2016), आणविकहाइड्रोजन थेरेपी सेप्सिस से होने वाली अंग क्षति को कम करती है

53 इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड माइक्रोबायोलॉजी। खंड 109, अंक 1-2, 25 मई 2006, पृष्ठ 160-163। नोरोवायरस सरोगेट, फेलिन कैलिसिवायरस के खिलाफ खाद्य संपर्क सतह पर सोडियम बाइकार्बोनेट की विषाणुनाशक प्रभावकारिता यशपाल एस. मलिक और सागर एम. गोयल। पशु चिकित्सा जनसंख्या चिकित्सा विभाग, पशु चिकित्सा महाविद्यालय, मिनेसोटा विश्वविद्यालय।

सोडियम बाइकार्बोनेट की विषाणुनाशक प्रभावकारिता तब बढ़ जाती है जब इसे एल्डीहाइड या हाइड्रोजन पेरोक्साइड के साथ संयोजन में उपयोग किया जाता है।

54 ग़रीब बी, हन्ना एस, अब्दुल्लाही ओएम, लेपिडी एच, गार्डेट बी, डी रेगी एम. आणविक हाइड्रोजन के सूजनरोधी गुण: परजीवी-प्रेरित यकृत सूजन पर जांच। सीआर एकेड साइंस III. 2001;324(8):719–24.

55 हाइड्रोजन, साइटोटोक्सिक ऑक्सीजन रेडिकल्स को चुनिंदा रूप से कम करके चिकित्सीय एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करता है।

ओहसावा आई, इशिकावा एम, ताकाहाशी के, वतनबे एम, निशिमाकी के, यामागाटा के, कत्सुरा के, कात्यामा वाई, असोह एस, ओह्टा एस नट मेड। 2007 जून; 13(6):688-94.

56 कैंसर लेट. 2012 दिसंबर 31; 327(0): 48–60. आयनीकरण विकिरण-प्रेरित चयापचय ऑक्सीडेटिव तनाव और लंबे समय तक कोशिका क्षति

57 इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सेल बायोलॉजी। खंड 2012 (2012), लेख आईडी 683897,16 पेज. विद्युतचुंबकीय क्षेत्र, ऑक्सीडेटिव तनाव और न्यूरोडीजनरेशन

58 इंटीग्रेट कैंसर थेर. 2004 दिसंबर;3(4):294-300. कीमोथेरेपी से जुड़ा ऑक्सीडेटिव तनाव: कीमोथेरेपीटिक प्रभावशीलता पर प्रभाव.

59 दवा चयापचय और ऑक्सीडेटिव तनाव: सेलुलर तंत्र और नई चिकित्सीय अंतर्दृष्टि
शर्मिष्ठा बनर्जी, ज्योतिर्मय घोष और परमेस सी सिल। आण्विक चिकित्सा प्रभाग

60 आणविक हाइड्रोजन एंडोथेलियल कोशिकाओं में सेलुलर सेनेसेंस को कम करता है। सर्कुलेशन जर्नल। सर्क जे 2016; 80: 2037–2046

61 रुझान बायोकैम विज्ञान.2002 जुलाई;27(7):339-44. ऑक्सीडेटिव तनाव टेलोमेरेस को छोटा कर देता है।

62 मेड गैस रेस. 2011 अक्टूबर 3;1(1):24. माइटोकॉन्ड्रियल और इन्फ्लेमेटरी मायोपैथी के लिए हाइड्रोजन-समृद्ध पानी का ओपन-लेबल ट्रायल और रैंडमाइज्ड, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित, क्रॉसओवर ट्रायल।

63 फार्माकोलॉजी और थेरेप्यूटिक्स। खंड 144, अंक 1, अक्टूबर 2014, पृष्ठ 1-11। निवारक और उपचारात्मक चिकित्सा गैस के रूप में आणविक हाइड्रोजन: हाइड्रोजन दवा की शुरुआत, विकास और क्षमता

64 ए. मंगेरिच, सी.जी. नटसन, एन.एम. पैरी, एस. मुथुपलानी, डब्ल्यू. ये, ई. प्रेस्टविच, एल. कुई, जे.एल. मैकफैलिन, एम. मोबली, जेड. जी.ई., के. टैगिजादेह, जे.एस. विशनोक, जी.एन. वोगन, जे.जी. फॉक्स, एस.आर. टैननबाम, पी.सी. डेडॉन। पीएनएएस प्लस: चूहों में संक्रमण से प्रेरित कोलाइटिस तनाव प्रतिक्रिया और डीएनए क्षति में गतिशील और ऊतक-विशिष्ट परिवर्तन का कारण बनता है जिससे कोलन कैंसर होता है। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की कार्यवाही, 2012; डीओआई:10.1073/ pnas.1207829109

65 http://www.psr.org/environment-and-health/confronting-toxics/heavy-धातु/

66 विषाक्त धातुएं और स्तन कैंसर;http://www.townsendletter.com/ अगस्तसितंबर2007/टॉक्सिकमेटलब्रेस्टकैंसर0807.htm

67 हाइड्रोजन गैस ज़ाइमोसन-प्रेरित सामान्यीकृत सूजन मॉडल में जीवित रहने की दर और अंग क्षति में सुधार करती है। ज़ी के, यू वाई, झांग जेड, लियू डब्ल्यू, पेई वाई, ज़ियोनग एल, होउ एल, वांग जी. शॉक। 2010 नवंबर; 34(5):495-501.

68 https://www.hindawi.com/journals/omcl/2015/248529/

69 मेड गैस रेस. 2013 जून 6;3(1):11. doi: 10.1186/2045-9912-3-11. आणविक हाइड्रोजन: द्विध्रुवी विकार और सिज़ोफ्रेनिया के लिए इसके न्यूरोबायोलॉजिकल प्रभावों और चिकित्सीय क्षमता का अवलोकन।

70 चेन सीएच, मैनेंको ए, ज़ान वाई, लियू डब्ल्यूडब्ल्यू, ओस्ट्रोकी आरपी, एट अल। (2010)हाइड्रोजन गैस ने तीव्र हाइपरग्लेसेमिया-बढ़ी हुई रक्तस्रावी को कम किया फोकल इस्केमिया चूहे मॉडल में परिवर्तन। न्यूरोसाइंस 169: 402-414।

71 सातो वाई, काजियामा एस, अमानो ए, कोंडो वाई, सासाकी टी, एट अल। (2008)हाइड्रोजन विटामिन से भरपूर शुद्ध पानी मस्तिष्क में सुपरऑक्साइड के निर्माण को रोकता है सी-डिप्लेटेड एसएमपी30/जीएनएल नॉकआउट चूहे। बायोकेम बायोफिज़ रेस कम्यून 375: 346-350.

72 नागाटा के, नकाशिमा-कामिमुरा एन, मिकामी टी, एट अल. (2009) आणविक हाइड्रोजन का सेवन चूहों में क्रोनिक शारीरिक संयम के दौरान हिप्पोकैम्पस-निर्भर सीखने के कार्यों में तनाव-प्रेरित हानि को रोकता है। न्यूरोसाइकोफार्माकोलॉजी 34: 501-508।

73 इटो एम. एट अल. हाइड्रोजन पानी पीने और बीच-बीच में हाइड्रोजन गैस के संपर्क में आने से, लेकिन लैक्टुलोज़ या लगातार हाइड्रोजन गैस के संपर्क में आने से नहीं, चूहों में 6-हाइड्रॉक्सीडोपामाइन-प्रेरित पार्किंसंस रोग को रोका जा सकता है। मेड गैस रिसर्च। 2012;2(1):15. doi: 10.1186/2045-9912-2-15. [पीएमसी निःशुल्क लेख]

74 झांग जे. एट अल. ग्लोबल सेरेब्रल इस्केमिया के बाद चूहों की जीवित रहने की दर पर हाइड्रोजन गैस का प्रभाव (शॉक 37(6), 645–652, 2012) शॉक। 2012;38(4):444. [PubMed]

75 मेड गैस रेस. 2018 जनवरी 22;7(4):247-255। डीओआई: 10.4103/2045-9912.222448। ईकलेक्शन 2017 अक्टूबर-दिसंबर।

दैनिक जीवन में मनोदशा, चिंता और स्वायत्त तंत्रिका कार्य में सुधार के लिए हाइड्रोजन युक्त पानी।

76 मोटापा (सिल्वर स्प्रिंग)।2011 जुलाई;19(7):1396-403। डीओआई: 10.1038/ओबी.2011.6.ईपब 2011 फ़रवरी 3.

77 न्यूट्रेस.2008 मार्च;28(3):137-43. doi: 10.1016/j.nutres.2008.01.008.

78 जे डायबिटीज इन्वेस्टिग. 2017 अप्रैल 8. doi: 10.1111/jdi.12674

79 www.docstoc.com/docs/24767241/Allergy-Effects-On-The-Pancreas-And-छोटी आंत/

80 अग्नाशयी नलिकाओं में उपकला कोशिकाएँ अग्नाशय द्वारा स्रावित बाइकार्बोनेट और पानी का स्रोत हैं। बाइकार्बोनेट एक क्षार है और पेट से छोटी आंत में आने वाले एसिड को बेअसर करने के लिए महत्वपूर्ण है। बाइकार्बोनेट स्राव के पीछे की क्रियाविधि मूलतः एसिड स्राव पैरिएटल कोशिकाओं के लिए समान है और यह एंजाइम कार्बोनिक एनहाइड्रेज़ पर निर्भर है। अग्नाशयी नलिका कोशिकाओं में, बाइकार्बोनेट नलिका के लुमेन में स्रावित होता है और इसलिए अग्नाशयी रस में।

81 *नया सुपरन्यूट्रीशन*, पासवाटर, रिचर्ड ए. पॉकेट बुक्स, एनवाई (मई 1991)।

82 ओहराज़ावा एच, इगाराशी टी, योकोटा टी, एट अल. हाइड्रोजन के तेजी से प्रसार द्वारा रेटिना की सुरक्षा: रेटिना इस्केमिया-रिपर्फ्यूजन चोट में हाइड्रोजन-लोडेड आई ड्रॉप्स का प्रशासन। इन्वेस्ट ऑप्थाल्मोल विजुअल साइंस। 2010;51:487-492।

83 http://www.mgwater.com/marxneut.shtml

84 http://www.fastmag.info/sci bkg.htm

85 *जर्नल ऑफ द अमेरिकन एकेडमी ऑफ नर्स प्रैक्टिशनर्स*दिसंबर 2009, खंड 21, अंक 12, पृष्ठ: 651-657 "कोरोनरी हृदय रोग या कोरोनरी हृदय रोग जोखिम वाले वयस्कों में मौखिक मैग्नीशियम अनुपूरण"

86 सेवर जेएल, किडवेल सी, एकस्टीन एम, स्टार्कमैन एस; फ़ास्ट-मैग पायलट परीक्षण जांचकर्ताओं के लिए। स्ट्रोक। 2004; 35: ई106–108।

87 http://cat.inist.fr/?aModele=afficheN&cpsidt=21648128

88 मुइर के.डब्लू. इस्केमिक स्ट्रोक में न्यूरोप्रोटेक्शन के लिए मैग्नीशियम: उपयोग के लिए तर्क और प्रभावशीलता के साक्ष्य। सी.एन.एस. ड्रग्स.2001; 15: 921–930.

89 पोस्टग्रेजुएट मेड जे 2002;78:641-645 doi:10.1136/pmj.78.925.641।

90 रेसनिक एल.एम., गुप्ता आर.के., ग्रुएनस्पैन एच., एल्डरमैन एम.एच., लाराघ जे.एच.: उच्च रक्तचाप और परिधीय इंसुलिन प्रतिरोध: अंतःकोशिकीय मुक्त मैग्नीशियम की संभावित मध्यस्थ भूमिका। अमेरिकन जर्नल ऑफ हाइपरटेंस 3:373–379, 1990[मेडलाइन]

91 मा जे, फॉल्सम एआर, मेलनिक एसएल, एकफेल्ड जेएच, शारेट एआर, नबुलसी एए, हचिंसन आरजी, मेटकाफ पीए: सीरम और आहार मैग्नीशियम का हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, इंसुलिन और कैरोटिड दीवार की मोटाई से संबंध: एआरआईसी अध्ययन। जे क्लिन एपिडेमियोल 48:927–940, 1985

92 रोसोलोवा एच, मेयर ओ जूनियर, रेवेन जीएम: अपेक्षाकृत कम प्लाज़्मा मैग्नीशियम सांद्रता वाले सामान्य विषयों में इंसुलिन-मध्यस्थ ग्लूकोज निपटान कम हो जाता है। मेटाबॉलिज्म 49:418–420, 2000[मेडलाइन]

93 मेड गैस रेस. 2019 जनवरी 9;8(4):144-149।https://www.molecularhydrogenstudies.com/पार्किंसंस रोग में हाइड्रोजन का साँस लेना/

94 http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmedhealth/PMH0001762/

95 http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/15885623

96 हाशिमोटो टी,निशि के,नागासाओ जे,त्सुजी एस,ओयानागी केरेस में.2008 मार्च 4;1197:143-51:

97 http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/1…ubmed RVDocSum

98 http://www.cannabis-med.org/english/bulletin/ww एन डीबी कैनबिस artikel.php?id=131#2

99 http://orthomoleculer.org/resources/omns/v05n01.shtml

100 क्लिनिकल टॉक्सिकोलॉजी, 2016; 54: 924-1109http://www.drug-education.info/दस्तावेज़/iatrogenic.pdf

101 http://vaccinepapers.org/vaccine-aluminum-travels-to-the-brain/

102 क्रिश्चियन साइंस मॉनिटर। 3 जून, 2005 - कैलिफोर्निया ने प्लास्टिक में रसायनों पर निशाना साधाhttp://www.csmonitor.com/2005/0603/p02s01-uspo.html

103 ईपीए जर्नल – मई 1985. लुईस, जैक.

104 https://www.nytimes.com/2009/09/28/health/policy/28vaccine.html

105 SOJ | माइक्रोबायोलॉजी और संक्रामक रोग। हाइड्रोजन मेडिसिन थेरेपी: इन्फ्लूएंजा और अन्य वायरल संक्रमण रोगों से प्रेरित मल्टीपल ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम (MODS) के लिए एक प्रभावी और आशाजनक नया उपचार?https://symbiosisonlinepublishing.com/microbiology- संक्रामक रोग/microbiology- संक्रामक रोग70.php

106 http://www.aap.org/advocacy/archives/mayautism.htmएक समाचार विज्ञप्ति जारीनीति वक्तव्य मई अंक में प्रकाशितबच्चों की दवा करने की विद्याअमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (एएपी) की समकक्ष समीक्षा वाली वैज्ञानिक पत्रिका।

107 खंड 114 संख्या 3 पृ. 793-804 (doi:10.1542/peds.2004-0434)

108 http://www.ewg.org/reports/autism/part1.php

109 कर्र मेड केम. 2005;12(10):1161-208. धातु, विषाक्तता और ऑक्सीडेटिव तनाव.

110 ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया - डेविस हेल्थ सिस्टम

111 आणविक हाइड्रोजन चूहों में तनाव के प्रति लचीलापन बढ़ाता है। कियांग गाओ, हान सोंग, जिओ-टिंग वांग, यिंग लियांग, यान-जी शी, युआन गाओ, किंग-जून गुओ, टायलर लेबरन, यी-जिआओ लुओ, शुआंग-चेंग ली, शी यिन, हाई-शुई शि और यू-ज़िया मा वैज्ञानिक रिपोर्ट 7, लेख संख्या: 9625 (2017) doi:10.1038/ s41598-017-10362-6

112 चिकित्सा उपचार के रूप में हाइड्रोजन का नैदानिक अनुप्रयोग। एक्टा मेड। ओकायामा, 2016 खंड 70, संख्या 5, पृष्ठ 331-337। ओकायामा यूनिवर्सिटी मेडिकल स्कूल।

113 मस्तिष्क अनुसंधान.खंड 1328, 30 अप्रैल 2010, पृष्ठ 152-161

114 हाइड्रोजन साइटोटॉक्सिक ऑक्सीजन रेडिकल्स इकुरोह ओहसावा1, मासाहिरो इशिकावा1, कुमिको ताकाहाशी1, मेगुमी वतनबे1,2, कियोमी निशिमाकी1, कुमी यामागाटा1, केन-इचिरो कात्सुरा2, यासुओ कात्यामा2, सदामित्सु असो1 और शिगियो ओहटा1 को चुनिंदा रूप से कम करके एक चिकित्सीय एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करता है।

115 जर्नल ऑफ टॉक्सिकोलॉजी एंड एनवायर्नमेंटल हेल्थ, भाग ए के खंड 70, अंक 12 (2007); "मौखिक एंटीबायोटिक्स सामान्य आंत वनस्पतियों (जो मिथाइलमर्करी को डीमेथिलेट करते हैं) की मात्रा को कम कर देंगे और यीस्ट और ई. कोली (जो अकार्बनिक पारा को मिथाइलेट करते हैं) की मात्रा को बढ़ा सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप पारे का उच्च अवशोषण और कम उत्सर्जन होता है।"

116 इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन रिपोर्ट स्प्रिंग 2004 के जवाब में नेशनल ऑटिस्टिक एसोसिएशन समाचार बुलेटिनhttp://www.nationalautismassociation.org

117 विलियम्स, वैलेरी. वैक्सीन परिरक्षक के प्रभाव ज्ञात हो सकते हैं।http://www.laleva.cc/choice/vaccine परिरक्षक.html

118 न्यूज़वीक पत्रिका, 31 जुलाई, 2000 और सामान्य जन्म में देखभाल: एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका - डब्ल्यूएचओ की "सुरक्षित मातृत्व" श्रृंखला

119 मिड वाइफ इन्फो। "नाभि की नाल को तुरंत कसने से शिशु को जन्म के समय मिलने वाली लाल रक्त कोशिकाओं में 50% से अधिक की कमी आ सकती है, जिसके परिणामस्वरूप संभावित अल्पकालिक और दीर्घकालिक नवजात समस्याएं हो सकती हैं।" 2001 की शरद ऋतु में रिपोर्ट किए गए एक अध्ययन में जूडिथ मर्सर, सीएनएम और उनके सहयोगियों ने यह निष्कर्ष निकाला।

जर्नल ऑफ मिडवाइफरी एंड वीमेन हेल्थ (मर्सर, 2001) में। "जन्म के समय गर्भनाल को जल्दी से जल्दी दबाना, बिना किसी पर्याप्त सबूत के विकसित की गई एक प्रथा है, जिससे नवजात शिशु के रक्त की मात्रा में 25% से 40% तक का अंतर होता है। इतना बड़ा बदलाव किसी के जीवन में गंभीर परिणामों, यहाँ तक कि मृत्यु के बिना कभी नहीं होता है। गर्भनाल को जल्दी से जल्दी दबाना एक सफल संक्रमण में बाधा डाल सकता है और कमज़ोर नवजात शिशुओं में हाइपोवोलेमिक और हाइपोक्सिक क्षति में योगदान दे सकता है" (मर्सर, 2002)।

http://www.midwifeinfo.com/feature-cordclamping.php

120 मॉर्ले, जॉर्ज एम. जन्म के समय गर्भनाल (ICC) को तुरंत दबाना, ऑटिज्म से संभावित संबंध? ICC का नियमित रूप से समय से पहले, ऑपरेशन और "जोखिम में" जन्मों के दौरान और "सामान्य" जन्मों के दौरान इस सिफारिश (4) के बाद तेजी से लागू किया जाता है कि चिकित्सा-कानूनी उद्देश्यों के लिए प्रसव के तुरंत बाद गर्भनाल के एक हिस्से को वापस ले लिया जाना चाहिए। ICC का तत्काल प्रभाव नवजात शिशु को प्लेसेंटल श्वसन और आधान से वंचित करना है, जिसके परिणामस्वरूप फेफड़े के काम करने तक पूर्ण श्वासावरोध होता है, और नवजात शिशु के प्राकृतिक रक्त की मात्रा में 30%-50% की कमी होती है; संयुक्त हाइपोक्सिया और हाइपोवोलेमिया / इस्केमिया तब हाइपोक्सिक इस्केमिक मस्तिष्क की चोट के लिए अनुकूल होता है। पूर्ण प्लेसेंटल ट्रांसफ्यूजन प्राप्त करने वाले नवजात शिशु में जीवन के पहले वर्ष के दौरान एनीमिया को रोकने के लिए पर्याप्त आयरन होता है(5), लेकिन आईसीसी के अधीन नवजात शिशु में रक्त की कमी बचपन में ही एनीमिया के रूप में स्पष्ट हो जाती है।(5) ग्रेड स्कूल के बच्चों में, एनीमिया सभी प्रकार के ऑटिस्टिक विकार (6) के साथ सहसंबंधित होता है और एनीमिया की डिग्री मानसिक कमी की डिग्री के साथ सहसंबंधित होती है;

(7) एनीमिया को ठीक करने से दोष ठीक नहीं होता। किनमंड एट अल. (8) ने दिखाया कि गुरुत्वाकर्षण सहायता प्राप्त प्लेसेंटल ट्रांसफ्यूजन के साथ विलंबित कॉर्ड क्लैम्पिंग ने समय से पहले जन्मे बच्चों में एनीमिया (रक्त आधान की आवश्यकता) को रोका। हैक एट अल. (9) ने कम वजन वाले शिशुओं में खराब उपलब्धि की उच्च घटना पाई। ऑटिज्म और जन्म संबंधी जटिलताओं के बीच संबंध को अन्य अध्ययनों द्वारा समर्थित किया गया है। हल्टमैन (10) ने सिजेरियन डिलीवरी, भ्रूण संकट के साथ डिलीवरी और सात से नीचे पांच मिनट के अपगर स्कोर में ऑटिज्म के जोखिम में काफी वृद्धि की रिपोर्ट की है। ये प्रसूति संबंधी स्थितियाँ ICC से संबंधित हैं।

121 इजराइल के एल.जी. भ्रूण और नवजात शिशु में विटामिन के की कमी पर अवलोकन: क्या प्रकृति ने कोई गलती की है? मेडिसिन विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा, मैनिटोबा इंस्टीट्यूट ऑफ सेल बायोलॉजी, विन्निपेग, कनाडा। सेमिन थ्रोम्ब हेमोस्ट 1995;21(4):357-63

122 http://www.sciencedaily.com/releases/2006/06/060618224104.htm

123 इशिबाशी टी, सातो बी, रिकिटेक एम, सेओ टी, कुरोकावा आर, हारा वाई, एट अल. आणविक हाइड्रोजन की उच्च सांद्रता वाले पानी का सेवन रुमेटीइड गठिया के रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव और रोग गतिविधि को कम करता है: एक ओपन-लेबल पायलट अध्ययन। मेड गैस रेस. 2012;2:27.

124 टेरावाकी एच, हयाशी वाई, झू डब्ल्यूजे, मात्सुयामा वाई, टेराडा टी, कबायामा एस, एट अलापेरिटोनियल डायलिसिस के लिए घुले हाइड्रोजन का ट्रांसपेरिटोनियल प्रशासन

रोगी: पेरिटोनियल गुहा में ऑक्सीडेटिव तनाव को दबाने के लिए एक नया दृष्टिकोण। मेड गैस रेस. 2013 जुलाई 1;3(1):14.

125 नाकायामा एम, नाकानो एच, हमादा एच, इटामी एन, नाकाज़ावा आर, इटो एस. जल इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा उत्पादित विघटित डाइहाइड्रोजन (H2) का उपयोग करके एक नया बायोएक्टिव हेमोडायलिसिस सिस्टम: एक नैदानिक परीक्षण। नेफ्रोल डायल ट्रांसप्लांट। 2010;25:3026-33।

126 "ख़राब कोलेस्ट्रॉल": एक मिथक और एक धोखा; एफ. बैटमैनघेलिड्ज, एमडी;http://www.watercure.com/sci मिथ.html

127 http://foodmatters.tv/articles-1/are-you-chronical-deहाइड्रेटेड

128 क्रोनिक पीठ दर्द की नई परिकल्पना: कम पीएच क्षतिग्रस्त इंटरवर्टेब्रल डिस्क में तंत्रिका अंतर्वृद्धि को बढ़ावा देता है सी. लिआंग एट अल;एक्टा एनेस्थेसियोलॉजिका स्कैंडिनेविकालेख पहली बार ऑनलाइन प्रकाशित: 7 मार्च 2012;http://ऑनलाइनलाइब्रेरी. wiley.com/journal/10.1111/(ISSN)1399-6576

129 http://scialert.net/abstract/?doi=ajava.2012.420.426

130 आइसबर्ग लेट्यूस 96%, स्क्वैश, पका हुआ। 90%, खरबूजा, कच्चा, 90%
2% दूध 89%, सेब, कच्चा 86%, पनीर 76%, आलू, बेक्ड 75% मैकरोनी, पका हुआ 66%, टर्की, भुना हुआ 62%, स्टेक, पका हुआ 50% पनीर, चेडर 37%, ब्रेड, सफेद 36%, मूंगफली, सूखा भुना हुआ 2%

131 http://www.diagnose-me.com/cond/C5223.html

132 http://www.watercure.com/

133 केजर ए, निग्गे यू, जॉर्गेनसन एच, वारबर्ग जे., "मानव में निर्जलीकरण-प्रेरित वैसोप्रेसिन स्राव: हिस्टामिनर्जिक प्रणाली की भागीदारी।" एम जे फिजियोल एंडोक्रिनोल मेटाब., 279.6 (2000): ई1305-10।

134 द *लैंसेट ऑन्कोलॉजी*, समाचार विज्ञप्ति, 8 मई, 2012

135 ई. तिली, जे.-जे. माइकल, डी. वर्निक, एच. एल्डर, एस. कॉस्टिनियन, एस. वोलिनिया, सीएम क्रोस। माइक्रोआरएनए-155 (एमआईआर-155) द्वारा प्रेरित उत्परिवर्ती गतिविधि सूजन और कैंसर को जोड़ती है। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की कार्यवाही, 2011; 108 (12): 4908 डीओआई:10.1073/पीएनएएस.1101795108

136 पॉवर्स एस.के., जैक्सन एम.जे. व्यायाम से प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव: सेलुलर तंत्र और प्रभाव

137 ओस्टोजिक एस.एम. स्वस्थ पुरुषों में सीरम क्षारीकरण और हाइड्रोजन युक्त पानी। मेयो क्लिन प्रोक 2012; 87: 501–502

138 पायलट अध्ययन: हाइड्रोजन युक्त पानी पीने से उच्च श्रेणी के एथलीटों में तीव्र व्यायाम के कारण होने वाली मांसपेशियों की थकान पर प्रभावकोसुके आओकी,अत्सुनोरी नाकाओ,ताकाको अदाची,1यासुशी मात्सुई, औरशम्पेई मियाकावा

139 https://repositorio-aberto.up.pt/bitstream/10216/21741/2/39412.pdf

140 मेड गैस रेस. 2012; 2: 12. पायलट अध्ययन: उच्च श्रेणी के एथलीटों में तीव्र व्यायाम के कारण मांसपेशियों की थकान पर हाइड्रोजन युक्त पानी पीने के प्रभावकोसुके आओकी,अत्सुनोरी नाकाओ,ताकाको अदाची,यासुशी मात्सुई, औरशम्पेई मियाकावा

141 इंट जे स्पोर्ट्स मेड 2015; खेल चिकित्सा में आणविक हाइड्रोजन: नए चिकित्सीय दृष्टिकोण

142 https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/22520831

143 http://www.sbrate.com.br/pdf/artigos/atualizacao लेसोएस मस्कुलर.पीडीएफ

144 http://www.tandfonline.com/doi/abs/10.3810/pgm.2014.09.2813

145 चूहे के हेपेटोमा एएस-30डी कोशिकाओं में भारी धातु विषाक्तता में माइटोकॉन्ड्रिया एक महत्वपूर्ण लक्ष्य के रूप में;बेल्याएवा ई.ए.,डिमकोवस्का डी,विएकोव्स्की एम.आर.,वोय्त्साक एल.j; टॉक्सिकोल एप्पल फार्माकोल. 2008 अगस्त 15;231(1):34-42. ईपब 2008 अप्रैल 7.PubMed

146 गैर-गर्भवती, गर्भवती और नवजात चूहों के गुर्दे में मेटालोथियोनीन और ग्लूटाथियोन एस-ट्रांसफरेज जीन अभिव्यक्ति पर पारा वाष्प के संपर्क का प्रभाव;ब्रम्बिला ई,लियू जे,मॉर्गन डीएल,बेलील्स आरपी,वाल्केस एमपी; जेटॉक्सिकोल एनवायरन हेल्थ ए.2002 सितम्बर 13;65(17):1273-88.PubMed –

147 मुक्त कणों का धातु-मध्यस्थ गठन डीएनए बेस में विभिन्न संशोधनों, बढ़े हुए लिपिड पेरोक्सीडेशन और परिवर्तित कैल्शियम और सल्फहाइड्रिल होमियोस्टेसिस का कारण बनता है;PubMed

148 ऑक्सीडेटिव तनाव-प्रेरित कैंसर में मुक्त कण, धातु और एंटीऑक्सीडेंट।वल्को एम,रोड्स सी.जे.,मोनकोल जे,इज़ाकोविक एम,मज़ूर एम.;केम बायोल इंटरैक्ट.2006 मार्च 10;160(1):1-40. ईपब 2006 जनवरी 23.;पबमेड

149 एपोप्टोसिस के विकार कुछ सबसे दुर्बल करने वाले रोगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैंधातु-प्रेरित विकार जिनमें हेपेटोटॉक्सिसिटी, रीनल टॉक्सिसिटी, न्यूरोटॉक्सिसिटी, ऑटोइम्यूनिटी और कार्सिनोजेनेसिस शामिल हैं। धातु और एपोप्टोसिस: हाल के घटनाक्रम।राणा एस.वी..जे ट्रेस एलिमेंट मेड बायोल. 2008;22(4):262-84. ईपब 2008 अक्टूबर 10;PubMed

150 ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर - गुरु, 01/22/2009 - 16:05http://www.diabetesincontrol.com/results.php?storyarticle=6461

151 1947 में, ब्रिटिश सेना ने पानी के नीचे किए गए शोध के परिणामस्वरूप पाया कि ऑक्सीजन विषाक्त हो सकती है (ऑक्सीजन विषाक्तता)। ऑक्सीजन विषाक्तता एक ऐसी स्थिति है जो आंशिक दबाव में आणविक ऑक्सीजन को सांस लेने के हानिकारक प्रभावों से उत्पन्न होती है। इसे ऑक्सीजन विषाक्तता सिंड्रोम, ऑक्सीजन नशा और ऑक्सीजन विषाक्तता के रूप में भी जाना जाता है। गंभीर मामलों में कोशिका क्षति और मृत्यु हो सकती है, जिसका प्रभाव अक्सर केंद्रीय तंत्रिका तंत्र, फेफड़ों और आंखों में देखा जाता है।

152 https://www.youtube.com/playlist?list.../www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/17656037

153 ट्यूमर माइक्रोएनवायरनमेंट द्वारा उत्पन्न अम्लता स्थानीय आक्रमण को प्रेरित करती है; वेरोनिका एस्ट्रेला, टिंगन चेन, मार्क लॉयड, एट अल; कैंसर रिसर्च ऑनलाइन प्रकाशित पहली जनवरी 3, 2013; doi:10.1158/0008-5472.CAN-12-2796

154 कैंसर से संबंधित सूजन, कैंसर की सातवीं पहचान: आनुवंशिकता से संबंधअस्थिरता;फ्रांसेस्को कोलोट्टा1एट अल; कार्सिनोजेनेसिस खंड 30 नंबर 7 पीपी.1073-1081, 2009; नर्वियानो मेडिकल साइंसेज, नर्वियानो, 20014 नर्वियानो, मिलान, आई;http://carcin.oxfordjournals.org/content/30/7/1073.full.pdf

155 यूटी साउथवेस्टर्न मेडिकल सेंटर। "ऑक्सीजन - जो अधिकांश जीवन के लिए महत्वपूर्ण है - विकिरण चिकित्सा के साथ संयुक्त होने पर कई कैंसर ट्यूमर को धीमा कर देती है।"

साइंसडेली. साइंसडेली, 23 जुलाई 2013. <www.sciencedaily.com/रिलीज़/2013/07/130723154959.htm>.

156 एस. थॉमस, एम. हार्डिंग, एससी स्मिथ, जेबी ओवरडेवेस्ट, एमडी निट्ज़, एचएफ फ्रीरसन, एसए टॉमलिन्स, जी. क्रिस्टियनसेन, डी. थियोडोरस्कु। सीडी24 एचआईएफ-1 संचालित प्राथमिक ट्यूमर वृद्धि और मेटास्टेसिस का एक प्रभावकारक है। कैंसर रिसर्च, 2012; डीओआई:10.1158/0008-5472.CAN-11-3666;http://www.sciencedaily.com/ रिलीज़/2012/09/120913123516.htm

157 कैस्पर मा रौशोप, ट्वान वान डेन बेकन, लुडविग डुबॉइस, हनेके नीसेन, जोहान बुसिंक, किम सेवेलकौल्स, टॉम केउलर्स, हिल्डा मुजिक, विली लैंडुयट, जान विलेम वॉनकेन, फिलिप लेम्बिन, अल्बर्ट जे. वान डेर कोगेल, मैरिएन कोरिट्ज़िंस्की, और ब्रैडली जी. वाउटर्स। प्रकट प्रोटीन प्रतिक्रिया ऑटोफैगी जीन MAP1LC3B और ATG5 के विनियमन के माध्यम से हाइपोक्सिया के दौरान मानव ट्यूमर कोशिकाओं की रक्षा करती है। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन, 2009; डीओआई:10.1172/जेसीआई40027

158 मारिया गैलुज़ो, सेल्मा पेनाचियेटी, स्टेफ़निया रोसानो, पाओलो एम. कोमोग्लियो और पाओलो मिचिएली। मानव ट्यूमर कोशिकाओं में मायोग्लोबिन अभिव्यक्ति द्वारा हाइपोक्सिया की रोकथाम भेदभाव को बढ़ावा देती है और मेटास्टेसिस को रोकती है। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन, 2009; DOI:10.1172/जेसीआई36579

159 बर्नहैम इंस्टीट्यूट. (2009, 9 अगस्त). यह पता लगाना कि कोशिकाएं निम्न तापमान पर कैसे प्रतिक्रिया करती हैंऑक्सीजन. साइंसडेली. 7 फरवरी 2014 को पुनःप्राप्तwww.sciencedaily.com/releases/2009/08/090805164915.htm

160 तनाव प्रभावों का मापन और मुकाबला (लेखक का अनुवाद);वॉन आर्डेन एम.;जेडएफए.1981;36(6):473-87;http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/7336784

161 गंभीर देखभाल में फुफ्फुसीय चिकित्सक सी 2: गंभीर रूप से बीमार लोगों में ऑक्सीजन की आपूर्ति और खपत, आरएम लीच, डीएफ ट्रेचर। https://www.ucl.ac.uk/anaesthesia/StudentsandTrainees/OxygenDeliveryConsumption.pdf

162 https://www.ucl.ac.uk/anaesthesia/StudentsandTrainees/OxygenDeliveryउपभोग.pdf

163 जे. रेडिएट. रेस., 52, 545–556 (2011) हम ट्यूमर हाइपोक्सिया पर कैसे काबू पा सकते हैंविकिरण चिकित्सा में?

164 माइक्रोवैस्कुलचर में ऑक्सीजन डिलीवरी पर प्रारंभिक सेप्सिस का प्रभाव। क्रिटिकल केयर20059 (सप्ल 1): पी75

165 चूहे में आयरन की जैव उपलब्धता और ऊतक वितरण पर मैग्नीशियम की कमी का प्रभाव। जर्नल ऑफ न्यूट्रिशनल बायोकैमिस्ट्री, खंड 11, अंक 2, पृष्ठ 103-108

166 http://bloodjournal.hematologylibrary.org/cgi/reprint/44/4/583.pdf

167 http://www.jbc.org/cgi/reprint/122/3/693.pdf

168 http://www.agclassroom.org/teen/ars_पीडीएफ/फ़ैमिली/2004/05लैक_ऊर्जा.pdf

169 टेरविलिगर और ब्राउन, 1993; टेकेनहिको और वेबर; वुड और डाल्गलिश, 1973

170 http://bloodjournal.hematologylibrary.org/cgi/reprint/44/4/583.pdf

171 एन इंटर्न मेड. 1971; 74 (4):632-633.

172 इंट जे हाइपरथर्मिया। 2010; 26(3): 232–246। हाइपोक्सिया-संचालित प्रतिरक्षा दमन: कैंसर के उपचार में थर्मल थेरेपी का उपयोग करने का एक नया कारण?

173 https://www.ucl.ac.uk/anaesthesia/StudentsandTrainees/OxygenDelivery उपभोग.pdf

174 अलेक्जेंडर न्यू; इमर्ज मेड जे. फ़रवरी 2006; 23(2): 144-146.;doi:10.1136/emj.2005.027458'http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC2564043/

175 http://en.wikipedia.org/wiki/लैक्टिक एसिडोसिस

176 ब्रेवर, ए. कीथ पीएचडी, कैंसर, इसकी प्रकृति और एक प्रस्तावित उपचार, 1997; ब्रेवर साइंस लाइब्रेरी;http://www.mwt.net/~drbrewer/brew art.htm

177 ऊतकों की ऑक्सीजन खपत पर पीएच का प्रभाव।
हंटिंगटन मेमोरियल अस्पताल हार्वर्ड विश्वविद्यालय। (प्रकाशन हेतु प्राप्त, 15 मई, 1925.)

178 अंडरसी हाइपरब मेड. 2010 जनवरी-फरवरी;37(1):49-50. हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी के दौरान अचानक मृत्यु: दुर्लभ लेकिन ऐसा हो सकता है। https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/20369652#

179 http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/10520649]

180 हेंडरसन, वाई. कार्बन डाइऑक्साइड. मेडिसिन के विश्वकोश में लेख. 1940

181 गंभीर बीमारी के दौरान हाइपोक्सिया के इम्यूनोलॉजिकल परिणाम। हार्मके डी. कीर्स, एमडी; गर्ट-जान शेफ़र, एमडी, पीएच.डी.; जोहान्स जी वैन डेर होवेन, एमडी, पीएच.डी.; होल्गर के. एल्त्ज़स्चिग, एमडी, पीएच.डी.; पीटर पिकर्स, एमडी,
पीएच.डी.http://anesthesiology.pubs.asahq.org/article.aspx?articleid=2524652

182 इंट जे हाइपरथर्मिया। 2010; 26(3): 232–246. हाइपोक्सिया-संचालित इम्यूनोसप्रेशन: कैंसर के उपचार में थर्मल थेरेपी का उपयोग करने का एक नया कारण?

183 फ्रंट. एंडोक्रिनॉल., 23 अक्टूबर 2017 |https://doi.org/10.3389/fendo.2017.00279.गैर-कैंसरकारी वॉरबर्ग प्रभाव के उभरते पहलू

184 http://www.medicalnewstoday.com/articles/159225.php

185 बीएमजे. 19987 नवंबर; 317(7168): 1302–1306

186 इज़व अकाड नौक सेर बायोल। 1997 मार्च-अप्रैल;(2):204-17.कार्बन डाइऑक्साइड–ए कोशिकाओं द्वारा सक्रिय ऑक्सीजन रूपों की पीढ़ी का सार्वभौमिक अवरोधक (विकास की एक पहेली को सुलझाना)रूसी भाषा में लेख

187 जे सेल मोल मेड. 2011 जून; 15(6): 1239–1253. मानव ऊतकों का आंशिक ऑक्सीजन दबाव एक महत्वपूर्ण पैरामीटर क्यों है? छोटे अणु और हाइपोक्सिया

188 उक्त

189 तीव्र नॉर्मोबारिक हाइपोक्सिया एरिथ्रोपोइटिन रिलीज को उत्तेजित करता है।
मैकेंज़ी आरडब्ल्यू1, वाट पीडब्ल्यू, मैक्सवेल एनएस.;हाई ऑल्ट मेड बायोल.; 2008 वसंत; 9(1):28-37. डीओआई: 10.1089/हैम.2008.1043;http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/18331218

190 इंट जे हाइपरथर्मिया। 2010; 26(3): 232–246. हाइपोक्सिया-संचालित इम्यूनोसप्रेशन: कैंसर के उपचार में थर्मल थेरेपी का उपयोग करने का एक नया कारण?

191 http://raypeat.com/articles/ageing/alstitution-mortality.shtml

192 निकोटिनामाइड एडेनिन डाइन्यूक्लियोटाइड, जिसे संक्षेप में NAD+ कहा जाता है, एक हैकोएंजाइम सभी जीवित कोशिकाओं में पाया जाता है। यह यौगिक एक डाइन्यूक्लियोटाइड है, क्योंकि इसमें दो न्यूक्लियोटाइड होते हैं जो अपने फॉस्फेट समूहों के माध्यम से जुड़े होते हैं। एक न्यूक्लियोटाइड में एडेनिन बेस होता है और दूसरे मेंनिकोटिनामाइडचयापचय में, NAD+ शामिल हैरिडॉक्सप्रतिक्रियाएँ, एक प्रतिक्रिया से दूसरी प्रतिक्रिया में इलेक्ट्रॉन ले जाना। इसलिए, कोएंजाइम कोशिकाओं में दो रूपों में पाया जाता है: NAD+ एक ऑक्सीकरण एजेंट है - यह अन्य अणुओं से इलेक्ट्रॉनों को स्वीकार करता है और कम हो जाता है। यह प्रतिक्रिया NADH बनाती है, जिसे फिर इलेक्ट्रॉनों को दान करने के लिए एक कम करने वाले एजेंट के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

193 http://www.rsc.org/Education/Teachers/Resources/cfb/transport.htm

194 http://drsircus.com/world-news/climate/co2#_edn5

195 CO2 फुटबाथ थेरेपी;http://www.co2bath.com/top.htm

196 टेनेसी विश्वविद्यालय; हाइपरबेरिक ऑक्सीजन;http://www.utcomchatt.org/subpage.php?pageId=838

197 तीव्र नॉर्मोबारिक हाइपोक्सिया एरिथ्रोपोइटिन रिलीज को उत्तेजित करता है। मैकेंज़ी आरडब्ल्यू1, वाट पीडब्लू, मैक्सवेल एनएस.;हाई ऑल्ट मेड बायोल.; 2008 वसंत; 9(1):28-37. डीओआई: 10.1089/हैम.2008.1043;http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/18331218

198 अर्क ब्रास कार्डियोल. 2009 जून;92(6):423-9, 440-7, 457-63. मधुमेह के साथ इस्केमिक हृदय रोग में हृदय गति परिवर्तनशीलता पर डायाफ्रामिक श्वास का प्रभाव.

199 ब्रिटिश जर्नल ऑफ कैंसर (2012) 106, 241–242. doi:10.1038/bjc.2011.576www.bjcancer.com. आयाम-संग्राहक विद्युत चुम्बकीय क्षेत्रों के साथ कैंसर का इलाज: एक संभावित प्रतिमान बदलाव, फिर से?

200 क्लीनिक (साओ पाउलो)। 2011;66(7):1237-45। 2.45-गीगाहर्ट्ज माइक्रोवेव क्षेत्र के संपर्क में आने वाले नर विस्टार चूहों के प्रजनन पैटर्न पर स्पंदित विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र का चिकित्सीय प्रभाव। कुमार एस1, केसरी केके, बिहारी जे. द न्यू सुपरन्यूट्रिशन, पासवाटर, रिचर्ड ए. पॉकेट बुक्स, एनवाई (मई 1991)।

ओहराज़ावा एच, इगाराशी टी, योकोटा टी, एट अल. हाइड्रोजन के तेजी से प्रसार द्वारा रेटिना की सुरक्षा: रेटिना इस्केमिया-रिपर्फ्यूजन चोट में हाइड्रोजन-लोडेड आई ड्रॉप्स का प्रशासन। इन्वेस्ट ऑप्थाल्मोल विजुअल साइंस। 2010;51:487-492।

http://www.mgwater.com/marxneut.shtml

http://www.fastmag.info/sci bkg.htएम

*जर्नल ऑफ द अमेरिकन एकेडमी ऑफ नर्स प्रैक्टिशनर्स*दिसंबर 2009, खंड 21, अंक 12, पृष्ठ: 651-657 "कोरोनरी हृदय रोग या कोरोनरी हृदय रोग जोखिम वाले वयस्कों में मौखिक मैग्नीशियम अनुपूरण"

सेवर जेएल, किडवेल सी, एकस्टीन एम, स्टार्कमैन एस; फास्ट-मैग पायलट परीक्षण के लिएजांचकर्ता। स्ट्रोक। 2004; 35: ई106–108।

http://cat.inist.fr/?aModele=afficheN&cpsidt=21648128

मुइर के.डब्लू. इस्केमिक स्ट्रोक में न्यूरोप्रोटेक्शन के लिए मैग्नीशियम: उपयोग के लिए तर्क और प्रभावशीलता के साक्ष्य। सी.एन.एस. ड्रग्स.2001; 15: 921–930.

पोस्टग्रेजुएट मेड जे 2002;78:641-645 doi:10.1136/pmj.78.925.641।

मेड गैस रेस. 2019 जनवरी 9;8(4):144-149.https://www.molecularhydrogenstudies.com/inhalation-of-hydrogen-in-parkinsons-diसेएएसई/

http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmedhealth/PMH0001762/

http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/15885623

हाशीएमओटी तक, एनहैहाय के, एनआगासएओ जे, टीरजी एस, ओयानागी कीएन रेस.2008 मार्च 4;1197:143-51:

http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/1…ubmed आर.वी.करनासीसम

http://www.cannabis-med.org/english/bulletin/ww एन डीबी कैनबिस artikel.php?आईडी=131#2

रेसनिक एल.एम., गुप्ता आर.के., ग्रुएनस्पैन एच., एल्डरमैन एम.एच., लाराघ जे.एच.: उच्च रक्तचाप और परिधीय इंसुलिन प्रतिरोध: अंतःकोशिकीय मुक्त मैग्नीशियम की संभावित मध्यस्थ भूमिका। अमेरिकन जर्नल ऑफ हाइपरटेंस 3:373–379, 1990[मेडलाइन]

मा जे, फॉल्सम एआर, मेलनिक एसएल, एकफेल्ड जेएच, शारेट एआर, नबुलसी एए, हचिंसन आरजी, मेटकाफ पीए: सीरम और आहार मैग्नीशियम का हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, इंसुलिन और कैरोटिड दीवार की मोटाई से संबंध: एआरआईसी अध्ययन। जे क्लिन एपिडेमियोल 48:927–940, 1985

रोसोलोवा एच, मेयर ओ जूनियर, रेवेन जीएम: अपेक्षाकृत कम प्लाज़्मा मैग्नीशियम सांद्रता वाले सामान्य विषयों में इंसुलिन-मध्यस्थ ग्लूकोज निपटान कम हो जाता है। मेटाबॉलिज्म 49:418–420, 2000[मेडलाइन]